| Documentnr | Datum | Tijd | Soort | Onderwerp | Beoordeling | Woo | Afzender | Ontvanger |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 6-5-2020 | 18:07 | E-mail | Terugkoppeling coalitieoverleg mest | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 2 | 7-4-2021 | 13:23 | E-mail | FW mestbeleid 7de AP | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 2.a | 25-5-2021 | 14:49 | Bijlage | DOMUS-21138376-Stand van zaken overleg Europese Commissie over derogatie en 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn | Deels openbaar | | | |
| 3 | 1-9-2021 | 14:09 | E-mail | Opmerkingen minister bij 7e AP | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 3.a | 1-9-2021 | 14:09 | Bijlage | Bijlage 21165197 | Openbaar | | | |
| 3.b | 1-9-2021 | 14:09 | Bijlage | Scan_20210901_135502_MFP-1341_[x] | Deels openbaar | | | |
| 3.c | 1-9-2021 | 14:09 | Bijlage | Scan_20210901_135509_MFP-1341_[x] | Openbaar | | | |
| 4 | 1-9-2021 | 19:10 | E-mail | RE Opmerkingen minister bij 7e AP | Deels openbaar | 5.1.2.i | LNV | LNV |
| 5 | 10-11-2021 | 11:04 | E-mail | The draft 7th Nitrate Action Programme - The Netherlands - Ares(2021)5864022 | Deels openbaar | | LNV | Ec |
| 5.a | 10-11-2021 | 11:04 | Bijlage | Re draft 7th Nitrate Action Program the Netherlands | Deels openbaar | | | |
| 6 | 10-11-2021 | 11:46 | E-mail | RE The draft 7th Nitrate Action Programme - The Netherlands - Ares(2021)5864022 | Deels openbaar | | LNV | Ec |
| 7 | 17-11-2021 | 17:33 | E-mail | Additional info 7th AP | Deels openbaar | | LNV | Ec |
| 7.a | 17-11-2021 | 17:33 | Bijlage | Table 1 Changes 7th AP NLs | Openbaar | | | |
| 7.b | 17-11-2021 | 17:33 | Bijlage | Addendum bij PlanMER(15102021) | Deels openbaar | | | |
| 8 | 22-11-2021 | 10:57 | E-mail | Aanbiedingsformulier MR 7e APN | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 8.a | 22-11-2021 | 10:57 | Bijlage | DOMUS-21291966-v1-Bijlage_1_AanbiedingsFormulierMinisterraad_financien_7e_AP_IenW_v1 | Deels openbaar | | | |
| 9 | 23-11-2021 | 10:42 | E-mail | Gesprek maandag 2911 16.45-17.00u | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 10 | 25-11-2021 | 15:02 | E-mail | Annotatie MR - 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 10.a | 25-11-2021 | 15:02 | Bijlage | Aangepaste annotatie _ WH | Deels openbaar | | | |
| 10.b | 25-11-2021 | 15:02 | Bijlage | Aangepaste annotatie _ WH | Deels openbaar | | | |
| 11 | 25-11-2021 | 15:58 | E-mail | RE Annotatie MR - 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 12 | 26-11-2021 | 10:52 | E-mail | RE Bullits coalitie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 13 | 28-11-2021 | 22:34 | E-mail | Re Request for telephone call minister Carola Schouten | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 14 | 3-12-2021 | 15:21 | E-mail | Re Stavaza Brussel 7e AP derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 15 | 3-12-2021 | 20:08 | E-mail | Fwd Advies volgende stap 7e AP DGA - M | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 15.a | 3-12-2021 | 20:08 | Bijlage | Kopie van Advies MLNV derogatie Nitraatrichtlijn | Openbaar | | | |
| 16 | 18-1-2022 | 23:11 | E-mail | Opmerkingen beide bewindspersonen MNenS en MLNV | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 16.a | 18-1-2022 | 23:11 | Bijlage | Voortgang derogatie en 7e AP _ opmerkingen M | Deels openbaar | | | |
| 17 | 18-1-2022 | 23:51 | E-mail | RE Opmerkingen beide bewindspersonen MNenS en MLNV | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 17.a | 18-1-2022 | 23:51 | Bijlage | Voortgang derogatie en 7e AP _ opmerkingen M - verwerkt | Deels openbaar | | | |
| 18 | 19-1-2022 | 11:09 | E-mail | RE Laatste versie! | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 19 | 19-1-2022 | 14:03 | E-mail | Aangepaste brief over derogatie. | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 19.a | 19-1-2022 | 14:03 | Bijlage | Kamerbrief derogatie_schoon | Deels openbaar | | | |
| 19.b | 19-1-2022 | 14:03 | Bijlage | Kamerbrief derogatie_tracks | Deels openbaar | | | |
| 20 | 19-1-2022 | 18:35 | E-mail | Kamerbrief derogatie akkoord, verzending 10.00u | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 20.a | 19-1-2022 | 18:35 | Bijlage | Kamerbrief derogatie_schoon_LE | Deels openbaar | | | |
| 21 | 3-2-2022 | 14:01 | E-mail | Suggestie MNenS | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 21.a | 3-2-2022 | 14:01 | Bijlage | Scan_20220203_132629_MFP-1341_ | Deels openbaar | | | |
| 22 | 24-2-2022 | 9:54 | E-mail | RE Telefonisch overleg tussen minister en EU Commissaris | Deels openbaar | | LNV | BUZA |
| 23 | 25-2-2022 | 17:34 | E-mail | Stukken derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 23.a | 25-2-2022 | 17:34 | Bijlage | 22073076_TK | Openbaar | | | |
| 23.b | 25-2-2022 | 17:34 | Bijlage | 22078120_EK | Deels openbaar | | | |
| 23.c | 25-2-2022 | 17:34 | Bijlage | 22073076.bijlage | Openbaar | | | |
| 23.d | 25-2-2022 | 17:34 | Bijlage | 22078120.bijlage. | Openbaar - Identiek aan document-nummer 23.c. Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten. | | | |
| 24 | 31-3-2022 | 12:06 | E-mail | overleg derogatie wordt verzet naar vrijdag 14 09.15 uur, | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 25 | 31-3-2022 | 19:04 | E-mail | nieuw tijdstip overleg derogatie vr 14 10.00 uur wordt 08.45 uur | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 26 | 8-4-2022 | 11:19 | E-mail | Antw voorstel memo coalitieoverleg vervolg derogatie - tas 12u | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 27 | 8-4-2022 | 11:50 | E-mail | Memo coalitieoverleg derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 27.a | 8-4-2022 | 11:50 | Bijlage | Memo vervolg derogatie | Openbaar | | | |
| 28 | 8-4-2022 | 12:53 | E-mail | oefenbrief | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 28.a | 8-4-2022 | 12:53 | Bijlage | DOMUS-22154134-v1-DOMUS-22141697-v5-Aanvraag_Derogatie_RENURE v2 | Deels openbaar | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 29 | 11-4-2022 | 18:17 | E-mail | stand van zaken derogatie en beantwoording vragen | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 29.a | 11-4-2022 | 18:17 | Bijlage | DOMUS-22154134-v1-DOMUS-22141697-v5-Aanvraag_Derogatie_RENURE v3 | Deels openbaar | | | |
| 29.b | 11-4-2022 | 18:17 | Bijlage | 220404 Aanvullende informatie naar aanleiding van bespreking | Deels openbaar | | | |
| 29.c | 11-4-2022 | 18:17 | Bijlage | TA-9-2022-0110_NL (1) | Openbaar | | | |
| 30 | 12-4-2022 | 7:38 | E-mail | Antw Memo coalitieoverleg derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 31 | 14-4-2022 | 10:24 | E-mail | Aangepaste memo derogatie tbv coalitieoverleg en oefenbrief | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 31.a | 14-4-2022 | 10:24 | Bijlage | 220413 Oefenbrief | Openbaar | | | |
| 31.b | 14-4-2022 | 10:24 | Bijlage | 220414 Memo vervolg derogatie ztt v1 | Openbaar | | | |
| 31.c | 14-4-2022 | 10:24 | Bijlage | 220414 Memo vervolg derogatie tt v1 | Openbaar | | | |
| 32 | 15-4-2022 | 15:40 | E-mail | RE Antw TER AKKOORD Memo vervolg derogatie | Deels openbaar | | VWS | LNV |
| 32.a | 15-4-2022 | 15:40 | Bijlage | 220413 Oefenbrief | Openbaar | | | |
| 32.b | 15-4-2022 | 15:40 | Bijlage | 220414 Memo vervolg derogatie ztt v3 | Openbaar | | | |
| 33 | 27-4-2022 | 0:16 | E-mail | Derogation request | Deels openbaar | | VWS | Ec |
| 33.a | 27-4-2022 | 0:16 | Bijlage | Aanvraag Derogatie RENURE | Deels openbaar | | | |
| 33.b | 27-4-2022 | 0:16 | Bijlage | DOMUS-22189100-v1-Bijlage_Verzoek_tot_landen_specifieke_oplossing_RENURE_NL | Openbaar | | | |
| 34 | 27-4-2022 | 0:17 | E-mail | FW Derogation request. | Deels openbaar | | VWS | LNV |
| 34.a | 27-4-2022 | 0:17 | Bijlage | Aanvraag Derogatie RENURE. | Identiek aan document-nummer 33.a Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten. | | | |
| 34.b | 27-4-2022 | 0:17 | Bijlage | DOMUS-22189100-v1-Bijlage_Verzoek . | Identiek aan document-nummer 33.c. Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten | | | |
| 35 | 29-4-2022 | 13:43 | E-mail | Antw update ENVI | Deels openbaar | | LNV | VWS |
| 36 | 29-4-2022 | 16:05 | E-mail | Follow up additional info | Deels openbaar | | VWS | Ec |
| 36.a | 29-4-2022 | 16:05 | Bijlage | 220429 Aanvullende informatie naar aanleiding van bespreking | Openbaar | | | |
| 37 | 20-5-2022 | 14:42 | E-mail | RE Oplegnotitie BWO 25 mei en bespreeknotitie ADC Brussel (deadline vrijdag 10.00 uur) | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 38 | 25-5-2022 | 16:49 | E-mail | Overleg derogatie met MLNVMNenS - presentatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 38.a | 25-5-2022 | 16:49 | Bijlage | ENVI derogatie v1 | Openbaar | | | |
| 39 | 21-6-2022 | 11:49 | E-mail | Overleg 12.15 uur wordt verzet naar 12.30 uur | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 40 | 22-6-2022 | 13:49 | E-mail | Notitie BWO derogatie en spreeklijn MR as vrijdag | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 40.a | 22-6-2022 | 13:49 | Bijlage | 220622 BWO derogatie PM juni 2022 v1 ztt | Openbaar | | | |
| 40.b | 22-6-2022 | 13:49 | Bijlage | Spreeklijn MR 24 juni 2022 over derogatie van de Nitraatrichtlijn | Openbaar | | | |
| 41 | 22-6-2022 | 14:13 | E-mail | toelichting BWO voor MNenS | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 41.a | 22-6-2022 | 14:13 | Bijlage | MNenS toelichting BWO | Openbaar | | | |
| 42 | 28-6-2022 | 9:29 | E-mail | BWO notitie derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 42.a | 28-6-2022 | 9:29 | Bijlage | 220628 BWO derogatie 29 juni 2022 | Openbaar | | | |
| 43 | 29-6-2022 | 11:14 | E-mail | RE Timeslot overleg derogatie Minister | Deels openbaar | | LNV | BUZA |
| 43.a | 29-6-2022 | 12:12 | Bijlage | Derogatiee | Deels openbaar | | | |
| 44 | 29-6-2022 | 13:58 | E-mail | RE Timeslot overleg derogatie Minister | Deels openbaar | | LNV | BUZA |
| 45 | 4-7-2022 | 13:20 | E-mail | Opmerkingen MNenS | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 45.a | 4-7-2022 | 13:20 | Bijlage | Scan_20220704_131602_MFP-1341_ | Deels openbaar | | | |
| 45.b | 4-7-2022 | 13:20 | Bijlage | Bijlage 22280078 | Openbaar | | | |
| 46 | 5-7-2022 | 6:42 | E-mail | Antw Ministers akkoord met brief derogatie. | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 47 | 5-7-2022 | 7:20 | E-mail | RE Antw Ministers akkoord met brief derogatie. | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 47.a | 5-7-2022 | 7:20 | Bijlage | 22280078_aangepast_22.30PM | Openbaar | | | |
| 48 | 6-7-2022 | 16:13 | E-mail | Afspraak om 17.00 uur zal volledig digitaal via Teams plaatsvinden | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 49 | 6-7-2022 | 16:25 | E-mail | sorry, de minister blijft op LNV de afspraak kan dan hybride plaatsvinden | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 50 | 8-7-2022 | 12:14 | E-mail | FW draft derogation decision | Deels openbaar | | VWS | LNV |
| 51 | 11-7-2022 | 14:19 | E-mail | FW text proposal polluted areas | Deels openbaar | | VWS | LNV |
| 52 | 13-7-2022 | 16:37 | E-mail | Reactie MLNV derogatiebrief 15 juli 2022 | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 52.a | 13-7-2022 | 16:37 | Bijlage | Scan_20220713_163005_MFP-1341_ | Deels openbaar | | | |
| 53 | 13-7-2022 | 18:21 | E-mail | opmerkingen MLNV derogatiebrief 15 juli 2022 | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 53.a | 13-7-2022 | 18:21 | Bijlage | Scan_20220713_163005_MFP-1341_ | Deels openbaar | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 53.b | 13-7-2022 | 18:21 | Bijlage | DOMUS-22317194-v12-TK_brief_Stand_van_zaken_onderhandelingen_met_de_Europese_Commissie_over_derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn_ | Deels openbaar | | | |
| 53.c | 13-7-2022 | 18:21 | Bijlage | optie B zonder tracks | Deels openbaar | | | |
| 53.d | 13-7-2022 | 18:21 | Bijlage | optie B | Deels openbaar | | | |
| 54 | 13-7-2022 | 20:26 | E-mail | Kamerbrief derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 54.a | 13-7-2022 | 20:26 | Bijlage | optie B zonder tracks_WH | Deels openbaar | | | |
| 54.b | 13-7-2022 | 20:26 | Bijlage | Scan_20220713_163005_MFP-1341_ | Deels openbaar | | | |
| 55 | 14-7-2022 | 17:34 | E-mail | Definitieve stukken | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 55.a | 14-7-2022 | 17:34 | Bijlage | Def brief _schoon LE_DEF | Deels openbaar | | | |
| 55.b | 14-7-2022 | 17:34 | Bijlage | DOMUS-22321942-v1-220713_MR_svz_zaken_derogatie_15_juli_2022_aanbiedingsformulier_def | Openbaar | | | |
| 55.c | 14-7-2022 | 17:34 | Bijlage | Def MR notitie | Openbaar | | | |
| 56 | 14-7-2022 | 18:24 | E-mail | Draft communication to parliament | Deels openbaar | | VWS | Ec |
| 56.a | 14-7-2022 | 18:24 | Bijlage | Def brief _schoon LE_DEF | Deels openbaar | | | |
| 57 | 14-7-2022 | 18:52 | E-mail | FW Draft communication to parliament | Deels openbaar | | VWS | LNV |
| 57.a | 14-7-2022 | 18:52 | Bijlage | Def brief _schoon LE_DEF | Deels openbaar | | | |
| 58 | 15-7-2022 | 8:15 | E-mail | FW Draft communication to parliament | Deels openbaar | | VWS | LNV |
| 58.a | 15-7-2022 | 8:15 | Bijlage | Def brief _schoon LE_DEF | Deels openbaar | | | |
| 59 | 15-7-2022 | 17:22 | E-mail | Letter to parliament | Deels openbaar | | VWS | Ec |
| 59.a | 15-7-2022 | 17:22 | Bijlage | 22317194.TK | Deels openbaar | | | |
| 60 | 22-8-2022 | 9:58 | E-mail | RE Draft text Commission decision for the derogation | Deels openbaar | | VWS | Ec |
| 61 | 22-8-2022 | 16:05 | E-mail | Derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 61.a | 22-8-2022 | 16:06 | Bijlage | Gesprek beschikking derogatiee | Deels openbaar | | | |
| 62 | 23-8-2022 | 8:21 | E-mail | Memo en conceptderogatiebeschikking tbv gesprek om 10.15u | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 62.a | 23-8-2022 | 8:21 | Bijlage | 220822 Memo conceptderogatiebeschikking | Openbaar | | | |
| 62.b | 23-8-2022 | 8:21 | Bijlage | 220823 NL derogation post ISC -19AUG2022 - for NL - response | Openbaar | | | |
| 63 | 23-8-2022 | 18:51 | E-mail | RE Draft text Commission decision for the derogation | Deels openbaar | | VWS | Ec |
| 63.a | 23-8-2022 | 18:51 | Bijlage | 220823 NL derogation post ISC -19AUG2022 - for NL - response. | Identiek aan document-nummer 62.b. Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten. | | | |
| 64 | 24-8-2022 | 13:57 | E-mail | Mailwisselingen m.b.t. derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 64.a | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Nazending tas | Deels openbaar | | | |
| 64.a.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__Presentatie Europese Commissie | Openbaar | | | |
| 64.a.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__Infonota gesprek over addendum 7e APN | Deels openbaar | | | |
| 64.b | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Slides | Deels openbaar | | | |
| 64.b.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__DOMUS-22035916-v1-DOMUS-22035421. | Identiek aan document-nummer 64.a.1. Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten. | | | |
| 64.c | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Aangepaste presentatie mestbeleid tbv EC | Deels openbaar | | | |
| 64.c.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__220131 PWP ENVI_geel gearceerd. | Identiek aan document-nummer 64.a.1. Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten. | | | |
| 64.d | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Antw Slides | Deels openbaar | | | |
| 64.e | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_RE Antw Slides | Deels openbaar | | | |
| 64.f | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Spreeklijn gesprek | Deels openbaar | | | |
| 64.f.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__220225 Spreeklijn Minister | Deels openbaar | | | |
| 64.g | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_RE Spreeklijn gesprek | Deels openbaar | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 64.g.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__220225 Spreeklijn Minister | Identiek aan document-nummer 64.f.1. Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten. | | | |
| 64.h | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Kamerbrief derogatie tbv bespreking | Deels openbaar | | | |
| 64.h.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__22073076 | Openbaar | | | |
| 64.h.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__22073076 | Openbaar | | | |
| 64.i | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_TER AKKOORD Memo vervolg derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.i.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__220414 Memo vervolg derogatie ztt v2 | Openbaar | | | |
| 64.j | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Antw TER AKKOORD Memo vervolg derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.k | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Antw TER AKKOORD Memo vervolg derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.l | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Ter akkoord - adviesnota + Kamerbrief derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.l.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__Adviesnota derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.l.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__Kamerbrief derogatie - versie 2 | Deels openbaar | | | |
| 64.l.3 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage3__Kamerbrief derogatie - versie 1 | Openbaar | | | |
| 64.m | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Antw Ter akkoord - adviesnota + Kamerbrief derogatie | Deels openbaar | 5.1.2.i | | |
| 64.n | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Nieuwe versie TK-brief derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.n.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__DOMUS-22187518-v2-Nota_Kamerbrieven__Derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn | Deels openbaar | | | |
| 64.n.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__TK-brief derogatie - versie 3 | Deels openbaar | | | |
| 64.o | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Aangepaste Kamerbrief derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.o.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__Nota - Kamerbrief derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.o.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__TK-brief derogatie - versie 3 | Deels openbaar | | | |
| 64.p | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Ter akkoord - brief aan DG | Deels openbaar | | | |
| 64.p.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__DOMUS-22182375-v4-Nota_Aanvraag_derogatie_RENURE | Deels openbaar | | | |
| 64.p.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__DOMUS-22153987-v1-Bijlage__Verzoek_tot_landen_specifieke_oplossing_RENURE_ | Openbaar | | | |
| 64.p.3 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage3__DOMUS-22141697-v10-Brief_EC__Aanvraag_Derogatie_RENURE | Deels openbaar | | | |
| 64.q | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_RE Ter akkoord - brief aan DG | Deels openbaar | | | |
| 64.q.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__DOMUS-22141697-v10-Brief_EC__Aanvraag_Derogatie_RENURE | Deels openbaar | | | |
| 64.q.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__DOMUS-22182375-v4-Nota_Aanvraag_derogatie_RENURE. | Identiek aan document-nummer 64.p.1. Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten. | | | |
| 64.q.3 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage3__DOMUS-22153987-v1-Bijlage__Verzoek_tot_landen. | Identiek aan document-nummer 64.p.2. Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten. | | | |
| 64.r | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_RE Ter akkoord - brief aan DG | Deels openbaar | | | |
| 64.s | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Aanvullende spreekredeneerlijn t.b.v. BWO woensdag | Deels openbaar | | | |
| 64.s.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__Aanvullend memo BWO 25 mei | Openbaar | | | |
| 64.t | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Ter akkoord - reactie aan de EC over derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.t.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__Mandaat vervolg derogatiegesprekken | Deels openbaar | | | |
| 64.u | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Antw Ter akkoord - reactie aan de EC over derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.v | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Antw Ter akkoord - reactie aan de EC over derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.w | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Ter akkoord - reactie aan ENVI over derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.w.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__Adviesnota derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.w.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__Bijlage - Water quality tasks per region | Openbaar | | | |
| 64.x | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Ter akkoord - reactie aan EC over derogatiebeschikking | Deels openbaar | | | |
| 64.x.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__Adviesnota derogatie _ voorgestelde reactie | Deels openbaar | | | |
| 64.aa | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Ter akkoord - aangepaste Kamerbrief derogatie. | Deels openbaar | | | |
| 64.aa.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__22280078_aangepast | Openbaar | | | |
| 64.bb | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Voorbereiding gesprek | Deels openbaar | | | |
| 64.bb.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__220705 Spreeklijn MLNV | Openbaar | | | |
| 64.cc | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Memo voorstel nav reactie EC | Deels openbaar | | | |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 64.cc.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__memo 11 juli voorstel nav reactie EC | Deels openbaar | | | |
| 64.dd | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Ter akkoord - aangepaste Kamerbrief derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.dd.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__DOMUS-22321938-v4-Notitie_MR_Stand_van_zaken_derogatie_15_juli_2022 | Openbaar | | | |
| 64.dd.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage3__DOMUS-22317194-v15-TK_brief_Stand_van_zaken | Deels openbaar | | | |
| 64.ee | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | E-mail _-minlnv-minlnv-_Dagmail MLNV 9 augustus | Deels openbaar | | | |
| 64.ee.1 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage1__1a Voorstel werkbezoeken | Geheel buiten Reikwijdte | | | |
| 64.ee.2 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__1b Logistiek formulier bezoek | Geheel buiten Reikwijdte | | | |
| 64.ee.3 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage3__2a beantwoording vragen visserij | Geheel buiten Reikwijdte | | | |
| 64.ee.4 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage4__3. Oplegnota SO derogatie | Deels openbaar | | | |
| 64.ee.5 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage5__3 Beantwoording SO Derogatie | Openbaar | | | |
| 64.ee.6 | 24-8-2022 | 13:57 | Bijlage | Bijlage2__DOMUS-22326132-v7-Aanpassingen_brief_aan_de_Staten-Generaal | Deels openbaar | | | |
| 65 | 25-8-2022 | 16:29 | E-mail | Tijdlijnnota - reactie MLNV | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 65.a | 25-8-2022 | 16:29 | Bijlage | Scan_20220825_133222_MFP-1341_stratingr | Deels openbaar | | | |
| 66 | 25-8-2022 | 17:22 | E-mail | MR spreeklijn 26 augustus derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 66.a | 25-8-2022 | 17:22 | Bijlage | Spreeklijn MR 26 augustus 2022 over derogatie van de Nitraatrichtlijn v1 | Openbaar | | | |
| 67 | 26-8-2022 | 9:03 | E-mail | Antw Medeparaaf gevraagd op Kamerbrief concept derogatiebeschikking - graag morgen 0930 | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 68 | 26-8-2022 | 9:30 | E-mail | RE Antw Medeparaaf gevraagd op Kamerbrief concept derogatiebeschikking - graag morgen 0930 | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 69 | 26-8-2022 | 16:16 | E-mail | Reactie MNenS op tijdlijn derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 69.a | 26-8-2022 | 16:16 | Bijlage | Scan_20220826_161440_MFP-1342_stratingr | Deels openbaar | | | |
| 70 | 29-8-2022 | 14:01 | E-mail | Opmerkingen mlnv bij derogatiebrief weekendtas | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 70.a | 29-8-2022 | 14:01 | Bijlage | Scan_20220829_135226_MFP-1342_ | Deels openbaar | | | |
| 71 | 29-8-2022 | 15:19 | E-mail | Nieuwe Stukken derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 71.a | 29-8-2022 | 15:19 | Bijlage | paragraaf transitieregeling voor derogatiebrief RP | Openbaar | | | |
| 71.b | 29-8-2022 | 15:19 | Bijlage | Contouren regeling tbv BWO 29 augustus RP | Openbaar | | | |
| 72 | 30-8-2022 | 10:34 | E-mail | Nota derogatie - MNenS | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 72.a | 30-8-2022 | 10:34 | Bijlage | Scan_20220830_101040_MFP-1342_gorterp | Deels openbaar | | | |
| 73 | 31-8-2022 | 15:39 | E-mail | RE stukken ter lezing voor minister voorafgaand aan BWO derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 74 | 1-9-2022 | 14:52 | E-mail | RE ter akkoord van MLNV MR-stukken derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 75 | 12-9-2022 | 17:37 | E-mail | Opmerkingen PA MNenS | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 75.a | 12-9-2022 | 17:37 | Bijlage | DOMUS-22464968-v8-Vragen_over_de_brief_van_5_september_2022_inzake_de_Stand_van_zaken_derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn__ | Deels openbaar | | | |
| 76 | 12-9-2022 | 19:53 | E-mail | Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 77 | 12-9-2022 | 20:23 | E-mail | RE Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 77.a | 12-9-2022 | 20:23 | Bijlage | DOMUS-22464968-v11-Vragen. | Identiek aan document-nummer 75.a. Derhalve is het document buiten beschouwing gelaten._ | | | |
| 78 | 12-9-2022 | 20:54 | E-mail | Doorst Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 79 | 12-9-2022 | 21:14 | E-mail | RE Doorst Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 79.a | 12-9-2022 | 21:14 | Bijlage | DOMUS-22466719-v8-Kamervragen_over_de_brief__Stand_van_zaken_derogatie_van_de_nitraatrichtlijn_ | Deels openbaar | | | |
| 79.b | 12-9-2022 | 21:14 | Bijlage | DOMUS-22464968-v13-Vragen_over_de_brief_van_5_september_2022_inzake_de_Stand_van_zaken_derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn__ | Deels openbaar | | | |
| 80 | 13-9-2022 | 9:14 | E-mail | Definitieve stukken - verzonden naar TK | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 80.a | 13-9-2022 | 9:14 | Bijlage | Bijlage 22464968 | Openbaar | | | |
| 80.b | 13-9-2022 | 9:14 | Bijlage | Bijlage 22466719 | Openbaar | | | |
| 81 | 15-9-2022 | 15:11 | E-mail | Spreeklijn MR morgen derogatie | Deels openbaar | | LNV | LNV |
| 81.a | 15-9-2022 | 15:11 | Bijlage | Spreeklijn MR 16 september 2022 over derogatie van de Nitraatrichtlijn | Openbaar | | | |

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 6 mei 2020 18:07
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E [redacted] ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e [redacted]; PAV Team Mest; 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E [redacted]; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E [redacted] ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Terugkoppeling coalitieoverleg mest

Beste allen,
Vanmiddag heeft de minister overlegd met de coalitie over o.a. de derogatie en de diverse mestmaatregelen die gereed zijn voor internetconsultatie. Hierbij stuur ik jullie een terugkoppeling. Aangezien het om vrij veel dossiers en dus veel betrokkenen gaat en het handig is om het totaaloverzicht te hebben, stuur ik deze koppeling vrij breed rond. Behandel deze svp wel vertrouwelijk.

- De minister heeft de coalitie bijgepraat over de derogatiebeschikking, incl. de knelpunten die we nog zien bij de laatste versie die we gisteren ontvingen (art. 9 stikstof). Zij gaf daarbij aan een pragmatische lijn te willen volgen en vooral belang te hechten aan snelle besluitvorming. Er was het nodige onbegrip bij de coalitie over de bepalingen rond stikstof, maar ook steun voor de minister om hier pragmatisch mee om te gaan en vooral in te zetten op snelle besluitvorming. Afspraak: er wordt nog deze week op DG-niveau contact opgenomen met de EC om onze bezwaren naar voren te brengen, de minister heeft daarbij wel aangegeven niet te verwachten dat dit nog tot aanpassing zal leiden en hier vervolgens geen strijd met de EC over te willen aangaan om vertraging te voorkomen. Die lijn wordt door de coalitie gesteund.
- De minister heeft aangegeven dat het voor het nakomen van voorwaarden uit de beschikking noodzakelijk is om een aantal maatregelen uit de versterkte handhavingsstrategie en het 6e AP in internetconsultatie te brengen. Zij heeft deze kort toegelicht. Ook heeft zij aangegeven dat de wetswijziging mbt het fosfaatrechtenstelsel waarin ook de motie mbt afromingsvrije lease wordt meegenomen, gereed is voor internetconsultatie. Er is niet diepgaand inhoudelijk over de maatregelen gesproken. Wel positieve reacties van Lodders en Geurts dat rijenbemesting bij mais is heroverwogen en dat uitvoering wordt gegeven aan hun motie. Afspraak: de coalitie krijgt een memo met achtergrondinformatie (men had die niet vooraf gekregen; memo is inmiddels verstuurd).
- Verder heeft de minister aangegeven het streven te hebben om door te gaan met de herbezinning, om de sector perspectief te bieden en omdat dit de basis biedt voor het starten van het 7e AP. Hier was geen weerstand tegen. Afspraak: de coalitie krijgt een notitie met antwoorden op de vragen uit het coalitieoverleg van maart jl. over de herbezinning (men had die niet vooraf gekregen; notitie is inmiddels verstuurd), daarna kan bekeken worden wat goede timing is voor verzending TK-brief.
- Na afloop van het overleg gaf de minister aan dat de internetconsultatie van alle drie de maatregelen – rVDM, 6e AP, fosfaat – maandag a.s. van start kan gaan. De coalitie is dan geïnformeerd, zowel mondeling als op basis van het memo, en zij wil hierover niet nog een inhoudelijke discussieronde / aanpassingen met de coalitie. Maandag zal dan ook de brief uitgaan waarmee de Kamer wordt geïnformeerd over de stavaza derogatie en de drie maatregelen die in internetconsultatie gaan.

Kortom, een mooie uitkomst waarmee we verder kunnen! Ik wil de verschillende dossierhouders (you know who you are) vragen om alles gereed te zetten voor het starten van de internetconsultaties maandag a.s. Ik zal apart nog even met 5.1.2.E en 5.1.2.E contact opnemen over het telefoongesprek met 5.1.2.E
Voor nu een fijne avond!
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E) namens MinisterLNV
**Verzonden:** woensdag 7 april 2021 13:24
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E
**Onderwerp:** FW: mestbeleid / 7de AP

Ook voor jullie belangrijk!

5.1.2.E
**Secretariaat minister Carola Schouten**
**Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit**
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: ministerLNV@minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar
uitnodigingen@minlnv.nl

**Routebeschrijving:**
https://www.rijksoverheid.nl/ministeries/ministerie-van-landbouw-natuur-en-voedselkwaliteit/contact-met-lnv/route

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl> **Namens** MinisterLNV
**Verzonden:** woensdag 7 april 2021 13:21
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E '@minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** SecretariaatDGA < 5.1.2.E @minlnv.nl>; Secretariaat PAV < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: mestbeleid / 7de AP

Allen,

Gezien MLNV ziek is moet ik helaas het overleg mestbeleid / 7de AP verzetten naar:

**Woensdag 14 april 2021 van 13.00 uur tot 13.45 uur.**

Ik zal de Webex-invite aanpassen.

Groet,

5.1.2.E
**Secretariaat minister Carola Schouten**
**Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit**
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar
5.1.2.E @minlnv.nl

**Routebeschrijving:**
https://www.rijksoverheid.nl/ministeries/ministerie-van-landbouw-natuur-en-voedselkwaliteit/contact-met-lnv/route

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl> **Namens** MinisterLNV
**Verzonden:** donderdag 1 april 2021 11:52
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>;5.1.2.e
< 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC**: SecretariaatDGA < 5.1.2.E @minlnv.nl>; Secretariaat PAV < 5.1.2.E @minlnv.nl>;
5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E)
< 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E)
< 5.1.2.E @minlnv.nl>; MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** mestbeleid / 7de AP

Allen,

Conform de afspraak bij de LNV staf, plan ik het overleg m.b.t. het mestbeleid / 7$^{de}$ AP op:

**Woensdag 7 april 2021 van 15.00 uur tot 15.45 uur**

De Webex-invite volgt.

Groet,

5.1.2.E
**Secretariaat minister Carola Schouten**
**Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit**
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: ministerLNV@minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar
uitnodigingen@minlnv.nl

**Routebeschrijving:**
https://www.rijksoverheid.nl/ministeries/ministerie-van-landbouw-natuur-en-voedselkwaliteit/contact-met-lnv/route

20/5. 13.45 uur

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

2.a

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

5.1.2.e

bespreken [redacted] 20-5

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
17 mei 2021

**Kenmerk**
DGA-PAV / 21138376

**BHM 21138428**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Stand van zaken overleg Europese Commissie over derogatie en 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| | | |
|---|---|---|
| **DGA** 5.1.2.e | **PAV,** 5.1.2.e 5.1.2.e | **PAV,** 5.1.2.e 5.1.2.E |
| **BPZ** 5.1.2.E | | |

## Aanleiding

Op 17 mei jl. heeft een ambtelijk overleg met Europese Commissie/DG Environment (hierna: EC) plaatsgevonden over de stand van zaken met betrekking tot het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7e AP) en derogatie van de Nitraatrichtlijn vanaf 2022. Met deze nota informeren we u over de laatste stand van zaken. Graag spreken we hierover met u door in het overleg over mest van 20 mei a.s.

## Advies

- Er is een reële kans dat er volgend jaar geen derogatie van de Nitraatrichtlijn aan Nederland wordt toegekend. Voor zover Nederland alsnog in aanmerking kan komen voor derogatie (op basis van een vergaand maatregelenpakket) zal toekenning sowieso pas laat in het jaar kunnen plaatsvinden, wat veel onzekerheid betekent gedurende het mestuitrijdseizoen.
- Onze inschatting is dat het nu verder (politiek) escaleren tot eenzelfde uitkomst zal leiden. Wij verwachten pas beweging aan de kant van de EC als Nederland met nieuwe maatregelen komt die substantieel verder gaan dan het tot nu toe gevoerde beleid. U wordt geadviseerd nu niet politiek te escaleren bij de EC maar de inzet eerst te richten op het verkrijgen van politieke steun in de Kamer voor verdergaande maatregelen.
- Het is wenselijk om te voorkomen dat de sector pas in het najaar beseft dat er weleens geen derogatie kan komen, omdat de tijd dan erg kort is om hier nog op te anticiperen. Ook is het wenselijk om te voorkomen dat uw ambtsopvolger hierdoor verrast wordt en zich voor een voldongen feit gesteld voelt staan. In uw recente brief aan de Kamer over de voortgang van het 7e AP is reeds aan verwachtingenmanagement gedaan. Ook hebben de afgelopen weken diverse gesprekken met LTO (op DG-niveau) plaatsgevonden. Desondanks lijkt de sector er vooralsnog vanuit te gaan dat het wel goed zal komen met de derogatie. U kunt overwegen om tijdens het aankomende AO fosfaatrechten van 3 juni a.s., of vooruitlopend daarop via een brief aan de Kamer, een nog steviger winstwaarschuwing af te geven.
- Uw inzet blijft er dan op gericht om te komen tot een overtuigend maatregelenpakket ter verbetering van de waterkwaliteit, op basis waarvan Nederland een derogatie toegekend kan krijgen. LTO lijkt op basis van de

Ontvangen BPZ

gesprekken tot nu toe in te zetten op derogatie (en liefst zelfs een verruiming van de derogatie) zónder daarvoor aanvullende maatregelen te willen accepteren (beleid moet in de ogen van LTO gestoeld zijn op vrijwilligheid en ruimte voor ondernemerschap). Dat achten wij geen kansrijke inzet en wij adviseren u dan ook niet om een dergelijke inzet te volgen. Een alternatieve route kan zijn dat u überhaupt geen procedure om te komen tot derogatie opstart en daarover nu al duidelijkheid geeft aan de sector. Dit zal waarschijnlijk leiden tot grote onrust en weerstand zowel politiek als in de sector. Enerzijds kan dit mogelijk leiden tot het besef dat echt stevige maatregelen nodig zijn, anderzijds kan dit leiden tot stilstand op andere dossiers zoals stikstof en klimaat. Ook zijn de gevolgen hiervan groot (zie toelichting). Wij adviseren hier daarom niet toe.

**Kernpunten**

- In het ambtelijke gesprek met de EC is toegelicht dat de grote keuzes in het 7e AP ter verbetering van de waterkwaliteit door een nieuw kabinet genomen zullen moeten gaan worden en dat dit gegeven het krappe tijdpad tot het einde van het jaar een grote inspanning zal vergen.
- We hebben aangegeven dat we de problematiek ten aanzien van de waterkwaliteit en het belang van extra maatregelen in het 7e AP onderschrijven, dat het aan een nieuw kabinet is om die maatregelen te treffen en daarvoor nu alle noodzakelijke voorbereiding (incl. MER-procedure) worden getroffen, dat een dergelijk maatregelenpakket een goede onderbouwing kan zijn voor een nieuwe derogatie, dat we echter nu wel al de eerste formele stappen moeten zetten richting derogatieverstrekking om te voorkomen dat er straks wel een ambitieus maatregelenpakket ligt maar een derogatieverlening voor komend jaar toch uit beeld is geraakt vanwege de procedurele doorlooptijd (zie toelichting).
- Ook hebben we gewezen op het afbreukrisico rond het niet-verlenen van een derogatie. Ten eerste voor de waterkwaliteit aangezien die onder derogatiebedrijven structureel beter is dan onder niet-derogatiebedrijven. Ten tweede voor het draagvlak in de sector om een verdergaand maatregelenpakket zoals de EC verlangt ook daadwerkelijk door te kunnen voeren.
- De EC heeft (wederom) gewezen op de omstandigheden die maken dat het verstrekken van derogatie aan Nederland politiek moeilijk ligt. De EC typeert die omstandigheden als volgt:
    - De situatie ten aanzien van de grondwaterkwaliteit in Nederland is zorgelijk. De Nitraatrapportage 2016-2019 laat zien dat de trends zijn verslechterd, ook onder derogatiebedrijven;
    - Ook ten aanzien van oppervlaktewater zijn er zorgen. De EC is een pilot voor een ingebrekestelling bij meerdere Lidstaten, waaronder Nederland, gestart op de implementatie van de Kaderrichtlijn Water;
    - Nederland heeft nog geen 'zekere' (lees: juridisch afdwingbare) maatregelen gepresenteerd die gaan leiden tot een substantiële verbetering van de waterkwaliteit;
    - Ook de stikstofproblematiek en andere milieuvraagstukken in relatie tot de landbouw in Nederland wijzen op de noodzaak van een

fundamentele verandering van de landbouw, die Nederland in de ogen van de EC nog onvoldoende heeft ingezet.

- Aanvullend hierop gaf de EC aan dat politiek ook de situatie rond kunstmestvervanging meespeelt. Voor de korte termijn is hiervoor een derogatieverlening nodig en Nederland is één van de weinige lidstaten die hiervoor in aanmerking wensen te komen (naast Denemarken, Vlaanderen en noord-Italië). Hoewel de EC ambtelijk onderkent dat dit een ander soort derogatie is, wijst zij erop dat politiek het beeld zal zijn dat Nederland een dubbele derogatie wil en dat de inschatting is dat dit voor de EU-Commissaris niet verdedigbaar is gelet op bovenstaande kenschets van de situatie.
- Onze inschatting is dat een pleidooi om toch stappen voorwaarts te zetten bij de EC niet kansrijk is als we daarbij niet ook een verdergaand maatregelenpakket op tafel leggen. Aanvullende maatregelen met maximaal effect op de waterkwaliteit zien met name op het stimuleren danwel afdwingen van duurzame bouwplannen (d.w.z. meer teeltrotatie, meer rustgewassen, meer vanggewassen – met andere woorden: minder uitspoelingsgevoelige gewassen op uitspoelingsgevoelige gronden). Daarnaast blijft de EC hinten op verlagen van de mestproductieplafonds (d.w.z. krimp van de veestapel). Dergelijke maatregelen hebben fors effect op o.a. het inkomen van de agrariërs die hierdoor getroffen worden.
- Idealiter worden dit soort maatregelen door een nieuw kabinet genomen, echter het aantreden van een nieuw kabinet lijkt langer te gaan duren dan het krappe tijdpad dat we hebben voor het 7e AP en derogatieverlening. U kunt daarom overwegen nu toch al te verkennen in hoeverre er politiek draagvlak is voor verdergaande maatregelen, en indien dat draagvlak er niet blijkt te zijn, geen misverstand te laten bestaan over de consequenties. We praten hier in het overleg van 20 mei a.s. graag met u over door.

**Toelichting**

*Procedure verlenen derogatie*

- De procedure om te komen tot derogatie van de Nitraatrichtlijn neemt doorgaans een jaar in beslag. Er dienen vier Nitraatcomités te worden doorlopen met een drietal presentaties door de lidstaat (milieusituatie, het huidige beleid, nieuw beleid) en een vierde presentatie door de EC over de derogatiebeschikking. Dan vindt stemming plaats in het Nitraatcomité (feitelijk wordt er gestemd over een advies aan de EC aangaande het al dan niet verlenen van de derogatiebeschikking zoals gepresenteerd door de EC), waarna besluitvorming volgt in de EC en de derogatiebeschikking toegekend wordt. Het Nitraatcomité vindt eens per kwartaal plaats.
- Om tijdige derogatieverlening voor 2022 mogelijk te maken, hadden we dus eigenlijk in het eerste Nitraatcomité van dit jaar de eerste presentatie over de milieusituatie moeten geven. Dat is echter niet gebeurd en ook voor het aankomende Nitraatcomité van 15 juni a.s. is de EC niet voornemens om de eerste presentatie door Nederland te agenderen. De EC wil dat pas doen als er meer duidelijkheid en zekerheid is over de maatregelen die Nederland gaat treffen in het 7e AP, op basis waarvan derogatieverlening gerechtvaardigd is.
- Het Nitraatcomité daarna is gepland op 15 september a.s. Het is echter de vraag of we voor die tijd tot een overtuigend én gedragen maatregelenpakket kunnen komen, mede gezien de demissionaire status van het kabinet en de

voortgang van de kabinetsformatie. En zelfs als we in dit Nitraatcomité een presentatie kunnen geven, is de procedurele doorlooptijd die daarna nog volgt zodanig dat pas ver in of zelfs na het mestuitrijdseizoen in 2022 duidelijkheid zou zijn over derogatieverlening. Dit maakt een scenario waarin we moeten anticiperen op geen derogatie in 2022 reëel.

*Gevolgen geen derogatie*

- U bent onlangs geïnformeerd over de te verwachten gevolgen van het niet verkrijgen van derogatie van de Nitraatrichtlijn. Kort samengevat zien deze onder meer op:
    - Verslechtering van de waterkwaliteit doordat grasland wordt omgezet in bouwland. Hier zullen nationaal mitigerende maatregelen voor getroffen moeten worden;
    - Het onvoldoende groot zijn van de mestverwerkingscapaciteit om het grotere aanbod van rundveemest op de mestmarkt te kunnen verwerken (verdubbeling nodig op basis van gegevens over 2018 – dit is niet op korte termijn te realiseren);
    - De druk op de mestmarkt zal toenemen, zowel nationaal als naar de nabijgelegen Lidstaten, waardoor ook grote risico's worden voorzien voor het niet legaal afvoeren van mest;
    - Veel onrust in de sector hetgeen het moeilijker kan maken om verdergaande maatregelen in de landbouw (ook buiten het mestbeleid) te implementeren.

*Scenario's geen derogatie*

- Zoals we u eerder hebben geïnformeerd is het niet verlengen van derogatie niet voldoende te ondervangen met maatregelen om een zachte landing te kunnen faciliteren. Het zal een grote negatieve impact hebben voor de sector en leiden tot aanvullende grote onrust onder boeren. Het zal extra druk op de stoppers geven en zorgen voor extra fraudedruk. Het niet verlengen van derogatie zal niet alleen effect hebben op de melkveehouderij, maar ook op de varkenshouderij.
- In het geval de Europese Commissie verlening van de huidige derogatie niet verder wil brengen, kan getracht worden een afbouwscenario overeen te komen door over de opvolgende jaren de omvang van derogatie af te laten nemen, hiervoor kan aan een rustig en snel afbouwscenario worden gedacht:

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Kenmerk**
DGA-PAV / 21138376

- Rustig afbouwen:

| Jaar | Regio 250 | Regio 230 |
|---|---|---|
| 2021* | 250 kg N/ha | 230 kg N/ha |
| 2022 | 230 kg N/ha | 210 kg N/ha |
| 2023 | 210 kg N/ha | 190 kg N/ha |
| 2024 | 190 kg N/ha | 170 kg N/ha |
| 2025 | 170 kg N/ha | 170 kg N/ha |

- * uitgangssituatie

- Snel afbouwen:

| Jaar | Regio 250 | Regio 230 |
|---|---|---|
| 2021* | 250 kg N/ha | 230 kg N/ha |
| 2022 | 220 kg N/ha | 200 kg N/ha |
| 2023 | 190 kg N/ha | 170 kg N/ha |
| 2024 | 170 kg N/ha | 170 kg N/ha |

- Een alternatief scenario kan zijn bij geen derogatie de derogatienorm van 230 respectievelijk 250 kg stikstof per hectare wel nationaal toe te blijven staan. Dit houdt dan in dat Nederland de Nitraatrichtlijn niet volgt en dat de EC een ingebreke zal starten met mogelijk aangescherpte regels, dwangsom en boetes tot gevolg.

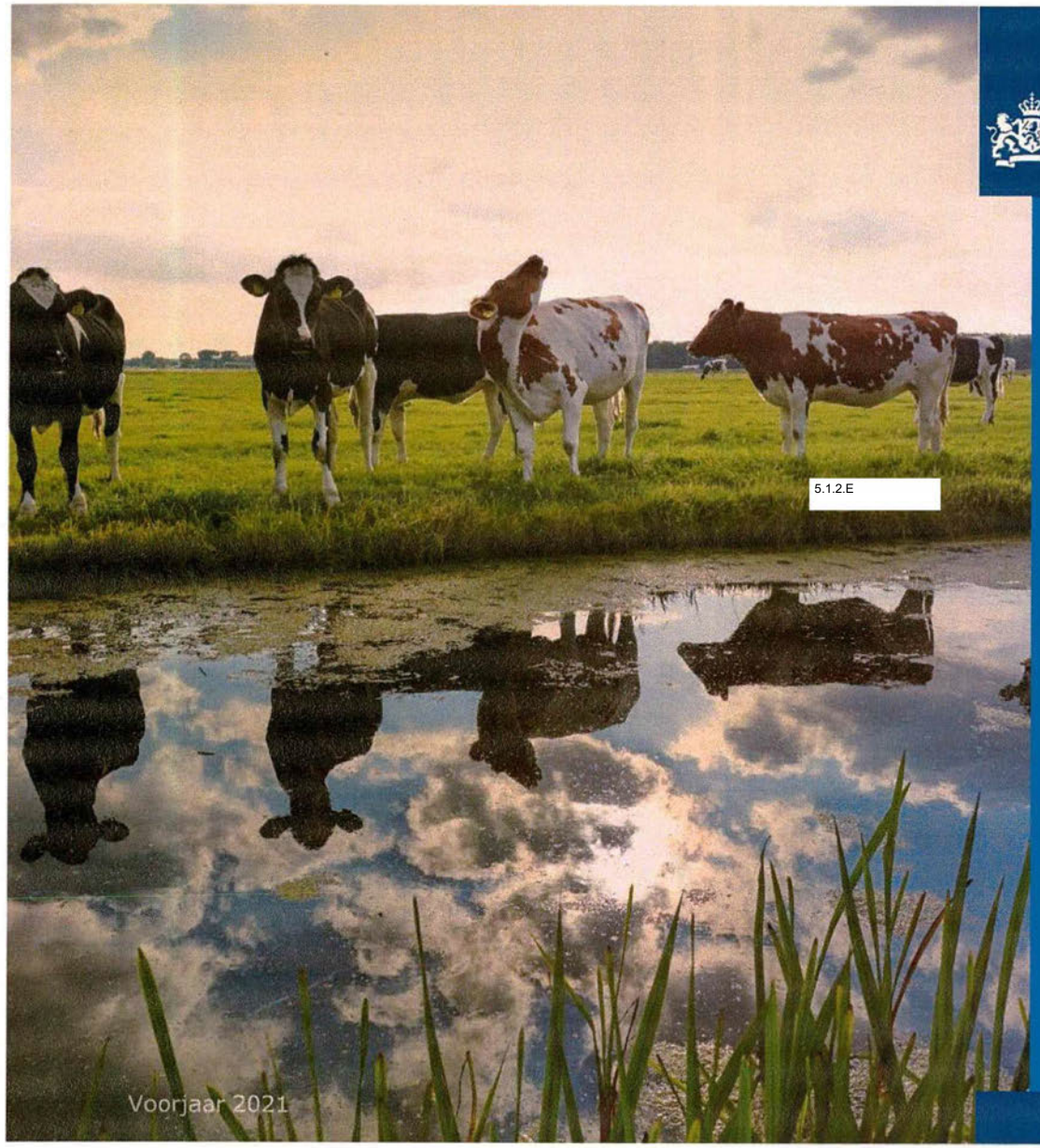


Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

# 5.1.2.E AP Nitraatrichtlijn met doorkijk naar 8e AP

5.1.2.E Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Mede namens het Ministerie van Infrastructuur en Waterstaat

# Uitgangspunt 7e (en 8e) actieprogramma

- Nog een grote opgave voor waterkwaliteit vanuit NIR en KRW voor landbouwdeel, voor grond- én oppervlaktewater
- Wens tot nieuwe derogatie vanaf 2022 vraagt daarmee om extra inzet
- Integrale aanpak waarbij meerdere opgaven worden meegenomen: water, bodem, klimaat, biodiversiteit
- Lange termijn visie
- Contouren herbezinning zijn uitgangspunt
- Kern 7e AP:
  - Reguleren én stimuleren
  - Duurzame bouwplannen
  - Gebiedsprocessen
  - Kennis en kunde boer waarderen en versterken
  - Samenwerking met regio essentieel

# Wijzigingen tov eerder besproken:

- Verzwaring pakket door middel van inzet op duurzame bouwplannen met veel meer rustgewassen in rotatie (1:3) en 100% vanggewassen – ingroeipad met doelbereik in 2027 – effectief voor meerdere doelen waaronder waterkwaliteit
- Wanneer wordt gekomen tot een ambitieuze inzet op duurzame bouwplannen zijn eerder benoemde maatregelen minder effectief / relevant zoals:
  - korting N-gebruiksnorm bij teelt 2 uitspoelingsgevoelige gewassen
  - Maatregelen i.k.v. droogte
- Bufferstroken daar waar effectief en meer integraal door koppelen aan dossier gewasbeschermingsmiddelen en biodiversiteit
- Uit pakket: extra N-gebruiksnorm op gronden met P-toestand hoog ivm weinig effectief en complexe handhaving

# Hoofdlijnen 7e AP, met doorkijk naar 8e AP

**Vier sporen:**

A. Duurzame bouwplannen ter verbetering van waterkwaliteit en bodemkwaliteit (stimulerend en regulerend)

B. Gebiedsgerichte aanpak in gebieden waar de waterkwaliteit nog achter blijft (stimulerend en vanaf 8e AP regulerend)

C. Overige maatregelen (regulerend)

D. Kennis, communicatie en pilots (stimulerend)

# A: Duurzame bouwplannen ter verbetering van waterkwaliteit en bodemkwaliteit

## Duurzame bouwplannen:

- Verbeteren waterkwaliteit door minder uitspoelingsgevoelige gewassen
- Verbeteren bodemkwaliteit: meer organische stof, diepere doorwortelbaarheid
- Verbeteren klimaatbestendigheid
- Dragen bij aan klimaatmaatregelen
- Verbeteren biodiversiteit

## Wat verstaan we onder duurzaam bouwplan?:

- Rustgewassen in rotatie (diep wortelend, maaigewas, weinig uitspoelingsgevoelig) – o.a. grasland, granen, eventueel peulvruchten
- Meer langjarig grasland
- In winter bedekte grond – vanggewas, ook winterteelt

# A: Duurzame bouwplannen ter verbetering van waterkwaliteit en bodemkwaliteit

In 7e AP:

- Groeipad naar duurzame bouwplannen voor rundveebedrijven en open teeltbedrijven – heldere streefdatum
- Mogelijk korting bij teelt 2 uitspoelingsgevoelige gewassen achter elkaar
- Meer ruimte voor toepassen bodemverbeteraars (hoeveelheid en periode)
- Belemmeringen Niet Kerende Grondbewerking wegnemen
- Ondersteuning via DAW en GLB
- Geldend voor heel Nederland
- Duurzaam bouwplan op perceelsniveau

# B: Gebiedsgerichte aanpak

- Gebiedsspecifieke aanpak in combinatie met DAW
- Focus op waterkwaliteit & kwantiteit en bodemkwaliteit
- Stimuleren DAW: budget voor DAW traject, financiering begeleiding onafhankelijke experts, studiegroepen en monitoring. Verkenning hoe extra stimulans deelname gegeven kan worden
- Budget voor onderzoek naar hotspots binnen gebied voor uit- en afspoeling N en P
- Indien doelen niet gehaald lijken in 8e AP stevigere maatregelen in aansluiting op duurzame bouwplannen
- Hoe bepalen waar doelen niet tijdig gehaald worden – monitoring & afwegingssleutel?

# C: overige maatregelen

## Reguleren:

- Algemene maatregelen
  - Regulering 6e AP doorzetten voor nu – mogelijk vanuit toekomstig mestbeleid vereenvoudiging
  - Versterkte Handhavingsstrategie continueren en waar nodig verbreden
- Gebruiksnormen
  - Fosfaatuitmijnen versnellen door lagere fosfaatgebruiksnormen
- Gebruiksvoorschriften
  - Verplichting tot toepassen bredere en integrale bufferstroken langs meer wateren in die gebieden waar effectief voor waterkwaliteit - aansluiting met gewasbeschermingsmiddelen dossier

# C: overige maatregelen - Droogte

- Zoeken naar efficiënte maatregelen om effect droogte op waterkwaliteit te verminderen; verbeteren bodemkwaliteit zit al in bovenstaande sporen
- Ook worden maatregelen genomen vanuit programma klimaatadaptatie

Aanvullende maatregelen?:

- Vergroten mestopslag van 7 naar 9 maanden. Verplichten vanaf 8e AP
- Droogte monitor met bemestingsadvies
- N-mineraal in voorjaar meenemen in N-gebruiksnorm vanaf 8e AP

# D: Kennis, communicatie en pilots

- Pilots en experimenteerruimte
  - O.a. Doelgerichte pilot N-residu
  - Koeien en Kansen / Telen met Toekomst
  - Fosfaat afvangen in de praktijk
- Belangrijk hierbij:
  - Handhaafbaarheid & uitvoerbaarheid
  - Effect op waterkwaliteit en andere emissies
  - Animo deelname
- Aanvullende maatregelen
  - Extra monitoring vollegrondsgroenten en akkerbouw
  - Aandacht kennisverspreiding en communicatie, o.a. via proefboerderijen en demonstratieprojecten
  - Traject met ketenpartijen om waterkwaliteit op te nemen in certificeringsschema's
  - Innovatief onderzoek voor beperken emissies bij teelten & mestverwerking

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 1 september 2021 14:10
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.e [redacted]); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Opmerkingen minister bij 7e AP
**Bijlagen:** 21165197.docx; Scan_20210901_135502_MFP-1341_5.2 tweede lid e.pdf; Scan_20210901_135509_MFP-1341_5.2 tweede lid e.pdf

Dag collega's,

Zie bijgaand de opmerkingen van de minister op de beslisnota en de Kamerbrief over het 7e Actieprogramma.

- Kunnen jullie de opmerkingen van de minister bij de Kamerbrief in tracks verwerken in de opgemaakte versie in de bijlage?
- Daarnaast heeft er ook nog enkele verzoeken tot nadere informatie op de beslisnota gezet. Kunnen jullie hier een nadere toelichting bij opstellen in bullits? Hou er rekening mee dat deze als tezamen met de beslisnota mee wordt gestuurd naar de Kamer.

Groet,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

Datum
Betreft Ontwerp 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, aankondiging publieke consultatie en stand van zaken derogatie

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 21165197

**Bijlage(n)**
7

Geachte Voorzitter,

Met deze brief bied ik u, mede namens de minister en staatssecretaris van Infrastructuur en Waterstaat (I&W), het ontwerp 7e actieprogramma voor de Nitraatrichtlijn (verder 7e AP) aan, dat de periode 2022 – 2025 beslaat. Hiermee geef ik invulling aan de verplichting van de Nitraatrichtlijn om elke vier jaar aan te geven welke maatregelen de lidstaat Nederland zal nemen om de benodigde verbetering van de grond- en oppervlaktewaterkwaliteit te bereiken. De maatregelen beogen dat de nitraatconcentratie in geheel Nederland onder de 50 mg/l komt in het bovenste grondwater, eutrofiëring van het oppervlaktewater wordt tegengegaan en bronnen voor de productie van drinkwater worden beschermd. De maatregelen dragen bovendien bij aan het voldoen aan de doelen van de Kaderrichtlijn Water (KRW)[1], waarvoor uiterlijk in 2027 alle maatregelen genomen moeten zijn die zorgen voor doelbereik. Tevens kom ik met deze brief tegemoet aan het verzoek van de Vaste Commissie voor Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit (LNV) van 30 juni 2021(kenmerk 2021Z12195/2021D26536), om de bestuurlijke adviezen van de taskforce Mest en Waterkwaliteit aan uw Kamer te sturen.

Ik heb in mijn Kamerbrief van 13 april 2021 (Kamerstuk 33037, nr. 393) aangegeven, dat in het kader van de milieueffectrapportage de effecten van enkele mogelijke maatregelenpakketten in beeld zijn gebracht door Wageningen Universiteit en Research (zie bijlage 1). De Commissie Deskundigen Meststoffenwet (CDM) heeft aanvullend advies uitgebracht over de effecten van duurzame bouwplannen (bijlage 2). Mede op basis van beide rapporten heb ik het ontwerp 7e AP samengesteld, dat ik met de onderliggende stukken heden ter publieke consultatie voorleg in het kader van de verplichte m.e.r.-procedure.

In mijn brief van 25 juni jl. (Kamerstuk 33037, nr. 379), gaf ik aan dat dit 7e AP de basis is voor verlening van een derogatie van de Nitraatrichtlijn vanaf 2022. Deze zal alleen verleend worden als de Europese Commissie het vertrouwen heeft dat dit actieprogramma door maatregelen in de landbouw tijdig tot de benodigde

[1] Richtlijn 2000/60/EG van het Europees Parlement en de Raad van 23 oktober 2000 tot vaststelling van een kader voor communautaire maatregelen betreffende het waterbeleid

verbetering van de waterkwaliteit gaat leiden. Met deze brief informeer ik u ook over de stand van zaken met betrekking tot derogatie.

Een goede waterkwaliteit is van groot belang voor burgers, natuur en zeker ook voor de agrarische sector. In mijn Kamerbrief van 13 april 2021 (Kamerstuk 33037, nr. 393) heb ik geconstateerd dat er nog een stevige opgave[2,3,4] ligt bij de landbouwsector voor de grondwater- en oppervlaktewaterkwaliteit. Hoewel er de afgelopen decennia door alle betrokkenen grote stappen zijn gezet, blijft het noodzakelijk dat er extra maatregelen genomen worden. Voor de kwaliteit van het grondwater is deze opgave met name groot in de gebieden met zand- en lössbodems. Voor de kwaliteit van het oppervlaktewater zijn de problemen meer verdeeld over Nederland. De belasting van het oppervlaktewater komt uit verschillende bronnen. De landbouw is in veel gevallen een belangrijke bron van vervuiling door de combinatie van actuele bemesting en de nalevering van nutriënten, afkomstig van bemesting in het verleden. In de afgelopen jaren zorgde droogte, óf recent wateroverlast, voor een verdere verslechtering van de waterkwaliteit.

Uitgangspunt voor het 7e AP is dat het op termijn leidt tot het behalen van de benodigde reductie van nutriëntenbelasting vanuit de landbouw op grondwater én voldoende bijdraagt aan de benodigde reductie van oppervlaktewaterbelasting vanuit de landbouw. Tegelijkertijd dient er voldoende handelingsperspectief voor de landbouwsector te blijven. In dit spanningsveld is het zoeken naar de maatregelen die zowel effectief voor het behalen van de waterkwaliteitsdoelen zijn, als uitvoerbaar en handhaafbaar en geen onevenredige weerslag hebben op de landbouwsector.

Ik heb eerder uiteen gezet dat ik het meeste perspectief zie in een weloverwogen, gelijkmatige, maar duurzame transitie van het huidige landbouwsysteem naar een sterk op kringlopen gebaseerd systeem. In een systeem van kringlopen komen de minste emissies vrij en worden grondstoffen en eindproducten optimaal benut. Ons water en onze bodem zijn essentiële onderdelen van de kringlopen. Ik constateer dat de eenvoudige maatregelen om de kwaliteit van het water en de bodem te verbeteren al zijn genomen en dat zij onvoldoende blijken te zijn.

Er zijn dus meer ingrijpende maatregelen vereist, om ook de laatste cruciale benodigde verbeteringen van de kwaliteit van het water en de bodem tot stand te brengen. De voorgestelde maatregelen in het 7e AP zijn daarin richtinggevend. Als nevendoelen wil ik bereiken dat de maatregelen zoveel mogelijk positieve bijeffecten hebben op andere terreinen zoals stikstof, klimaat en biodiversiteit en dat ik de juiste kaders voor de lange termijn aanbreng. Deze twee doelstellingen komen samen in het voornemen de landbouwsector in zijn geheel over te laten gaan tot invoering van duurzame bouwplannen. Dit voornemen vormt de cruciale maatregel binnen dit actieprogramma. Het kader voor de lange termijn krijgt

[2] Nationale analyse Waterkwaliteit – Onderdeel van de Delta aanpak waterkwaliteit. Eindrapport. Planbureau voor de Leefomgeving, 2020. Rapportnummer 4002. Van Galen, Osté en van Boekel.
[3] Landbouwpraktijk en waterkwaliteit in Nederland; toestand (2016-2019) en trend (1992-2019). Rijksinstituut voor Volksgezondheid en Milieu, 2020. Rapportnummer 2020-0121. Fraters et al. www.rivm.nl/nitraatrapportage2020
[4] Velthof, G.L. en P. Groenendijk, 2021. Landbouw en waterkwaliteit. Wageningen, Wageningen Environmental Research, Rapport 3070.

tevens zijn uitwerking door naast de invulling van het 7e AP, vooruit te kijken naar het 8e AP. Dit vergezicht sluit aan bij de benodigde inzet voor de KRW, dat 2027 als belangrijke datum heeft. Tevens zal in de periode tot circa 2030 het traject van het toekomstige mestbeleid zijn uitwerking krijgen met een verwacht positief effect op het milieu als geheel en op waterkwaliteit in het bijzonder.

Vooruitlopen op het 8e AP is van belang, omdat voor de waterkwaliteitsdoelen van de KRW nog een grote opgave resteert, terwijl nog niet volledig helder is hoe die opgave gerealiseerd kan of moet worden. De milieueffectrapportage van het 7e AP laat zien dat generiek toepassen van bekende maatregelen gericht op het oppervlaktewater zoals bufferstroken, op zichzelf niet genoeg is om de doelen van de KRW te halen. Hiervoor verschilt de effectiviteit van zo'n maatregel te sterk per regio, tijdstip en weersomstandigheden. Vooral voor fosfor is, vanwege de bemesting uit het verleden, de opgave complex door de verschillende factoren die uitspoeling ervan naar het oppervlaktewater kunnen veroorzaken. Dergelijke omstandigheden benadrukken wel het belang van een gebiedsspecifieke aanpak. Ik zie op dit moment geen verdere generieke maatregelen die zowel bijdragen aan de KRW-doelen als aan behoud van een florissante landbouwsector. Parallel aan de internetconsultatie zal ik een verdere analyse uitvoeren om inzichtelijk te krijgen hoe de KRW-doelen behaald kunnen worden, met behoud van toekomstperspectief voor de landbouw en in samenhang met maatregelen voor de structurele aanpak stikstof en de klimaatdoelen. Daarbij wil ik ook bezien in hoeverre innovatieve maatregelen, bijvoorbeeld op het gebied van fosforafvang, perspectief bieden om verder te ontwikkelen en in praktijk op effectiviteit te toetsen.

Ik acht aansluiting van het waterkwaliteitsdossier bij het stikstofdossier zeer wenselijk vanuit de zorg om zowel samenhang in beleidstrajecten te bewaken als om wederzijds profijt te bewerkstelligen en de beschikbaar komende budgetten zo effectief mogelijk in te zetten. Uiteraard is het van groot belang dat er geen maatregelen genomen worden in het stikstofdossier die een negatief effect hebben op de waterkwaliteit, en andersom.

Het 7e AP richt zich meer dan voorheen specifiek op probleemgebieden en probleemteelten voor de nutriëntenuitspoeling- en afspoeling. Het actieprogramma is een mix van verplichten en faciliteren met landelijk geldende én gebiedsspecifieke maatregelen en steunt op een vijftal pijlers. Het gaat om:

A) generiek maar gefaseerd ingevoerde duurzame bouwplannen ter verbetering van waterkwaliteit én bodemkwaliteit;
B) een aanvullende gebiedsspecifieke aanpak in gebieden met achterblijvende kwaliteit van grond- en/of oppervlaktewater;
C) een set van overige verplichtende maatregelen;
D) ontwikkeling van kennis, communicatie en pilots;
E) continuering en uitbreiding van versterkte controle en handhaving.

Naast deze vijf pijlers wordt de bestaande regelgeving vanuit het 6e AP gecontinueerd.

*Pijler A: Duurzame bouwplannen ter verbetering van waterkwaliteit en bodemkwaliteit*
De eerste pijler richt zich op een transitie naar duurzame bouwplannen. Het gaat om bouwplannen waar rustgewassen, vanggewassen en blijvend grasland in combinatie en afgewisseld, zorgen voor een betere bodemkwaliteit en bijdragen aan een betere waterkwaliteit, klimaatbestendigheid, klimaatmaatregelen en biodiversiteit. Er komt een duidelijk groeipad tussen 2023 en 2027 naar duurzame bouwplannen. Landelijk zal gaan gelden dat er per 2023 iedere vier jaar en per 2027 iedere drie jaar een rustgewas geteeld moet worden op een perceel. Ook komen er regels voor het areaal rustgewas op een graasdierbedrijf. Aanvullend wordt in regio's met de zand- en lössbodems, waar de opgave voor de waterkwaliteit het grootst is, per 2023 de inzaai van vanggewassen op uiterlijk 1 oktober op 60% van het areaal verplicht. Per 2027 zal inzaai van vanggewassen op uiterlijk 1 oktober na het hoofdgewas op alle percelen verplicht worden. Ik wil samen met de ketenpartijen, voor wie deze omslag eveneens consequenties heeft, de boeren zowel financieel als in praktische zin ondersteunen bij deze transitie. De overgang wordt gefaciliteerd vanuit het gemeenschappelijke landbouwbeleid en ondersteund met advies en kennis onder de paraplu van het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer.

*Pijler B: Gebiedsspecifieke aanpak in gebieden waar de waterkwaliteit achter blijft*
Aanvullend op de duurzame bouwplannen komt er een gebiedsspecifieke aanpak in gebieden waar de kwaliteit van grondwater of oppervlaktewater in sterke mate nog niet voldoet aan gestelde normen. De insteek is een gezamenlijk gebiedsproces van Rijk, provincies, waterschappen en diverse sectorpartijen, zoveel mogelijk in aansluiting op al lopende gebiedsprocessen zoals geïnitieerd door het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer. Mijn wens is om deze processen ook financieel verder te kunnen ondersteunen. Uitgangspunten zijn dat de ondernemer initiatief en verantwoordelijkheid neemt voor de wateropgaven in de directe omgeving van het bedrijf en bijbehorende landbouwgronden, met maatregelen die binnen zijn bereik liggen, daarbij geholpen door deskundig advies. Van belang hierbij acht ik de acties om de bewustwording van agrariërs over de toestand van water (en bodem) te vergroten, monitoring van de lokale conditie van het water te intensiveren, kennis te delen en fysieke, effectief bewezen maatregelen in bedrijfsvoering en beheer door landbouwers vrijwillig over te laten nemen. De voortgang in een gebied als geheel zal worden gemonitord en in 2024 zal daarvan de balans worden opgemaakt. Indien nodig kan dan besloten worden tot aanvullende gebiedsspecifieke verplichtingen met ingang van het 8$^{e}$ AP.

*Pijler C: Overige verplichtende maatregelen*
Naast de onder pijler A en B genoemde maatregelen, verplicht ik ter verbetering van de waterkwaliteit met ingang van het 7$^{e}$ AP bredere integrale bufferstroken. Dit draagt primair bij aan het verminderen van belasting van oppervlaktewater met nutriënten en de uitmijning van fosfaat, maar ook aan vermindering van de belasting door gewasbeschermingsmiddelen en aan een verbetering van de biodiversiteit. Deze bufferstroken tellen niet mee in de mestplaatsingsruimte en mogen ook niet worden bemest. Vanwege de regionaal sterk uiteenlopende effectiviteit, krijgen waterschappen de bevoegdheid om te bepalen waar deze bufferstroken achterwege kunnen blijven. Daarnaast is het voornemen een wetsvoorstel in te dienen ten behoeve van een aanpassing van de landelijk

geldende stikstofgebruiksnormen. In dit wetsvoorstel wordt ook een verruiming van de mogelijkheden voor toepassing van strorijke stalmest en organische stofrijke meststoffen, zowel in periode als in hoeveelheid, voorgesteld.

*Pijler D: Kennis, communicatie en pilots*
Voortbouwend op de activiteiten uit het 6e AP blijf ik onverminderd werken aan versterking van communicatie, kennisontwikkeling en kennisdeling. Het mestbeleid als middel om goede waterkwaliteit te bereiken wordt in de communicatie benadrukt. Bij kennisontwikkeling gaat het zowel om kennis door wetenschappelijk onderzoek als om overdracht van die kennis aan de agrarisch ondernemer om toegepast te worden op het eigen bedrijf. Voor dat laatste zoek ik nadrukkelijk aansluiting bij het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer (DAW), gekoppeld aan financiële ondersteuning aan het DAW. Door middel van pilots en inzet op praktijkonderzoek laat ik kennis op toepasbaarheid toetsen en op toegankelijke wijze delen. De kennisontwikkeling is onder andere gericht op bron- en end-of-pipe-maatregelen om eutrofiëring tegen te gaan door overbelasting van het oppervlaktewater met stikstof en fosfaat te voorkomen of te verminderen. Het stimuleren van innovatie in het agrarisch ondernemen is onverminderd een nadrukkelijke doelstelling.

*Pijler E: controle en handhaving*
Controle en handhaving blijft een belangrijke activiteit in het mestdomein. In de Versterkte handhavingsstrategie mest (Kamerstuk 33037, nr. 311) heb ik eerder uiteengezet op welke wijze ik controle en handhaving risicogericht inzet. De benodigde samenwerking met medeoverheden in de gebiedsgerichte aanpak wordt met kracht voortgezet en indien noodzakelijk, verder uitgebreid naar andere gebieden.

*Taskforce Mest en Waterkwaliteit*
Ik heb samen met de bewindspersonen van I&W eind 2020 de taskforce Mest en Waterkwaliteit ingesteld om ons te adviseren over de invulling van het 7e AP. De adviezen treft u aan als bijlagen 3 (advies van 10 december 2020) en 4 (advies van 17 juni 2021). De adviezen zijn van invloed geweest op mijn afwegingen en keuzes voor de inhoud van het 7e AP maatregelenpakket. Ik zal de taskforce Mest en Waterkwaliteit ook benutten voor de gebiedsgerichte handhaving en voor een besluit tot uitbreiding van die aanpak naar andere gebieden.

*Milieueffectrapportage (MER) en het advies van de Commissie Deskundigen Meststoffenwet*
Wageningen Environmental Research heeft in de milieueffectrapportage (MER) de milieueffecten van het 7e AP beoordeeld. Daartoe is een analyse gemaakt van enkele scenario's met mogelijke maatregelen. Hierbij zijn drie scenario's geanalyseerd, waarbij scenario A volledig steunt op stimulering van het nemen van maatregelen door boeren zelf, en in scenario C ingrijpende regulerende maatregelen genomen worden. Bij deze laatste moet worden gedacht aan bijvoorbeeld het korten op de stikstofgebruiksnorm bij een intensief bouwplan en de aanleg van bufferstroken van 3 meter op elk perceel. Scenario B betreft een middenweg, waarbij de parameters van maatregelen wat minder ingrijpend zijn. Zo zijn de bufferstroken hier 2 meter breed. In de drie scenario's die

doorgerekend zijn in de MER, was de inzet van duurzame bouwplannen zoals beschreven onder Pijler A. nog niet opgenomen.

Uit de MER komt naar voren dat een gebiedsgemiddelde nitraatconcentratie onder de 50 mg/L in het zuidelijk zandgebied mogelijk nipt te behalen is met de maatregelen opgenomen in Scenario C (48 mg/L in 2027, gemiddeld over alle landbouwsectoren bezien). Voor het lössgebied zal bij implementatie van Scenario C de nitraatconcentratie in 2027 gebiedsgemiddeld 60 mg/L bedragen. Daarbij dient opgemerkt te worden dat er hierbij van is uitgegaan dat er geen bemesting boven de gebruiksnormen plaatsvindt én dat de gehele landbouwsector deelneemt aan DAW. Scenario C bevat dus een zekere overschatting van het eindresultaat dat in de praktijk is te verwachten, waarmee doelbereik verre van zeker is en voor het lössgebied überhaupt niet in beeld is.

Er zal op korte termijn echter voldoende garantie moeten zijn dat Nederland aan de Nitraatrichtlijn blijft voldoen en met alleen de maatregelen geanalyseerd in de MER is deze garantie er in onvoldoende mate. Een groot deel van de opgave voor de grondwaterkwaliteit resteert in de akker- en tuinbouw, waar de samenstelling van het bouwplan van grote invloed is op de nitraatconcentratie in het bovenste grondwater. Om deze reden heb ik separaat de Commissie Deskundigen Meststoffenwet (CDM) om een advies gevraagd ten aanzien van de verwachte effectiviteit van duurzame bouwplannen. Indicatieve berekeningen door de CDM laten zien dat door één op drie rustgewassen te telen en een vanggewas te zaaien vóór 1 oktober na alle hoofdgewassen, de nitraatnorm van 50 mg nitraat per liter waarschijnlijk gemiddeld bereikt kan worden in de zand- en lössregio's. Onder de open teelten (alle gewassen exclusief gras, snijmaïs en overig ruwvoer) lijkt de nitraatconcentratie voor zand- en lössgronden gemiddeld te komen op 52 mg/L onder zuidelijk zand tot 41 mg/L onder löss. De gebiedsgemiddelde concentratie als gevolg van alle gewassen en teelten zal dan lager liggen.

De CDM merkt bij deze indicatieve berekeningen op dat de onzekerheid in de berekende verminderingen van de nitraatuitspoeling naar het grondwater en van de stikstof- en fosfaatuitspoeling en -afspoeling naar het oppervlaktewater relatief groot is. Zij pleit om deze reden voor een gebiedsgerichte en gefaseerde invoering van duurzame bouwplannen in de praktijk, in eerste instantie in pilotvorm. Voor de hand ligt dan invoering in die gebieden waar duurzame bouwplannen naar verwachting het effectiefst zijn en de opgave groot is, waarmee de CDM uitkomt op het zuidelijk zandgebied.

Ik pleit voor het volgen van het advies van de CDM wat betreft een gefaseerde invoering van duurzame bouwplannen, maar stel wel voor om deze maatregel meteen over het gehele land gefaseerd in te voeren. Hiermee wordt een grotere garantie op doelbereik ingebouwd dan bij het louter toepassen van de maatregelen uit de MER. Tevens wordt een "waterbedeffect" van teelten die over het land verschuiven, voorkomen. De kortingen op de stikstofgebruiksnormen, zoals geanalyseerd in de MER en met consequenties voor de gewasopbrengst, kan dan achterwege blijven.

Voor wat betreft de oppervlaktewaterkwaliteit laat de MER zien dat de effectiviteit van maatregelen sterk regionaal verschilt. Verbeteringen in grondwaterkwaliteit

vertalen zich niet één op één in verbeteringen van oppervlaktewaterkwaliteit. Het toepassen van bufferstroken varieert sterk: van 14% reductie in stikstof en 7% reductie in fosfor in het oppervlaktewater in de veenregio, tot 1% reductie in stikstof en 2% reductie in fosfor voor de lössregio. Ook per waterschap laten de bufferstroken een grote variatie in effectiviteit zien.

*Stand van zaken derogatie*
Een derogatie van de Europese Commissie maakt het mogelijk om onder voorwaarden een hogere dierlijke mestgift aan te wenden dan toegestaan conform de Nitraatrichtlijn. In voornoemde brief van 25 juni 2021 heb ik u geïnformeerd over het proces dat doorlopen dient te worden bij het verlenen van een derogatie van de Nitraatrichtlijn vanaf 2022. Ik ben met de Europese Commissie overeengekomen dat Nederland in het Nitraatcomité van 15 september 2021 de eerste presentatie mag geven over de waterkwaliteit. De Europese Commissie heeft hierbij aangegeven dat de verslechterende trend van de waterkwaliteit blijkens de Nitraatrapportage 2020 (Kamerstuk 33037, nr. 378 ), vergt dat Nederland stevige maatregelen treft in het 7$^{e}$ AP. Over deze maatregelen zal ik de komende periode in gesprek blijven met de Europese Commissie. De uitkomsten van deze gesprekken zullen de vervolgstappen in het Nitraatcomité verder bepalen.

*Vervolg*
De definitieve samenstelling van het 7$^{e}$ AP, dat aan het einde van dit jaar moet zijn vastgesteld, zal uiteindelijk worden bepaald aan de hand van de uitkomsten van de zienswijzeprocedure op het ontwerp 7$^{e}$ AP in het kader van de MER, het advies van de commissie m.e.r., de gesprekken met de Europese Commissie en uiteraard uw Kamer.

Carola Schouten
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ONDERTEKENING

**Directoraat-generaal Agro**

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Inhoudelijke vragen bij brief:
- duurzaam bouwplan niet meer op veel bedrijven wel/niet meer kunnen in bepaalde gebieden? ~~Dit~~ Is het mogelijk de waterdelen te halen zonder hier keuzes in te maken?

**Auteur**
5.1.2.e 5.1.2.E
T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
2 augustus 2021

**Kenmerk**
DGA / 21164402

**BHM 21199878**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**
11

# Beslisnota

Ontwerp 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn

- de brief ademt op sommige plaatsen nog vijandigheid, waar we geconstateerd hebben dat stadium nu voorbij te zijn. Wijk naar de tekst op die punten en scherp die needs aan.

Nota bevat informatie waarvan vrijgeven in strijd is met belang van de Staat:
☒ Nee ☐ Ja, onder betreffend kopje <...> ☐ Ja, verspreid over memo (markeer)

- het wetsvoorstel aanpassing stikstofgebruiksnormen wordt even genoemd, maar dit gaat natuurlijk veel vragen oproepen. Ik wil dit beter beschreven hebben in de brief en zelf ook beter geïnformeerd worden wat nu precies de consequenties zijn.

**Parafenroute**

| DG Agro | PAV, MT-Lid | WJZ |
|---|---|---|
| 5.1.2.e | 5.1.2.E | |

**BPZ**
5.1.2.E

- Zie overige opmerkingen brief. Graag verwerken.

*Mede namens / met akkoord van Minister van I&W en Staatsecretaris van* 5.1.2.e

5.1.2.e 1-8

## Aanleiding

Hierbij wordt u het ontwerp 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (verder 7e AP) voorgelegd ter goedkeuring voor publieke consultatie eind augustus en ter afstemming met de Europese Commissie (EC). Het 7e AP heeft tot doel nutriëntverliezen uit de landbouw naar grondwater en oppervlaktewater te verminderen. Het 7e AP moet eind dit jaar worden vastgesteld en aan de EC worden aangeboden.

## Geadviseerd besluit

U wordt geadviseerd:

1. In te stemmen met de publieke consultatie van het ontwerp 7e AP 2022-2025 (bijlage 1). In dit ontwerp zijn de uitkomsten van de Milieueffectrapportage, het CDM-advies duurzame bouwplannen, de adviezen van de Taskforce Mest en Waterkwaliteit, uw opmerkingen uit het gesprek van 22 juni jl. en de ambtelijke afstemming met I&W verwerkt. De publieke consultatie moet goedgekeurd worden door de Minsterraad i.v.m. de demissionaire status van het Kabinet. Het aanbieden van de consultatie bij de MR heeft u reeds goedgekeurd (bijlagen 5, 6 en 7). De consultatie omvat tevens de Milieueffectrapportage en bijbehorende CDM-adviezen (bijlagen 8, 9 en 10).

Ontvangen BPZ

2. In te stemmen met een verdere uitwerking van een aanvullend spoor, parallel aan de internetconsultatie, gericht op het behalen van de nutriëntdoelen in oppervlaktewater onder de Nitraatrichtlijn (NR) en Kaderrichtlijn Water (KRW). Deze uitwerking zal op korte termijn plaats vinden om te beoordelen welke aanvullende of aangescherpte maatregelen opgenomen kunnen worden in het 7e AP met het oog op de doelen. Dit zal gebeuren in samenhang met het stikstoftraject.
3. De bijgevoegde Kamerbrief met de hoofdlijnen van het ontwerp 7e AP te ondertekenen (bijlage 2). Met verzending van de Kamerbrief worden ook de adviezen van de taskforce Mest en Waterkwaliteit (bijlagen 3 en 4), de voorliggende beslisnota, de Milieueffectrapportage en het CDM-advies Duurzame bouwplannen openbaar gemaakt.
4. In te stemmen met de in bijlage 11 opgenomen presentatie over de waterkwaliteit in het Nitraatcomité van 15 september as.

De bovenstaande adviezen worden tevens voorgelegd aan de bewindspersonen van I&W.

## Kernpunten

- Het voorliggende ontwerp 7e AP bevat een stevig pakket aan maatregelen dat gemiddeld genomen naar verwachting zorgdraagt voor het bereiken van het grondwaterdoel van de Nitraatrichtlijn. Naar verwachting draagt het pakket door de geringe reductie van de nutriëntconcentratie in oppervlaktewater in beperkte mate bij aan het eutrofiëringsdoel van de Nitraatrichtlijn (NR) en de nutriëntdoelen van de Kaderrichtlijn Water (KRW), inclusief drinkwater. Dit kan consequenties hebben voor de derogatie en leiden tot een inbreukprocedure door de EC of juridische procedures.
- Het 7e AP richt zich meer dan voorheen specifiek op probleemgebieden en probleemteelten voor de nutriëntenuitspoeling en -afspoeling. Het ontwerp-actieprogramma is een mix van verplichten en faciliteren met landelijke én gebiedsspecifieke maatregelen. Het steunt op een vijftal pijlers:
    A) Een generiek en gefaseerd in te voeren verplichting tot duurzame bouwplannen ter verbetering van waterkwaliteit én bodemkwaliteit;
    B) een aanvullende, faciliterende gebiedsspecifieke aanpak in gebieden met achterblijvende kwaliteit van grond- en/of oppervlaktewater, met ook aandacht voor de grondwaterbeschermingsgebieden;
    C) een set van overige verplichtende maatregelen, waaronder verbreding van teeltvrije zones langs watergangen;
    D) ontwikkeling van kennis, communicatie en pilots;
    E) continuering en uitbreiding van versterkte controle en handhaving.

  Naast deze vijf pijlers wordt de bestaande regelgeving ter uitvoering van het 6e AP gecontinueerd.
- Het pakket heeft een stevige impact op de bedrijfsvoering van agrariërs, met name door de veranderingen die het nieuwe duurzame bouwplan en de verbreding van teeltvrije zones langs watergangen teweeg brengen. Er wordt nog gewerkt aan een economische impactanalyse. Deze wordt in september verwacht en zal dan aan u worden voorgelegd en gepubliceerd.
- De MER (bijlage 8) en het CDM-advies duurzame bouwplannen (bijlage 9) geven aan dat de doelen voor nitraat in het grondwater gehaald kunnen

worden met de maatregelen uit het voorliggende ontwerp 7e AP. Een belangrijke maatregel daarvoor is de verplichting tot duurzame bouwplannen. Het duurzaam bouwplan draait om meer rustgewassen in de rotatie, teelt van vanggewassen en een groter areaal rustgewassen en permanent grasland op graasdierbedrijven. Dit werkt positief op veel vlakken; waterkwaliteit, bodemkwaliteit, koolstofopslag en biodiversiteit.

- In de toelichting staan de in het 7e AP voorgenomen maatregelen uitgebreider beschreven.
- Belangrijk aandachtspunt is dat er momenteel nog geen middelen beschikbaar zijn gesteld voor uitvoering van het 7e AP. De uitvoering van het 6e AP is incidenteel gefinancierd tot en met 2021. Het beschikbaar stellen van financiering zal onderdeel moeten zijn van de politieke besluitvorming over het 7e AP.

*Oppervlaktewaterkwaliteit*

- Uit de planMER blijkt een dilemma voor de oppervlaktewaterkwaliteit. Enerzijds kan worden geconstateerd dat het ontwerp 7e AP een stevig maatregelenpakket betreft, dat het behalen van de grondwaterdoelen waarschijnlijk borgt. Anderzijds wordt een te beperkte verbetering bewerkstelligd om de oppervlaktewaterkwaliteitsdoelen per 2027 te behalen.
- Het effect van de maatregel 'duurzame bouwplannen' op oppervlaktewaterkwaliteit is in deze studies niet doorgerekend. Door de implementatie van deze maatregel zullen de resultaten iets beter uitvallen voor nitraat. Echter, ook dan is de verwachting dat de bijdrage qua nutriëntbelasting uit de landbouw nog onvoldoende verbetering betekent voor de doelen in 2027. Zowel voor nitraat als voor fosfor.
- Het advies luidt om gedurende de looptijd van de consultatie een aanvullende analyse uit te voeren naar welke maatregelen benodigd zijn om de oppervlaktewaterkwaliteitsdoelen te behalen. Het kan dan gaan om verdere aanscherpingen van maatregelen uit het ontwerp 7e AP maar vooral ook om aanvullende, fundamentele maatregelen in het landbouwsysteem, in samenhang met de structurele aanpak stikstof. Aan het eind van deze periode zal duidelijker zijn in hoeverre deze maatregelen onderdeel zullen moeten zijn van het 7e AP.
- Uit een eerdere studie voor het Maasstroomgebied blijkt dat zeer ingrijpende maatregelen nodig zijn, en dat zelfs na het nemen hiervan doelbereik in sommige wateren buiten bereik is.
- Mogelijk dient het voortbestaan van landbouwactiviteit als zodanig in betreffende gebieden opnieuw te worden bezien. Een dergelijke fundamentele wijziging van het landbouwsysteem reikt verder dan het 7e AP en dient, vanwege mogelijke "waterbedeffecten", in samenhang te worden bezien met de structurele aanpak stikstof en realisatie van de klimaatdoelen.
- U wordt dan ook geadviseerd realisatie van de NR en KRW-doelen integraal bij de planvorming voor stikstof en klimaat te betrekken.

## Krachtenveld

- De Europese Commissie geeft aan dat een verbetering van de waterkwaliteit noodzakelijk is, zeker gezien de verslechtering door de droogte. Zij kunnen daarmee aandringen tot een verdere aanscherping van het pakket. Ruimte tot

versoepeling lijkt onwaarschijnlijk. Om overeenstemming met de Europese Commissie te bereiken, is een stevig pakket maatregelen in het 7e actieprogramma noodzakelijk.

- De verwachting is dat sectorpartijen hun zorgen zullen uitspreken over de zwaarte van het pakket als gevolg van de voorgestelde maatregelen van duurzame bouwplannen en bredere teeltvrije zones. Met name intensieve gespecialiseerde bedrijven zullen geraakt worden door de duurzame bouwplannen. De teeltvrij zones zullen vooral veel impact hebben in gebieden met veel sloten en gras. De verwachting is dat sectorpartijen zullen oproepen tot versoepelingen.
- De waterpartijen en provincies (vertegenwoordigd in de Taskforce Mest en Waterkwaliteit) doen, kort samengevat, een oproep tot stevig ingrijpen met zekerheid tot doelbereik voor de Kaderrichtlijn Water, maar wel op zo'n manier dat de sector hier (financieel) geen of beperkt last van heeft. Het ontwerp 7e AP zoekt een goede balans hierin, echter de MER wijst ook uit dat onmogelijk volledig aan beide elementen tegemoet kan worden gekomen. De economische impactanalyse, uitgevoerd door Wageningen Economic Research op advies van de Taskforce, zal hier meer inzicht in geven.

## Toelichting

*Belangrijkste maatregelen ontwerp 7e AP*

Verplichting tot duurzame bouwplannen

- De voorgestelde verplichting tot duurzame bouwplannen ziet op het toepassen van rustgewassen, vanggewassen en blijvend grasland ter verbetering van de waterkwaliteit, bodemkwaliteit, klimaat en biodiversiteit. Het ontwerp 7e AP voorziet in een gefaseerde invoering waarbij landelijk zal gaan gelden dat er per 2023 iedere vier jaar en per 2027 iedere drie jaar een rustgewas geteeld moet worden op een perceel. Ook komen er regels voor het areaal rustgewas op een graasdierbedrijf. Aanvullend moeten in regio's met de zand- en lössbodems, waar de opgave voor de grondwaterkwaliteit het grootst is, per 2023 op 60% van het areaal na het hoofdgewas vanggewassen ingezaaid worden per 1 oktober. Per 2027 zullen vanggewassen na het hoofdgewas op álle percelen verplicht worden.
- De gefaseerde invoering maakt het mogelijk om de sector in de eerste periode (2023 t/m 2026) financieel te ondersteunen, bijvoorbeeld vanuit het GLB, in de transitie naar de aangescherpte verplichting die vanaf 2027 gaat gelden.
- De CDM adviseert een gefaseerde invoering van duurzame bouwplannen, en adviseert te differentiëren naar teelten, gebied en grondsoort.
- Omdat een "waterbedeffect" echter voorkomen dient te worden, een gemiddeld bedrijf zal kunnen voldoen aan de gestelde rotatieschema's, en de schema's daarnaast meerdere doelen dienen, worden deze in dit ontwerp wel over het gehele land voorgesteld.
- Voor het toepassen van vanggewassen wordt wel gedifferentieerd per grondsoort, omdat zij beduidend minder inpasbaar zijn op klei- en veengronden, de grondwaterkwaliteit hier ten algemene op orde is, en de effectiviteit op deze gronden minder duidelijk is dan op zand- en lössgronden.
- Omdat er in het kader van het grondgebondenheidsspoor van het toekomstig mestbeleid ruimte dient te worden behouden voor samenwerkingsverbanden met akkerbouwers, zal voor de rundveehouderij een minimaal percentage

rustgewassen worden verplicht van 70%. De helft daarvan dient permanent grasland te zijn, omdat vooral dit gewas een goede waterkwaliteit en koolstofopslag borgt.

Verplichting tot teeltvrije zones langs watergangen

- Het ontwerp 7e AP voorziet in invoering van een verplichting tot teeltvrije zones (bufferstroken) van 2 meter langs watergangen, en 5 meter voor ecologisch kwetsbare waterlopen en voor KRW-waterlichamen. Deze bufferstroken tellen niet mee in de mestplaatsingsruimte en mogen ook niet worden bemest. Dit draagt primair bij aan het verminderen van belasting van oppervlaktewater met nutriënten en de uitmijning van fosfaat, maar ook aan vermindering van de belasting door gewasbeschermingsmiddelen en aan een verbetering van de biodiversiteit.
- Uit de MER blijkt een positief effect op de oppervlaktewaterkwaliteit door vermindering van de stikstof- en fosforbelasting. Vanwege de regionaal sterk uiteenlopende effectiviteit, krijgen waterschappen de bevoegdheid om te bepalen waar deze bufferstroken achterwege kunnen blijven.
- In het nieuwe GLB geldt een minimumvereiste van 3 meter. Hier kan vanaf geweken worden, mits goed onderbouwd. Bufferstroken zijn in Nederland daadwerkelijk minder effectief dan in andere landen vanwege relatief diepe grondwaterstanden, drainagebuizen en het vlakke landschap.

Organische stofrijke meststoffen

- Het ontwerp 7e AP voorziet in meer ruimte binnen het gebruiksnormenstelsel voor toepassing van organische stofrijke meststoffen. Deze maatregel is opgenomen vanuit de wens meer ruimte te bieden aan meststoffen die organische stof in de bodem brengen en daarmee bijdragen aan de bodemkwaliteit en koolstofopslag (klimaatopgave). Daarbij is dit een maatregel waarmee strorijke vaste mest wordt gestimuleerd, dat een positief effect heeft op de weidevogelstand.
- Deze verruiming zal beperkt worden toegepast, omdat deze producten beperkt beschikbaar zijn. Hoewel het hier gaat om een verruiming voor de toepassing van dergelijke meststoffen, blijkt uit de MER een beperkt negatief effect op de waterkwaliteit; op termijn neemt het risico op uitspoeling van nitraat toe omdat de organische stof afbreekt, voor fosfor levert het naar verwachting geen of nauwelijks een negatief effect op.

Handhaving

- De MER geeft aan dat een goede aanpak van overbenutting van nutriënten een grote bijdrage kan hebben aan het bereiken van de doelen voor de waterkwaliteit. Wij adviseren de huidige handhavingsaanpak voort te zetten en waar vanuit de regio gewenst, uit te breiden naar gebieden waar overbenutting een probleem lijkt te zijn.
- De uitwerking van de contouren van het nieuwe mestbeleid zal het systeem op termijn minder fraudegevoelig moeten maken.

Onderzoek

- Zowel voor nitraat als fosfor in oppervlaktewater blijft er een aanzienlijke opgave voor de landbouw bestaan. Voor fosfor is de opgave complex aangezien het voor overgrote deel nalevering vanuit de bodem betreft die zeer traag kan worden aangepakt. Maatregelen die binnen aanzienlijke tijd tot verbetering leiden zullen zich dus moeten richten op de afvang van uitspoelend fosfaat, of het vasthouden van fosfaat in de bodem. Deze maatregelen vereisen verder onderzoek om hun effectiviteit en schaalbaarheid vast te stellen.
- In het ontwerp 7e AP wordt daarom het voornemen tot een breed onderzoek opgenomen, naar mogelijke maatregelen om de fosforbelasting van het oppervlaktewater vanuit de landbouwsector te verminderen.

*Planning*
- Het voornemen is om in de Ministerraad de consultatie van het ontwerp 7e AP en de MER te agenderen om hiermee te zorgen dat de stukken tijdig verstuurd kunnen worden voor het komende Commissiedebat Mestbeleid.
- In de week van 30 augustus 2021 kan de Kamerbrief met het ontwerp 7e AP en de bijbehorende bijlagen verstuurd worden en start de publieke consultatie die 6 weken duurt (tot en met 11 oktober 2021). Voorafgaand aan het versturen van deze brief zal die dag een persbriefing plaatsvinden.
- Medio september wordt met de Europese Commissie gesproken over het ontwerp 7e AP. In het Nitraatcomité in september zal Nederland de eerste presentatie in het proces voor derogatie mogen houden (bijlage 11).

*Derogatietraject*
- De presentatie voor het Nitraatcomité (bijlage 11) laat zien dat de nitraatconcentraties in Nederland in landbouwwateren tot en met 2019 zijn toegenomen. De voorlopige cijfers over 2020 geven aan dat de nitraatconcentraties op zand en löss verder zijn toegenomen en op klei en veen zijn afgenomen. Een verklaring kan deels gevonden worden in de effecten van de droogte in 2017, 2018 en 2019.
- De presentatie laat daarnaast zien dat de nitraatconcentraties onder akkerbouwbedrijven hoger zijn dan onder melkveebedrijven, waardoor het gerechtvaardigd is in het 7e AP juist voor deze bedrijven aanvullende maatregelen te treffen.
- Nederland zal aangeven dat de verslechtering, overeenkomstig de Nitraatrichtlijn, noopt tot aanvullende maatregelen. Hierover zal Nederland de komende tijd in gesprek blijven met de EC.

*Overige punten*
- Bijlage 14 betreft een advies van de CDM over of de lössregio als aparte regio behandeld zou moeten worden. De LLTB is van mening dat door de andere eigenschappen van de lössgrond, ook andere gebruiksnormen en voorschriften zouden moeten gelden. De CDM geeft in hun advies aan dat lössgrond inderdaad anders functioneert wat betreft water en nutriënten, maar dat dit niet leidt tot minder uitspoeling van nitraat. Gezien de slechte grondwaterkwaliteit is er geen ruimte voor versoepelingen van gebruiksnormen of voorschriften in de lössregio.

*Samenvatting traject totstandkoming ontwerp 7e AP*

- Op 30 oktober 2020 is een kamerbrief verstuurd (Kamerstukken II, 2020/2021, 33037, nr.376) waarin ook het proces om tot het 7e AP te komen is beschreven.
- In november 2020 zijn de hoofdlijnen voor het ontwerp 7e AP tot stand gekomen. De hoofdlijnen zijn besproken met de Taskforce Mest en Waterkwaliteit en met een brede groep stakeholders in een tweetal dialoogsessies.
- De Taskforce Mest en Waterkwaliteit heeft op basis van de hoofdlijnen voor het ontwerp 7e AP in december een advies uitgebracht (bijlage 3).
- In februari is de Milieueffect rapportage opgestart, waarin een drietal scenario's zijn doorgerekend – stimulerend scenario, stimulerend & regulerend scenario en het Meest Milieuvriendelijke Alternatief (bijlage 8). Deze is in augustus afgerond.
- Op 13 april 2021 is een kamerbrief verstuurd (Kamerstukken II, 2020/2021, 33037, nr. 393) waarin de opgave voor de waterkwaliteit voor het 7e AP is geschetst en de noodzaak tot een bredere aanpak en transitie van het landbouwsysteem om de opgave te kunnen realiseren. Tevens is het opstarten van de Milieueffectrapportage gemeld en is het traject voor de derogatieverlening besproken.
- In mei 2021 is de Commissie Deskundigen Meststoffenwet gevraagd een advies uit te brengen over de milieueffecten van duurzame bouwplannen (bijlage 9). Deze verzwaring van het pakket is geformuleerd als antwoord op de signalen dat extra maatregelen nodig zijn om de waterkwaliteitsdoelen te halen en ter onderbouwing van een derogatieaanvraag vanaf 2022.
- In juni 2021 is een conceptversie van het ontwerp 7e AP besproken met de Taskforce Mest en Waterkwaliteit. Dit heeft geresulteerd in een tweede advies (bijlage 4).
- In juni 2021 is een conceptversie van het ontwerp 7e AP ambtelijk besproken met LTO.
- De Vaste Commissie voor LNV heeft op 30 juni 2021 ingestemd met het verzoek het 7e actieprogramma en de derogatie van de lijst controversieel verklaarde onderwerpen te halen. Daarbij is besloten hier direct na de zomer over te debatteren.
- In juli is gestart met de economische analyse van de scenario's van de milieueffectrapportage en de duurzame bouwplannen. De uitkomsten worden dit najaar verwacht.
- Parallel aan de publieke consultatie van het ontwerp 7e AP en de Milieueffectrapportage zal de Commissie m.e.r. haar advies opstellen.
- Dit najaar zal overleg worden gevoerd met de Tweede Kamer, de Taskforce Mest en Waterkwaliteit en een brede groep stakeholders. Dit zal leiden tot een definitief 7e AP dat voor eind van dit jaar bij de Europese Commissie zal worden ingediend.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

Datum
Betreft Ontwerp 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, aankondiging publieke consultatie en stand van zaken derogatie

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 21165197

**Bijlage(n)**
7

Geachte Voorzitter,

Met deze brief bied ik u, mede namens de minister en staatssecretaris van Infrastructuur en Waterstaat (I&W), het ontwerp 7e actieprogramma voor de Nitraatrichtlijn (verder 7e AP) aan, dat de periode 2022 – 2025 beslaat. Hiermee geef ik invulling aan de verplichting van de Nitraatrichtlijn om elke vier jaar aan te geven welke maatregelen de lidstaat Nederland zal nemen om de benodigde verbetering van de grond- en oppervlaktewaterkwaliteit te bereiken. De maatregelen beogen dat de nitraatconcentratie in geheel Nederland onder de 50 mg/l komt in het bovenste grondwater, eutrofiëring van het oppervlaktewater wordt tegengegaan en bronnen voor de productie van drinkwater worden beschermd. De maatregelen dragen bovendien bij aan het voldoen aan de doelen van de Kaderrichtlijn Water (KRW)[1], waarvoor uiterlijk in 2027 alle maatregelen genomen moeten zijn die zorgen voor doelbereik. Tevens kom ik met deze brief tegemoet aan het verzoek van de Vaste Commissie voor Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit (LNV) van 30 juni 2021(kenmerk 2021Z12195/2021D26536), om de bestuurlijke adviezen van de taskforce Mest en Waterkwaliteit aan uw Kamer te sturen.

Ik heb in mijn Kamerbrief van 13 april 2021 (Kamerstuk 33037, nr. 393) aangegeven, dat in het kader van de milieueffectrapportage de effecten van enkele mogelijke maatregelenpakketten in beeld zijn gebracht door Wageningen Universiteit en Research (zie bijlage 1). De Commissie Deskundigen Meststoffenwet (CDM) heeft aanvullend advies uitgebracht over de effecten van duurzame bouwplannen (bijlage 2). Mede op basis van beide rapporten heb ik het ontwerp 7e AP samengesteld, dat ik met de onderliggende stukken heden ter publieke consultatie voorleg in het kader van de verplichte m.e.r.-procedure.

In mijn brief van 25 juni jl. (Kamerstuk 33037, nr. 379), gaf ik aan dat dit 7e AP de basis is voor verlening van een derogatie van de Nitraatrichtlijn vanaf 2022. Deze zal alleen verleend worden als de Europese Commissie het vertrouwen heeft dat dit actieprogramma door maatregelen in de landbouw tijdig tot de benodigde

[1] Richtlijn 2000/60/EG van het Europees Parlement en de Raad van 23 oktober 2000 tot vaststelling van een kader voor communautaire maatregelen betreffende het waterbeleid

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 21165197

verbetering van de waterkwaliteit gaat leiden. Met deze brief informeer ik u ook over de stand van zaken met betrekking tot derogatie.

Een goede waterkwaliteit is van groot belang voor burgers, natuur en zeker ook voor de agrarische sector. In mijn Kamerbrief van 13 april 2021 (Kamerstuk 33037, nr. 393) heb ik geconstateerd dat er nog een stevige opgave[2,3,4] ligt bij de landbouwsector voor de grondwater- en oppervlaktewaterkwaliteit. Hoewel er de afgelopen decennia door alle betrokkenen grote stappen zijn gezet, blijft het noodzakelijk dat er extra maatregelen genomen worden. Voor de kwaliteit van het grondwater is deze opgave met name groot in de gebieden met zand- en lössbodems. Voor de kwaliteit van het oppervlaktewater zijn de problemen meer verdeeld over Nederland. De belasting van het oppervlaktewater komt uit verschillende bronnen. De landbouw is in veel gevallen een belangrijke bron van vervuiling door de combinatie van actuele bemesting en de nalevering van nutriënten, afkomstig van bemesting in het verleden. In de afgelopen jaren zorgde droogte, óf recent wateroverlast, voor een verdere verslechtering van de waterkwaliteit.

Uitgangspunt voor het 7e AP is dat het op termijn leidt tot het behalen van de benodigde reductie van nutriëntenbelasting vanuit de landbouw op grondwater én voldoende bijdraagt aan de benodigde reductie van oppervlaktewaterbelasting vanuit de landbouw. Tegelijkertijd dient er voldoende handelingsperspectief voor de landbouwsector te blijven. In dit spanningsveld is het zoeken naar de maatregelen die zowel effectief voor het behalen van de waterkwaliteitsdoelen zijn, als uitvoerbaar en handhaafbaar en geen onevenredige weerslag hebben op de landbouwsector.

Ik heb eerder uiteen gezet dat ik het meeste perspectief zie in een weloverwogen, gelijkmatige, maar duurzame transitie van het huidige landbouwsysteem naar een sterk op kringlopen gebaseerd systeem. In een systeem van kringlopen komen de minste emissies vrij en worden grondstoffen en eindproducten optimaal benut. Ons water en onze bodem zijn essentiële onderdelen van de kringlopen. Ik constateer dat de eenvoudige maatregelen om de kwaliteit van het water en de bodem te verbeteren al zijn genomen en dat zij onvoldoende blijken te zijn.

Er zijn dus meer ingrijpende maatregelen vereist, om ook de laatste cruciale benodigde verbeteringen van de kwaliteit van het water en de bodem tot stand te brengen. De voorgestelde maatregelen in het 7e AP zijn daarin richtinggevend. Als nevendoelen wil ik bereiken dat de maatregelen zoveel mogelijk positieve bijeffecten hebben op andere terreinen zoals stikstof, klimaat en biodiversiteit en dat ik de juiste kaders voor de lange termijn aanbreng. Deze twee doelstellingen komen samen in het voornemen de landbouwsector in zijn geheel over te laten gaan tot invoering van duurzame bouwplannen. Dit voornemen vormt de cruciale maatregel binnen dit actieprogramma. Het kader voor de lange termijn krijgt

[2] Nationale analyse Waterkwaliteit – Onderdeel van de Delta aanpak waterkwaliteit. Eindrapport. Planbureau voor de Leefomgeving, 2020. Rapportnummer 4002. Van Galen, Osté en van Boekel.
[3] Landbouwpraktijk en waterkwaliteit in Nederland; toestand (2016-2019) en trend (1992-2019). Rijksinstituut voor Volksgezondheid en Milieu, 2020. Rapportnummer 2020-0121. Fraters et al. www.rivm.nl/nitraatrapportage2020
[4] Velthof, G.L. en P. Groenendijk, 2021. Landbouw en waterkwaliteit. Wageningen, Wageningen Environmental Research, Rapport 3070.

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 21165197

tevens zijn uitwerking door naast de invulling van het 7e AP, vooruit te kijken naar het 8e AP. Dit vergezicht sluit aan bij de benodigde inzet voor de KRW, dat 2027 als belangrijke datum heeft. Tevens zal in de periode tot circa 2030 het traject van het toekomstige mestbeleid zijn uitwerking krijgen met een verwacht positief effect op het milieu als geheel en op waterkwaliteit in het bijzonder.

Vooruitlopen op het 8e AP is van belang, omdat voor de waterkwaliteitsdoelen van de KRW nog een grote opgave resteert, terwijl nog niet volledig helder is hoe die opgave gerealiseerd kan of moet worden. De milieueffectrapportage van het 7e AP laat zien dat generiek toepassen van bekende maatregelen gericht op het oppervlaktewater zoals bufferstroken, op zichzelf niet genoeg is om de doelen van de KRW te halen. Hiervoor verschilt de effectiviteit van zo'n maatregel te sterk per regio, tijdstip en weersomstandigheden. Vooral voor fosfor is, vanwege de bemesting uit het verleden, de opgave complex door de verschillende factoren die uitspoeling ervan naar het oppervlaktewater kunnen veroorzaken. Dergelijke omstandigheden benadrukken wel het belang van een gebiedsspecifieke aanpak. ~~Ik zie op dit moment geen verdere generieke maatregelen die zowel bijdragen aan de KRW-doelen als aan behoud van een florissante landbouwsector~~. Parallel aan de internetconsultatie zal ik een verdere analyse uitvoeren om inzichtelijk te krijgen hoe de KRW-doelen behaald kunnen worden, met behoud van toekomstperspectief voor de landbouw en in samenhang met maatregelen voor de structurele aanpak stikstof en de klimaatdoelen. Daarbij wil ik ook bezien in hoeverre innovatieve maatregelen, bijvoorbeeld op het gebied van fosforafvang, perspectief bieden om verder te ontwikkelen en in praktijk op effectiviteit te toetsen.

Ik acht aansluiting van het waterkwaliteitsdossier bij het stikstofdossier zeer wenselijk vanuit de zorg om zowel samenhang in beleidstrajecten te bewaken als om wederzijds profijt te bewerkstelligen en de beschikbaar komende budgetten zo effectief mogelijk in te zetten. Uiteraard is het van groot belang dat er geen maatregelen genomen worden in het stikstofdossier die een negatief effect hebben op de waterkwaliteit, en andersom.

Het 7e AP richt zich meer dan voorheen specifiek op probleemgebieden en probleemteelten voor de nutriëntenuitspoeling- en afspoeling. Het actieprogramma is een mix van verplichten en faciliteren met landelijk geldende én gebiedsspecifieke maatregelen en steunt op een vijftal pijlers. Het gaat om:

A) generiek ~~maar~~ en gefaseerd ingevoerde duurzame bouwplannen ter verbetering van waterkwaliteit én bodemkwaliteit;
B) een aanvullende gebiedsspecifieke aanpak in gebieden met achterblijvende kwaliteit van grond- en/of oppervlaktewater;
C) een set van overige verplichtende maatregelen;
D) ontwikkeling van kennis, communicatie en pilots;
E) continuering en uitbreiding van versterkte controle en handhaving.

Naast deze vijf pijlers wordt de bestaande regelgeving vanuit het 6e AP gecontinueerd.

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 21165197

*Pijler A: Duurzame bouwplannen ter verbetering van waterkwaliteit en bodemkwaliteit*
De eerste pijler richt zich op een transitie naar duurzame bouwplannen. Het gaat om bouwplannen waar rustgewassen, vanggewassen en blijvend grasland in combinatie en afgewisseld, zorgen voor een betere bodemkwaliteit en bijdragen aan een betere waterkwaliteit, klimaatbestendigheid, klimaatmaatregelen en biodiversiteit. Er komt een duidelijk groeipad tussen 2023 en 2027 naar duurzame bouwplannen. Landelijk zal gaan gelden dat er per 2023 iedere vier jaar en per 2027 iedere drie jaar een rustgewas geteeld moet worden op een perceel. Ook komen er regels voor het areaal rustgewas op een graasdierbedrijf. Aanvullend wordt in regio's met de zand- en lössbodems, waar de opgave voor de waterkwaliteit het grootst is, per 2023 de inzaai van vanggewassen op uiterlijk 1 oktober op 60% van het areaal verplicht. Per 2027 zal inzaai van vanggewassen op uiterlijk 1 oktober na het hoofdgewas op alle percelen verplicht worden. Ik wil samen met de ketenpartijen, voor wie deze omslag eveneens consequenties heeft, de boeren zowel financieel als in praktische zin ondersteunen bij deze transitie. De overgang wordt gefaciliteerd vanuit het gemeenschappelijke landbouwbeleid en ondersteund met advies en kennis onder de paraplu van het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer.

Hoe? Toelichten.

*Pijler B: Gebiedsspecifieke aanpak in gebieden waar de waterkwaliteit achter blijft*
Aanvullend op de duurzame bouwplannen komt er een gebiedsspecifieke aanpak in gebieden waar de kwaliteit van grondwater of oppervlaktewater in sterke mate nog niet voldoet aan gestelde normen. De insteek is een gezamenlijk gebiedsproces van Rijk, provincies, waterschappen en diverse sectorpartijen, zoveel mogelijk in aansluiting op al lopende gebiedsprocessen zoals geïnitieerd door het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer. Mijn wens is om deze processen ook financieel verder te kunnen ondersteunen. Uitgangspunten zijn dat de ondernemer initiatief en verantwoordelijkheid neemt voor de wateropgaven in de directe omgeving van het bedrijf en bijbehorende landbouwgronden, met maatregelen die binnen zijn bereik liggen, daarbij geholpen door deskundig advies. Van belang hierbij acht ik de acties om de bewustwording van agrariërs over de toestand van water (en bodem) te vergroten, monitoring van de lokale conditie van het water te intensiveren, kennis te delen en fysieke, effectief bewezen maatregelen in bedrijfsvoering en beheer door landbouwers vrijwillig over te laten nemen. De voortgang in een gebied als geheel zal worden gemonitord en in 2024 zal daarvan de balans worden opgemaakt. Indien nodig kan dan besloten worden tot aanvullende gebiedsspecifieke verplichtingen met ingang van het 8e AP.

Hoe? Toelichten of anders weglaten.

Ik vind deze passage kwetsbaar. Dat 'lekt uit' in de TK nu al over te gaan op verplichtingen. Kan ook dwingender geformuleerd worden? En is het mogelijk om alleen op basis van vrijwilligheid te werken? Zijn we straks dan niet te laat?

*Pijler C: Overige verplichtende maatregelen*
Naast de onder pijler A en B genoemde maatregelen, verplicht ik ter verbetering van de waterkwaliteit met ingang van het 7e AP bredere integrale bufferstroken. Dit draagt primair bij aan het verminderen van belasting van oppervlaktewater met nutriënten en de uitmijning van fosfaat, maar ook aan vermindering van de belasting door gewasbeschermingsmiddelen en aan een verbetering van de biodiversiteit. Deze bufferstroken tellen niet mee in de mestplaatsingsruimte en mogen ook niet worden bemest. Vanwege de regionaal sterk uiteenlopende effectiviteit, krijgen waterschappen de bevoegdheid om te bepalen waar deze bufferstroken achterwege kunnen blijven. Daarnaast is het voornemen een wetsvoorstel in te dienen ten behoeve van een aanpassing van de landelijk

Wat staat hier precies? Dit roept veel vragen op. Dus: beter toelichten. En naast het 'nieuw' ook het 'oud' (stroogehalte) beter uitschrijven.

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 21165197

geldende stikstofgebruiksnormen. In dit wetsvoorstel wordt ook een verruiming van de mogelijkheden voor toepassing van strorijke stalmest en organische stofrijke meststoffen, zowel in periode als in hoeveelheid, voorgesteld.

*Pijler D: Kennis, communicatie en pilots*
Voortbouwend op de activiteiten uit het 6e AP blijf ik onverminderd werken aan versterking van communicatie, kennisontwikkeling en kennisdeling. Het mestbeleid als middel om goede waterkwaliteit te bereiken wordt in de communicatie benadrukt. Bij kennisontwikkeling gaat het zowel om kennis door wetenschappelijk onderzoek als om overdracht van die kennis aan de agrarisch ondernemer om toegepast te worden op het eigen bedrijf. Voor dat laatste zoek ik nadrukkelijk aansluiting bij het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer (DAW), gekoppeld aan financiële ondersteuning aan het DAW. Door middel van pilots en inzet op praktijkonderzoek laat ik kennis op toepasbaarheid toetsen en op toegankelijke wijze delen. De kennisontwikkeling is onder andere gericht op bron- en end-of-pipe-maatregelen om eutrofiëring tegen te gaan door overbelasting van het oppervlaktewater met stikstof en fosfaat te voorkomen of te verminderen. Het stimuleren van innovatie in het agrarisch ondernemen is onverminderd een nadrukkelijke doelstelling.

ook hier niet duidelijk wat er precies mee bedoeld wordt. Wat voor innovaties zijn dit den? Toelichten!

*Pijler E: controle en handhaving*
Controle en handhaving blijft een belangrijke activiteit in het mestdomein. In de Versterkte handhavingsstrategie mest (Kamerstuk 33037, nr. 311) heb ik eerder uiteengezet op welke wijze ik controle en handhaving risicogericht inzet. De benodigde samenwerking met medeoverheden in de gebiedsgerichte aanpak wordt met kracht voortgezet en indien noodzakelijk, verder uitgebreid naar andere gebieden.

geeft het belang dat iedereen heeft aan handhaving dit uitgebreider toelichten. Dit is te summier. Schrijf uit wat er nog aankomt en hoe belangrijk het is franco tegen te gaan.

*Taskforce Mest en Waterkwaliteit*
Ik heb samen met de bewindspersonen van I&W eind 2020 de taskforce Mest en Waterkwaliteit ingesteld om ons te adviseren over de invulling van het 7e AP. De adviezen treft u aan als bijlagen 3 (advies van 10 december 2020) en 4 (advies van 17 juni 2021). De adviezen zijn van invloed geweest op mijn afwegingen en keuzes voor de inhoud van het 7e AP maatregelenpakket. Ik zal de taskforce Mest en Waterkwaliteit ook benutten voor de gebiedsgerichte handhaving en voor een besluit tot uitbreiding van die aanpak naar andere gebieden.

*Milieueffectrapportage (MER) en het advies van de Commissie Deskundigen Meststoffenwet*
Wageningen Environmental Research heeft in de milieueffectrapportage (MER) de milieueffecten van het 7e AP beoordeeld. Daartoe is een analyse gemaakt van enkele scenario's met mogelijke maatregelen. Hierbij zijn drie scenario's geanalyseerd, waarbij scenario A volledig steunt op stimulering van het nemen van maatregelen door boeren zelf, en in scenario C ingrijpende regulerende maatregelen genomen worden. Bij deze laatste moet worden gedacht aan bijvoorbeeld het korten op de stikstofgebruiksnorm bij een intensief bouwplan en de aanleg van bufferstroken van 3 meter op elk perceel. Scenario B betreft een middenweg, waarbij de parameters van maatregelen wat minder ingrijpend zijn. Zo zijn de bufferstroken hier 2 meter breed. In de drie scenario's die

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 21165197

doorgerekend zijn in de MER, was de inzet van duurzame bouwplannen zoals beschreven onder Pijler A. nog niet opgenomen.

Uit de MER komt naar voren dat een gebiedsgemiddelde nitraatconcentratie onder de 50 mg/L in het zuidelijk zandgebied mogelijk nipt te behalen is met de maatregelen opgenomen in Scenario C (48 mg/L in 2027, gemiddeld over alle landbouwsectoren bezien). Voor het lössgebied zal bij implementatie van Scenario C de nitraatconcentratie in 2027 gebiedsgemiddeld 60 mg/L bedragen. Daarbij dient opgemerkt te worden dat er hierbij van is uitgegaan dat er geen bemesting boven de gebruiksnormen plaatsvindt én dat de gehele landbouwsector deelneemt aan DAW. Scenario C bevat dus een zekere overschatting van het eindresultaat dat in de praktijk is te verwachten, waarmee doelbereik verre van zeker is en voor het lössgebied überhaupt niet in beeld is.

Er zal op korte termijn echter voldoende garantie moeten zijn dat Nederland aan de Nitraatrichtlijn blijft voldoen en met alleen de maatregelen geanalyseerd in de MER is deze garantie er in onvoldoende mate. Een groot deel van de opgave voor de grondwaterkwaliteit resteert in de akker- en tuinbouw, waar de samenstelling van het bouwplan van grote invloed is op de nitraatconcentratie in het bovenste grondwater. Om deze reden heb ik separaat de Commissie Deskundigen Meststoffenwet (CDM) om een advies gevraagd ten aanzien van de verwachte effectiviteit van duurzame bouwplannen. Indicatieve berekeningen door de CDM laten zien dat door één op drie rustgewassen te telen en een vanggewas te zaaien vóór 1 oktober na alle hoofdgewassen, de nitraatnorm van 50 mg nitraat per liter waarschijnlijk gemiddeld bereikt kan worden in de zand- en lössregio's. Onder de open teelten (alle gewassen exclusief gras, snijmaïs en overig ruwvoer) lijkt de nitraatconcentratie voor zand- en lössgronden gemiddeld te komen op 52 mg/L onder zuidelijk zand tot 41 mg/L onder löss. De gebiedsgemiddelde concentratie als gevolg van alle gewassen en teelten zal dan lager liggen.

De CDM merkt bij deze indicatieve berekeningen op dat de onzekerheid in de berekende verminderingen van de nitraatuitspoeling naar het grondwater en van de stikstof- en fosfaatuitspoeling en -afspoeling naar het oppervlaktewater relatief groot is. Zij pleit om deze reden voor een gebiedsgerichte en gefaseerde invoering van duurzame bouwplannen in de praktijk, in eerste instantie in pilotvorm. Voor de hand ligt dan invoering in die gebieden waar duurzame bouwplannen naar verwachting het effectiefst zijn en de opgave groot is, waarmee de CDM uitkomt op het zuidelijk zandgebied.

Ik pleit voor het volgen van het advies van de CDM wat betreft een gefaseerde invoering van duurzame bouwplannen, maar stel wel voor om deze maatregel meteen over het gehele land gefaseerd in te voeren. Hiermee wordt een grotere garantie op doelbereik ingebouwd dan bij het louter toepassen van de maatregelen uit de MER. Tevens wordt een "waterbedeffect" van teelten die over het land verschuiven, voorkomen. De kortingen op de stikstofgebruiksnormen, zoals geanalyseerd in de MER en met consequenties voor de gewasopbrengst, kan dan achterwege blijven.

Wie zegt dat?

Is dat zo? En hoe verhoudt deze opmerking zich dan tot het uitgangspunt dat ik aanhaalde in deze brief?

Voor wat betreft de oppervlaktewaterkwaliteit laat de MER zien dat de effectiviteit van maatregelen sterk regionaal verschilt. Verbeteringen in grondwaterkwaliteit

vertalen zich niet één op één in verbeteringen van oppervlaktewaterkwaliteit. Het toepassen van bufferstroken varieert sterk: van 14% reductie in stikstof en 7% reductie in fosfor in het oppervlaktewater in de veenregio, tot 1% reductie in stikstof en 2% reductie in fosfor voor de lössregio. Ook per waterschap laten de bufferstroken een grote variatie in effectiviteit zien.

*Stand van zaken derogatie*
Een derogatie van de Europese Commissie maakt het mogelijk om onder voorwaarden een hogere dierlijke mestgift aan te wenden dan toegestaan conform de Nitraatrichtlijn. In voornoemde brief van 25 juni 2021 heb ik u geïnformeerd over het proces dat doorlopen dient te worden bij het verlenen van een derogatie van de Nitraatrichtlijn vanaf 2022. Ik ben met de Europese Commissie overeengekomen dat Nederland in het Nitraatcomité van 15 september 2021 de eerste presentatie mag geven over de waterkwaliteit. De Europese Commissie heeft hierbij aangegeven dat de verslechterende trend van de waterkwaliteit blijkens de Nitraatrapportage 2020 (Kamerstuk 33037, nr. 378 ), vergt dat Nederland stevige maatregelen treft in het 7e AP. Over deze maatregelen zal ik de komende periode in gesprek blijven met de Europese Commissie. De uitkomsten van deze gesprekken zullen de vervolgstappen in het Nitraatcomité verder bepalen.

*Vervolg*
De definitieve samenstelling van het 7e AP, dat aan het einde van dit jaar moet zijn vastgesteld, zal uiteindelijk worden bepaald aan de hand van de uitkomsten van de zienswijzeprocedure op het ontwerp 7e AP in het kader van de MER, het advies van de commissie m.e.r., de gesprekken met de Europese Commissie en uiteraard uw Kamer.

Carola Schouten
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 1 september 2021 19:11
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) 5.1.2.e, 5.1.2. ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Opmerkingen minister bij 7e AP

Dag allen,

5.1 tweede lid i

5.1 tweede lid i

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** woensdag 1 september 2021 14:48
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Opmerkingen minister bij 7e AP

Dag allen,

Net met 5.1.2.E afgesproken dat we proberen morgen aangepaste versie (incl ook opmerkingen Stas I&W verwerkt) + antwoorden op vragen in tas mee te geven. Bij beantwoording vragen moeten we er rekening mee houden dat ook die beantwoording waarschijnlijk openbaar wordt met het verzenden van de TK-brief. Dit gaat 5.1.2.E nog na.

@ 5.1.2.E / 5.1.2.E kunnen jullie vast aanzet maken? Wanneer daar behoefte aan is kan ik voor morgenochtend een overlegje inplannen met ook 5.1.2.E erbij?

@ 5.1.2.E we kunnen in beantwoording wel even in gaan op laatste stand van zaken qua planning en daarmee aangeven dat volgorde in nota onjuist was. Bestaande nota nog aanpassen lijkt mij niet mogelijk.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** woensdag 1 september 2021 14:10
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.e ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E )

<5.1.2.E s@minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E f@minlnv.nl>
**Onderwerp:** Opmerkingen minister bij 7e AP

Dag collega's,

Zie bijgaand de opmerkingen van de minister op de beslisnota en de Kamerbrief over het 7e Actieprogramma.

- Kunnen jullie de opmerkingen van de minister bij de Kamerbrief in tracks verwerken in de opgemaakte versie in de bijlage?
- Daarnaast heeft er ook nog enkele verzoeken tot nadere informatie op de beslisnota gezet. Kunnen jullie hier een nadere toelichting bij opstellen in bullits? Hou er rekening mee dat deze als tezamen met de beslisnota mee wordt gestuurd naar de Kamer.

Groet,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 10 november 2021 11:04
**Aan:** 5.1.2.E
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** The draft 7th Nitrate Action Programme - The Netherlands - Ares(2021)5864022
**Bijlagen:** Re draft 7th Nitrate Action Program the Netherlands.pdf

Dear 5.1.2.E

In response to your letter of September 28th, 2021, we herewith send you our response in which we reply to the concerns and question you raised in this letter.

In our meeting on September 13th, we have informed you on the public consultation on the draft 7th action program following the mandatory environmental impact analysis. This consultation ended on October 18th, 2021. We have received over 3650 views. At this point we are working on adjustments in the draft action program in order to finalize the 7th action program.

Furthermore we would like to inform you on our national process. Our Parliament will have a debate on this topic tomorrow where they can submit amendments to the draft 7th action program. Our national parliament will also vote tomorrow. Next week we will take this forward to our demissionary Council of Ministers in order to get a mandate.

Of course it is also necessary to continue our exchanges on this.

Although we know that you are very busy, also with the strategy on soil which will be published this months, we would like to have a meeting with you in the very short time, preferably at the beginning of next week, in order to get your view on the adjustments we propose before going to our national Council of Ministers.

5.1.2.E has already approached you to schedule a meeting.

Best regards,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Verzonden:** maandag 27 september 2021 09:33
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** The draft 7th Nitrate Action Programme - The Netherlands - Ares(2021)5864022

Ministry of Agriculture,
Nature and Food Quality

> P.O. Box 20401 5.1.2.E The 5.1.2.E Netherlands

5.1.2.E

**Directorate-General Agro**
Plant Supply Chain and Food Quality Department

**Visit address**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag
The Netherlands

**Postal address**
5.1.2.E 20401
2500 EK Den Haag
The Netherlands

**Organisation Code**
00000001858272854000

T 5.1.2.E
F 5.1.2.E
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Dealt with by**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Our ref.**
DGA-PAV / 21251656

**Your ref.**

**Encl.**

Date 10 november 2021
Re Re: draft 7th Nitrate Action Program - the Netherlands

Dear 5.1.2.e, dear 5.1.2.E

Thank you for your letter of September 27th, 2021, on the draft 7th Nitrate Action Program following our meeting on September 13th. In this meeting we have explained how this action program leads to achieving the required reduction of agricultural nutrient load on groundwater and contributes to the required reduction of agricultural load towards surface water to meet the Nitrates Directive and Water Framework Directive in time, while retaining a viable agricultural sector in the Netherlands.

In this context, measures that are effective for achieving the water quality goals, and are feasible and enforceable and do not have a disproportionate impact on the agricultural sector, have to be taken. With the draft 7th Action Program we presented to you, we believe we will meet the goals. We note that the measures in the draft 7th Action Program will have a major impact on the agricultural sector in the Netherlands. Farmers and supply chain parties voice their strong concern about the large impact of the measures on their earning capacity and company survival, as well as on the support of farmers to take water quality voluntarily into account in their agricultural practice ("the goodwill"). Especially in areas where the water quality issues are less severe, the impact of the draft action program is felt strongly.

In this letter we will respond to the concerns and questions you raised in your letter. We will address your concerns one by one. For the other, more detailed questions you raised, we refer to the annex to this letter (see below) and appendices.

*Your remark: Better view on the elaboration of the overhaul of the manure policy and the contours and how they relate to the draft 7th Action Program.*

In the outline for the future manure policy (autumn 2020, appendix 1a) and the information provided on contour 1 and 2 (May 2021, appendix 1b) we have described three tracks (or contours):

1. Trajectory towards fully land-based dairy farming and beef cattle Farming;
2. Trajectory towards professional and transparent manure processing of all manure of non-land-based livestock farms (particularly pigs and poultry);
3. Area based approach in areas where an additional improvement of water quality needs to be reached (entirely part of the 7th Nitrates Action Program).

Tracks 1 and 2 are intended to render the future manure policy regarding livestock farming more robust and thereby more easily enforceable. Today, manure policy in the Netherlands with production quota for the largest livestock categories, and detailed regulations regarding production and transport of manure, is complex. A more robust manure policy is believed to improve compliance and with that water quality, in addition to other goals such as reduction of nitrogen deposition on natural reserves, reduction of greenhouse gas emissions and improvement of biodiversity. The precise effects on water quality and other environmental goals of tracks 1 and 2 are to be determined. Definitions and timeframe will be economically and environmentally assessed in scenarios in the second half of 2021 and first half of 2022 to provide a more quantitative analyses on the effects.

The timeframe of the implementation of the future manure policy and 7$^{th}$ Action Program are indeed different. As previously stated, in the 7$^{th}$ Nitrates Action Program a preliminary description is included of tracks 1 and 2 as a basis for the legal structure to be put in place in the timeframe of 2022-2024. The full realization of the goals of track 1 and 2 is expected to take at least a decade. At this moment more precise definitions, among others regarding concepts as 'land-based', 'cooperation agreements between farmers', and 'definition of manure processing' are being developed, and discussions are being held with stakeholders on this matter.

Track 3 is shaped by the 7$^{th}$ and 8$^{th}$ Action Program and will focus on the period 2022-2028. This is elaborated on in the draft 7$^{th}$ Action Program in paragraph 5.3 (Area specific approach).

*Your remark: We understand that a core measure introduced in the 7$^{th}$ Action Program (AP) will be the nationwide implementation of sustainable cultivation plans. In the Environmental Impact Assessment Report (MER), and the advice of the Committee of Experts Fertilizers Act (CDM) it is confirmed that these cultivation plans can have a positive effect, in particular in the sand regions with more arable land. It is however not specified how much these plans will contribute to the required pollution reduction.*

The advice of the CDM on the effect of the sustainable cultivation plans on ground water, which was sent to you before, shows that with a 1:3 rotation with resting crops at all arable and horticulture farms and a catch crop starting at 1 October, a reduction at sand and loess farms of around 20 – 30 mg/l nitrate can be reached. This leads to a reduction of the nitrate concentration for all sand regions and the loess region to approximately 50 mg/l or less (respectively 52, 52, 39 and 41 mg/l for Sand South, Sand Central, Sand North and Loess) – see figure 1. In combination with the other measures included in the draft 7$^{th}$ Action Program, such as an update of the nitrogen usage standards and the area specific approach in relation to Delta plan Agricultural Water management, the needed improvement of groundwater quality can be reached.

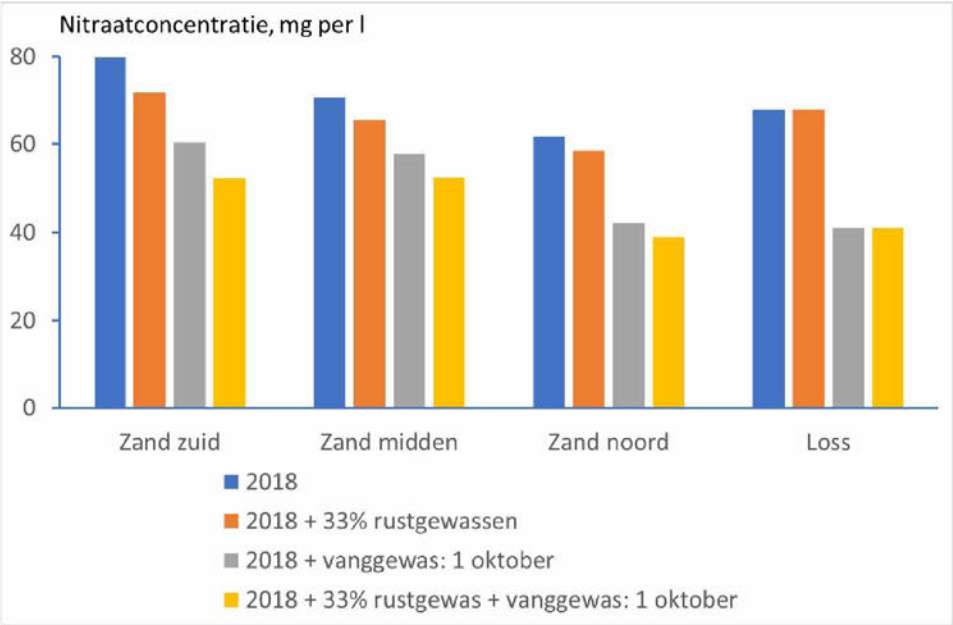


Figure 1 of the CDM advice – calculated average nitrate concentrations in water leaching out of the rootzone at arable and horticulture farms for from left to right Sand South, Sand Central, Sand North and Loess, and from top to bottom (legend) for the reference year 2018, the reference year with 33% resting crops (1:3 rotation), reference year 2018 with catch crops at 1 October and reference year 2018 with 33% resting crops and catch crops at 1 October.

For the clay area, where on average the nitrate norm is already being met, sustainable cultivation plans are much less effective for water- and soil quality. The CDM advises therefore an area specific approach for the sustainable cultivation plan with a focus on the areas with the most effect on water quality. More details can be found in the CDM advice which was sent to you before.

At this moment the effect of sustainable cultivations plans on surface water is calculated by Wageningen University and Research, as this could not be included in the Environmental Impact Assessment due to time constrains at that time. We expect to be able to inform you on these results in short-term.

*Your remark: The sustainable cultivation plan would start in 2023, and will be implemented fully during the following four years. This means that full real effect is only expected at the earliest within 5 years from now. We note the introduction of resting crops, but since these crops are also fertilised crops, the effect on the total nitrogen load remains unclear. We also have concerns about how this measure will be enforced. In particular in those areas where water quality continues to decrease, we consider that this is too late and are not sufficient reinforced measures as required with the provisions of the Nitrates Directive, in particular Article 5.5.*

For the implementation of the measures of the draft 7th Action Program, changes in an act of Parliament and lower legislation are necessary. The first moment we can change (lower) legislation is on January 1st, 2023. It is also on this date that we foresee the sustainable cultivation plan to come into force with the schedule we presented to you on September 13th, 2021. In other words, January 1st, 2023, is the earliest possible date on which measures can enter into force, given legal procedures.

In our view, the sustainable cultivation plan will be effective sooner than 2027. Firstly because as of 2023 farmers will have to oblige to the condition to have their area covered with 60% catch crops leading to a coverage of 100% in 2027. This will be in effect starting 2023. Also for farms with grazing animals regulations about the minimum area of resting crop (among others grass) will be in place – this accounts for all farms with grazing animals. Furthermore, we do not expect farmers to wait until the last year of the rotation scheme to sow a rest crop, as this would be economically ineffective. Also the spully chain parties do need a structural flow of crops each year – if all farmers would wait until the last possible year to sow a rest crops, insufficient supply of crops such as potatoes and sugar beets would be available to meet demand. Therefore, we expect the market to ensure rest crops are evenly grown in the time span set in legislation.

The sustainable cultivation plans are relatively easily enforced, as all farmers are obliged to fill in the "Combined assignment" at the Netherlands Enterprise Agency (RVO) annually. In the "Combined assignment", farmers have to fill in for each of the parcels they use that year what will be grown there. This is also used for the enforcement of the Common Agricultural Practice and is already in place for years. The data entered in the "Combined assignment" are be checked by satellite images, aerial photographs and ground checks. The same accounts for the application of catch crops. Additionally, use is being made of bills of contractors or GPS loaded tractors to check the date of sowing.

*Your remark: We have the same concern about the additional area-specific approach in areas where the water quality is particularly deteriorated. The measures foreseen are not clarified. They would only become mandatory in the 8th AP, which will start in 2026, if water quality is not improving following voluntary measures that will introduced in the 7th action program.*
*We also notice that the reduction of the nitrogen application standard after growing 2 leaching sensitive crops, in sand and loess region, announced during our meeting in January, has not been maintained.*

The DAW is a facilitating body aimed at farmers who commit themselves to the realization of (agricultural) water tasks through regional initiatives. It was created at the initiative of the umbrella agricultural and horticultural organizations (LTO) and aims to make a contribution to the water tasking in collaboration with, among others, the Water Boards and the State. Through this approach, the commitment and craftsmanship of the farmer is stimulated and results are achieved with the DAW. The adage of the DAW is "voluntary, but not non-committal". This is emphasized in the draft 7th Action Program, as it is stated clearly that at the mid-term review in 2024 sufficient improvement must be seen to ward off further mandatory measures. The measures which will come in sight during the mid-term review, differ per area. Examples of such measures are presented in the BOOT-list – a list drawn up by the Administrative Consultation on Open Crops and Livestock Farming (BOOT), including 99 measures to improve water quality, water quantity and/or soil quality (appendix 2). Which measures will be needed, depends on the foreseen remaining task in an area at the mid-term review. In cooperation with

the regional authorities it will be defined which additional measures are needed and which authority will enforce it.

The reduction of the nitrogen application standard for growing two leaching sensitive crops for two seasons in a row, has indeed not been maintained. In our view and as explained above, the sustainable cultivation plans will have a greater effect on the water quality than the reduction of the nitrogen application standard for growing two leaching sensitive crops, especially as the nitrogen application standard is set at company level instead of parcel level, leaving the farmer the option to level out the reduction. Therefore, we did not include this reduction in the draft 7th Action Program.

*You express your concern about the absence of measures which address the livestock density.*

First of all the number of livestock itself does not directly affect the water quality. The water quality can be affected by the nitrogen and phosphate application standards as well as crop type, management and other factors. The application standards are a combination of total standards for fertilizers and livestock manure standards. Also chemical fertilizers can cause leakage of nitrogen, just as animal manure. Additionally, a coverage of grass reduces the nitrogen leaching. Dairy farms in the Netherlands have a large acreage of grass (especially derogation farms), which reduces the nitrogen leachate strongly compared to arable or horticulture farms. A reduction of the grassland acreage and a transition to a different type of land-use can have a negative impact on the water quality.

Furthermore we would like to draw your attention on the table 6 in the draft Nitrate Action Program (page 29), that shows a reduction of livestock numbers in the Netherlands in all main livestock categories (Cows -7,5%, Pigs -8,3% and Poultry -6,4%) between 2015 and 2021. In the coming years more measures are expected to reduce the number of livestock in the Netherlands, as several regulations have recently been introduced for endings of business. These measures will result in a further reduction of manure production in the Netherlands in the coming years. On April 1, 2021, the Netherlands had 4% fewer pigs compared to the previous year. This is partly the result of the pig farming remediation scheme. The National Termination Scheme for Livestock Farming Locations will be opened in 2022 and is expected to have effects in 2023. It is currently not possible to estimate the exact magnitude of the effects of this regulation on the fertilizer market. The same applies to the schemes that are currently open in provinces and that are aimed at the purchase of livestock farms. In the longer term, these regulations are expected to reduce the production of animal manure, which will reduce the pressure on the manure market at national level.

*Your remark: The package presented does not seem to share our sense of urgency given the state of the waters in the NL and the need to comply with the WFD by 2027.We therefore insist that you explain and demonstrate by when which effect on water quality can be achieved.*

With the draft 7th Action Program, the Dutch government has sent a very strong message to the agricultural sector about the need to reduce the impact on the water quality by the agricultural practice strongly and rapidly. As we have explained in our meeting of September 13th, the Environmental Impact Assessment and the additional advice of the CDM show that with the presented measures in the draft 7th Action Program the set goals for groundwater quality will

be met. As the draft Action Program does not yet fulfill the goals for the surface water quality, we are currently working on a set of additional measures based on scientific expertise. The results of this additional path for surface water quality measures is expected end of this month.

In the annex we answer your more detailed questions about among others the Delta plan Agricultural Water management, the buffer strips and on the RENURE-trajectory. On the RENURE-trajectory, we note that dispensations for pilot projects will end on the 31st of December 2021. We aim to continue these projects in a general setting under a RENURE-status. We urge the Commission to provide a pathway towards a country specific solution for RENURE products.

5.1.2.e

5.1.2.E

5.1.2.E

## List of appendices additional to annex

1. A) Overview of the outline for the future of the manure policy
   B) Contour 1 and 2 of the new manure policy
2. BOOT-list 170714_boot_lijst_juli_2017.pdf (agrarischwaterbeheer.nl)
3. Nationale Analyse Waterkwaliteit Nationale analyse waterkwaliteit. Onderdeel van de Delta-aanpak Waterkwaliteit | PBL Planbureau voor de Leefomgeving
4. A) Task force Agricultural Water Management
   B) Notitie nieuwe fase DAW-impuls
5. A) Van Dijk, Postma, Grollenbeek, Mostert, Roefs en Verdoes, 2020a. Behoefte van Mestbewerkingsproducten in Nederland en Europa. Een inventarisatie van perspectiefvolle product-markt combinaties. WUR-report WPR-1011. 528800 (wur.nl)
   B) Van Dijk, Postma en Roefs, 2020b. Landbouwkundige waarde van mestbewerkingsproducten. WUR-report WPR-1012. 528799 (wur.nl)
   C) RVO: overzicht deelnemers onderzoek mineralenconcentraat. Overzicht Deelnemers onderzoek mineralenconcentraat (rvo.nl)
   D) NCM, 2020. Landelijke inventarisatie 2020 export en verwerking dierlijke mest. Landelijke inventarisatie 2020 export en verwerking dierlijke mest (mestverwaarding.nl)
   E) Invoice of delivery of Mineral Concentrates. Agro America 2021.
   F) List of participants in Kunstmestvrije-Achterhoek, RVO 2020.
   G) Ehlert, 2020 Agronomic efficacy of nitrogen biobased fertilising products of co-digested pig manure. Field experiment silage maize 2019. 532699 (wur.nl)
   H) Ehlert en van der Lippe, 2019. Toetsing van de Groene Weide Meststof in de praktijk. Demovelden van de gebiedsgerichte pilot Kunstmestvrije Achterhoek, 2018. 522575 (wur.nl)
   I) Ehlert en van der Lippe, 2020. Toetsing van de Groene Weide Meststof in de praktijk. Demovelden van de gebiedsgerichte pilot Kunstmestvrije Achterhoek, 2019. 532700 (wur.nl)
   J) Invoice of delivery of Groene Weide Meststof. For Farmers 2021

# Annex - Other questions

## A.1 Questions concerning sustainable cultivation plans

*Further clarification about the notion of rest crops should be provided. What are these crops, what is there impact compared to non-rest crops, how will they contribute to the total nitrogen load reduction?*

A rest crop is defined as a deep rooting crop, which has a positive effect on groundwater quality and soil quality (improvement of organic matter content of the soil and rootability) and which is mowed (so no soil disturbance during harvest). This has a direct effect on water quality, as the nutrients are more efficiently used and less nutrients leach towards the groundwater. It also has a longer term effect, whereby the soil quality itself is improved. This leads to better growing crops, which are less sensitive to drought and better able to use the provided nutrients well. Also very wet periods are better handled, as the infiltration capacity of the soil is improved. Looking at the direct effects of groundwater quality, it can be seen that (see table 1 below) grass (the best resting crop) leads to clearly lower nitrate concentrations in the water leaching out of the rootzone than for instance maize, potato of vegetables. Also grain and barley qualify as resting crops according to scientific experts, and have a lower nitrate concentration than maize and vegetables. However, the concentrations are higher than expected, which can be explained by the fact that after harvest a fertilizer is applied for the growth of green manure crops ('groenbemesters'). As can be seen in de draft action program the application of fertilizer for catch crops (including green manure crops) is planned to be prohibited (paragraph 5.2.2.3). With this it is expected that the nitrate concentrations below grain and barley will reduce.

Table 1. Nitrate concentrations below different crops. Based on individual data of the National Manure Policy Monitoring Program (LMM) of the period 2009 – 2017 for sandy soils (more information can be found in table B3.7 of the CDM advice Sustainable cultivation plans).

| *Farm category* | *Crop group* | *Nitrate concentration (mg/l)* | | |
|---|---|---|---|---|
| | | Median (50%) | First quartile (25%) | Third quartile (75%) |
| *Dairy Cattle* | Grass | 7 | 5 | 37 |
| | Maize | 62 | 8 | 117 |
| *Arable* | Potato | 45 | 6 | 97 |
| | Leaf- and stem vegetables | 113 | 42 | 168 |
| | Barley* | 48 | 9 | 83 |
| | Maize | 68 | 7 | 132 |
| | Sugar beets | 49 | 7 | 95 |
| | Grain* | 51 | 6 | 107 |

* Barley and grain are mainly high due to the use of fertilizer after harvest for the growth of green manure crops.

*The impact of the catch crops obligation introduced with the sustainable cultivation plans should be evaluated.*

As part of the draft 7th Action Program, as of 2023 catch crops or winter cover will be obligatory in the sand and loess region at 60% of the parcels and starting 2027

at 100% of the parcels. This growth path is necessary to enable farmers to adapt and to change the harvest system to enable earlier harvest of crops and timely sowing of catch crops. The list of applicable catch crops will follow the current list as used in the manure policy, possible updated with newly developed crops (like early spring rye). Additionally some crops will be placed on a list for allowed winter crops; this are for instance crops with are harvested in winter (kale, Brussels sprouts, winter leek) or are harvested following spring or summer (grass, winter cereals). The list will be drawn up based on advice of the scientific committee for advice of the Manure Policy. For water quality this measure is very effective (as the CDM concluded in their advice, appendix 4 of the email of 13 September 2021), especially if the catch crops are sown in early enough. The impact of this measure on the sector is large – especially the currently set date of 1 October. This date is very challenging for farmers and supply chain parties, as currently harvest campaigns often take up to end of October to get crops out of the field (for potatoes and sugarbeets). Not only this has an effect due to process limitations, also weather is an important factor. For instance this year, the crops have matured more slowly, leading to unripe maize having to be harvest to be able to saw the catch crops before the set date.

*The impact of sustainable cultivation plans on surface water should be provided, as well as the impact of the additional measures that will be introduced in the 7th AP.*

The impact of sustainable cultivation plans is currently being calculated by Wageningen University and Research Centre. It could not be included in the environmental impact analyses due to time constrains and the fact that this part of the draft 7$^{th}$ Action Program was later developed. As soon as we have the results, we will share it with you.
Currently we are working at the trajectory to analyze which additional measures can be taken for the surface water quality in different regions. Scientific experts are asked to list the options and analyses the impact for water quality and farmers. In this process a quick qualitative analyses is being done of the impact for surface water quality. It won't be possible to give a more detailed analyses shortly, due to time and capacity constraints.
The economic impact assessment is expected shortly. We will share it with you once it is ready.

## A.2 Questions concerning Delta plan Agricultural Water management

*Details and examples of the Deltaplan Agricultural Water (DAW) management should be provided, particularly on organization structure, plans, details of measures, responsibilities of the actors involved, and on the expected results from the focus areas.*

The area specific approach of the Task force Agricultural Water Management (Deltaplan Agrarisch Waterbeheer – DAW) is additional to the mandatory measures of the draft 7$^{th}$ Action Program. In the DAW agricultural entrepreneurs, public bodies and water managers work closely together. In 2013 the Dutch agricultural and horticultural organization (LTO Nederland) and the Union of Water Boards (Dutch regional water authorities) decided to join forces in the reduction of emissions from farms to water. At the initiative of LTO Nederland the agricultural sector is contributing to addressing the challenges in the field of water quality and quantity (the water challenges). In addition to the water boards, the provinces (Dutch regional public bodies) and drinking water companies have joined this

initiative over the years, as well as the Ministries of Infrastructure & Water Management and Agriculture, Nature & Food Quality. Currently the Management Council Open-air Cultivation and livestock farming (BOOT) is the steering group for the DAW. In the BOOT the national and regional authorities are represented as well as the agricultural business community by directors of LTO organizations, NFO, KAVB, Cumela and Fedecon. The following organizations are also represented: the Union of Water Boards (UvW), the Interprovincial Consultation (IPO), the Association of Drinking Water Companies in the Netherlands (VEWIN) and the Netherlands Food and Consumer Product Safety Authority (NVWA). As a consequence of the considerable budget provided by the central government, it was decided in July 2021 that a new form of governance was in order in which next to the LTO, both ministries are represented at a high level as well as UvW and IPO. Their task is to decide the strategic course of DAW and to agree to the monitoring program and intended results.

Since 2013 projects have started in which farmers work together to improve water quality, prevent too much of a shortage of water and strengthen the business results of the entrepreneurs. The number of farmers participating has grown to more than 15,000 (there were 52,695 agricultural and horticultural companies in the Netherlands in 2020) within more than 480 projects spread across the country. The search for a new form of collaboration with a good balance between generic measures and area-oriented customized solutions is increasingly bearing fruit. The DAW is increasingly becoming the driving force behind the transition that is taking place in Dutch agriculture and horticulture. A transition to a climate-robust agriculture and horticulture, where raw material cycles are closed, where emissions are drastically reduced and which is in balance with the living environment. At the end of 2017, an administrative agreement was given to boost the implementation of the DAW, the so-called DAW Impulse (figure 1). In the context of the programmatic approach of the DAW Impulse, a new phase is beginning in which agreements are established on the implementation of measures in regional DAW Implementation Programs (DAW UPs) based on the agricultural water tasks and the action perspective for farmers. DAW ensures that the agricultural water tasks are put on the agenda and, in consultation with the farmers, determines which action perspective and measures are considered promising and feasible from the farmer's point of view, summarized in a Regional Document on Agricultural Water Tasking (GAW) per waterboard area. This contains the agricultural task with regard to nutrients and crop protection products, drought, wet damage and salinization ('what'), in which areas ('where') and what the most effective measures are for each task ('how'). The agreements for the implementation of promising measures are included in DAW Implementation Programs (DAW UPs) per waterboard area and, if desired, further specified in areas (among others focus areas). Focus areas are areas within a waterboard area where the task is relatively large and sufficient farmers are willing to cooperate. In this areas most effort will be given on starting area processes and letting as many farmers as possible join in. At company level, these can be further developed into Soil and Water Business Plans (BPWs). Measures could be for instance the construction of level-controlled drainage, the optimization of nitrogen fertilization and the use of catch crops (clay soils) or soil improvement. Based on the GAWs, an Administrative Implementation Plan (UP) for each water board is made at the end of 2021/beginning of 2022 by the most involved parties. This can differ per region, but in any case by LTO, the province, the water board and the collectives (Groups of farmers who work together for nature based farming – also part of CAP). With these administrative agreements it is made clear by all parties that achieving the goals or the intended effects with area-oriented customization has high priority.

*Figure 1. Flow chart of plans of DAW impulse to work to the goal of having solved the agricultural water quality issues*

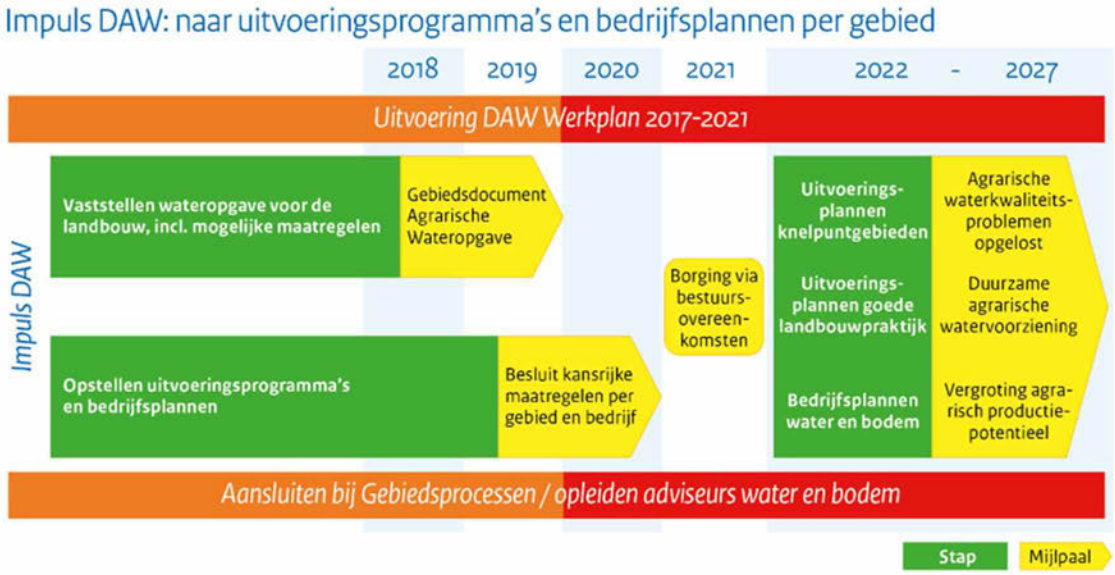


The National Analyses of the Water quality assessed the impact of the DAW trajectory in the Netherlands (appendix 3). Calculations show that the DAW measures can make a significant contribution to improving water quality, but that this requires a relatively high participation of the number of farmers. The DAW-team (including LTO) is working on methods to substantially increase the number of participants. Also the outlook to stricter measures in the 8$^{th}$ AP will stimulate farmers to join in.

Pillar B of the draft 7$^{th}$ Action Program focuses on the area specific approach. This will be mainly executed via the DAW-program. In 2024 a midterm review will be executed, in which countrywide an analyses will be done to assess which areas will not be able to reach the water quality targets in time and therefore will face additional area specific obligations. For this analyses a mixture of modelling, water quality monitoring data and information about participation with DAW (amount of area, measures taken) will be used. In 2024/2025, if needed, the additional obligatory measures will be defined, in such a way that implementation will take place in the beginning of the 8$^{th}$ Action Program.
Further information can be found in appendix 4A, 4B.

### A.3 Questions concerning bufferstrips

*Expected coverage of buffer strips in each of the main regions should be estimated with the number of km of waterway to be protected, with the surface in km² of agricultural land to be converted. The expected nutrient reduction load to the waterways should also be estimated.*

In the Figures (figure 3 and 4) and tables (Table 2 and 3) below the expected coverage of buffer strips can be found in detail. Hereby is calculated with a maximum of 5% per parcel to avoid disproportional effect on small elongated

parcels. Not included is the effect of the option to give Waterboards the opportunity to decide where additional buffer strips compared to the current buffer strips are not needed, as buffer strips are not everywhere effective in the Netherlands due to the flat land, deep groundwater tables and drainage tubes, but do have a large impact at the farm due to the large amount of waterways in the Netherlands. In summary, the maximum number of km of waterway to be protected by this measure is 293,574 km, with the total surface area involved being 40,457 ha or 405 km2. The nutrient load reduction varies from <2% in some regions to 6-8% in some regions for nitrogen, and 4-6% for phosphorous.

*Figure 2. Delineation of the Dutch Water board area's to be used in the tables below.*

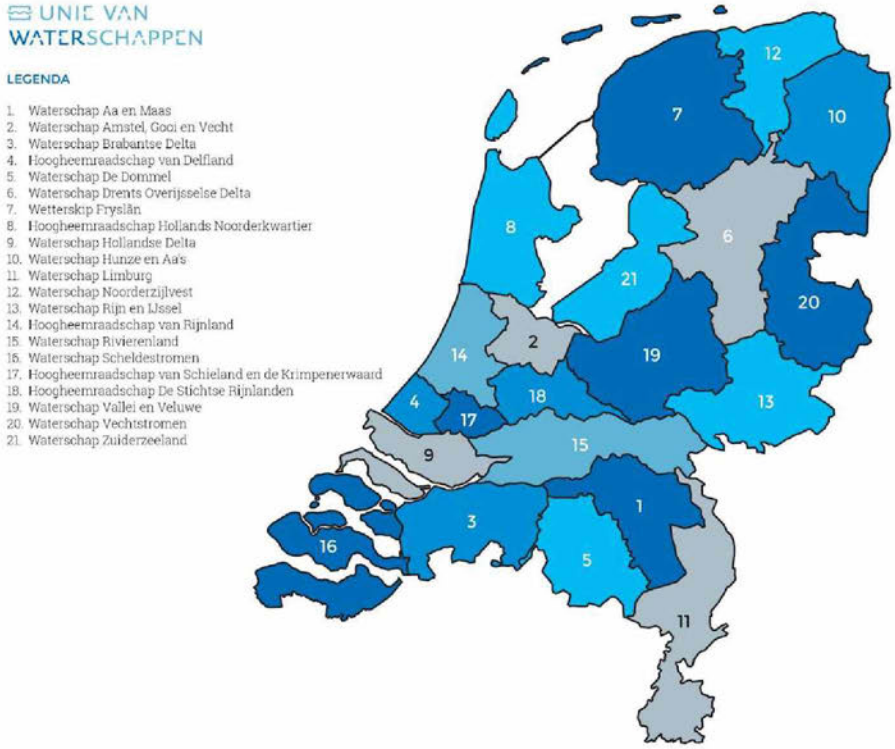

*Table 2 Length of the plot edges per water board (in kilometer) on selected arable and horticultural plots (AT), grassland plots and maize plots along ecologically valuable streams according to art. 3, Implementing Decree on the Fertilizers Act, along WFD water bodies and along watercourses mentioned on the TOP10 vector map - water parts with a width of 0.5-3 meters, 3-6 meters and 6-12 meters. Selection based on plot size and length/width ratio, and land use.*

| Water Board | Alongside ecologically valuable streams according to art 3 Fertilizer Act | | | Adjacent to WFD-waterbodies | | | Adjacent to all watercourses of TOP10 vector map | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | AT | Grass | Maize | AT | Grass | Maize | AT | Grass | Maize |
| Aa en Maas | | | | 60,2 | 156,8 | 74,4 | 1090 | 3211 | 1535 |
| Brabantse Delta | 5,6 | 42,3 | 4,2 | 70,6 | 207,5 | 21,6 | 3498 | 4361 | 1118 |
| De Dommel | 8,1 | 76,4 | 8,2 | 50,1 | 165,2 | 52,5 | 715 | 2064 | 808 |
| Drents Overijsselse Delta | 1,0 | 79,1 | 1,1 | 18,5 | 1139,9 | 36,8 | 1443 | 17281 | 2111 |
| Hollandse Delta | | | | 34,9 | 208,1 | 2,8 | 4055 | 2822 | 283 |
| HH Amstel, Gooi & Vecht | | | | 5,7 | 669,1 | 7,5 | 148 | 9438 | 331 |
| HH Stichtse Rijnlanden | | | | 2,6 | 145,2 | 11,1 | 403 | 13738 | 920 |
| HH Holl Noorderkwartier | | | | 72,6 | 4015,2 | 28,7 | 6509 | 17831 | 725 |
| HH van Delfland | | | | 4,4 | 4,2 | 4,2 | 46 | 2315 | 56 |
| HH Schieland, & Kr,waard | | | | 5,1 | 641,7 | 3,7 | 275 | 7186 | 151 |
| Hunze en Aa's | 5,8 | 58,9 | 1,7 | 14,1 | 315,7 | 3,2 | 7574 | 4963 | 790 |
| Limburg | 35,2 | 173,5 | 16,4 | 51,7 | 113,0 | 25,3 | 1175 | 1754 | 665 |
| Noorderzijlvest | | | | 5,9 | 431,4 | 0,6 | 4779 | 11725 | 476 |
| Rijn en IJssel | 3,6 | 22,4 | 3,5 | 7,0 | 89,3 | 18,3 | 463 | 4142 | 977 |
| HH Rijnland | | | | 161,9 | 925,1 | 18,0 | 2033 | 10948 | 379 |
| Rivierenland | | | | 106,9 | 423,7 | 41,9 | 3140 | 21031 | 1957 |
| Scheldestromen | | | | 145,6 | 623,7 | 2,7 | 7073 | 4039 | 514 |
| Vallei en Veluwe | 0,5 | 58,0 | 3,0 | 4,9 | 153,8 | 15,0 | 252 | 9586 | 1033 |
| Vechtstromen | 0,9 | 80,7 | 2,9 | 17,6 | 85,8 | 15,8 | 1675 | 5428 | 1391 |
| Wetterskip Fryslân | | | | 42,5 | 2462,7 | 55,3 | 4095 | 47937 | 3152 |
| Zuiderzeeland | | | | 517,7 | 238,7 | 15,0 | 4397 | 1620 | 183 |
| **Total** | **60,7** | **591,3** | **40,9** | **1400,5** | **13215,7** | **454,2** | **54838** | **203419** | **19557** |

*Table 3 Surface area of the agricultural parcels involved (hectare) and of the surface on which a buffer strip is set up (hectare). Selection based on plot size and length/width ratio and land use.*

| Water Board | Total surface of plots involved | | | Surface of bufferstrips with a width of 2meter and a max. of 5% per plot (ha) | | | Surface-percentage (%) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | AT | Grass | Maize | AT | Gras | Maize | AT | Gras | Maize |
| Aa en Maas | 20937 | 35429 | 23209 | 211 | 560 | 296 | 1.0% | 1.6% | 1.3% |
| Brabantse Delta | 36888 | 31661 | 12070 | 658 | 657 | 202 | 1.8% | 2.1% | 1.7% |
| De Dommel | 15859 | 26504 | 15694 | 143 | 364 | 160 | 0.9% | 1.4% | 1.0% |
| Drents Overijsselse Delta | 19447 | 106131 | 20952 | 255 | 2551 | 357 | 1.3% | 2.4% | 1.7% |
| Hollandse Delta | 33199 | 11432 | 1830 | 745 | 379 | 51 | 2.2% | 3.3% | 2.8% |
| HH Amstel, Gooi & Vecht | 815 | 19131 | 1032 | 21 | 895 | 40 | 2.6% | 4.7% | 3.8% |
| HH Stichtse Rijnlanden | 2486 | 32636 | 3255 | 57 | 1351 | 109 | 2.3% | 4.1% | 3.4% |
| HH Holl Noorderkwartier | 42277 | 61575 | 3841 | 1141 | 2408 | 121 | 2.7% | 3.9% | 3.2% |
| HH van Delfland | 238 | 5411 | 234 | 8 | 253 | 9 | 3.2% | 4.7% | 3.7% |
| HH Schieland. & Kr.waard | 1723 | 10014 | 299 | 43 | 438 | 12 | 2.5% | 4.4% | 4.1% |
| Hunze en Aa's | 83414 | 36186 | 8654 | 1424 | 807 | 149 | 1.7% | 2.2% | 1.7% |
| Limburg | 45911 | 33183 | 17351 | 235 | 315 | 133 | 0.5% | 1.0% | 0.8% |
| Noorderzijlvest | 36719 | 52964 | 4802 | 872 | 1792 | 86 | 2.4% | 3.4% | 1.8% |
| Rijn en IJssel | 10449 | 75675 | 22489 | 89 | 786 | 194 | 0.9% | 1.0% | 0.9% |
| HH Rijnland | 11168 | 21771 | 1131 | 304 | 924 | 38 | 2.7% | 4.2% | 3.3% |
| Rivierenland | 21705 | 70125 | 10260 | 535 | 2419 | 297 | 2.5% | 3.4% | 2.9% |
| Scheldestromen | 87008 | 26857 | 5555 | 1359 | 614 | 96 | 1.6% | 2.3% | 1.7% |
| Vallei en Veluwe | 4489 | 60814 | 12386 | 42 | 1301 | 170 | 0.9% | 2.1% | 1.4% |
| Vechtstromen | 26297 | 74974 | 23064 | 316 | 1011 | 266 | 1.2% | 1.3% | 1.2% |
| Wetterskip Fryslân | 23347 | 187185 | 16177 | 710 | 6983 | 513 | 3.0% | 3.7% | 3.2% |
| Zuiderzeeland | 71821 | 14454 | 2661 | 907 | 242 | 36 | 1.3% | 1.7% | 1.3% |
| **Total** | **596197** | **994113** | **206946** | **10074** | **27050** | **3333** | **1.7%** | **2.7%** | **1.6%** |

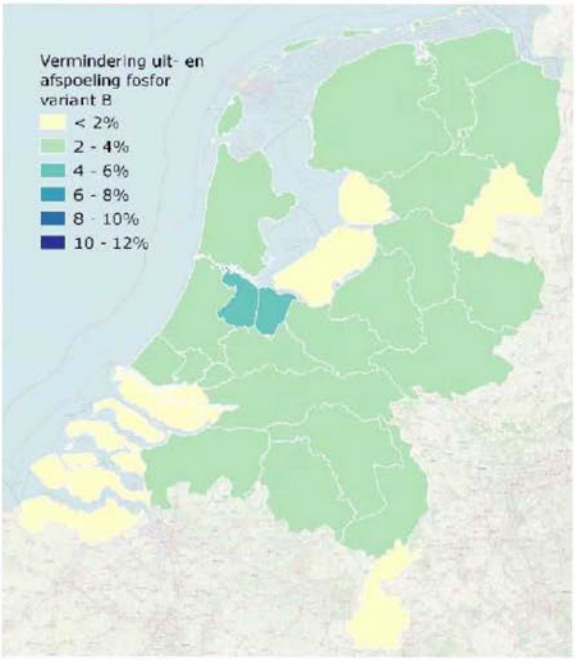


*Figure 3: Phosphorous reduction load to waterway per main region*

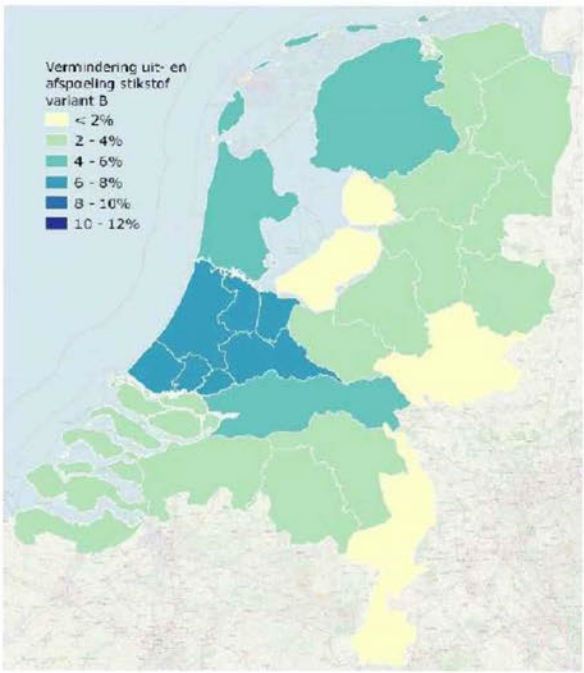


*Figure 4: Nitrogen reduction load to waterways per main region*

*It should be explained how the buffer strips obligation under the AP will be articulated with the related GAEC under the new CAP.*

In the Netherlands we aim to articulate the buffer strip obligation under the AP with the elaboration of GAEC4 of the CAP. Therefore there is close cooperation with the NL GAEC team as well as an open discussion in the Geohub with the EC. Alignment of the bufferstrip requirement between the two policies is very important for acceptance and take-up by farmers. Our approach is that the 7th action program requirement is leading as in that framework scientific research has been done and will become available. This will be used to justify the use of the derogation in GAEC 4 within the Dutch CAP.

### *A.4 Questions concerning RENURE & mineral concentrate pilot projects*

*An update should be provided on the number of farms involved in the production and the use of the mineral concentrate pilot projects. A description of the scale and results of the pilot project on mineral concentrate that has been running for a number of years already. Results should be provided and in particular on the willingness of farmers to use mineral concentrates when they will have to pay for it.*

The Netherlands has an active policy to develop low-emission fertilizer products from livestock manure, which reduces the need for additional fertilization with artificial chemical fertilizers and contributes to improving soil quality. The demand from arable farmers, livestock farmers and horticulturists for fertilizer products is a central question in this policy. There is a large research project that investigates exactly this question, NL Next Level Manure Valuation. In this project, various Product-Market combinations are investigated. Markets can be located within the Netherlands, but also within the European Union. Research is being carried out together with the agribusiness, that has detailed information on the demand of fertilizer products. Such studies (appendix 4A and 4B) show that there is a need in the Netherlands for concentrated nitrogen fertilizers, that can replace artificial fertilizers for use on grassland or winter wheat, and an organically rich product that contains a limited amount of nutrients that can serve as a peat substitute. Outside the Netherlands, there are markets for products rich in phosphate. Similar conclusions also come from the two pilot projects that are running within the framework of the 6$^{th}$ Nitrate Action Program, and that focus on the production of RENURE-products. The first (pilot mineral concentrates) is located in the South of the Netherlands, the second pilot is located in the East of the Netherlands (pilot Kunstmestvrije Achterhoek).

**Pilot Mineral Concentrates**
Production of mineral concentrates has existed in the Netherlands since 2009. Since 2018, there are 10 producers in the Netherlands who have one or two installations. An overview of participants in the research mineral concentrate can be found in appendix 5C (RVO: overzicht deelnemers onderzoek mineralenconcentraat). These companies produce mineral concentrate that should meet legal quality requirements as determined in the Fertilizer Act implementation regulation.

The regional production of mineral concentrate produced is determined on the basis of the transport of mineral concentrate from the production locations to users. On the basis of the supply to agricultural holdings, a picture has been obtained of the distribution of sales over various agricultural areas. Table 4 shows the supply and transport of mineral concentrate from producers to agricultural companies in the agricultural areas South, East and Other over the period 2015 to 2019.

*Table 4. Annual production (tons fresh matter) of mineral concentrates in agricultural companies in agricultural regions South, East and Other.*

| Production | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 |
|---|---|---|---|---|---|
| **South** | 107.971 | 138.235 | 239.539 | 304.362 | 391.666 |
| **East** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **Other** | 15.480 | 13.448 | 11.065 | 9.371 | 10.746 |
| **Total** | **123.451** | **151.683** | **250.603** | **313.733** | **402.412** |

(Bron: NCM, 2020)

Product quality monitoring

The willingness of farmers to use mineral concentrates, and the price they are willing to pay for the product is depending on the quality of the product, and the prices of substitute fertilizer products (e.g. chemical fertilizers). In the context of the pilot mineral concentrates, a monitoring program was carried out to collect data on the current quality of mineral concentrates. The program investigated the national criteria for mineral concentrates, that have been established in order to ensure a high nitrogen utilization efficiency of the concentrate without damaging the environment. And the monitoring program was linked to information requested by the EU Joint Research Center (JRC) to support the development of quality criteria for nitrogenous fertilizers obtained from livestock manure, called RENURE, under the Nitrate Directive. The monitoring was also linked to relevant data on the quality of the permeate from reverse osmosis (OO) to substantiate quality requirements for the discharge of effluents from manure processing plants to surface water. The parameters of the monitoring included primary and secondary nutrients, heavy metals, antibiotics, pathogenic bacteria and viruses. The results of the monitoring have been brought together in this report. The results can be found in the attached English report (Appendix 5F: Composition of mineral concentrates). Results of monitoring installations of the Pilot Mineral Concentrate in 2019-2020. Figures 5 and 6 show that the Renure-criteria for $N_{min}$ and TOC:TN can be met. The report shows that contamination in the product of Cu and Zn is below the standards.

*Figure 5. Variability of NH4-N/Total-N ratio in RO-concentrate per pilot installation. The orange line indicates the threshold. The mid-point of each box equals the mean; the lower and upper edges of each box represent the mean±SD, and the whiskers extend to the minimum and maximum.*

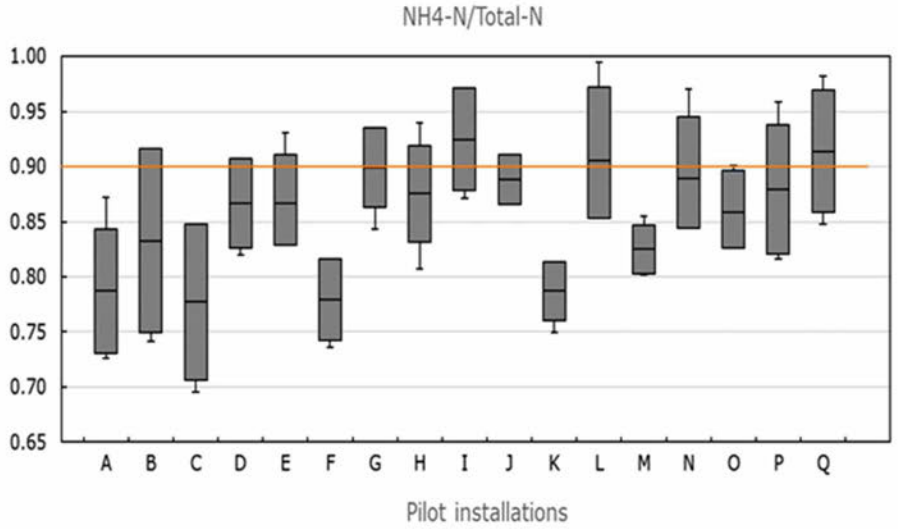


*Figure 6. Variability of TOC/Total-N ratio of RO-concentrate per pilot installation. The orange line indicates the threshold. The mid-point of each box equals the means; the lower and upper edges of each box represent the mean±SD, and the whiskers extend to the minimum and maximum.*

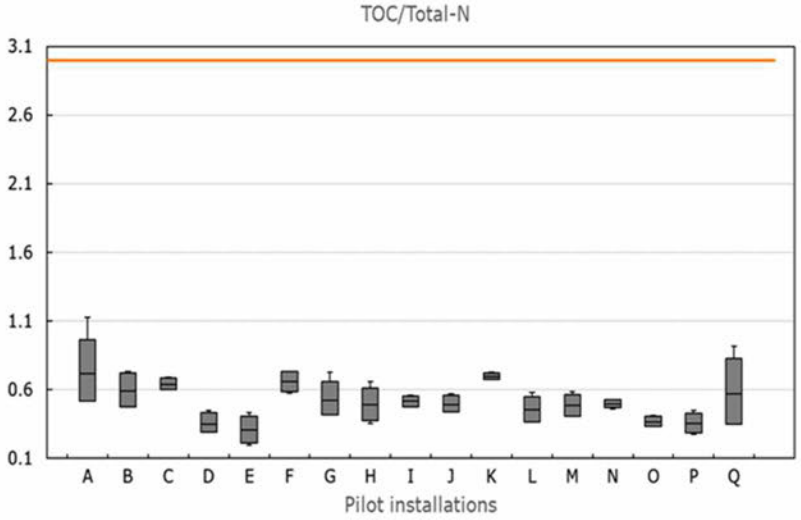


Mineral concentrates are a well-developed market in the Netherlands. In 2018 and 2019 there are a total of 1499 individual users of this product. Product is transported to these farms with a livestock manure transport document with the fertilizer code 120. Users of mineral concentrates can use this product as chemical fertilizer. In table 5 an overview is given of te annual use of the mineral concentrates in different agricultural regions. These figures show that mineral concentrates are widely used in the country and not only in the region South.

*Table 5. Annual use (tons fresh matter) of mineral concentrates in agricultural companies in agricultural regions South, East and Other.*

| Use | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 |
|---|---|---|---|---|---|
| **South** | 87.939 | 97.745 | 168.288 | 199.803 | 253.487 |
| **East** | 3.978 | 12.909 | 18.608 | 26.828 | 31.723 |
| **Other** | 31.534 | 41.029 | 63.708 | 87.102 | 117.203 |
| **Total** | **123.451** | **151.683** | **250.603** | **313.733** | **402.412** |

(Bron: NCM, 2020)

The product is sold for a positive price. An example of an invoice of such a delivery can be found in appendix 5E.

**Kunstmestvrije Achterhoek**
This project runs from 2018, there is one producer (Groot Zevert Vergisting in Beltrum, Gelderland) and 70 participants (Appendix 4F: List of participants in Kunstmestvrije-Achterhoek) all in the region of the Achterhoek. The project aims at the production of fertilizer products that could fulfill the requirements of the revised EU Fertilizer Regulation (EU 2019/1009), under the category of liquid inorganic fertilizers. The installation is using the most advanced manure processing techniques currently available. Groot Zevert is fermenting approximately 130,000 tons of products per year, of which approximately 90-100,000 tons of pig manure. Installation is a co-digester, the other 30,000-40,000 tons are industrial residues. Installation is producing during the year two types of products; a Nitrogen-Sulfur-rich fertilizer in the spring and a Nitrogen-Potassium-rich fertilizer in the summer. Both fertilizers fit within a balanced fertilization plan for this region.

Research
Research in this pilot was conducted on three aspects:
1. Scientific field trials in grass and maize by Wageningen University.
2. 10 demonstration trials at practical locations, a meadow was divided into two parts. Part 1 was fertilized with chemical fertilizer and part 2 with RENURE-fertilizer.
3. Practical companies, where experience of farmers with these fertilizer was investigated.

The scientific field trial in 2019 on silage maize was published (Appendix 4G). Trails on grass and silage maize be continued in 2020 and will be reported in a synthesis report to be published at the end of this year.
In the appendix there are two reports of the demonstration trials in 2018 and 2019 (resp. appendix 5H and 5I). The trials were carried out identical in both years. First, a fertilization recommendation was established on the basis of a soil sample. This recommendation was filled in either with mineral fertilizers or with the socalled Groene Weide fertilisers. Both fertilizer-strategies have identical ratios of nitrogen, potassium and sulfur. Grass development was monitored by measuring grass height at four or five cuts. In addition, the stock of mineral

nitrogen was determined in three soil layers: before fertilization and after the last cut in autumn.
In 2018, the agricultural efficacy of the Groene Weide (NKS) fertilizer at the first cut was lower than that of the blend of synthetic mineral nitrogen fertilizers. This phenomenon was probably caused by the proportion of concentrated ammonium water in the new fertilizer product that led to a high pH. The composition of the fertilizer product was then changed, the pH corresponding to that of manure or digestate. The phenomenon was subsequently cuts no longer observed. After changing the composition, the agricultural activity became comparable. For four cuts, the relative performance estimate of the new fertilizer product is 89% of that of the mineral fertilizer blend.
The stock of mineral nitrogen in the soil layer 0-90 cm increased in 2018 and 2019 as a result of the drought. In 2019, after the last cut, a tendency was observed that the new fertilization product leads to a lower stock of mineral nitrogen in the soil layer 0-90 cm than the blend. There is therefore no indication that the new fertilising product leads to an increased risk of nitrate leaching.

Practical experience
The product is produced at Groot Zevert Vergisting in Beltrum. The product is marketed under the market name *Groene Weide Meststoffen* and marketed by Agricultural Cooperative For Farmers as a fertilizer product. Customers have to pay for this product (Appedix 4J: Invoice of Groene Weide meststof). In this region, the product is mainly used on crops as grass and silage-maize.
In an evaluation of the product among users in 2019, more than 85% of the users indicated that they were satisfied with the implementation of the fertilization. In the project all fertilized fields were soil-sampled. On basis of this soil sample a fertilizer recommendation was made. All participants indicated that they experienced no difference in yield on plots that were fertilized with Groene Weide Fertilizers compared to the plots that received other fertilization. Some users even indicated that they have a slightly better yield, possibly because it is a liquid product, the added water component could also played a role. Fertilization with Groene Weide fertilizers is rated a 7.2 on a scale of 0-10. Participants were mostly positive and indicated that the product matched the fertilizer-demand well. During the 2018-2021 pilot, a fixed group of customers has emerged, who continued to purchase the product, which is also an indication that the product is trusted and matches the fertilizer-demand.

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 10 november 2021 11:47
**Aan:** ' 5.1.2.E 5.1.2.E '
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.E 5.1.2.E ; 5.1.2.E 5.1.2.E ; Secretariaat PAV
**Onderwerp:** RE: The draft 7th Nitrate Action Programme - The Netherlands - Ares(2021)5864022

Dear 5.1.2.E

Thank you for your quick reply, 16 NOV 14:00 is perfect. So hereby I confirm the meeting.

Best regards,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Verzonden:** woensdag 10 november 2021 11:41
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e 5.1.2.E <, 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Onderwerp:** RE: The draft 7th Nitrate Action Programme - The Netherlands - Ares(2021)5864022

5.1.2.E

I have propose to 5.1.2.E to meet on **16 Nove at 14:00 remotely**.
Let us know if that suits you.
Best regards
5.1.2.E

---

**From:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Sent:** Wednesday, November 10, 2021 11:04 AM
**To:** 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Cc:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Subject:** The draft 7th Nitrate Action Programme - The Netherlands - Ares(2021)5864022

Dear 5.1.2.E

In response to your letter of September 28th, 2021, we herewith send you our response in which we reply to the concerns and question you raised in this letter.

In our meeting on September 13th, we have informed you on the public consultation on the draft 7th action program following the mandatory environmental impact analysis. This consultation ended on October 18th, 2021. We have received over 3650 views. At this point we are working on adjustments in the draft action program in order to finalize the 7th action program.

Furthermore we would like to inform you on our national process. Our Parliament will have a debate on this topic tomorrow where they can submit amendments to the draft 7th action program. Our national parliament will also vote tomorrow. Next week we will take this forward to our demissionary Council of Ministers in order to get a mandate.

Of course it is also necessary to continue our exchanges on this.

Although we know that you are very busy, also with the strategy on soil which will be published this months, we would like to have a meeting with you in the very short time, preferably at the beginning of next week, in order to get your view on the adjustments we propose before going to our national Council of Ministers.

5.1.2.E has already approached you to schedule a meeting.

Best regards,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Verzonden:** maandag 27 september 2021 09:33
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** The draft 7th Nitrate Action Programme - The Netherlands - Ares(2021)5864022

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 17 november 2021 17:33
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E '
**CC:** 5.1.2.e 5.1.2.E ; 5.1.2.E ; 5.1.2.E 5.1.2.E ; ' 5.1.2.E 5.1.2.E '; 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Additional info 7th AP
**Bijlagen:** Table 1 Changes 7th AP NLs.docx; Addendum bij PlanMER(15102021).pdf

Dear 5.1.2.E

Thanks again for yesterday's meeting. As a follow-up of oud discussion, we herewith send you, as enclosures to this email, information on:

- Addendum to the environmental impact assessment on the environmental effect of sustainable cultivation plans by Wageningen University and Research.
- Changes in the 7th Action Program as a result of the public consultation and amendments adopted by our Parliament last week.

Next week we expect a scientific expert judgement on the effect of the changes in the 7th Action Program which we will also share with you then.

Best regards,
5.1.2.E

**Table 1. Changes to draft 7e Action Program of the Netherlands following the public consultation and adopted amendments by Parliament**

| Measure | Paragraph in draft 7th AP | Effective date* | Change from design | Reason |
|---|---|---|---|---|
| *Nitrogen dossier – reduction of livestock population* | *NA* | *To be seen* | *Still under consideration: Extensification of farms, taking production rights out of the market, water quality as precondition for repurposing the land of acquired companies.* | *Reduces the manure pressure and thus the fraud pressure. If the released plots are used for crops that are not susceptible to leaching, this will certainly contribute to a better groundwater quality and therefore also surface water quality.* |
| Rotation with resting crops | 5.2.2.2 | 1-1-2023 | Mandatory rotation of 1:4 per 2023 and 1:3 per 2027 will only apply to sandy and loess soils. This applies to sandy and loess soils, as indicated in the draft 7th AP, on all parcels. | Effect on clay and peat for groundwater and surface water is very limited (EIA and addendum MER) – and therefore not proportional in terms of impact, as groundwater levels are in general well below 50 mg/L. |
| Rotation with resting crops | 5.2.2.2. | 1-1-2023 | To exclude organic cultivation from this obligation. | Stimulation of organic cultivation (F2F) and standing practice to achieve good rotation based on the importance of soil quality. Due to the lower input from organic farming, the risk of nutrient leaching and run-off is on average lower than with regular crops. Stimulating organic cultivation can contribute to this. |
| Rotation with resting crops | 5.2.2.2 | 1-1-2026 | During the mid-term review (2024) it will be assessed whether the introduction of the stricter measures by 2027 (1:3 crop rotation) is necessary, in view of the current development of water quality at that time, the nitrogen measures, the customized approach of the sector and the voluntary approach in the DAW. | 1:3 rotation has a lot of impact on the sector. With the tailor-made approach being developed by the sector, farmers encouraged to actively commit themselves to reaching the water quality goals. Potentially a lot can be achieved if many farmers are actively involved. Therefore the 1:3 will be reconsidered before the start of the 8th AP. |
| Rotation with resting crops in long-term crops | 5.2.2.2. | 1-1-2023 | Long-term crops which are on the land for a longer period than the maximum period | Consultation input. This refines the measure. The application of resting crops in crops that have been on the land for more than 4 by |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | between resting crops, shall be exempted from this obligation. | 2023 or 3 by 2027 years is not possible without destroying the crop prematurely. |
| Catch crops - winter crops | 5.2.2.3 | 1-1-2023 | The group of winter crops that are exempted from the catch crop requirement will include perennial crops and crops with a proven high nitrogen utilisation in the autumn/winter. The following crops can be included: grass, winter cereals, perennial crops, winter vegetables, flower bulbs that are planted in autumn, sugar beets and possibly starch potatoes. Advice is still being sought for fodder beet. The final list (e.h. for winter vegetables) will be drawn up by the CDM. The sector will be invited to provide relevant data on specific crops for the purpose of drawing up the list. | For some crops, the use of a catch crop is impossible due to cultivation during the winter. In addition, there are crops that either leave very few nutrients (sugar beets) or absorb more nutrients in the autumn than a catch crop (starch potatoes).<br>The sector is asked to share their research results, so that they can be taken into account by the CDM. This allows the concerns from the sector to be met in a well-founded way and as much data as possible is used. |
| Catch crops – Committee of Experts | 5.2.2.3 | Mid-2022 | The sowing date for catch crops after maize will be retained, but a committee of experts will be installed to annually check whether the 1 October date is feasible, given weather conditions during the growing season. | Motion House of Representatives and consultation input. |
| Catch crops – differentiated nitrogen application standard. | 5.2.2.3 | 1-1-2023 | For non-maize crops and non-winter crops, sowing of a catch crop is mandatory for and loessial soils between 1 October and 1 November. In case of later sowing, the nitrogen application standard for the following year will be reduced. For sowing after 1 November a catch crop is no longer mandatory and the maximum discount applies. The catch crop must remain until at least 1 February. When determining the precise discounts, an advice from the CDM will be requested. | Consultation input and input from the sector. This stimulates the proper use of catch crops and compensates for the risks of leaching in crops where sowing has not succeeded in time. The mentioned discount is derived from the effect of a catch crop in timely sowing (maximum discount equals maximum intake of catch crop). Nevertheless, this can cause more nitrates to leach out in the winter and autumn – this is corrected by the additional measures mentioned below. |
| Catch crops – N standard of use | 5.2.2.3 | 1-1-2023 | Nitrogen use standard for green manures for non-leguminous green manures that have been sown before 1 September and are grown after grain and grass seed and | Motion House of Representatives and consultation input. After these crops (CDM advice), limited fertilization is needed to allow a (non-leguminous) green manure / catch crop to grow properly because there |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | rapeseed will not be removed, but will be updated. | are almost no nutrients left after the main crop. This will be included in the update of the nitrogen application standards (5.4.2.2). |
| Catch crops – 100%<br>Additional | 5.2.2.3 | 1-1-2023 | Sowing of a catch crop will be mandatory from 2023 at 100% (instead of 60%) of the parcels on sand and loess. | To overcome potentially reduced environmental outcomes through changes to 5.2.2.3 and to improve enforceability. This will maximize the impact from 2023 and the start-up period will lapse. This will achieve the maximum effect of this measure more quickly and accelerate the impact on groundwater (and therefore as well on surface water). |
| Shifting the exit season<br>Additional | NA | 1-1-2023 | The start of the spreading season of slurry and thin fraction of animal manure is delayed by one month on arable land (permitted from 15 March instead of 15 February). Early crops can be designated where this shift will not (fully) apply (CDM draws up a list).<br>This allows the registration obligation for maize cultivation to lapse, reducing the administrative burden. | Input sector for alternative measures. To address possible reduced environmental results through changes to 5.2.2.3. As a result, the manure is applied at such a time that the germinating crop can absorb the nutrients released from the manure. This reduces leaching. This also reduces early fertilization for the benefit of an empty manure cellar. And also contributes to an improvement of surface water quality in all areas due to fertilization in a more targeted way. |
| No animal manure standard for crops where this may not be applied<br>Additional | NA | 1-1-2023 | Crops that are not allowed to receive organic manure from a phytosanitary point of view no longer count for the allowed application of animal manure. This prevents transfer and improves water quality. | To compensate for possible reduced environmental results by changes in 5.2.2.2 and to correct undesirable situations. 5.1.2.E be included in update usage standards (5.4.2.2). This contributes to a better groundwater quality and a better surface water quality, especially in specific arable farming and horticultural crops. |
| Adjusting autumn fertilization<br>Additional | NA | 1-1-2023 | Autumn fertilisation (fertilising after 1 August) is limited to a maximum of 60 kg N/ha for arable land from thin fraction of animal manure and slurry. | Input sector as an alternative. To address possible reduced environmental results through changes to 5.2.2.3. This also contributes to an improvement in groundwater quality and surface water |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | | quality. This means that the manure is used in a more targeted way and prevents the "dumping" of manure for emptying the manure cellar. |
| Percentage resting crop for grazing farms | 5.2.2.4 | 1-1-2023 | The percentage of resting crops on a grazing farm will be linked to contour 1 of the future manure policy, and from 2027 it will apply to dairy farming and beef cattle farming (suckler and pasture cows): A significant part of the manure produced by a company must be able to be placed on grassland (half of which is permanent) that the farm has. An ingrowth trajectory is used, whereby half of this should be able to be used on grassland that the company has at its disposal by 2024. In the context of the introduction of land based farming, it will be further elaborated what this requirement for land-based farming will look like and what further phasing exactly belongs to this. This partly gives substance to contour 1 of the future manure policy and the starting point of 100% land-based farming on dairy and cattle farms.<br><br>*The impact of this interpretation still needs to be worked out in more detail. This is aimed at not putting an extra burden on derogation farms and not frustrating collaborations with arable farmers.* | Motion House of Representatives and consultation input.<br>This ensures a better link with the land-based farming requirements as provided for in the future manure policy (linking land-based farming and grassland). It also simplifies enforcement and practicability and solves the problem for stabled cattle (beef bulls) and mixed farms. |
| Tailor-made approach | NA | Still to be determined, possibly in 7th AP | In coordination between the sector, LNV, I&W, RVO and NVWA, a tailor-made plan will be drawn up in the coming period.<br>It is first determined (1) which points need to be further elaborated, (2) which process is followed to provide for this, (3) which criteria must be met in order for the elaboration to | Outcome sector consultation & motion House of Representatives. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | | be successful (enforceable, verifiable, feasible and equal or better effect on water quality) and (4) when we take a 'go / no go' decision whether the proposal has been sufficiently elaborated to actually include it in the policy (and if necessary in laws and regulations). | |
| *CAP -Facilitating sustainable building plans* | *5.2.3.2* | | *Still under consideration: In eco-scheme, for clay and peat soils, where catch crops are not mandatory, it can be chosen to only reimburse catch crops that are sown before 1/10 and grown for more than 3 months.* | *Depending on GLB trajectory* |
| Area-based determination of which additional design measures are required for target range for surface water quality | NA | 1-1-2024 | In line with the area-based analysis from the DAW and in coordination with the Water Boards, it is examined which design measure for nitrogen and phosphorus are effective and necessary to achieve target range for surface water quality (e.g. helophyte filters, wet buffer strips, iron drains). | Based on additional analysis for surface water quality. This will contribute area-oriented to achieving the surface water quality goals for the agricultural task. |
| Assessment framework area-specific approach | 5.3.3 | 1-1-2025 | Nvt | Following mid-term review of river basin management plans |
| Update N-application standards and N-coefficients | 5.4.2.2 | 1-1-2023 | Take into account the use standard for green manures and the use standard for phytosanitary limited crops. | |
| *Ammonia dossier – cultivation free zones - stream valleys* | *NA* | *To be seen* | *Still under consideration: Introduce broad cultivation-free zones in stream valleys in eastern and southern sand from Ammonia Dossier.* | *This greatly improves the surface water quality in these streams and contributes to groundwater quality, especially in those places where intensive crops are replaced. This brings into view the target range of the Water Framework Directive in these areas (eastern sand, central sand and southern sand)* |
| Bufferstrips – guideline | 5.4.3.1 | 1-1-2023 | A scientific based guideline will be drawn up to formulate criteria to exclude parcels from the obligation and if a water already fulfils the overall goal on water quality. | Motion House of Representatives, consultation input and refinement AP |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Bufferstrips - grassland | 5.4.3.1 | 1-1-2023 | In the guideline criteria will be included for grassland plots where herbaceous grassland is used in the buffer strip, a limit of up to 1 meter applies (except for WFD water bodies and ecologically sensitive watercourses). | Input sector. This mainly spares land-based and more extensive farmers who now participate in the ANlb packages of the CAP. This can stimulate the grassland area and biodiversity. From the perspective of water quality, a 1-meter cultivation-free zone is less effective than a 2-meter cultivation-free zone. Indirectly, it does have a positive influence, because herb-rich strips can only be maintained on extensively grazed and fertilized plots. |
| Bufferstrips – land-based farms | 5.4.3.1 | 1-1-2023 | The Responsible and Land-based Growth in Dairy Farming Act is repealed. In addition, the formulation in the phosphate bank for being land-based is filled in in such a way that buffer strips do not count. For the manure placement area, the buffer strip will be deducted from the available space. | This prevents companies that are currently land-based from getting into major problems due to the correction of buffer strips in the calculation of the manure placement space and amount of being land-based. This is included in the ingrowth trajectory for contour 1. |
| Bufferstrips – organic cultivation | 5.4.3.1 | 1-1-2023 | In the guideline, excluding organic cultivation from wider cultivation-free zones will be taken up - > *currently this seems to be not possible in CAP* | Stimulates organic cultivation. This will lower the calculated improvement of surface water quality slightly, because no broad cultivation-free zones will be applied to a limited area. On the other hand, this can stimulate organic cultivation, and thus increase the share of acreage that receives less fertilization and crop protection. This has a positive effect on water quality on a larger scale. |
| Extension of the date of spreading of solid animal manure | 5.4.3.2 | 1-1-2023 | Extension by two weeks from 1 September to 15 September will not be implemented due to increase of the risk of nutrient leaching (Technical Committee on Soil advice 'Postponement of the ban on spreading solid manure due to precipitation in the South Limburg region 2021'). | Scientific insight. |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Vulnerable drinking water extractions | 5.4.5 | | In accordance with the decision of the National Administrative Consultation, the current administrative agreement will be extended until 1 January 2023. No later than 1 July 2022, a decision will be taken on whether or not to continue the management agreement. | Appointment in National Administrative Consultation |
| *Nitrogen dossier - peatlands* | *NA* | *To be seen* | *Still under consideration: The peatland will be further wetted because the groundwater level is raised and the water is retained longer, in combination with the conversion of agricultural land to nature. With this, the peat meadow area will be used more extensively.* | *This reduces the load on surface water with nitrogen and thus improves surface water quality. This can lead to target range for the WFD, where the design of the water management system and water management is important for the effectiveness for phosphorus.* |
| Pilot Mineral Concentrate | NA | 7th AP | Continuation from 6th AP | In anticipation of the country-specific solution on which agreement is sought with the EC, it is necessary to extend this pilot until then. |
| Pilot Targeted work for better water quality | 5.2.2.1 | Na | This pilot may expire. This will become part of the tailor-made approach. | Outcome of sector consultation |
| Pilot Farm Specific Nitrogen Standard (BES) | 5.5.2.2 | 7th AP | Subject to change | |
| Knowledge development | 5.6.2 | 7th AP | Additional research into:<br>- give the nitrogen utilisation aspect of sugar beet, potatoes and chicory, among others, a more prominent place in breeding programmes<br>- increase nitrogen efficiency of fertilization by using precision agriculture, such as row fertilization for sugar beet & chicory and by-fertilization for potatoes | Submitted by chain parties |

* subject to the fact that the legislative process is fast enough.

WAGENINGEN
UNIVERSITY & RESEARCH

# Effecten van duurzame bouwplannen op nitraat in uitspoelingswater en de N- en P-belasting van oppervlaktewater.

*Addendum bij: "Effecten van maatregelen in het Zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Milieueffectrapportage op planniveau"*

5.1.2.E

15 oktober 2021

## Inleiding

In het ontwerp Zevende Actieprogramma Nitraat worden regels aangekondigd voor transitie naar een meer duurzame landbouw door middel van de teelt van meer rustgewassen en de teelt van vanggewassen. Hiermee worden verschillende doelen nagestreefd: een verbetering van de waterkwaliteit en de bodemkwaliteit een vergrting van de biodiversitet. De Commissie Deskundige Meststoffenwet heeft op 3 sepetmber 2021 het advies 'Sturen op duurzame bouwplannen voor verbetering waterkwaliteit' (CDM, 2021) uitgebracht waarin de verwachting wordt uitegsproken dat derelijke bouwplannen een substantiele bijdrage lunnen leveren aan de vermindering van de nitraatuitspoeling. De CDM merkt op dat de introductie zeer ingrijpend is en beveelt een stapsgewijze aanpak aan.

Onder een Duurzaam bouwplan wordt in dit kader verstaan: een vruchtwisseling op een bedrijf met minimaal 33% aan rustgewassen en de teelt van vanggewassen na alle open teelten die vroeg genoeg worden geoogst om het inzaaien van een vanggewas zinvol te laten zijn. voor een perceel dat wordt gebruikt voor de teelt van mais of akker- en tuinbouwgewassen zal een regel gaan gelden dat minimaal eenmaal in de drie

De introductie wordt met een groeipad ingevoerd, met een verplicht eindniveau per 2027:

- Rustgewassen in de rotatie 1x in de 3 jaar op alle percelen met referentiedatum 2023
- Vanggewassen na de hoofdteelt op 100% van het areaal op zand en lössgronden.
- Minimaal 70% rustgewas op het areaal in gebruik bij graasdierbedrijven waarvan minstens de helft permanent grasland (> 5 jaar)

In de PlanMER van het Zevende Actieprogramma (Van Boekel et al, 2021) zijn wel analyses uitgevoerd van de afzonderlijke effecten van van maatregelen maar is geen effect bepaald van het pakket met de combinatie van een vruchtwisselingsregel en de teelt van vanggewassen. Gevraagd is om het pakket "Duurzame bouwplannen" in een aanvulling op de PlanMER alsnog door te rekenen.

## Aanpak

Voor de definitie van rustgewassen is uitgegaan van de conceptlijst in het GLB (Tabel 1).

*Tabel 1. Conceptlijst met rustgewassen in het GLB (Bron LNV).*

| Rustgewassen | | | |
|---|---|---|---|
| Wintergerst | Lijnzaad | Veldbeemdgras | overige granen ('oer granen' (Emmer enz) |
| Zomergerst | Luzerne | Vezelvlas | Grasland, tijdelijk met kruiden |
| Graszaad | Raapzaad | Wortelpeterselie | Grasland, tijdelijk gras/klaver |
| Haver | Rietzwenkgras | Peterselie | Grasland, tijdelijk |
| Hennepvezel | Rogge | Blauwmaanzaad | |
| Italiaans raaigras | Sorghum | Rode klaver | |
| Karwijzaad | Winter tarwe | Witte klaver | |
| Engels raaigras | Zomer tarwe | Miscanthus | |
| Winter koolzaad | Teff | Spelt | |
| Zomer koolzaad | Triticale | Quinoa | |

Daarnaast wordt ook permanent grasland als een rustgewas beschouwd.

Voor 2019 is aan de hand van de perceelsinformatie in de BasisRegistratie 2019 en de koppeling van percelen aan bedrijfsnummers het oppervlak berekend dat werd beteeld met rustgewassen en met niet-rustgewassen Per bedrijf is verondersteld dat bij een oppervlakpercentage lager dan 33% aan rustgewassen het deel boven 67% aan niet-rustgewassen wordt omgezet naar rustgewassen. Het totale landbouwareaal in Nederland dat hiermee gemoeid is bedraagt ca 100 000 ha en voor de zand- en lössregio ruim 59 000 ha (Tabel 2).

*Tabel 2. Oppervlak aan niet-rustgewassen dat bij duurzame bouwplannen wordt omgezet naar rustgewas.*

| Regio | Oppervlak niet-rustgewas dat bij duurzame bouwplannen wordt omgezet naar rustgewas (ha) | Percentage van het landbouwareaal |
|---|---|---|
| Zand Noord | 17079 | 5.2% |
| Zand Midden | 11914 | 3.4% |
| Zand Zuid | 27008 | 10.4% |
| Loss | 3283 | 9.2% |
| Zand+Lossregio | 59284 | 6.1% |

Figuur 1 geeft een beeld van de ligging van de gronden waar het landbouwareaal met niet-rustgewasen wordt omgezet naar rustgewassen.

Vervolgens is voor de 239 landbouwdeelgebieden van het Landelijk Waterkwaliteitsmodel het areaal snijmais berekend dat zou moeten worden omgezet naar grasland en voor akker- en tuinbouw het areaal niet-rustgewassen dat zou moeten worden omgezet naar rustgewassen. Hierbij is er voor gekozen om snijmais alleen om te zetten naar grasland en de niet-rust akker- en tuinbouwgewassen om te zetten naar granen. De verandering van de teelt leidt daarmee niet tot een verandering in het areaal melkveehouderij of het areaal akker- en tuinbouw. Voor bedrijven die naast AT-gewassen ook snijmais telen en waar een deel van de niet-rust gewassen moet worden omgezet naar rustgewassen zijn eerst de niet-rust AT-gewassen omgezet naar granen. Hiermee werd bij bijna alle bedrijven waar een wijziging van het teeltplan zou moeten plaatsvinden aan de voorwaarde van minimaal 33% rustgewassen voldaan.

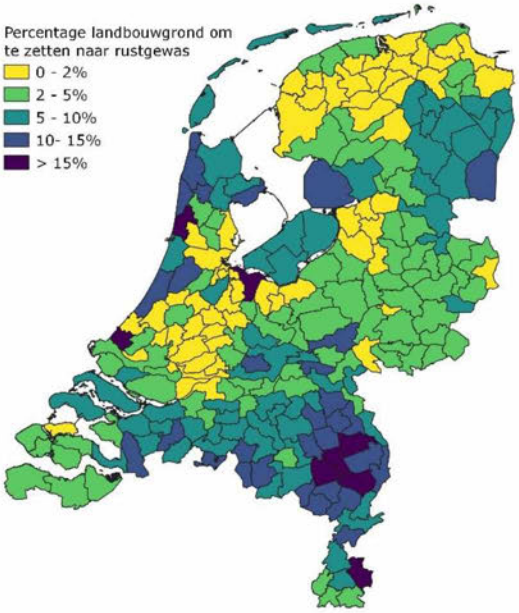


*Figuur 1 Percentage landbouwgrond in een landbouwdeelgebied van het Landelijk Waterkwaliteitsmodel (Van der Bolt et al, 2021) om te zetten naar rustgewassen bij de maatregel "Duurzame bouwplannen"*

Voor de uitspoelingsberekeningen gaat het Landelijk Waterkwaliteitsmodel uit van 3 typen landbouwgewassen: gras, mais en akker- en tuinbouw. Voor de berekening van de bemesting en de gewasopname wordt de groep akker- en tuinbouwgewassen opgesplitst in 22 gewastypen. De onderlinge verhouding tussen de arealen tussen deze 22 gewastypen is bepalend voor de gemiddelde bemesting en de gemiddelde gewasopname van de groep akker- en tuinbouwgewassen. Een verschuiving in de arealen leidt tot een lager gemiddelde stikstofoverschot op de bodembalans. Voor akker- en tuinbouw zijn duurzame bouwplannen in het model geïmplementeerd door een verschuiving van de arealen tussen de 22 gewastypen.

Aangezien het model uitgaat van vaststaande arealen grasland en maisland kan de maatregel "Duurzaam bouwplan" niet worden opgelegd door verschuiving van arealen in de modelinvoer. Effecten van de maatregel zijn voor deze gewassen benaderd door aangepaste arealen op te leggen bij het berekenen van gebiedsgemiddelde waarden voor de nitraatuitspoeling en de N- en P-belasting van oppervlaktewater. Het onderscheid naar het areaal maisteelt en het areaal akker- en tuinbouwgewassen dat wordt omgezet is het beheeersgebied van de waterschappen weegegeven in Tabel 3. Deze arealen zijn verkregen na omrekening naar oppervlakten van de gewassen in het Landelijk Waterkwaliteitsmodel (Van der Bolt et al, 2021) en wijken daarmee af van de arealen in de BasisRegistratiepercelen. In dit model zijn de arealen afgeleid van de LGN7-kaart. Voor de effecten van de maatregel zijn de verhoudingen tussen de arealen van belang.

*Tabel 3. Oppervlakten grasland, maisland en akker- en tuinbouwgewassen onderscheiden naar rustgewassen en niet-rustgewassen (ha) per beheersgebied van waterschappen en het oppervlak dat bij duurzame bouwplannen wordt omgezet.*

| Beheersgebied | Gewas Gras | Mais | AT rust_gew | AT niet rust_gew | Omzetting Mais -> Gras | AT Niet Rust -> AT Rust |
|---|---|---|---|---|---|---|
| Aa en Maas | 45950 | 30076 | 1947 | 16103 | 1732 | 3924 |
| Amstel, Gooi en Vecht | 23012 | 1062 | 242 | 809 | 13 | 86 |
| Brabantse Delta | 38488 | 16555 | 9674 | 30172 | 592 | 4434 |
| De Dommel | 33937 | 20450 | 1268 | 12051 | 984 | 2849 |
| De Stichtse Rijnlanden | 38015 | 3647 | 288 | 2716 | 61 | 537 |
| Delfland | 8557 | 200 | 68 | 217 | 1 | 20 |
| Groot Salland | 64017 | 13193 | 422 | 1765 | 316 | 260 |
| Hollands Noorderkwartier | 70189 | 5941 | 8431 | 37107 | 11 | 7102 |
| Hollandse Delta | 14652 | 1770 | 12343 | 25729 | 13 | 2265 |
| Hunze en Aa's | 40912 | 13103 | 30271 | 54969 | 123 | 7026 |
| Noorderzijlvest | 55953 | 6202 | 16490 | 22307 | 32 | 1632 |
| Peel en Maasvallei | 25648 | 16419 | 2846 | 22898 | 612 | 5342 |
| Reest en Wieden | 51554 | 15170 | 2364 | 12113 | 167 | 2531 |
| Regge en Dinkel | 56594 | 19872 | 619 | 3450 | 877 | 642 |
| Rijn en IJssel | 85892 | 28159 | 2318 | 8080 | 786 | 1530 |
| Rijnland | 28116 | 1572 | 3125 | 10909 | 16 | 2115 |
| Rivierenland | 83713 | 12239 | 6554 | 19649 | 246 | 3349 |
| Roer en Overmaas | 16117 | 8418 | 5382 | 13538 | 93 | 2055 |
| Scheldestromen | 23641 | 6758 | 41810 | 59092 | 115 | 4571 |
| Schieland & Krimpenerwaard | 12622 | 320 | 833 | 1435 | 2 | 50 |
| Vallei & Eem | 33803 | 7990 | 259 | 1372 | 387 | 241 |
| Velt en Vecht | 28962 | 10540 | 3713 | 17967 | 217 | 3493 |
| Veluwe | 40747 | 8261 | 458 | 2093 | 170 | 367 |
| Wetterskip Fryslan | 198986 | 20386 | 7063 | 18228 | 73 | 1958 |
| Zuiderzeeland | 16365 | 4441 | 16791 | 58683 | 8 | 8786 |
| Totaal | 1136443 | 272743 | 175582 | 453453 | 7648 | 67164 |

Voor de waterschappen met het merendeel kleigrond bedraagt het areaal van de niet-rust AT-gewassen dat omgezet zou moeten worden naar rustgewassen 8% (Scheldestromen) tot 15% (Zuiderzeeland). Voor de waterschappen op de zandgronden met de meest intensieve bouwplannen bedraagt areaal van de niet-rust AT-gewassen dat omgezet zou moeten worden naar rustgewassen tot 23% (Peel en maasvallei) of 25% (Aa en Maas).

Het tweede onderdeel van de maatregel Duurzame bouwplannen is de teelt van vanggewassen na de oogst van akker- en tuinbouwgewassen. Dit is geïmplementeerd door de opname van nutriënten uit de bodem door een vanggewas te simuleren en vervolgens de biomassa met de opgenomen nutriënten bij het onderploegen weer aan de bodem toe te dienen. Deze bron van nutriënten heeft een effect op de opname door het volggewas. Dit is verrekend door de bemestende waarde van het vanggewas te verminderen met de mestgiften op het volggewas. Deze bemestende waarde is geschat op ca 27 kg $ha^{-1}$ stikstof ervan uitaande dat gemiddeld per 1 oktober een vanggewas ingezaaid kan zijn. Na de oogst van granen kan eerder een vanggewas zijn ingezaaid, maar het oogsttijdstip van veel rooivruchten valt later dan 1 oktober. Met het oogsttijdstip per gewas kon geen rekening gehouden worden in de berekeningen. Verondersteld is dat de van de 27 kg $ha^{-1}$ stikstof 60% door een volggewas wordt opgenomen (16 kg $ha^{-1}$).

Geen rekening is gehouden met het mogelijk remmende effect van een vanggewas op de afspoeling van water en het oppervlakkig transport van nutriënten. Het effect van een vanggewas op de P-belasting van oppervlaktewater is daarmee mogelijk onderschat.

Dit tweede onderdeel van Duurzame bouwplannen is voor de kleigronden met twee opties doorgerekend: 1) voor de situatie dat geen verplichting tot een vanggewas na de hoofdteelt geldt (volgens Ontwerp Zevende Actieprogramma) en 2) dat na de hoofdteelt wel een vanggewas wordt geteeld.

Het derde onderdeel (ninimaal 70% rustgewas op het areaal in gebruik bij graasdierbedrijven waarvan minstens de helft permanent grasland) is niet in de modelberekening verdisconteerd. Gegevens ontbreken om hiervan een nauwkeurige analyse voor uit te kunnen voeren. Omdat verondersteld is dat melkveebedrijven ook in 2027 derogatie kunnen aanvragen en dat hiervoor de voorwaarde van minimaal 80% van het areaal als grasland blijft gelden, wordt geschat dat het effect van het derde onderdeel op de uit- en afspoeling gering zal zijn.

**Resultaten Nitraat**

De effecten van de duurzame bouwplannen worden geanalyseerd door de resultaten te vergelijken met die van de Referentie 2027 (Figuur 2).

De gebiedsgemiddelde nitraatconcentraties worden in het scenario Duurzame Bouwplannen voor Zand Noord, Zand Midden en Zand Zuid berekend op 35, 35 en 49 mg $L^{-1}$. Voor het lössgebied wordt nog steeds een nitraatconcentratie hoger dan 50 mg $L^{-1}$ berekend: 58 mg $L^{-1}$.

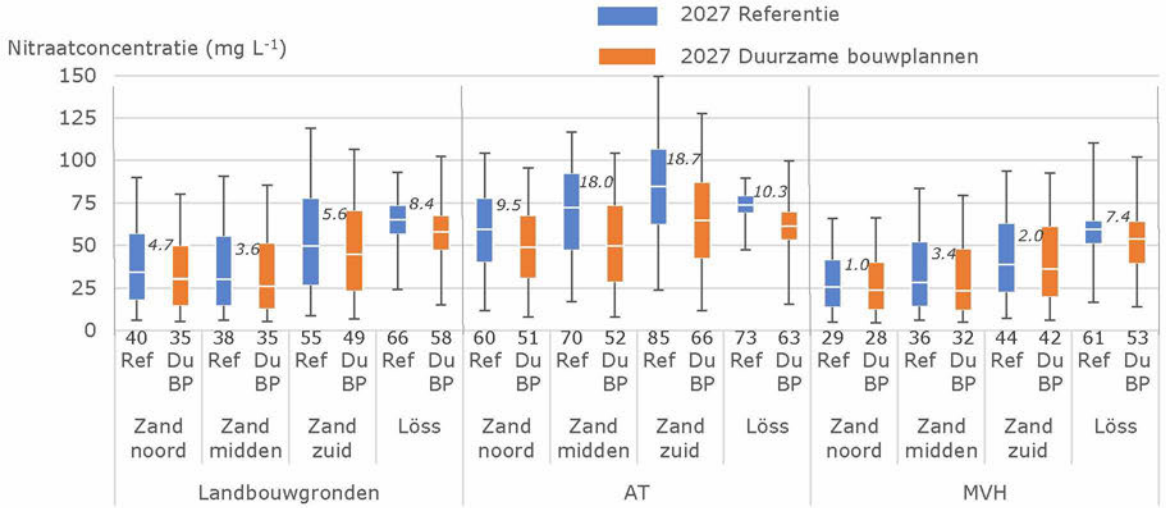


*Figuur 2 Vergelijking van berekende nitraatconcentraties in de scenario's Referentie 2027 (Ref) en Duurzame Bouwplannen (Du BP) voor landbouw gemiddeld, akker- en tuinbouw (AT) en melkveehouderij (MVH). Getallen onder de horizontale as zijn gebiedsgemiddelde concentraties. Getallen tussen de vlakken duiden het effect van het scenario Duurzame Bouwplannen aan ten opzichte van het scenario Referentie 2027.*

Voor de AT-sector wordt een veel groter effect berekend dan voor de melkveehouderijsector. De verschuiving in arealen maisland naar grasland binnen deze sector is beperkt en voor snjmais op zand- en lössgrond geldt al een vcerplichting tot het inzaaien van een vanggewas voor 1 oktober. Voor de akker- en tuinbouw in Zand noord en het lössgebied wordt een verlaging van de nitraatconcentratie van ca 10 mg $L^{-1}$ berekend en in  Zand miden en in Zand zuid een verlaging van 18 mg $L^{-1}$. In Zand noord en Zand midden

wordt voor de akker- en tuinbouwsector een gemiddelde nitraatconcentratie berekend van ca 50 mg $L^{-1}$. In Zand zuid en het lössgebied ligt de concentratie onder deze gewassen nog boven 50 mg $L^{-1}$.

**Resultaten belasting van oppervlaktewater**

Het effect op de N-belasting van oppervlaktewater is weergegeven voor de zandregio's en voor de kleiregio. Voor de veenregio is het effect van duurzame bouwplannen heel gering omdat de bouwplannen nagenoeg niet gewijzigd worden en deze gronden voor het overgrote deel begroeid zijn met grasland. Voor het lössgebied beperken de effecten zich tot een klein gebied in beekdalen. Het Landelijk Waterkwaliteitsmodel geeft voor dit gebied met een beperkt areaal nog geen betrouwbare resultaten. De verschillende kleigebieden zijn samengevat tot de kleiregio als geheel omdat de onzekerheden in de bron "achtergrondsbelasting" voor afzonderlijke kleigebieden nog een rol speelt bij het beoordelen van de effecten in deze individuele gebieden.

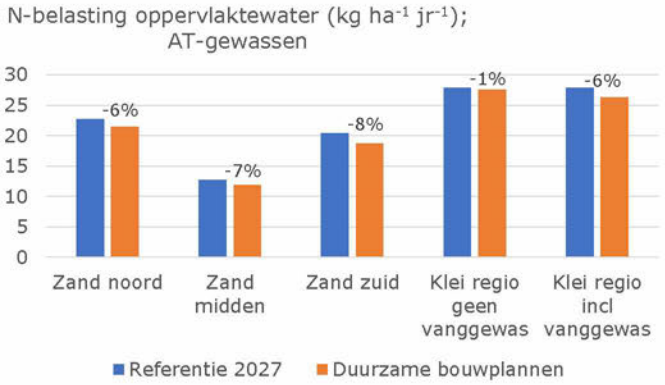


*Figuur 3 Vergelijking van berekende N-belasting van oppervlaktewater in het scenario's Referentie 2027 (Ref) en de maatregel Duurzame Bouwplannen voor de akker- en tuinbouwgewassen. Getallen duiden het effect van Duurzame Bouwplannen aan ten opzichte van het scenario Referentie 2027.*

Voor de zandgebieden wordt een vermindeirng van de N-belasting van oppervlaktewater berekend va 6 – 8% en een vermindering van ca 1% voor de kleiregio als geheel. Als na de hoofdteelten in de kleiregio ook een vanggewas geteeld wordt zou de N-belasting van oppervlaktewater nog met enkele procenten kunnen afnemen. Het percentage van 6% in Figuur 3 is een maximumwaarde omdat verondersteld is dat na alle hoofdgewassen een vanggewas geteeld zou kunnen worden. In de praktijk is een vanggewas na een laat geoogst gewas weinig effectief. Als na een hoofdteelt in een bepaald jaar wintertarwe volgt is een vanggewas in de betreffende winter ook niet aan de orde en is het gebiedsgemiddelde effect van een vanggewas kleiner dan berekend in Figuur 3.

Het is op basis van de modelresultaten niet mogelijk een onderscheid te maken tussen de afzonderlijke effecten van het omzetten van niet-rustgewassen naar rustgewassen en van de teelt van vanggewassen. Voor de graslandpercelen verandert er bij deze maatregel niets. Het gemiddelde voor landbouw is dus lager dan het berekende effect voor akker- en tuinbouwgewassen. Gemiddeld voor landbouw neemt de N-belasting van oppervlaktewater met respectievelijk 2%, 0% en 2% in Zand noord, Zand midden en Zand zuid en met 0,5 - 3% in de kleiregio.

De effecten van de duurzame bouwplannen op de P-belasting van oppervlaktewater zijn niet exact te kwantificeren, maar zijn naar schatting kleiner dan de effecten op de N-uitspoeling. In de PlanMER van het

Zevende Actieprogranna Nitraarichtijn 5.1.2.E ) worden effecten van DAW-maatregelen op de P-uitspoeling op minder dan de helft geschat van het effect op de N-uitspoeling. Enkele processen spelen een rol die de P-belasting van oppervlaktewater kunnen beïnvloeden.

Factoren die tot een verlaging kunnen leiden:

- Fosfaatbodemoverschotten op grasland zijn gemidddeld iets lager dan op bouwland. Op melkveebedrijven was in de periode 2017 – 2019 het fosfaatbodemoverschot bijna 10 kg $ha^{-1}$ P2O5 lager dan op akkebouwbedrijven (agrimatie.nl). Een bouwplan met een hoger aandeel grasland heeft een gemiddeld lager fosfaatbodemoverschot dan een bouwplan met een lager aandeel grasland;
- Door een bodembedekking buiten het groeiseizoen van het hoofdgewas neemt de kans op oppervlakkige afstroming af;
- Een jaarlijkse teelt van een vanggewas leidt tot een iets hoger gehalte aan organische stof in de bodem met een gunstig effect op de bodemstructuur waardoor de infiltratiecapaciteit toeneemt;

Factoren die tot een verhoging zouden kunnen leiden:

- Om het saldoverlies vanwege een kleiner areaal aan niet-rustgewassen te compenseren zal een groter deel van dit areaal met hoog financieel renderende gewassen worden beteeld. Dergelijke boomteelten, bollenteelten en groenteteelten gaan vaak gepaard met hoge nutriëntenoverschotten.
- Bij de groei van een vanggewas wordt fosfaat aan de minerale bodempool onttrokken. Na het onderploegen van het vanggewas komt de fosfaat weer terug in de bodem, maar in een organisch gebonden pool. Het is niet duidelijk of dit tot een grotere mobiliteit van in bodemwater opgeloste fosfor leidt;

**Resultaten nitraat in grondwaterbeschermingsgebieden**

Voor de beoordeling van het effect van duurzame bouwplannen op de nitraatconcentratie in grondwaterbeschermingsgebieden is allereerst nagegaan of het gemiddelde bouwplan in een gebied voldoet aan het criterium van minimaal 33% rustgewassen (Tabel 4).

*Tabel 4 Overzicht van de gebiedsarealen, de arealen landbouwpercelen en de arealen grasland, mais en akker- en tuinbouw (AT onderscheiden naar rustgewassen en niet-rustgewassen) ) volgens BRP-2019 in de 34 grondwaterbeschermingsgebieden en het percentage landbouwgewassen dat wordt aangemerkt als rustgewas.*

| Provincie | Grondwater-Beschermings-gebied | Gebieds-Oppervlak (ha) | Oppervlak in BRP-2019 (ha) | | | | | % Rust-gewas | Rust-gewas ≥ 33% ? |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | Landbouw | Gras | Mais | AT Niet Rust | AT Rust | | |
| Drenthe | | | | | | | | | |
| | Havelterberg | 1299 | 500 | 245 | 105 | 131 | 19 | 53% | Ja |
| | Noordbargeres/ Valtherbos | | | | | | | | |
| | Valtherbos | 2465 | 1414 | 284 | 120 | 715 | 294 | 41% | Ja |
| | Gasselte | 844 | 323 | 46 | 14 | 204 | 60 | 33% | ~Ja |
| | Leggeloo | 121 | 92 | 45 | 15 | 32 | 0 | 49% | Ja |
| Overijssel | | | | | | | | | |
| | Archemerberg | 702 | 140 | 50 | 64 | 6 | 20 | 50% | Ja |
| | Herikerberg | 649 | 241 | 173 | 66 | 0 | 1 | 73% | Ja |
| | Wierden | 1069 | 640 | 448 | 161 | 28 | 1 | 70% | Ja |
| | Hooge Hexel | 565 | 316 | 209 | 97 | 9 | 0 | 66% | Ja |
| | Manderheide en Manderveen | 909 | 542 | 344 | 145 | 32 | 31 | 67% | Ja |
| | Holten | 485 | 146 | 90 | 47 | 5 | 3 | 65% | Ja |
| Gelderland | | | | | | | | | |
| | Olden Eibergen | 557 | 402 | 247 | 133 | 21 | 0 | 62% | Ja |
| | Dinxperlo | 227 | 153 | 115 | 17 | 21 | 0 | 75% | Ja |
| | Haarlo | 292 | 214 | 149 | 58 | 6 | 1 | 70% | Ja |
| | t Klooster | 864 | 409 | 250 | 120 | 30 | 9 | 63% | Ja |
| N-Brabant | | | | | | | | | |
| | Vessem | 1877 | 761 | 225 | 229 | 275 | 32 | 34% | ~Ja |
| | Helvoirt | 191 | 59 | 15 | 1 | 26 | 17 | 54% | Ja |
| | Gilze | 165 | 97 | 27 | 37 | 29 | 4 | 32% | ~Ja |
| | Bergen op Zoom | 651 | 73 | 55 | 16 | 1 | 2 | 77% | Ja |
| | Nuland | 750 | 188 | 44 | 106 | 29 | 9 | 28% | Nee |
| | Roosendaal | 544 | 284 | 164 | 49 | 65 | 5 | 60% | Ja |
| | Gilzerbaan | 2757 | 919 | 439 | 267 | 191 | 22 | 50% | Ja |
| | Waalwijk | 1016 | 155 | 135 | 2 | 18 | 0 | 87% | Ja |
| Limburg | | | | | | | | | |
| *Limburg-löss* | | | | | | | | | |
| | Heer-Vroendaal | 2196 | 1421 | 452 | 220 | 401 | 348 | 56% | Ja |
| | De Dommel | 1550 | 1065 | 435 | 151 | 328 | 151 | 55% | Ja |
| | De Tombe | 812 | 514 | 169 | 87 | 137 | 121 | 56% | Ja |
| | Ijzeren Kuilen | 1123 | 608 | 195 | 63 | 183 | 167 | 60% | Ja |
| | Roodborn | 1564 | 1248 | 411 | 164 | 312 | 362 | 62% | Ja |
| | Craubeek | 488 | 418 | 71 | 51 | 180 | 115 | 45% | Ja |
| | Waterval | 632 | 335 | 142 | 32 | 84 | 77 | 65% | Ja |
| *Limburg-zand* | | | | | | | | | |
| | Beegden | 520 | 294 | 68 | 31 | 158 | 37 | 36% | Ja |
| | Bergen | 690 | 114 | 33 | 5 | 43 | 33 | 58% | Ja |
| | Breehei | 1178 | 737 | 151 | 83 | 474 | 29 | 24% | Nee |
| | Grubbenvorst | 568 | 299 | 62 | 52 | 140 | 44 | 36% | Ja |
| | Heel | 1163 | 446 | 137 | 59 | 200 | 50 | 42% | Ja |
| | Mookerheide | 394 | 96 | 78 | 6 | 1 | 11 | 93% | Ja |

In twee van de 34 grondwaterbeschermingsgebieden is het areaal rustgewas volgens de BasisRegistratie 2019 kleiner dan 33%. In drie gebieden is het percentage gelijk aan of bijna gelijk aan 33%. In het grondwaterbeschermingsgebied Nuland zou (33% - 28%) x 188 ha = 13 ha omgezet moeten worden in een rustgewas en in het grondwaterbeschemingsgebied Breehei is dit (33% - 24%) x 737 ha = 66 ha. Het areaal

dat bij de maatregel "Duurzame bouwplannen" wordt omgezet naar rustgewassen is dus heel beperkt en het effect ervan op de nitraatconcentratie zal daarmee ook beperkt zijn.

In bijlage 9 van de PlanMER Zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn 5.1.2.E ) zijn de resultaten van het Landelijk Waterkwaliteitsmodel vertaald naar de grondwaterbeschermingsgebieden aan de hand van overeenkomsten tussen perceelskenmerken en kenmerken van de rekeneenheden (gewas, bodemtype, grondwaterstand, regio). In de betreffende modelanalyse is ook ene schatting gemaakt van het effect van DAW-maatregelen. Deze DAW-maatregelen betreffen de teelt van een vanggewas en aanvullend de toepassing van andere maatregelen die behoren bij een excellente landbouwpraktijk (volledige milieukundige optimalisatie van mestsoorten, mestgiften, bemestingstijdstippen en precisielandbouw). Vervolgens is een chatting gemaakt van de implementatiegraad van de maatregelen. Geschat is dat op 75% van de landbouwpercelen in de grondwaterbeschermingsgebieden alle maatregelen genomen zullen worden.

De maatregel Duurzame bouwplannen vertoont overlap met de maatregel DAW-maatregelen en de effecten zijn daarom niet optelbaar. De teelt van een vanggewas overlapt. De verschillen:

1. De maatregel "Duurzame bouwplannen" gaat uit van een wijziging van het bouwplan. In het DAW-pakket wordt het bouwplan constant gehouden.
2. Het DAW-pakket gaat bevat naast de vanggewassen ook andere maatregelen (rijenbemesting mais, scherpere timing mestuitrijden door vergrootte mestopslag, etc.) die tot hogere benutting van meststoffen en daarmee tot een daling van het stikstofbodemoverschot leiden.
3. De maatregel "Duurzame bouwplannen" gaat uit van 100% implementatie, aangezien de maatrgeel verplicht is. In het DAW-pakket wordt verondersteld dat het volledige pakket op 75% van de landbouwpercelen worden uitgevoerd.
4. In het scenario met het DAW-pakket is ook nog een korting op de N-gebruiksnorm verdisconteerd bij een te intensief bouwplan op gebiedsniveau (Scenario B en C in Van Boekel et al, 2021).

De effecten worden in Tabel 5 per provincie getoond.

*Tabel 5. Overzicht van de gebiedsgewogen gemiddelde afname van de berekende nitraatconcentraties onder landbouwgronden in de 34 grondwaterbeschermingsgebieden* 5.1.2.E *en het extra effect van Duurzame bouwplannen ten opzichte van de maatregel "Korting N-gebruiksnorm bij AT-gewassen en niet rustgewassen".*

| Provincie | Aantal grondwater beschermingsgebieden | | | Berekende gebiedsgewogen gemiddelde afname van de nitraatconcentraties onder landbouwgronden (mg $L^{-1}$) | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Totaal aantal | $NO_3$ < 50 mg $L^{1}$ | | Na-ijleffect [2] | Effect N-korting bij AT-gewassen [3] en niet-rustgewassen en DAW-maatregelen | Effect Duurzame bouwplannen |
| | | N-korting +DAW-maatregelenl | Duurzame bouwplannen | | | |
| Drenthe | 4 | 2 | 2 | 3 | 7 | 5 |
| Overijssel | 6 | 4 | 3 | 10 | 7 | 4 |
| Gelderland | 4 | 2 | 2 | 10 | 7 | 5 |
| Noord-Brabant | 8 | 1 | 0 | 12 | 13 | 8 |
| Limburg | 12 | 0[4] - 7[5] | 0[4] - 7[5] | 8 | 7 | 7 |
| **Totaal** | **34** | **9 - 16** | **7 - 14** | | | |

1. Aantal grondwaterbeschermingsgebieden met een berekende nitraatconcentratie kleiner dan 50 mg $L^{-1}$ onder landbouwgronden

2 Het na-ijleffect treedt op door de vertraging in effecten van maatregelen op het maaiveld naar de diepte waarop de nitraatconcentraties gemeten worden en de landbouwkundige historie en ontwikkelingen. In bijlage B5.3 wordt dit nader aangeduid

3. Berekend als gemiddelde van scenario B waarin een korting bij AT-gewassen wordt opgelegd aan een uitspoelingsgevoelig gewas als in het voorgaande jaar ook een uitspoelingsgevoelig gewas is geteeld en scenario C waarin aan niet-rustgewassen een korting van de stikstofgebruiksnorm wordt opgelegd

4. Bij stikstofbemesting volgens gebruiksnormen van het 6e Actieprogramma

5. Bij een N-bodemoverschotten die ca. 20 kg $ha^{-1}$ lager zijn dan berekend bij stikstofbemesting volgens gebruiksnormen.

Het effect van Duurzame bouwplannen is kleiner dan het effect van de N-korting + DAW-maatregelen omdat bij de Duurzame bouwplannen geen rekening is gehouden met het extra effect van het pakket aan maatregelen waamee een excellente landbouwpraktijk wordt nagestreefd. Geschat wordt dat door de Duurzame bouwplannen een verlaging van de nitraatconcentraties wordt bereikt van 4 - 8 mg $L^{-1}$ ten opzichte van de situatie bij continuering van het Zesde Actieprogramma met ontwikkelingen in de veestap en het landgebruik 5.1.2.E en bij bemesting volgens de gebruiksnormen. In Overijssel voldoen drie grondwaterbeschermingsgebieden aan de norm van 50 mg $L^{-1}$ en in Noord-Brabant voldoet geen enkel grondwaterbeschermingsgebied aan de norm. Het aantal is hiermee twee lager dan geschat voor het scenario in de PlanMER van het Zevende Actieprogramma met N-kortingen voor AT-gewassen gecombineerd met een pakket aan DAW-maatregelen.

In het merendeel van de grondwaterbescherminggebieden is grasland in combinatie snijmais de voornaamste teelt. De Duurzame bouwplannen hebben daar weinig effect op. Voor de grondwaterbeschermingsgebieden met een hoog aandeel akker- en tuinbouwgewassen wordt wel een verlaging van de nitraatconcentratie berekend, maar deze vermindering is onvoldoende om het aantal gebieden met een nitraatconcentratie lager of gelijk aan 50 mg $L^{-1}$ te laten toenemen.

**Referenties**


CDM, 2021. 'Sturen op duurzame bouwplannen voor verbetering waterkwaliteit'. Commissie Deskundige Meststoffenwet. https://www.rijksoverheid.nl/binaries/rijksoverheid/documenten/kamerstukken/2021/09/06/cdm-advies-sturen-op-duurzame-bouwplannen-voor-verbetering-waterkwaliteit/2127199_CDM+advies_Sturen+op+duurzame+bouwplannen+voor+verbetering+waterkwaliteit.pdf

Van Boekel, E., P. Groenendijk, J. Kros, L. Renaud, J.C. Voogd, G. Ros, Y. Fujita, G.J. Noij en W. van Dijk, 2021. Effecten van maatregelen in het zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Milieueffectrapportage op planniveau. Wageningen, Wageningen Environmental Research, Rapport 3108.

Bolt, F.J.E. van der, E.M.P,M. van Boekel, W. Kuindertsma, L. V. Renaud, P. Groenendijk, H. Kros, J. van de Roovaart, A. Marsman. 2021. Het landelijk waterkwaliteitsmodel. Versie 1.2. Wageningen, Wageningen Environmental Research, Rapport in prep..

Min van LNV en Min van I&W, 2021. Ontwerp 7e Nederlandse actieprogramma betreffende de Nitraatrichtlijn (2022 – 2025). Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit en Ministerie van Infrastructuur en Waterstaat. https://www.rijksoverheid.nl/binaries/rijksoverheid/documenten/rapporten/2021/09/06/consultatie-en-milieueffectrapportage-voor-het-7e-actieprogramma-nitraatrichtlijn/Ontwerp+7e+AP_v1.pdf

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 22 november 2021 10:58
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Aanbiedingsformulier MR 7e APN
**Bijlagen:** DOMUS-21291966-v1-Bijlage_1_AanbiedingsFormulierMinisterraad_financien_7e_AP_IenW_v1.pdf

**Urgentie:** Hoog

Dag collega's,

De minister is akkoord met de MR-stukken over het 7e AP. Ik kan aanbiedingsformulier alleen pas laten uploaden als we deze op 'definitief' kunnen zetten en daarvoor ontbreken nog enkele gegevens. Kunnen jullie deze z.s.m. toevoegen? Dan laat ik de stukken daarna bij AZ aanbieden.

In de cc ook even de collega's van DC: komende vrijdag agenderen we een dekkingsvoorstel in de MR bij het 7e APN. In de bijlage de tekst van het aanbiedingsformulier hierbij.

Groet,
5.1.2.E

CONCEPT



Rijksoverheid

# Aanbiedingsformulier voor

## Aanbieding

Aanbiedingsformulier voor *

- (rijks)Ministerraad
  - Ministerraad
  - Rijksministerraad
- Onderraden
- Ministeriële Commissies
- Ambtelijke voorportalen

| | |
|---|---|
| Van 1 * | Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit |
| Van 2 | N.v.t. |
| Mede namens 1 | N.v.t. |
| Mede namens 2 | N.v.t. |
| Mede namens 3 | N.v.t. |
| Type voorstel * | Notitie |

## Titel en inhoud

Titel *

Meerjarig financieel dekkingsvoorstel toekomstig mestbeleid en 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn 2022-2025 mede naar aanleiding van aangenomen moties Tweede Kamer 11 november 2021

Inhoud en doelstelling van het voorstel *

Op grond van de Nitraatrichtlijn dient Nederland voor eind 2021 het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (7e AP) voor de periode 2022 tot en met 2025 in te dienen bij de Europese Commissie. Dit actieprogramma is gericht op maatregelen in de landbouw ten behoeve van de waterkwaliteit en draagt zo bij aan doelen van de Kaderrichtlijn Water. Ook vindt uitwerking plaats van de aangekondigde contouren op het mestbeleid, te weten grondgebonden rundveehouderij en mestverwerking. Het 7e AP dient als basis voor een derogatieaanvraag bij de Europese Commissie voor 2022-2025. Op 11 november jl. zijn moties aangenomen die verwerkt dienen te worden in het 7e AP. Deze zien onder meer op vanggewassen, bufferstroken, definitie van grasareaal bij graasdierbedrijven en maatwerkaanpak met sector. Ter compensatie zijn aanvullende maatregelen nodig voor de waterkwaliteit. Op dit moment is niet voorzien in financiële dekking in de periode tot en met 2025. Dit is nodig om aan de voorschriften van de Nitraatrichtlijn te kunnen blijven voldoen. Voorgesteld wordt stikstofmiddelen die nog op de aanvullende post bij Financiën staan en niet zijn opgevraagd tijdelijk aan te wijzen. Bij 1e suppletoire 2022 zal definitieve dekking worden ingevuld.

Maatregelen in het kader van de Stikstofaanpak bieden kansen om de mate van het doelbereik voor de KRW te vergroten en meekoppeleffecten te benutten. Besluitvorming hierover is aan een volgend kabinet.

Voorgesteld besluit *

Anders nl.

Eigen formulering

Aan de Ministerraad wordt mandaat gevraagd op het financiële dekkingsvoorstel mede om aangenomen moties uit het Tweeminutendebat van 11 november jl. te kunnen verwerken in het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en deze voor het eind van dit jaar in te dienen bij de Europese Commissie.

CONCEPT



## Behandeltraject

| | |
|---|---|
| Datum aanbieding * | 26-nov-2021 |
| Kenmerk * | 21290665 |
| Hamerstuk * | ☒ Ja ☐ Nee |
| Voorgaande behandeling * | ☐ Ja ☒ Nee |

## Gevolgen en juridisch kader

| | |
|---|---|
| Gevolgen rijksbegroting * | ☒ Ja ☐ Nee |
| Gevolgen apparaatsuitgaven * | ☒ Ja ☐ Nee |
| Gevolgen voor regeldruk * | ☒ Ja ☐ Nee |
| Overeenstemming met JenV inzake wetgevingstoets en effectenanalyse * | ☐ Ja ☐ Nee, met bijlage ☐ Nee, zonder bijlage ☒ N.v.t. |
| Overeenstemming met JenV inzake fouten- en misbruiksignalering * | ☐ Ja ☐ Nee, met bijlage ☐ Nee, zonder bijlage ☒ N.v.t. |
| Aan EU Notificatie voldaan * | ☐ Ja ☐ Nee ☒ N.v.t. |
| Verplichting int. verdragen en/of Europese regelgeving * | ☒ Ja ☐ Nee |
| Naam verdrag * | Nitraatrichtlijn (Richtlijn 91/676/EEG van de Raad van 12 december 1991 betreffende de bescherming van water tegen verontreiniging door nitraten uit agrarische bronnen, PB L 375 van 31.12.1991) |

## Interdepartementale afstemming

| | |
|---|---|
| Overeenstemming BZK inzake beoordelingskader financiële/ bestuurlijke consequenties decentrale overheden en/of Caribisch Nederland * | ☐ Ja ☐ Nee ☒ N.v.t. |
| Overeenstemming Aruba, Curaçao en Sint Maarten * | ☐ Ja ☐ Nee ☒ N.v.t. |
| Ambtelijk afgestemd * | ☐ Ja ☐ Nee ☒ N.v.t. |
| Overeenstemming bereikt op ambtelijk niveau * | ☐ Ja ☐ Nee ☐ N.v.t. |

☐ AZ ☐ BZK ☐ EZK ☒ I&W ☐ SZW ☐ VWS ☐ LNV
☐ BZ ☐ Def ☒ Fin ☐ OCW ☐ JenV ☐ BH&OS

Omschrijving geschilpunten

## Contactpersonen

| | Contactpersoon 1 | Contactpersoon 2 |
|---|---|---|
| Naam * | 5.1.2.E | 5.1.2.E |
| Afdeling * | directie PAV | directie FEZ |
| Telefoonnummer * | 5.1.2.E | 5.1.2.E |
| E-mailadres * | 5.1.2.E @minlnv.nl | 5.1.2.E @minlnv.nl |

CONCEPT



## Begroting sectie A (uitgaven)

Budgetdisciplinesector * ☐ Budgettair Kader Zorg ☐ Sociale zekerheid en arbeidsmarktbeleid ☒ Rijksbegroting in enge zin ☐ N.v.t.

| | | | 2022 | 2023 | 2024 | 2025 | 2026 | 2027 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Initiële jaar * | 2022 | | | | | | | |
| **Uitgaven 1** | | | | | | | | |
| Begrotingshoofdstuk | XIV Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit | | | | | | | |
| Beleidsartikel nummer | 21 | Naam | Mestbeleid | | | | | |
| Bedrag | | | 15,5 | 33 | 35,6 | 34,6 | | |
| **Uitgaven 2** | | | | | | | | |
| Begrotingshoofdstuk | Selecteer | | | | | | | |
| Beleidsartikel nummer | | Naam | | | | | | |
| Bedrag | | | | | | | | |
| **Uitgaven 3** | | | | | | | | |
| Begrotingshoofdstuk | Selecteer | | | | | | | |
| Beleidsartikel nummer | | Naam | | | | | | |
| Bedrag | | | | | | | | |
| Totale uitgaven | | | **15,5** | **33** | **35,6** | **34,6** | | |

## Begroting sectie A (ontvangsten)

| | | | 2022 | 2023 | 2024 | 2025 | 2026 | 2027 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Initiële jaar * | 2022 | | | | | | | |
| **Ontvangsten 1** | | | | | | | | |
| Begrotingshoofdstuk | Selecteer | | | | | | | |
| Beleidsartikel nummer | | Naam | | | | | | |
| Bedrag | | | | | | | | |
| **Ontvangsten 2** | | | | | | | | |
| Begrotingshoofdstuk | Selecteer | | | | | | | |
| Beleidsartikel nummer | | Naam | | | | | | |
| Bedrag | | | | | | | | |
| **Ontvangsten 3** | | | | | | | | |
| Begrotingshoofdstuk | Selecteer | | | | | | | |
| Beleidsartikel nummer | | Naam | | | | | | |
| Bedrag | | | | | | | | |
| Totale ontvangsten | | | | | | | | |
| Saldo uitgaven en ontvangsten | | | **-15,5** | **-33** | **-35,6** | **-34,6** | **0** | **0** |

Toelichting

CONCEPT



# Gevolgen regeldruk sectie B

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Initiële jaar * | 2023 | 2023 | 2024 | 2025 | 2026 | 2027 | 2028 |
| **Gevolgen voor het bedrijfsleven** (in miljoenen euro's) | | | | | | | |
| Administratieve lasten | | | | | | | |
| Inhoudelijke nalevingskosten | | | | | | | |
| **Gevolgen voor de burger** (out-of-pocket kosten) | | | | | | | |
| Administratieve lasten (in euro's) | | | | | | | |
| Administratieve lasten (in uren) | | | | | | | |

**Toelichting**

Bij de implementatie van de maatregelen van het zevende actieprogramma zullen wijzigingen in wet- en regelgeving worden doorgevoerd. Dan zullen de mogelijke regeldrukgevolgen worden toegelicht.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 23 november 2021 10:43
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Gesprek M - Sinkevicius maandag 29/11 16.45-17.00u

Dag collega's,

Komende maandag is er een telefonisch 5.1.2.E 16.45u-17.00u tussen 5.1.2.E 5.1.2.E

Kunnen jullie daarvoor een voorbereiding opstellen? Graag ontvang ik die uiterlijk donderdag om 17.00u, zodat deze vrijdagochtend mee kan in de weekendtas.

Groet,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** donderdag 25 november 2021 15:03
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e 5.1.2.e 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Annotatie MR - 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn
**Bijlagen:** Aangepaste annotatie _ WH.docx; Aangepaste annotatie _ 5.1.2.e.pdf

**Urgentie:** Hoog

Dag allen,

Bijgaand vinden jullie enkele revisies in de adviesnota over het 7e APN van morgen (waar de minister wordt vervangen door minister Slob).

Ik begrijp dat er een discussiepunt is geweest tussen PAV en DGS over dekking, en dat nu wordt voorgesteld dat Slob in de MR een aanvullende afspraak maakt over besluitvorming in de kabinetsformatie. Dit hoort alleen volgens mij niet thuis in de MR, maar op de formatietafel. Daarnaast riskeert dit volgens mij het lostrekken van een discussie tussen Slob en Vijlbrief (die MFIN vervangt), wat er toe kan leiden dat het voorstel wordt aangehouden. Ook 5.1.2.E was er geen voorstander van om Slob met deze boodschap naar de MR te sturen omdat dit twee gremia (MR en formatietafel) vermengt en Slob niet goed in deze discussie zit. Daarom het voorstel om de passages over deze interventie uit de annotatie te halen. Zie bijgaand daartoe een voorstel.

Voor de volledigheid kopieer ik onderstaand het voorstel zoals dat in de MR-notitie en formulier staat. Hierin wordt ook de tijdelijkheid van de dekking zoals die nu gekozen is benadrukt.

Ik hoor graag deze aanpassingen akkoord zijn.

Groet,
5.1.2.E

---

**Financieel dekkingsvoorstel**

- Voorgesteld wordt stikstofmiddelen die nog op de Aanvullende Post bij Financiën staan en niet zijn opgevraagd tijdelijk aan te wijzen.
- Specifiek betreft het de aanwijzing van de handhavingsreeks (€ 60 mln. waar op dit moment nog geen beroep op is gedaan) en het de Landelijke Beëindigingsmaatregel (€ 58,7 mln. uit gereserveerde 1 miljard).
- Bij suppletoire zal de definitieve dekking moeten worden ingevuld.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

ADVIES MINISTERRAAD

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 070 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
23 november 2021

**Kenmerk**
DGA-PAV / 21295367

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Advies Ministerraad 26 november 2021 over meerjarig financieel dekkingsvoorstel toekomstig mestbeleid en 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| | | |
|---|---|---|
| **DGA**<br>5.1.2.e | **PAV,** 5.1.2.e<br>5.1.2.e | **PAV,** 5.1.2.e 5.1.2.e<br>5.1.2.E |
| **DG Stikstof**<br>5.1.2.E | 5.1.2.e 5.1.2.e<br>5.1.2.E | |
| **BPZ**<br>5.1.2.E | | |

**Onderwerp**
In de Ministerraad van 26 november aanstaande doet u een voorstel voor een meerjarig financieel dekkingsvoorstel voor het toekomstig mestbeleid en het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7e AP), voor een totaalbedrag van € 118,7 mln. Nederland dient het 7e AP voor het eind van het jaar in te dienen bij de Europese Commissie (hierna: EC), die de basis voor een nieuwe derogatie van de Nitraatrichtlijn moet zijn.

Het mestbeleid kent geen structurele financiering. Vooruitlopend op de kabinetsformatie is het daarom nodig tijdelijk financiële middelen aan te wijzen ter uitvoering van het 7e AP. Bij 1e suppletoire zal de definitieve dekking moeten worden ingevuld. Financiën en IenW zijn ambtelijk akkoord met het voorstel.

Ambtelijk JenV heeft aangegeven positief te adviseren, maar zal mogelijk een opmerking meegeven over precedentwerking. Onder de toelichting vindt u een voorgesteld antwoord.

Het actieprogramma is de basis voor een derogatieaanvraag van de Nitraatrichtlijn. Om zicht te houden op derogatie voor volgend jaar, moet de aanvraag behandeld worden in het Nitraatcomité van 15 december. Daarvoor is het nodig dat Nederland het 7e AP rond 1 december indient bij de EC. Daarom is besluitvorming in de MR van 26/11 nodig.

**Met opmaak:** Standaard, Geen opsommingstekens of nummering

**Advies**
Instemmen. Het betreft uw eigen voorstel.

**Kernpunten**

Ontvangen BPZ

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Kenmerk**
DGA-PAV / 21295367

- ~~U wordt geadviseerd in de Ministerraad de afspraak te maken dat verdiscontering met nieuwe middelen na kabinetsformatie plaatsvindt. Hiermee blijven de reeds aangewezen stikstofmiddelen beschikbaar voor de stikstof aanpak.~~
- Het ministerie van Financiën staat erop om geen nieuw beleid aan te kondigen dat financieel ongedekt is. Het nieuwe kabinet beslist over nieuwe financiële middelen, het oude demissionaire kabinet gaat over reeds gereserveerde middelen.
- Enkel om deze reden zijn reeds gereserveerde stikstofmiddelen in aanmerking gekomen voor tijdelijke financiële dekking van het 7e Actieprogramma. Het betreft hier stikstofmiddelen die nog op de Aanvullende Post bij Financiën staan en nog niet door de uitvoerende departementen zijn opgevraagd. Directoraat Generaal Stikstof (intern LNV) staat in principe afwijzend tegenover deze methodiek maar LNV zag helaas zijn geen andere mogelijkheden.
- Specifiek betreft het de aanwijzing van de handhavingsreeks (€ 60 mln. waar op dit moment nog geen beroep op is gedaan) en de Landelijke Beëindigingsmaatregel veehouderijen (€ 58,7 mln. uit gereserveerde € 1 miljard).
- Ambtelijk gaat LNV ervan uit dat deze dekking *tijdelijk* is omdat anders het stikstofdoelbereik wordt aangetast. ~~Maar het tijdelijke karakter van het dekkingsvoorstel via stikstof kon/mocht op het MR formulier niet worden~~ benadrukt. Of iets wel of niet tijdelijk is, is namelijk aan het nieuwe kabinet.
- Daarom staat op het MR formulier "Bij 1e suppletoire 2022 zal de definitieve dekking moeten worden ingevuld". Dit kan als compromis tussen het Ministerie van Financiën en LNV worden gezien.
- ~~Bij voorkeur wordt echter op vrijdag in de MR tussen bewindspersonen de afspraak gemaakt dat het hier toch tijdelijke dekking betreft die weer in de kabinetsformatie zal moeten worden rechtgetrokken. Zo blijven de reeds aangewezen stikstofmiddelen beschikbaar voor de stikstof aanpak.~~

**Met opmerkingen [5.1.2.e](1):** De notitie die in de MR en het formulier dat voorligt benoemt toch wel degelijk het tijdelijke karakter?

*Voorgesteld wordt stikstofmiddelen die nog op de aanvullende post bij Financiën staan en niet zijn opgevraagd tijdelijk aan te wijzen. Bij 1e suppletoire 2022 zal definitieve dekking worden ingevuld.*

**Toelichting**

- LNV-belang: door middel van het 7e AP blijven voldoen aan de voorschriften van de Nitraatrichtlijn. Daarbij zal het 7e AP de basis moeten vormen voor een derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025.
- Relatie met EC: Om een derogatie verleend te krijgen, moeten procedurele stappen via het Nitraatcomité doorlopen worden. Dit houdt in dat vier comités nodig zijn voordat een derogatie verleend kan worden. Nederland heeft in het Nitraatcomité van afgelopen september de eerste presentatie voor derogatie mogen geven. Om zicht te houden op derogatie is het nodig dat Nederland op 15 december aanstaande de tweede presentatie geeft. Hierover is op dit moment nog geen duidelijkheid. De EC is er (nog) niet van overtuigd dat NL met het 7e AP de gestelde doelen t.a.v. waterkwaliteit in het kader van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water gaat halen.
- Relatie met Regeerakkoord: In het huidige Regeerakkoord is niets opgenomen over het 7e AP. In de lopende formatie, deeltafel stikstof en landbouw, is waterkwaliteit een gespreksonderwerp en maken de financiële middelen voor het 7e AP onder de noemer mestbeleid deel uit van het stikstofpakket.

- Standpunten politieke partijen: een meerderheid van de fracties in de Tweede Kamer heeft in het Tweeminutendebat ingestemd met een aanvraag voor derogatie. Dit zijn de fracties: VVD, D66, PVV, CDA, ChristenUnie, Forum voor Democratie, DENK, Groep van Haga, JA21, SGP, BBB, Omtzigt.
- Draagvlak/standpunten stakeholders: voor de agrarische sector is de derogatie van groot belang. Het niet verlenen zou leiden tot grote onrust in de sector. Ook het draagvlak voor en medewerking aan de aanpak van een nieuw kabinet zal sterk worden ondermijnd.
- Relevante informatie uit voorportalen/ onderraden (bv. voorgeschiedenis): gezien directe inbreng in Ministerraad niet van toepassing.
- Belang derogatie: De derogatie is van groot belang voor Nederland. Niet alleen in economische zin, maar ook voor het milieu. Uit een studie die ten tijde van de vorige derogatieprocedure, twee jaar geleden, is uitgevoerd door de Commissie Deskundigen Meststoffenwet, blijkt dat de derogatie positief is voor de waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit. Dit komt met name door het aandeel grasland dat met de derogatie wordt voorgeschreven. Zonder derogatie is de verwachting dat veel melkveebedrijven een deel van hun grasland zullen omzetten in bouwland, bijvoorbeeld voor de maïsteelt. Dat zou forse negatieve gevolgen hebben voor o.a. de waterkwaliteit en de doelen dus verder uit beeld brengen.

**Voorgestelde algemene spreeklijn**

- Nederland dient op grond van de Nitraatrichtlijn elke vier jaar een actieprogramma bij de Europese Commissie in te dienen. Voor de periode 2022-2025 moet Nederland dit 7e Actieprogramma voor het eind van het jaar indienen bij de Europese Commissie. Op basis van dit actieprogramma zal Nederland een derogatieaanvraag doen.
- De zienswijzen die tijdens de publieke consultatie in het kader van de milieueffectrapportage zijn ingebracht en de aangenomen moties uit het Tweeminutendebat van 11 november jl. hebben geleid tot aanpassingen in het 7e actieprogramma. Om de benodigde verbetering van de waterkwaliteit op peil te houden, zijn in het definitieve 7e Actieprogramma compenserende maatregelen opgenomen.
- Het mestbeleid kent geen structurele financiering. Normaliter vindt dit plaats bij Kabinetsbesluit, bijvoorbeeld in een Regeerakkoord.
- Het is daarom nodig voor de uitvoering van het 7e Actieprogramma tijdelijk financiële dekking te vinden. Het voorstel is hiervoor stikstofmiddelen die nog op de aanvullende post bij Financiën tijdelijk aan te wijzen. Bij 1e suppletoire 2022 zal de definitieve dekking moeten worden ingevuld.
- ~~Ik wil vandaag de afspraak maken dat het hier *tijdelijke* dekking betreft die weer bij kabinetsformatie moet worden rechtgetrokken. Zo blijven de reeds aangewezen stikstofmiddelen beschikbaar voor de stikstof-aanpak.~~

**Voorgestelde spreeklijn op mogelijke vragen**

Naar verwachting zal de minister van IenW de samenhang van de stikstofaanpak met waterkwaliteit blijven benadrukken en de noodzaak van de beschikbaarheid van voldoende financiële middelen.
*Voorgestelde reactie:*

- De integrale benadering van de stikstofaanpak met onder andere waterkwaliteit maakt deel uit van de formatieonderhandelingen inclusief de daarbij behorende middelen.

Ambtelijk JenV heeft de vraag gesteld of het nodig is dit actieprogramma voor 1 januari 2022 in te dienen bij de Europese Commissie.
*Voorgestelde reactie:*
- Op grond van de Nitraatrichtlijn is het nodig het 7e Actieprogramma voor het einde van het jaar in te dienen bij de Europese Commissie.
- Het actieprogramma is de basis voor een derogatieaanvraag van de Nitraatrichtlijn. Om zicht te houden op derogatie voor volgend jaar, moet de aanvraag behandeld worden in het Nitraatcomité van 15 december. Daarvoor is het nodig dat Nederland het 7e AP rond 1 december indient bij de EC.

Ambtelijk JenV heeft de vraag gesteld of dit kan leiden tot precedentwerking voor andere dossiers.
*Voorgestelde reactie:*
- Het mestbeleid maakt deel uit van de stikstofmiddelen ten behoeve van de kabinetsformatie.
- LNV gaat niet over andere dossiers, dus daarmee is de vraag over precedentwerking lastig te beantwoorden.

In zijn algemeenheid kan de vraag gesteld worden of het toekomstig mestbeleid en het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn gedekt kan worden uit de nieuwe middelen van de verdere aanpak stikstof.
*Voorgestelde reactie:*
- Hierop kan nog geen voorschot worden genomen, aangezien de omvang van de besteding en prioritering van de middelen nog bepaald moeten worden.

**Achtergrond**
*Doel Nitraatrichtlijn (91/676/EEC van 12/12/1991)*
- Artikel 1: Deze richtlijn heeft tot doel: de waterverontreiniging die wordt teweeggebracht door nitraten uit agrarische bronnen te verminderen en verdere verontreiniging van dien aard te voorkomen.
- Betreft zowel nitraatverontreiniging van grondwater als eutrofiëring (=vermesting, toevoegen van een teveel aan meststoffen) van oppervlaktewater om zo het milieurisico vanuit de landbouw te beperken.
- De Nitraatrichtlijn hanteert voor een goede waterkwaliteit een grenswaarde van max 50 milligram nitraat per liter in grondwater (bijlage 1 van de richtlijn).
- De Nitraatrichtlijn is een sectorale richtlijn en richt zich specifiek op agrarische bronnen.

*Actieprogramma's*
- Lidstaten moeten elke vier jaar een actieprogramma indienen (artikel 5 lid 2 en 7, en bijl. 3).
- Dit actieprogramma neemt de milieusituatie als uitgangspunt en is gebaseerd op wetenschappelijke inzichten.

- Het actieprogramma beschrijft de maatregelen om de doelen van de Nitraatrichtlijn te realiseren.
- Die maatregelen omvatten in elk geval normen voor het gebruik van stikstof en fosfaat en voorschriften over de wijze hoe in de landbouwpraktijk waterverontreiniging door nitraten voorkomen moet worden (artikel 5, lid 4 en bijlage 3).
- Indien het nodig is om de doelen van de Nitraatrichtlijn te behalen, moeten lidstaten ook aanvullende maatregelen nemen (artikel 5, lid 5).

*Monitoring*

- Lidstaten dienen een monitoringsprogramma uit te voeren naar de effectiviteit van het actieprogramma (artikel 5 lid 6 en bijlage 4, artikel 10).
- Nederland geeft hier invulling aan met het Landelijk Meetnet effecten Mestbeleid waarin jaarlijks 450 landbouwbedrijven gemonitord worden op de kwaliteit van het grond- en oppervlaktewater (door RIVM) en het mineralenmanagement op het bedrijf (door Wageningen Economic Research).
- Op grond van de resultaten van het monitoringsprogramma dienen lidstaten vierjaarlijks een Nitraatrichtlijnrapportage aan de Europese Commissie te leveren. Deze rapportage is het uitgangspunt voor de milieusituatie op basis waarvan het actieprogramma wordt opgesteld.

*Mogelijkheid van derogatie van de gebruiksnorm dierlijke meststof*

- De Nitraatrichtlijn verplicht lidstaten om het gebruik van dierlijke mest te beperken tot 170 kg stikstof per hectare per jaar (artikel 5, lid 4 en bijlage III van de Nitraatrichtlijn).
- Van deze bepaling is een afwijking (= derogatie) mogelijk.
- Hogere hoeveelheden 'moeten zodanig worden vastgesteld dat geen afbreuk *wordt gedaan aan het bereiken van de in artikel 1 genoemde doelstellingen, en zij moeten worden gemotiveerd aan de hand van objectieve criteria (...):*
  - *lange groeiperiodes;*
  - *gewassen met hoge stikstofopname;*
  - *hoge netto-neerslag in de kwetsbare zone;*
  - *bodems met een uitzonderlijk hoog denitrificatievermogen.'*
- Een derogatie van de Nitraatrichtlijn wordt verstrekt door de Europese Commissie en vastgelegd in een besluit waarin de derogatie en de voorwaarden die voor deze derogatie gelden is beschreven.
- Een derogatiebesluit bevat voorwaarden met betrekking tot de bedrijfstypen die kunnen deelnemen, monitoring door de lidstaat en (jaarlijkse) rapportage over milieueffecten, benutting en resultaten van controles in het kader van de derogatie. Een derogatie kan betrekking hebben op de lidstaat of beperkt zijn tot een specifieke regio.
- Een derogatiebesluit kan door de Europese Commissie worden ingetrokken als een lidstaat zich niet aan de voorwaarden van dat besluit houdt. Dat is nooit voorgekomen.

*Procedure verkrijgen derogatie*

- Indien een lidstaat een hogere hoeveelheid dan de genoemde 170 kg stikstof per hectare per jaar wenst toe te staan, meldt de lidstaat dat aan de Europese Commissie, inclusief motivering.
- Om een derogatiebesluit te kunnen goedkeuren moet de Europese Commissie advies inwinnen van de lidstaten, verenigd in het Nitraatcomité.
- In het Nitraatcomité wordt met een gekwalificeerde meerderheid van stemmen besloten over het advies. Het Nitraatcomité vergadert vier à vijf keer per jaar.
- De procedure verloopt als volgt:
  - De lidstaat maakt aan de Europese Commissie kenbaar dat zij een derogatie wenst te verkrijgen.
  - De Europese Commissie beziet of de lidstaat aan de voorwaarden voldoet voor de gewenste derogatie (o.a. een actieprogramma dat voldoende invulling geeft aan de Nitraatrichtlijn) en of er voldoende onderbouwing is voor die derogatie.
  - De lidstaat maakt haar wens in het Nitraatcomité kenbaar en geeft presentaties in het Nitraatcomité over 1) de milieutoestand, 2) het gevoerde beleid in het kader van de Nitraatrichtlijn en 3) het te voeren beleid voor de komende periode. De lidstaat geeft ook aan welke derogatie zij wenst.
  - Het is zo gegroeid dat deze presentaties in achtereenvolgende Nitraatcomités worden gegeven. De leden van het Nitraatcomité kunnen mondeling en schriftelijk vragen stellen die door de lidstaat beantwoord worden.
  - In een daaropvolgende vergadering presenteert de Europese Commissie het concept-derogatiebesluit en beantwoordt vragen daarover.
  - In diezelfde vergadering of een daaropvolgende vergadering vindt de stemming plaats.

- Daarna krijgt Europese Parlement de gelegenheid om gedurende enkele weken vragen te stellen over het concept-besluit. Dat komt zelden tot nooit voor.
- Daarna wordt het derogatiebesluit gepubliceerd en is deze geldig.

- Het is overigens nooit voorgekomen dat een derogatiebeschikking geen positief advies kreeg; veruit de meeste lidstaten stemmen altijd vóór.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

ADVIES MINISTERRAAD

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
23 november 2021

**Kenmerk**
DGA-PAV / 21295367

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Advies Ministerraad 26 november 2021 over meerjarig financieel dekkingsvoorstel toekomstig mestbeleid en 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| | | |
|---|---|---|
| **DGA** 5.1.2.e | **PAV.** 5.1.2.e 5.1.2.e | **PAV.** 5.1.2.e 5.1.2.E |
| 5.1.2.E | 5.1.2.E | |
| 5.1.2.E | | |

**Onderwerp**
In de Ministerraad van 26 november aanstaande doet u een voorstel voor een meerjarig financieel dekkingsvoorstel voor het toekomstig mestbeleid en het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7e AP), voor een totaalbedrag van € 118,7 mln. Nederland dient het 7e AP voor het eind van het jaar in te dienen bij de Europese Commissie (hierna: EC), die de basis voor een nieuwe derogatie van de Nitraatrichtlijn moet zijn.

Het mestbeleid kent geen structurele financiering. Vooruitlopend op de kabinetsformatie is het daarom nodig tijdelijk financiële middelen aan te wijzen ter uitvoering van het 7e AP. Bij 1e suppletoire zal de definitieve dekking moeten worden ingevuld. Financiën en IenW zijn ambtelijk akkoord met het voorstel.

Ambtelijk JenV heeft aangegeven positief te adviseren, maar zal mogelijk een opmerking meegeven over precedentwerking. Onder de toelichting vindt u een voorgesteld antwoord.

Het actieprogramma is de basis voor een derogatieaanvraag van de Nitraatrichtlijn. Om zicht te houden op derogatie voor volgend jaar, moet de aanvraag behandeld worden in het Nitraatcomité van 15 december. Daarvoor is het nodig dat Nederland het 7e AP rond 1 december indient bij de EC. Daarom is besluitvorming in de MR van 26/11 nodig.

**Met opmaak:** Standaard, Geen opsommingstekens of nummering

**Advies**
Instemmen. Het betreft uw eigen voorstel.

**Kernpunten**

Ontvangen BPZ

- ~~U wordt geadviseerd in de Ministerraad de afspraak te maken dat verdiscontering met nieuwe middelen na kabinetsformatie plaatsvindt. Hiermee blijven de reeds aangewezen stikstofmiddelen beschikbaar voor de stikstof aanpak.~~
- Het ministerie van Financiën staat erop om geen nieuw beleid aan te kondigen dat financieel ongedekt is. Het nieuwe kabinet beslist over nieuwe financiële middelen, het oude demissionaire kabinet gaat over reeds gereserveerde middelen.
- Enkel om deze reden zijn reeds gereserveerde stikstofmiddelen in aanmerking gekomen voor tijdelijke financiële dekking van het 7e Actieprogramma. Het betreft hier stikstofmiddelen die nog op de Aanvullende Post bij Financiën staan en nog niet door de uitvoerende departementen zijn opgevraagd. Directoraat Generaal Stikstof (intern LNV) staat in principe afwijzend tegenover deze methodiek maar LNV zag helaas zijn geen andere mogelijkheden.
- Specifiek betreft het de aanwijzing van de handhavingsreeks (€ 60 mln. waar op dit moment nog geen beroep op is gedaan) en de Landelijke Beëindigingsmaatregel veehouderijen (€ 58,7 mln. uit gereserveerde € 1 miljard).
- Ambtelijk gaat LNV ervan uit dat deze dekking *tijdelijk* is omdat anders het stikstofdoelbereik wordt aangetast. ~~Maar het tijdelijke karakter van het dekkingsvoorstel via stikstof kon/mocht op het MR formulier niet worden~~ benadrukt. Of iets wel of niet tijdelijk is, is namelijk aan het nieuwe kabinet.
- Daarom staat op het MR formulier "Bij 1e suppletoire 2022 zal de definitieve dekking moeten worden ingevuld". Dit kan als compromis tussen het Ministerie van Financiën en LNV worden gezien.
- ~~Bij voorkeur wordt echter op vrijdag in de MR tussen bewindspersonen de afspraak gemaakt dat het hier toch tijdelijke dekking betreft die weer in de kabinetsformatie zal moeten worden rechtgetrokken. Zo blijven de reeds aangewezen stikstofmiddelen beschikbaar voor de stikstof aanpak.~~

**Met opmerkingen [5.1.2.e](1):** De notitie die in de MR en het formulier dat voorligt benoemt toch wel degelijk het tijdelijke karakter?

*Voorgesteld wordt stikstofmiddelen die nog op de aanvullende post bij Financiën staan en niet zijn opgevraagd tijdelijk aan te wijzen. Bij 1e suppletoire 2022 zal definitieve dekking worden ingevuld.*

**Toelichting**

- LNV-belang: door middel van het 7e AP blijven voldoen aan de voorschriften van de Nitraatrichtlijn. Daarbij zal het 7e AP de basis moeten vormen voor een derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025.
- Relatie met EC: Om een derogatie verleend te krijgen, moeten procedurele stappen via het Nitraatcomité doorlopen worden. Dit houdt in dat vier comités nodig zijn voordat een derogatie verleend kan worden. Nederland heeft in het Nitraatcomité van afgelopen september de eerste presentatie voor derogatie mogen geven. Om zicht te houden op derogatie is het nodig dat Nederland op 15 december aanstaande de tweede presentatie geeft. Hierover is op dit moment nog geen duidelijkheid. De EC is er (nog) niet van overtuigd dat NL met het 7e AP de gestelde doelen t.a.v. waterkwaliteit in het kader van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water gaat halen.
- Relatie met Regeerakkoord: In het huidige Regeerakkoord is niets opgenomen over het 7e AP. In de lopende formatie, deeltafel stikstof en landbouw, is waterkwaliteit een gespreksonderwerp en maken de financiële middelen voor het 7e AP onder de noemer mestbeleid deel uit van het stikstofpakket.

- Standpunten politieke partijen: een meerderheid van de fracties in de Tweede Kamer heeft in het Tweeminutendebat ingestemd met een aanvraag voor derogatie. Dit zijn de fracties: VVD, D66, PVV, CDA, ChristenUnie, Forum voor Democratie, DENK, Groep van Haga, JA21, SGP, BBB, Omtzigt.
- Draagvlak/standpunten stakeholders: voor de agrarische sector is de derogatie van groot belang. Het niet verlenen zou leiden tot grote onrust in de sector. Ook het draagvlak voor en medewerking aan de aanpak van een nieuw kabinet zal sterk worden ondermijnd.
- Relevante informatie uit voorportalen/ onderraden (bv. voorgeschiedenis): gezien directe inbreng in Ministerraad niet van toepassing.
- Belang derogatie: De derogatie is van groot belang voor Nederland. Niet alleen in economische zin, maar ook voor het milieu. Uit een studie die ten tijde van de vorige derogatieprocedure, twee jaar geleden, is uitgevoerd door de Commissie Deskundigen Meststoffenwet, blijkt dat de derogatie positief is voor de waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit. Dit komt met name door het aandeel grasland dat met de derogatie wordt voorgeschreven. Zonder derogatie is de verwachting dat veel melkveebedrijven een deel van hun grasland zullen omzetten in bouwland, bijvoorbeeld voor de maïsteelt. Dat zou forse negatieve gevolgen hebben voor o.a. de waterkwaliteit en de doelen dus verder uit beeld brengen.

**Voorgestelde algemene spreeklijn**

- Nederland dient op grond van de Nitraatrichtlijn elke vier jaar een actieprogramma bij de Europese Commissie in te dienen. Voor de periode 2022-2025 moet Nederland dit 7e Actieprogramma voor het eind van het jaar indienen bij de Europese Commissie. Op basis van dit actieprogramma zal Nederland een derogatieaanvraag doen.
- De zienswijzen die tijdens de publieke consultatie in het kader van de milieueffectrapportage zijn ingebracht en de aangenomen moties uit het Tweeminutendebat van 11 november jl. hebben geleid tot aanpassingen in het 7e actieprogramma. Om de benodigde verbetering van de waterkwaliteit op peil te houden, zijn in het definitieve 7e Actieprogramma compenserende maatregelen opgenomen.
- Het mestbeleid kent geen structurele financiering. Normaliter vindt dit plaats bij Kabinetsbesluit, bijvoorbeeld in een Regeerakkoord.
- Het is daarom nodig voor de uitvoering van het 7e Actieprogramma tijdelijk financiële dekking te vinden. Het voorstel is hiervoor stikstofmiddelen die nog op de aanvullende post bij Financiën tijdelijk aan te wijzen. Bij 1e suppletoire 2022 zal de definitieve dekking moeten worden ingevuld.
- ~~Ik wil vandaag de afspraak maken dat het hier *tijdelijke* dekking betreft die weer bij kabinetsformatie moet worden rechtgetrokken. Zo blijven de reeds aangewezen stikstofmiddelen beschikbaar voor de stikstof-aanpak.~~

**Voorgestelde spreeklijn op mogelijke vragen**

Naar verwachting zal de minister van IenW de samenhang van de stikstofaanpak met waterkwaliteit blijven benadrukken en de noodzaak van de beschikbaarheid van voldoende financiële middelen.
*Voorgestelde reactie:*

- De integrale benadering van de stikstofaanpak met onder andere waterkwaliteit maakt deel uit van de formatieonderhandelingen inclusief de daarbij behorende middelen.

Ambtelijk JenV heeft de vraag gesteld of het nodig is dit actieprogramma voor 1 januari 2022 in te dienen bij de Europese Commissie.
*Voorgestelde reactie:*
- Op grond van de Nitraatrichtlijn is het nodig het 7e Actieprogramma voor het einde van het jaar in te dienen bij de Europese Commissie.
- Het actieprogramma is de basis voor een derogatieaanvraag van de Nitraatrichtlijn. Om zicht te houden op derogatie voor volgend jaar, moet de aanvraag behandeld worden in het Nitraatcomité van 15 december. Daarvoor is het nodig dat Nederland het 7e AP rond 1 december indient bij de EC.

Ambtelijk JenV heeft de vraag gesteld of dit kan leiden tot precedentwerking voor andere dossiers.
*Voorgestelde reactie:*
- Het mestbeleid maakt deel uit van de stikstofmiddelen ten behoeve van de kabinetsformatie.
- LNV gaat niet over andere dossiers, dus daarmee is de vraag over precedentwerking lastig te beantwoorden.

In zijn algemeenheid kan de vraag gesteld worden of het toekomstig mestbeleid en het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn gedekt kan worden uit de nieuwe middelen van de verdere aanpak stikstof.
*Voorgestelde reactie:*
- Hierop kan nog geen voorschot worden genomen, aangezien de omvang van de besteding en prioritering van de middelen nog bepaald moeten worden.

**Achtergrond**
*Doel Nitraatrichtlijn (91/676/EEC van 12/12/1991)*
- Artikel 1: Deze richtlijn heeft tot doel: de waterverontreiniging die wordt teweeggebracht door nitraten uit agrarische bronnen te verminderen en verdere verontreiniging van dien aard te voorkomen.
- Betreft zowel nitraatverontreiniging van grondwater als eutrofiëring (=vermesting, toevoegen van een teveel aan meststoffen) van oppervlaktewater om zo het milieurisico vanuit de landbouw te beperken.
- De Nitraatrichtlijn hanteert voor een goede waterkwaliteit een grenswaarde van max 50 milligram nitraat per liter in grondwater (bijlage 1 van de richtlijn).
- De Nitraatrichtlijn is een sectorale richtlijn en richt zich specifiek op agrarische bronnen.

*Actieprogramma's*
- Lidstaten moeten elke vier jaar een actieprogramma indienen (artikel 5 lid 2 en 7, en bijl. 3).
- Dit actieprogramma neemt de milieusituatie als uitgangspunt en is gebaseerd op wetenschappelijke inzichten.

- Het actieprogramma beschrijft de maatregelen om de doelen van de Nitraatrichtlijn te realiseren.
- Die maatregelen omvatten in elk geval normen voor het gebruik van stikstof en fosfaat en voorschriften over de wijze hoe in de landbouwpraktijk waterverontreiniging door nitraten voorkomen moet worden (artikel 5, lid 4 en bijlage 3).
- Indien het nodig is om de doelen van de Nitraatrichtlijn te behalen, moeten lidstaten ook aanvullende maatregelen nemen (artikel 5, lid 5).

*Monitoring*

- Lidstaten dienen een monitoringsprogramma uit te voeren naar de effectiviteit van het actieprogramma (artikel 5 lid 6 en bijlage 4, artikel 10).
- Nederland geeft hier invulling aan met het Landelijk Meetnet effecten Mestbeleid waarin jaarlijks 450 landbouwbedrijven gemonitord worden op de kwaliteit van het grond- en oppervlaktewater (door RIVM) en het mineralenmanagement op het bedrijf (door Wageningen Economic Research).
- Op grond van de resultaten van het monitoringsprogramma dienen lidstaten vierjaarlijks een Nitraatrichtlijnrapportage aan de Europese Commissie te leveren. Deze rapportage is het uitgangspunt voor de milieusituatie op basis waarvan het actieprogramma wordt opgesteld.

*Mogelijkheid van derogatie van de gebruiksnorm dierlijke meststof*

- De Nitraatrichtlijn verplicht lidstaten om het gebruik van dierlijke mest te beperken tot 170 kg stikstof per hectare per jaar (artikel 5, lid 4 en bijlage III van de Nitraatrichtlijn).
- Van deze bepaling is een afwijking (= derogatie) mogelijk.
- Hogere hoeveelheden 'moeten zodanig worden vastgesteld dat geen afbreuk *wordt gedaan aan het bereiken van de in artikel 1 genoemde doelstellingen, en zij moeten worden gemotiveerd aan de hand van objectieve criteria (...):*
  - *lange groeiperiodes;*
  - *gewassen met hoge stikstofopname;*
  - *hoge netto-neerslag in de kwetsbare zone;*
  - *bodems met een uitzonderlijk hoog denitrificatievermogen.'*
- Een derogatie van de Nitraatrichtlijn wordt verstrekt door de Europese Commissie en vastgelegd in een besluit waarin de derogatie en de voorwaarden die voor deze derogatie gelden is beschreven.
- Een derogatiebesluit bevat voorwaarden met betrekking tot de bedrijfstypen die kunnen deelnemen, monitoring door de lidstaat en (jaarlijkse) rapportage over milieueffecten, benutting en resultaten van controles in het kader van de derogatie. Een derogatie kan betrekking hebben op de lidstaat of beperkt zijn tot een specifieke regio.
- Een derogatiebesluit kan door de Europese Commissie worden ingetrokken als een lidstaat zich niet aan de voorwaarden van dat besluit houdt. Dat is nooit voorgekomen.

*Procedure verkrijgen derogatie*

- Indien een lidstaat een hogere hoeveelheid dan de genoemde 170 kg stikstof per hectare per jaar wenst toe te staan, meldt de lidstaat dat aan de Europese Commissie, inclusief motivering.
- Om een derogatiebesluit te kunnen goedkeuren moet de Europese Commissie advies inwinnen van de lidstaten, verenigd in het Nitraatcomité.
- In het Nitraatcomité wordt met een gekwalificeerde meerderheid van stemmen besloten over het advies. Het Nitraatcomité vergadert vier à vijf keer per jaar.
- De procedure verloopt als volgt:
  - De lidstaat maakt aan de Europese Commissie kenbaar dat zij een derogatie wenst te verkrijgen.
  - De Europese Commissie beziet of de lidstaat aan de voorwaarden voldoet voor de gewenste derogatie (o.a. een actieprogramma dat voldoende invulling geeft aan de Nitraatrichtlijn) en of er voldoende onderbouwing is voor die derogatie.
  - De lidstaat maakt haar wens in het Nitraatcomité kenbaar en geeft presentaties in het Nitraatcomité over 1) de milieutoestand, 2) het gevoerde beleid in het kader van de Nitraatrichtlijn en 3) het te voeren beleid voor de komende periode. De lidstaat geeft ook aan welke derogatie zij wenst.
  - Het is zo gegroeid dat deze presentaties in achtereenvolgende Nitraatcomités worden gegeven. De leden van het Nitraatcomité kunnen mondeling en schriftelijk vragen stellen die door de lidstaat beantwoord worden.
  - In een daaropvolgende vergadering presenteert de Europese Commissie het concept-derogatiebesluit en beantwoordt vragen daarover.
  - In diezelfde vergadering of een daaropvolgende vergadering vindt de stemming plaats.

- Daarna krijgt Europese Parlement de gelegenheid om gedurende enkele weken vragen te stellen over het concept-besluit. Dat komt zelden tot nooit voor.
- Daarna wordt het derogatiebesluit gepubliceerd en is deze geldig.

- Het is overigens nooit voorgekomen dat een derogatiebeschikking geen positief advies kreeg; veruit de meeste lidstaten stemmen altijd vóór.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** donderdag 25 november 2021 15:59
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e (5.1.2.e 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Annotatie MR - 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn

Dank - voor de aanvulling.

Ik verwerk deze versie in DOMUS en zal de map doorzetten naar DGA (en na haar akkoord naar minister Slob)

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** donderdag 25 november 2021 15:37
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Annotatie MR - 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn

Prima zo wat mij betreft, incl de aanvulling van 5.1.2.E !

Groeten,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) < 5.1.2.E l@minlnv.nl>
**Verzonden:** donderdag 25 november 2021 15:30
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Annotatie MR - 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn

Ha 5.1.2.E

Begrip voor de lijn, hierbij wel nog een QenA opgenomen (in tracks) mocht er een vraag worden gesteld over de impact hiervan op de stikstofaanpak:

Mogelijk wordt u gevraagd naar de gevolgen van deze wijze van dekking vanuit de huidige middelen voor de stikstofaanpak.
*Voorgestelde reactie:*

- U kunt aangeven dat deze dekking tijdelijk van aard is en dat u ervan uitgaat dat deze middelen zullen worden aangevuld.
- Op die manier zijn de middelen voor de stikstofaanpak geborgd.

Groet,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** donderdag 25 november 2021 15:23
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ı@minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E [redacted]@minlnv.nl>; 5.1.2.e [redacted] < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Annotatie MR - 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn

Hoi, wat mij betreft akkoord. Dit is ook het zinnetje zoals afgesproken met de IRF.
Er staat dan nog een woordje "benadrukt" teveel in.

Ik heb met de IRF besproken wat wij beide mee kunnen geven als advies en dat was aan onze kant het meegeven aan de minister dat het aanwijzen van deze middelen een risico vormt voor het doelbereik. Aan hun kant geven ze mee aan Hoekstra dat het om een constructie gaat om nu door te kunnen met dit besluit. Geen van beide hebben we aan de voorkant in de hand dat in de MR een discussie ontstaat over deze constructie en dat ze zelf andere conclusies trekken.
Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** donderdag 25 november 2021 15:03
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e [redacted] ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Annotatie MR - 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn
**Urgentie:** Hoog

Dag allen,

Bijgaand vinden jullie enkele revisies in de adviesnota over het 7e APN van morgen (waar de minister wordt vervangen door minister Slob).

Ik begrijp dat er een discussiepunt is geweest tussen PAV en DGS over dekking, en dat nu wordt voorgesteld dat Slob in de MR een aanvullende afspraak maakt over besluitvorming in de kabinetsformatie. Dit hoort alleen volgens mij niet thuis in de MR, maar op de formatietafel. Daarnaast riskeert dit volgens mij het lostrekken van een discussie tussen Slob en Vijlbrief (die MFIN vervangt), wat er toe kan leiden dat het voorstel wordt aangehouden. Ook 5.1.2.E was er geen voorstander van om Slob met deze boodschap naar de MR te sturen omdat dit twee gremia (MR en

formatietafel) vermengt en Slob niet goed in deze discussie zit. Daarom het voorstel om de passages over deze interventie uit de annotatie te halen. Zie bijgaand daartoe een voorstel.

Voor de volledigheid kopieer ik onderstaand het voorstel zoals dat in de MR-notitie en formulier staat. Hierin wordt ook de tijdelijkheid van de dekking zoals die nu gekozen is benadrukt.

Ik hoor graag deze aanpassingen akkoord zijn.

Groet,
5.1.2.E

_____

**Financieel dekkingsvoorstel**

- Voorgesteld wordt stikstofmiddelen die nog op de Aanvullende Post bij Financiën staan en niet zijn opgevraagd tijdelijk aan te wijzen.
- Specifiek betreft het de aanwijzing van de handhavingsreeks (€ 60 mln. waar op dit moment nog geen beroep op is gedaan) en het de Landelijke Beëindigingsmaatregel (€ 58,7 mln. uit gereserveerde 1 miljard).
- Bij suppletoire zal de definitieve dekking moeten worden ingevuld.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 26 november 2021 10:53
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E)
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Bullits coalitie

Graag, dan zorg ik dat deze ook goed bij de te verzenden stukken komt.

-----Oorspronkelijk bericht-----
Van: 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
Verzonden: vrijdag 26 november 2021 10:48
Aan: 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
CC: 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
Onderwerp: RE: Bullits coalitie

Hallo 5.1.2.E

Hierbij het definitieve 7e AP, zonder bijlage 7.

Zal ik hem in de bhm zetten?

Groeten van 5.1.2.E

-----Oorspronkelijk bericht-----
Van: 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
Verzonden: vrijdag 26 november 2021 10:11
Aan: 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
CC: 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
Onderwerp: RE: Bullits coalitie

Ok!
Ik ga 5.1.2.E even vragen of hij met 5.1.2.E (PA MI&W kan bellen).

5.1.2.E is akkoord met de brief en legt die niet aan 5.1 voor. Dus als Minister I&W (en de MR) akkoord zijn kan de brief vanmiddag weg.

-----Oorspronkelijk bericht-----
Van: 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
Verzonden: vrijdag 26 november 2021 10:09
Aan: 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
CC: 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
Onderwerp: RE: Bullits coalitie

Ik heb een update: de staatssecretaris is akkoord. De nota ligt nog bij de minister daar.

-----Oorspronkelijk bericht-----
Van: 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
Verzonden: vrijdag 26 november 2021 09:55
Aan: 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
CC: 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
Onderwerp: Re: Bullits coalitie

Mbt EK-versie: mooi 5.1.2.E dank!

Mbt IenW heb ik idd niet meer dan de laatste stavaza van 5.1.2.E

Mbt onze eigen minister: is die al akkoord?

Verstuurd vanaf mijn iPhone

> Op 26 nov. 2021 om 09:30 heeft 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl> het volgende geschreven:
>
> Nog geen nieuws van die kant, behalve dat het gisteravond bij de bewindspersonen is beland.
>
>
> -----Oorspronkelijk bericht-----
> Van: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Verzonden: vrijdag 26 november 2021 09:29
> Aan: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> CC: 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Onderwerp: RE: Bullits coalitie
>
> Nog een nabrander: hebben jullie iets gehoord van I&W?
> Ik zal mijn counterpart ook nog even appen.
>
> Groet,
> 5.1.2.E
>
> -----Oorspronkelijk bericht-----
> Van: 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
> Verzonden: vrijdag 26 november 2021 09:25
> Aan: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> CC: 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Onderwerp: RE: Bullits coalitie
>
> Dag allen,
>
> De laatste aanpassingen zijn inderdaad gedaan in de laatste (opgemaakte) versie die 5.1.2.E stuurde. Die staat bij ons op de T-schijf (vanaf waar we versturen), maar nog niet in DOMUS. Ik voeg deze daar ook aan toen.
>
> Ik stuur later vanochtend even een setje met alle stukken zoals ik die klaar laat zetten, zodat jullie daar nog een check op kunnen doen.
>
> Dank, voor het A4. Die geleid ik door naar 5.1.2.E
>
> Groet,
> 5.1.2.E
>
> -----Oorspronkelijk bericht-----
> Van: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Verzonden: vrijdag 26 november 2021 09:24
> Aan: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> CC: 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Onderwerp: RE: Bullits coalitie
>
> Hoi,
>

> Eerste Kamerbrief zit in de Bhm. Aantal dingetjes aangepast:
>
> - Zinnetje dat we ze informeren over de voortgang van de derogatie weggelaten.
> - Passage over Motie Geurts/Lodders weggelaten.
> - "uw Kamer" omgeschreven naar "de Tweede Kamer"
>
> Verder staan de geel gearceerde stukken mbt het CDM advies nog open, omdat ik niet weet wat daar de laatste svz van is.
>
> Eens?
>
> Groeten,
>
> 5.1.2.E
>
> -----Oorspronkelijk bericht-----
> Van: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Verzonden: vrijdag 26 november 2021 09:06
> Aan: 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> CC: 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Onderwerp: RE: Bullits coalitie
>
> Hoi 5.1.2.E en 5.1.2.E
>
> Die Eerste Kamerbrief is me inderdaad helemaal ontschoten!
> Die ga ik nu maken.
>
> Ik heb 5.1.2.E gisteren wel een nieuwe versie van de Kamerbrief toegestuurd.
> Het CDM advies is ook definitief. Deze heeft 5.1.2.E in de Bhm gevoegd.
>
> Het 7e AP (zonder bijlage 7) maak ik vandaag af (laatste checks nog even). 5.1.2.E hoe laat moet je die hebben en zal ik die in de Bhm voegen of is het handiger als jij dat doet?
>
> Groeten van 5.1.2.E
>
> -----Oorspronkelijk bericht-----
> Van: 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Verzonden: donderdag 25 november 2021 23:58
> Aan: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> CC: 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Onderwerp: RE: Bullits coalitie
>
> Dank 5.1.2.E! Ik heb e.e.a. nog iets anders ingedeeld en ingekort om te zorgen dat het voor de TK-leden een zelfstandig leesbaar stuk is. Zie in de bijlage het resultaat (in feite een samenvatting van wat in de TK-brief staat). 5.1.2.E wat mij betreft kan je dit A4-tje met 5.1.2.E delen.
>
> Nog even ter check mbt de TK-brief: de laatste versie in domus is van 24-11 14:54. De aanpassingen die vandaag (25-11) zijn doorgevoerd, staan hier dus niet in. Is geregeld met 5.1.2.E dat straks wel de goede versie verzonden wordt?
>
> Nog iets anders wat me nu te binnen schiet: zit in de bhm ook een brief waarmee het AP naar de Eerste Kamer wordt gestuurd? Dat kan gewoon een kopie zijn van de brief aan de TK, maar ik kan me voorstellen dat dit in de drukte vergeten is. Die moet dan morgenochtend nog even toegevoegd worden.
>
> Groeten,
> 5.1.2.E
>

> -----Oorspronkelijk bericht-----
> Van: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Verzonden: donderdag 25 november 2021 18:37
> Aan: 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
> CC: 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Onderwerp: RE: Bullits coalitie
> Urgentie: Hoog
>
> Hallo 5.1.2.E en 5.1.2.E
>
> Hierbij de bullits:
>
> Het 7e AP is op zichzelf nog niet voldoende om zicht te krijgen op de doelen voor oppervlaktewaterkwaliteit van de Nitraatrichtlijn en de KRW. Voor oppervlaktewaterkwaliteit wordt daarom nadrukkelijk de verbinding gezocht met integratie van de waterkwaliteit in de structurele aanpak stikstof. De doorgevoerde wijzigingen zijn opgenomen in de 'was-wordt'-tabel met duiding welke afweging daarbij gemaakt is. Hieronder staan de wijzigingen die nog niet eerder aan de bewindspersonen (LNV en I&W) zijn voorgelegd.
> De EC kan nog aanvullende maatregelen gaan afdwingen tbv een verzoek tot derogatie.
>
> • De invulling van de koppeling tussen grondgebondenheid en aandeel (permanent) grasland op zoog- en weidekoeien wordt nog niet concreet gemaakt in het 7e AP, maar er wordt opgenomen dat in overleg met onder andere de sectorpartijen dit nader uitgewerkt wordt. Het einddoel richt zich op een grondgebonden melk- en rundvleesveehouderij (zoog- en weidekoeien) met een aanzienlijk areaal (permanent) grasland. Hiermee wordt deels invulling gegeven aan spoor 1 van het toekomstige mestbeleid en het uitgangspunt van 100% grondgebondenheid op melk- en rundveebedrijven. Tevens wordt aangegeven dat de besluitvorming over de precieze invulling hiervan aan het nieuwe kabinet is.
> • Biologische teelt vrijstellen van bredere teeltvrije zones is niet mogelijk, omdat dit niet is toegestaan vanuit het GLB. Daarmee zou 5.1.2.E onwenselijke situatie ontstaan dat vanuit het 7e AP geen bredere teeltvrije zone benodigd is, maar vanuit de conditionaliteit 5.1.2.E het GLB wel. Daarnaast geldt dat biologische bedrijven ook bemesting toepassen, hetzij wel minder dan bij reguliere bedrijven. Daarmee is belasting van het oppervlaktewater met nutriënten ook een relevant risico bij biologische teelten.
> • Er is opgenomen dat een teeltvrije zone wel beweid mag worden, dit naar aanleiding van inbreng van de sector en omdat beweiding in de regel over het gehele perceel plaatsvindt. Teeltvrije zones tellen in beginsel niet mee voor de mestplaatsingsruimte. Omdat bij beweiding het onmogelijk zal zijn om de bufferstroken onbemest te laten, zal het niet meetellen van de teeltvrije zone in de plaatsingsruimte nader worden uitgewerkt met waar nodig een (grondsoort- en gewasafhankelijke) beperkte, generieke verlaging van de stikstofgebruiksnorm. Om grondgebonden bedrijven tegemoet te komen, worden de stelsels Verantwoorde en Grondgebonden Groei Melkveehouderij ingetrokken. Tot slot wordt de formulering in de fosfaatbank voor grondgebondenheid zodanig ingevuld dat het gehele areaal, inclusief teeltvrije zones, mee zal tellen.
> • Verruiming van de uitrijdperiode vaste mest met twee weken van 1 september naar 15 september wordt niet doorgevoerd i.v.m. vergroot risico op uitspoeling nutriënten (TCB-advies 'Uitstel uitrijdverbod vaste mest vanwege neerslag in regio Zuid-Limburg 2021'). Aanvullend wordt de maatregel vervroeging van de startdatum uitrijdperiode vaste mest verfijnd naar en dus beperkt tot specifiek vaste strorijke mest, om hiermee de maatregel te richten op de mestsoort met meest positieve impact op bodemkwaliteit en weidevogels. Ook maakt dit de handhaafbaarheid van deze maatregel eenvoudiger.
> • In de aanvullende analyse voor de oppervlaktewaterkwaliteit is verkend welke maatregelen kunnen worden toegepast om de doelen voor oppervlaktewater te halen. Er wordt geadviseerd gebiedsgericht (en bedrijf- of zelfs perceelsgericht) te kijken naar welke maatregelen effectief zijn. Daarbij zijn soms stevige maatregelen nodig en maatregelen die zich richten op veranderingen in het watersysteem. Integratie van waterkwaliteit in de gebiedsgerichte aanpak stikstof lijkt kansrijk om de benodigde maatregelen gebiedsgericht te kunnen gaan nemen om ook de doelen voor de oppervlaktewaterkwaliteit te gaan behalen. Het is aan het volgende kabinet om hier keuzes in te maken. Er wordt voorgesteld de combinatie te zoeken met de gebiedsgerichte aanpak vanuit het stikstofdossier, waarin de benodigde stevige maatregelen voor de oppervlaktewaterkwaliteit wel

uitgevoerd kunnen worden. Daarmee worden de extra maatregelen voor de oppervlaktewaterkwaliteit niet in het 7e AP opgenomen als verplichtende maatregelen.
> • Eerder was een mogelijke maatregel voorgelegd waarbij teelten die geen organische mest mogen ontvangen uit voedselkwaliteitsoogpunt, niet meer mee zouden tellen in de gebruiksruimte voor dierlijke mest. Hoewel dit vanuit waterkwaliteitsoogpunt wenselijk is, is het onduidelijk op welke manier en door wie dit geregeld zou kunnen worden en voor welke teelten dit zou kunnen gaan gelden (en welk areaal dit dan beslaat). Ook is nog onduidelijk of dit dan voor de gehele teelt geldt of alleen voor een specifieke periode voor de oogst. Het advies is om dit niet op te nemen, ook omdat het naar verwachting om een beperkt areaal gaat.
> • De pilot 'BedrijfsEigen Stikstofnorm (BES)' zal in 2022 worden geëvalueerd waarna bepaald wordt of verdere verlenging nodig is.
> • De pilot 'Doelgericht werken voor betere waterkwaliteit' zal vervallen. Deze pilot gaat op in de maatwerkaanpak (voorstel sectorpartijen).
> • De pilots 'Mineralenconcentraat' en 'Kunstmestvrije Achterhoek' worden conform het 6e AP verlengd, vooruitlopend op de landenspecifieke oplossing vanuit RENURE waarover overeenstemming met de EC wordt gezocht.
> • Met de sector heeft nader overleg plaatsgevonden over de door hen voorgestelde maatwerkaanpak. In het 7e AP is een afspraak opgenomen voor het gezamenlijk verder uitwerken hiervan, resulterend in een 'go / no go'-besluit in de tweede helft van 2022.
>
> 5.1.2.E akkoord zo?
>
> En 5.1.2.E heeft 5.1.2.E ook de was-wordt tabel? Dat maakt wel veel duidelijk van wat er veranderd is tussen het ontwerp en de definitieve versie.
>
> Groeten van 5.1.2.E
>
> -----Oorspronkelijk bericht-----
> Van: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Verzonden: donderdag 25 november 2021 18:08
> Aan: 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
> Onderwerp: Bullits coalitie
>
> Dag collega's,
>
> 5.1.2.E had het verzoek of we een aantal bullits konden aanleveren waarin duidelijk werd wat nu laatste wijzigingen zijn die we hebben doorgevoerd in 7e APN na de brief van vorige week (zijn dit de punten zoals die staan benoemd in de beslisnota?)
>
> Hij wil deze dan namelijk voorafgaand aan verzending nog delen met de coalitie. Is het mogelijk hier een kort tekstje voor op te stellen?
>
> Fijn als ik die morgen om 11u kan ontvangen. Dan kan het daarna richting de coalitie.
>
> Groet 5.1.2.E
>
>
>
> Verstuurd vanaf mijn iPhone

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** zondag 28 november 2021 22:35
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Re: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Hallo 5.1.2.E en 5.1.2.E

Dank voor jullie aanbod. We wachten even het antwoord van MLNV af of dit akkoord is voor haar en zullen jullie vervolgens de door ons ontvangen Webex invite doorsturen.

Hartelijke groet,
5.1.2.E

Verstuurd vanaf mijn iPad

> Op 28 nov. 2021 om 09:17 heeft 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl> het volgende geschreven:
>
> Hoi 5.1.2.E en 5.1.2.E ,
>
> Ik begreep dat er vanuit de EC ambtelijke ondersteuning is bij het gesprek van de minister met Sinkevicius maandag. Ik kan er vanuit ons bij zijn als de minister dat prettig vindt. Kunnen jullie me in dat geval de webex link sturen, en 5.1.2.E wellicht ook?
>
> Groeten
> 5.1.2.E
>
> Verstuurd vanaf mijn iPhone
>
>> Op 27 nov. 2021 om 12:55 heeft 5.1.2.E
>> < 5.1.2.E @minbuza.nl> het volgende geschreven:
>>
>> Beste collega's,
>>
>> Ter info en voorbereiding. Minister heeft maandag om 16:45 call met Sinkevicius n.a.v. 7e NAP/derogatie.
>>
>> Ondanks dat wij aangegeven hebben dat de minister zonder ambtelijke ondersteuning zou bellen, zitten er vanuit de CIE 3 ambtenaren bij. Voor mij overigens allen onbekenden. Mijn advies is om ook de minister beperkt ambtelijk te ondersteunen, al was het maar voor de verslaglegging.

Ik zoek nog even uit wat de CIE ambtenaren precies doen.

Harte groet,

5.1.2.E

5.1.2.E
*Agricultural Counsellor*
.....
Permanent Representation of the Kingdom
of the Netherlands to the European Union
Embassy of the Kingdom of the Netherlands
in Belgium
4-10 Avenue de Cortenbergh | 1040 Brussels | Belgium
.....
**M** + 5.1.2.E
**E** 5.1.2.E @minbuza.nl
**Twitter**: 5.1.2.E

<0EFB0A13-2BBB-4AF4-87EA-D7E9E21F0849.jpg>

Verzonden met BlackBerry Work
(www.blackberry.com)

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Datum:** zaterdag 27 nov. 2021 10:37 AM
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Kopie:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>, 5.1.2.E
5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Onderwerp:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Dag 5.1.2.E

Als het goed is hebben jullie nu een Webex link ontvangen op onderstaande emailadressen.

De Commissaris zal bijgestaan worden door:
5.1.2.E Member of Cabinet,
5.1.2.E (5.1.2.e )
5.1.2.E 5.2 tweede lid e (5.1.2.e )

Groet en fijn weekend!

5.1.2.E

**From:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Sent:** vrijdag 26 november 2021 12:35
**To:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Subject:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Dan mag het naar zowel 5.1.2.E @minlnv.nl als 5.1.2.E @minlnv.nl

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Verzonden:** vrijdag 26 november 2021 12:31
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Dank je 5.1.2.E ik ga het voorleggen.
In het geval de CIE de Webex wil aanmaken, welk adres kan ik dan doorgeven?

Groet,
5.1.2.E

---

**From:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Sent:** vrijdag 26 november 2021 12:28
**To:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Subject:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Dag 5.1.2.E

We hebben het voorgelegd aan de Minister en zij geeft aan dat een Webex het meest praktisch is maar afhankelijk of Commissioner Sinkevicius dit ook akkoord vindt.
Horen graag van je of wij de Webex kunnen aanmaken en naar wie wij de Webex link kunnen mailen.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Verzonden:** vrijdag 26 november 2021 08:24
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Dag 5.1.2.E ,

Weet je al wat de voorkeur heeft van de Minister? Bellen of Webex?
Alvast dank voor je reactie.

Groet,

5.1.2.E
5.1.2.E
.....
Permanent Representation of the Kingdom of the Netherlands to the European Union
5.1.2.E 1040 Brussels
.....
T: (+ 5.1.2.E
M: (+ 5.1.2.E
@: 5.1.2.E @minbuza.nl
www: NL Permrep to the EU
.....

---

**From:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl> **On Behalf Of** MinisterLNV
**Sent:** dinsdag 23 november 2021 10:44
**To:** 5.1.2.E < 5.1.2.E '@minbuza.nl>; MinisterLNV < 5.1.2.E '@minlnv.nl>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Cc:** 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Subject:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Dankjewel 5.1.2.E

Ik kom bij je terug als ik weet wat de voorkeur van MLNV heeft qua bellen / Webex.

Groet,

<image001.jpg> 5.1.2.E

**Secretariaat minister Carola Schouten**
**Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit**
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar
5.1.2.E @minlnv.nl

**Routebeschrijving:**
https://www.rijksoverheid.nl/ministeries/ministerie-van-

landbouw-natuur-en-voedselkwaliteit/contact-met-lnv/route

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Verzonden:** dinsdag 23 november 2021 08:36
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E /@minlnv.nl>; 5.1.2.E
<( 5.1.2.E a@minbuza.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E s@minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Goedemorgen 5.1.2.E

Ik heb zojuist bevestiging ontvangen voor ma 29/11 om 16:45.
Wil de Minister een bilateraal telefoongesprek of moet er een Skype/Webex call georganiseerd worden?

Groet,
5.1.2.E

---

**From:** MinisterLNV < 5.1.2.E /@minlnv.nl>
**Sent:** maandag 22 november 2021 16:54
**To:** MinisterLNV < 5.1.2.E /@minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E
5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E <( 5.1.2.E a@minbuza.nl>
**Cc:** 5.1.2.E 5.1.2.e 5.1.2.E ) < 5.1.2.E s@minlnv.nl>
**Subject:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Hallo 5.1.2.E

MLNV wil graag maandag 29 november 16.45 uur met Commissaris Sinkevicius bellen.

Hartelijke groet,

5.1.2.E

---

**Van:** MinisterLNV < 5.1.2.E /@minlnv.nl>
**Verzonden:** maandag 22 november 2021 12:19
**Aan:** 5.1.2.E ' < 5.1.2.E /@minbuza.nl>; MinisterLNV
< 5.1.2.E /@minlnv.nl>; 5.1.2.E

<5.1.2.E @minbuza.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Hallo 5.1.2.E

We dienen de tijdstippen nog even voor te leggen aan MLNV. Komen er uiterlijk morgen bij je op terug.
Vermoeden is dat er gekozen wordt voor woensdag 08.30 – 09.00 uur.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E <5.1.2.E @minbuza.nl>
**Verzonden:** maandag 22 november 2021 12:10
**Aan:** MinisterLNV <5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E <5.1.2.E @minbuza.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Dag 5.1.2.E

Ik heb zojuist het secretariaat telefonisch gesproken. Helaas zijn deze opties niet mogelijk voor de Commissaris vanwege de plenaire sessies in Straatsburg.
Voorstel: woensdagochtend van 8:00 – 8:30 of van 8:30 – 9:00 of donderdag van 8:00 – 8:30 of van 8:30 – 9:00

Hoor graag of een van deze tijdstippen mogelijk zijn voor de Minister.

Groet,
5.1.2.E

---

**From:** MinisterLNV <5.1.2.E @minlnv.nl>
**Sent:** maandag 22 november 2021 11:58
**To:** 5.1.2.E <5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E <5.1.2.E @minbuza.nl>; MinisterLNV <5.1.2.E @minlnv.nl>
**Cc:** 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>
**Subject:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Hallo 5.1.2.E

Zoals het er nu naar uit ziet maar de agenda is momenteel gezien de formatieonderhandelingen erg aan wijzigingen onderhevig, is er ruimte

op woensdag 24 november 10.15 – 12.30 en donderdag 25 november 10.15 – 12.30.

Groet,

5.1.2.E

Secretariaat minister Carola Schouten

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Verzonden:** maandag 22 november 2021 11:51
**Aan:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>; MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Beste collega's,

Zie hieronder reactie van Kab. Sinkevicius. Vandaag en morgen worden lastig. Zijn er eventueel andere mogelijkheden voor de Minister?

Groet,

5.1.2.E

5.1.2.E

.....
Permanent Representation of the Kingdom of the Netherlands to the European Union
5.1.2.E 1040 Brussels
.....
T: (+ 5.1.2.E
M: (+ 5.1.2.E
@: 5.1.2.E @minbuza.nl
www: NL Permrep to the EU
.....

---

**From:** 5.2 tweede lid e 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Sent:** maandag 22 november 2021 11:40
**To:** 5.1.2.E < 5.1.2.E '@minbuza.nl>
**Cc:** 5.1.2.E @ec.europa.eu
**Subject:** Re: Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Dear 5.1.2.E

Apologies for delayed reply.
I need to check with my colleagues, because Commissioner is on a mission today and tomorrow he is also traveling to Strasbourg plenary. So it is difficult to plan a call before 10 in the morning.

What other time slots would be suitable for Minister?

Kind regards,
5.1.2.E

Sent from my iPhone

On 22 Nov 2021, at 10:36, 5.1.2.E 5.1.2.E
5.1.2.E @minbuza.nl> wrote:

Dear 5.1.2.E

Please allow me to follow up on the email sent by Ms
5.1.2.E on 17 November (below).
We would appreciate to hear if a telephone call between Minister Schouten and Commissioner Sinkevicius is feasible for today or tomorrow.

Kind regards,

5.1.2.E
5.1.2.E
.....
Permanent Representation of the Kingdom of the Netherlands to the European Union
5.1.2.E 1040 Brussels
.....
T: (+ 5.1.2.E
M: (+ 5.1.2.E
@: 5.1.2.E @minbuza.nl
www: NL Permrep to the EU
.....

---

**From:** 5.1.2.E
**Sent:** woensdag 17 november 2021 18:13
**To:** ' 5.1.2.E @ec.europa.eu'
< 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Cc:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E @minbuza.nl) 5.1.2.E
5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E @minlnv.nl
**Subject:** Request for telephone call minister Carola Schouten and Commissioner Sinkevicius

Dear 5.1.2.E

Ms Carola Schouten, minister of Agriculture, Nature and Food Quality of the Netherlands, would appreciate it if Commissioner Sinkevicius would be available for a telephone call early next week. Reason for the call is the

7th Nitrate Action plan which will be adopted by the Council of Ministers of the Netherlands by the end of next week.

Given the ongoing intense discussions on the formation of a new government in which Minister Schouten is involved, she would prefer the call (max 30 minutes) taking place Monday November 22 before 10 AM, at the end of the afternoon of the 22nd, or Tuesday November 23rd before 10 AM. The minister will not be assisted by any of her staff.

Best regards,

5.1.2.E

5.1.2.e

Permanent Representation of
the Kingdom of the Netherlands to the European Union
Embassy of the Kingdom of the Netherlands in Belgium
4-10 Avenue de Cortenbergh | 1040 Brussels | Belgium

**M** + 5.1.2.E
**E** 5.1.2.E @minbuza.nl
**Twitter**: 5.1.2.E

<image002.png>

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

---

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.
Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u
niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden,
wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard
ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you
are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you
are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the
risks inherent in the electronic transmission of messages.

---

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.
This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.
Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u
niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden,
wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard
ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you
are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you
are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the
risks inherent in the electronic transmission of messages.

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The

State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.
Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u
niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden,
wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard
ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you
are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you
are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the
risks inherent in the electronic transmission of messages.

---

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.
Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u
niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden,
wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard
ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you
are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you
are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the
risks inherent in the electronic transmission of messages.

---

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.
This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

---

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.
Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u
niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden,
wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard
ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you
are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you
are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from

the
risks inherent in the electronic transmission of messages.

---

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 3 december 2021 15:21
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.e ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E [redacted]; 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Re: 5.1.2.E 7e AP / derogatie

Wacht maar even 5.1.2.E net EC gesproken en 5.1.2.e neemt nu contact op met minister

Verstuurd vanaf mijn iPhone

Op 3 dec. 2021 om 15:11 heeft 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl> het volgende geschreven:

Dank voor de update.

@ 5.1.2.e en 5.1.2.E zal ik dit doorsturen aan [redacted]?

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** vrijdag 3 december 2021 14:18
**Aan:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** ' 5.1.2.E ' < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** 5.1.2.E 7e AP / derogatie

Hoi 5.1.2.e en 5.1.2.E

Hierbij een overzicht van de gesprekken met Brussel deze week over het 7e AP en derogatie. Dit kan benut worden om de minister te informeren over de laatste stand van zaken. Daarom ook 5.1.2.E meegenomen in deze mail.

- Na het gesprek tussen MLNV en Sinkevicius maandag jl., heeft op dinsdag telefonisch overleg plaatsgevonden tussen 5.1.2.E en 5.1.2.E (lid kabinet Sinkevicius). In dat gesprek is verkend of de volgende route werkbaar kan zijn voor de korte termijn:
    - NL geeft 15 dec een presentatie in het Nitraatcomite over het beleid tot nu toe (= volgende stap in derogatieprocedure). EC kan bij deze presentatie kritisch zijn en benadrukken additionele maatregelen te verwachten.
    - Ervan uitgaande dat er voor Kerst een nieuw regeerakkoord is, zou NL in januari / februari een addendum op het 7e AP op kunnen stellen waarin het regeerakkoord wordt 'doorvertaald' naar het AP en wordt aangegeven hoe hiermee de doelen van de KRW gehaald worden.

    - Om dat te concretiseren zijn de punten benoemd die we eerder ook met de minister gewisseld hebben: opkoop van landbouwbedrijven richt zich ook op realiseren KRW-doelen, bij opkoop worden productierechten ingenomen en doorgehaald zodat mestproductie daadwerkelijk afneemt, bij herbestemming gronden wordt uitdrukkelijk rekening gehouden met waterkwaliteit (oftewel: geen grasland vervangen door bouwland).
    - EC zou dit dan kunnen beoordelen en besluiten of dit voldoende is voor vervolgstap derogatieprocedure in het Nitraatcomite van februari / maart.
- Afgesproken dat EC de zaak intern verder bespreekt, waarbij van de zijde van de EC wel nogmaals de complexiteit van de situatie en de beperkte manoeuvreerruimte van de EC is benadrukt.
- Parallel houdt de PV ( 5.1.2.E ) het kabinet van Samsom / Timmermans op de hoogte.
- Op woensdag heeft een gesprek plaatsgevonden tussen de plv. PV, 5.1.2.E Stibbe, en Samsom. In dat gesprek is er bij Samsom op aangedrongen om binnen de grenzen van wat hij kan doen NL te helpen om ENVI te bewegen de hierboven genoemde tweetrapsaanpak te accepteren. Samson gaf aan dat de EC heel weinig ruimte heeft, maar zal kijken wat hij kan doen. Samsom bracht nadrukkelijk naar voren dat als NL in februari met een addendum komt dit min of meer een hamerstuk moet zijn. M.a.w. een goed uitgewerkt plan dat informeel al vroegtijdig met de EC besproken is.
- Op donderdag is het 7e AP formeel bij de EC ingediend middels een brief van 5.1.2.e aan 5.1.2.e 5.1.2.e In deze brief is nogmaals benadrukt dat NL met het 7e AP de doelen voor grondwaterkwaliteit bijna overal realiseert en dat voor wat betreft de oppervlaktewaterkwaliteit nadrukkelijk de verbinding wordt gelegd met de gebiedsgerichte aanpak die momenteel wordt besproken bij de vorming van een nieuw kabinet. Hierop volgend is verzocht om ambtelijk telefonisch overleg om de laatste stand van zaken en de vervolgstappen te bespreken.
- Op donderdag is er overleg geweest tussen 5.1.2.E en 5.1.2.e over de samenloop met de lopende besprekingen over visserij. Dit is vervolgens ook besproken tussen 5.1.2.E en 5.1.2.E Gestreefd wordt naar een bespreking tussen MLNV en Commissaris Sinkevicius en marge van de aankomende LNV-raad, waarbij deze dossiers ook met elkaar in verband gebracht kunnen worden.
- Op vrijdag is opnieuw contact gezocht met de EC (zowel met de beleidsunit van ENVI als met kabinet Sinkevicius), vooralsnog zonder resultaat.
- Er is nog geen bericht ontvangen over de uitkomst van de interne bespreking binnen de EC. Er is nog geen agenda verspreid voor het Nitraatcomité van 15 december. Hieruit valt ook af te leiden dat de EC de agenda intern nog bespreekt. (Normaliter wordt de agenda 2 weken voor het Nitraatcomité verspreid onder de lidstaten.)

Als ik vandaag geen contact krijg met de EC ga ik het maandagochtend weer proberen. Mocht dat niks opleveren, dan is contact van 5.1.2.e met 5.1.2.e wellicht de vervolgstap. Ik kom maandag sowieso weer bij jullie op de lijn.

Als jullie n.a.v. bovenstaande nog even willen overleggen, laat het uiteraard weten.

Groeten,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 3 december 2021 20:08
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E );
5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E );
5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.2 tweede lid e,
. ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Fwd: Advies volgende stap 7e AP DGA - M
**Bijlagen:** Kopie van Advies MLNV derogatie Nitraatrichtlijn.docx

Ter info!

Verstuurd vanaf mijn iPhone

Begin doorgestuurd bericht:

> **Van:** "5.1.2.e " < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> **Datum:** 3 december 2021 om 20:03:42 CET
> **Aan:** "Schouten, C.J. (Carola)"
> **Kopie:** " 5.1.2.E ( 5.1.2.E )" < 5.1.2.E @minlnv.nl>, " 5.1.2.E ( 5.1.2.E )"
> < 5.1.2.E @minlnv.nl>, " 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )" < 5.1.2.E @minlnv.nl>
> **Onderwerp: Advies volgende stap 7e AP**
>
> Beste Carola,
>
> Zoals afgesproken, en al even aangekondigd door 5.1.2.E bijgevoegd ons advies.
> Ik hoor graag of je hier zo mee uit de voeten kan. Laat maar weten, ook als je al een indicatie zou hebben van wanneer je het gesprek zou willen doen. We kunnen de voorbereidingen dan ism met de PV en AZ verder in gang zetten.
> Bedankt en goed weekend,
>
> Groet, 5.1.2.e
>
> Verstuurd vanaf mijn iPad

**Advies MLNV derogatie Nitraatrichtlijn**
3 december 2021

**Aanleiding**
Vandaag heeft de EC aangegeven NL niet te zullen agenderen voor een presentatie in het Nitraatcomité als onderdeel van een procedure tot verlening van derogatie van de Nitraatrichtlijn. De EC heeft aangegeven het 7e AP onvoldoende te vinden en te wachten op de maatregelen die een nieuw kabinet zal nemen totdat de procedure zal worden voortgezet.

Vanmiddag heeft een hoogambtelijk overleg plaatsgevonden tussen LNV, AZ en PV EU over de ontstane situatie. Op basis daarvan wordt u als volgt geadviseerd.

**Advies**
U wordt geadviseerd om op (zeer) korte termijn – komende week – een fysiek gesprek in Brussel te hebben met Sinkevicius. Bij voorkeur onder vier ogen.
NB. Een overleg en marge van de Landbouwraad wordt waarschijnlijk lastig, gegeven het feit dat Sinkevivius zondag vol zit met trilateralen over TAC/quota.

U wordt geadviseerd het gesprek met Sinkevicius te voeren langs de volgende lijn:
- Teleurstelling uitspeken dat NL niet in de gelegenheid wordt gesteld om in het Nitraatcomité van 15 december het beleid toe te lichten.
- Onderkennen dat toelichting op de grote transitie die in voorbereiding is in de formatie kennelijk onvoldoende was om ons op de agenda te zetten. Begrip uitspreken dat het voor de EC belangrijk is te kunnen zien waar het nieuwe kabinet ook echt mee komt. Aangeven dat we nu nog niet zover zijn, maar dat u goede hoop heeft dat dit in januari wel kan.
- Aangeven dat het opschorten en naar achter schuiven van de besluitvormingsprocedure omtrent derogatie van de Nitraatrichtlijn serieuze risico's met zich mee brengt:
    1. Als er niets gebeurt zou besluitvorming over derogatie nu op zijn vroegst in september kunnen plaatsvinden, wat de facto neerkomt op geen derogatie in 2022 (want het uitrijdseizoen eindig medio september). Geen derogatie betekent achteruitgang als het gaat om waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit, met name doordat bedrijven grasland zullen omzetten in bouwland;
    2. Onrust in de sector omdat vanwege forse stijging mestafzetkosten, grote druk op de mestmarkt terwijl dit evident negatief effect heeft op de doelen van zowel de NL overheid als van de EC. Leidt tot verlies van draagvlak voor de ambitieuze plannen voor de systeemverandering van de sector t.b.v. de transitie naar een duurzame landbouw. Daardoor begint een nieuwe regering cq. nieuwe minister op achterstand;
    3. Potentiële, substantiële bijdrage die NL zou kunnen leveren aan de Green Deal-doelstellingen komt daarmee ook in gevaar (Incl. Farm-to-Fork, Biodiversiteitsstrategie etc.).
- Voorstellen om samen met CIE naar een (proces)oplossing te zoeken.
- Voorgestelde oplossing:
    1. In januari, zodra details van het Regeerakkoord bekend zijn, met elkaar in gesprek gaan over de bijdrage die de nieuwe plannen leveren aan de nitraatproblematiek;
    2. Afspraak maken dat als daaruit voldoende vertrouwen ontstaat in de aanpak, een verkorte/snellere besluitvormingsprocedure zal worden zodat een derogatie nog op tijd en zinvol is (d.w.z. besluitvorming uiterlijk in juni 2022). Concreet zou bijvoorbeeld afgesproken kunnen worden dat NL in eerste Nitraatcomité van 2022 (februari/maart) twee i.p.v. een presentaties mag geven, zodat besluitvorming kan plaatsvinden in het daaropvolgende Nitraatcomité kan plaatsvinden. Mogelijk alternatief is dat een extra Nitraatcomité wordt gepland tussen maart en juni.

**Toelichting**
Ambtelijk zal alles in het werk worden gesteld om het gesprek met Sinkevicius voor te bereiden/te ondersteunen zoals een mogelijk voorgesprek van SG/plv. PV met Kabinetschef Sinkevicius, het inzetten van het netwerk van plv. PV en AZ bij de CIE, contacten met Kabinet Timmermans.

Indien Sinkevicius in het gesprek onvoldoende bereid is tot medewerking, kunt u voorstellen dan in ieder geval een overgangsregime overeen te komen waarin de derogatie stapsgewijs wordt afgebouwd. Dat kan de hierboven beschreven negatieve effecten op de beleidsdoelen enigszins dempen, doordat meer tijd wordt gegeven om naar andere opties voor mestafzet te zoeken en mitigerende maatregelen in nationaal beleid door te voeren.

Overige overwogen opties:

- Alleen ambtelijk afdoen is tot nu toe te weinig effectief gebleken (o.a. gesprekken met Diederik Samsom).

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 19 januari 2022 11:09
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e
5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E
5.1.2.E 5.1.2.e; 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Laatste versie!

Ik neem dit mee in de versie dit ik zo meeneem naar de minister.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** woensdag 19 januari 2022 11:08
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>;
5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e
< 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Laatste versie!

Zojuist nog met LTO gesproken. Op basis daarvan nog een aanvulling in de brief die voor hen belangrijk is (ondersteepte zinnen toegevoegd) in de tekst onderaan p.3:

...De inzet van het transitiefonds wordt op korte termijn verder uitgewerkt. Maatregelen uit het 7e AP zoals de maatwerkaanpak die momenteel met een aantal sectorpartijen wordt uitgewerkt, kunnen hier ook onderdeel van zijn en aan bijdragen. Voor het slagen van deze maatwerkaanpak is het belangrijk dat hiervoor ruimte is in de manier waarop de doelen gerealiseerd worden. Wij nemen dit mee in onze inzet voor het addendum op het 7e AP.

5.1.2.E of 5.1.2.E kan een van jullie dit nog verwerken?

5.1.2.E

Verzonden vanuit Mail voor Windows

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 19 januari 2022 10:03
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E
(5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.e; 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Laatste versie!

Dank, 5.1.2.E Ik heb nog 1 kleine wijziging doorgevoerd (maakt hem iets netter, maar is niet perse noodzakelijk). Daarnaast 2 opmerkingen in de kantlijn.

Goed dat we nu scherper hebben hoe eea zit (ik heb weer veel geleerd vanmorgen😉). Goed om te weten dat insteek is dat evt afwaarderen akkerbouwgrond niet uit de Transitiefondscomponent 'afwaarderen grond' moet maar uit het 'krw-deel'. Je moet nu eenmaal ergens beginnen om te zorgen dat we niet allemaal bepaald budget voor verschillende (deel)doelen inzetten.

Succes verder en groet,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 19 januari 2022 09:17
**Aan:** 5.1.2.e [redacted] 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Laatste versie!

Allen,

Met dank voor het overleg van zojuist, hierbij de brief met de tekstvoorstellen van 5.1.2.E daarin verwerkt. 5.1.2.e en ik hebben elkaar zojuist ook gesproken. 5.1.2.e en 5.1.2.E doen op bijgevoegde versie nog een check op de verwoording van de resultaatverplichtingen in de gebiedsgerichte aanpak. 5.1.2.E graag nog even daarop wachten voordat de brief terug gaat naar de ministers. Om 12.30 staat een overleg met MLNV gepland dus voor die tijd moet het klaar zijn.

5.1.2.e en ik hebben ook afgesproken samen met IenW te gaan praten.

Groeten,
5.1.2.E

PS. Ik zit vandaag veel in overleg, dus als er iets nodig is dan is het handigste om even te appen, dan probeer ik eruit te stappen.

Verzonden vanuit Mail voor Windows

---

**Van:** 5.1.2.e [redacted]
**Verzonden:** woensdag 19 januari 2022 07:57
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Laatste versie!

Goeiemorgen, we zien elkaar zo om 8:30.
Gisteravond hebben we van beide bwp reactie ontvangen. Is in bijgevoegde versie verwerkt.
Groet, 5.1.2.e

Verstuurd vanaf mijn iPad

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 19 januari 2022 18:36
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E
5.1.2.b (5.1.2.E)
**Onderwerp:** Kamerbrief derogatie akkoord, verzending 10.00u
**Bijlagen:** Kamerbrief derogatie_schoon_5.1.2.e.docx

Dag allen,

Ook MNenS is akkoord met de brief over derogatie. Bijgaand de schone versie die ik om 10.00u laat verzenden (@ 5.1.2.E / 5.1.2.E er zijn veel versies van deze brief rond gegaan. Graag nog even jullie dubbelcheck of dit de juiste is 😉).

Groett,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22019065

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Aan de Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

Datum
Betreft Voortgang 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en derogatie

Geachte Voorzitter,

De afgelopen jaren hebben we in Nederland te maken met een verslechtering van de waterkwaliteit. Het voorgaande kabinet heeft, in overleg met uw Kamer, beleidsmaatregelen vastgesteld in het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (Kamerstukken 33 037, nr. 431) om het tij te keren. Het actieprogramma bleek echter onvoldoende om de doelen voor verbetering van de kwaliteit van zowel grond- als oppervlaktewater te halen. Om die reden heeft de Europese Commissie besloten de procedure voor verlening van derogatie van de Nitraatrichtlijn te staken en de maatregelen van het nieuwe kabinet af te wachten. Op dit moment ligt er dus een grote opgave om te komen tot aanvullende maatregelen waarmee we de waterkwaliteitsdoelen halen en daarmee ook de onderbouwing te leveren aan de Europese Commissie om derogatie van de Nitraatrichtlijn aan Nederland te verstrekken. Wij pakken deze opgave met urgentie op. Met deze brief informeren wij uw Kamer, over onze inzet om te gaan voldoen aan de verplichtingen van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water en om voor 2022 en de jaren daarna derogatie van de Nitraatrichtlijn te verkrijgen.

**Context**
Op 26 november 2021 is het zevende actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7e AP), waarmee Nederland invulling geeft aan de verplichtingen van de Nitraatrichtlijn en waarmee wordt bijgedragen aan de doelen van de Kaderrichtlijn Water (hierna: KRW) voor zover het de landbouwemissies van stikstof en fosfor naar grond- en oppervlaktewater betreft, vastgesteld en aan uw Kamer toegezonden (Kamerstukken 33 037, nr. 431). Bij de aanbieding van het 7e AP is aangegeven dat met het 7e AP de doelen voor de grondwaterkwaliteit in het grootste deel van Nederland gehaald worden, maar dat dat voor de doelen voor de oppervlaktewaterkwaliteit niet het geval is. Hierbij is aangegeven dat de integrale aanpak gericht op de verplichtingen omtrent natuur, klimaat en water kansen biedt om op gebiedsniveau maatregelen te nemen om de doelen alsnog te halen en dat het aan het nieuwe kabinet is om hierover te besluiten.

Het is belangrijk dat Nederland de kwaliteit van het grond- en oppervlaktewater op orde heeft, voor de drinkwatervoorziening, recreatie, onze natuur en ons milieu. Wij zijn dan ook gecommitteerd hiervoor te zorgen en daarmee ook te

voldoen aan de vereisten van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water. Op dit moment voldoet Nederland hier nog niet aan en er is dan ook een extra inzet nodig bovenop het bestaande beleid. In deze brief schetsen wij onze inzet op dit gebied. Deze inzet zullen wij de komende weken verder uitwerken tot een addendum op het 7e AP, waarin wij de maatregelen zullen vastleggen om te komen tot volledig doelbereik van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water.

Het voldoen aan de verplichtingen van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water is, naast het maatschappelijke belang voor onze waterhuishouding, natuur en milieu, ook een voorwaarde om derogatie van de Nitraatrichtlijn vanaf 2022 verleend te krijgen. Op 14 december 2021 heeft onze ambtsvoorganger uw Kamer geïnformeerd over de voortgang van de gesprekken met de Europese Commissie over de procedure tot verlening van derogatie van de Nitraatrichtlijn vanaf 2022 (Kamerstukken 33 037, nr. 433). Op 17 januari jl. heeft een kennismakingsgesprek plaatsgevonden tussen de minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit en 5.1.2.E Europees Commissaris voor Milieu. Met deze brief informeren wij u over de uitkomst van dit gesprek en het proces voor de komende tijd om te komen tot derogatie van de Nitraatrichtlijn.

Voordat wij ingaan op de inhoud van onze inzet, is het goed om stil te staan bij de Europese context waarbinnen het kabinet opereert. De Europese Commissie kijkt niet alleen kritisch naar Nederland als het gaat om de implementatie van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water en verlening van derogatie. Dit is ook het geval bij andere lidstaten. Er lopen infractieprocedures bij meerdere lidstaten, in sommige gevallen tot aan het Europees Hof van Justitie, en bij meerdere lidstaten staat de derogatieverlening onder druk. Tussen de lidstaten zijn grote verschillen qua waterkwaliteitsopgave, de aard van de landbouwsector en het wel of niet gebruikmaken van derogatie (en in welke omvang). Maar over de hele linie is duidelijk dat de Europese Commissie streng toeziet op de naleving van de richtlijnen door lidstaten en dat Nederland niet uniek is in de moeilijke situatie waar we nu in zitten als het gaat om het verkrijgen van derogatie van de Nitraatrichtlijn. Wij hechten dan ook groot belang aan het voortzetten van een constructieve dialoog met de Europese Commissie en zetten ons hiervoor in. Het voldoen aan de vereisten van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water is hiervoor een belangrijke voorwaarde.

**Coalitieakkoord en transitie in de landbouw**

Het Coalitieakkoord 2021-2025 'Omzien naar elkaar, vooruitkijken naar de toekomst'[1] voorziet met een gebiedsgerichte integrale aanpak in een forse investering in een transitie naar een duurzame kringlooplandbouw en een robuust natuurareaal. De brede aanpak heeft als doel om de natuur, klimaat en water in Nederland in goede staat te brengen, gericht op de verscheidenheid aan gebieden, en te werken aan een duidelijk en goed toekomstperspectief voor boeren. Deze aanpak richt zich niet alleen op stikstof, maar ook op de (Europese) normen en opgaven ten aanzien van de waterkwaliteit, bodem, klimaat en biodiversiteit. De inzet en maatregelen hiervoor zijn immers nauw aan elkaar verbonden. Een integrale aanpak vergroot de effectiviteit biedt ondernemers tegelijkertijd langjarige duidelijkheid. De geïntegreerde, gebiedsgerichte benadering van de

[1] Coalitieakkoord 'Omzien naar elkaar, vooruitkijken naar de toekomst' | Publicatie | Kabinetsformatie (kabinetsformatie2021.nl)

diverse milieuopgaven voor landbouw en natuur worden aangepakt binnen het kader van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG), dat momenteel wordt ontwikkeld.

Het kabinet voert de maatregelen uit het 7e AP onverkort uit. Zoals hierboven aangegeven worden daarmee nog niet alle doelen voor verbetering van de waterkwaliteit gehaald. De geïntegreerde, gebiedsgerichte aanpak moet gaan voorzien in de resterende opgave voor de waterkwaliteit. Overeenkomstig het Coalitieakkoord is verbetering van de waterkwaliteit een integraal en onlosmakelijk onderdeel van de gebiedsgerichte aanpak. De ambities en verplichtingen van de integrale aanpak ten aanzien van natuur, klimaat en water dienen onontkoombaar te worden gerealiseerd. Ook voor de Europese Commissie is zekerheid nodig dat deze integrale aanpak ook daadwerkelijk tot resultaat leidt en dat hiermee doelbereik voor de waterkwaliteitsopgave tijdig zal worden gerealiseerd. Om te borgen dat de doelen ook daadwerkelijk gehaald worden – niet alleen voor waterkwaliteit maar ook voor stikstof en klimaat – zullen de landelijke verplichtingen gebiedsgericht worden ingevuld, waarvoor we ook gebruik maken van ecologische analyses. Daarbij hoort ook een forse financiële impuls voor de gebieden om deze resultaten te kunnen halen. Om de beschikbaarheid van financiële middelen te borgen wordt conform het Coalitieakkoord een transitiefonds ingesteld. Binnen dat fonds zijn ook middelen gealloceerd voor de doelstelling van verbetering van de waterkwaliteit. Zo voorziet het Coalitieakkoord in financiële middelen voor de realisatie van KRW-doelen, waarmee bijvoorbeeld bufferzones in beekdalen in het oostelijk en zuidelijk zandgebied kunnen worden gerealiseerd (Kamerstukken 33 037, nr. 431). De inzet van het transitiefonds wordt op korte termijn verder uitgewerkt. Maatregelen uit het 7e AP zoals de maatwerkaanpak die momenteel met een aantal sectorpartijen wordt uitgewerkt, kunnen hier ook onderdeel van zijn en aan bijdragen. Voor het slagen van deze maatwerkaanpak is het belangrijk dat hiervoor ruimte is in de manier waarop de doelen gerealiseerd worden. Wij nemen dit mee in onze inzet voor het addendum op het 7e AP.

In de integrale gebiedsgerichte aanpak zijn extensivering, omschakeling, innovatie, legalisering, op- en uitkoop, afwaardering en verplaatsing belangrijke instrumenten voor het behalen van de doelen. We proberen daarbij zoveel mogelijk samen met de boeren voor een passende en bestendige transitie te kiezen. Dit zal niet alleen zien op de veehouderij maar ook op de akkerbouw, daar waar dit nodig is om de waterkwaliteitsdoelen te halen. Verder zal juridisch worden geborgd dat op vrijvallende uitspoelingsgevoelige gronden geen teelten kunnen plaatsvinden van uitspoelingsgevoelige gewassen, wat de waterkwaliteit immers weer zou verslechteren. Bij op- en uitkoop van veehouderijbedrijven vindt conform de staatssteunregels inname en doorhaling plaats van productierechten. Hiermee neemt de veestapel af en daarmee zal ook de productie van (fosfaat en stikstof uit) dierlijke mest afnemen. Het kabinet verkent een nadere juridische borging hiervan, zodat de afname van fosfaat- en stikstofproductie uit dierlijke mest definitief en onherroepelijk wordt zekergesteld. Verder zal het kabinet, conform het coalitieakkoord, een transitie starten om te komen tot grondgebonden melkveehouderij.

De contouren van deze aanvullende aanpak zijn in het gesprek met de Commissaris op hoofdlijnen toegelicht. De komende weken zal het gesprek met de Europese Commissie op ambtelijk niveau worden voortgezet. De inzet is om medio februari het addendum op het 7e AP vast te stellen en bij de Europese Commissie in te dienen, waarmee Nederland laat zien te voldoen aan haar verplichtingen ten aanzien van verbetering van de waterkwaliteit.

**Vervolgtraject derogatie Nitraatrichtlijn**
Het kabinet zet zich in om voor 2022 en verder derogatie van de Nitraatrichtlijn te verkrijgen. Dit is belangrijk voor de waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit (zie ook het advies van de Commissie Deskundigen Meststoffenwet over de milieueffecten van derogatie, Kamerstuk 33 037, nr. 369) en daarnaast van economisch belang voor de landbouwsector. Zoals in eerdere brieven is aangegeven (bijvoorbeeld Kamerstuk 33 037, nr. 397), is behandeling van een derogatieaanvraag in vier Nitraatcomités nodig. Deze Nitraatcomités vinden vier keer per jaar plaats, waarbij de conceptagenda normaalgesproken zo'n drie weken voorafgaand aan een Nitraatcomité door de Europese Commissie met de lidstaten wordt gedeeld. Nederland heeft in september 2021 de eerste presentatie in de reeks van vier gegeven, maar daarna heeft de Europese Commissie besloten de maatregelen van het nieuwe kabinet af te wachten en de procedure voorlopig niet voort te zetten. Het eerstvolgende Nitraatcomité is gepland op 17 maart 2022. Onze inzet om medio februari het addendum op het 7e AP vast te stellen, waarin we weergeven welke maatregelen het kabinet neemt om aan de verplichtingen uit de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water te voldoen, is er mede op gericht om de procedure tot derogatieverlening voort te zetten in het Nitraatcomité van 17 maart 2022. Als Nederland dan de tweede presentatie mag geven in de reeks van vier, zijn er daarna nog twee te gaan. Bij het volgen van de reguliere procedure, zou dit leiden tot besluitvorming zeer laat in het uitrijdseizoen (omstreeks september). Dat achten wij onwenselijk. Onze ambtsvoorganger heeft reeds bij de Commissaris gepleit voor flexibiliteit in de besluitvormingsprocedure voor derogatie om deze in de eerste helft van 2022 te kunnen afronden. Wij zullen hier in onze gesprekken met de Europese Commissie op blijven aandringen.

**Tot slot**
De hierboven beschreven inzet omvat een forse opgave en vergaande maatregelen voor de landbouwsector. Dit is onderdeel van een samenhangend pakket aan maatregelen richting de boer, zodat de sector een eenduidig handelingsperspectief heeft. Wij begrijpen dat deze maatregelen voor de sector ingrijpend zijn, maar achten dit ook noodzakelijk om te voorkomen dat we in een situatie terecht komen waarin de Europese Commissie ingrijpt omdat Nederland niet aan zijn verplichtingen voldoet. Daarbij komt dat een situatie waarin Nederland geen derogatie wordt verleend onwenselijk is, omdat dit zal leiden tot een verdere verslechtering van de waterkwaliteit waardoor wij mogelijk nog drastischer maatregelen zullen moeten nemen om de doelen van de Nitraatrichtlijn en de KRW te halen. Hierbij merken we op dat ook zonder derogatie Nederland gehouden is aan de verplichtingen vanuit de Europese richtlijnen en dus maatregelen zal moeten nemen in aanvulling op het 7e AP. Wij zullen uw Kamer uiteraard op de hoogte houden van de voortgang. Naast het addendum op het 7e AP zullen wij uw Kamer ook op korte termijn de hoofdlijnen voor de uitwerking van het NPLG en het transitiefonds toezenden.

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22019065

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur
en Voedselkwaliteit

Christianne van der Wal-Zeggelink
Minister voor Natuur en Stikstof

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** donderdag 3 februari 2022 14:01
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Suggestie MNenS
**Bijlagen:** Scan_20220203_132629_MFP-1341_[redacted].pdf

Dag 5.1.2.E en 5.1.2.E

MLNV was akkoord met de spreekpunten van de MP voor vanavond. Vanuit MNenS kwam nog deze suggestie (zie bijlage).
Is er nog een mogelijkheid deze te verwerken in de defintieve lijn?

Groet,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

5.1.2.e

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E
T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
1 februari 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22040457

**BHM: 22040542**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Gesprek Minister-President Rutte en President Europese Commissie - informeren NPLG en steun EC derogatie

**Parafenroute**

| DGA | PAV, | BPZ |
|---|---|---|
| 5.1.2.e | 5.1.2.E 5.1.2.e | 5.1.2.E |

## Aanleiding

Minister-President Rutte heeft donderdagavond 3 februari 2022 een gesprek met President van de Europese Commissie Von der Leyen. Het gesprek gaat over de bredere visie van het Kabinet op de economische ontwikkeling in Nederland. Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit wordt eenzelfde nota voorgelegd.

## Advies

U wordt geadviseerd in te stemmen met de bijgevoegde spreeklijn.

## Kernpunten

- Het gesprek van Minister-President Rutte met President EC Von der Leyen ziet op de economische ontwikkeling in Nederland. In dit gesprek zal kort worden ingegaan op de in het Coalitieakkoord gepresenteerde inzet op de Nationale Aanpak Landelijk Gebied waarmee de milieudoelstellingen gerealiseerd zullen gaan worden inclusief de middelen die hiervoor beschikbaar worden gesteld.
- Het belang van het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn is hiervoor relevant in verband met draagvlak en steun die in de (agrarische) sector nodig is voor de transitie in de landbouw.

Misschien nog iets toevoegen over (juridische) onontkoombaarheid en versterken natuur/biodiversiteit?

Ontvangen BPZ

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** donderdag 24 februari 2022 09:54
**Aan:** ' 5.1.2.E '; MinisterLNV
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Telefonisch overleg tussen minister en EU Commissaris Sinkevicius

Beste 5.1.2.E

Dank je wel voor jouw mail. In agenda van MLNV past 16.30 uur voor een belafspraak met EU Commissaris Sinkevicius. Ik zal erin zetten dat de Commissaris MLNV belt op zijn mobiel.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Verzonden:** donderdag 24 februari 2022 09:32
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Telefonisch overleg tussen minister en EU Commissaris Sinkevicius

Beste 5.1.2.E en 5.1.2.E

Afgelopen maandag heeft de minister en marge van de landbouwraad gesproken met EU Commissaris Sinkevičius over de nitraatderogatie. Toen is afgesproken dat ze deze vrijdag weer telefonisch contact zouden hebben.

Secretariaat van de Commissaris stelt voor 16u30. Komt dat tijdstip uit? Zo niet, wat stellen jullie voor? Dit gesprek kan vanwege de grote politieke belangen niet over het weekend heen getild worden.

Hartelijke groet,

5.1.2.E

5.1.2.E

5.1.2.e

Permanent Representation of
the Kingdom of the Netherlands to the European Union
Embassy of the Kingdom of the Netherlands in Belgium
4-10 Avenue de Cortenbergh | 1040 Brussels | Belgium

**M** + 5.1.2.E
**E** 5.1.2.E @minbuza.nl
**Twitter**: 5.1.2.E

Netherlands Agricultural Network

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Verzonden:** vrijdag 25 februari 2022 17:34
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Onderwerp:** Stukken derogatie
**Bijlagen:** 22073076_TK.docx; 22078120_EK.docx; 22073076.bijlage.docx; 22078120.bijlage.docx

Dag allen,

Bijgaand de brieven die ik 18.30u laat verzenden aan beide Kamers.

Graag jullie check of dit de juiste versies zijn.

Groet,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

Datum
Betreft Addendum 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en derogatie

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22073076

**Bijlage(n)**
1

Geachte Voorzitter,

Met deze brief sturen wij u, mede namens de minister van Infrastructuur en Waterstaat, het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (7e AP) toe en informeren wij u over de stand van zaken met betrekking tot derogatie van de Nitraatrichtlijn. Hiermee wordt tevens invulling gegeven aan de toezegging aan uw Kamer uit het Wetgevingsoverleg Water van 22 november 2021 over de aanvullende stappen die nodig zijn om de doelen van de Kaderrichtlijn Water (KRW) te behalen.

In onze brief van 20 januari 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 434) hebben wij aangegeven dat een opgave resteert voor doelbereik van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water (KRW), voor zover het de bijdrage uit de landbouw betreft. Overeenkomstig het Coalitieakkoord is verbetering van de waterkwaliteit een integraal en onlosmakelijk onderdeel van de geïntegreerde, gebiedsgerichte aanpak. Hierbij voorziet de gebiedsgerichte aanpak op onontkoombare wijze in het tijdig bereiken van de resterende opgave voor de waterkwaliteit.

Over de maatregelen die in aanvulling op het 7e AP nodig zijn ten behoeve van doelbereik van de Nitraatrichtlijn en KRW, is in de afgelopen weken gesproken met de Europese Commissie. Dat heeft geleid tot dit addendum. In het addendum is een nadere duiding van de werking van de gebiedsgerichte aanpak en het beoogde tijdpad voor de gebiedsplannen opgenomen evenals de instrumenten die kunnen voorzien in onontkoombaarheid. In het addendum is daarnaast een juridische borging opgenomen voor de afname van de productie van stikstof en fosfaat als gevolg van opkoop- en uitkoop van veehouderijbedrijven waarbij inname en doorhaling van productierechten plaatsvindt. Volgend op het tempo van de afname van de mestproductie zullen de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet naar beneden worden bijgesteld. Verder wordt een wetstraject gestart om te komen tot een volledig grondgebonden melk- en rundveehouderij binnen 10 jaar. Dit voorjaar zal de minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit (LNV) uw Kamer nader informeren over de inhoud en het proces hiervan. Beoogd is in de tweede helft van 2022 de consultatie te starten over een wetsvoorstel tot wijziging van de Meststoffenwet waarmee de melk- en

rundveehouderij binnen 10 jaar (uiterlijk in 2032) volledig grondgebonden is. Tot slot is in het addendum voor de verschillende grondsoorten een nadere duiding gegeven van de aanvullende maatregelen zoals bijvoorbeeld grootschalig beekdalherstel in zandgronden. Hiervoor zijn specifiek middelen gealloceerd.

Met dit addendum voldoet Nederland aan de verplichtingen voor de Nitraatrichtlijn en KRW. Op grond van het 7e AP en het bijgevoegde addendum daarop, heeft het kabinet de Europese Commissie formeel verzocht om derogatie van de Nitraatrichtlijn. Wij achten het verkrijgen van derogatie van groot belang, juist vanwege de positieve impact hiervan voor de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit.[1]

Vandaag heeft hierover een gesprek plaatsgevonden tussen de minister van LNV en de Eurocommissaris van Milieu. In dit gesprek heeft de Commissaris aangegeven dat de procedure om te komen tot verlenging van derogatie aan Nederland zal worden voortgezet. Hiertoe zal Nederland een presentatie geven in het Nitraatcomité van 17 maart a.s. De komende periode zullen verdere gesprekken met de Europese Commissie plaatsvinden over de inhoud en voorwaarden van de derogatie. Wij houden er rekening mee dat hieraan aanvullende eisen, voorwaarden en/of beperkingen gesteld zullen worden. Vanzelfsprekend houden wij uw Kamer hiervan op de hoogte.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Christianne van der Wal-Zeggelink
Minister voor Natuur en Stikstof

[1] Advies van de Commissie Deskundigen Meststoffenwet over de milieueffecten van derogatie, Kamerstuk 33037, nr. 369

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Eerste Kamer
der Staten-Generaal
5.1.2.E
5.1.2.E

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22078120

Datum
Betreft Addendum 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en derogatie

Geachte Voorzitter,

Met deze brief sturen wij u, mede namens de minister van Infrastructuur en Waterstaat, het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (7e AP) toe en informeren wij u over de stand van zaken met betrekking tot derogatie van de Nitraatrichtlijn. Hiermee wordt tevens invulling gegeven aan de toezegging aan de Tweede Kamer uit het Wetgevingsoverleg Water van 22 november 2021 over de aanvullende stappen die nodig zijn om de doelen van de Kaderrichtlijn Water (KRW) te behalen.

In onze brief van 21 januari 2022 (Kamerstuk 33037, nr. AC) hebben wij aangegeven dat een opgave resteert voor doelbereik van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water (KRW), voor zover het de bijdrage uit de landbouw betreft. Overeenkomstig het Coalitieakkoord is verbetering van de waterkwaliteit een integraal en onlosmakelijk onderdeel van de geïntegreerde, gebiedsgerichte aanpak. Hierbij voorziet de gebiedsgerichte aanpak op onontkoombare wijze in het tijdig bereiken van de resterende opgave voor de waterkwaliteit.

Over de maatregelen die in aanvulling op het 7e AP nodig zijn ten behoeve van doelbereik van de Nitraatrichtlijn en KRW, is in de afgelopen weken gesproken met de Europese Commissie. Dat heeft geleid tot dit addendum. In het addendum is een nadere duiding van de werking van de gebiedsgerichte aanpak en het beoogde tijdpad voor de gebiedsplannen opgenomen evenals de instrumenten die kunnen voorzien in onontkoombaarheid. In het addendum is daarnaast een juridische borging opgenomen voor de afname van de productie van stikstof en fosfaat als gevolg van opkoop- en uitkoop van veehouderijbedrijven waarbij inname en doorhaling van productierechten plaatsvindt. Volgend op het tempo van de afname van de mestproductie zullen de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet naar beneden worden bijgesteld. Verder wordt een wetstraject gestart om te komen tot een volledig grondgebonden melk- en rundveehouderij binnen 10 jaar. Dit voorjaar zal de minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit (LNV) uw Kamer nader informeren over de inhoud en het proces hiervan. Beoogd is in de tweede helft van 2022 de consultatie te starten over een wetsvoorstel tot wijziging van de Meststoffenwet waarmee de melk- en rundveehouderij binnen 10 jaar (uiterlijk in 2032) volledig grondgebonden is. Tot slot is in het addendum voor de verschillende grondsoorten een nadere duiding

gegeven van de aanvullende maatregelen zoals bijvoorbeeld grootschalig beekdalherstel in zandgronden. Hiervoor zijn specifiek middelen gealloceerd.

Met dit addendum voldoet Nederland aan de verplichtingen voor de Nitraatrichtlijn en KRW. Op grond van het 7e AP en het bijgevoegde addendum daarop, heeft het kabinet de Europese Commissie formeel verzocht om derogatie van de Nitraatrichtlijn. Wij achten het verkrijgen van derogatie van groot belang, juist vanwege de positieve impact hiervan voor de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit.[1]

Vandaag heeft hierover een gesprek plaatsgevonden tussen de minister van LNV en de Eurocommissaris van Milieu. In dit gesprek heeft de Commissaris aangegeven dat de procedure om te komen tot verlenging van derogatie aan Nederland zal worden voortgezet. Hiertoe zal Nederland een presentatie geven in het Nitraatcomité van 17 maart a.s. De komende periode zullen verdere gesprekken met de Europese Commissie plaatsvinden over de inhoud en voorwaarden van de derogatie. Wij houden er rekening mee dat hieraan aanvullende eisen, voorwaarden en/of beperkingen gesteld zullen worden. Vanzelfsprekend houden wij uw Kamer hiervan op de hoogte.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Christianne van der Wal-Zeggelink
Minister voor Natuur en Stikstof

[1] Advies van de Commissie Deskundigen Meststoffenwet over de milieueffecten van derogatie, Kamerstuk 33037, nr. 369

**ADDENDUM OP HET**
**7E ACTIEPROGRAMMA NITRAATRICHTLIJN**

# 1. Aanleiding

Op 26 november 2021 is het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7e AP) vastgesteld.[1] Het 7e AP richt zich met name op die gebieden en teelten waar de grootste problemen zijn voor de waterkwaliteit en richt zich daarmee op de hotspots (bouwland teelten op zand en löss). Bij de vaststelling van het 7e AP is opgemerkt dat met de maatregelen die zijn opgenomen in het 7e AP de doelen voor verbetering van de grondwaterkwaliteit onder landbouwbedrijven op termijn worden behaald in bijna alle gebieden, behalve het lössgebied[2]. De doelen ten aanzien van de oppervlaktewaterkwaliteit van de Nitraatrichtlijn en de landbouwopgave van de Kaderrichtlijn Water (KRW) komen nog niet binnen bereik. Om ook deze doelen te halen, zijn aanvullend gebiedsgerichte maatregelen nodig betreffende de landbouw. Het 7e AP en dit addendum hangen nauw samen met de 3e stroomgebiedsbeheerplannen voor de KRW, die zich, naast de nutriënten uit de landbouw, richten op de andere bronnen van nutriënten zoals rioolwaterzuiveringsinstallaties, bewoond gebied en industrie. Het 7e AP, waarin de maatregelen voor de landbouwopgave worden weergegeven, ondersteunt de stroomgebiedbeheerplannen. Voor verbetering van de oppervlaktewaterkwaliteit en de grondwaterkwaliteit wordt daarom nadrukkelijk de verbinding gezocht met integratie van de waterkwaliteit in de integrale gebiedsgerichte aanpak voor het Landelijke gebied vanuit het coalitieakkoord 2021-2025 ('Omzien naar elkaar, vooruitkijken naar de toekomst'). Hierin is een forse investering opgenomen in een duurzame landbouw en in een robuust natuurareaal. Om de natuur in Nederland in goede staat te brengen kiest het kabinet voor een brede aanpak die zich richt op de verscheidenheid aan gebieden. Die aanpak richt zich niet alleen op stikstof, maar ook op de (Europese) normen en opgaven van de waterkwaliteit, bodem, klimaat en natuur. Dit addendum geeft een doorvertaling van de ambities uit het Coalitieakkoord naar de maatregelen die het kabinet, in aanvulling op de maatregelen uit het 7e AP, neemt om de doelen voor waterkwaliteit voor zover het de landbouw betreft te halen (hoofdstuk 4).

Onderhavig addendum schetst hoe de problematiek integraal aangepakt wordt en welke stappen Nederland zet om de doelstellingen te halen. Hierbij zal gebruik worden gemaakt van onontkoombare doelen in een gebiedsgerichte aanpak. Monitoring en handhaving zijn hierin cruciaal om de voortgang te bewaken en tijdig in te kunnen grijpen. De restopgave voor de landbouw die met het 7e AP nog niet ondervangen wordt, wordt met de maatregelen in dit addendum opgepakt. Hiermee wordt naar verwachting voldaan aan de eisen van de KRW om uiterlijk per 2027 alle maatregelen te hebben ingezet die benodigd zijn om de nutriëntdoelen te gaan halen. Hiertoe worden de gebiedsgerichte maatregelen uit het Coalitieakkoord ingezet (H3 en 4 in dit addendum), aangevuld met aanvullende maatregelen voor de oppervlaktewaterkwaliteit en het lössgebied (H4).

# 2. Opgave

Het behalen van de doelen van de Nitraatrichtlijn en KRW vraagt om een brongerichte aanpak. Nationaal bezien ligt de grootste opgave bij de landbouw. Grote verschillen in bronbijdragen worden echter op regionaal niveau waargenomen. Hieronder worden de opgaven en mogelijke oplossingsrichtingen vanuit het perspectief van de landbouw weergegeven. De opgave voor de andere bronnen van nutriënten in oppervlaktewater, worden in de 3e Stroomgebiedsbeheerplannen (SGBP) geadresseerd. In de 2e stroomgebiedbeheerplannen 2015-2021 zijn de doelen voor onder meer nutriënten en biologische parameters, die deel uitmaken van de ecologie, per waterlichaam

[1] Kamerstuk 33 037, nr. 431.
[2] Zie bijlagen 3 en 6 bij het 7e AP, Kamerstuk 33 037, nr. 431.

opgenomen.[3] In de ontwerp-3e stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 zijn de doelen voor nutriënten beperkt aangepast.[4]

Voor zowel de Nitraatrichtlijn als de Kaderrichtlijn Water ligt nog een opgave in Nederland. Uit de milieueffectrapportage[5], het addendum op de milieueffectrapportage[6] en het CDM advies[7] over de aanpassingen ten opzichte van het ontwerp 7e AP, blijkt dat met het 7e AP doelbereik voor het grondwater in zicht komt, maar dat de oppervlaktewaterkwaliteitsdoelen voor de landbouwopgave nog niet gehaald worden. In tabel 1 wordt een inschatting gegeven van de huidige opgave voor waterkwaliteit in het bovenste grondwater en het oppervlaktewater[8] (zie ook bijlage 1). De huidige opgave betreft de situatie in 2021, zonder in achtneming van de voorgenomen maatregelen uit het 7e AP en de SGBP. Voor het oppervlaktewater is hierbij gekeken naar zowel de meetpunten uit het KRW-meetnet als de punten uit het Meetnet Nutriënten Landbouw Specifiek Oppervlaktewater – daarmee ligt de focus bij de landbouwopgave, maar worden ook de opgave voor de andere bronnen van nutriënten meegenomen. Uit de tabel blijkt dat voor oppervlaktewater de opgave verdeeld is over de verschillende grondsoorten; er is niet een grondsoort die eruit springt qua opgave. Voor nitraat in het grondwater ligt de opgave met name op de zand- en lössgronden. Als naar nutriënten in grond- en oppervlaktewater wordt gekeken, is de waterkwaliteit alleen in het riviergebied volledig op orde. Ook in het noordelijk veengebied en het noordelijk zeekleigebied is de waterkwaliteit behoorlijk goed op orde. In het lössgebied zijn op alle fronten stevige opgaven. Voor oppervlaktewaterkwaliteit speelt buitenlandse belasting hierbij een grote rol door de grensoverstekende beken. Ook in de Gelderse Vallei zijn nog opgaven voor grond- en oppervlaktewater, net als in Oostelijk Noord-Brabant en Noord Limburg en in het Westelijke zandgebied (bollenstreek).

Tabel 1. Inschatting van opgave anno 2021 per regio voor fosfor en stikstof voor het oppervlaktewater, en voor nitraat voor het grondwater. Het verwachte effect van de maatregelen uit het 7e AP en de 3e SGBP zijn niet meegenomen in deze tabel.

| | Zand noord | Zand oost | Gelderse Vallei | Westelijk Noord-Brabant zand | Oostelijk Noord-Brabant en Limburg zand | Lössgebied | Noordelijk veengebied | Noordelijk zeekleigebied | Westelijk zeeklei | Centraal zeeklei (Flevopolders) | Rivierengebied | Westelijk veengebied | Zuid-Westelijk zeekleigebied | Westelijk zandgebied (bollenregio) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| P oppervlaktewater | | | | | | | | | | | | | | |
| N oppervlaktewater | | | | | | | | | | | | | | |
| Nitraat grondwater | | | | | | | | | | | | | | |

*groen – geen opgave*
*rood – grote opgave*
*oranje – beperkte opgave*

[3] Stroomgebiedbeheerplannen 2016-2021 - Helpdesk water
[4] Ontwerp-stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 - Helpdesk water; WKP Achtergronddocumenten SGBP 2022-2027 (waterkwaliteitsportaal.nl); WKP Factsheets 2020 December (waterkwaliteitsportaal.nl)
[5] Van Boekel, E., P. Groenendijk, J. Kros, L. Renaud, J.C. Voogd, G. Ros, Y. Fujita, G.J. Noij en W. van Dijk, 2021. Effecten van maatregelen in het zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Milieueffectrapportage op planniveau. Wageningen, Wageningen Environmental Research, Rapport 3108, 217 blz. 101 Ref.
[6] Effecten van duurzame bouwplannen op nitraat in uitspoelingswater en de N en P-belasting van oppervlaktewater. Addendum bij: "Effecten van maatregelen in het Zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Milieueffectrapportage op planniveau"
[7] Kwalitatieve beoordeling wijzigingen voorstel beleidspakket 7de Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Commissie Deskundigen Meststoffenwet (CDM), 25 november 2021.
[8] Groenendijk, P. et al (2021) Aanvullende maatregelen op het pakket van het zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn met een gebiedsgerichte oriëntatie 11207723-000-BGS-0001.

# 3. Gebiedsgerichte aanpak

Op 1 juli 2021 is de Wet Stikstofreductie en Natuurverbetering (Wsn) in werking getreden, waarmee de Wet Natuurbescherming is gewijzigd en straks de Omgevingswet zal worden gewijzigd. Hierin zijn belangrijke onderdelen van de structurele aanpak stikstof vastgelegd. Deze aanpak legt ook een belangrijke basis voor de systematiek die ook voor de integrale aanpak voor het landelijke gebied van het huidige kabinet opgezet wordt, gericht op de realisatie van de internationale verplichtingen ten aanzien van natuur, klimaat en waterkwaliteit.
De Wsn regelt onder meer drie wettelijk verplichtende omgevingswaarden (resultaatsverplichtingen) voor stikstofreductie: in 2025 moet minimaal 40% van het areaal van de stikstofgevoelige natuur in beschermde Natura 2000-gebieden een gezond stikstofniveau hebben; in 2030 minimaal de helft en in 2035 minimaal 74%. In het Coalitieakkoord is aangekondigd de doelstelling van de Wsn te versnellen om in 2030 op minimaal 74% van het areaal stikstofgevoelige natuur in beschermde Natura-2000 gebieden onder de kritische depositiewaarde te brengen, waarbij alle sectoren hun evenredige stikstofbijdrage leveren. Hiertoe zal het kabinet binnen afzienbare tijd een wijziging van de Wsn voor voorbereiden.

De wet geeft de opdracht tot het nemen van maatregelen om stikstofreductie te bereiken en de natuur te herstellen. Maatregelen zoals de provinciale aankoop veehouderijen nabij Natura 2000-gebieden hebben naast stikstofreductie ook effect op de doelstellingen van de KRW. Ook regelt de wet de tussentijdse monitoring en zo nodig bijsturing.

Het Programma Stikstofreductie en Natuurverbetering (Psn) is de plek waar belangrijke onderdelen van de stikstofaanpak samenkomen. Het Programma legt op grond van de Wsn de wijze vast waarop de structurele aanpak stikstof en natuur (gebiedsgericht) wordt uitgevoerd en bevat uitvoeringsplichten en procesafspraken voor de verschillende bestuursorganen. Naast de bron- en natuurmaatregelen wordt in het Psn vastgelegd op welke wijze de rapportagecyclus en monitoringsopgave ingevuld moet worden. Ook wordt in het programma de uitvoeringsplicht vastgelegd tot het realiseren van de natuurdoelanalyses. In het Psn zal worden opgenomen op welke wijze de nationale, bindende omgevingswaarden zal worden vertaald naar regionaal niveau. In het Psn is tevens een bijsturingsladder opgenomen die het effect van maatregelen kan verhogen of versnellen indien deze tegenvallen; en een sociaaleconomische effectenbeoordeling van maatregelen.

Uit de Wsn volgt de verplichting om uiterlijk in juli 2023 de conceptgebiedsplannen te publiceren waarin per gebied wordt omschreven welke maatregelen worden genomen om de stikstofdoelstellingen van de Wet te realiseren. In voorbereiding hierop worden op dit moment natuurdoelanalyses gemaakt waarin per gebied de staat van de natuur wordt omschreven en in kaart wordt gebracht wat de eventuele resterende opgave is om daarmee richting te geven aan aanvullende maatregelen. Een eerste quick-scan van de natuurdoelanalyses zal in maart 2022 afgerond worden. De afgeronde natuurdoelanalyses zijn voorzien voor eind 2022 uiterlijk medio 2023.

Het Psn is voorzien om medio mei 2022 te worden gepubliceerd ten behoeve van een inspraakprocedure. Uiteindelijke vaststelling en publicatie van het programma staat voorgenomen voor de tweede helft van 2022, waarna het programma bindend zal zijn.

In aanvulling op de structurele aanpak stikstof, die nu in uitvoering is, kiest het kabinet voor verregaande extra stappen met een onontkoombare, gebiedsgerichte, integrale aanpak. Deze aanpak ziet op de realisatie van de drie internationale opgaven ten aanzien van natuur (stikstof), klimaat en water. Deze aanpak krijgt vorm onder het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG). Het doel van het NPLG is om, via een gebiedsgerichte benadering, te voldoen aan de internationale verplichtingen van de Vogel- en Habitat Richtlijn (VHR), de KRW en de verplichtingen voor landbouw en landgebruik vanuit Fit for 55. De aanpak zal daarmee ook leiden tot doelbereik aan de verplichtingen die volgen uit de Nitraatrichtlijn en de KRW voor wat betreft de landbouwopgave.

Zoals eerder aangegeven komt met het 7e AP het doelbereik voor het grondwater in zicht, maar nog niet voor de oppervlaktewaterkwaliteitsdoelen. Deze opgave kan het beste worden aangepakt met gebiedsgerichte maatregelen die specifiek passend zijn voor de lokale omstandigheden op gebiedsniveau of zelfs bedrijfs- of perceelsniveau. Daarbij zijn soms stevige maatregelen nodig en maatregelen die zich richten op ruimtelijke inrichting en veranderingen in het watersysteem, zoals inrichting van brede beekdalen. Het NPLG zorgt voor deze gebiedsgerichte aanpak en draagt bij aan de financiering en mogelijkheden om de opgave op te pakken. De maatregelen in het kader van de Stikstofaanpak bieden de kans om de doelen voor de Nitraatrichtlijn en de KRW te gaan halen, ook doordat hiermee ingrijpende maatregelen genomen kunnen worden om de landbouw te extensiveren in aantallen dieren en toepassen van uitspoelingsgevoelige teelten, en hiermee de input van stikstof (en fosfor) in het milieu te reduceren.

Onder de aanpak zal per gebied inzichtelijk gemaakt worden welke maatregelen nodig zijn om te voldoen aan deze internationale verplichtingen. Op dit moment wordt geïnventariseerd of het al mogelijk is om in 2023 te komen tot integrale gebiedsplannen. Het kabinet kiest ervoor deze opgaven in samenhang te bezien met het oog op doelmatigheid, maar ook met het oog op het bieden van duidelijkheid en zekerheid aan betrokken partijen en het zeker stellen dat het doelbereik van de opgaves wordt gehaald. Het kabinet kiest voor een onontkoombare aanpak, waarbij geldt dat de invulling grotendeels gebiedsgericht plaatsvindt onder stevige nationale regie opdat zeker wordt gesteld dat de doelstellingen gerealiseerd worden. De kenmerken van een gebied, in het bijzonder ten aanzien van bodem en water, zijn belangrijke factoren bij het vastleggen van de benodigde maatregelen in de gebiedsplannen. Ten behoeve van de aanpak heeft het kabinet 25 miljard euro gereserveerd. Om perspectief te bieden aan de landbouw wordt de ingezette transitie naar kringlooplandbouw verder gestimuleerd.

Met het NPLG worden een viertal doelen integraal geadresseerd en opgepakt, te weten: stikstof, natuur, waterkwaliteit en klimaat:

Stikstof: Aanpassing (Wet natuurbescherming[9] en) van de Omgevingswet waarbij de omgevingswaarden voor stikstof wordt versneld. Dit houdt in dat per 2030 74% van stikstofgevoelige Natura2000-gebieden onder de KDW gebracht moet zijn in plaats van de eerder gestelde 2035.
Klimaat: 5 Mton $CO_2$-reductie in 2030, te realiseren vanuit de landbouw / landgebruik.
Water: In 2027 moeten alle maatregelen uitgevoerd zijn om aan de doelen van de KRW te gaan voldoen. In het NPLG wordt de landbouwopgave van de KRW geadresseerd.
Natuur: Uitbreiden natuurareaal en versterken huidige natuur

Uitvoering van de bijdrage in de transitie landelijk gebied:

Een Nationaal Programma Landelijk Gebied
Transitiefonds €25 miljard tot 2035 (zie ook hoofdstuk 5).
Vanuit de Nitraatrichtlijn en KRW zijn de doelen al gesteld.
De oprichting van een regie-autoriteit, conform het regeerakkoord ten behoeve van de realisatie van de aanpak.
Het maken van bestuurlijke afspraken met provincies over hun rol als gebiedsautoriteit.
Opkoop van boerderijen en grond.
Extensivering, omschakeling, legalisering en verplaatsing van agrarische bedrijven als mede innovatie.

De komende tijd werkt het kabinet, met betrokken partners uit hoe de verschillende afzonderlijke programma's zich verhouden tot het NPLG, om zo te komen tot één integrale (gebiedsgerichte) aanpak. Voor de Nitraatrichtlijn zijn de doelen landelijk vastgesteld. Voor de KRW zijn per waterlichaam doelen vastgesteld door de provincie op advies van de waterschappen. De opgave is bekend vanuit de Nationale Analyse Waterkwaliteit[10] en de Ex-ante analyse van de Stroomgebiedsbeheerplannen[11].

---

[9] Afhankelijk van datum inwerkingtreding Omgevingswet
[10] Nationale Analyse Waterkwaliteit. PBL, 2020. https://www.pbl.nl/publicaties/nationale-analyse-waterkwaliteit-0
[11] Knoben, Verhagen, Schoffelen, Rost, 2021. Ex-ante analyse Waterkwaliteit. Royal HaskoningDHV, BH7109WMRO2109281159

Op basis van de huidige monitoringssystematiek die ten grondslag ligt aan de geleverde EU rapportages en, aanvullende ecologische analyses, worden op gebiedsniveau de opgaven voor natuur (incl. stikstofreductie), waterkwaliteit, klimaat, bodem en biodiversiteit in beeld gebracht.

Voor natuur brengen ecologische analyses (de natuurdoelanalyses) de natuuropgave per N2000 gebied in kaart, binnen de kaders van de instandhoudingsdoelen van de VHR en de condities om die doelen te halen, om te bepalen wat nodig is om de gebiedsspecifieke doelen op het gebied van natuurbehoud en -herstel te realiseren. Met behulp van deze ecologische analyse worden regionale specifieke stikstof- en natuurdoelen en maatregelen vastgesteld en conform de wet in 2023 per provincie vastgelegd in de gebiedsplannen. Hierbij wordt het tijdspad uit de Wsn aangehouden. Een Ecologische Autoriteit zal zorgdragen voor de wetenschappelijke basis van deze analyses om zo ook de juridische basis van deze analyses voor de Natura2000-gebieden te versterken. De voorbereidingen voor deze aanstelling, die voorzien is voor medio 2022, zijn momenteel in volle gang.

Binnen het NPLG wordt bekeken hoe de overige doelen en maatregelen van de overige doelstellingen van de integrale aanpak meegenomen zullen worden. Hierbij zal het NPLG in navolging van het gebiedsspecifieke bodem- en watersysteem de voorwaarden en ontwikkelperspectieven voor toekomstige landbouwpraktijken inzichtelijk maken.

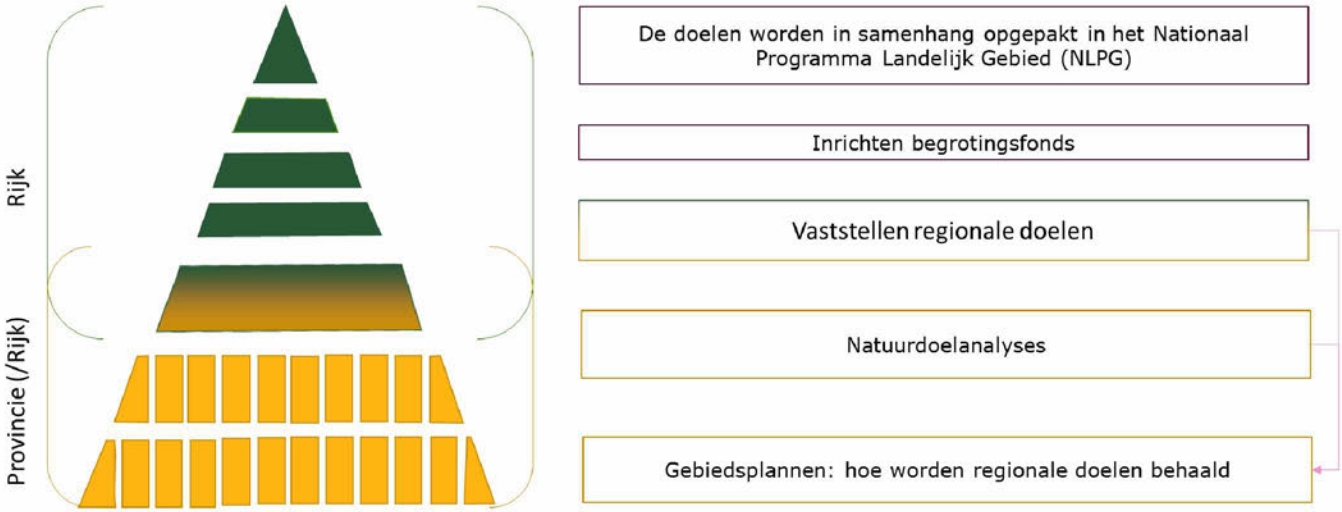


In de aanpak worden de nationale verplichtingen regionaal door vertaald en maatregelen worden opgenomen in de gebiedsplannen. Onontkoombaarheid omvat ook een duidelijk escalatiemechanisme, dat het gebruik van meer dwingende instrumenten niet categorisch uitsluit. De Omgevingswet biedt de nodige instrumenten om de onvermijdelijkheid ook bij niet-naleving te garanderen en zal dienovereenkomstig worden ingezet. Als een (regionale) of lokale doelstelling in de vorm van een omgevingswaarde op grond van de Omgevingswet dreigt niet te worden gehaald, geldt op grond van de Omgevingswet in ieder geval een programmaplicht. In dat geval moeten maatregelen worden genomen om alsnog tijdig aan de omgevingswaarde te voldoen. De Rijksoverheid kan met betrekking tot dat programma nadere regels stellen. Bestuursorganen hebben de plicht om doelen te realiseren en door hen afgesproken maatregelen uit te voeren.

Algemene bestuursinstrumenten zijn onder meer de inzet van financiële instrumenten, bestuurlijke afspraken en beleidsregels voor de invulling van bestaande bevoegdheden, bijvoorbeeld op het gebied van vergunningen en registratiebevoegdheid. Lokale overheden hebben bijzondere bevoegdheden, zoals toelating bestemmingen in het kader van de ruimtelijke ordening en

voorkeursrecht. Provincies, gemeenten en waterschappen hebben elk sturingsmogelijkheden via de algemene instrumenten van de Omgevingswet, waaronder de omgevingsvisies, programma's gekoppeld aan regionale of lokale omgevingswaarden en decentrale regelgeving (normering, taakverdeling). Regels kunnen worden onderscheiden per zone/gebied. Provincies kunnen via instructieregels ook eisen stellen aan omgevingsplannen voor gemeenten. Alle instrumenten en bevoegdheden die nu in de Wet Natuurbescherming zijn opgenomen, vallen straks onder de regels van de Omgevingswet.

De Omgevingswet bevat het instrumentarium voor de fysieke leefomgeving waaronder natuurverbetering en regels over vergunningverlening voor economische activiteiten. Het Rijk kan bij amvb regels stellen voor burgers en bedrijven en instructieregels aan provincies en gemeentes voor grond- en oppervlaktewaterkwaliteit. De omgevingswaarden voor het bereiken van een goede toestand van de grond- en oppervlaktelichamen komen voort uit de huidige Waterwet en de Wet milieubeheer en zijn een invulling van de eisen van de KRW.

# 4. Voorgenomen maatregelen waterkwaliteit

## 4.1 Inleiding

De maatregelen voor de waterkwaliteit vallen uiteen in een drietal verschillende onderdelen. Bij de integrale, gebiedsgerichte aanpak wordt per gebied bekeken welke maatregelen nodig zijn om de integrale doelen te halen, waaronder de doelen voor de waterkwaliteit. In bijlage 3 staat het overzicht en tijdspad van de te nemen maatregelen uit het 7e AP en bijbehorende addendum.
In bijlage 3 zijn de maatregelen die vanuit de SGBP worden genomen niet opgenomen. In de integrale, gebiedsgerichte aanpak is extensivering van bedrijven en omschakeling naar duurzamere landbouwsystemen een expliciet onderdeel. De nadruk ligt op minder vee en minder mestdruk en, vanuit waterkwaliteit gezien, minder uitspoelingsgevoelige teelten. De opkoop en afwaardering van gronden zal zich dan ook niet alleen richten op veeteelt, maar ook op akkerbouw- en tuinbouwbedrijven op uitspoelingsgevoelige gronden. Daarbij wordt rekening gehouden met natuurlijk verloop in de sector.
Er zullen gebieden zijn waar de opgave tot emissiereductie en natuurherstel dermate groot is dat met vrijwilligheid de doelen niet tijdig gehaald kunnen worden. Om doelen tijdig te kunnen halen is gedwongen opkoop een mogelijkheid, nadat andere mogelijkheden ontoereikend zijn gebleken.

## 4.2 Extensivering van de landbouw

### 4.2.1 Opkoop van bedrijven en afwaardering van gronden

In de uitvoering van het NPLG kan opkoop en beëindiging van veehouderijbedrijven een deel van uitmaken. Bij de opkoop en beëindiging van veehouderijbedrijven worden de productierechten (fosfaat-, varkens- en pluimveerechten) ingenomen en doorgehaald. Hierdoor zal de omvang van de veestapel en daarmee ook de productie van dierlijke mest afnemen. Doorrekeningen van de kennisinstellingen geven aan dat de afname van de veestapel naar verwachting tussen de 20% en 30% zou moeten liggen, te verdelen over runderen, varkens en pluimvee in de periode tot 2030.[12] De doelstellingen van de integrale aanpak zullen waarschijnlijk leiden tot een hoger reductiepercentage. Deze afname zal een grote verlichting geven op de mestmarkt, waarmee ook de fraudedruk kan verminderen, met name als dit wordt gericht op de gebieden met de grootste veedichtheid (Noord-Brabant, het noorden van Limburg en Gelderse Vallei).

Het innemen en doorhalen van productierechten betekent dat er ruimte zal ontstaan onder de sectorale productieplafonds voor fosfaat en stikstof die zijn opgenomen in de Meststoffenwet. Om te borgen dat deze ruimte niet opnieuw zal kunnen worden ingevuld, zullen deze productieplafonds naar beneden worden bijgesteld, volgend op de resultaten van de opkoop als onderdeel van de gebiedsgerichte aanpak. Hiertoe wordt een wijziging van de Meststoffenwet in gang gezet, dat aansluit op het tempo van het tot effect komen van de ontwikkelingen in het gebiedsproces.

De waterkwaliteit onder landbouwbedrijven is in sterke mate afhankelijk van de gewassen die geteeld worden. In de integrale gebiedsgerichte aanpak wordt dan ook niet alleen gekeken naar de

[12] Planbureau voor de Leefomgeving, Quickscan van twee beleidspakketten voor de structurele aanpak stikstof. Bijlage bij Kamerstuk 35 334, nr. 170.

mestproductie en de emissies die daarbij vrijkomen, maar uitdrukkelijk ook naar de mestaanwending in de plantaardige teelten en de uitspoelingsgevoeligheid van de teelten zelf. Opkoop of beëindiging van landbouwbedrijven of afwaardering van gronden kan naast veehouderijen ook gericht zijn op akkerbouwbedrijven, indien uit de gebiedsanalyse blijkt dat het omzetten van akkerbouwmatige of tuinbouwmatige teelten naar niet-uitspoelingsgevoelige teelten (vaak financieel minder aantrekkelijk) benodigd is om de waterkwaliteitsdoelen te halen, bijvoorbeeld in beekdalen of in gebieden waar de opgave voor waterkwaliteit niet op andere wijze aangepakt kan worden (zie hierna). Tevens kan opkoop op een plek via grondruil op een andere plek leiden tot een aanpassing van teelten ten behoeve van de waterkwaliteit en een betere koppeling tussen grondsoort en teelten.

Op uitspoelingsgevoelige gronden komen de vrijvallende gronden exclusief beschikbaar voor gebruik met lage emissies zoals natuur, natuurinclusieve landbouw met beperkt uitspoelingsrisico van nutriënten of extensieve niet-uitspoelingsgevoelige teelten. Borging vindt plaats als de gronden in een op te richten Grondbank terecht komen of bij andere overheidspartijen en deze verpacht worden onder strikte voorwaarden, via verkoop met kettingbeding of via aanvullende voorwaarden in bestemmingsplannen. Door in de gebieden met uitspoelingsgevoelige gronden de vrijvallende gronden om te zetten tot natuur, extensieve niet-uitspoelingsgevoelige teelten of natuurinclusief grasland, zal de grondwater- en oppervlaktewaterkwaliteit verbeteren.

### 4.2.3 Grondgebondenheid

Verder zal de melkveehouderij binnen 10 jaar volledig grondgebonden zijn. Dit sluit aan bij het 7e AP, het Coalitieakkoord en het voorziene toekomstige mestbeleid. Het kabinet brengt een wijziging van de Meststoffenwet in procedure waarmee wordt vastgelegd dat de melkveehouderij binnen 10 jaar volledig grondgebonden moet zijn. Daarbij hoort ook een aanzienlijk areaal (deels permanent) grasland.

De komende maanden zal deze koppeling tussen grondgebondenheid en het aandeel (permanent) grasland dat een melkvee- of rundvleesveebedrijf (zoog- en weidekoeien) dient te hebben, nader uitgewerkt worden. Dit zal resulteren in extensivering van de bedrijven en bijbehorende afname van de te plaatsen mest en daarmee naar verwachting een positief effect op de waterkwaliteit in de betreffende gebieden tot gevolg hebben.

## 4.3 Brede beekdalen

Zoals aangegeven in hoofdstuk 3 worden op gebiedsniveau de doelen vastgelegd en wordt vervolgens als onderdeel van de integrale, gebiedsgerichte aanpak bekeken welke maatregelen op welke plek het meest effectief zijn om de doelen te halen. Dit zal dus op gebiedsniveau worden ingevuld. Als input hiervoor heeft het kabinet onderzoek laten doen naar de maatregelen die kunnen leiden tot doelbereik van de KRW. Uit de analyse van Wageningen Universiteit en Research (hierna: WUR) ten behoeve van bepaling van de kansen van de stikstofaanpak voor het doelbereik van de KRW voor nutriënten[13], komt naar voren dat een belangrijke maatregel, in aanvulling op het 7e AP, het inrichten van 100-250 meter brede bufferstroken is in beekdalen in de zandgebieden van Centraal Nederland, Oost Nederland en Zuid Nederland. De realisatie hiervan wordt onderdeel van de integrale gebiedsgerichte aanpak, zoals opgenomen in het Coalitieakkoord, waarin een breed palet aan instrumenten beschikbaar is. Als onderdeel van deze integrale, gebiedsgerichte aanpak zal worden bepaald welke breedte in de range 100-250 meter noodzakelijk is voor doelbereik van de KRW per gebied, waarbij ook de opgaven voor droogte en wateroverlast worden betrokken. Direct aansluitend wordt overgegaan tot implementatie van deze instrumenten waarbij boeren overgaan op natuurinclusief grasland beheer met uitmijnregime in deze zone of dat grond wordt opgekocht en verpacht dan wel verkocht aan beherende partijen ten behoeve van bijvoorbeeld natuurgrond of natuurinclusief grasland met uitmijnregime. Hiermee draagt deze aanpak ook bij aan de grondwaterkwaliteit, en daarmee indirect aan de oppervlaktewaterkwaliteit. Vanuit de KRW dienen in 2027 de maatregelen genomen te zijn om de doelen op termijn te gaan halen. Ter borging van de voornoemde veranderingen van grondgebruik in beekdalen als onderdeel van de gebiedsaanpak, beziet het kabinet de mogelijkheid om per 2027 een bestemmingsplanwijziging in

[13] Groenendijk, 2021. Memo. Kansen van de stikstofaanpak voor het doelbereik van de KRW voor nutriënten. In de memo is aangegeven op welke wijze is omgegaan met beken en beekdalen omdat deze geen officiële ruimtelijke begrenzing kennen (hoofdstuk 4).

te doen gaan waarmee de verplichting tot bijvoorbeeld natuurgrond of natuur inclusief grasland met extensieve begrazing wordt vastgelegd. Uitgangspunt is dat de bijbehorende afwaardering van de grond voor de landbouw wordt gecompenseerd.

## 4.4 Additionele maatregelen ten behoeve van de oppervlaktewaterkwaliteit

De bovenstaande extensivering van de landbouwsector en omzetting van vrijvallende gronden naar emissiearm gebruik zoals natuur, natuurinclusieve landbouw met beperkt uitspoelingsrisico van nutriënten of extensieve niet-uitspoelingsgevoelige teelten zal een stevige verbetering van de grond- en oppervlaktewaterkwaliteit opleveren. Echter zijn deze niet voldoende om de doelen voor waterkwaliteit overal tijdig te gaan halen. WUR heeft in samenwerking met Deltares, TNO en Universiteit Utrecht in beeld gebracht welke aanvullende maatregelen effectief zijn om op gebiedsniveau de resterende opgave voor verbetering van de oppervlaktewaterkwaliteit waar het de landbouw betreft, te realiseren.[14] Hierbij wordt een onderscheid gemaakt per grondsoort. De hieronder benoemde maatregelen zullen worden opgenomen in de integrale gebiedsgerichte aanpak.

<u>Zandgronden</u>
Afhankelijk van het gebied kunnen tevens specifieke maatregelen nodig zijn voor de oppervlaktewaterkwaliteit in aanvulling op de hierboven genoemde maatregelen. Dit is per gebied verschillend. Hierbij kan gedacht worden aan maatregelen zoals afvang van fosfaat, uitmijnen van fosfaat (opbrengen N en K en teelt P-uitmijnend gewas), verschalen van de bodem (alleen afvoeren gewas), teeltverboden, multifunctionele bufferstroken, zuiveren van drainagewater (ijzerzand of houtsnippers), zuiveren van oppervlaktewater (zuiveringsmoerassen) en verminderen van oppervlakkige afstroming. Welke maatregelen waar dienen te worden genomen, worden opgepakt in het gebiedsplan dat naar aanleiding van NPLG wordt opgesteld. Hierbij kan gebruik gemaakt worden van de Gebiedsdocumenten Agrarische Wateropgave uit het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer waarbij per waterschap een analyse is gemaakt van de opgave en mogelijke maatregelen. Omdat de doelen onontkoombaar zijn, is het nemen van maatregelen niet vrijblijvend. Waar nodig kan een provincie (of in tweede instantie het Rijk) maatregelen verplichtend opleggen in een gebied. De verplichting van omzetting naar natuurgrond of natuurinclusief grasland met extensieve begrazing op uitspoelingsgevoelige gronden wordt vastgelegd. Uitgangspunt is dat de bijbehorende afwaardering van de grond voor de landbouw wordt gecompenseerd.

<u>Klei- en veengronden</u>
Ook in de kleigebieden en veengebieden is de oppervlaktewaterkwaliteit nog niet overal zoals benodigd vanuit de KRW (zie ook de bijlage). Afhankelijk van het gebied zijn specifieke maatregelen nodig voor de oppervlaktewaterkwaliteit. Dit is per gebied verschillend. Hierbij moet gedacht worden aan maatregelen zoals afvang van fosfaat, uitmijnen van fosfaat (opbrengen N en K en teelt P-uitmijnend gewas), verschalen van de bodem (alleen afvoeren gewas), multifunctionele bufferstroken, zuiveren van drainagewater (ijzerzand of houtsnippers), zuiveren van oppervlaktewater (zuiveringsmoerassen) en verminderen van oppervlakkige afstroming. Deze maatregelen zijn aanvullend op de maatregelen opgenomen in het Coalitieakkoord, en zullen worden meegenomen in de integrale gebiedsgerichte aanpak.

Aanvullend zet het kabinet, mede in het licht van de klimaataanpak, in op maatregelen zoals het verhogen van het waterpeil (vernatten) in veenweidegebieden. Naast de klimaatwinst die hiermee gemoeid is, leidt dit ook tot een extensivering in de veenweidegebieden en daarmee minder bemesting van de veenweidegebieden. Dit draagt bij aan minder belasting van het oppervlaktewater. Door vernatting zal er minder stikstof in het oppervlaktewater komen uit actuele bemesting waardoor de waterkwaliteit kan verbeteren. Voor fosfor kan er in eerste instantie meer vrijkomen uit de historische voorraad in de bodem, op langere termijn wordt wel een positief effect verwacht voor fosfor. Voor stikstof wordt direct een positief effect voorzien.

[14] Groenendijk, P. et al (2021) Aanvullende maatregelen op het pakket van het zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn met een gebiedsgerichte oriëntatie 11207723-000-BGS-0001.

Lössgronden
Uit de MER van het 7e AP komt naar voren dat in het lössgebied de doelen voor de grondwaterkwaliteit (nitraat) nog niet gehaald worden (zie hieronder). Ook de doelen voor de oppervlaktewaterkwaliteit zijn nog niet in zicht. Dit laatste wordt hier voor een groot deel ook veroorzaakt door buitenlandse belasting van beken. Door samenwerking met Duitsland en Vlaanderen wordt gewerkt aan vermindering van de buitenlandse belasting, dit maakt deel uit van de 3e Stroomgebiedbeheerplannen. De hiervoor benoemde geïntegreerde, gebiedsgerichte aanpak gaat ook in het lössgebied bijdragen aan een verbetering. Ook de uitkoop en afwaardering van akkerbouw- en tuinbouwareaal zal een positief effect hebben. De aanpak voor veenweidegebieden zal het lössgebied niet beïnvloeden. De aanpak voor de brede beekdalen zal in het lössgebied op andere wijze worden vormgegeven in samenhang met de Hoogwater-aanpak. In een gebiedsgerichte aanpak zal specifiek voor het lössgebied gekeken moeten worden welke maatregelen benodigd zijn om ook hier de doelen te gaan halen aanvullend op de hierboven beschreven extensivering van de landbouwsector. Hierbij kan gedacht worden aan sediment opvangbassins, reductie van teelt van uitspoelingsgevoelige gewassen, maatregelen op oppervlakkige afstroming te beperken, afwisseling diepwisselende en ondiepwisselende gewassen stimuleren, meer advies en bewustwordingstools uitrollen.

## 4.5 Additionele maatregelen ten behoeve van de grondwaterkwaliteit in het lössgebied

Uit de MER van het 7e AP komt naar voren dat in het lössgebied de doelen voor de grondwaterkwaliteit (nitraat) nog niet gehaald worden. Hierbij speelt wel de samenwerking over de grens. Hierdoor kan druk in de aanliggende gebieden ook invloed hebben in de landbouwsector in Nederland. In een gebiedsgerichte aanpak zal specifiek voor het lössgebied gekeken moeten worden welke maatregelen benodigd zijn om ook hier de doelen te gaan halen. Daarbij kan het weren of reduceren van specifieke teelten noodzakelijk blijken. Een van de maatregelen zal zijn om zowel voor de zand- als lössgronden de periode van toepassen van plantaardig digestaat gelijk te maken aan de periode voor digestaat van dierlijke oorsprong. Hiermee wordt voorkomen dat plantaardig digestaat op een moment in het jaar wordt toegepast dat deze niet wordt opgenomen door het gewas en een vergroot risico op uitspoeling ontstaat.

## 4.6 Natura 2000 gebieden

In aanvulling op de bovengenoemde maatregelen kan specifiek voor bepaalde Natura2000 gebieden aanvullende maatregelen benodigd zijn om de natuurdoelen te kunnen behalen. Dit zal uit de Ecologische analyses moeten blijken per gebied.

## 4.7 Maatwerkaanpak waterkwaliteit

Als onderdeel van het 7e AP wordt in samenwerking tussen overheden, sector en ketenpartijen, uitgewerkt hoe tot een handhaafbare, uitvoerbare en betaalbare aanpak gekomen kan worden waarbij boeren individueel of in groepen zelf maatregelen nemen die tot een minimaal gelijkwaardige waterkwaliteitsverbetering komen als de maatregelen uit het 7e AP en/of het al bestaande mestbeleid welke door het Rijk zijn of worden vastgesteld (maatwerkaanpak, zie 7e AP paragraaf 5.2.3). De komende maanden wordt gewerkt aan een traject om te verkennen of er gekomen kan worden tot een passende maatwerkaanpak die voldoet aan de gestelde voorwaarden. Dit traject wordt onverkort voortgezet en de planning is erop gericht om in de zomer van 2022 een besluit te nemen over daadwerkelijke invoering van de maatwerkaanpak ('go / no go'). De uitwerking van de maatwerkaanpak is gericht op realisatie van de doelen voor zowel de grondwater- als de oppervlaktewaterkwaliteit als onderdeel van het 7e AP. In de uitwerking zal de relatie gelegd worden met de maatregelen uit dit addendum en de gebiedsgerichte aanpak. Hiermee wordt ook uitvoering gegeven aan de motie Geurts en Van Campen (Kamerstuk 35 949, nr. 11). Maatregelen voor natuurverbetering en klimaat vallen buiten de reikwijdte van de maatwerkaanpak.

# 5. Financiering

Het realiseren van de doelen voor stikstof, waterkwaliteit en klimaat betekent onmiskenbaar een grote omslag van de landbouw. Het kabinet stelt voor het via het NPLG behalen van doelen op het terrein van natuur/stikstof, klimaat (landbouw en landgebruik exclusief glastuinbouw) en waterkwaliteit  een budget van € 25 miljard beschikbaar voor de periode 2022-2035. Hiervan is bijna € 17,5 miljard geraamd voor opkoop van landbouwbedrijven, financiële afwaardering van grond en additionele maatregelen ten behoeve van het realiseren van de oppervlaktewaterkwaliteitsdoelen van de KRW. Met de beschikbare budgetten vanuit het Coalitie Akkoord en de uitvoering van het 7e AP kunnen grote stappen worden gezet om de opgave voor de waterkwaliteit te realiseren, echter nog niet volledig. Tevens zijn er andere, additionele, financiële middelen waarmee kan worden mee gekoppeld zoals het Deltaprogramma Zoetwater (o.a. wateraanvoer veenweidegebied), de Hoogwateraanpak in Zuid Limburg (o.a. voor beekdalen in het lössgebied) en het Nationaal Strategisch Plan van het GLB (o.a. voor veenweidegebied). Met behulp van mee koppeling met additionele financiële middelen, is voorzien dat de opgave voor de waterkwaliteit voor het grootste deel gehaald kan worden.

Het volledige budgettaire kader vanuit het Coalitieakkoord is als volgt:

| **Stikstoffonds: maatregelen per spoor in mln. cumulatief** | **2022-2030** | **2030-2035** |
|---|---|---|
| **Spoor 1: Opkoop, financiële afwaardering grond en KRW** | **13.800** | **3.681** |
| w.v. Opkoop indicatieve mix melkvee, pluimvee en varkens | 6.100 | 1.315 |
| w.v. Financiële afwaardering grond (melkvee) | 5.700 | 1.225 |
| w.v. Uitbreiden natuurareaal (niet zijnde natura 2000) | 1.330 | 1.000 |
| w.v. Additioneel tbv Kaderrichtlijn Water (KRW) | 670 | 141 |
| **Spoor 2: Perspectief blijvers: verder met ingezette route naar verduurzaaming** | **4.450** | **943** |
| w.v. Natuurinclusieve landbouw | 2.220 | 470 |
| w.v. Innovatieve Stalsystemen en managementmaatregelen | 1.000 | 212 |
| w.v. Beleid rond ondernemerschap en innovatie | 1.230 | 261 |
| **Uitvoeringskosten** | **1.750** | **376** |
| **Totaal** | **20.000** | **5.000** |

# 6. Overige trajecten die bijdragen aan doelbereik 7e AP

## 6.1 Bijdrage GLB

Het nationaal strategisch plan (NSP) voor het GLB is een belangrijk beleidsinstrument om eraan bij te dragen de doelen van dit actieprogramma te behalen. De interventiestrategie van het NSP is daar sterk op gericht. Met een sterke focus op de groen blauwe architectuur en op innovatie, investeringen en kennis met de daarvoor benodigde financiële middelen. Om met het GLB invulling te geven aan deze behoeften worden financiële middelen overgeheveld van het garantiefonds (focus op inkomenssteun) naar het plattelandsfonds (focus op doelgerichte betalingen). Stapsgewijs jaarlijks oplopend van 15% in 2023 naar 30% in 2027 om de ambitie naar duurzame landbouw met het GLB te ondersteunen. Tijdens de mid-term review kan dit groeimodel eventueel worden bijgestuurd. Omdat de Nitraatrichtlijn zelf onderdeel van de conditionaliteit in het GLB is, zijn de maatregelen van het actieprogramma basisvoorwaarde voor de inzet van het GLB. Aangevuld met de goede landbouw- en milieucondities, met name GLMC4 (bufferstroken) en GLMC7 (rotatie), is bewust gekozen voor een strategische combinatie van het actieprogramma met de ecoregeling en de agrarisch natuurbeheer subsidies in het GLB. Hierbij wordt nadrukkelijk

ingezet op het behalen van de doelstellingen van het actieprogramma door de balans tussen afdwingen en stimuleren zodanig in te richten dat het GLB zo effectief mogelijk bijdraagt.

De forse stap ten aanzien van de nieuwe eisen voor de bufferstroken geldt als basisvoorwaarde voor het ontvangen van GLB-steun en met subsidies in de vorm de van ecoregeling, het ANLb (Agro Milieu Klimaatmaatregelen) en die voor samenwerkingsprojecten worden boeren gestimuleerd om nog verder te gaan. Duurzame bouwplannen met de verplichte teelt van een rustgewas eens per 4 jaar op zand en lössgronden worden afgedwongen in het GLB met GLMC7. Er wordt gericht gewerkt naar een verdere stap in duurzame bouwplannen door eens per drie jaar een rustgewas op zand en lössgronden af te dwingen per 2027. In de periode naar 2027 toe worden boeren met subsidie via de ecoregeling gestimuleerd deze stap naar 1 op 3 rustgewassen al eerder te maken. De GLMS's zijn van toepassing op grondgebonden interventies in de eerste en tweede pijler van het GLB.

Met een grondgebonden ecoregeling wordt verdergaande verduurzaming en extensivering gestimuleerd. Zoals voor bouwland met de activiteiten rustgewassen in de rotatie en het telen van vanggewassen na de hoofdteelt en voor grasland met de activiteiten langjarig grasland en een maximum van 1,5 GVE graasdieren per ha grasland op het bedrijf waarvoor landbouwers een prestatiegerichte beloning kunnen ontvangen. De ecoregeling stimuleert bovendien biologische landbouw, aangezien biologische landbouw automatisch in aanmerking komt voor het hoogste subsidiebedrag. De ecoregeling kan gedifferentieerd worden naar gebieden. Jaarlijks is € 152 mln beschikbaar voor de totale ecoregeling.

De grote opgaven vragen om een gebiedsgerichte aanpak. Dit wordt in de tweede pijler geïntensiveerd, aansluitend op de integrale gebiedsontwikkelingsplannen.

Het ANLb met zijn collectieve aanpak wordt gecontinueerd, uitgebreid en verbreed in scope met water en klimaat. Voor ANLb is in 2023 € 113 mln beschikbaar en dat groeit tot € 130 mln in 2027. Aanvullend zijn er in het GLB ruime mogelijkheden voor boeren om subsidies aan te vragen voor investeringen gericht op het behalen van de doelstelling van het 7e actieprogramma. Voorbeelden zijn precisielandbouw en betere mestaanwendingstechnieken. Voor productieve investeringen gericht op duurzaamheid is in de GLB-NSP periode € 132 mln beschikbaar. Voor niet productieve investeringen, met name op het gebied van water € 158 mln. en voor investeringen in het kader van de groen blauwe architectuur € 69 mln. Om Natura 2000 gebieden extra te beschermen worden via gebiedsprocessen in overgangsgebieden rondom die N2000 gebieden maatregelen genomen om de druk van stikstofuitstoot te reduceren en de kwaliteit van bodem en water te verbeteren. Hiervoor is samen met het herstel van het waterpeil in veenweide gebieden in totaal € 223 mln gereserveerd.

Kennisverspreiding op het gebied van effectief nutriëntenbeheer wordt met GLB-subsidies gestimuleerd. Tot slot wordt het LEADER-budget uitgebreid en bewust gericht op duurzaamheidsdoelen.

De uitvoering van het GLB wordt nationaal nauwgezet gemonitord en periodiek geëvalueerd en indien nodig bijgesteld. Daarbij wordt niet alleen gekeken naar de gevolgen van de maatregelen voor de boeren maar ook naar het effect op klimaat, leefmilieu en biodiversiteit. Hiertoe wordt een nationaal integraal monitoringssysteem opgezet in 2022. De mid-term review in 2025 is een belangrijke mijlpaal.

## 6.2 Bijdrage Stroomgebiedbeheerplannen

Met de uitvoering van de Nitraatrichtlijn wordt bijgedragen aan de doelen van de KRW[15], waar het de landbouw betreft. De KRW is een overkoepelende richtlijn, die bepaalt dat uiterlijk in 2027 alle maatregelen moeten zijn genomen die resulteren in chemisch schoon en ecologisch gezond water. Naast belasting door nutriënten uit de landbouw, zorgen andere bronnen voor watervervuiling. De aanpak van deze bronnen zoals rioolwaterzuiveringsinstallaties, behoort tot de verantwoordelijkheid van de waterschappen en provincies. Voor buitenlandse aanvoer ligt de verantwoordelijkheid bij het Rijk. Waterschappen dragen bij aan de SGBP die gericht zijn op

[15] Richtlijn 2000/60/EG van het Europees Parlement en de Raad van 23 oktober 2000 tot vaststelling van een kader voor communautaire maatregelen betreffende het waterbeleid

doelbereik van de KRW. Begin 2022 start de uitvoering van de SGBP voor de periode 2022-2027. De concrete doelen voor onder andere nutriënten zijn specifiek per KRW-oppervlaktewaterlichaam en worden door de waterschappen op basis van landelijke doelen voor natuurlijke watertypen en een handreiking opgesteld, waarna de provincies de doelen vaststellen. Het 7e AP dient zowel een belangrijke bijdrage te leveren aan de grondwater- als aan de oppervlaktewaterkwaliteit. Met het voorliggende document en het 7e AP (2022-2025), voldoet Nederland aan de verplichting de Europese Commissie in kennis te stellen van wijzigingen in het actieprogramma.

## 6.3 Bijdrage Deltaplan Agrarisch Waterbeheer

Het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer (DAW) is in 2013 ontstaan op initiatief van de overkoepelende land- en tuinbouworganisaties (LTO). Het beoogt om in samenwerking met onder andere de waterschappen, provincies, drinkwaterbedrijven en het Rijk een bijdrage te leveren aan de wateropgaven (cf. Nitraatrichtlijn en KRW) in agrarische gebieden en het realiseren van een economisch sterke en duurzame landbouw. Dat gebeurt met vrijwillige maatregelen die met name gericht zijn op minder emissie van nutriënten en gewasbeschermingsmiddelen naar het water en een beter bodembeheer. Het DAW richt zich op alle 50.000 agrariërs in Nederland en wil deze stimuleren tot het nemen van maatregelen en de samenwerking met de waterschappen en drinkwaterbedrijven bevorderen. Dit onder andere door het delen van kennis en praktijkervaring van agrariërs, initiatieven te stimuleren, metingen op het boerenerf en –landerijen te stimuleren en te faciliteren en door gebiedsprocessen te starten. DAW kent in 2021 een groot aantal projecten en een behoorlijk deelnemersaantal; de website www.agrarischwaterbeheer.nl bevat uitgebreide informatie hierover met tal van praktijkvoorbeelden van projecten.

In het kader van de 'Impuls voor agrarisch waterbeheer' worden momenteel 21 Gebiedsdocumenten Agrarisch Waterbeheer (GAW's) opgesteld. De waterschappen leggen samen met LTO en boeren van inliggende bedrijven vast welke agrarische wateropgaven er binnen het waterschap resteren. Daarbij gaat het niet alleen om nutriënten én gewasbeschermingsmiddelen in relatie tot waterkwaliteit, maar ook om opgaven om schade door droogte en wateroverlast te voorkomen. Ook wordt in de GAW's een passend handelingsperspectief aan de landbouwsector geboden. De GAW's vormen de basis voor uitvoeringsprogramma's die begin 2022 bestuurlijk (waterschappen, provincie en landbouwbedrijfsleven) worden vastgesteld. In het 7e AP gaat DAW een belangrijke rol spelen in het vergroten van de bewustwording en kennis bij de agrarische sector en in het stimuleren van de inzet van maatregelen op grond van metingen en deskundig advies. Tevens wordt de kennis van DAW ingezet in de eventuele maatwerkaanpak, waarbij op deze wijze boeren geadviseerd kunnen worden over welke toegespitste maatregelen genomen kunnen worden op het bedrijf.

# Bijlage 1 - Huidige staat van de waterkwaliteit

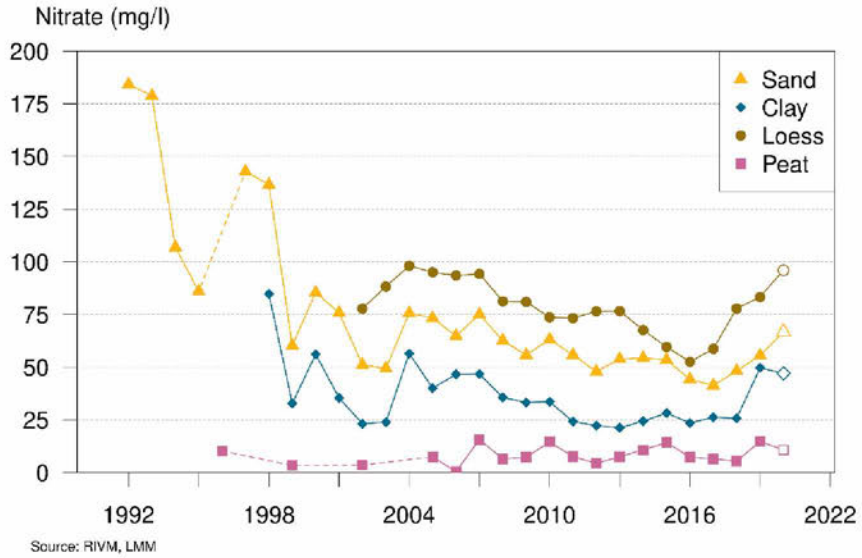


Grondwater, Landelijk Meetnet Effecten Mestbeleid, RIVM, laatste cijfers

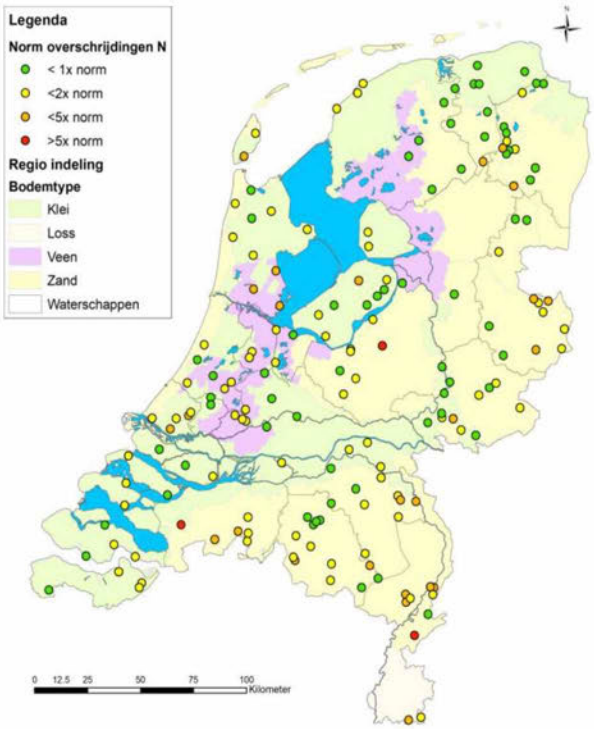


*Figuur 3.8 Mate van de waterschapsnormoverschrijding van de gemiddelde concentratie N-totaal in de zomer over de jaren 2015 t/m 2018 op de MNLSO-locaties.*

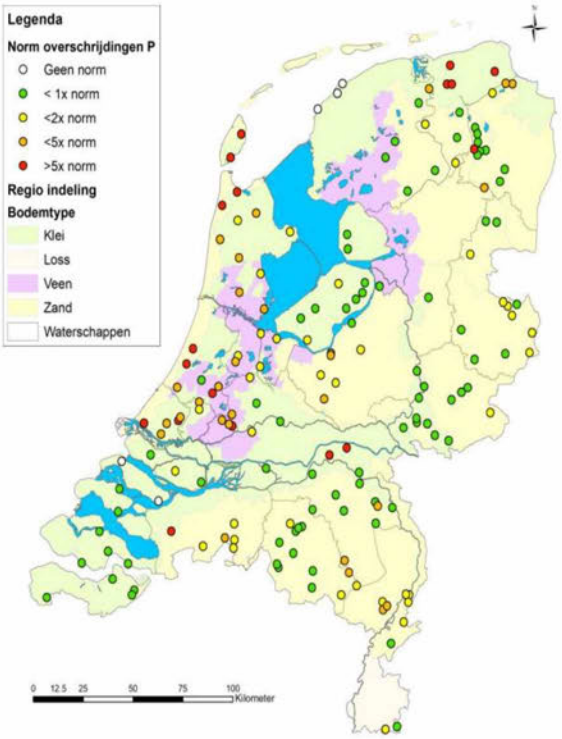


*Figuur 3.9 Mate van waterschapsnormoverschrijding van de gemiddelde concentratie P-totaal in de zomer over de jaren 2015 t/m 2018 op de MNLSO-locaties.*

*Oppervlaktewater, MSNLO*
*Links: stikstof*
*Rechts: fosfaat*

# Bijlage 2 – Structurele aanpak stikstof 2020

Programmatische Aanpak Stikstof (2015-2019) is opgezet om te voldoen aan de verplichtingen ten aanzien van de natuur (Nationale natuurwetgeving en de Vogel- en Habitat richtlijn), en tegelijk ruimte te bieden voor economische ontwikkelingen.

29 mei 2019: Raad van State uitspraak
- PAS in strijd met VHR artikel 6.
- Gevolg: vergunningen via PAS per direct ongeldig

April 2020: Structurele Aanpak
- verminderen stikstofbelasting conform omgevingswaarden
- realiseren van instandhoudingsdoelstellingen van stikstofgevoelige natuur

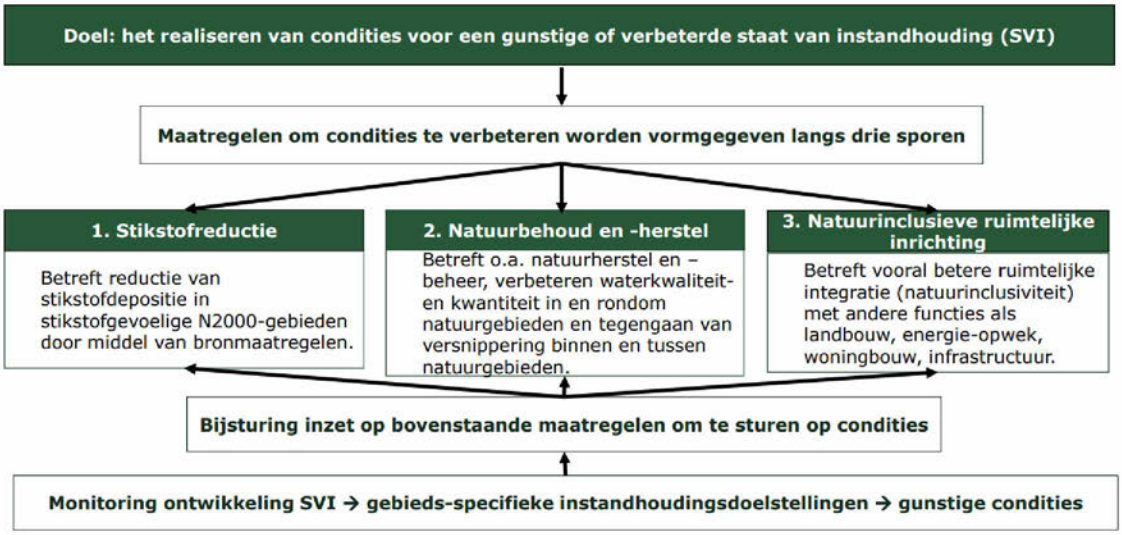

**Overzicht opgenomen landbouwmaatregelen ter stikstofreductie structurele aanpak stikstof**

Een vijftal bronmaatregelen zijn momenteel in uitvoering om stikstof te reduceren, te weten de tweede verhoging subsidieregeling sanering varkenshouderijen, maatregelen provinciale aankoop veehouderijen nabij Natura 2000-gebieden, subsidies voor omschakeling naar kringlooplandbouw als onderdeel van het Omschakelprogramma, de subsidieregeling voor retrofit van motoren van binnenvaartschepen en de pilots innovatie in de bouw en grond-, weg- en waterbouw. De laatste twee maatregelen zijn niet opgenomen in onderstaande tabel, omdat ze zich niet richten op de landbouwsector.

| **Beëindiging** | **Budget (in miljoen Euro)** |
|---|---|
| Tweede verhoging subsidieregeling sanering varkenshouderijen | 107 |
| Regeling provinciale aankoop veehouderijen | 480 |
| Landelijke beëindigingsregeling veehouderijlocaties | 1000 |
| | |
| **Management maatregelen** | |
| Verlagen van ruw eiwitgehalte in veevoer | 73 |
| Verdunde mestaanwending op zandgronden | 105 |
| Vergroten aantal uren weidegang | 3 |
| | |
| **Innovatie** | |
| Stalmaatregelen | 280 |
| Omschakelprogramma | 175 |
| Mestverwerking | 15 |
| | |
| **Totaal** | **2238** |

# Bijlage 3 – Overzicht maatregelen en ingangsdatum

| **Maatregel** | **Bron** | **Ingangsdatum*** |
|---|---|---|
| Staatssteunnotificatie Landelijke beëindigingsregeling veehouderijlocaties (Lbv) | Addendum | Informele consultatie EC/COMP: maart 2022 |
| Beoogde start consultatie wetsvoorstel volledige grondgebondenheid melk- en rundveehouderij | Addendum | Tweede helft 2022 |
| Aanpassing mestproductieplafonds overeenkomstig afname van productierechten door opkoop- en beëindigingsregelingen | Addendum | Volgend op tempo regelingen |
| NPLG: Resultaten quick scan ecologische analyse. | Addendum | Maart 2022 |
| NPLG: Publicatie van de natuur-doelanalyses voor de stikstofgevoelige N2000-gebieden | Addendum | Eind 2022 |
| NPLG: Publicatie van alle natuurdoel-analyses en vaststelling definitieve gebiedsplannen (zoals wettelijk verplicht) | Addendum | Midden 2023 |
| Rotatie met rustgewassen | 7e AP | 1-1-2023 |
| Vanggewassen | 7e AP | 1-1-2023 |
| Vanggewassen – commissie van wijzen | 7e AP | Medio 2022 |
| Percentage rustgewas voor graasdierbedrijven | 7e AP | 1-1-2023 |
| Najaarsbemesting aanpassen | 7e AP | 1-1-2024 |
| Uitrijdseizoen verschuiven | 7e AP | 1-1-2023 |
| Maatwerkaanpak | 7e AP | Nntb |
| GLB - Transitie duurzame bouwplannen faciliteren | 7e AP | 7e AP |
| Faciliteren duurzame bouwplannen - DAW | 7e AP | 1-1-2022 |
| Transitie duurzame bouwplannen faciliteren - ketenpartijen | 7e AP | 1-1-2023 |
| Aansluiten bij DAW | 7e AP | 1-1-2022 |
| Gebiedsgericht bepalen welke aanvullende inrichtingsmaatregelen benodigd zijn voor doelbereik voor oppervlakte-waterkwaliteit | 7e AP | 1-1-2024 |
| Afwegingskader gebiedsgericht | 7e AP | 1-1-2025 |
| Uitvoering Europese Meststoffenverordening | 7e AP | 1-7-2022 |

| | | |
|---|---|---|
| Herwonnen stikstofmeststoffen uit dierlijke mest (Renure) | 7e AP | Nntb |
| Update bodemkaart | 7e AP | 1-1-2024 |
| Organische stofrijke meststoffen stimuleren | 7e AP | 1-1-2023 |
| Update N-gbn en N-werkingscoëfficiënt | 7e AP | 1-1-2023 |
| Evaluatie en heroverweging equivalente maatregelen | 7e AP | 1-1-2023 |
| Evaluatie en heroverweging herstelbemesting | 7e AP | 1-1-2023 |
| Herziening lijst toegestane N-behoeftige gewassen na scheuren grasland | 7e AP | 1-1-2023 |
| Verbreden teeltvrije zones & leidraad | 7e AP | 1-1-2023 |
| Verruiming uitrijddatum vaste strorijke mest | 7e AP | 1-1-2023 |
| Verschuiven eerste uitrijdatum voor drijfmest en dunne fractie op bouwland van 15 februari naar 15 maart | 7e AP | 1-1-2023 |
| Uitrijmethoden specifiek mestsoorten - onderzoek | 7e AP | Nntb |
| Monitoring droogte tbv goede landbouwpraktijk | 7e AP | Nntb |
| Kwetsbare drinkwaterwinningen | 7e AP | continuering |
| Pilot BedrijfsEigen Stikstofnorm | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot N-residu metingen op hoge zandgrond | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Telen met Toekomst 2.0 | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Uitwerking toekomstig mestbeleid | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Inzet bodemverbeteraars | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Gewasderogatie | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Kringloop met bietenblad | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Mineralenconcentraat | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Emissiereductie fosfor | 7e AP | 2022-2025 |
| Communicatie | 7e AP | 2022-2025 |
| Kennisontwikkeling | 7e AP | 2022-2025 |
| Kennisverspreiding | 7e AP | 2022-2025 |
| Gebiedsgericht handhaven | 7e AP | 2022-2025 |
| Continueren en uitrollen traject rVDM | 7e AP | 2022-2023 |
| Pilot NIRS | 7e AP | 2022-2025 |
| Inzicht kunstmeststromen | 7e AP | 2023 |

**ADDENDUM OP HET**
**7E ACTIEPROGRAMMA NITRAATRICHTLIJN**

# 1. Aanleiding

Op 26 november 2021 is het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7e AP) vastgesteld.[1] Het 7e AP richt zich met name op die gebieden en teelten waar de grootste problemen zijn voor de waterkwaliteit en richt zich daarmee op de hotspots (bouwland teelten op zand en löss). Bij de vaststelling van het 7e AP is opgemerkt dat met de maatregelen die zijn opgenomen in het 7e AP de doelen voor verbetering van de grondwaterkwaliteit onder landbouwbedrijven op termijn worden behaald in bijna alle gebieden, behalve het lössgebied[2]. De doelen ten aanzien van de oppervlaktewaterkwaliteit van de Nitraatrichtlijn en de landbouwopgave van de Kaderrichtlijn Water (KRW) komen nog niet binnen bereik. Om ook deze doelen te halen, zijn aanvullend gebiedsgerichte maatregelen nodig betreffende de landbouw. Het 7e AP en dit addendum hangen nauw samen met de 3e stroomgebiedsbeheerplannen voor de KRW, die zich, naast de nutriënten uit de landbouw, richten op de andere bronnen van nutriënten zoals rioolwaterzuiveringsinstallaties, bewoond gebied en industrie. Het 7e AP, waarin de maatregelen voor de landbouwopgave worden weergegeven, ondersteunt de stroomgebiedbeheerplannen. Voor verbetering van de oppervlaktewaterkwaliteit en de grondwaterkwaliteit wordt daarom nadrukkelijk de verbinding gezocht met integratie van de waterkwaliteit in de integrale gebiedsgerichte aanpak voor het Landelijke gebied vanuit het coalitieakkoord 2021-2025 ('Omzien naar elkaar, vooruitkijken naar de toekomst'). Hierin is een forse investering opgenomen in een duurzame landbouw en in een robuust natuurareaal. Om de natuur in Nederland in goede staat te brengen kiest het kabinet voor een brede aanpak die zich richt op de verscheidenheid aan gebieden. Die aanpak richt zich niet alleen op stikstof, maar ook op de (Europese) normen en opgaven van de waterkwaliteit, bodem, klimaat en natuur. Dit addendum geeft een doorvertaling van de ambities uit het Coalitieakkoord naar de maatregelen die het kabinet, in aanvulling op de maatregelen uit het 7e AP, neemt om de doelen voor waterkwaliteit voor zover het de landbouw betreft te halen (hoofdstuk 4).

Onderhavig addendum schetst hoe de problematiek integraal aangepakt wordt en welke stappen Nederland zet om de doelstellingen te halen. Hierbij zal gebruik worden gemaakt van onontkoombare doelen in een gebiedsgerichte aanpak. Monitoring en handhaving zijn hierin cruciaal om de voortgang te bewaken en tijdig in te kunnen grijpen. De restopgave voor de landbouw die met het 7e AP nog niet ondervangen wordt, wordt met de maatregelen in dit addendum opgepakt. Hiermee wordt naar verwachting voldaan aan de eisen van de KRW om uiterlijk per 2027 alle maatregelen te hebben ingezet die benodigd zijn om de nutriëntdoelen te gaan halen. Hiertoe worden de gebiedsgerichte maatregelen uit het Coalitieakkoord ingezet (H3 en 4 in dit addendum), aangevuld met aanvullende maatregelen voor de oppervlaktewaterkwaliteit en het lössgebied (H4).

# 2. Opgave

Het behalen van de doelen van de Nitraatrichtlijn en KRW vraagt om een brongerichte aanpak. Nationaal bezien ligt de grootste opgave bij de landbouw. Grote verschillen in bronbijdragen worden echter op regionaal niveau waargenomen. Hieronder worden de opgaven en mogelijke oplossingsrichtingen vanuit het perspectief van de landbouw weergegeven. De opgave voor de andere bronnen van nutriënten in oppervlaktewater, worden in de 3e Stroomgebiedsbeheerplannen (SGBP) geadresseerd. In de 2e stroomgebiedbeheerplannen 2015-2021 zijn de doelen voor onder meer nutriënten en biologische parameters, die deel uitmaken van de ecologie, per waterlichaam

[1] Kamerstuk 33 037, nr. 431.
[2] Zie bijlagen 3 en 6 bij het 7e AP, Kamerstuk 33 037, nr. 431.

opgenomen.[3] In de ontwerp-3e stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 zijn de doelen voor nutriënten beperkt aangepast.[4]

Voor zowel de Nitraatrichtlijn als de Kaderrichtlijn Water ligt nog een opgave in Nederland. Uit de milieueffectrapportage[5], het addendum op de milieueffectrapportage[6] en het CDM advies[7] over de aanpassingen ten opzichte van het ontwerp 7e AP, blijkt dat met het 7e AP doelbereik voor het grondwater in zicht komt, maar dat de oppervlaktewaterkwaliteitsdoelen voor de landbouwopgave nog niet gehaald worden. In tabel 1 wordt een inschatting gegeven van de huidige opgave voor waterkwaliteit in het bovenste grondwater en het oppervlaktewater[8] (zie ook bijlage 1). De huidige opgave betreft de situatie in 2021, zonder in achtneming van de voorgenomen maatregelen uit het 7e AP en de SGBP. Voor het oppervlaktewater is hierbij gekeken naar zowel de meetpunten uit het KRW-meetnet als de punten uit het Meetnet Nutriënten Landbouw Specifiek Oppervlaktewater – daarmee ligt de focus bij de landbouwopgave, maar worden ook de opgave voor de andere bronnen van nutriënten meegenomen. Uit de tabel blijkt dat voor oppervlaktewater de opgave verdeeld is over de verschillende grondsoorten; er is niet een grondsoort die eruit springt qua opgave. Voor nitraat in het grondwater ligt de opgave met name op de zand- en lössgronden. Als naar nutriënten in grond- en oppervlaktewater wordt gekeken, is de waterkwaliteit alleen in het riviergebied volledig op orde. Ook in het noordelijk veengebied en het noordelijk zeekleigebied is de waterkwaliteit behoorlijk goed op orde. In het lössgebied zijn op alle fronten stevige opgaven. Voor oppervlaktewaterkwaliteit speelt buitenlandse belasting hierbij een grote rol door de grensoverstekende beken. Ook in de Gelderse Vallei zijn nog opgaven voor grond- en oppervlaktewater, net als in Oostelijk Noord-Brabant en Noord Limburg en in het Westelijke zandgebied (bollenstreek).

Tabel 1. Inschatting van opgave anno 2021 per regio voor fosfor en stikstof voor het oppervlaktewater, en voor nitraat voor het grondwater. Het verwachte effect van de maatregelen uit het 7e AP en de 3e SGBP zijn niet meegenomen in deze tabel.

| | Zand noord | Zand oost | Gelderse Vallei | Westelijk Noord-Brabant zand | Oostelijk Noord-Brabant en Limburg zand | Lössgebied | Noordelijk veengebied | Noordelijk zeekleigebied | Westelijk zeeklei | Centraal zeeklei (Flevopolders) | Rivierengebied | Westelijk veengebied | Zuid-Westelijk zeekleigebied | Westelijk zandgebied (bollenregio) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| P oppervlaktewater | | | | | | | | | | | | | | |
| N oppervlaktewater | | | | | | | | | | | | | | |
| Nitraat grondwater | | | | | | | | | | | | | | |

*groen – geen opgave*
*rood – grote opgave*
*oranje – beperkte opgave*

[3] Stroomgebiedbeheerplannen 2016-2021 - Helpdesk water
[4] Ontwerp-stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 - Helpdesk water; WKP Achtergronddocumenten SGBP 2022-2027 (waterkwaliteitsportaal.nl); WKP Factsheets 2020 December (waterkwaliteitsportaal.nl)
[5] Van Boekel, E., P. Groenendijk, J. Kros, L. Renaud, J.C. Voogd, G. Ros, Y. Fujita, G.J. Noij en W. van Dijk, 2021. Effecten van maatregelen in het zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Milieueffectrapportage op planniveau. Wageningen, Wageningen Environmental Research, Rapport 3108, 217 blz. 101 Ref.
[6] Effecten van duurzame bouwplannen op nitraat in uitspoelingswater en de N en P-belasting van oppervlaktewater. Addendum bij: "Effecten van maatregelen in het Zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Milieueffectrapportage op planniveau"
[7] Kwalitatieve beoordeling wijzigingen voorstel beleidspakket 7de Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Commissie Deskundigen Meststoffenwet (CDM), 25 november 2021.
[8] Groenendijk, P. et al (2021) Aanvullende maatregelen op het pakket van het zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn met een gebiedsgerichte oriëntatie 11207723-000-BGS-0001.

# 3. Gebiedsgerichte aanpak

Op 1 juli 2021 is de Wet Stikstofreductie en Natuurverbetering (Wsn) in werking getreden, waarmee de Wet Natuurbescherming is gewijzigd en straks de Omgevingswet zal worden gewijzigd. Hierin zijn belangrijke onderdelen van de structurele aanpak stikstof vastgelegd. Deze aanpak legt ook een belangrijke basis voor de systematiek die ook voor de integrale aanpak voor het landelijke gebied van het huidige kabinet opgezet wordt, gericht op de realisatie van de internationale verplichtingen ten aanzien van natuur, klimaat en waterkwaliteit.
De Wsn regelt onder meer drie wettelijk verplichtende omgevingswaarden (resultaatsverplichtingen) voor stikstofreductie: in 2025 moet minimaal 40% van het areaal van de stikstofgevoelige natuur in beschermde Natura 2000-gebieden een gezond stikstofniveau hebben; in 2030 minimaal de helft en in 2035 minimaal 74%. In het Coalitieakkoord is aangekondigd de doelstelling van de Wsn te versnellen om in 2030 op minimaal 74% van het areaal stikstofgevoelige natuur in beschermde Natura-2000 gebieden onder de kritische depositiewaarde te brengen, waarbij alle sectoren hun evenredige stikstofbijdrage leveren. Hiertoe zal het kabinet binnen afzienbare tijd een wijziging van de Wsn voor voorbereiden.

De wet geeft de opdracht tot het nemen van maatregelen om stikstofreductie te bereiken en de natuur te herstellen. Maatregelen zoals de provinciale aankoop veehouderijen nabij Natura 2000-gebieden hebben naast stikstofreductie ook effect op de doelstellingen van de KRW. Ook regelt de wet de tussentijdse monitoring en zo nodig bijsturing.

Het Programma Stikstofreductie en Natuurverbetering (Psn) is de plek waar belangrijke onderdelen van de stikstofaanpak samenkomen. Het Programma legt op grond van de Wsn de wijze vast waarop de structurele aanpak stikstof en natuur (gebiedsgericht) wordt uitgevoerd en bevat uitvoeringsplichten en procesafspraken voor de verschillende bestuursorganen. Naast de bron- en natuurmaatregelen wordt in het Psn vastgelegd op welke wijze de rapportagecyclus en monitoringsopgave ingevuld moet worden. Ook wordt in het programma de uitvoeringsplicht vastgelegd tot het realiseren van de natuurdoelanalyses. In het Psn zal worden opgenomen op welke wijze de nationale, bindende omgevingswaarden zal worden vertaald naar regionaal niveau. In het Psn is tevens een bijsturingsladder opgenomen die het effect van maatregelen kan verhogen of versnellen indien deze tegenvallen; en een sociaaleconomische effectenbeoordeling van maatregelen.

Uit de Wsn volgt de verplichting om uiterlijk in juli 2023 de conceptgebiedsplannen te publiceren waarin per gebied wordt omschreven welke maatregelen worden genomen om de stikstofdoelstellingen van de Wet te realiseren. In voorbereiding hierop worden op dit moment natuurdoelanalyses gemaakt waarin per gebied de staat van de natuur wordt omschreven en in kaart wordt gebracht wat de eventuele resterende opgave is om daarmee richting te geven aan aanvullende maatregelen. Een eerste quick-scan van de natuurdoelanalyses zal in maart 2022 afgerond worden. De afgeronde natuurdoelanalyses zijn voorzien voor eind 2022 uiterlijk medio 2023.

Het Psn is voorzien om medio mei 2022 te worden gepubliceerd ten behoeve van een inspraakprocedure. Uiteindelijke vaststelling en publicatie van het programma staat voorgenomen voor de tweede helft van 2022, waarna het programma bindend zal zijn.

In aanvulling op de structurele aanpak stikstof, die nu in uitvoering is, kiest het kabinet voor verregaande extra stappen met een onontkoombare, gebiedsgerichte, integrale aanpak. Deze aanpak ziet op de realisatie van de drie internationale opgaven ten aanzien van natuur (stikstof), klimaat en water. Deze aanpak krijgt vorm onder het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG). Het doel van het NPLG is om, via een gebiedsgerichte benadering, te voldoen aan de internationale verplichtingen van de Vogel- en Habitat Richtlijn (VHR), de KRW en de verplichtingen voor landbouw en landgebruik vanuit Fit for 55. De aanpak zal daarmee ook leiden tot doelbereik aan de verplichtingen die volgen uit de Nitraatrichtlijn en de KRW voor wat betreft de landbouwopgave.

Zoals eerder aangegeven komt met het 7e AP het doelbereik voor het grondwater in zicht, maar nog niet voor de oppervlaktewaterkwaliteitsdoelen. Deze opgave kan het beste worden aangepakt met gebiedsgerichte maatregelen die specifiek passend zijn voor de lokale omstandigheden op gebiedsniveau of zelfs bedrijfs- of perceelsniveau. Daarbij zijn soms stevige maatregelen nodig en maatregelen die zich richten op ruimtelijke inrichting en veranderingen in het watersysteem, zoals inrichting van brede beekdalen. Het NPLG zorgt voor deze gebiedsgerichte aanpak en draagt bij aan de financiering en mogelijkheden om de opgave op te pakken. De maatregelen in het kader van de Stikstofaanpak bieden de kans om de doelen voor de Nitraatrichtlijn en de KRW te gaan halen, ook doordat hiermee ingrijpende maatregelen genomen kunnen worden om de landbouw te extensiveren in aantallen dieren en toepassen van uitspoelingsgevoelige teelten, en hiermee de input van stikstof (en fosfor) in het milieu te reduceren.

Onder de aanpak zal per gebied inzichtelijk gemaakt worden welke maatregelen nodig zijn om te voldoen aan deze internationale verplichtingen. Op dit moment wordt geïnventariseerd of het al mogelijk is om in 2023 te komen tot integrale gebiedsplannen. Het kabinet kiest ervoor deze opgaven in samenhang te bezien met het oog op doelmatigheid, maar ook met het oog op het bieden van duidelijkheid en zekerheid aan betrokken partijen en het zeker stellen dat het doelbereik van de opgaves wordt gehaald. Het kabinet kiest voor een onontkoombare aanpak, waarbij geldt dat de invulling grotendeels gebiedsgericht plaatsvindt onder stevige nationale regie opdat zeker wordt gesteld dat de doelstellingen gerealiseerd worden. De kenmerken van een gebied, in het bijzonder ten aanzien van bodem en water, zijn belangrijke factoren bij het vastleggen van de benodigde maatregelen in de gebiedsplannen. Ten behoeve van de aanpak heeft het kabinet 25 miljard euro gereserveerd. Om perspectief te bieden aan de landbouw wordt de ingezette transitie naar kringlooplandbouw verder gestimuleerd.

Met het NPLG worden een viertal doelen integraal geadresseerd en opgepakt, te weten: stikstof, natuur, waterkwaliteit en klimaat:

Stikstof: Aanpassing (Wet natuurbescherming[9] en) van de Omgevingswet waarbij de omgevingswaarden voor stikstof wordt versneld. Dit houdt in dat per 2030 74% van stikstofgevoelige Natura2000-gebieden onder de KDW gebracht moet zijn in plaats van de eerder gestelde 2035.
Klimaat: 5 Mton $CO_2$-reductie in 2030, te realiseren vanuit de landbouw / landgebruik.
Water: In 2027 moeten alle maatregelen uitgevoerd zijn om aan de doelen van de KRW te gaan voldoen. In het NPLG wordt de landbouwopgave van de KRW geadresseerd.
Natuur: Uitbreiden natuurareaal en versterken huidige natuur

Uitvoering van de bijdrage in de transitie landelijk gebied:

Een Nationaal Programma Landelijk Gebied
Transitiefonds €25 miljard tot 2035 (zie ook hoofdstuk 5).
Vanuit de Nitraatrichtlijn en KRW zijn de doelen al gesteld.
De oprichting van een regie-autoriteit, conform het regeerakkoord ten behoeve van de realisatie van de aanpak.
Het maken van bestuurlijke afspraken met provincies over hun rol als gebiedsautoriteit.
Opkoop van boerderijen en grond.
Extensivering, omschakeling, legalisering en verplaatsing van agrarische bedrijven als mede innovatie.

De komende tijd werkt het kabinet, met betrokken partners uit hoe de verschillende afzonderlijke programma's zich verhouden tot het NPLG, om zo te komen tot één integrale (gebiedsgerichte) aanpak. Voor de Nitraatrichtlijn zijn de doelen landelijk vastgesteld. Voor de KRW zijn per waterlichaam doelen vastgesteld door de provincie op advies van de waterschappen. De opgave is bekend vanuit de Nationale Analyse Waterkwaliteit[10] en de Ex-ante analyse van de Stroomgebiedsbeheerplannen[11].

---

[9] Afhankelijk van datum inwerkingtreding Omgevingswet
[10] Nationale Analyse Waterkwaliteit. PBL, 2020. https://www.pbl.nl/publicaties/nationale-analyse-waterkwaliteit-0
[11] Knoben, Verhagen, Schoffelen, Rost, 2021. Ex-ante analyse Waterkwaliteit. Royal HaskoningDHV, BH7109WMRO2109281159

Op basis van de huidige monitoringssystematiek die ten grondslag ligt aan de geleverde EU rapportages en, aanvullende ecologische analyses, worden op gebiedsniveau de opgaven voor natuur (incl. stikstofreductie), waterkwaliteit, klimaat, bodem en biodiversiteit in beeld gebracht.

Voor natuur brengen ecologische analyses (de natuurdoelanalyses) de natuuropgave per N2000 gebied in kaart, binnen de kaders van de instandhoudingsdoelen van de VHR en de condities om die doelen te halen, om te bepalen wat nodig is om de gebiedsspecifieke doelen op het gebied van natuurbehoud en -herstel te realiseren. Met behulp van deze ecologische analyse worden regionale specifieke stikstof- en natuurdoelen en maatregelen vastgesteld en conform de wet in 2023 per provincie vastgelegd in de gebiedsplannen. Hierbij wordt het tijdspad uit de Wsn aangehouden. Een Ecologische Autoriteit zal zorgdragen voor de wetenschappelijke basis van deze analyses om zo ook de juridische basis van deze analyses voor de Natura2000-gebieden te versterken. De voorbereidingen voor deze aanstelling, die voorzien is voor medio 2022, zijn momenteel in volle gang.

Binnen het NPLG wordt bekeken hoe de overige doelen en maatregelen van de overige doelstellingen van de integrale aanpak meegenomen zullen worden. Hierbij zal het NPLG in navolging van het gebiedsspecifieke bodem- en watersysteem de voorwaarden en ontwikkelperspectieven voor toekomstige landbouwpraktijken inzichtelijk maken.

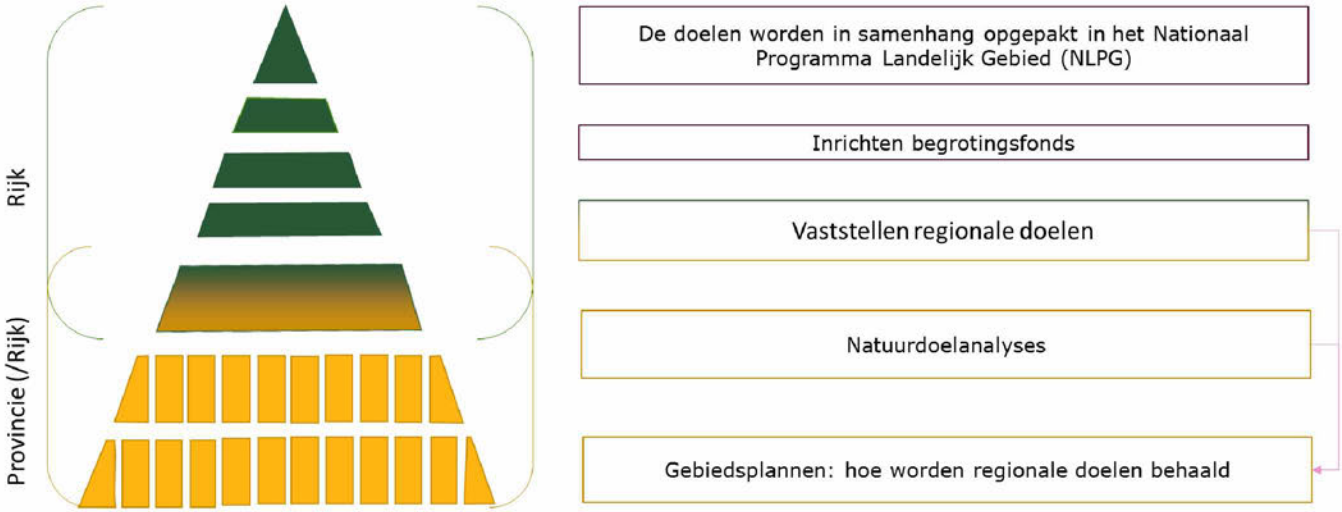


In de aanpak worden de nationale verplichtingen regionaal door vertaald en maatregelen worden opgenomen in de gebiedsplannen. Onontkoombaarheid omvat ook een duidelijk escalatiemechanisme, dat het gebruik van meer dwingende instrumenten niet categorisch uitsluit. De Omgevingswet biedt de nodige instrumenten om de onvermijdelijkheid ook bij niet-naleving te garanderen en zal dienovereenkomstig worden ingezet. Als een (regionale) of lokale doelstelling in de vorm van een omgevingswaarde op grond van de Omgevingswet dreigt niet te worden gehaald, geldt op grond van de Omgevingswet in ieder geval een programmaplicht. In dat geval moeten maatregelen worden genomen om alsnog tijdig aan de omgevingswaarde te voldoen. De Rijksoverheid kan met betrekking tot dat programma nadere regels stellen. Bestuursorganen hebben de plicht om doelen te realiseren en door hen afgesproken maatregelen uit te voeren.

Algemene bestuursinstrumenten zijn onder meer de inzet van financiële instrumenten, bestuurlijke afspraken en beleidsregels voor de invulling van bestaande bevoegdheden, bijvoorbeeld op het gebied van vergunningen en registratiebevoegdheid. Lokale overheden hebben bijzondere bevoegdheden, zoals toelating bestemmingen in het kader van de ruimtelijke ordening en

voorkeursrecht. Provincies, gemeenten en waterschappen hebben elk sturingsmogelijkheden via de algemene instrumenten van de Omgevingswet, waaronder de omgevingsvisies, programma's gekoppeld aan regionale of lokale omgevingswaarden en decentrale regelgeving (normering, taakverdeling). Regels kunnen worden onderscheiden per zone/gebied. Provincies kunnen via instructieregels ook eisen stellen aan omgevingsplannen voor gemeenten. Alle instrumenten en bevoegdheden die nu in de Wet Natuurbescherming zijn opgenomen, vallen straks onder de regels van de Omgevingswet.

De Omgevingswet bevat het instrumentarium voor de fysieke leefomgeving waaronder natuurverbetering en regels over vergunningverlening voor economische activiteiten. Het Rijk kan bij amvb regels stellen voor burgers en bedrijven en instructieregels aan provincies en gemeentes voor grond- en oppervlaktewaterkwaliteit. De omgevingswaarden voor het bereiken van een goede toestand van de grond- en oppervlaktelichamen komen voort uit de huidige Waterwet en de Wet milieubeheer en zijn een invulling van de eisen van de KRW.

# 4. Voorgenomen maatregelen waterkwaliteit

## 4.1 Inleiding

De maatregelen voor de waterkwaliteit vallen uiteen in een drietal verschillende onderdelen. Bij de integrale, gebiedsgerichte aanpak wordt per gebied bekeken welke maatregelen nodig zijn om de integrale doelen te halen, waaronder de doelen voor de waterkwaliteit. In bijlage 3 staat het overzicht en tijdspad van de te nemen maatregelen uit het 7e AP en bijbehorende addendum.
In bijlage 3 zijn de maatregelen die vanuit de SGBP worden genomen niet opgenomen. In de integrale, gebiedsgerichte aanpak is extensivering van bedrijven en omschakeling naar duurzamere landbouwsystemen een expliciet onderdeel. De nadruk ligt op minder vee en minder mestdruk en, vanuit waterkwaliteit gezien, minder uitspoelingsgevoelige teelten. De opkoop en afwaardering van gronden zal zich dan ook niet alleen richten op veeteelt, maar ook op akkerbouw- en tuinbouwbedrijven op uitspoelingsgevoelige gronden. Daarbij wordt rekening gehouden met natuurlijk verloop in de sector.
Er zullen gebieden zijn waar de opgave tot emissiereductie en natuurherstel dermate groot is dat met vrijwilligheid de doelen niet tijdig gehaald kunnen worden. Om doelen tijdig te kunnen halen is gedwongen opkoop een mogelijkheid, nadat andere mogelijkheden ontoereikend zijn gebleken.

## 4.2 Extensivering van de landbouw

### 4.2.1 Opkoop van bedrijven en afwaardering van gronden

In de uitvoering van het NPLG kan opkoop en beëindiging van veehouderijbedrijven een deel van uitmaken. Bij de opkoop en beëindiging van veehouderijbedrijven worden de productierechten (fosfaat-, varkens- en pluimveerechten) ingenomen en doorgehaald. Hierdoor zal de omvang van de veestapel en daarmee ook de productie van dierlijke mest afnemen. Doorrekeningen van de kennisinstellingen geven aan dat de afname van de veestapel naar verwachting tussen de 20% en 30% zou moeten liggen, te verdelen over runderen, varkens en pluimvee in de periode tot 2030.[12] De doelstellingen van de integrale aanpak zullen waarschijnlijk leiden tot een hoger reductiepercentage. Deze afname zal een grote verlichting geven op de mestmarkt, waarmee ook de fraudedruk kan verminderen, met name als dit wordt gericht op de gebieden met de grootste veedichtheid (Noord-Brabant, het noorden van Limburg en Gelderse Vallei).

Het innemen en doorhalen van productierechten betekent dat er ruimte zal ontstaan onder de sectorale productieplafonds voor fosfaat en stikstof die zijn opgenomen in de Meststoffenwet. Om te borgen dat deze ruimte niet opnieuw zal kunnen worden ingevuld, zullen deze productieplafonds naar beneden worden bijgesteld, volgend op de resultaten van de opkoop als onderdeel van de gebiedsgerichte aanpak. Hiertoe wordt een wijziging van de Meststoffenwet in gang gezet, dat aansluit op het tempo van het tot effect komen van de ontwikkelingen in het gebiedsproces.

De waterkwaliteit onder landbouwbedrijven is in sterke mate afhankelijk van de gewassen die geteeld worden. In de integrale gebiedsgerichte aanpak wordt dan ook niet alleen gekeken naar de

[12] Planbureau voor de Leefomgeving, Quickscan van twee beleidspakketten voor de structurele aanpak stikstof. Bijlage bij Kamerstuk 35 334, nr. 170.

mestproductie en de emissies die daarbij vrijkomen, maar uitdrukkelijk ook naar de mestaanwending in de plantaardige teelten en de uitspoelingsgevoeligheid van de teelten zelf. Opkoop of beëindiging van landbouwbedrijven of afwaardering van gronden kan naast veehouderijen ook gericht zijn op akkerbouwbedrijven, indien uit de gebiedsanalyse blijkt dat het omzetten van akkerbouwmatige of tuinbouwmatige teelten naar niet-uitspoelingsgevoelige teelten (vaak financieel minder aantrekkelijk) benodigd is om de waterkwaliteitsdoelen te halen, bijvoorbeeld in beekdalen of in gebieden waar de opgave voor waterkwaliteit niet op andere wijze aangepakt kan worden (zie hierna). Tevens kan opkoop op een plek via grondruil op een andere plek leiden tot een aanpassing van teelten ten behoeve van de waterkwaliteit en een betere koppeling tussen grondsoort en teelten.

Op uitspoelingsgevoelige gronden komen de vrijvallende gronden exclusief beschikbaar voor gebruik met lage emissies zoals natuur, natuurinclusieve landbouw met beperkt uitspoelingsrisico van nutriënten of extensieve niet-uitspoelingsgevoelige teelten. Borging vindt plaats als de gronden in een op te richten Grondbank terecht komen of bij andere overheidspartijen en deze verpacht worden onder strikte voorwaarden, via verkoop met kettingbeding of via aanvullende voorwaarden in bestemmingsplannen. Door in de gebieden met uitspoelingsgevoelige gronden de vrijvallende gronden om te zetten tot natuur, extensieve niet-uitspoelingsgevoelige teelten of natuurinclusief grasland, zal de grondwater- en oppervlaktewaterkwaliteit verbeteren.

### 4.2.3 Grondgebondenheid

Verder zal de melkveehouderij binnen 10 jaar volledig grondgebonden zijn. Dit sluit aan bij het 7e AP, het Coalitieakkoord en het voorziene toekomstige mestbeleid. Het kabinet brengt een wijziging van de Meststoffenwet in procedure waarmee wordt vastgelegd dat de melkveehouderij binnen 10 jaar volledig grondgebonden moet zijn. Daarbij hoort ook een aanzienlijk areaal (deels permanent) grasland.

De komende maanden zal deze koppeling tussen grondgebondenheid en het aandeel (permanent) grasland dat een melkvee- of rundvleesveebedrijf (zoog- en weidekoeien) dient te hebben, nader uitgewerkt worden. Dit zal resulteren in extensivering van de bedrijven en bijbehorende afname van de te plaatsen mest en daarmee naar verwachting een positief effect op de waterkwaliteit in de betreffende gebieden tot gevolg hebben.

## 4.3 Brede beekdalen

Zoals aangegeven in hoofdstuk 3 worden op gebiedsniveau de doelen vastgelegd en wordt vervolgens als onderdeel van de integrale, gebiedsgerichte aanpak bekeken welke maatregelen op welke plek het meest effectief zijn om de doelen te halen. Dit zal dus op gebiedsniveau worden ingevuld. Als input hiervoor heeft het kabinet onderzoek laten doen naar de maatregelen die kunnen leiden tot doelbereik van de KRW. Uit de analyse van Wageningen Universiteit en Research (hierna: WUR) ten behoeve van bepaling van de kansen van de stikstofaanpak voor het doelbereik van de KRW voor nutriënten[13], komt naar voren dat een belangrijke maatregel, in aanvulling op het 7e AP, het inrichten van 100-250 meter brede bufferstroken is in beekdalen in de zandgebieden van Centraal Nederland, Oost Nederland en Zuid Nederland. De realisatie hiervan wordt onderdeel van de integrale gebiedsgerichte aanpak, zoals opgenomen in het Coalitieakkoord, waarin een breed palet aan instrumenten beschikbaar is. Als onderdeel van deze integrale, gebiedsgerichte aanpak zal worden bepaald welke breedte in de range 100-250 meter noodzakelijk is voor doelbereik van de KRW per gebied, waarbij ook de opgaven voor droogte en wateroverlast worden betrokken. Direct aansluitend wordt overgegaan tot implementatie van deze instrumenten waarbij boeren overgaan op natuurinclusief grasland beheer met uitmijnregime in deze zone of dat grond wordt opgekocht en verpacht dan wel verkocht aan beherende partijen ten behoeve van bijvoorbeeld natuurgrond of natuurinclusief grasland met uitmijnregime. Hiermee draagt deze aanpak ook bij aan de grondwaterkwaliteit, en daarmee indirect aan de oppervlaktewaterkwaliteit. Vanuit de KRW dienen in 2027 de maatregelen genomen te zijn om de doelen op termijn te gaan halen. Ter borging van de voornoemde veranderingen van grondgebruik in beekdalen als onderdeel van de gebiedsaanpak, beziet het kabinet de mogelijkheid om per 2027 een bestemmingsplanwijziging in

[13] Groenendijk, 2021. Memo. Kansen van de stikstofaanpak voor het doelbereik van de KRW voor nutriënten. In de memo is aangegeven op welke wijze is omgegaan met beken en beekdalen omdat deze geen officiële ruimtelijke begrenzing kennen (hoofdstuk 4).

te doen gaan waarmee de verplichting tot bijvoorbeeld natuurgrond of natuur inclusief grasland met extensieve begrazing wordt vastgelegd. Uitgangspunt is dat de bijbehorende afwaardering van de grond voor de landbouw wordt gecompenseerd.

## 4.4 Additionele maatregelen ten behoeve van de oppervlaktewaterkwaliteit

De bovenstaande extensivering van de landbouwsector en omzetting van vrijvallende gronden naar emissiearm gebruik zoals natuur, natuurinclusieve landbouw met beperkt uitspoelingsrisico van nutriënten of extensieve niet-uitspoelingsgevoelige teelten zal een stevige verbetering van de grond- en oppervlaktewaterkwaliteit opleveren. Echter zijn deze niet voldoende om de doelen voor waterkwaliteit overal tijdig te gaan halen. WUR heeft in samenwerking met Deltares, TNO en Universiteit Utrecht in beeld gebracht welke aanvullende maatregelen effectief zijn om op gebiedsniveau de resterende opgave voor verbetering van de oppervlaktewaterkwaliteit waar het de landbouw betreft, te realiseren.[14] Hierbij wordt een onderscheid gemaakt per grondsoort. De hieronder benoemde maatregelen zullen worden opgenomen in de integrale gebiedsgerichte aanpak.

<u>Zandgronden</u>
Afhankelijk van het gebied kunnen tevens specifieke maatregelen nodig zijn voor de oppervlaktewaterkwaliteit in aanvulling op de hierboven genoemde maatregelen. Dit is per gebied verschillend. Hierbij kan gedacht worden aan maatregelen zoals afvang van fosfaat, uitmijnen van fosfaat (opbrengen N en K en teelt P-uitmijnend gewas), verschalen van de bodem (alleen afvoeren gewas), teeltverboden, multifunctionele bufferstroken, zuiveren van drainagewater (ijzerzand of houtsnippers), zuiveren van oppervlaktewater (zuiveringsmoerassen) en verminderen van oppervlakkige afstroming. Welke maatregelen waar dienen te worden genomen, worden opgepakt in het gebiedsplan dat naar aanleiding van NPLG wordt opgesteld. Hierbij kan gebruik gemaakt worden van de Gebiedsdocumenten Agrarische Wateropgave uit het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer waarbij per waterschap een analyse is gemaakt van de opgave en mogelijke maatregelen. Omdat de doelen onontkoombaar zijn, is het nemen van maatregelen niet vrijblijvend. Waar nodig kan een provincie (of in tweede instantie het Rijk) maatregelen verplichtend opleggen in een gebied. De verplichting van omzetting naar natuurgrond of natuurinclusief grasland met extensieve begrazing op uitspoelingsgevoelige gronden wordt vastgelegd. Uitgangspunt is dat de bijbehorende afwaardering van de grond voor de landbouw wordt gecompenseerd.

<u>Klei- en veengronden</u>
Ook in de kleigebieden en veengebieden is de oppervlaktewaterkwaliteit nog niet overal zoals benodigd vanuit de KRW (zie ook de bijlage). Afhankelijk van het gebied zijn specifieke maatregelen nodig voor de oppervlaktewaterkwaliteit. Dit is per gebied verschillend. Hierbij moet gedacht worden aan maatregelen zoals afvang van fosfaat, uitmijnen van fosfaat (opbrengen N en K en teelt P-uitmijnend gewas), verschalen van de bodem (alleen afvoeren gewas), multifunctionele bufferstroken, zuiveren van drainagewater (ijzerzand of houtsnippers), zuiveren van oppervlaktewater (zuiveringsmoerassen) en verminderen van oppervlakkige afstroming. Deze maatregelen zijn aanvullend op de maatregelen opgenomen in het Coalitieakkoord, en zullen worden meegenomen in de integrale gebiedsgerichte aanpak.

Aanvullend zet het kabinet, mede in het licht van de klimaataanpak, in op maatregelen zoals het verhogen van het waterpeil (vernatten) in veenweidegebieden. Naast de klimaatwinst die hiermee gemoeid is, leidt dit ook tot een extensivering in de veenweidegebieden en daarmee minder bemesting van de veenweidegebieden. Dit draagt bij aan minder belasting van het oppervlaktewater. Door vernatting zal er minder stikstof in het oppervlaktewater komen uit actuele bemesting waardoor de waterkwaliteit kan verbeteren. Voor fosfor kan er in eerste instantie meer vrijkomen uit de historische voorraad in de bodem, op langere termijn wordt wel een positief effect verwacht voor fosfor. Voor stikstof wordt direct een positief effect voorzien.

[14] Groenendijk, P. et al (2021) Aanvullende maatregelen op het pakket van het zevende Actieprogramma Nitraatrichtlijn met een gebiedsgerichte oriëntatie 11207723-000-BGS-0001.

Lössgronden
Uit de MER van het 7e AP komt naar voren dat in het lössgebied de doelen voor de grondwaterkwaliteit (nitraat) nog niet gehaald worden (zie hieronder). Ook de doelen voor de oppervlaktewaterkwaliteit zijn nog niet in zicht. Dit laatste wordt hier voor een groot deel ook veroorzaakt door buitenlandse belasting van beken. Door samenwerking met Duitsland en Vlaanderen wordt gewerkt aan vermindering van de buitenlandse belasting, dit maakt deel uit van de 3e Stroomgebiedbeheerplannen. De hiervoor benoemde geïntegreerde, gebiedsgerichte aanpak gaat ook in het lössgebied bijdragen aan een verbetering. Ook de uitkoop en afwaardering van akkerbouw- en tuinbouwareaal zal een positief effect hebben. De aanpak voor veenweidegebieden zal het lössgebied niet beïnvloeden. De aanpak voor de brede beekdalen zal in het lössgebied op andere wijze worden vormgegeven in samenhang met de Hoogwater-aanpak. In een gebiedsgerichte aanpak zal specifiek voor het lössgebied gekeken moeten worden welke maatregelen benodigd zijn om ook hier de doelen te gaan halen aanvullend op de hierboven beschreven extensivering van de landbouwsector. Hierbij kan gedacht worden aan sediment opvangbassins, reductie van teelt van uitspoelingsgevoelige gewassen, maatregelen op oppervlakkige afstroming te beperken, afwisseling diepwisselende en ondiepwisselende gewassen stimuleren, meer advies en bewustwordingstools uitrollen.

## 4.5 Additionele maatregelen ten behoeve van de grondwaterkwaliteit in het lössgebied

Uit de MER van het 7e AP komt naar voren dat in het lössgebied de doelen voor de grondwaterkwaliteit (nitraat) nog niet gehaald worden. Hierbij speelt wel de samenwerking over de grens. Hierdoor kan druk in de aanliggende gebieden ook invloed hebben in de landbouwsector in Nederland. In een gebiedsgerichte aanpak zal specifiek voor het lössgebied gekeken moeten worden welke maatregelen benodigd zijn om ook hier de doelen te gaan halen. Daarbij kan het weren of reduceren van specifieke teelten noodzakelijk blijken. Een van de maatregelen zal zijn om zowel voor de zand- als lössgronden de periode van toepassen van plantaardig digestaat gelijk te maken aan de periode voor digestaat van dierlijke oorsprong. Hiermee wordt voorkomen dat plantaardig digestaat op een moment in het jaar wordt toegepast dat deze niet wordt opgenomen door het gewas en een vergroot risico op uitspoeling ontstaat.

## 4.6 Natura 2000 gebieden

In aanvulling op de bovengenoemde maatregelen kan specifiek voor bepaalde Natura2000 gebieden aanvullende maatregelen benodigd zijn om de natuurdoelen te kunnen behalen. Dit zal uit de Ecologische analyses moeten blijken per gebied.

## 4.7 Maatwerkaanpak waterkwaliteit

Als onderdeel van het 7e AP wordt in samenwerking tussen overheden, sector en ketenpartijen, uitgewerkt hoe tot een handhaafbare, uitvoerbare en betaalbare aanpak gekomen kan worden waarbij boeren individueel of in groepen zelf maatregelen nemen die tot een minimaal gelijkwaardige waterkwaliteitsverbetering komen als de maatregelen uit het 7e AP en/of het al bestaande mestbeleid welke door het Rijk zijn of worden vastgesteld (maatwerkaanpak, zie 7e AP paragraaf 5.2.3). De komende maanden wordt gewerkt aan een traject om te verkennen of er gekomen kan worden tot een passende maatwerkaanpak die voldoet aan de gestelde voorwaarden. Dit traject wordt onverkort voortgezet en de planning is erop gericht om in de zomer van 2022 een besluit te nemen over daadwerkelijke invoering van de maatwerkaanpak ('go / no go'). De uitwerking van de maatwerkaanpak is gericht op realisatie van de doelen voor zowel de grondwater- als de oppervlaktewaterkwaliteit als onderdeel van het 7e AP. In de uitwerking zal de relatie gelegd worden met de maatregelen uit dit addendum en de gebiedsgerichte aanpak. Hiermee wordt ook uitvoering gegeven aan de motie Geurts en Van Campen (Kamerstuk 35 949, nr. 11). Maatregelen voor natuurverbetering en klimaat vallen buiten de reikwijdte van de maatwerkaanpak.

# 5. Financiering

Het realiseren van de doelen voor stikstof, waterkwaliteit en klimaat betekent onmiskenbaar een grote omslag van de landbouw. Het kabinet stelt voor het via het NPLG behalen van doelen op het terrein van natuur/stikstof, klimaat (landbouw en landgebruik exclusief glastuinbouw) en waterkwaliteit  een budget van € 25 miljard beschikbaar voor de periode 2022-2035. Hiervan is bijna € 17,5 miljard geraamd voor opkoop van landbouwbedrijven, financiële afwaardering van grond en additionele maatregelen ten behoeve van het realiseren van de oppervlaktewaterkwaliteitsdoelen van de KRW. Met de beschikbare budgetten vanuit het Coalitie Akkoord en de uitvoering van het 7e AP kunnen grote stappen worden gezet om de opgave voor de waterkwaliteit te realiseren, echter nog niet volledig. Tevens zijn er andere, additionele, financiële middelen waarmee kan worden mee gekoppeld zoals het Deltaprogramma Zoetwater (o.a. wateraanvoer veenweidegebied), de Hoogwateraanpak in Zuid Limburg (o.a. voor beekdalen in het lössgebied) en het Nationaal Strategisch Plan van het GLB (o.a. voor veenweidegebied). Met behulp van mee koppeling met additionele financiële middelen, is voorzien dat de opgave voor de waterkwaliteit voor het grootste deel gehaald kan worden.

Het volledige budgettaire kader vanuit het Coalitieakkoord is als volgt:

| **Stikstoffonds: maatregelen per spoor in mln. cumulatief** | **2022-2030** | **2030-2035** |
|---|---|---|
| **Spoor 1: Opkoop, financiële afwaardering grond en KRW** | **13.800** | **3.681** |
| w.v. Opkoop indicatieve mix melkvee, pluimvee en varkens | 6.100 | 1.315 |
| w.v. Financiële afwaardering grond (melkvee) | 5.700 | 1.225 |
| w.v. Uitbreiden natuurareaal (niet zijnde natura 2000) | 1.330 | 1.000 |
| w.v. Additioneel tbv Kaderrichtlijn Water (KRW) | 670 | 141 |
| **Spoor 2: Perspectief blijvers: verder met ingezette route naar verduurzaaming** | **4.450** | **943** |
| w.v. Natuurinclusieve landbouw | 2.220 | 470 |
| w.v. Innovatieve Stalsystemen en managementmaatregelen | 1.000 | 212 |
| w.v. Beleid rond ondernemerschap en innovatie | 1.230 | 261 |
| **Uitvoeringskosten** | **1.750** | **376** |
| **Totaal** | **20.000** | **5.000** |

# 6. Overige trajecten die bijdragen aan doelbereik 7e AP

## 6.1 Bijdrage GLB

Het nationaal strategisch plan (NSP) voor het GLB is een belangrijk beleidsinstrument om eraan bij te dragen de doelen van dit actieprogramma te behalen. De interventiestrategie van het NSP is daar sterk op gericht. Met een sterke focus op de groen blauwe architectuur en op innovatie, investeringen en kennis met de daarvoor benodigde financiële middelen. Om met het GLB invulling te geven aan deze behoeften worden financiële middelen overgeheveld van het garantiefonds (focus op inkomenssteun) naar het plattelandsfonds (focus op doelgerichte betalingen). Stapsgewijs jaarlijks oplopend van 15% in 2023 naar 30% in 2027 om de ambitie naar duurzame landbouw met het GLB te ondersteunen. Tijdens de mid-term review kan dit groeimodel eventueel worden bijgestuurd. Omdat de Nitraatrichtlijn zelf onderdeel van de conditionaliteit in het GLB is, zijn de maatregelen van het actieprogramma basisvoorwaarde voor de inzet van het GLB. Aangevuld met de goede landbouw- en milieucondities, met name GLMC4 (bufferstroken) en GLMC7 (rotatie), is bewust gekozen voor een strategische combinatie van het actieprogramma met de ecoregeling en de agrarisch natuurbeheer subsidies in het GLB. Hierbij wordt nadrukkelijk

ingezet op het behalen van de doelstellingen van het actieprogramma door de balans tussen afdwingen en stimuleren zodanig in te richten dat het GLB zo effectief mogelijk bijdraagt.

De forse stap ten aanzien van de nieuwe eisen voor de bufferstroken geldt als basisvoorwaarde voor het ontvangen van GLB-steun en met subsidies in de vorm de van ecoregeling, het ANLb (Agro Milieu Klimaatmaatregelen) en die voor samenwerkingsprojecten worden boeren gestimuleerd om nog verder te gaan. Duurzame bouwplannen met de verplichte teelt van een rustgewas eens per 4 jaar op zand en lössgronden worden afgedwongen in het GLB met GLMC7. Er wordt gericht gewerkt naar een verdere stap in duurzame bouwplannen door eens per drie jaar een rustgewas op zand en lössgronden af te dwingen per 2027. In de periode naar 2027 toe worden boeren met subsidie via de ecoregeling gestimuleerd deze stap naar 1 op 3 rustgewassen al eerder te maken. De GLMS's zijn van toepassing op grondgebonden interventies in de eerste en tweede pijler van het GLB.

Met een grondgebonden ecoregeling wordt verdergaande verduurzaming en extensivering gestimuleerd. Zoals voor bouwland met de activiteiten rustgewassen in de rotatie en het telen van vanggewassen na de hoofdteelt en voor grasland met de activiteiten langjarig grasland en een maximum van 1,5 GVE graasdieren per ha grasland op het bedrijf waarvoor landbouwers een prestatiegerichte beloning kunnen ontvangen. De ecoregeling stimuleert bovendien biologische landbouw, aangezien biologische landbouw automatisch in aanmerking komt voor het hoogste subsidiebedrag. De ecoregeling kan gedifferentieerd worden naar gebieden. Jaarlijks is € 152 mln beschikbaar voor de totale ecoregeling.

De grote opgaven vragen om een gebiedsgerichte aanpak. Dit wordt in de tweede pijler geïntensiveerd, aansluitend op de integrale gebiedsontwikkelingsplannen.

Het ANLb met zijn collectieve aanpak wordt gecontinueerd, uitgebreid en verbreed in scope met water en klimaat. Voor ANLb is in 2023 € 113 mln beschikbaar en dat groeit tot € 130 mln in 2027. Aanvullend zijn er in het GLB ruime mogelijkheden voor boeren om subsidies aan te vragen voor investeringen gericht op het behalen van de doelstelling van het 7e actieprogramma. Voorbeelden zijn precisielandbouw en betere mestaanwendingstechnieken. Voor productieve investeringen gericht op duurzaamheid is in de GLB-NSP periode € 132 mln beschikbaar. Voor niet productieve investeringen, met name op het gebied van water € 158 mln. en voor investeringen in het kader van de groen blauwe architectuur € 69 mln. Om Natura 2000 gebieden extra te beschermen worden via gebiedsprocessen in overgangsgebieden rondom die N2000 gebieden maatregelen genomen om de druk van stikstofuitstoot te reduceren en de kwaliteit van bodem en water te verbeteren. Hiervoor is samen met het herstel van het waterpeil in veenweide gebieden in totaal € 223 mln gereserveerd.

Kennisverspreiding op het gebied van effectief nutriëntenbeheer wordt met GLB-subsidies gestimuleerd. Tot slot wordt het LEADER-budget uitgebreid en bewust gericht op duurzaamheidsdoelen.

De uitvoering van het GLB wordt nationaal nauwgezet gemonitord en periodiek geëvalueerd en indien nodig bijgesteld. Daarbij wordt niet alleen gekeken naar de gevolgen van de maatregelen voor de boeren maar ook naar het effect op klimaat, leefmilieu en biodiversiteit. Hiertoe wordt een nationaal integraal monitoringssysteem opgezet in 2022. De mid-term review in 2025 is een belangrijke mijlpaal.

## 6.2 Bijdrage Stroomgebiedbeheerplannen

Met de uitvoering van de Nitraatrichtlijn wordt bijgedragen aan de doelen van de KRW[15], waar het de landbouw betreft. De KRW is een overkoepelende richtlijn, die bepaalt dat uiterlijk in 2027 alle maatregelen moeten zijn genomen die resulteren in chemisch schoon en ecologisch gezond water. Naast belasting door nutriënten uit de landbouw, zorgen andere bronnen voor watervervuiling. De aanpak van deze bronnen zoals rioolwaterzuiveringsinstallaties, behoort tot de verantwoordelijkheid van de waterschappen en provincies. Voor buitenlandse aanvoer ligt de verantwoordelijkheid bij het Rijk. Waterschappen dragen bij aan de SGBP die gericht zijn op

[15] Richtlijn 2000/60/EG van het Europees Parlement en de Raad van 23 oktober 2000 tot vaststelling van een kader voor communautaire maatregelen betreffende het waterbeleid

doelbereik van de KRW. Begin 2022 start de uitvoering van de SGBP voor de periode 2022-2027. De concrete doelen voor onder andere nutriënten zijn specifiek per KRW-oppervlaktewaterlichaam en worden door de waterschappen op basis van landelijke doelen voor natuurlijke watertypen en een handreiking opgesteld, waarna de provincies de doelen vaststellen. Het 7e AP dient zowel een belangrijke bijdrage te leveren aan de grondwater- als aan de oppervlaktewaterkwaliteit. Met het voorliggende document en het 7e AP (2022-2025), voldoet Nederland aan de verplichting de Europese Commissie in kennis te stellen van wijzigingen in het actieprogramma.

## 6.3 Bijdrage Deltaplan Agrarisch Waterbeheer

Het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer (DAW) is in 2013 ontstaan op initiatief van de overkoepelende land- en tuinbouworganisaties (LTO). Het beoogt om in samenwerking met onder andere de waterschappen, provincies, drinkwaterbedrijven en het Rijk een bijdrage te leveren aan de wateropgaven (cf. Nitraatrichtlijn en KRW) in agrarische gebieden en het realiseren van een economisch sterke en duurzame landbouw. Dat gebeurt met vrijwillige maatregelen die met name gericht zijn op minder emissie van nutriënten en gewasbeschermingsmiddelen naar het water en een beter bodembeheer. Het DAW richt zich op alle 50.000 agrariërs in Nederland en wil deze stimuleren tot het nemen van maatregelen en de samenwerking met de waterschappen en drinkwaterbedrijven bevorderen. Dit onder andere door het delen van kennis en praktijkervaring van agrariërs, initiatieven te stimuleren, metingen op het boerenerf en –landerijen te stimuleren en te faciliteren en door gebiedsprocessen te starten. DAW kent in 2021 een groot aantal projecten en een behoorlijk deelnemersaantal; de website www.agrarischwaterbeheer.nl bevat uitgebreide informatie hierover met tal van praktijkvoorbeelden van projecten.

In het kader van de 'Impuls voor agrarisch waterbeheer' worden momenteel 21 Gebiedsdocumenten Agrarisch Waterbeheer (GAW's) opgesteld. De waterschappen leggen samen met LTO en boeren van inliggende bedrijven vast welke agrarische wateropgaven er binnen het waterschap resteren. Daarbij gaat het niet alleen om nutriënten én gewasbeschermingsmiddelen in relatie tot waterkwaliteit, maar ook om opgaven om schade door droogte en wateroverlast te voorkomen. Ook wordt in de GAW's een passend handelingsperspectief aan de landbouwsector geboden. De GAW's vormen de basis voor uitvoeringsprogramma's die begin 2022 bestuurlijk (waterschappen, provincie en landbouwbedrijfsleven) worden vastgesteld. In het 7e AP gaat DAW een belangrijke rol spelen in het vergroten van de bewustwording en kennis bij de agrarische sector en in het stimuleren van de inzet van maatregelen op grond van metingen en deskundig advies. Tevens wordt de kennis van DAW ingezet in de eventuele maatwerkaanpak, waarbij op deze wijze boeren geadviseerd kunnen worden over welke toegespitste maatregelen genomen kunnen worden op het bedrijf.

# Bijlage 1 - Huidige staat van de waterkwaliteit

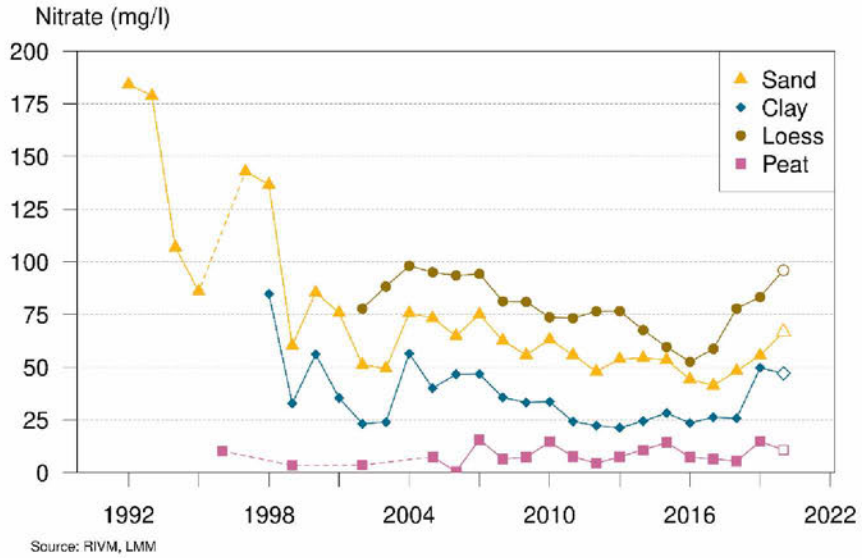


Grondwater, Landelijk Meetnet Effecten Mestbeleid, RIVM, laatste cijfers

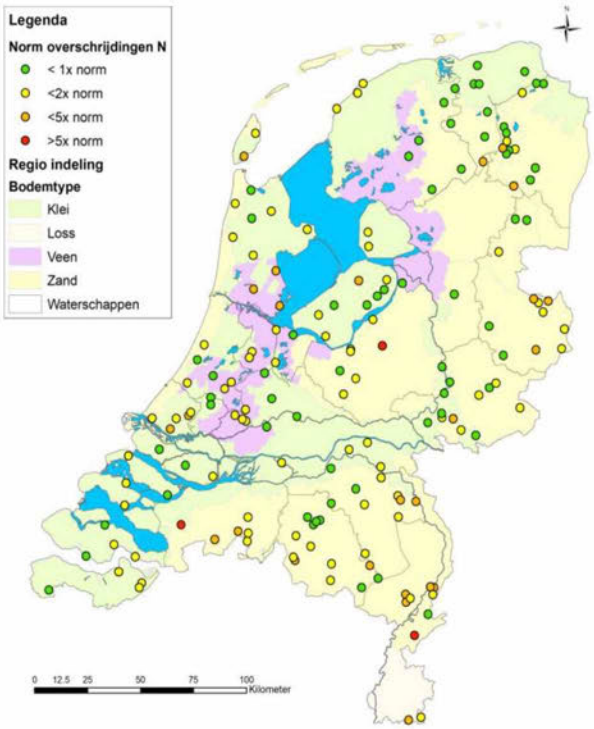


*Figuur 3.8 Mate van de waterschapsnormoverschrijding van de gemiddelde concentratie N-totaal in de zomer over de jaren 2015 t/m 2018 op de MNLSO-locaties.*

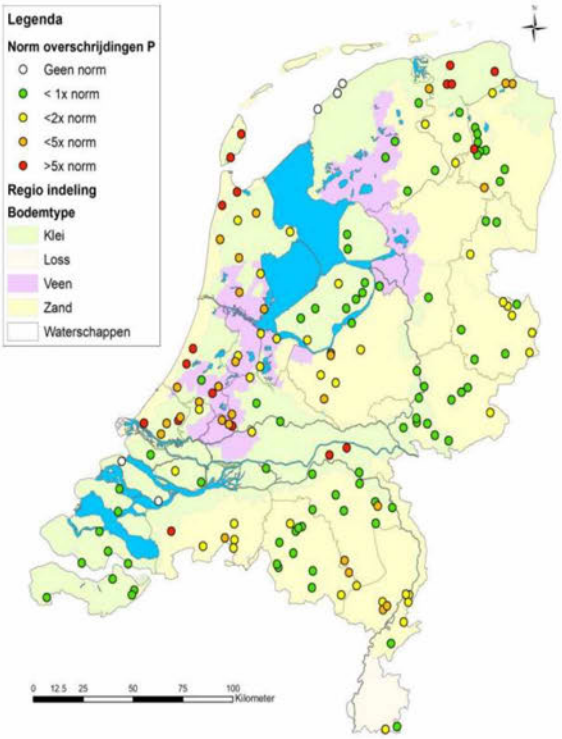


*Figuur 3.9 Mate van waterschapsnormoverschrijding van de gemiddelde concentratie P-totaal in de zomer over de jaren 2015 t/m 2018 op de MNLSO-locaties.*

*Oppervlaktewater, MSNLO*
*Links: stikstof*
*Rechts: fosfaat*

# Bijlage 2 – Structurele aanpak stikstof 2020

Programmatische Aanpak Stikstof (2015-2019) is opgezet om te voldoen aan de verplichtingen ten aanzien van de natuur (Nationale natuurwetgeving en de Vogel- en Habitat richtlijn), en tegelijk ruimte te bieden voor economische ontwikkelingen.

29 mei 2019: Raad van State uitspraak
- PAS in strijd met VHR artikel 6.
- Gevolg: vergunningen via PAS per direct ongeldig

April 2020: Structurele Aanpak
- verminderen stikstofbelasting conform omgevingswaarden
- realiseren van instandhoudingsdoelstellingen van stikstofgevoelige natuur

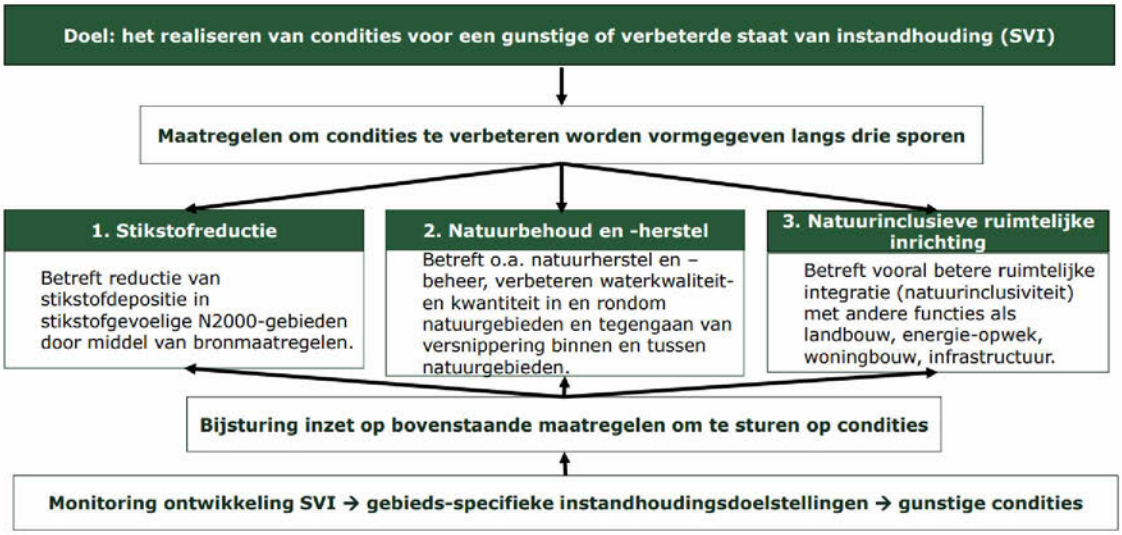

**Overzicht opgenomen landbouwmaatregelen ter stikstofreductie structurele aanpak stikstof**

Een vijftal bronmaatregelen zijn momenteel in uitvoering om stikstof te reduceren, te weten de tweede verhoging subsidieregeling sanering varkenshouderijen, maatregelen provinciale aankoop veehouderijen nabij Natura 2000-gebieden, subsidies voor omschakeling naar kringlooplandbouw als onderdeel van het Omschakelprogramma, de subsidieregeling voor retrofit van motoren van binnenvaartschepen en de pilots innovatie in de bouw en grond-, weg- en waterbouw. De laatste twee maatregelen zijn niet opgenomen in onderstaande tabel, omdat ze zich niet richten op de landbouwsector.

| **Beëindiging** | **Budget (in miljoen Euro)** |
|---|---|
| Tweede verhoging subsidieregeling sanering varkenshouderijen | 107 |
| Regeling provinciale aankoop veehouderijen | 480 |
| Landelijke beëindigingsregeling veehouderijlocaties | 1000 |
| | |
| **Management maatregelen** | |
| Verlagen van ruw eiwitgehalte in veevoer | 73 |
| Verdunde mestaanwending op zandgronden | 105 |
| Vergroten aantal uren weidegang | 3 |
| | |
| **Innovatie** | |
| Stalmaatregelen | 280 |
| Omschakelprogramma | 175 |
| Mestverwerking | 15 |
| | |
| **Totaal** | **2238** |

# Bijlage 3 – Overzicht maatregelen en ingangsdatum

| **Maatregel** | **Bron** | **Ingangsdatum*** |
|---|---|---|
| Staatssteunnotificatie Landelijke beëindigingsregeling veehouderijlocaties (Lbv) | Addendum | Informele consultatie EC/COMP: maart 2022 |
| Beoogde start consultatie wetsvoorstel volledige grondgebondenheid melk- en rundveehouderij | Addendum | Tweede helft 2022 |
| Aanpassing mestproductieplafonds overeenkomstig afname van productierechten door opkoop- en beëindigingsregelingen | Addendum | Volgend op tempo regelingen |
| NPLG: Resultaten quick scan ecologische analyse. | Addendum | Maart 2022 |
| NPLG: Publicatie van de natuur-doelanalyses voor de stikstofgevoelige N2000-gebieden | Addendum | Eind 2022 |
| NPLG: Publicatie van alle natuurdoel-analyses en vaststelling definitieve gebiedsplannen (zoals wettelijk verplicht) | Addendum | Midden 2023 |
| Rotatie met rustgewassen | 7e AP | 1-1-2023 |
| Vanggewassen | 7e AP | 1-1-2023 |
| Vanggewassen – commissie van wijzen | 7e AP | Medio 2022 |
| Percentage rustgewas voor graasdierbedrijven | 7e AP | 1-1-2023 |
| Najaarsbemesting aanpassen | 7e AP | 1-1-2024 |
| Uitrijdseizoen verschuiven | 7e AP | 1-1-2023 |
| Maatwerkaanpak | 7e AP | Nntb |
| GLB - Transitie duurzame bouwplannen faciliteren | 7e AP | 7e AP |
| Faciliteren duurzame bouwplannen - DAW | 7e AP | 1-1-2022 |
| Transitie duurzame bouwplannen faciliteren - ketenpartijen | 7e AP | 1-1-2023 |
| Aansluiten bij DAW | 7e AP | 1-1-2022 |
| Gebiedsgericht bepalen welke aanvullende inrichtingsmaatregelen benodigd zijn voor doelbereik voor oppervlakte-waterkwaliteit | 7e AP | 1-1-2024 |
| Afwegingskader gebiedsgericht | 7e AP | 1-1-2025 |
| Uitvoering Europese Meststoffenverordening | 7e AP | 1-7-2022 |

| | | |
|---|---|---|
| Herwonnen stikstofmeststoffen uit dierlijke mest (Renure) | 7e AP | Nntb |
| Update bodemkaart | 7e AP | 1-1-2024 |
| Organische stofrijke meststoffen stimuleren | 7e AP | 1-1-2023 |
| Update N-gbn en N-werkingscoëfficiënt | 7e AP | 1-1-2023 |
| Evaluatie en heroverweging equivalente maatregelen | 7e AP | 1-1-2023 |
| Evaluatie en heroverweging herstelbemesting | 7e AP | 1-1-2023 |
| Herziening lijst toegestane N-behoeftige gewassen na scheuren grasland | 7e AP | 1-1-2023 |
| Verbreden teeltvrije zones & leidraad | 7e AP | 1-1-2023 |
| Verruiming uitrijddatum vaste strorijke mest | 7e AP | 1-1-2023 |
| Verschuiven eerste uitrijdatum voor drijfmest en dunne fractie op bouwland van 15 februari naar 15 maart | 7e AP | 1-1-2023 |
| Uitrijmethoden specifiek mestsoorten - onderzoek | 7e AP | Nntb |
| Monitoring droogte tbv goede landbouwpraktijk | 7e AP | Nntb |
| Kwetsbare drinkwaterwinningen | 7e AP | continuering |
| Pilot BedrijfsEigen Stikstofnorm | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot N-residu metingen op hoge zandgrond | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Telen met Toekomst 2.0 | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Uitwerking toekomstig mestbeleid | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Inzet bodemverbeteraars | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Gewasderogatie | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Kringloop met bietenblad | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Mineralenconcentraat | 7e AP | 2022-2025 |
| Pilot Emissiereductie fosfor | 7e AP | 2022-2025 |
| Communicatie | 7e AP | 2022-2025 |
| Kennisontwikkeling | 7e AP | 2022-2025 |
| Kennisverspreiding | 7e AP | 2022-2025 |
| Gebiedsgericht handhaven | 7e AP | 2022-2025 |
| Continueren en uitrollen traject rVDM | 7e AP | 2022-2023 |
| Pilot NIRS | 7e AP | 2022-2025 |
| Inzicht kunstmeststromen | 7e AP | 2023 |

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** donderdag 31 maart 2022 12:07
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e [redacted]); 5.1.2.E ( 5.1.2.E); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E [redacted]); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** ' 5.1.2.E @minvws.nl'
**Onderwerp:** overleg derogatie wordt verzet naar vrijdag 1/4 09.15 uur,

Allen,

Met excuses voor de eventuele overlast maar op verzoek van MLNV wordt het overleg derogatie verzet naar morgenochtend 09.15 uur.
Het blijft nog steeds volledig digitaal.

U ontvangt aansluitend de aangepaste Teams link.

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E)
**Verzonden:** donderdag 31 maart 2022 11:47
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e [redacted] < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** overleg derogatie wordt iets later, svp ingelogd blijven

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E

5.1.2.E
**Secretariaat Minister Henk Staghouwer**
**Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit**
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar
5.1.2.E @minlnv.nl

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** donderdag 31 maart 2022 19:05
**Aan:** MinisterLNVagenda; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e [redacted]
5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E );
5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e
5.1.2.e ( 5.1.2.E ; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); ' 5.1.2.E '
**CC:** ' 5.1.2.E @minvws.nl'
**Onderwerp:** nieuw tijdstip overleg derogatie vr 1/4 10.00 uur wordt 08.45 uur

Goedenavond allen,

Helaas blijkt het niet voor iedereen mogelijk te zijn om aanwezig te zijn bij het overleg om 10.00 uur.
Op verzoek wordt het overleg verzet naar 08.45 – 09.15 uur.
De aangepaste Teams link volgt aansluitend.

Met vriendelijke groet en dank voor de flexibiliteit,

5.1.2.E
Secretariaat minister Henk Staghouwer

-----Oorspronkelijke afspraak-----
**Van:** 5.1.2.e 5.1.2.E MinisterLNVagenda
**Verzonden:** woensdag 30 maart 2022 10:58
**Aan:** MinisterLNVagenda; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e [redacted]); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e
5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E
( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); ' 5.1.2.E '
**CC:** ' 5.1.2.E @minvws.nl'
**Onderwerp:** Overleg derogatie
**Tijd:** vrijdag 1 april 2022 10:00-10:30 (UTC+01:00) Amsterdam, Berlijn, Bern, Rome, Stockholm, Wenen.
**Locatie:** digitaal

Vervroegd naar 10.00 uur en verlengd tot 30 minuten

---

# Microsoft Teams-vergadering

**Deelnemen op uw computer of via de mobiele app**
Klik hier om deel te nemen aan de vergadering

**Deelnemen met een apparaat voor videovergaderingen**

5.1.2.E @m.webex.com
Videovergaderings-id: 128 748 592 0
Alternatieve VTC-instructies

**Of deelnemen via telefoon (alleen audio)**

+31 20 258 8614,,743437169# Netherlands, Amsterdam

Id voor telefonische vergadering: 743 437 169#

Een lokaal nummer zoeken | Pincode opnieuw instellen

Meer informatie | Opties voor vergadering

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e
**Verzonden:** vrijdag 8 april 2022 11:19
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); ' 5.1.2.E ( 5.1.2.E )'
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: voorstel memo coalitieoverleg vervolg derogatie - tas 12u

Hoi 5.1.2.E 5.1.2.E en 5.1.2.E

Even een hele snelle reactie.
De verschillende opties kan ik niet helemaal in de consequenties overzien. De link die we met m.NenS bespraken is hoe we stevige doelstellingen, maatregelen en instrumenten, gebiedsgericht en onontkoombaar de komende jaren gaan inzetten, en hoe die redenering kan helpen bij de derogatie. Een redenering die natuurlijk in het addendum is opgenomen, maar toen waren we gebonden doordat de hoofdlijnenbrief nog niet uit was. Het lijkt met dat we nu steviger uitspraken kunnen overwegen. Een van de opties is het opnemen van aanvullende doelstellingen (die helpen bij de derogatie) opnemen in het gebiedsplan.

Groet 5.1.2.e

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Datum:** 8 april 2022 om 09:15:31 CEST
**Aan:** ' 5.1.2.E ( 5.1.2.E )' < 5.1.2.E @minvws.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.e )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** voorstel memo coalitieoverleg vervolg derogatie - tas 12u

Hoi 5.1.2.e en 5.1.2.E

Hierbij het voorstel voor de memo tbv het coalitieoverleg, zoals jullie via 5.1.2.E hebben begrepen moet dit straks om 12u mee in de tas.

Excuus voor de krappe deadline.

Groet,

5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 8 april 2022 11:51
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** ' 5.1.2.E ( 5.1.2.E )'; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e
5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Memo coalitieoverleg derogatie
**Bijlagen:** Memo vervolg derogatie.docx

Hoi 5.1.2.E

Hierbij,

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E

Team Mest
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 2594 AC Den Haag
Postbus 20401 2500 EK Den Haag

**T** 5.1.2.E
**BGG** 5.1.2.E
**E** 5.1.2.E @minlnv.nl
Flexplek: A Noord 4e verdieping

**Memo ten behoeve van het coalitieoverleg vervolg derogatie**

Aanleiding
In het coalitieoverleg van 6 april 2022 is toegelicht wat de stand van zaken is naar aanleiding van het gesprek met DG Milieu van de Europese Commissie (EC) over inhoud en voorwaarden van een derogatie.

Er zijn twee wensen vanuit NL: een volledige graasdierderogatie en een derogatie voor kunstmestvervangers.

DG Milieu heeft een groot aantal verzoeken voor meer informatie gedaan die onderdeel moeten worden van de derogatiebeschikking. Deze verzoeken zien onder meer op het vastleggen van reductie in de productieplafonds en het instellen van een tussentijdse review van de waterkwaliteit waarbij een achteruitgang in de waterkwaliteit leidt tot een terugval in de hoogte van de derogatienorm. ENVI heeft ook gevraagd naar het (juridische) mechanisme als de (tussen)doelen van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG) niet worden gehaald.
DG Milieu staat daarnaast als gevolg van de Oekraïne oorlog onder druk van de Lidstaten ten aanzien van de het mogelijk maken van vervanging van kunstmest door hoogwaardige producten uit dierlijke mest binnen de Nitraatrichtlijn. Het realiseren van de mogelijkheid van kunstmestvervanging binnen de Nitraatrichtlijn zal een langjarig traject vergen. Een andere mogelijkheid is het aanvragen van een landenspecifieke oplossing. DG Milieu beschouwt dit als een tweede derogatieverzoek en heeft Nederland ambtelijk verzocht een aanvraag voor kunstmestvervanging te doen. We willen inzetten op een periode van 8 jaar om zo bedrijven langere termijn zekerheid te geven om hun investeringen terug te verdienen.

De ambtelijke inschatting is dat het beantwoorden van alle vragen zal leiden tot het opnemen van vergaande bepalingen en voorwaarden in de derogatiebeschikking. Hierbij zal een tussentijdse evaluatie van de waterkwaliteit leiden tot onzekerheid voor boeren omdat onduidelijk is van welke derogatienormen zij de komende vier jaar uit kunnen gaan. De weersomstandigheden in de komende vier jaar kunnen sterk variëren en kunnen gevolgen hebben voor de waterkwaliteit. Het vastleggen van een reductie van de mestproductieplafonds gaat in tegen de systematiek van het NPLG. De eerste resultaten van de aankoop- en beëindigingsregelingen zullen in 2025 zichtbaar worden. De inschatting is dat dit een beperkte afname zal zijn.[1] Als de beëindigingsregelingen onvoldoende resultaat opleveren om aan de voorwaarden van een reductie van de mestproductieplafonds te voldoet resteert een gedwongen van de krimp van de veestapel.

Het tijdspad is krap: het volgende Nitraatcomité is op 15 juni aanstaande. De conceptagenda wordt 2 tot 3 weken van te voren door ENVI gedeeld met de Lidstaten. Dat betekent dat uiterlijk (in de week van) 21 mei (politieke) overeenstemming bereikt moet zijn met ENVI/EC.

Ambtelijk worden twee opties voor het vervolg gezien:

Optie 1: De Nederlandse inzet is het verleend krijgen van 2 derogaties namelijk de (reguliere) graslandderogatie én een derogatie voor kunstmestvervanging.
Vervolg:
- De vragen van ENVI worden beantwoord.
- Het initiatief blijft bij ENVI en Nederland wacht de vervolgvoorstellen van ENVI af.

Risico:
- Op basis van de gedeelde informatie is de kans groot dat bepalingen en voorwaarden in de derogatiebeschikking worden opgenomen die binnen de derogatieperiode van vier jaar elk jaar tot onzekerheid zullen leiden voor agrariërs (bijv. als uit monitoring van de waterkwaliteit blijkt dat deze verslechterd)
- en die gevolgen kunnen inhouden voor de realisatie van het NPLG en de vrijwilligheid van de aanpak als de voorwaarden aan derogatie bijvoorbeeld per jaar een bepaalde daling van de mestproductieplafonds zullen eisen.
- Op dit moment is niet duidelijk of voorwaarden aan bedrijfsbeëindiging onderdeel kunnen worden van de derogatiebeschikking.
- De kans is groot dat ENVI op een derogatieaanvraag voor kunstmestvervanging als een separate derogatie zal zien én deze aanvraag niet op korte termijn tot resultaat zal leiden.
- ENVI neemt in de derogatiebeschikking afbouw pad voor de graasdierderogatie op evenals de eerder aangegeven ingrijpende bepalingen in de derogatiebeschikking.

[1] Een groffe berekening op een regeling van EUR 500 ML zal een afname van 2% van de mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat inhouden

Optie 2: De Nederlandse inzet is het verleend krijgen van een combiderogatie met een ingroeipad van derogatie voor kunstmestvervanging door middel van een groeipad en een graslandderogatie met afbouw pad.
Vervolg:
- Op ambtelijk niveau stelt Nederland een afbouw pad voor de graslandderogatie aan ENVI voor. Inzet is gericht op het voorkomen van de opname van de eerder aangegeven ingrijpende bepalingen in de derogatiebeschikking.
- Onze inzet is dat ENVI hiermee een aantal beperkende voorwaarden kan laten vallen (bijv verlaging productieplafonds, tussentijdse evaluaties)
- Hiermee wordt aan de voorkant meer duidelijkheid aan agrariërs gegeven
- en een helderder kader voor de gebiedsprocessen in de integrale gebiedsgerichte aanpak.

Risico:
- Politiek houdt dit een risico in, omdat Nederland zelf het voorstel voor afbouw doet en dit niet aan ENVI laat. Daarmee wordt het niet opgelegd door de EC.
- Er is een kans dat ENVI dit voorstel niet goed genoeg vindt en dat een derogatie voor kunstmestvervanging niet wordt verleend, maar een afbouw pad voor de graasdierderogatie wel door ENVI wordt geïncasseerd als resultaat.
- ENVI stelt in de derogatiebeschikking ondanks een afbouw pad voor de graasdierderogatie wel de eerder aangegeven ingrijpende bepalingen in de derogatiebeschikking op.

Het uitrijdseizoen is inmiddels gestart. Het is daarom wenselijk geen aanpassing in de stikstofgebruiksnorm meer te doen voor dit lopende jaar. Het voorstel voor een afbouw pad is als volgt:

| | *230 kg N/ha*[2] | *250 kg N/ha*[3] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 210 | 230 |
| 2025 | 200 | 210 |

**Advies**
Ons advies is optie 2:
- In het laatste gesprek van Minister LNV met de Eurocommissaris voor Milieu is aangegeven dat het om een transitiederogatie gaat. Dat impliceert een afname in de stikstofgebruiksnormen. Naar verwachting zal dit ook bij het beantwoorden van de vragen van ENVI de uitkomst zijn.
- Het geeft duidelijkheid aan de sector voor de komende vier jaar.
- Het geeft ruimte aan de uitrol en realisatie van de integrale gebiedsgerichte aanpak.

Risico bij geen derogatie en wel nationaal toestaan een hogere stikstofgebruiksnorm
Als we met ENVI niet tot een werkbare derogatiebeschikking kan nationaal een hogere stikstofgebruiksnorm worden toegestaan. Hier zijn grote risico's aan verbonden.
- Het niet voldoen aan derogatievoorwaarden of een hogere gebruiksnorm toestaan dan de Nitraatrichtlijn voorschrijft kan leiden tot een infractieprocedure door de EC. In het verleden heeft Nederland het mestproductieplafond voor melkvee overschreden. Door hard ingrijpen, het fosfaatreductieplan en de invoering van het fosfaatrechtenstelsel, zijn deze overschrijdingen ongedaan gemaakt. Andere voorbeelden van een infracties op de derogatiebeschikking zijn ons niet bekend.
- De EC heeft infractieprocedures op de Nitraatrichtlijn lopen tegen andere Lidstaten. In het geval van Duitsland heeft het Europees Hof van Justitie een dwangsom van EUR 850.000,- opgelegd voor het niet voldoen aan de verplichtingen.
- Helpt alle andere gesprekken met ENVI en breder binnen de EC niet. Denk hierbij aan kunstmestvervanging en accorderen GLB/NSP door EC.

[2] Derogatie afgelopen jaren voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg
[3] Derogatie afgelopen jaren voor de andere landbouwgronden in Nederland

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 8 april 2022 12:54
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** ' 5.1.2.E ( 5.1.2.E )'; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** oefenbrief
**Bijlagen:** DOMUS-22154134-v1-DOMUS-22141697-v5-Aanvraag_Derogatie_RENURE v2.docx

Hoi 5.1.2.E

Hierbij.

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E

.....
Team Mest
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 2594 AC Den Haag
Postbus 20401 2500 EK Den Haag
.....
**T** 5.1.2.E
**BGG** 5.1.2.E
**E** 5.1.2.E @minlnv.nl
Flexplek: A Noord 4e verdieping

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

5.1.2.e
T.a.v. 5.1.2.e
Europese Commissie
1049 BRUSSEL
België

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22141697

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Specificatie derogatieverzoek Nederland

Geachte 5.1.2.e,

Op 25 februari 2022 is een aanvraag van Nederland aan u doen toekomen voor een nieuwe derogatie van de gebruiksnorm van 170 kg stikstof per hectare per jaar voor dierlijke mest als opgenomen in bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn voor Nederland met ingang van 1 januari 2022 (kenmerk: DGA-PAV / 22072814). Met deze brief specificeer ik het verzoek van Nederland dat ziet op een derogatie voor grasland en een landen-specifieke oplossing voor kunstmestvervanging.

In het gesprek van 25 februari 2022 van de Europees Commissaris voor Milieu met de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit is aangegeven dat de Europese Commissie een derogatie voor vier jaar wil verlenen aan Nederland. Over deze uitkomst ben ik verheugd. De Europees Commissaris heeft hierbij ook aangegeven dat het om een transitiederogatie gaat, die zal moeten aansluiten bij de transitie die het Nederlandse Kabinet met de verduurzaming en extensivering in de landbouw voorstaat om de milieudoelen, waaronder waterkwaliteit, te realiseren. Hierbij zijn ook de ontwikkelingen op circulaire economie en het klimaat relevant, inclusief het hergebruik van hoogwaardige producten ter vervanging van producten uit fossiele bronnen, zoals kunstmest.

Uit de gesprekken die op de diverse niveaus met uw dienst zijn gevoerd over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, het daarbij behorende addendum en de inhoud van een nieuwe derogatie maak ik op dat de Europese Commissie belang hecht aan diverse sturingsmogelijkheden om zeker te stellen dat de beoogde transitie in de Nederlandse landbouw wordt gerealiseerd. Nederland hecht hier zelf ook groot belang aan en heeft dan ook begrip voor de positie van de Europese Commissie in dezen. Voor het realiseren van deze transitie zijn stabiliteit, rust en zekerheid essentieel, ook met het oog op de bedrijfsafwegingen en investeringsbeslissingen die agrariërs zullen moeten maken.
Dit maakt dat duidelijkheid aan de voorkant gewenst is over de omvang van de derogatie voor de duur van de beschikking van 4 jaar.

CONCEPT

Tekstoptie 1:
Om invulling te geven aan de transitie én zekerheid te bieden aan landbouwers, wil Nederland afspraken maken met uw diensten over een jaarlijkse stapsgewijze afbouw van de omvang van de derogatie als onderdeel van de derogatiebeschikking.

Tekstoptie 2:
De Nederlandse regering doet dan ook een aanvraag voor een graslandderogatie die gericht is op een stapsgewijze afbouw in de hoogte van de stikstofgebruiksnorm, namelijk:

| | *230 kg N/ha*[1] | *250 kg N/ha*[2] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 210 | 230 |
| 2025 | 200 | 210 |

*Kunstmestvervanging*
De afgelopen jaren is met uw dienst en in de expert group on Nitrates uitvoerig gesproken over de innovatieve mogelijkheden die mestverwerking biedt om hoogwaardige meststoffen te produceren uit dierlijke mest. Vanuit Horizon 2020 zijn diverse grote onderzoeksprojecten aan deze uitdagingen gewijd.

Met het actieplan voor de circulaire economie wordt de recycling bevorderd van nutriënten uit dierlijke mest en andere organische bronnen ter vervanging van chemische meststoffen. In de Farm to Fork-strategie wordt aangekondigd dat de Commissie wil werken aan reductie gebruik van meststoffen en streeft naar meer recycling van organisch afval tot hernieuwbare meststoffen, met name in gebieden met veel intensieve veehouderij. Door een beter gebruik van lokaal beschikbare grondstoffen kan de input van fossiele kunstmest worden beperkt, kunnen emissies afnemen en kunnen de gerecyclede producten verwaard worden. De belangrijkste uitdaging is om gerecyclede nutriënten op een kwaliteitsniveau te verkrijgen, die verliezen in het milieu naar zowel water, bodem als lucht tot een minimum beperken.

Uw dienst heeft in de jaren 2018-2020 het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de Commissie een studie laten uitvoeren over teruggewonnen stikstof uit dierlijke mest. De betrokken materialen worden RENURE genoemd, van REcovered Nitrogen from manURE (teruggewonnen stikstof uit mest). Deze studie is in september 2020 afgerond[3]. Hierin worden criteria voorgesteld voor een veilig gebruik van gerecyclede producten uit dierlijke mest boven de in de Nitraatrichtlijn vastgestelde drempel, op een vergelijkbare wijze als voor een niet-organische meststoffen. Uw dienst heeft in het afgelopen jaar onderzoek gedaan

[1] Derogatie afgelopen jaren voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg
[2] Derogatie afgelopen jaren voor de andere landbouwgronden in Nederland
[3] JRC, 2020. D.Huygens et al. JRC Publications Repository - Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC) (europa.eu)

naar de opties voor de toepassing van deze criteria binnen het huidige rechtskader van de Nitraatrichtlijn.

In mijn brief van 29 juni 2021 (referentie: DGA-PAV / 21152040) heb ik aangegeven dat naar onze mening deze producten niet passen in de Nitraatrichtlijn, omdat deze niet kunnen worden ingebed in de definitie voor dierlijke mest, artikel 1 onder g, en voor kunstmest, artikel 1 onder f. Uw dienst geeft aan dat bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn een wettelijke mogelijkheid biedt voor de Commissie om op lidstaatniveau deze bemestingsproducten bij gebruik te beschouwen als kunstmest, zoals bedoeld in artikel 2f van de Nitraatrichtlijn. In de laatste expert groep van 17 maart 2022 heeft uw dienst aangegeven dat de Commissie openstaat om een landen-specifieke oplossing te bezien als lidstaten overwegen een dergelijke aanvraag te doen.

Nederland stelt voor deze landen-specifieke oplossing een termijn van tenminste 8 jaar voor, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden. In de bijlage vindt u een voorstel hoe Nederland een dergelijke mogelijkheid zou willen inrichten. Nederland heeft reeds ervaring opgedaan in pilots. Wij zijn gaarne bereid deze ervaringen te delen met u en de andere lidstaten.

*Concluderend*
De aanvraag ziet op een afbouw pad voor de zogenaamde graslandderogatie in én op een ingroei van een landen-specifieke oplossing voor de productie en gebruik van RENURE-producten binnen de Nederlandse landsgrenzen in.

Wij zouden deze voorstellen graag met uw diensten verder willen bespreken en zo de vereiste besluitvormingsprocedure voort zetten. Daarbij herhaal ik het verzoek dat Nederland eerder aan u heeft gedaan om flexibiliteit te betrachten in de procedure ten einde zo spoedig mogelijk tot definitieve besluitvorming te komen.

5.1.2.e

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 11 april 2022 18:17
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); ' 5.1.2.E ( 5.1.2.E )'
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** stand van zaken derogatie en beantwoording vragen
**Bijlagen:** DOMUS-22154134-v1-DOMUS-22141697-v5-Aanvraag_Derogatie_RENURE v3.docx; 220404 Aanvullende informatie naar aanleiding van bespreking DG ENVI.docx; TA-9-2022-0110_NL (1).pdf

Hoi 5.1.2.E en 5.1.2.E

Beide Ministers zijn vandaag op werkbezoek, dat betekent dat memo en oefenbrief waarschijnlijk morgen terugkomen.

Overleg met beide bewindspersonen over derogatie is as woensdag om 16.45u ingepland. Coalitieoverleg wordt eveneens gepland.

Vandaag hebben 5.1.2.E en ik gesproken met NAJK en LTO. Beiden gaven aan de openheid en vertrouwelijkheid van de gesprekken te waarderen. Ze hebben geen voorkeur voor 1 van beide opties gegeven.
We hebben een vervolg verder verkend. Bij de keuze voor optie 2/afbouwpad willen ze graag (ambtelijk) meedenken. Optie 1/alles beantwoorden wordt door NAJK beschouwd als ambtelijke beantwoording. De wijze waarop ze betrokken willen blijven hangt ook af van het tijdspad en de ruimte die er voor hen is om inbreng te kunnen geven. Vanuit ons is aangegeven dat we de kennis vanuit de sector zo optimaal mogelijk willen gebruiken, dat wel duidelijk is dat het wel een krap tijdspad is, dat daarbinnen weinig tijd zal zijn voor veelvuldig intensief overleg maar dat klankborden zeker kan. LTO gaf nog aan dat zij nog steeds een gewasderogatie willen.
LTO en NAJK spreken hun (mede)bestuurders deze week. LTO geeft as vrijdag telefonisch een terugkoppeling. We spreken elkaar dinsdagmiddag 19/4 weer. Ze weten dat wij deze week de Ministers spreken over de opties.
Onze conclusie na afloop: ambtelijk is er nu ruimte mee te denken, bestuurlijk is het lastig en willen ze geen uitspraken hoeven doen.

Afgelopen week is door het EP een resolutie aangenomen over 'Maatregelen tegen waterverontreiniging door nitraten, met inbegrip van verbeteringen in de verschillende nitraatmeetsystemen in de lidstaten'. Aanleiding lijkt de Rapportage van de EC te zijn over de evaluatie van de Nitraatrichtlijn. Het lijkt erop dat ENVI stevig de pen heeft vastgehouden bij het formuleren van de resolutie. Strekking resolutie ziet onder meer op dat toestand van het water op veel plaatsen in EU is verslechterd; uitvoering en handhaving van de Nitraatrichtlijn onvoldoende zijn om aan doelstellingen van NRL en KRW te verwezenlijken. Hierbij wordt ook verwezen naar het op grote schaal gebruik maken van vrijstellingen (exemptions); verschil in meten tussen Lidstaten kan leiden tot mededingingsproblemen -> meer harmonisering nodig; op korte termijn aanzienlijke verbetering maatregelen nodig; oproept aan EC passende maatregelen te nemen bij niet-naleving Nitraatrichtlijn; lidstaten moet in hun APs meer rekening houden met klimaatverandering en meer regenval. Last but not least: een verordening is het juiste wetgevingsinstrument om de bescherming van water tegen verontreiniging door nitraten uit agrarische bronnen te waarborgen en te zorgen voor een uniforme handhaving wat betreft de waterkwaliteitsdoelstellingen in de hele EU in overeenstemming met de doelstellingen van de Europese Green Deal.
Meeste NLse parlemantiërs hebben zich onthouden van stemming. Er is hierover een artikel gepubliceerd met een quote van de schaduwrapporteur 'om te breken met de lange traditie van derogaties' dit mede onder verwijzing naar de LBR van maart en oproep MLNV voor mogelijk maken kunstmestvervanging.

Tot slot, Vlaanderen zal voor Renure eerst nog overleg met sector en kabinet hebben voordat zij verdere stappen richting ENVI zullen zetten. De Vlamingen moet dit jaar hun 7e AP formuleren, het 6e AP en de Vlaamse derogatie eindigt eind dit jaar.

Bijgaand de voorgestelde beantwoording op de vragen en de aangepaste brief op basis van reactie WJZ van vrijdagmiddag.

Voor het gesprek met de bewindspersonen van as woensdag is ook van belang dat het afromingspercentage bij overdracht van fosfaatrechten volgende week (19 of 20/4) naar beneden zal worden bijgesteld. Timing Koninklijk Besluit/ TK-brief is van belang. 5.1.2.E zou 5.1.2.E informeren.

Groet,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

5.1.2.e [redacted]
Europese Commissie
1049 BRUSSEL
België

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22141697

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Specificatie derogatieverzoek Nederland

Geachte 5.1.2.e [redacted],

Op 25 februari 2022 is een aanvraag van Nederland aan u doen toekomen voor een nieuwe derogatie van de gebruiksnorm van 170 kg stikstof per hectare per jaar voor dierlijke mest als opgenomen in bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn voor Nederland met ingang van 1 januari 2022 (kenmerk: DGA-PAV / 22072814). Met deze brief specificeer ik het verzoek van Nederland dat ziet op een derogatie voor grasland en een landen-specifieke oplossing voor kunstmestvervanging.

In het gesprek van 25 februari 2022 van de Europees Commissaris voor Milieu met de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit is aangegeven dat de Europese Commissie een derogatie voor vier jaar wil verlenen aan Nederland. Over deze uitkomst ben ik verheugd. De Europees Commissaris heeft hierbij ook aangegeven dat het om een transitiederogatie gaat, die zal moeten aansluiten bij de transitie die het Nederlandse Kabinet met de verduurzaming en extensivering in de landbouw voorstaat om de milieudoelen, waaronder waterkwaliteit, te realiseren. Hierbij zijn ook de ontwikkelingen op circulaire economie en het klimaat relevant, inclusief het hergebruik van hoogwaardige producten ter vervanging van producten uit fossiele bronnen, zoals kunstmest.

Uit de gesprekken die op de diverse niveaus met uw dienst zijn gevoerd over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, het daarbij behorende addendum en de inhoud van een nieuwe derogatie maak ik op dat de Europese Commissie belang hecht aan diverse sturingsmogelijkheden om zeker te stellen dat de beoogde transitie in de Nederlandse landbouw wordt gerealiseerd. Nederland hecht hier zelf ook groot belang aan en heeft dan ook begrip voor de positie van de Europese Commissie in dezen. Voor het realiseren van deze transitie zijn stabiliteit, rust en zekerheid essentieel, ook met het oog op de bedrijfsafwegingen en investeringsbeslissingen die agrariërs zullen moeten maken.
Dit maakt dat duidelijkheid aan de voorkant gewenst is over de omvang van de derogatie voor de duur van de beschikking van 4 jaar.

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22141697

Tekstoptie 1:
Om invulling te geven aan de transitie én zekerheid te bieden aan landbouwers, wil Nederland afspraken maken met uw diensten over een jaarlijkse stapsgewijze afbouw van de omvang van de derogatie als onderdeel van de derogatiebeschikking.

Tekstoptie 2:
De Nederlandse regering doet dan ook een aanvraag voor een graslandderogatie die gericht is op een stapsgewijze afbouw in de hoogte van de stikstofgebruiksnorm, namelijk:

| | *230 kg N/ha*[1] | *250 kg N/ha*[2] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 210 | 230 |
| 2025 | 200 | 210 |

*Kunstmestvervanging*
De afgelopen jaren is met uw dienst en in de expert group on Nitrates uitvoerig gesproken over de innovatieve mogelijkheden die mestverwerking biedt om hoogwaardige meststoffen te produceren uit dierlijke mest. Vanuit Horizon 2020 zijn diverse grote onderzoeksprojecten aan deze uitdagingen gewijd.

Met het actieplan voor de circulaire economie wordt de recycling bevorderd van nutriënten uit dierlijke mest en andere organische bronnen ter vervanging van chemische meststoffen. In de Farm to Fork-strategie wordt aangekondigd dat de Commissie wil werken aan reductie gebruik van meststoffen en streeft naar meer recycling van organisch afval tot hernieuwbare meststoffen, met name in gebieden met veel intensieve veehouderij. Door een beter gebruik van lokaal beschikbare grondstoffen kan de input van fossiele kunstmest worden beperkt, kunnen emissies afnemen en kunnen de gerecyclede producten verwaard worden. De belangrijkste uitdaging is om gerecyclede nutriënten op een zodanig kwaliteitsniveau te verkrijgen, ~~die~~ dat verliezen in het milieu naar zowel water, bodem als lucht tot een minimum worden beperkt~~en~~.

Uw dienst heeft in de jaren 2018-2020 het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de Commissie een studie laten uitvoeren over teruggewonnen stikstof uit dierlijke mest. De betrokken ~~materialen~~ stikstofproducten worden RENURE genoemd, van REcovered Nitrogen from manURE (teruggewonnen stikstof uit mest). Deze studie is in september 2020 afgerond[3]. Hierin worden criteria voorgesteld voor een veilig gebruik van gerecyclede producten uit dierlijke mest boven de in de Nitraatrichtlijn vastgestelde drempel, op een vergelijkbare wijze als voor een niet-organische meststoffen. Uw dienst heeft in het afgelopen jaar onderzoek gedaan naar de opties voor de toepassing van deze criteria binnen

[1] Derogatie afgelopen jaren voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg
[2] Derogatie afgelopen jaren voor de andere landbouwgronden in Nederland
[3] JRC, 2020. D.Huygens et al. JRC Publications Repository - Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC) (europa.eu)

het huidige rechtskader van de Nitraatrichtlijn, met name naar de optie RENURE-producten te beschouwen als kunstmestproducten in plaats van dierlijke mestproducten. In de laatste expert groep van 17 maart 2022 heeft uw dienst aangegeven dat de Commissie openstaat voor laatstgenoemde optie en een landen-specifieke oplossing te willen bezien als lidstaten overwegen een dergelijke aanvraag te doen. ~~.~~

In mijn brief van 29 juni 2021 (referentie: DGA-PAV / 21152040) heb ik aangegeven dat naar onze mening deze producten niet passen in de Nitraatrichtlijn, omdat deze niet kunnen worden ingebed in de definitie voor dierlijke mest, artikel 1 onder g, en voor kunstmest, artikel 1 onder f. Uw dienst geeft aan dat bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn een wettelijke mogelijkheid biedt voor de Commissie om een uitzondering op de maximaal toegestane 170kg stikstof per hectare per jaar in die zin dat voor de bepaling van die hoeveelheid op of in de bodem gebrachte Renure-producten niet meetellen. In de nationale regelgeving zullen Renure-producten meetellen onder de totale stikstofgebruiksnorm. ~~op lidstaatniveau deze bemestingsproducten bij gebruik te beschouwen als kunstmest, zoals bedoeld in artikel 2f van de Nitraatrichtlijn.~~ In de laatste expert groep van 17 maart 2022 heeft uw dienst aangegeven dat de Commissie openstaat om een landen-specifieke oplossing te bezien als lidstaten overwegen een dergelijke aanvraag te doen.

**Met opmerkingen** 5.1.2.e**(1):** PM WJZ

Nederland stelt voor deze landen-specifieke oplossing een termijn van tenminste 8 jaar voor, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden. In de bijlage vindt u een voorstel hoe Nederland een dergelijke mogelijkheid zou willen inrichten. Nederland heeft reeds ervaring opgedaan in pilots. Wij zijn gaarne bereid deze ervaringen te delen met u en de andere lidstaten.

*Concluderend*
De aanvraag ziet op een afbouw pad voor de zogenaamde graslandderogatie in én op een ingroei van een landen-specifieke oplossing voor de productie en gebruik van RENURE-producten binnen de Nederlandse landsgrenzen in.

Wij zouden deze voorstellen graag met uw diensten verder willen bespreken en zo de vereiste besluitvormingsprocedure voort zetten. Daarbij herhaal ik het verzoek dat Nederland eerder aan u heeft gedaan om flexibiliteit te betrachten in de procedure ten einde zo spoedig mogelijk tot definitieve besluitvorming te komen.

5.1.2.e

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22141697

Aanvullende informatie naar aanleiding van overleg DG ENVI – Ministerie van LNV over derogatie op 30 maart 2022

Batch 1

**Delen van de ecologische analyse die bij de gebiedsgerichte aanpak hoort en meer specifiek welke doelen kwantitatief worden bereikt per regio voor de waterkwaliteit per 2025**

Op 1 april 2022 heeft de Minister voor Natuur en Stikstof mede namens de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit een brief aan het nationale parlement gestuurd over de hoofdlijnen van de gecombineerde aanpak van natuur, water en klimaat in het landelijk gebied, en van het bredere stikstofbeleid: Kamerbrief met hoofdlijnen gecombineerde aanpak natuur, water en klimaat in landelijk gebied en van bredere stikstofbeleid | Kamerstuk | Rijksoverheid.nl.

Ten aanzien van de ecologische analyses voor de waterkwaliteit is het zo dat deze analyses in belangrijke mate reeds opgesteld zijn in het kader van de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027: bijlage-stroomgebiedbeheerplannen-rijn-maas-schelde-en-eems-2022-2027.pdf. Op basis van deze feitelijke omschrijving kan per gebied het maatregelenpakket voor de gebiedsplannen worden uitgewerkt.
De natuurdoelanalyses voor natuur en stikstof spelen een belangrijke rol bij het per Natura 2000-gebied in beeld brengen van de opgave voor het realiseren van de instandhoudingsdoelstellingen en de beoordeling van de verwachte effecten van geplande of te nemen maatregelen.
In mei van dit jaar zal een quick-scan beschikbaar komen die een eerste inzicht geeft in de staat van de natuur. De afronding van de natuurdoelanalyses is voorzien voor eind 2022, uiterlijk 1 april 2023.

Per gebied wordt de opgave bepaald. De kenmerken van een gebied, in het bijzonder bodem en water, zijn in dit proces sturende factoren. Vanuit de landelijke doelen stelt het Rijk in samenwerking met provincies aanvullende regionale, bindende doelen vast op de vier eerder genoemde opgaven, waaraan beiden zich committeren. Het is essentieel dat opgeteld de landelijke doelen worden behaald.
Via ruimtelijke keuzes op basis van onder meer water en bodem geven Rijk en medeoverheden kaders en randvoorwaarden aan wat er lokaal moet gebeuren. Vanuit hun expertise in de gebieden en passend bij hun bevoegdheid leggen de provincies in de gebiedsplannen de maatregelen en het instrumentarium vast om de doelstellingen te realiseren. Uiterlijk op 1 juli 2023 zullen de plannen moeten worden gepubliceerd. De definitieve gebiedsdoelstellingen voor stikstof zullen worden vastgesteld bij publicatie van de gebiedsplannen op 1 juli 2023 en het streven is samen met provincies om de andere doelstellingen op natuur, klimaat en water voor zover beschikbaar op hetzelfde moment dit jaar richtinggevend mee te geven en ook die doelen op 1 juli 2023 vast te stellen.

*Gebiedsplannen*
De aanpak krijgt voor een belangrijk deel vorm via gebiedsplannen. Het Rijk stelt daarvoor aan de voorkant de kaders vast. Hierin zullen per provincie (of delen van een provincie) taakstellende doelen worden geformuleerd. Deze zullen zijn afgeleid van de (inter)nationale verplichtingen op het terrein van natuur, stikstof, water (zowel waterkwaliteit als waterbeschikbaarheid) en broeikasgassen (landbouw en landgebruik).

**Wat gebeurt er als de (tussen)doelen van het NPLG niet gehaald worden? Welk (al dan niet juridisch) mechanisme treedt in werking?**

*Addendum bij het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn* (Informatie over Bijlage 1020106 | Overheid.nl > Officiële bekendmakingen (officielebekendmakingen.nl)):
In de aanpak worden de nationale verplichtingen regionaal door vertaald en maatregelen worden opgenomen in de gebiedsplannen. Onontkoombaarheid omvat ook een duidelijk escalatiemechanisme, dat het gebruik van meer dwingende instrumenten niet categorisch uitsluit. De Omgevingswet biedt de nodige instrumenten om de onvermijdelijkheid ook bij niet-naleving te garanderen en zal dienovereenkomstig worden ingezet. Als een (regionale) of lokale doelstelling in de vorm van een omgevingswaarde op grond van de Omgevingswet dreigt niet te worden gehaald, geldt op grond van de Omgevingswet in ieder geval een programmaplicht. In dat geval moeten maatregelen worden genomen om alsnog tijdig aan de omgevingswaarde te voldoen. De Rijksoverheid kan met betrekking tot dat programma nadere regels stellen. Bestuursorganen hebben de plicht om doelen te realiseren en door hen afgesproken maatregelen uit te voeren.

Algemene bestuursinstrumenten zijn onder meer de inzet van financiële instrumenten, bestuurlijke afspraken en beleidsregels voor de invulling van bestaande bevoegdheden, bijvoorbeeld op het gebied van vergunningen en registratiebevoegdheid. Lokale overheden hebben bijzondere bevoegdheden, zoals toelating bestemmingen in het kader van de ruimtelijke ordening en voorkeursrecht. Provincies, gemeenten en waterschappen hebben elk sturingsmogelijkheden via de algemene instrumenten van de Omgevingswet, waaronder de omgevingsvisies, programma's gekoppeld aan regionale of lokale omgevingswaarden en decentrale regelgeving (normering, taakverdeling). Regels kunnen worden onderscheiden per zone/gebied. Provincies kunnen via instructieregels ook eisen stellen aan omgevingsplannen voor gemeenten. Alle instrumenten en bevoegdheden die nu in de Wet Natuurbescherming zijn opgenomen, vallen straks onder de regels van de Omgevingswet.
De Omgevingswet bevat het instrumentarium voor de fysieke leefomgeving waaronder natuurverbetering en regels over vergunningverlening voor economische activiteiten. Het Rijk kan bij amvb regels stellen voor burgers en bedrijven en instructieregels aan provincies en gemeentes voor grond- en oppervlaktewaterkwaliteit. De omgevingswaarden voor het bereiken van een goede toestand van de grond- en oppervlaktelichamen komen voort uit de huidige Waterwet en de Wet milieubeheer en zijn een invulling van de eisen van de KRW.

*Hoofdlijnenbrief van 1 april 2022:*
Op het moment dat (gebieds)plannen of beleid worden vastgesteld, is het ook duidelijk welke actie of maatregel getroffen wordt bij tegenvallende uitvoering of effecten. Vrijwilligheid is een belangrijk uitgangspunt in de gebiedsprocessen. Hierbij horen ook escalatiemechanismen wanneer dreigt dat de doelstellingen niet tijdig worden behaald. Als vrijwillige maatregelen - waaronder innovatie, extensivering, verplaatsen of bedrijfsbeëindiging - onvoldoende resultaat opleveren is ingrijpen noodzakelijk. Meer verplichtende maatregelen zoals onteigening - instrumenten die reeds beschikbaar zijn - komen dan op tafel, conform de geldende procedures. Vooraf moet duidelijk moet zijn wanneer en onder welke voorwaarden dit dwingende instrumentarium wordt ingezet. Dit geldt met name voor gebieden waar de natuur (sterk) overbelast is.
Voor de maatregelen uit de stroomgebiedbeheerplannen van de KRW geldt overigens al een uitvoeringsplicht, met een termijn van uiterlijk 2027. Deze termijn geldt ook voor de aanvullende maatregelen voor de KRW-opgave die voortkomen uit dit traject. Vrijwillig instappen van ondernemers is de basis, zodat dwingende instrumenten zoals onteigening zoveel mogelijk voorkomen worden.
De inzet op onontkoombaarheid geldt eveneens voor het gebiedsproces zelf en de voortgang van de gebiedsplannen wordt nauwgezet gevolgd. Indien de voortgang onvoldoende zekerheid oplevert op doelbereik, zal het Rijk vanuit de regierol ingrijpen op het gebiedsproces.

**Waterkwaliteitsgegevens van 2019 met trend**
Zie bijlage, onder meer paragraaf 4.2 gaat in op de trend.

blg-990215
derogatierapportag

**Delen standpunt of ingrijpen nodig is als waterkwaliteit verslechterd**
Waterkwaliteit wordt gemonitord in verschillende meetnetten om inzicht te hebben in de ontwikkelingen van de waterkwaliteit. Deze informatie vormt de onderliggende basis van de actieprogramma's. De effecten van de invoering van maatregelen op de waterkwaliteit zijn pas na enkele jaren zichtbaar. Daarbij is het zo dat de beoordeling van de effectiviteit van landbouwkundig handelen op de waterkwaliteit altijd een "time-gap" kent. De analyse van effectiviteit van landbouwkundig handelen kan pas na twee jaar worden bepaald, door vertraging en na-ijling in effect in waterkwaliteit en doordat de meetgegevens verzameld en geanalyseerd moeten worden. Ook hebben weersomstandigheden grote invloed op de ontwikkeling van de waterkwaliteit. Daardoor zijn effecten van maatregelen niet altijd goed te zien op korte termijn; trendmatige ontwikkelingen zijn pas na meerdere jaren met zekerheid te herkennen. Tussentijds, binnen een actieprogramma, ingrijpen kan grote gevolgen hebben voor ondernemers en komt dan onvoorzien. Voor agrariërs is van belang dat zij over langere tijd weten waar zij aan toe zijn. Daarom worden maatregelen bij voorkeur aangekondigd in een actieprogramma, zodat dit voorafgaand aan een periode helder is.

**Wat is de inschatting van de reductie in mestproductie vanwege de opkoopregelingen?**
*Uitkoop 60 piekbelasters*
Uitgaande van een gemiddeld melkveebedrijf van 108 koeien en de forfaits uit bijlage D van de Urm gaat het voor N en P om 0,15 of 0,16%.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| N | 122 | 108 | 60 | 790560 | 504.400.000 | 0,00156733 |
| P | 43,5 | 108 | 60 | 281880 | 172.900.000 | 0,00163031 |

*Landelijke beëindigingsregeling*
Op basis hiervan is de conclusie dat een realistisch getal een afname van de plafonds is met 2% eind 2025. Dat zou betekenen dat de plafonds met ingang van het 8e AP per 1-1-2026 met 2% naar beneden bijgesteld kunnen worden.
Eindpunt op basis van PBL rapport van afgelopen zomer: reductie van nationale plafonds met tenminste 20% als startpunt (afname veestapel zou tussen 20% en 30% moeten liggen in de periode tot 2030.)

**Wanneer zullen de checkpoints zijn op basis waarvan de productieplafonds verlaagd worden?**
Het grootste effect van de aankoop- en beëindigingsregelingen zijn voorzien in het tweede deel van de looptijd van de gebiedsgerichte aanpak tot en met 2030.
In lijn met de eerste effecten van deze regelingen is in de jaren 2026, 208 en 2031 een afname van de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet voorzien die het tempo van de afname in de regelingen volgt.

**Een vergelijking in waterkwaliteit tussen derogatie en niet-derogatiebedrijven**
In bijgaande memo van het RIVM wordt hierop een toelichting gegeven.

MV-2021-0034
memo RIVM vergelijl

**Vraag of er gegevens van de ammoniakemissie van derogatiebedrijven op klei- en veengrond vergeleken kunnen worden vóór en na de aanvullende voorwaarden**
In bijgaande memo is een toelichting gegeven door het RIVM over het niet opnemen van ammoniakemissie in het Derogatiemeetnet en niet het registreren van ammoniakemissie in het Derogatiemeetnet.

Memo
MIL-2020-0031 SK Ar

**De Commissie zou graag een rapportage ontvangen van de resultaten van de pilot mineralenconcentraat, specifiek over het aantal deelnemende boeren, de effecten op het milieu en de financiële effecten voor een boer.**
Hiervoor wordt verwezen naar de bijlage bij de aanvraag voor een derogatie.

**De EC is naar aanleiding van de presentatie over de fertilizer registers van Denemarken, Vlaanderen en Ierland benieuwd wat onze plannen**
Hiervoor wordt verwezen naar paragraaf 6.3.4 van het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn.

*Omschrijving maatregel*
In samenwerking met de aanleverende industrie en de primaire sector wordt in 2022 een actieplan opgesteld om beter inzicht te krijgen in het kunstmestgebruik in Nederland. Naast gebruik op

nationaal en regionaal niveau, is het van belang meer inzicht te verkrijgen van het gebruik van kunstmest op individueel bedrijfsniveau. Hierbij wordt gestreefd naar aansluiting bij bestaande systemen.
Deze kunstmestgegevens kunnen worden gebruikt om te komen tot bemestingsadviezen die de landbouwers stimuleren de nutriëntengebruikseffici ëntie te verhogen. Deze gebruikseffici ëntie is een maatstaf voor het deel van de gebruikte stikstof, dat tijdens een groeiseizoen wordt omgezet in geoogst product en is dus een indicator voor de manier waarop een landbouwer de precisielandbouw-principes toepast in zijn bemestingsstrategie. Daarnaast helpen deze kunstmestgegevens om de effecten van bemesting op emissies naar bodem, water en lucht beter inzichtelijk te maken in modellen (e.g. NEMA) en om te kunnen monitoren hoe vervanging van kunstmest door meststoffen van herwonnen bron plaatsvindt. Tenslotte kunnen de gegevens gebruikt worden om eventuele overbemesting met kunstmest door landbouwers aan het licht te brengen. Afhankelijk van de uitkomsten van het actieplan en hoe volledig en sluitend inzicht verkregen kan worden op bedrijfsniveau van gebruik van kunstmest, kan eventueel een vervolgtraject worden gestart om te sanctioneren of om meer bewustwording bij gebruik af te dwingen.

*Datum inwerkingtreding*
Nederland werkt in 2022 een plan uit dat zijn beslag zal krijgen vanaf 2023.

*Verwacht effect voor de landbouw*
Kunstmest wordt beter ingezet, dit zal leiden tot een verbetering van de nutriëntenefficiency. Daar waar te veel kunstmest werd gebruikt zal het leiden tot een inperking van de nutriënten input.

*Verwacht effect voor de uitvoering en handhaving*
Uitkomst van het actieplan moet zijn dat er meer inzicht komt in het gebruik van kunstmest op landbouwbedrijven. Daarmee zou de handhaving eenvoudiger moeten worden.

Batch 2

- Kan het RIVM in mei al de derogatierapportage opleveren? Zo niet, kunnen er al eventuele voorlopige resultaten gedeeld worden? 5.1.2.E 5.1.2.E **- 1e helft mei voorlopige resultaten**
- Kan rapportage over de voortgang van de Versterkte Handhavingsstrategie inclusief stand van zaken implementatie rVDM in mei al opgeleverd worden? 5.1.2.E **/** 5.1.2.E **- 1e helft mei**
- Delen standpunt waar NL in 2025 wil staan met grondgebondenheid 5.1.2.E
- Als derogatie afneemt hoe gaat NL zorgen voor voldoende aandeel grasland om te voorkomen dat bouwland wordt omgezet in grasland 5.1.2.E

**Europees Parlement**
2019-2024

**AANGENOMEN TEKSTEN**

# P9_TA(2022)0110

## Maatregelen tegen waterverontreiniging door nitraten, met inbegrip van verbeteringen in de verschillende nitraatmeetsystemen in de lidstaten

**Resolutie van het Europees Parlement van 5 april 2022 over maatregelen tegen waterverontreiniging door nitraten, onder meer ter verbetering van de verschillende systemen voor het meten van nitraat in de lidstaten (2021/3003(RSP))**

*Het Europees Parlement*,

– gezien de verzoekschriften nrs. 0751/16, 1025/16, 0793/17, 0819/17, 0482/20, 0490/20, 0491/20, 0499/20, 0535/20, 0095/21 en 0862/21,

– gezien artikel 3, lid 3, van het Verdrag betreffende de Europese Unie, de artikelen 4 en 191 en artikel 192, lid 4, van het Verdrag betreffende de werking van de Europese Unie, en de artikelen 35 en 37 van het Handvest van de grondrechten van de Europese Unie,

– gezien Richtlijn 91/676/EEG van de Raad van 12 december 1991 inzake de bescherming van water tegen verontreiniging door nitraten uit agrarische bronnen[1] ("de nitratenrichtlijn"),

– gezien Richtlijn 2000/60/EG van het Europees Parlement en de Raad van 23 oktober 2000 tot vaststelling van een kader voor communautaire maatregelen betreffende het waterbeleid[2] ("de kaderrichtlijn water"),

– gezien Richtlijn 2006/7/EG van het Europees Parlement en de Raad van 15 februari 2006 betreffende het beheer van de zwemwaterkwaliteit en tot intrekking van Richtlijn 76/160/EEG[3] ("de zwemwaterrichtlijn"),

– gezien Richtlijn 2006/118/EG van het Europees Parlement en de Raad van 12 december 2006 betreffende de bescherming van het grondwater tegen verontreiniging en achteruitgang van de toestand[4] ("de grondwaterrichtlijn"),

– gezien Richtlijn 2008/56/EG van het Europees Parlement en de Raad van 17 juni 2008 tot vaststelling van een kader voor communautaire maatregelen betreffende het beleid

---

1 PB L 375 van 31.12.1991, blz. 1.
2 PB L 327 van 22.12.2000, blz. 1.
3 PB L 64 van 4.3.2006, blz. 37.
4 PB L 372 van 27.12.2006, blz. 19.

ten aanzien van het mariene milieu[1] ("de kaderrichtlijn mariene strategie"),

– gezien Richtlijn (EU) 2020/2184 van het Europees Parlement en de Raad van 16 december 2020 betreffende de kwaliteit van voor menselijke consumptie bestemd water[2] ("de drinkwaterrichtlijn"),

– gezien de mededeling van de Commissie van 20 mei 2020 getiteld "EU-biodiversiteitsstrategie voor 2030 – De natuur terug in ons leven brengen" (COM(2020)0380),

– gezien de mededeling van de Commissie van 17 november 2021 getiteld "EU-bodemstrategie voor 2030 – Profiteren van de voordelen van een gezonde bodem voor mens, voedsel, natuur en klimaat" (COM(2021)0699),

– gezien de mededeling van de Commissie van 20 mei 2020 getiteld "Een "van boer tot bord"-strategie voor een eerlijk, gezond en milieuvriendelijk voedselsysteem" (COM(2020)0381),

– gezien de mededeling van de Commissie van 12 mei 2021 getiteld "Route naar een gezonde planeet voor iedereen – EU-actieplan: Verontreiniging van lucht, water en bodem naar nul" (COM(2021)0400),

– gezien het verslag van de Commissie van 11 oktober 2021 over de uitvoering van Richtlijn 91/676/EEG van de Raad inzake de bescherming van water tegen verontreiniging door nitraten uit agrarische bronnen, op basis van verslagen van de lidstaten over de periode 2016-2019 (COM(2021)1000),

– gezien zijn resolutie van 17 december 2020 over de uitvoering van de EU-waterwetgeving[3],

– gezien artikel 227, lid 2, van zijn Reglement,

A. overwegende dat de Commissie verzoekschriften diverse verzoekschriften heeft ontvangen waarin bezorgdheid wordt geuit over waterverontreiniging door nitraten en waarin inbreuken op de ter zake geldende milieuwetgeving onder de aandacht worden gebracht; overwegende dat de Commissie verzoekschriften ook verzoekschriften heeft ontvangen die betrekking hebben op de uiteenlopende wijze waarop nitraatgehaltes in de lidstaten worden gemeten en de moeilijkheid om de nitraatgehaltes in Europese wateren op de juiste wijze te meten en om een goed overzicht te krijgen van de toestand van waterlichamen in de EU;

B. overwegende dat de toestand van het water op veel plaatsen in de EU is verslechterd vanwege overexploitatie en verontreiniging en/of nog niet voldoet aan de vereisten van artikel 4 van de kaderrichtlijn water;

C. overwegende dat bepaalde regio's in de EU meer dan andere regio's kampen met deze vorm van verontreiniging vanwege hun geografische kenmerken en de gevolgen van de

---

1 PB L 164 van 25.6.2008, blz. 19.
2 PB L 435 van 23.12.2020, blz. 1.
3 PB C 445 van 29.10.2021, blz. 126.

klimaatverandering;

D. overwegende dat een hoog nitraatgehalte een van de belangrijkste vormen is van verontreiniging door schadelijke stoffen van wateren in de EU en dat deze vorm van verontreiniging ontstaat door accumulatie van stikstof en fosfor uit dierlijke mest en kunstmest;

E. overwegende dat stikstof een essentiële voedingsstof is voor planten en gewassen; overwegende dat hoge stikstofconcentraties in water schadelijk zijn voor mens en natuur; overwegende dat nitraten zuurstofdepletie en eutrofiëring veroorzaken en dus een gevaar vormen voor zowel de volksgezondheid als ecosystemen; overwegende dat nitraten in water de kosten van drinkwaterzuivering doen stijgen, leiden tot extra kosten omdat er schoon water vervoerd moet worden naar gemeenschappen die kampen met dit probleem en aanzienlijke economische gevolgen hebben voor economische sectoren die afhankelijk zijn van het verontreinigde water;

F. overwegende dat in de periode 2016-2019 in 14,1 % van het grondwater in de lidstaten de grenswaarde voor de nitraatconcentratie in drinkwater nog altijd werd overschreden; overwegende dat 81 % van de mariene wateren, 31 % van de kustwateren, 36 % van de rivieren en 32 % van de meren in de EU eutroof zijn; overwegende dat de totale oppervlakte van de als kwetsbaar voor nitraten aangemerkte zones (inclusief de oppervlakte van de lidstaten die hun gehele grondgebied als kwetsbare zone aanwijzen) tussen de periode 2012-2015 en de periode 2016-2019 met 14,4 % is gestegen; overwegende dat de Commissie heeft vastgesteld dat eutrofiëring een probleem is waarmee bij de aanwijzing van door nitraten verontreinigde gebieden onvoldoende rekening wordt gehouden;

G. overwegende dat uit waterkwaliteitsgegevens blijkt dat 30 jaar na vaststelling van de nitratenrichtlijn de uitvoering en handhaving op dit gebied nog altijd onvoldoende zijn om de doelstellingen van deze richtlijn en de doelstellingen van de kaderrichtlijn water te verwezenlijken;

H. overwegende dat veel lidstaten op hun hele grondgebied nog steeds een slechte waterkwaliteit registreren en er structureel niet in slagen nutriëntenverlies in de landbouw terug te dringen, en dat sommige andere landen specifieke knelpunten hebben waar de verontreiniging onvoldoende wordt aangepakt;

I. overwegende dat er ondanks de genomen maatregelen sinds 2012 in de EU slechts weinig vooruitgang wordt geboekt; overwegende dat inbreuken door de lidstaten op de nitratenrichtlijn meestal verband houden met tekortkomingen betreffende de stabiliteit van het monitoringnetwerk, de aanwijzing van kwetsbare zones en de uitvoering van actieprogramma's;

J. overwegende dat de systemen voor het meten van nitraten en de normen ter zake van lidstaat tot lidstaat verschillen; overwegende dat de uitkomsten van nitraatmetingen hierdoor niet gemakkelijk met elkaar kunnen worden vergeleken, waardoor er binnen de EU-landbouwsector mededingingsproblemen kunnen ontstaan, met verstoringen van de interne markt tot gevolg;

K. overwegende dat het terugdringen van nutriëntenverliezen met 50 % tegen 2030 een van de doelstellingen van de Europese Green Deal is;

L. overwegende dat de lidstaten op grond van de nitratenrichtlijn verplicht zijn om zones te bepalen en aan te wijzen die gevoelig zijn voor verontreiniging door nitraten, om een doeltreffende bestrijding van nitraatverontreiniging op hun grondgebied te waarborgen;

M. overwegende dat eutrofiëring leidt tot een zorgwekkend verlies aan biodiversiteit en soms zelfs tot milieurampen in ecologisch zeer waardevolle ecosystemen, waarbij herstel van de schade zeer moeilijk is;

N. overwegende dat de problemen met waterverontreiniging ten gevolge van het onjuiste gebruik van nitraten in de landbouwsector en in verband met stedelijke bronnen zoals afvalwaterzuiveringsinstallaties van een dermate grote omvang zijn dat zij een bedreiging vormen voor het voortbestaan van sommige Europese ecosystemen;

O. overwegende dat veel stedelijke afvalwaterzuiveringsinstallaties niet aan de huidige eisen voldoen;

1. herinnert eraan dat in de kaderrichtlijn water is bepaald dat alle Europese oppervlaktewateren uiterlijk in 2027 een goede toestand moeten bereiken; betreurt dat de helft van de waterlichamen in de EU nog geen goede toestand heeft bereikt en dat verontreiniging door nitraten nog steeds een van de grootste belastingen voor het aquatisch milieu vormt;

2. merkt op dat de nitratenrichtlijn nog steeds een belangrijk instrument is als het gaat om de bescherming van Europese waterlichamen; uit zijn bezorgdheid over het feit dat de nitratenrichtlijn niet naar behoren wordt uitgevoerd en onvoldoende wordt gehandhaafd en over het feit dat de lidstaten op grote schaal gebruikmaken van vrijstellingen; wijst erop dat er om die reden sinds de vaststelling van de richtlijn in 1991 slechts weinig vooruitgang is geboekt;

3. wijst erop dat er meer inspanningen moeten worden geleverd om eutrofiëring van zowel zoet als zout water, veroorzaakt door stikstof en fosfor afkomstig van welke bron dan ook, maar met name afkomstig van de landbouw en van stedelijke bronnen zoals afvalwaterzuiveringsinstallaties en onbehandeld of onjuist behandeld afvalwater, aan te pakken; verzoekt de Commissie in dit verband om in haar actieplan voor het geïntegreerde beheer van nutriënten, dat gepland staat voor 2022, ambitieuze maatregelen voor te stellen;

4. wijst erop dat een omvattend inzicht in de situatie in de verschillende lidstaten en op Europees niveau onontbeerlijk is; is van mening dat het gebruik van uiteenlopende meetsystemen in de lidstaten tot problemen kan leiden bij de aanpak van waterverontreiniging door nitraten op Europees niveau; dringt er bij de Commissie op aan om de vergelijkbaarheid van de resultaten van nitraatmetingen en beoordelingen van eutrofiëring in de lidstaten te waarborgen; is van mening dat de systemen voor nitraatmeting en beoordeling van eutrofiëring, en met name de plaatsbepaling van de bemonsteringspunten, binnen de EU geharmoniseerd moeten worden; spoort de Commissie aan om de lidstaten bij dit proces technische ondersteuning te bieden door haar richtsnoeren te verbeteren en een studie uit te voeren naar de wijze waarop de monitoringsystemen door de lidstaten worden toegepast; benadrukt dat er behoefte is aan een uniform systeem voor het nemen van monsters en het analyseren van die monsters om ervoor te zorgen dat de gemeten waarden vergelijkbaar zijn;

5. dringt er bij de Commissie en de lidstaten op aan volledige transparantie en publieke toegang te waarborgen met betrekking tot modellering en de onderliggende keuzes en aannames voor de raming van stikstofemissies;

6. wijst erop dat de maatregelen die nodig zijn om de bescherming van de waterkwaliteit te waarborgen en verontreiniging door nitraten tegen te gaan, uitgewerkt en vastgesteld moeten worden op basis van waterkwaliteitsgegevens en niet op basis van ramingen aan de hand van modellen, omdat die laatste slechts aanvullende informatie voor gerichte maatregelen kunnen bieden;

7. vindt het uiterst belangrijk dat er op korte termijn gezorgd wordt voor een aanzienlijke verbetering van de maatregelen die erop gericht zijn een goede waterkwaliteit te waarborgen, omdat uit de huidige trends valt af te leiden dat er drastische veranderingen nodig zijn om de doelstellingen van de kaderrichtlijn water inzake het bereiken van een goede ecologische en chemische toestand van water, te realiseren;

8. dringt er bij de Commissie op aan om bij alle gevallen van niet-naleving van de nitratenrichtlijn op passende wijze op te treden en daarbij ten volle rekening te houden met de steeds groter wordende verzameling van door burgers aangeleverde bewijzen en informatie, en te zorgen voor volledige transparantie met betrekking tot de maatregelen die zij neemt tegen lidstaten die de regels niet naleven, om de rechten van burgers te waarborgen en ervoor te zorgen dat zij de vruchten van EU-wetgeving kunnen plukken; dringt er in dit kader bij de Commissie op aan om veel meer gebruik te maken van haar handhavingsbevoegdheden en onder meer tijdig en op doeltreffende wijze gebruik te maken van inbreukprocedures, om te waarborgen dat de lidstaten naar behoren zones aanwijzen die kwetsbaar zijn voor nitraten en actieprogramma's inzake nitraten opstellen en alle maatregelen daarin uitvoeren;

9. betreurt dat in de periode 2016-2019 tien lidstaten het voorwerp waren van lopende inbreukprocedures wegens niet-naleving van de nitratenrichtlijn; dringt er bij de lidstaten op aan reeds bestaande waterverontreiniging zo snel mogelijk aan te pakken en elk risico op verdere verontreiniging te voorkomen door meer zones aan te wijzen als kwetsbare zones in de zin van de nitratenrichtlijn en door ambitieuzere actieprogramma's op te stellen, om de overeenkomstig de nitratenrichtlijn vastgestelde maatregelen ten volle uit te voeren en te handhaven; dringt er voorts bij de lidstaten op aan waterdoelstellingen in andere beleidsterreinen te integreren;

10. wijst erop dat klimaatverandering en meer regenval kunnen leiden tot overstromingen en nutriëntenverlies; betreurt dat deze risico's in de huidige actieprogramma's wellicht niet voldoende aan de orde komen; dringt er bij de lidstaten op aan deze prognoses en risico's in aanmerking te nemen bij de herziening van hun actieprogramma's en daarbij toepassing te geven aan het voorzorgsbeginsel;

11. wijst erop dat de toepassing van innovaties gestimuleerd moet worden om de efficiëntie van de landbouw te vergroten en goede praktijken binnen de landbouw te bevorderen, gelet op de noodzaak om inefficiënties die leiden tot overmatig gebruik van water, meststoffen, pesticiden en antibiotica te verminderen;

12. wijst er nogmaals op dat de overgang naar ecologisch duurzame landbouw van belang is om een einde te maken aan verontreiniging door nutriënten en om de toepassing van goede milieupraktijken te ondersteunen, onder meer door op passende wijze gebruik te

maken van de relevante instrumenten van het gemeenschappelijk landbouwbeleid, de structuurfondsen en andere EU-programma's, zoals LIFE; benadrukt dat er gebruik moet worden gemaakt van innovatieve technieken zoals de terugwinning van stikstof uit mest, omdat dergelijke technieken kunnen bijdragen tot vermindering van de verontreiniging en ertoe kunnen bijdragen dat het weglekken van nutriënten in het milieu zoveel mogelijk wordt beperkt; verzoekt de Commissie om in het kader van Horizon Europa onderzoeksprogramma's te financieren die erop gericht zijn slimme en innovatieve oplossingen te vinden voor het probleem van nutriëntenverontreiniging in de EU;

13. is van mening dat een verordening het juiste wetgevingsinstrument is om de bescherming van water tegen verontreiniging door nitraten uit agrarische bronnen te waarborgen en te zorgen voor een uniforme handhaving wat betreft de waterkwaliteitsdoelstellingen in de hele EU in overeenstemming met de doelstellingen van de Europese Green Deal;

14. verzoekt zijn Voorzitter deze resolutie te doen toekomen aan de Europese Commissie, de Raad en de regeringen en parlementen van de lidstaten.

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e
**Verzonden:** dinsdag 12 april 2022 07:39
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: Memo coalitieoverleg derogatie

Hoi 5.1.2.E en 5.1.2.E

Misschien is het gister al met 5.1.2.E besproken, maar ik zie dat het lastig was om mijn - snel gemailde - commentaar te verwerken. Volgens mij vraagt het even een bespreking hoe we de betrokkenheid van 5.1.2.E hier goed in verwerken. Zal ik iets laten inplannen?

Groet5.1.2.e

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Datum:** 8 april 2022 om 11:50:31 CEST
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** ' 5.1.2.E ( 5.1.2.E )' < 5.1.2.E @minvws.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Memo coalitieoverleg derogatie

Hoi 5.1.2.E

Hierbij,

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E

Team Mest
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 2594 AC Den Haag
Postbus 20401 2500 EK Den Haag

**T** 5.1.2.E
**BGG** 5.1.2.E
**E** 5.1.2.E @minlnv.nl
Flexplek: A Noord 4e verdieping

5.2 twe

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** vrijdag 15 april 2022 15:41
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Antw: [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie
**Bijlagen:** 220413 Oefenbrief.docx; 220414 Memo vervolg derogatie ztt v3.docx

Hoi 5.1.2.E en 5.1.2.E

Zoals net besproken met 5.1.2.E hierbij het memo met nog een kleine aanpassing plus de 'oefenbrief'. Deze stukken kunnen naar de coalitie verstuurd worden.

Hieronder in rood ook alvast mijn eerste reactie op de punten van 5.1.2.E

Groeten,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** vrijdag 15 april 2022 13:51
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** FW: Antw: [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** vrijdag 15 april 2022 12:04
**Aan:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
<e.g. 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** FW: Antw: [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

Zie onderstaand reactie van 5.1.2.E en Henk op het memo.

Groet
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** vrijdag 15 april 2022 11:55
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E
5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E
5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E
5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Antw: [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

Dag allemaal,

Heb nota gelezen, en even laten bezinken. Ook mogelijke consequenties.
We doen alles wat de commissie wil, onontkoombaarheid, grondgebondenheid, extensivering etc. Dat moeten we toch echt aan elkaar kunnen koppelen ook in politieke zin zou je verwachten.

Zowel optie 1 als optie 2 hebben enorm veel impact op gebiedsgerichte aanpak. Ik maak mij hier echt grote zorgen over. Ook voor de sector. Dit gaat inslaan als een bom, en is eigenlijk niet te doen voor ondernemers. Eigenlijk is het een enorme sanering die helemaal niet past binnen coalitie akkoord en de manier waarop wij met elkaar aan het werk zijn.

Als het gaat om de opties zoals opgenomen in de nota, begrijp ik de keuze van Henk voor tweede optie.

Hierbij wel een aanvulling:
Optie 2 is gezien gebiedsgerichte aanpak alleen zonder voorwaarden acceptabel. Dus niet op een manier dat EU handen aan het stuur heeft of voorwaarden stelt aan gebiedsgerichte aanpak / NPLG. Dan staat doelbereik teveel onder druk.

Is een derde optie verkend, die buiten de standaard 'nitraatlijnen' kleurt? Bijvoorbeeld derogatie gekoppeld aan bodem/water, gebiedsgerichte derogatie of gewasderogatie?

- Ja. Gelet op het tijdpad waar we in zitten, is een nieuwe derogatie op een geheel nieuwe grondslag echter niet haalbaar. Dit zou een nieuwe wetenschappelijke onderbouwing vergen die de EC zal willen beoordelen. Dat gaat niet lukken in het huidige tijdpad van enkele weken.
- Gewasderogatie wordt als optie al geruime tijd verkend. Uit een peiling van LTO onder de achterban bleek dat de animo onder de leden voor gewasderogatie tegenviel. Daarnaast is de handhaafbaarheid problematisch. Gewasderogatie houdt immers in dat afhankelijk van het geteelde gewas wel of niet gebruik gemaakt kan worden van derogatie. Dit maakt dat registratie en handhaving op perceelsniveau nodig is. Gedurende het uitrijdseizoen zou op perceelsniveau geborgd moeten worden hoeveel mest wordt uitgereden. Dit is in technisch en praktisch opzicht niet op korte termijn in te regelen.
- De huidige derogatie is in beperkte mate gebiedsgericht, in die zin dat onderscheid wordt gemaakt naar grondsoort, wat gebaseerd is op de waterkwaliteit. Bij een verdere koppeling van de derogatie aan bodem/waterkwaliteit ligt het voor de hand dat in gebieden waar de waterkwaliteit onvoldoende is (zoals zuidelijk zand en löss) geen of minder gebruik gemaakt mag worden van derogatie. Dat zou een averechts effect hebben op de waterkwaliteit, omdat grasland dan wordt omgezet in bouwland waardoor de nitraatuitspoeling bij het wegvallen van derogatie juist toeneemt en de waterkwaliteit verder verslechtert. De derogatie heeft een positief effect op de waterkwaliteit (m.n. vanwege de 80% grasland eis) en wil je dus juist in gebieden waar de waterkwaliteit achterblijft.

Ik denk dat het verstandig is dat we goede en strategische scenario's uitwerken bij verschillende uitkomsten. Ook tav consequenties gebiedsgerichte aanpak.
Benieuwd naar coalitie komende week. We hebben nog een aantal weken toch? Zijn er mogelijkheden dit op Europese schaal politiek te maken? Is dat verkend? Is de sector hier goed bij betrokken? Denk dat coalitie dit ook zal willen weten volgende week?

Het tijdpad ziet er als volgt uit:

- NL heeft nu twee presentaties gegeven ihkv de besluitvormingsprocedure in de reeks van vier. NL zal dus nog geagendeerd moeten worden in het Nitraatcomite van juni en van september. Dan pas vindt definitieve toekenning van de derogatiebeschikking plaats.

- Dit is aan het eind van het uitrijdseizoen en daarom te laat voor de sector. Daarom is de EC verzocht om in juni een 'letter of intent' te sturen, als we dan overeenstemming hebben bereikt. De EC heeft hier niet afwijzend op gereageerd, maar zal dit pas doen nadat er definitieve overeenstemming is.
- We koersen er daarom op om in het Nitraatcomite van juni de volgende presentatie te mogen geven in het Nitraatcomite en definitieve overeenstemming te hebben bereikt over de beschikking, zodat we dan ook een letter of intent van de EC ontvangen.
- De concept beschikking moeten intern binnen de EC goedgekeurd worden door diverse diensten. Dit neemt enkele weken in beslag. Op de inhoud moeten we er dus omstreeks half mei uit zijn met de EC, zodat zij daarna hun interne procedures kunnen doorlopen.
- Dit maakt dat we nog ca. 4 weken de tijd hebben.

Er vindt ongeveer wekelijks overleg plaats met LTO en NAJK. Dit is een informeel overleg, gelet op de gevoeligheid bij de achterban. Naar buiten toe blijft LTO communiceren dat zij op zijn minst voortzetting van de huidige derogatie willen, met daarbij het liefst gewasderogatie, plus het mogelijk maken van kunstmestvervanging, met besluitvorming op zo kort mogelijke termijn. Binnenskamers beseft men wel dat deze inzet weinig realistisch is.

Na het laatste gesprek tussen MLNV en Commissaris Sinkevicius zijn de gesprekken op ambtelijk niveau voortgezet. We moeten nu de inzet bepalen voor die ambtelijke gesprekken. Indien dit niet tot overeenstemming leidt, kan snel geëscaleerd worden naar politiek niveau. Advies is om dat nu nog niet te doen, aangezien de ambtelijke besprekingen nog lopen en de Commissaris daarnaar zal terugverwijzen. In een eerder stadium zijn contacten gelegd met het kabinet van Timmermans en is het belang van dit onderwerp opgebracht in een gesprek van Rutte met Von der Leyen. Het komt echter pas in het College van Commissarissen wanneer de definitieve beschikking door ENVI ter besluitvorming wordt ingebracht.

Hartelijke groet,
5.1.2.e

---

**Van:** Staghouwer, H. (Henk ) 5.1.2.e @minlnv.nl>
**Datum:** 15 april 2022 om 10:54:13 CEST
**Aan:** 5.1.2.e @minlnv.nl>, 5.1.2.e
5.1.2.e @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.e @minlnv.nl>, 5.1.2.e @minlnv.nl>, 5.1.2.e
5.1.2.e @minlnv.nl>, 5.1.2.e 5.1.2.e @minlnv.nl>, 5.1.2.e
5.1.2.e @minlnv.nl>, 5.1.2.e 5.1.2.e @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Antw: [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

Goedemorgen,

Ik ben akkoord met de tekst

Groet, Henk

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 14 april 2022 om 15:10:47 CEST
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk) <5.1.2.E 2@minlnv.nl>, 5.1.2.E [redacted] (5.1.2.E) <5.1.2.E 3@minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E ;@minlnv.nl>, 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E :@minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

Beste Henk en 5.1.2.E

In de bijlage treffen jullie de memo over derogatie, voor jullie akkoord.
Zouden jullie uiterlijk morgen je opmerkingen/akkoord kunnen geven? Na jullie akkoord stuurt 5.1.2.E de memo naar de coalitie.

Heel veel dank alvast,
5.1.2.E

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

---

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.
This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

**Memo ten behoeve van het coalitieoverleg vervolg derogatie**

Aanleiding
In het coalitieoverleg van 6 april 2022 is toegelicht wat de stand van zaken is naar aanleiding van het gesprek met DG Milieu van de Europese Commissie (EC) over inhoud en voorwaarden van een derogatie.

Er zijn twee wensen vanuit NL: een volledige graasdierderogatie en een derogatie voor kunstmestvervangers.

DG Milieu heeft een groot aantal verzoeken voor meer informatie gedaan die onderdeel moeten worden van de derogatiebeschikking. Deze verzoeken zien onder meer op het vastleggen van reductie in de productieplafonds en het instellen van een tussentijdse review van de waterkwaliteit waarbij een achteruitgang in de waterkwaliteit leidt tot een terugval in de hoogte van de derogatienorm. ENVI heeft ook gevraagd naar het (juridische) mechanisme als de (tussen)doelen van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG) niet worden gehaald.
DG Milieu staat daarnaast als gevolg van de Oekraïne oorlog onder druk van de Lidstaten ten aanzien van de het mogelijk maken van vervanging van kunstmest door hoogwaardige producten uit dierlijke mest binnen de Nitraatrichtlijn. Het realiseren van de mogelijkheid van kunstmestvervanging binnen de Nitraatrichtlijn zal een langjarig traject vergen. Een andere mogelijkheid is het aanvragen van een landenspecifieke oplossing. DG Milieu beschouwt dit als een tweede derogatieverzoek en heeft Nederland ambtelijk verzocht een aanvraag voor kunstmestvervanging te doen. We willen inzetten op een periode van 8 jaar om zo bedrijven langere termijn zekerheid te geven om hun investeringen terug te verdienen.

De ambtelijke inschatting is dat het beantwoorden van alle vragen zal leiden tot het opnemen van vergaande bepalingen en voorwaarden in de derogatiebeschikking. Hierbij zal een tussentijdse evaluatie van de waterkwaliteit leiden tot onzekerheid voor boeren omdat onduidelijk is van welke derogatienormen zij de komende vier jaar uit kunnen gaan. De weersomstandigheden in de komende vier jaar kunnen sterk variëren en kunnen gevolgen hebben voor de waterkwaliteit. Het vastleggen van een reductie van de mestproductieplafonds gaat in tegen de systematiek van het NPLG. De eerste resultaten van de aankoop- en beëindigingsregelingen zullen in 2025 zichtbaar worden. De inschatting is dat dit een beperkte afname zal zijn.[1] Als de beëindigingsregelingen onvoldoende resultaat opleveren om aan de voorwaarden van een reductie van de mestproductieplafonds te voldoet resteert een gedwongen van de krimp van de veestapel.

Het tijdspad is krap: het volgende Nitraatcomité is op 15 juni aanstaande. De conceptagenda wordt 2 tot 3 weken van te voren door ENVI gedeeld met de Lidstaten. Dat betekent dat uiterlijk (in de week van) 21 mei (politieke) overeenstemming bereikt moet zijn met ENVI/EC.

Er zijn twee opties voor het vervolg:

Optie 1: De Nederlandse inzet is het verleend krijgen van 2 derogaties namelijk de (reguliere) graslandderogatie én een derogatie voor kunstmestvervanging.
Vervolg:
- De vragen van ENVI worden beantwoord.
- Het initiatief blijft bij ENVI en Nederland wacht de vervolgvoorstellen van ENVI af.

Risico:
- Op basis van de gedeelde informatie is de kans groot dat bepalingen en voorwaarden in de derogatiebeschikking worden opgenomen die binnen de derogatieperiode van vier jaar elk jaar tot onzekerheid zullen leiden voor agrariërs. (Bijv.: als uit monitoring van de waterkwaliteit blijkt dat deze in twee opvolgende jaren verslechtert dan wordt de stikstofgebruiksnorm naar beneden bijgesteld. Dit kan echter ook het gevolg zijn van weersomstandigheden, wat buiten de invloedssfeer van de landbouwer ligt. Een dergelijke bepaling leidt dus tot onzekerheid voor de sector. Desondanks is een dergelijke bepaling recent opgenomen in de derogatiebeschikking aan Ierland).
- Dergelijke voorwaarden kunnen gevolgen inhouden voor de realisatie van en het draagvlak voor het Nationaal Programma Landelijk Gebied en de ruimte voor de sector binnen de integrale gebiedsgerichte aanpak. Naast bovengenoemde voorwaarde wijzen de gesprekken tot nu toe erop dat de ENVI ertoe neigt om voorgeschreven doelen voor de integrale gebiedsgerichte aanpak in de beschikking op te nemen, zoals een jaarlijkse

[1] Een grove berekening op een regeling van EUR 500 ML zal een afname van 2% van de mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat inhouden

afname van de mestproductieplafonds (in potentie leidend tot een generieke korting op de productierechten). Dit zou veel druk zetten op de aankoop- en beëindigingsregelingen in de integrale gebiedsgerichte aanpak en kan resulteren in gedwongen krimp van de veestapel (in plaats van dat de omvang van de veestapel een resultante is van de gebiedsgerichte aanpak).
- Op dit moment is niet duidelijk of voorwaarden aan bedrijfsbeëindiging onderdeel kunnen worden van de derogatiebeschikking.
- De kans is groot dat ENVI een derogatieaanvraag voor kunstmestvervanging als een separate derogatie inclusief de daarbij behorende besluitvormingsprocedure zal zien én deze aanvraag niet op korte termijn tot resultaat zal leiden.
- ENVI neemt in de derogatiebeschikking afbouw pad voor de graasdierderogatie op evenals de eerder aangegeven ingrijpende bepalingen in de derogatiebeschikking.

<u>Optie 2: De Nederlandse inzet is het verleend krijgen van een combiderogatie met een ingroeipad van derogatie voor kunstmestvervanging en een graslandderogatie met afbouw pad.</u>
Vervolg:
- Op ambtelijk niveau stelt Nederland een afbouw pad voor de graslandderogatie aan ENVI voor. Inzet is gericht op het voorkomen van de opname van de eerder aangegeven ingrijpende bepalingen in de derogatiebeschikking.
- Onze inzet is dat ENVI hiermee een aantal beperkende voorwaarden kan laten vallen (bijv. verlaging productieplafonds, tussentijdse evaluaties)
- Hiermee wordt aan de voorkant meer duidelijkheid aan agrariërs gegeven.
- En is het kader voor de gebiedsprocessen in de integrale gebiedsgerichte aanpak aan de voorkant helder.
- Als gevolg van een afbouw pad zal minder dierlijke mest worden uitgereden waardoor de ammoniakemissie afneemt. Dit leidt tot meer stikstofruimte.

Risico:
- Politiek houdt dit een risico in, omdat Nederland zelf het voorstel voor afbouw doet en dit niet aan ENVI laat. Daarmee wordt het niet opgelegd door de EC.
- Er is een kans dat ENVI dit voorstel niet goed genoeg vindt en dat een derogatie voor kunstmestvervanging niet wordt verleend, maar een afbouw pad voor de graasdierderogatie wel door ENVI wordt geïncasseerd als resultaat.
- ENVI neemt in de derogatiebeschikking ondanks een afbouw pad voor de graasdierderogatie wel de eerder aangegeven ingrijpende bepalingen in de derogatiebeschikking op.

Het uitrijdseizoen is inmiddels gestart. Het is daarom wenselijk geen aanpassing in de stikstofgebruiksnorm meer te doen voor dit lopende jaar. Het voorstel voor een afbouw pad is als volgt:

| | *230 kg N/ha*[2] | *250 kg N/ha*[3] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 210 | 230 |
| 2025 | 200 | 210 |

**Advies**
Ik ben voornemens om te kiezen voor optie 2 omdat:
a) dit een breekijzer kan zijn om onwerkbare eisen en voorwaarden, die de gebiedsgerichte aanpak ondermijnen, buiten de derogatiebeschikking te houden;
b) een afbouw pad van de plaatsingsruimte, hoewel pijnlijk, duidelijkheid geeft voor de komende vier jaar, in plaats van tussentijdse evaluatiebepalingen met consequenties voor de (omvang van de) derogatie, met alle onzekerheid van dien;
c) dit een breekijzer kan zijn om kunstmestvervanging mogelijk te maken, wat mogelijkheden biedt om de vermindering van de plaatsingsruimte voor dierlijke mest enigszins op te vangen en bijdraagt aan de doelen voor klimaat en kringlooplandbouw.

[2] Derogatie afgelopen jaren voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg
[3] Derogatie afgelopen jaren voor de andere landbouwgronden in Nederland

**Risico bij geen derogatie en wel nationaal toestaan een hogere stikstofgebruiksnorm**
Als we met ENVI niet tot een werkbare derogatiebeschikking komen, kan in theorie nationaal een hogere stikstofgebruiksnorm worden toegestaan dan de Nitraatrichtlijn voorschrijft. Dit zou inhouden dat Nederland de richtlijn bewust naast zich neerlegt. Hier zijn grote risico's aan verbonden:

- Het niet voldoen aan derogatievoorwaarden of een hogere gebruiksnorm toestaan dan de Nitraatrichtlijn voorschrijft kan leiden tot een infractieprocedure door de EC. In het verleden heeft Nederland het mestproductieplafond voor melkvee overschreden. Door hard ingrijpen, het fosfaatreductieplan en de invoering van het fosfaatrechtenstelsel, zijn deze overschrijdingen ongedaan gemaakt.
- De EC heeft infractieprocedures op de Nitraatrichtlijn lopen tegen andere Lidstaten. In het geval van Duitsland heeft het Europees Hof van Justitie een dwangsom van EUR 850.000,- per dag opgelegd voor het niet voldoen aan de verplichtingen.
- Helpt alle andere gesprekken met ENVI en breder binnen de EC niet. Denk hierbij aan kunstmestvervanging en accorderen GLB/NSP door EC.

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** woensdag 27 april 2022 00:16
**Aan:** 5.1.2.E @ec.europa.eu
**CC:** 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Derogation request
**Bijlagen:** Aanvraag Derogatie RENURE.pdf; DOMUS-22189100-v1-Bijlage_Verzoek_tot_landen_specifieke_oplossing_RENURE_NL.PDF

Dear 5.1.2.E

I hope you are doing well. I've tried to get in touch with you by telephone today about the following. Since our meeting earlier this month, we have considered our request for derogation, and particularly the need for the derogation to fit in and support the transition of the agricultural sector in the Netherlands and the achievement of environmental, climate and nature preservation goals in both the short and long term. We have also closely looked at the draft derogation for Ireland that was on the agenda of the last Nitrates Committee. We recognize the need for the Commission to include checks and conditions in the derogation decision in order to ensure the goals are met. At the same time, we find it of the utmost importance to provide clarity to farmers on the derogation during the timespan of the 7th AP, so they can take this into account when making decisions about investments and the overall future of their business.

All things considering, we request a derogation for 2022 – 2025 in which a gradual downward adjustment is set upfront. In this way, the derogation fits with the goal of the Dutch government to make agriculture more extensive, while giving farmers maximum clarity on the pathway for the years ahead. We expect that such an upfront downward adjustment, although undeniably painful for many farmers, will be more supportive to the transition than a mid-term review during the timespan of the derogation decision with the possibility of a downward adjustment (as is part of the derogation for Ireland) because this means uncertainty for farmers which will lead to reluctance in taking investment decisions to make their business more sustainable.

Besides the improvement of water quality, the transition of the agricultural sector also comprises a shift to circularity and reducing the use of fossil fuels, thereby reducing greenhouse gas emissions. As discussed in our previous meetings, we see opportunities to process animal manure towards high quality products that can replace chemical fertilizers (RENURE), while securing our environmental goals. We believe a downward adjustment of the derogation for non-processed manure of grazing animals while at the same time providing the possibility to process manure towards high quality products that can replace chemical fertilizers is essential for the achievement of our environmental and climate targets. Therefore, these two elements go hand-in-hand.

In our previous meeting, we agreed we would explain our derogation request in a letter to the Commission. Attached you can find this letter, which will be sent to your Director-General tomorrow. In the annex you can also find a detailed description of our view on a country-specific solution for RENURE, in which we closely follow the outcomes of the JRC-study on RENURE. Needless to say, our Minister fully backs this derogation request.

I hope this proposal can be a fruitful basis for further discussions. If you find it useful, I am very willing to explain our request further by telephone tomorrow. I propose we plan a meeting next week to discuss

matters more in-depth. We will make sure you receive the answers to your questions of the last meeting before the upcoming weekend.

Best regards,

5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

5.1.2.e
[redacted]
Europese Commissie
1049 BRUSSEL
België

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E 5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22141697

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**
1

Datum 26 april 2022
Betreft Aanvraag Derogatie RENURE

Geachte 5.1.2.e [redacted],

Op 25 februari 2022 is er een aanvraag van Nederland aan u doen toekomen voor een nieuwe derogatie van de gebruiksnorm van 170 kg stikstof per hectare per jaar voor dierlijke mest als opgenomen in bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn voor Nederland met ingang van 1 januari 2022 (kenmerk: DGA-PAV / 22072814). Met deze brief specificeer ik het verzoek van Nederland dat ziet op een derogatie voor graasdiermest en een landen-specifieke oplossing voor kunstmestvervanging.

*Derogatie graasdiermest*
In het gesprek van 25 februari 2022 van de Europees Commissaris voor Milieu met de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit is aangegeven dat de Europese Commissie een derogatie voor vier jaar wil verlenen aan Nederland. Over deze uitkomst ben ik verheugd. De Europees Commissaris heeft hierbij ook aangegeven dat het om een transitiederogatie gaat, die zal moeten aansluiten bij de transitie die het Nederlandse kabinet met de verduurzaming en extensivering in de landbouw voorstaat om de milieudoelen, waaronder waterkwaliteit, te realiseren. Hierbij zijn ook de ontwikkelingen op circulaire economie en het klimaat relevant, inclusief het hergebruik van hoogwaardige producten ter vervanging van producten uit fossiele bronnen, zoals kunstmest.

Uit de gesprekken die op de diverse niveaus met uw dienst zijn gevoerd over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, het daarbij behorende addendum en de inhoud van een nieuwe derogatie maak ik op dat de Europese Commissie belang hecht aan diverse sturingsmogelijkheden om zeker te stellen dat de beoogde transitie in de Nederlandse landbouw wordt gerealiseerd. Nederland hecht hier zelf ook groot belang aan en heeft dan ook begrip voor de positie van de Europese Commissie. Voor het realiseren van deze transitie zijn stabiliteit en zekerheid essentieel, ook met het oog op de bedrijfsafwegingen en investeringsbeslissingen die agrariërs zullen moeten maken. Dit maakt dat duidelijkheid aan de voorkant gewenst is over de omvang van de derogatie voor de duur van de beschikking van 4 jaar.

Nederland streeft een derogatie na die aansluit bij het transitiepad dat Nederland wil volgen en bijdraagt aan het verder verbeteren van de waterkwaliteit. Daartoe

staat Nederland een beschikking voor waarin de omvang van de derogatie stapsgewijs wordt teruggebracht. Een verlaging van de derogatie voor dierlijke mest kan samengaan met het opbouwen van het gebruik van RENURE-producten. Dit bevordert het hergebruik van dierlijke mest in hoogwaardige grondstoffen en vermindert de afhankelijkheid van fossiele grondstoffen en daarmee gepaard gaande uitstoot van broeikasgassen. Met het afgeven van een beschikking voor het gebruik van RENURE-producten kan het uitbreiden van de productiecapaciteit van RENURE-producten in gang worden gezet. Dit vraagt 2 tot 3 jaar. Verderop in deze brief ga ik hier nader op in.

De Nederlandse regering doet dan ook een aanvraag voor een derogatie voor graasdiermest die gericht is op een stapsgewijze verlaging in de hoogte van de stikstofgebruiksnorm, namelijk:

| | *230 kg N/ha*[1] | *250 kg N/ha*[2] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 220 | 240 |
| 2025 | 200 | 220 |

*Kunstmestvervanging*
De afgelopen jaren is met uw dienst en in de expert group on Nitrates uitvoerig gesproken over de innovatieve mogelijkheden die mestverwerking biedt om hoogwaardige meststoffen te produceren uit dierlijke mest. Vanuit Horizon 2020 zijn diverse grote onderzoeksprojecten aan deze uitdagingen gewijd.

Met het actieplan voor de circulaire economie wordt de recycling bevorderd van nutriënten uit dierlijke mest en andere organische bronnen ter vervanging van chemische meststoffen. In de Farm to Fork-strategie wordt aangekondigd dat de Commissie wil werken aan het verminderen van het gebruik van meststoffen en streeft naar meer recycling van organisch afval tot hernieuwbare meststoffen, met name in gebieden met veel intensieve veehouderij. Door een beter gebruik te maken van lokaal beschikbare grondstoffen kan de input van fossiele kunstmest worden beperkt, kunnen emissies afnemen en kunnen de gerecyclede producten worden verwaard. De belangrijkste uitdaging is om gerecyclede nutriënten op een zodanig kwaliteitsniveau te verkrijgen, dat verliezen in het milieu naar zowel water, bodem als lucht tot een minimum worden beperkt.

Uw dienst heeft in de jaren 2018-2020 het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de Commissie een studie laten uitvoeren over teruggewonnen stikstof uit dierlijke mest. De betrokken stikstofproducten worden RENURE genoemd, van REcovered Nitrogen from manURE (teruggewonnen stikstof uit mest). Deze studie is in september 2020 afgerond[3]. Hierin worden criteria voorgesteld voor een veilig gebruik van gerecyclede producten uit dierlijke mest

[1] Derogatie afgelopen jaren voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg
[2] Derogatie afgelopen jaren voor de andere landbouwgronden in Nederland
[3] JRC, 2020. D.Huygens et al. JRC Publications Repository - Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC) (europa.eu)

boven de in de Nitraatrichtlijn vastgestelde drempel, op een vergelijkbare wijze als voor een niet-organische meststoffen. Uw dienst heeft in het afgelopen jaar onderzoek gedaan naar de opties voor de toepassing van deze criteria binnen het huidige rechtskader van de Nitraatrichtlijn, met name naar de optie RENURE-producten te beschouwen als kunstmestproducten in plaats van dierlijke mestproducten. In de laatste expert groep van 17 maart 2022 heeft uw dienst aangegeven dat de Commissie openstaat voor laatstgenoemde optie en een landen-specifieke oplossing te willen bezien als lidstaten overwegen een dergelijke aanvraag te doen.

In mijn brief van 29 juni 2021 (referentie: DGA-PAV / 21152040) heb ik aangegeven dat naar onze mening deze producten niet passen in de Nitraatrichtlijn, omdat deze niet kunnen worden ingebed in de definitie voor dierlijke mest, artikel 1 onder g, en voor kunstmest, artikel 1 onder f. Uw dienst geeft aan dat bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn een wettelijke mogelijkheid biedt voor de Commissie om een uitzondering op de maximaal toegestane 170kg stikstof per hectare per jaar in die zin dat voor de bepaling van die hoeveelheid op of in de bodem gebrachte RENURE-producten niet meetellen. In de nationale regelgeving zullen RENURE-producten meetellen onder de totale stikstofgebruiksnorm.

Nederland stelt voor deze landen-specifieke oplossing een termijn van tenminste 8 jaar voor, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden. In de bijlage vindt u een voorstel hoe Nederland een dergelijke mogelijkheid zou willen inrichten. Nederland heeft reeds ervaring opgedaan in pilots. Wij zijn gaarne bereid deze ervaringen te delen met u en de andere lidstaten.

*Concluderend*
De aanvraag ziet op een stapsgewijze verlaging voor de derogatie voor graasdiermest én op een ingroei van een landen-specifieke oplossing voor de productie en gebruik van RENURE-producten binnen de Nederlandse landsgrenzen.

Wij zouden deze voorstellen graag met uw diensten verder willen bespreken en zo de vereiste besluitvormingsprocedure voort zetten. Daarbij herhaal ik het verzoek dat Nederland eerder aan u heeft gedaan om flexibiliteit te betrachten in de procedure ten einde zo spoedig mogelijk tot definitieve besluitvorming te komen.

5.1.2.e

5.1.2.e

# Landen-specifieke oplossing voor RENURE-producten

Nederland vraagt een landen-specifieke oplossing aan voor het gebruik van producten uit mestverwerking die voldoen aan de RENURE-criteria uit het JRC-rapport boven de gebruiksnorm voor dierlijke mest van de Nitraatrichtlijn, omdat deze stoffen passen binnen goede landbouwpraktijken ter vermindering van verontreiniging door nitraten, zoals bedoeld in bijlage II van de richtlijn.

Deze meststoffen zullen bij gebruik dezelfde status hebben als kunstmest, zoals bedoeld in artikel 2f van de Nitraatrichtlijn. Het gebruik van RENURE meststoffen zal een afname betekenen van het gebruik van andere minerale meststoffen. De overige gebruiksnormen stikstof-totaal en fosfaat blijven immers ongewijzigd.

**REcovered Nitrogen from manURE (RENURE)**

In 2018 is het Joint Research Centre in opdracht van de Europese Commissie gestart met een onderzoek naar mestverwerkingsproducten in stikstofgevoelige gebieden. JRC beschrijft in dit rapport[1] dat er potentieel bestaat om de lopende technologische en marktontwikkelingen voor het recyclen van nutriënten in een circulaire economie te gebruiken met als doel waterlichamen te beschermen tegen vervuiling door dierlijke mest.

Het doel van dit rapport was om te helpen bij het definiëren van die geharmoniseerde criteria die het mogelijk zouden kunnen maken om stikstof (N)-meststoffen, gedeeltelijk of volledig afkomstig van mest door verwerking, te gebruiken in gebieden waarvoor het maximum van 170 kg N/ha/jr is voorgeschreven in bijlage III van de nitraatrichtlijn, overeenkomstig de overigens identieke bepalingen die van toepassing zijn op stikstofhoudende chemische meststoffen in de nitraatrichtlijn (91/676/EEG), terwijl de verwezenlijking van de doelstellingen van de richtlijn en voldoende agronomische voordelen worden gewaarborgd.

Dergelijke herwonnen meststoffen worden in dit rapport teruggewonnen stikstof uit mest (RENURE) genoemd. Dit werk combineert bio-geochemische modelleringstechnieken, analytische metingen en kwantitatieve (meta-analyse) en kwalitatieve literatuuronderzoekstechnieken om de gebruikseffecten van kandidaat-RENURE-materialen op milieuvervuiling te beoordelen, inclusief de nitraatuitspoeling.

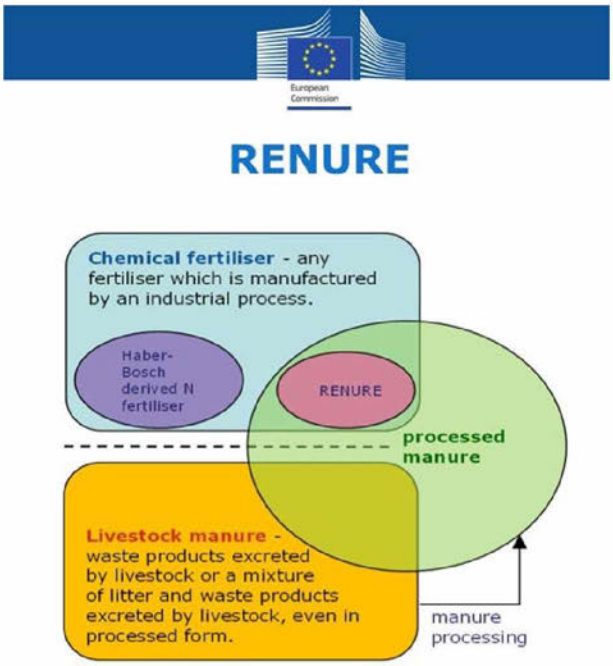


De resultaten gaven aan dat verwerkte mest, die wordt gekenmerkt door een verhouding van totaal organische koolstof tot totaal N ≤ 3 of een verhouding van mineraal N tot totaal N ≥ 90% een vergelijkbaar N-uitspoelings-potentieel en agronomische efficiëntie kan hebben als van Haber-Bosch afgeleide en gelijkwaardige chemische N-meststoffen. Met name stikstofrijke bewerkte meststoffen, zoals zouten uit luchtwassing, mineralenconcentraten en vloeibare digestaten verkregen door centrifugatie en/of geavanceerde verwijdering van vaste stoffen, kunnen aan deze eisen voldoen.

[1] JRC, 2020. Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC). https://publications.jrc.ec.europa.eu/repository/handle/JRC121636.

Om te voldoen aan de doelstellingen van milieubescherming, is het echter noodzakelijk om het gebruik van RENURE te combineren met goede beheerpraktijken, waaronder het gebruik van levende plantenafdekkingen of gelijkwaardige maatregelen, toepassingstechnieken met een lage NH3-emissie en goede RENURE-opslagomstandigheden.

Het JRC-rapport stelt een reeks materiaal- en gebruiksvereisten voor om het veilige gebruik van RENURE in gebieden met waterverontreiniging door stikstof mogelijk te maken, in hoeveelheden boven de drempel die is vastgelegd in de nitraatrichtlijn (91/676/EEG). Er wordt geconcludeerd dat de mogelijke implementatie van RENURE als onderdeel van mestbeheersystemen een vooruitgang mogelijk maakt naar een meer circulaire economie en een weg naar een efficiënter gebruik van hulpbronnen in het voedselproductiesysteem van de EU.

**Kwaliteitscriteria leidend**

Nederland stelt voor om de kwaliteitscriteria van meststoffen leidend te laten zijn in de landen-specifieke beschikking. Immers wetenschappelijk onderzoek heeft laten zien, dat als de producten uit mestverwerking voldoen aan essentiële kwaliteitscriteria er een vergelijkbaar effect op gewassen en het milieu te verwachten valt als van chemische meststoffen. Het JRC-rapport biedt daarvoor het volgende kader:

- Het percentage minerale (anorganische) stikstof ten opzichte van de totale stikstof moet meer dan 90% zijn, of de verhouding tussen koolstof en stikstof moet lager zijn dan 3.
- Koper (=Cu): maximaal 300 mg per kg droge stof
- Zink (=Zn): maximaal 800 mg per kg droge stof

Daarnaast geeft het JRC het advies aan lidstaten om:

- Om maatregelen te nemen die het gebruik van het product inpassen in goede landbouwpraktijk, zoals gebruiken binnen de gebruiksnorm voor specifieke gewassen, gebruiken in het groeiseizoen en het gebruik van vanggewassen om uit- en afspoeling met name in de winterperiode te voorkomen.
- Om maatregelen nemen om emissie van ammoniak bij aanwending te voorkomen, met name bij producten die weinig nitraat-stikstof (<40%) bevatten en als de bodem een hoge zuurgraad (>5) heeft.
- Om maatregelen te nemen de emissie van ammoniak bij productie en opslag van meststoffen te voorkomen.

Nederland stelt voor om in de landen-specifieke oplossing bovengenoemde criteria 1-op-1 in te voeren voor RENURE-producten en de productie daarvan.

**Anorganische meststoffen uit dierlijke mest (EU 2019/1009)**

Daarnaast stelt de nieuwe Europese Meststoffenverordening (EU 2019/1009) eisen voor minerale meststoffen. Deze eisen zijn geformuleerd in bijlage 1 van deze notitie. Het gaat dan om producten met een zeer laag gehalte aan organische stof. Daarnaast hoge gehaltes aan primaire macronutriënten als Stikstof (>5%), Fosfor of Kalium, en secundaire macronutriënten: Calcium, Magnesium, Natrium of Zwavel. En daarnaast eisen aan de gehaltes voor zware metalen (Cd, CrIV, Ni, Pb, As, Cu en Zn), en daarnaast eisen voor Biureet en Perchloraat.

Dergelijke anorganische meststoffen kunnen in verschillende vormen (vast/vloeibaar, enkelvoudig of samengesteld) op de markt gebracht worden. Volgens deze verordening kunnen deze producten van verwerkte mest (verordening dierlijke bijproducten: EU 1069/1009) geproduceerd worden, mits voldaan wordt aan de eisen die aan het eindpunt van de productieketen in deze verordening worden gesteld. Momenteel werkt DG GROW ook aan een lijst van dierlijke bijproducten die het eindpunt van de verwerkingsketen hebben bereikt (CMC 10). In deze verordening is ook een categorie voor digestaat opgenomen (CMC 5) en tenslotte wordt een bestandsdelencategorie

uitgewerkt die luchtreinigingsproducten uit stallen en mestverwerkingsinstallaties als grondstof voor meststoffen op te nemen in de bijlage II van deze verordening (CMC 15). Met deze ontwikkeling zullen er anorganische meststoffen geproduceerd van dierlijke mest als minerale meststof op de markt gebracht worden. De producten zijn niet meer te onderscheiden van hun equivalent, die geproduceerd zijn via een chemisch proces.

De producten dienen voordat ze als EU-meststof op de markt gebracht worden een conformiteitsbeoordeling doorlopen te hebben. Een dergelijke conformiteitsbeoordeling biedt de mogelijkheid om voorafgaand aan de markttoegang de kwaliteit van dergelijke bemestingsproducten kritisch te beoordelen. Daarnaast wordt de kwaliteit van deze bemestingsproducten periodiek via een audit getoetst.

In Nederland zijn diverse producten geproduceerd uit geconcentreerde stallucht als anorganische meststof op de markt gebracht. Uit het JRC-onderzoek van de Europese Commissie blijkt dat in diverse andere Europese landen dit ook een gangbare praktijk is.

**Uitgewerkt voorstel van Nederland een landen-specifieke beschikking voor RENURE-producten**

*Algemeen*

- Deze aanvraag voor een derogatie beoogt het stimuleren van het gebruik van herwonnen stikstofmeststoffen die, middels een industrieel proces, worden vervaardigd uit dierlijke mest of digestaat van vergistinginstallaties (RENURE-product).
- Het gebruik van het RENURE-product valt binnen normen voor goede landbouwpraktijk zoals gesteld door annex II van de Nitraatrichtlijn.
- De werkingscoëfficiënt voor stikstof van het RENURE-product wordt op 100% gesteld.
- De gebruiksnorm voor stikstof uit dierlijke mest is niet van toepassing op RENURE-producten.

*Aanwijzing*

- RENURE-producten kunnen alleen worden geproduceerd door nationaal aangewezen installaties. In Nederland vindt dit plaats bij RVO.
- Bedrijven maken in deze aanwijzingsprocedure duidelijk dat de installatie een RENURE-product kan maken, dat kan voldoen aan de kwaliteitscriteria zoals hierboven benoemd.
- Het bedrijf laat in de aanwijzingsprocedure documenten zien, waaruit blijkt dat het bedrijf een omgevingsvergunning heeft voor de verwerking en opslag van mest en/of RENURE-producten, waarin voorwaarden zijn opgenomen met betrekking tot de emissie van ammoniak bij productie en opslag.
- Een mestverwerkingsbedrijf, die mest van derden verwerkt en RENURE-producten vermarkt heeft een KvK-nummer en registratie als intermediair.
- Als producenten van RENURE-producten bovengenoemde procedure hebben doorlopen worden ze aangewezen als RENURE-producent.
- Aanwijzing is een publiekrechtelijk besluit en deze bedrijven zullen gepubliceerd worden op RVO-website.

*Maatregelen bij producenten*

- Alleen aangewezen producenten van RENURE-producten kunnen RENURE-producten afzetten onder deze beschikking.
- Producenten van RENURE-producten zetten alleen RENURE-producten af die voldoen aan de essentiële kwaliteitscriteria, zoals benoemd in beschikking. Producten die niet voldoen, worden afgezet als dierlijke mest.
- Producenten van RENURE-producten nemen maatregelen om ammoniak emissie tijdens productie en opslag tegen te gaan.

*Kwaliteitscriteria voor RENURE-producten*

- Het percentage minerale (anorganische) stikstof ten opzichte van de totale stikstof moet meer dan 90% zijn, of de verhouding tussen koolstof en stikstof moet lager zijn dan 3.
- De zware metalen gehaltes mogen niet hoger zijn dan:
    - Koper (=Cu): maximaal 300 mg per kg droge stof
    - Zink (=Zn): maximaal 800 mg per kg droge stof

*Productie van anorganische meststoffen*

- Producenten die RENURE-producten produceren, maar welke ook voldoen aan de kwaliteitseisen, zoals benoemd onder PFC 1C van de Europese verordening voor bemestingsproducten EU 2019/1009 (zie bijlage 1), en voldoen aan de alle overige eisen die in deze verordening benoemd staan met betrekking tot grondstoffen en conformiteitsbeoordeling, kunnen deze producten met CE-markering, als anorganische meststof op de markt brengen.

- Voor deze anorganische meststoffen geldt de regelgeving voor anorganische meststoffen, hiermee vervalt de verplichtingen voor dierlijke mest, maar moet het product als anorganische meststof geëtiketteerd zijn, en het vervoer begeleid gaan met de bijbehorende transportdocumenten.

*Transport van RENURE-producten*

- Voor RENURE-producten zijn alle reguliere transportregels voor dierlijke mest van kracht.
- RENURE-product wordt van de verwerker naar de producent vervoerd met een Vervoersbewijs Dierlijke Mest, met code 120.

*Maatregelen bij gebruikers*

- Afnemers van RENURE-producten worden bij RVO via het vervoersbewijs dierlijke mest automatisch geregistreerd op het moment dat zij RENURE-product met een VDM onder code 120 aanvoeren.
- Het RENURE-product kan alleen worden toegediend in de uitrijperiode die ook geldt voor stikstofkunstmest: 1 februari tot en met 15 september.
- Het RENURE-product kan alleen worden aangewend binnen de gebruiksnormen stikstof-totaal en fosfaat.
- Het RENURE-product kan alleen worden aangewend met een emissiearm bemestingsapparatuur.
- Het RENURE-product wordt in de registratie van de meststoffen van de gebruiker opgenomen als kunstmest.

*Monitoring*

- De kwaliteit van RENURE-producten bij producenten zal worden gemonitord via een certificatie-schema dat door geaccrediteerde instelling wordt uitgevoerd. De intensiteit van kwaliteitscontrole kan afnemen als uit opvolgende analyses blijkt dat het bedrijf consequent voldoet aan de voorwaarden.
- De kwaliteit van RENURE-producten wordt minimaal elk kwartaal geanalyseerd.
- Alle producenten van RENURE-producten worden tweejaarlijks eenmaal fysiek gecontroleerd door de NVWA.
- Alle transporten van RENURE-producten worden bij RVO bekend via de vervoersbewijzen dierlijke mest, zodat duidelijk is waar de producten zijn afgezet, de gehaltes aan nutriënten en de hoeveel product is afgezet.

*Controle en handhaving*

- Bedrijven een analyse rapport laten zien, dat niet voldoet, zal gevraagd worden om in grotere frequentie analyse rapporten te laten zien.
- Bedrijven vaker een analyse rapport laten zien, dat niet voldoet, komen onder toezicht te staan. NVWA zal dit bedrijf bezoeken en controleren. Bij overtreding zal sanctionerend opgetreden worden.
- Bij bedrijven die persisteren in non-conformiteit van het RENURE-product, kan de aanwijzing worden ingetrokken, waardoor deze bedrijven geen RENURE-product meer op de markt kunnen aanbieden.

*Randvoorwaarden voor een derogatiebeschikking*

- Nederland heeft een gebruiksnorm voor dierlijke mest, die geldt voor alle producten van dierlijke mest die niet voldoen aan de RENURE-criteria.
- Nederland heeft binnen de code voor goede landbouwpraktijk een gebruiksnormenstelsel voor Stikstof en Fosfaat, dat toeziet op het gebruik van alle meststoffen die op of in de grond worden gebracht.

- Nederland heeft instrumenten om te borgen dat de totale mestproductie van de veehouderij (of deelsectoren) onder, de in de Meststoffenwet opgenomen sectorale plafonds, blijven.
- Nederland monitort de effecten van het mestbeleid op het grondwater en de effecten van de landbouw op de oppervlaktewaterkwaliteit.

**Langere termijn**

Gezien de innovatie en ontwikkeling op het gebied van hergebruik van organische reststromen heeft Nederland de wens dat er een permanente voorziening binnen de Nitraatrichtlijn wordt geschapen voor het gebruik hoogwaardige meststoffen uit dierlijke mest.

# Wetenschappelijk onderbouwing

De Europese Commissie heeft met de Green Deal een reeks van aanpassingsvoorstellen gedaan, die tot doel hebben klimaat, energie, maar ook andere opgaven te behalen. In de Farm-to-Fork en Biodiversiteitsstrategie zijn deze voorstellen voor landbouw meer uitgewerkt, en sturen aan op vermindering van het gebruik van externe inputs, het verbeteren van de milieukwaliteit door vermindering van de emissies naar bodem, water en lucht en het versterken van de mogelijkheden tot recycling van reststromen.

## 1. Hergebruik van Nutriënten

De ontwikkeling van mestverwerking past in de ontwikkeling uit de Farm-to-Fork-strategie. Zeker in regio's, die te karakteriseren zijn als hotspotgebieden met een omvangrijke intensieve veehouderij, kan het hergebruik van organische reststromen zoals dierlijke mest passen in een duurzame landbouwpraktijk, omdat via mestverwerking de herwonnen meststoffen toegepast kunnen worden in heel gerichte bemestingstechnieken. Daarbij kan in combinatie met de winning van biogas, de broeikasgasuitstoot afkomstig uit mest, gereduceerd worden. In Nederland kennen we momenteel al een aantal (biogas-)installaties die mest/digestaat raffineren tot specifieke enkelvoudige meststoffen, die voldoen aan essentiële kwaliteits- en veiligheidsvoorschriften.

Nederland kent een actief beleid om emissiearme bemestingsproducten te ontwikkelen uit dierlijke mest waarmee de noodzaak tot aanvullende bemesting met kunstmest afneemt en die bijdragen aan verbetering van de bodemkwaliteit. De vraag naar bemestingsproducten van akkerbouwers, veehouders en tuinders staat hierbij centraal. Er is een groot onderzoeksproject dat precies deze vraag onderzoekt, NL Next Level Mestverwaarding. Hierin worden diverse Product-Markt combinaties onderzocht[2]. Markten kunnen binnen Nederland liggen, maar ook op afstand binnen de Europese Unie. Gezamenlijk met het agro-bedrijfsleven is onderzoek gedaan naar de afzetmogelijkheden van dergelijke bemestingsproducten en welke landbouwkundige waarde deze producten hebben[3].

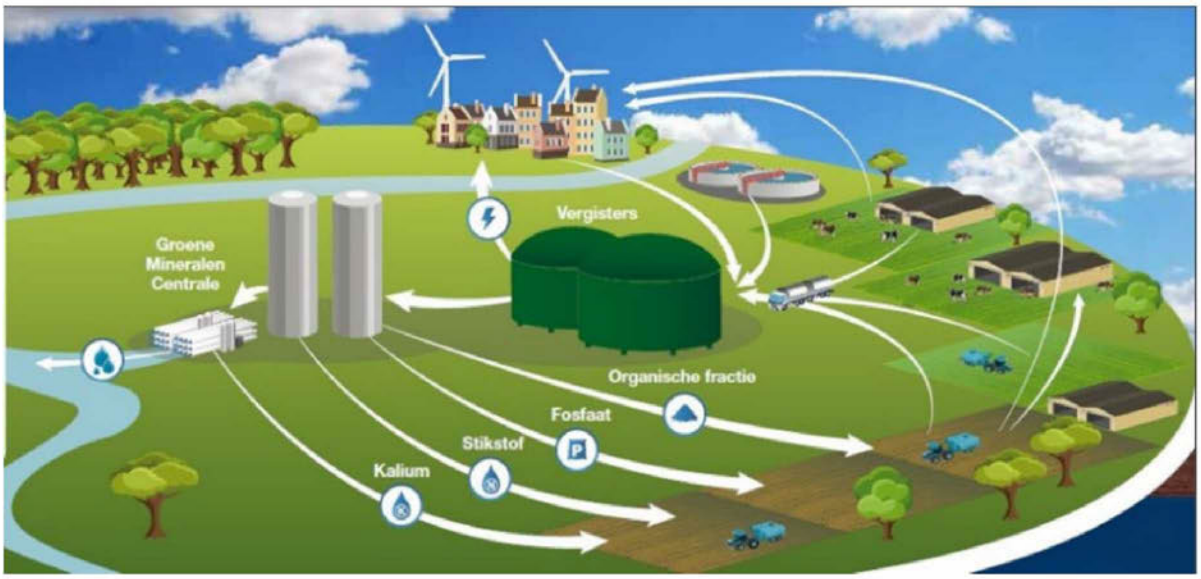


[2] Van Dijk, Postma, Grollenbeek, Mostert, Roefs en Verdoes, 2020a. Behoefte van Mestbewerkingsproducten in Nederland en Europa. Een inventarisatie van perspectiefvolle product-markt combinaties. WUR-report WPR-1011. https://edepot.wur.nl/528800 .

[3] Van Dijk, Postma en Roefs, 2020b. Landbouwkundige waarde van mestbewerkingsproducten. WUR-report WPR-1012. https://edepot.wur.nl/528799.

Uit dergelijke studies blijkt dat er binnen Nederland behoefte is aan geconcentreerde stikstofmeststoffen, die kunstmest kunnen vervangen voor gebruik op grasland en wintertarwe, en aan een organisch rijk product, dat nauwelijks nutriënten bevat en kan dienen als een veenvervanger. Buiten Nederland zijn markten voor fosfaatrijkere producten. In het kader van EU-project RENU2FARM, is onderzocht waar in Noordwest Europa behoefte is aan specifieke bemestingsproducten[4].

Door deze voortschrijdende techniek en innovatie is het mogelijk om meststoffen te maken die veel beter aansluiten bij de behoefte van het gewas, en daarmee veel minder emissies hebben. Het gebruik van dierlijke mest als grondstof wordt echter belemmerd door algemene bepalingen in de Nitraatrichtlijn.

## 2. Onderzoek naar RENURE-producten in Nederland

Sinds 2009 kent Nederland onderzoek en pilot projecten naar producten uit dierlijke mest. In het zesde Nitraatactieprogramma (2018-2021) heeft Nederland een tweetal grote praktijkpilots gedraaid waarin diverse grote mest-verwerkende bedrijven in participeerden. Binnen de pilot Mineralenconcentraat en de pilot Kunstmestvrije Achterhoek zijn praktijkproeven gedaan die laten zien dat producten die voldoen aan een aantal essentiële kwaliteitscriteria, zoals de RENURE-criteria en de kwaliteitseisen die beschreven staan in de nieuwe Europese Meststoffenverordening.

Het principe van deze pilots is dat met het behalen van de kwaliteitscriteria, de producten ingezet kunnen worden als kunstmestvervanger en dat de milieurisico's voor grond- en oppervlaktewater hetzelfde zijn (figuur 1). De nitraatgehaltes onder percelen bemest met dergelijke meststoffen is niet wezenlijk anders dan bij bemesting met de referentie kunstmest.

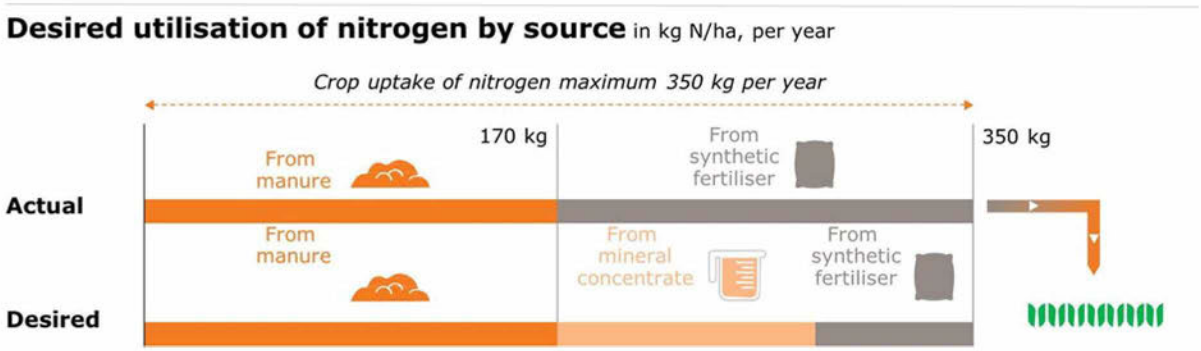


***Figuur 1. RENURE-product (mineralenconcentraat) wordt ingezet als vervanger van synthetische meststoffen.***

### 2.1 Productie en afzet van mineralenconcentraat

Productie van mineralenconcentraat bestaat in Nederland sinds 2009. Sinds 2018 zijn in Nederland 10 producenten met één of twee installaties. Zij produceren mineralenconcentraat dat aan wettelijke kwaliteitseisen moeten voldoen (Uitvoeringsregeling Meststoffenwet, artikel 35a). In 2018 en 2019 hebben in totaal 1499 individuele gebruikers van dit product gebruik gemaakt. Dit product wordt naar deze landbouwbedrijven afgezet met een vervoersbewijs dierlijke mest met de mestcode 120. Gebruikers van mineralenconcentraat kunnen dit product als kunstmest gebruiken.

[4] Postma en Harms. 2020. Meststoffen in Kringlooplandbouw. Hoe kan het hergebruik van nutriënten worden verhoogd? https://www.nmi-agro.nl/wp-content/uploads/2020/09/Bodem-aug.2020_Meststoffen-in-kringlooplandbouw.pdf

Mineralenconcentraat is een product dat gewonnen wordt uit voornamelijk varkensmest en digestaat. Het is een vloeibaar product dat, na scheiding van de vaste en vloeibare fractie geconcentreerd wordt via de omgekeerde osmose techniek (figuur 2).

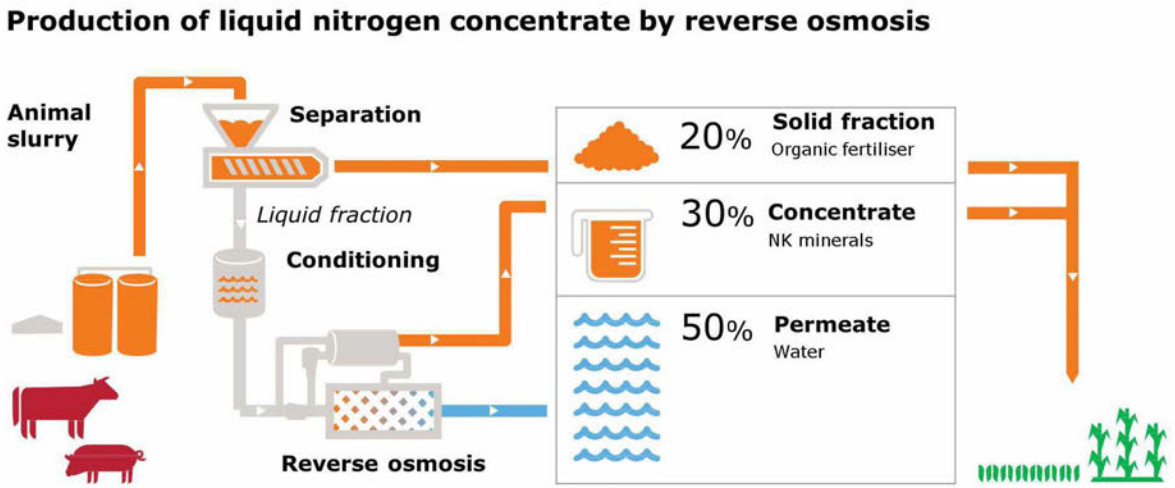


Figuur 2. Productie van mineralenconcentraat met de techniek van omgekeerde osmose.

Nederland kent in het mestbeleid drie gebieden, waarin mestbeleid gediversifieerd is. De hoeveelheden mineralenconcentraat die in een concentratiegebied is geproduceerd, is bepaald aan de hand van de afvoer van mineralenconcentraat vanaf de productielocaties in de concentratiegebieden. Aan de hand van de aanvoer naar landbouwbedrijven is een beeld verkregen van de verdeling van de afzet over de verschillende concentratiegebieden. Tabel 1 toont de aan- en afvoer van mineralenconcentraat van producenten naar landbouwbedrijven in de concentratiegebieden Zuid, Oost en Overig over de periode 2015 tot en met 2019[5] aan.

*Tabel 1. Afvoer en aanvoer van mineralenconcentraat van producten naar landbouwbedrijven in de concentratiegebieden Zuid, Oost en Overig in ton product per jaar.* (Bron: RVO, 2020)

| **Afvoer van productielocaties** | **2015** | **2016** | **2017** | **2018** | **2019** |
|---|---|---|---|---|---|
| **Zuid** | 107.971 | 138.235 | 239.539 | 304.362 | 391.666 |
| **Oost** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **Overig** | 15.480 | 13.448 | 11.065 | 9.371 | 10.746 |
| **Totaal** | **123.451** | **151.683** | **250.603** | **313.733** | **402.412** |
| **Aanvoer naar Landbouwbedrijven (afnemers)** | **2015** | **2016** | **2017** | **2018** | **2019** |
| **Zuid** | 87.939 | 97.745 | 168.288 | 199.803 | 253.487 |
| **Oost** | 3.978 | 12.909 | 18.608 | 26.828 | 31.723 |
| **Overig** | 31.534 | 41.029 | 63.708 | 87.102 | 117.203 |
| **Totaal** | **123.451** | **151.683** | **250.603** | **313.733** | **402.412** |

Tabel 1 laat zien dat de afvoer van mineralenconcentraat van producenten in concentratiegebied Zuid het grootst was ten opzichte van de andere twee concentratiegebieden. In 2019 vond 97% van de afvoer van mineralenconcentraat plaats vanaf producenten in concentratiegebied Zuid. In de periode 2015 tot en met 2019 is de afzet van mineralenconcentraat gestegen van ruim 123.000

[5] NCM, 2020. Landelijke inventarisatie 2020 export en verwerking dierlijke mest. https://www.mestverwaarding.nl/kenniscentrum/1537/landelijke-inventarisatie-2020-export-en-verwerking-dierlijke-mest

ton naar ruim 402.000 ton. Er is dus een duidelijke groei van de productie van mineralenconcentraat.

Een groot deel van het in concentratiegebied Zuid geproduceerde mineralenconcentraat wordt ook in dit gebied afgezet. In 2019 werd circa 65% van het in gebied Zuid geproduceerde mineralenconcentraat afgezet bij landbouwbedrijven in gebied Zuid. Hoewel het aandeel van de afzet naar de concentratiegebieden Oost en Overig relatief beperkt is, zien we de omvang van de afzet in deze gebieden jaarlijks toenemen. Afzet van dit product is bij melkveehouders (gras en snijmais) en akkerbouwers (aardappels en granen).

*Tabel 2. Aan- en afvoer van mineralenconcentraat naar landbouwbedrijven in de concentratiegebieden Zuid, Oost en Overig uitgedrukt in tonnen product, kg stikstof en kg fosfaat, in 2019. (Bron: RVO, 2020)*

| 2019 | Afvoer product (ton) | Aanvoer product (ton) | Afvoer stikstof (kg) | Aanvoer stikstof (kg) | Afvoer fosfaat (kg) | Aanvoer fosfaat (kg) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Zuid** | 391.666 | 253.487 | 2.434.497 | 1.501.870 | 76.653 | 41.407 |
| **Oost** | | 31.723 | | 225.261 | | 8.499 |
| **Overig** | 10.746 | 117.203 | 56.871 | 764.237 | 715 | 27.462 |
| **Totaal** | **402.412** | **402.412** | **2.491.368** | **2.491.368** | **77.368** | **77.368** |
| **Gehalte in kg/ton** | | | 6,2 | 6,2 | 0,2 | 0,2 |

In totaal is in 2019 via mineralenconcentraat circa 2,5 mln. kg stikstof en 77 duizend kg fosfaat geproduceerd en afgezet. Dit betekent dat hiermee 2,5 mln. kg kunstmest is bespaard. Het gemiddeld gehalte stikstof en fosfaat over alle vrachten bedroeg 6,2 kg per ton en respectievelijk 0,2 kg per ton. De minimale verhouding stikstof/fosfaat in het mineralenconcentraat is wettelijk vastgelegd op minimaal 15:1. De cijfers laten zien dat deze verhouding goed haalbaar is in de praktijk (zie tabel 2).

### 2.1.1 Monitoring van de kwaliteit van het product

In het kader van de pilot Mineralenconcentraten (MC) is een monitoringsprogramma uitgevoerd om gegevens te verzamelen over de huidige kwaliteit van mineralenconcentraten in relatie tot de kwaliteitscriteria en de uitvoering van het productieproces. Zowel de nationale criteria ($N_{min}$>90%, ratio N:$P_2O_5$ >15 en EC-getal >50, als de RENURE criteria zijn bemeten. Deze criteria zijn vastgesteld teneinde een hoge stikstofgebruiksefficiëntie van het concentraat te waarborgen zonder dat dit tot schadelijke gevolgen voor het milieu leidt. De monitoring was gekoppeld aan informatie die werd gevraagd door het EU Joint Research Centre (JRC) ter ondersteuning van de ontwikkeling van kwaliteitscriteria voor stikstofhoudende meststoffen verkregen uit dierlijke mest, genaamd RENURE, in het kader van de Nitraatrichtlijn. De monitoring was bovendien gekoppeld aan relevante gegevens over de kwaliteit van het permeaat uit omgekeerde osmose (OO) voor onderbouwing van kwaliteitseisen voor het lozen op oppervlaktewater van effluenten uit mestverwerkingsinstallaties. Tot het monitoringsprogramma behoorden primaire en secundaire nutriënten, zware metalen, antibiotica, pathogene bacteriën en virussen. In dit rapport zijn de resultaten van de monitoring bijeengebracht. De resultaten zijn te vinden in het bijgevoegde Engelstalige rapport: *Composition of mineral concentrates. Results of monitoring installations of the Pilot Mineral Concentrate in 2019-2020*[6]. Het rapport toont aan dat bij alle producenten de Renure-criteria behaald kunnen worden en dat verontreinigingen in het product voor zware

[6] Hoeksma, Schmitt, de Buisonjé, Pishgar Komleh en Ehlert, 2021. Composition of mineral concentrates. Results of monitoring installations of the Pilot Mineral Concentrate in 2019-2020. Wageningen Livestock Research Report No.1295. Composition of mineral concentrates: Results of monitoring installations of the Pilot Mineral Concentrate in 2019-2020 — Research@WUR

metalen onder de normen zit. Dit bevestigt resultaten van eerdere onderzoek naar mineralenconcentraat.

### 2.1.2 Milieukwaliteit bij gebruik van mineralenconcentraat

Er zijn veel proeven gedaan naar de milieueffecten van mineralenconcentraat. Een samenvatting is te vinden in *Mineral concentrate from processed manure as fertiliser (Velthof 2015)* [7].

Gemiddeld is 90% van de stikstof in mineralenconcentraat aanwezig als ammonium (161 monsters in de periode 2009-2014); de resterende stikstof is aanwezig als organische stikstof. Van de ingaande dunne varkensmest was 67% van de stikstof aanwezig als ammonium.

Potproeven met verschillende grondsoorten en gewassen laten zien dat de werkingscoëfficiënt van inde bodem geïnjecteerd mineralenconcentraat gemiddeld 91% was ten opzichte van de referentiemeststof kalkammonsalpeter (KAS)[8]. De werking van geïnjecteerde varkensmest was in dezelfde proeven lager: 75%. De gemiddelde werkingscoëfficiënt van geïnjecteerd mineralenconcentraat ten opzichte van KAS varieerde in veldproeven op bouwland van 72–84%.

De werking op grasland nam toe van 54% in 2009 naar 81% in 2014, waarbij aangegeven dient te worden dat niet duidelijk is waarom de werking in 2009 zo laag was. De werkingscoëfficiënt was hoger (79–102%) ten opzichte van vloeibaar ammoniumnitraat als referentiemeststof. Een mineralenconcentraat is een ammoniumhoudende meststof met een hoge pH (ongeveer 8).

Experimenten laten zien dat bovengrondse toediening van mineralenconcentraten leidt tot emissies van ammoniak en lachgas. Het injecteren of inwerken van mineralenconcentraat beperkt ammoniakemissie sterk. De ammoniakemissie van ingewerkt mineralenconcentraat was significant lager dan die van ingewerkte varkensmest in drie incubatieproeven. De emissie van lachgas na toediening van mineralenconcentraten wordt waarschijnlijk veroorzaakt door de aanwezigheid van gemakkelijk afbreekbare organische stof en/of door hoge ammoniakconcentraties in de bodem. De gemiddelde lachgasemissie van ingewerkte mineralenconcentraat was in incubatieproeven hoger dan die van KAS en varkensmest.

Het risico op nitraatuitspoeling na toediening van mineralenconcentraten was vergelijkbaar of lager met die van toediening van KAS en onbewerkte mest, voor zowel bouwland als grasland. Deze resultaten duiden erop dat gasvormige emissies (ammoniak en denitrificatie) de belangrijkste posten van stikstofverlies zijn die leiden tot een lagere stikstofwerking dan KAS. Er zijn perspectieven om stikstofverliezen te verminderen en de stikstofwerking te verhogen door het gebruik van emissiearme toedieningssystemen, aanzuren van concentraat en verlaging van het gehalte aan organische stikstof in het concentraat.

Scenarioanalyses op nationale schaal laten zien dat grootschalig gebruik van mineralenconcentraten als kunstmest en dikke fractie van gescheiden mest in Nederland kunnen leiden tot een afname van de behoefte aan stikstof- en fosfaatkunstmest met respectievelijk 15 en 82%. De totale ammoniak- en lachgasemissies en nitraatuitspoeling in Nederland veranderen weinig in de doorgerekende scenario's. Door het op grote schaal toepassen van mineralenconcentraat in Nederland zal de benutting van stikstof en fosfaat in de landbouw toenemen.

---

[7] Velthof, 2015. Mineral concentrates from processed manure as fertilizer. Synthesis report. Alterra WUR-report No.2650. Mineral concentrate from processed manure as fertiliser - WUR

[8] Rietra en Velthof, 2014. Stikstofwerking van mineralenconcentraat onder gecontroleerde omstandigheden. Effecten van aanzuren, vocht en toedieningstechniek. Alterra-rapport 2518, WageningenUR: Stikstofverwerking van mineralenconcentraat onder gecontroleerde omstandigheden : effecten van aanzuren, vocht en toedieningstechniek — Research@WUR

## 2.2 Kunstmest-vrije Achterhoek

Dit project loopt vanaf 2018 er is 1 producent en er zijn 56 deelnemers. Het project is gericht op de productie van bemestingsproducten, die aansluiten bij de behoefte van de gewassen. Bij de deelnemers worden bodemmonsters genomen en een aansluitend bemestingsadvies, dat wordt ingevuld met biobased meststoffen (BBF). Hiervoor worden de meest geavanceerde mestverwerkingstechnieken gebruikt, die momenteel beschikbaar zijn. De basis van deze meststof is mineralenconcentraat die gewonnen wordt bij Groot Zevert vergisting. Groot Zevert vergist ongeveer 130.000 ton producten per jaar, waarvan circa 90-100.000 ton varkensmest. De installatie is een co-vergister, waarbij de overige 30.000-40.000 ton toegestane industriële reststromen voor covergisting zijn. De installatie produceert gedurende het jaar twee soorten producten; in het voorjaar een stikstof- en zwavelrijke meststof en in de zomer een stikstof- en kaliumrijke meststof. De meststof wordt na behoefte gemengd met bemestingsproducten op basis van dierlijke mest, zuiveringsslib en mengsels daarvan, zoals ammoniumsulfaat, ammoniumnitraat en ammoniakwater. Dergelijke meststoffen passen in een gebalanceerd bemestingsplan.

De pilot heeft op verschillende niveaus gefunctioneerd.

1. 10 demonstratieproeven op praktijklocaties een grasperceel dat voor de helft met kunstmest werd bemest en voor de helft met biobased meststoffen.
2. Wetenschappelijke veldproeven in gras en mais, waarin de effecten van de meststof.
3. Praktijk bedrijven, waar ervaringen van ondernemers met de meststof werden onderzocht.

Gedurende het project is er bemestingsapparatuur ontwikkeld, die het vloeibare product emissiearm kan toedienen. Immers de meststof is veel geconcentreerder dan een vloeibare drijfmest. Deze bemester is uitgerust met GPS-techniek en kan plaat specifiek de bemesting variëren.

### 2.2.1 Demonstratie proeven

In het project zijn 2018[9] en 2019[10] demonstratieproeven uitgevoerd. De proeven zijn in beide jaren identiek uitgevoerd. Eerst werd er op basis van een bodemmonster een bemestingsadvies vastgesteld met minerale kunstmest of met Groene Weide meststoffen. Beide bemestingsproducten hebben identieke verhoudingen tussen stikstof, kalium en zwavel. De ontwikkeling van het gras werd gevolgd door de grashoogte te meten bij vier of vijf sneden. Daarnaast werd de voorraad minerale stikstof in drie bodemlagen bepaald: voorafgaand aan de bemesting en na de laatste snede.

De landbouwkundige werkzaamheid van de Groene Weide meststof was bij de eerste snede lager dan die van de blend van synthetische minerale stikstofmeststoffen. Dit verschijnsel werd

---

[9] Ehlert en van der Lippe, 2019. Toetsing van de Groene Weide Meststof in de praktijk. Demovelden van de gebiedsgerichte pilot Kunstmestvrije Achterhoek, 2018. Wageningen Environmental Research No.3007 https://research.wur.nl/en/publications/toetsing-van-de-groene-weide-meststof-in-de-praktijk-demovelden-v

[10] Ehlert en van der Lippe, 2020. Toetsing van de Groene Weide Meststof in de praktijk. Demovelden van de gebiedsgerichte pilot Kunstmestvrije Achterhoek, 2019 https://research.wur.nl/en/publications/review-of-the-green-meadow-fertiliser-in-practice-test-fields-of-

waarschijnlijk veroorzaakt door het aandeel geconcentreerd ammoniumwater in het nieuwe bemestingsproduct dat tot een te hoge pH leidde. De samenstelling van het bemestingsproduct werd daarop gewijzigd, waarbij de pH overeenkwam met die van mest of digestaat. Het verschijnsel werd daarna bij de volgende sneden niet meer waargenomen. Na wijziging van de samenstelling werd de landbouwkundige werkzaamheid vergelijkbaar. Voor vier sneden is de raming voor de relatieve werking van het nieuwe bemestingsproduct 89% van die van de blend van minerale meststoffen.

De voorraad minerale stikstof in de bodemlaag 0-90 cm nam in 2018 en 2019 toe als gevolg van de droogte. In 2019 was na de laatste snede een tendens waarneembaar dat het nieuwe bemestingsproduct tot een lagere voorraad minerale stikstof in de bodemlaag 0-90 cm leidt dan de blend. De onderzoekers concluderen dat er geen aanwijzing is dat het nieuwe bemestingsproduct leidt tot een verhoogd risico op nitraatuitspoeling.

### 2.2.3. Veldproeven gras en mais

In de periode 2019-2020 zijn er twee veldproeven op gras en twee veldproeven uitgevoerd op mais. Het doel van deze proeven was om de agronomische effectiviteit te bepalen door het bepalen van de stikstof-efficiëntie. Daarnaast het bepalen en vergelijken van het risico op nitraatuitspoeling bij gebruik van N-biobased bemestingsproducten (BBF) als vervanging voor minerale (synthetische) N-meststoffen.

Veldexperimenten van 2019 en 2020 hadden geen gunstige weersomstandigheden voor gewasgroei; droogte en hoge temperaturen. Om de droogte tegen te gaan, moest in deze jaren irrigatie worden toegepast. De veldproef op grasland in 2021 kende gunstige weersomstandigheden. Gras reageerde goed op stikstofbemesting, maar snijmaïs liet geen duidelijke reactie zien. De variatie binnen een behandeling in 2020 was groot, waardoor er geen significante verschillen waren voor maïs. Deze bevindingen worden vermoedelijk veroorzaakt door droogte en de impact van sprinkler-irrigatie op de mineralisatie van organische bodemstikstof.

Algehele resultaten van NFRV voor grasland kunnen worden gerangschikt volgens:
CAN ~ BBFb ~ UAN > CS +BBFb > CS maar een rangschikking voor het testen van de mestproducten met snijmaïs is niet evident aanwezig.

Op grasland werd meer stikstof toegepast dan in de totale stikstofopname door alle snedes gras waardoor een reststikstof in de bodem werd vastgesteld. Stikstof wordt duidelijk geïmmobiliseerd in de bodemprocessen of gaat verloren door uitstoot van ammoniak, $N_2O/N_2$. Na de oogst verschilt de voorraad minerale stikstof en een vergelijkbare dosering niet tussen BBF's of Kalkammonsalpeter (CAN). Over het algemeen laten de veldexperimenten zien dat een BBF gemaakt van mineralenconcentraat en een andere stikstof- en/of zwavelbron vergelijkbaar is met de agronomische effectiviteit van CAN. Het milieurisico op uitspoeling van nitraat van BBF's van GMMC verschilt niet van die van CAN[11].

### 2.2.3 Ervaring met bemestingsproduct

Het product wordt geproduceerd bij Groot Zevert Vergisting in Beltrum. Het product wordt in de markt gezet onder de marktnaam Groene Weide Meststoffen en vermarkt door de Agrarische Coöperatie For Farmers als een kunstmestproduct. Afnemers moeten voor dit product betalen. In deze regio wordt het product met name op gras en mais gebruikt.

In een evaluatie[12] in 2019 bij afnemers van het product geeft meer dan 85% van de afnemers aan tevreden te zijn over de uitvoering van de bemesting. Alle deelnemers geven aan geen verschil in opbrengst te hebben ervaren op percelen die met Groene Weide Meststoffen bemest waren ten

---

[11] Ehlert, P.A.I., 2022. Pilot Biobased Fertilisers Achterhoek; Synthesis report Monitoring program Wageningen Environmental Research. Wageningen, Wageningen Environmental Research, Report. 53 pp. (in press)
[12] www.kunstmestvrijeachterhoek.nl

opzichte van de percelen die kunstmest hebben gekregen. Sommige afnemers menen zelfs een iets betere opbrengst te hebben. Als reden geven zij aan dat dit mogelijk komt doordat het een vloeibaar product is waardoor de watercomponent ook mee speelt. Bemesting met Groene Weide meststoffen wordt door afnemers op een schaal van 0-10 gewaardeerd met 7,2. Deelnemers zijn overwegend positief en geven aan dat het product goed paste bij de bemestingsbehoefte. Gedurende de pilot 2018-2021 is er een vaste groep van afnemers ontstaan, die het product blijven afnemen, wat ook een indicatie is dat het product vertrouwd wordt en aansluit bij de bemestingsbehoefte van deze landbouwers.

### 2.3 Onderzoek Joint Research Centre

In 2018 is het Joint Research Centre in opdracht van de Europese Commissie gestart met een onderzoek naar mestverwerkingsproducten in stikstofgevoelige gebieden. JRC beschrijft in dit rapport[13] dat er potentieel bestaat om de lopende technologische en marktontwikkelingen voor het recyclen van nutriënten in een circulaire economie te gebruiken met als doel waterlichamen te beschermen tegen vervuiling door dierlijke mest.

Het doel van dit rapport was om te helpen bij het definiëren van die geharmoniseerde criteria die het mogelijk zouden kunnen maken om stikstof (N)-meststoffen, gedeeltelijk of volledig afkomstig van mest door verwerking, te gebruiken in gebieden waarvoor het maximum van 170 kg N/ha/jr is voorgeschreven in bijlage III van de nitraatrichtlijn, overeenkomstig de overigens identieke bepalingen die van toepassing zijn op stikstofhoudende chemische meststoffen in de nitraatrichtlijn (91/676/EEG), terwijl de verwezenlijking van de doelstellingen van de richtlijn en voldoende agronomische voordelen worden gewaarborgd.

Dergelijke herwonnen meststoffen worden in dit rapport teruggewonnen stikstof uit mest (RENURE) genoemd. Dit werk combineert bio-geochemische modelleringstechnieken, analytische metingen en kwantitatieve (meta-analyse) en kwalitatieve literatuuronderzoekstechnieken om de gebruikseffecten van kandidaat-RENURE-materialen op milieuvervuiling te beoordelen, inclusief de nitraatuitspoeling.

De resultaten gaven aan dat verwerkte mest, die wordt gekenmerkt door een verhouding van totaal organische koolstof tot totaal N ≤ 3 of een verhouding van mineraal N tot totaal N ≥ 90% een vergelijkbaar N-uitspoelings-potentieel en agronomische efficiëntie kan hebben als van Haber-Bosch afgeleide en gelijkwaardige chemische N-meststoffen. Met name stikstofrijke bewerkte meststoffen, zoals zouten uit luchtwassing, mineralenconcentraten en vloeibare digestaten verkregen door centrifugatie en/of geavanceerde verwijdering van vaste stoffen, kunnen aan deze eisen voldoen.

Om te voldoen aan de doelstellingen van milieubescherming, is het echter noodzakelijk om het gebruik van RENURE te combineren met goede beheerpraktijken, waaronder het gebruik van levende plantenafdekkingen of gelijkwaardige maatregelen, toepassingstechnieken met een lage NH3-emissie en goede RENURE-opslagomstandigheden.

Het JRC-rapport stelt een reeks materiaal- en gebruiksvereisten voor om het veilige gebruik van RENURE in gebieden met waterverontreiniging door stikstof mogelijk te maken, in hoeveelheden boven de drempel die is vastgelegd in de nitraatrichtlijn (91/676/EEG). Er wordt geconcludeerd dat de mogelijke implementatie van RENURE als onderdeel van mestbeheersystemen een vooruitgang mogelijk maakt naar een meer circulaire economie en een weg naar een efficiënter gebruik van hulpbronnen in het voedselproductiesysteem van de EU.

---

[13] JRC, 2020. Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC). https://publications.jrc.ec.europa.eu/repository/handle/JRC121636.

***Bijlage 1. Eisen voor anorganische meststoffenproducten in de Europese Meststoffenverordening (EU 2019/1009)***

**PFC 1 C) I): ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een anorganische macronutriëntenmeststof heeft tot doel planten of paddenstoelen van een of meer van de volgende macronutriënten te voorzien:
   a) primaire macronutriënten: stikstof (N), fosfor (P) of kalium (K),
   b) secundaire macronutriënten: calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na) of zwavel (S).

2. Contaminanten in een anorganische macronutriëntenmeststof mogen de volgende grenswaarden niet overschrijden:
   a) cadmium (Cd):
      i) indien een anorganische macronutriëntenmeststof een totaal gehalte aan fosfor (P) van minder dan 5 massa-procent fosforpentoxide (P2O5)-equivalent heeft: 3 mg/kg droge stof, of
      ii) indien een anorganische macronutriëntenmeststof een totaal gehalte aan fosfor (P) van 5 massaprocent fosforpentoxide (P2O5)-equivalent of meer heeft ("fosfaatmeststof"): 60 mg/kg fosforpentoxide (P2O5),
   b) zeswaardig chroom (Cr(VI)): 2 mg/kg droge stof,
   c) kwik (Hg): 1 mg/kg droge stof,
   d) nikkel (Ni): 100 mg/kg droge stof,
   e) lood (Pb): 120 mg/kg droge stof,
   f) arseen (As): 40 mg/kg droge stof,
   g) biureet (C2H5N3O2): 12 g/kg droge stof,
   h) perchloraat (ClO4-): 50 mg/kg droge stof

**PFC 1 C) I) a): VASTE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

Een vaste anorganische macronutriëntenmeststof heeft een vaste vorm.

**PFC 1 C) I) a) i): ENKELVOUDIGE VASTE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een enkelvoudige vaste anorganische macronutriëntenmeststof heeft een aangegeven gehalte van:
   a) slechts één macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K), calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)), of
   b) slechts één primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)) en een of meer secundaire macronutriënten (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)).

2. Indien een enkelvoudige vaste anorganische macronutriëntenmeststof slechts één aangegeven macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K), calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) bevat, is dat macronutriëntengehalte ten minste:
   a) 10 massaprocent totaal stikstof (N),
   b) 12 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5),
   c) 6 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O),
   d) 5 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
   e) 12 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
   f) 10 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
   g) 1 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 40 massaprocent.

Indien een enkelvoudige vaste anorganische macronutriëntenmeststof slechts één aangegeven primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)) en een of meer aangegeven secundaire macronutriënten (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) bevat:

a) is dat gehalte aan primaire macronutriënt ten minste:
   i. 3 massaprocent totaal stikstof (N),
   ii. 3 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5), of
   iii. 3 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O);
b) zijn die gehalten aan secundaire macronutriënten ten minste:
   i. 1,5 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
   ii. 1,5 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
   iii. 1,5 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
   iv. 1 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 40 massaprocent.

De som van alle aangegeven gehalten aan primaire en secundaire macronutriënten bedraagt ten minste 18 massaprocent.

**PFC 1 C) I) a) ii): SAMENGESTELDE VASTE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof heeft een aangegeven gehalte van:
   a) meer dan één primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)), of
   b) meer dan één secundaire macronutriënt (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) en geen primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)).

2. Een samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof bevat meer dan één van de volgende aangegeven macronutriënten in ten minste de volgende gehalten:
   a) 3 massaprocent totaal stikstof (N),
   b) 3 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5),
   c) 3 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O),
   d) 1,5 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
   e) 1,5 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
   f) 1,5 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
   g) 1 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 40 massaprocent.

De som van alle aangegeven gehalten aan macronutriënten bedraagt ten minste 18 massaprocent.

**PFC 1 C) I) a) i-ii) A): ENKELVOUDIGE OF SAMENGESTELDE VASTE ANORGANISCHE MACRO-NUTRIËNTENMESTSTOF OP BASIS VAN AMMONIUMNITRAAT EN MET EEN HOOG STIKSTOFGEHALTE**

1. Een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte is gebaseerd op ammoniumnitraat (NH4NO3) en bevat ten minste 28 massaprocent stikstof (N) afkomstig van ammoniumnitraat (NH4O3).
2. Alle eventueel aanwezige andere stoffen dan ammoniumnitraat (NH4NO3) zijn inert voor ammoniumnitraat (NH4NO3).
3. Een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte wordt uitsluitend in verpakte vorm aan de eindgebruiker ter beschikking gesteld. De verpakking is op zodanige wijze of met

een zodanig systeem gesloten dat door het openen ervan de sluiting, het sluitzegel of de verpakking zelf onherstelbaar wordt beschadigd. Het gebruik van klepzakken is toegestaan.

4. De olieretentie van een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte, dat vooraf twee temperatuurcycli heeft doorlopen zoals beschreven in punt 4.1 van module A1 in deel II van bijlage IV, mag niet meer dan 4 massaprocent bedragen.
5. De detonatiebestendigheid van een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte is zodanig dat:
   — na vijf temperatuurcycli zoals beschreven in punt 4.3 van module A1 in deel II van bijlage IV,
   — bij twee detonatiebestendigheidsproeven zoals beschreven in punt 4.4 van module A1 in deel II van bijlage IV, een of meer van de loden steuncilinders minder dan 5 % wordt gestuikt.
6. Het massapercentage van als koolstof (C) gemeten brandbaar materiaal mag niet meer bedragen dan:
   - 0,2 massaprocent bij een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte, met een gehalte aan stikstof (N) van ten minste 31,5 massaprocent, en
   - 0,4 massaprocent bij een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte, met een gehalte aan stikstof (N) van tenminste 28, maar minder dan 31,5 massaprocent.
7. De pH van een oplossing van 10 g van een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte, in 100 ml water moet ten minste 4,5 bedragen.
8. Ten hoogste 5 massaprocent mag door een zeef met een maaswijdte van 1 mm gaan, en ten hoogste 3 massaprocent door een zeef met een maaswijdte van 0,5 mm.
9. Het gehalte aan koper (Cu) mag niet hoger zijn dan 10 mg/kg, en het gehalte aan chloor (Cl) niet hoger dan 200 mg/kg.

**PFC 1 C) I) b): VLOEIBARE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

Een vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof heeft een vloeibare vorm.

**PFC 1 C) I) b) i): ENKELVOUDIGE VLOEIBARE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een enkelvoudige vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof heeft een aangegeven gehalte van:

   a) slechts één macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K), calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)), of
   b) slechts één primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)) en een of meer secundaire macronutriënten (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)).

2. Indien een enkelvoudige vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof slechts één aangegeven macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K), calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) bevat, is dat macronutriëntengehalte ten minste:

   a) 5 massaprocent totaal stikstof (N),
   b) 5 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5),
   c) 3 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O),

d) 2 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
e) 6 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
f) 5 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
g) 1 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 40 massaprocent.

Indien een enkelvoudige vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof slechts één aangegeven primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P) of kalium (K)) en een of meer aangegeven secundaire macronutriënten (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na) of zwavel (S)) bevat:

a) is dat gehalte aan primaire macronutriënt ten minste:
    i. 1,5 massaprocent totaal stikstof (N),
    ii. 1,5 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5), of
    iii. 1,5 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O), en
b) zijn die gehalten aan secundaire macronutriënten ten minste:
    i. 0,75 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
    ii. 0,75 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
    iii. 0,75 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
    iv. 0,5 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 20 massaprocent.

De som van alle aangegeven gehalten aan primaire en secundaire macronutriënten bedraagt ten minste 7 massaprocent.

**PFC 1 C) I) b) ii): SAMENGESTELDE VLOEIBARE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een samengestelde vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof heeft een aangegeven gehalte van:
    a) meer dan één primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)), of
    b) meer dan één secundaire macronutriënt (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) en geen primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)).

2. Een samengestelde vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof bevat meer dan één van de volgende aangegeven nutriënten in ten minste de volgende gehalten:
    a) 1,5 massaprocent totaal stikstof (N),
    b) 1,5 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5),
    c) 1,5 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O),
    d) 0,75 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
    e) 0,75 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
    f) 0,75 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
    g) 0,5 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 20 massaprocent.

De som van alle aangegeven nutriëntengehalten bedraagt ten minste 7 massaprocent.

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** woensdag 27 april 2022 00:17
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minbuza.nl
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** FW: Derogation request
**Bijlagen:** Aanvraag Derogatie RENURE.pdf; DOMUS-22189100-v1-Bijlage_Verzoek_tot_landen_specifieke_oplossing_RENURE_NL.PDF

Hoi allen,

Zie hieronder mijn mail aan 5.1.2.E aangezien ik haar telefonisch niet kon bereiken vandaag.
5.1.2.E zorg jij dat de brief bij 5.1.2.e terecht komt?

Groeten,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 27 april 2022 00:16
**Aan:** ' 5.1.2.E @ec.europa.eu' < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**CC:** ' 5.1.2.E @minbuza.nl' < 5.1.2.E @minbuza.nl>; ' 5.1.2.E 5.1.2.E )' < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Derogation request

Dear 5.1.2.E

I hope you are doing well. I've tried to get in touch with you by telephone today about the following. Since our meeting earlier this month, we have considered our request for derogation, and particularly the need for the derogation to fit in and support the transition of the agricultural sector in the Netherlands and the achievement of environmental, climate and nature preservation goals in both the short and long term. We have also closely looked at the draft derogation for Ireland that was on the agenda of the last Nitrates Committee. We recognize the need for the Commission to include checks and conditions in the derogation decision in order to ensure the goals are met. At the same time, we find it of the utmost importance to provide clarity to farmers on the derogation during the timespan of the 7$^{th}$ AP, so they can take this into account when making decisions about investments and the overall future of their business.

All things considering, we request a derogation for 2022 – 2025 in which a gradual downward adjustment is set upfront. In this way, the derogation fits with the goal of the Dutch government to make agriculture more extensive, while giving farmers maximum clarity on the pathway for the years ahead. We expect that such an upfront downward adjustment, although undeniably painful for many farmers, will be more supportive to the transition than a mid-term review during the timespan of the derogation decision with the possibility of a downward adjustment (as is part of the derogation for Ireland) because this means uncertainty for farmers which will lead to reluctance in taking investment decisions to make their business more sustainable.

Besides the improvement of water quality, the transition of the agricultural sector also comprises a shift to circularity and reducing the use of fossil fuels, thereby reducing greenhouse gas emissions. As

discussed in our previous meetings, we see opportunities to process animal manure towards high quality products that can replace chemical fertilizers (RENURE), while securing our environmental goals. We believe a downward adjustment of the derogation for non-processed manure of grazing animals while at the same time providing the possibility to process manure towards high quality products that can replace chemical fertilizers is essential for the achievement of our environmental and climate targets. Therefore, these two elements go hand-in-hand.

In our previous meeting, we agreed we would explain our derogation request in a letter to the Commission. Attached you can find this letter, which will be sent to your Director-General tomorrow. In the annex you can also find a detailed description of our view on a country-specific solution for RENURE, in which we closely follow the outcomes of the JRC-study on RENURE. Needless to say, our Minister fully backs this derogation request.

I hope this proposal can be a fruitful basis for further discussions. If you find it useful, I am very willing to explain our request further by telephone tomorrow. I propose we plan a meeting next week to discuss matters more in-depth. We will make sure you receive the answers to your questions of the last meeting before the upcoming weekend.

Best regards,

5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.e
**Verzonden:** vrijdag 29 april 2022 13:44
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: update ENVI

Bedankt 5.1.2.E Ik zou 5.1.2.e ook alvast een app bericht kunnen sturen waarin ik ons verzoek neerleg en haar zelf even vraag of ze het handig vindt daar ook nog even telefonisch contact over te hebben. Heeft de vorige keer heel snel en goed gewerkt, kreeg toen zelfde dag nog reactie. Idee?
Groet, 5.1.2.e

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Datum:** 29 april 2022 om 12:48:47 CEST
**Aan:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>, 5.1.2.E @minbuza.nl < 5.1.2.E @minbuza.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** update ENVI

Allen,

Ik heb zojuist 5.1.2.E gesproken. Hierbij een terugkoppeling:

- Ik heb achtergrond gegeven bij onze brief en de lijn die we voorstaan. Dat werd gewaardeerd maar ook ter kennisgeving aangenomen. M.a.w. 5.1.2.E heeft nog geen tipje van de sluier opgelicht m.b.t. inhoudelijke appreciatie van ENVI.
- 5.1.2.E heeft meermaals benadrukt dat zij geen 'instructie' heeft om met ons in gesprek te gaan over kunstmestvervanging. Zij gaat dat dus niet doen tenzij ze daartoe van hogerhand opdracht krijgt. Lijkt me goed als 5.1.2.e hierover belt met 5.1.2.e, om aan te geven dat dit wat ons betreft onderdeel is van het pakket dat wij voorstaan.
- Afgesproken dat vandaag ook de antwoorden op de vragen uit het vorige technisch overleg worden verstuurd. 5.1.2.E wilde nu nog geen afspraak plannen voor volgende week. Zij wil eerst de informatie reviewen en intern bespreken. Daarna komen ze bij ons op de lijn om een afspraak in te plannen. Hierin was zij niet te vermurwen, dus voor nu kunnen we m.i. niet anders dan ons erbij neerleggen en rappelleren als het te lang duurt tot ze op de lijn komen.

5.1.2.e, eens als we een kort telefoongesprek plannen tussen jou en 5.1.2.e? Zo ja, 5.1.2.E wil jij dan proberen dit ingepland te krijgen? Zou mooi zijn als dat z.s.m. kan plaatsvinden zodat het meegenomen kan worden in de interne besprekingen bij ENVI.

Ik ga nu verder met de antwoorden op de vragen die 5.1.2.E gisteren stuurde. 5.1.2.E ik bel je zonodig nog even daarover.

Groeten,

5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** vrijdag 29 april 2022 16:06
**Aan:** 5.1.2.E @ec.europa.eu
**CC:** 5.1.2.E @ec.europa.eu; 5.1.2.E @ec.europa.eu; 5.1.2.E @ec.europa.eu; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minbuza.nl
**Onderwerp:** Follow up / additional info
**Bijlagen:** 220429 Aanvullende informatie naar aanleiding van bespreking DG ENVI.docx

Dear 5.1.2.E

As discussed earlier today, attached you find the answers to the questions that were addressed in the technical meeting of last month. As you will see, some questions regarding the development of the agricultural sector in the upcoming years are difficult to answer, as there is a high degree of uncertainty as to which parts of the livestock sector in which parts of the country at what exact moment will participate in the subsidy schemes available. This will become clear in the regional approach. In other words, we are clear about the targets that are to be achieved and have a scientific underpinning of the effects on the (livestock) sector, but the pathway to get there is determined on regional level and therefore general milestones are difficult to set. Nonetheless, we do recognize the need of the Commission to set clear conditions that justify the derogation as a 'transition derogation'. In order to shape the derogation in such a way that it stimulates the transition and provides a clear pathway for farmers upon which they can base the decisions they will have to make about the future of their businesses, we propose to set an upfront, gradual reduction of the derogation in the decision for 2022-2025. I refer to the letter you have received earlier this week. The annex to this letter contains the requested information on RENURE, which we have therefore not included again in the attached document.

As discussed today, you will review this information internally and get back to us to set a date for a meeting to discuss things further. Should you or other members of your team have any questions in the meantime, we are ofcourse available to answer these. We hope for a meeting on short notice.

Best regards and have a nice weekend,

5.1.2.E

PS. I am using a new e-mail address. I do not have access to my old address anymore. Please use this address 5.1.2.E @minvws.nl – from now on. My phone number is unchanged.

**Aanvullende informatie naar aanleiding van overleg DG ENVI – Ministerie van LNV over derogatie op 30 maart 2022**

**Kan de ecologische analyse die bij de gebiedsgerichte aanpak hoort en meer specifiek welke doelen kwantitatief worden bereikt per regio voor de waterkwaliteit per 2025 worden gedeeld met de EC?**
Op 1 april 2022 heeft de Minister voor Natuur en Stikstof mede namens de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit een brief aan het nationale parlement gestuurd over de hoofdlijnen van de gecombineerde aanpak van natuur, water en klimaat in het landelijk gebied, en van het bredere stikstofbeleid: Kamerbrief met hoofdlijnen gecombineerde aanpak natuur, water en klimaat in landelijk gebied en van bredere stikstofbeleid | Kamerstuk | Rijksoverheid.nl.

Ten aanzien van de ecologische analyses voor de waterkwaliteit is het zo dat deze analyses in belangrijke mate reeds opgesteld zijn in het kader van de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027: bijlage-stroomgebiedbeheerplannen-rijn-maas-schelde-en-eems-2022-2027.pdf. Op basis van deze feitelijke omschrijving kan per gebied het maatregelenpakket voor de gebiedsplannen worden uitgewerkt.
De natuurdoelanalyses voor natuur en stikstof spelen een belangrijke rol bij het per Natura 2000-gebied in beeld brengen van de opgave voor het realiseren van de instandhoudingsdoelstellingen en de beoordeling van de verwachte effecten van geplande of te nemen maatregelen.
In mei van dit jaar zal een quick-scan beschikbaar komen die een eerste inzicht geeft in de staat van de natuur. De afronding van de natuurdoelanalyses is voorzien voor eind 2022, uiterlijk 1 april 2023.

Per gebied wordt de opgave bepaald. De kenmerken van een gebied, in het bijzonder bodem en water, zijn in dit proces sturende factoren. Vanuit de landelijke doelen stelt het Rijk in samenwerking met provincies aanvullende regionale, bindende doelen vast op de vier eerder genoemde opgaven, waaraan beiden zich committeren. Het is essentieel dat opgeteld de landelijke doelen worden behaald.
Via ruimtelijke keuzes op basis van onder meer water en bodem geven Rijk en medeoverheden kaders en randvoorwaarden aan wat er lokaal moet gebeuren. Vanuit hun expertise in de gebieden en passend bij hun bevoegdheid leggen de provincies in de gebiedsplannen de maatregelen en het instrumentarium vast om de doelstellingen te realiseren. Uiterlijk op 1 juli 2023 zullen de plannen moeten worden gepubliceerd. De definitieve gebiedsdoelstellingen voor stikstof zullen worden vastgesteld bij publicatie van de gebiedsplannen op 1 juli 2023 en het streven is samen met provincies om de andere doelstellingen op natuur, klimaat en water voor zover beschikbaar op hetzelfde moment dit jaar richtinggevend mee te geven en ook die doelen op 1 juli 2023 vast te stellen.

*Gebiedsplannen*
De aanpak krijgt voor een belangrijk deel vorm via gebiedsplannen. Het Rijk stelt daarvoor aan de voorkant de kaders vast. Hierin zullen per provincie (of delen van een provincie) taakstellende doelen worden geformuleerd. Deze zullen zijn afgeleid van de (inter)nationale verplichtingen op het terrein van natuur, stikstof, water (zowel waterkwaliteit als waterbeschikbaarheid) en broeikasgassen (landbouw en landgebruik).

**Wat gebeurt er als de (tussen)doelen van het NPLG niet gehaald worden? Welk (al dan niet juridisch) mechanisme treedt in werking?**
*Addendum bij het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn* (Informatie over Bijlage 1020106 | Overheid.nl > Officiële bekendmakingen (officielebekendmakingen.nl):
In de aanpak worden de nationale verplichtingen regionaal door vertaald en maatregelen worden opgenomen in de gebiedsplannen. Onontkoombaarheid omvat ook een duidelijk escalatiemechanisme, dat het gebruik van meer dwingende instrumenten niet categorisch uitsluit. De Omgevingswet biedt de nodige instrumenten om de onvermijdelijkheid ook bij niet-naleving te garanderen en zal dienovereenkomstig worden ingezet. Als een (regionale) of lokale doelstelling in de vorm van een omgevingswaarde op grond van de Omgevingswet dreigt niet te worden gehaald, geldt op grond van de Omgevingswet in ieder geval een programmaplicht. In dat geval moeten maatregelen worden genomen om alsnog tijdig aan de omgevingswaarde te voldoen. De Rijksoverheid kan met betrekking tot dat programma nadere regels stellen. Bestuursorganen hebben de plicht om doelen te realiseren en door hen afgesproken maatregelen uit te voeren. Algemene bestuursinstrumenten zijn onder meer de inzet van financiële instrumenten, bestuurlijke afspraken en beleidsregels voor de invulling van bestaande bevoegdheden, bijvoorbeeld op het

gebied van vergunningen en registratiebevoegdheid. Lokale overheden hebben bijzondere bevoegdheden, zoals toelating bestemmingen in het kader van de ruimtelijke ordening en voorkeursrecht. Provincies, gemeenten en waterschappen hebben elk sturingsmogelijkheden via de algemene instrumenten van de Omgevingswet, waaronder de omgevingsvisies, programma's gekoppeld aan regionale of lokale omgevingswaarden en decentrale regelgeving (normering, taakverdeling). Regels kunnen worden onderscheiden per zone/gebied. Provincies kunnen via instructieregels ook eisen stellen aan omgevingsplannen voor gemeenten. Alle instrumenten en bevoegdheden die nu in de Wet Natuurbescherming zijn opgenomen, vallen straks onder de regels van de Omgevingswet.
De Omgevingswet bevat het instrumentarium voor de fysieke leefomgeving waaronder natuurverbetering en regels over vergunningverlening voor economische activiteiten. Het Rijk kan bij amvb regels stellen voor burgers en bedrijven en instructieregels aan provincies en gemeentes voor grond- en oppervlaktewaterkwaliteit. De omgevingswaarden voor het bereiken van een goede toestand van de grond- en oppervlaktewaterlichamen komen voort uit de huidige Waterwet en de Wet milieubeheer en zijn een invulling van de eisen van de KRW.

*Hoofdlijnenbrief van 1 april 2022:*
Op het moment dat (gebieds)plannen of beleid worden vastgesteld, is het ook duidelijk welke actie of maatregel getroffen wordt bij tegenvallende uitvoering of effecten. Vrijwilligheid is een belangrijk uitgangspunt in de gebiedsprocessen. Hierbij horen ook escalatiemechanismen wanneer dreigt dat de doelstellingen niet tijdig worden behaald. Als vrijwillige maatregelen - waaronder innovatie, extensivering, verplaatsen of bedrijfsbeëindiging - onvoldoende resultaat opleveren is ingrijpen noodzakelijk. Meer verplichtende maatregelen zoals onteigening - instrumenten die reeds beschikbaar zijn - komen dan op tafel, conform de geldende procedures. Vooraf moet duidelijk moet zijn wanneer en onder welke voorwaarden dit dwingende instrumentarium wordt ingezet. Dit geldt met name voor gebieden waar de natuur (sterk) overbelast is.
Voor de maatregelen uit de stroomgebiedbeheerplannen van de KRW geldt overigens al een uitvoeringsplicht, met een termijn van uiterlijk 2027. Deze termijn geldt ook voor de aanvullende maatregelen voor de KRW-opgave die voortkomen uit dit traject. Vrijwillig instappen van ondernemers is de basis, zodat dwingende instrumenten zoals onteigening zoveel mogelijk voorkomen worden.
De inzet op onontkoombaarheid geldt eveneens voor het gebiedsproces zelf en de voortgang van de gebiedsplannen wordt nauwgezet gevolgd. Indien de voortgang onvoldoende zekerheid oplevert op doelbereik, zal het Rijk vanuit de regierol ingrijpen op het gebiedsproces.

**Wat zijn de waterkwaliteitsgegevens met bijbehorende trend van 2019?**
Zie bijlage, onder meer paragraaf 4.2 gaat in op de trend.

blg-990215
derogatierapportag

**Kan het RIVM in mei (i.p.v. juni) al de derogatierapportage opleveren? Zo niet, kunnen er al eventuele voorlopige resultaten gedeeld worden?**
We hebben dit met het RIVM besproken en de uitkomst daarvan is dat in de eerste helft van mei voorlopige resultaten opgeleverd zullen worden.

**Kan rapportage over de voortgang van de Versterkte Handhavingsstrategie inclusief stand van zaken implementatie rVDM in mei (i.p.v. juni) al opgeleverd worden?**
Wij streven ernaar de rapportage in de eerste helft van mei gereed te hebben.

**Wat is het standpunt van Nederland of ingrijpen nodig is als waterkwaliteit verslechtert?**
Waterkwaliteit wordt gemonitord in verschillende meetnetten om inzicht te hebben in de ontwikkelingen van de waterkwaliteit. Deze informatie vormt de onderliggende basis van de actieprogramma's. De effecten van de invoering van maatregelen op de waterkwaliteit zijn pas na enkele jaren zichtbaar. Daarbij is het zo dat de beoordeling van de effectiviteit van landbouwkundig handelen op de waterkwaliteit altijd een "time-gap" kent. De analyse van effectiviteit van landbouwkundig handelen kan pas na twee jaar worden bepaald, door vertraging en na-ijling in effect in waterkwaliteit en doordat de meetgegevens verzameld en geanalyseerd moeten worden. Ook hebben weersomstandigheden grote invloed op de ontwikkeling van de waterkwaliteit. Daardoor zijn effecten van maatregelen niet altijd goed te zien op korte termijn; trendmatige ontwikkelingen zijn pas na meerdere jaren met zekerheid te herkennen. Voor agrariërs is van

belang dat zij over langere tijd weten waar zij aan toe zijn. Daarom worden maatregelen bij voorkeur aangekondigd in een actieprogramma, zodat dit voorafgaand aan een periode helder is.

**Wat is de inschatting van de reductie in mestproductie vanwege de opkoopregelingen?**
Op dit moment is geen goede inschatting te maken van de reductie van de mestproductie. De aankoop- en beëindigingsregelingen worden momenteel uitgewerkt en het overleg met DG Competition over de Landelijke beëindigingsregeling zal op korte termijn zijn. Het eindpunt op basis van het PBL rapport van 2021 en is dat de afname veestapel tussen de 20% en 30% zou moeten komen in de periode tot 2030. Daarnaast wordt momenteel met 60 geïnteresseerden gesproken over gerichte opkoop.

**Wanneer zullen de checkpoints zijn op basis waarvan de productieplafonds verlaagd worden?**
Het grootste effect van de aankoop- en beëindigingsregelingen zijn voorzien in het tweede deel van de looptijd van de gebiedsgerichte aanpak tot en met 2030.
In lijn met de eerste effecten van deze regelingen is in de jaren 2026, 2028 en 2031 een afname van de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet voorzien die het tempo van de afname in de regelingen volgt.

**Kan er een vergelijking in waterkwaliteit tussen derogatie en niet-derogatiebedrijven worden gegeven?**
Eerder is bijgaande memo van het RIVM toegezonden waarin een toelichting is gegeven op de complexiteit van een vergelijking tussen derogatiebedrijven en niet-derogatiebedrijven, op basis waarvan het RIVM concludeert dat deze vergelijking lastig, zo niet onmogelijk is. Deze toelichting geldt nog steeds.

MV-2021-0034
memo RIVM vergelijl

**Zijn er gegevens van de ammoniakemissie van derogatiebedrijven op klei- en veengrond die vergeleken kunnen worden vóór en na de aanvullende voorwaarden?**
Eerder is in bijgaande memo door het RIVM een toelichting gegeven over het niet opnemen en registreren van ammoniakemissie in het Derogatiemeetnet. Deze toelichting geldt nog steeds.

Memo
MIL-2020-0031 SK Ar

**Kan Nederland een rapportage opstellen van de resultaten van de pilot mineralenconcentraat, specifiek over het aantal deelnemende boeren, de effecten op het milieu en de financiële effecten voor een boer?**
Bijgaande bijlage met daarin een toelichting is recent met de aanvraag voor de derogatie toegezonden.

Adobe Acrobat
Document

**Wat zijn de plannen van Nederland naar aanleiding van de presentatie over de fertilizer registers van Denemarken, Vlaanderen en Ierland?**
Hiervoor wordt verwezen naar paragraaf 6.3.4 van het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn.

*Omschrijving maatregel*
In samenwerking met de aanleverende industrie en de primaire sector wordt in 2022 een actieplan opgesteld om beter inzicht te krijgen in het kunstmestgebruik in Nederland. Naast gebruik op nationaal en regionaal niveau, is het van belang meer inzicht te verkrijgen van het gebruik van

kunstmest op individueel bedrijfsniveau. Hierbij wordt gestreefd naar aansluiting bij bestaande systemen.
Deze kunstmestgegevens kunnen worden gebruikt om te komen tot bemestingsadviezen die de landbouwers stimuleren de nutriëntengebruiksefficiëntie te verhogen. Deze gebruiksefficiëntie is een maatstaf voor het deel van de gebruikte stikstof, dat tijdens een groeiseizoen wordt omgezet in geoogst product en is dus een indicator voor de manier waarop een landbouwer de precisielandbouw-principes toepast in zijn bemestingsstrategie. Daarnaast helpen deze kunstmestgegevens om de effecten van bemesting op emissies naar bodem, water en lucht beter inzichtelijk te maken in modellen (e.g. NEMA) en om te kunnen monitoren hoe vervanging van kunstmest door meststoffen van herwonnen bron plaatsvindt. Tenslotte kunnen de gegevens gebruikt worden om eventuele overbemesting met kunstmest door landbouwers aan het licht te brengen. Afhankelijk van de uitkomsten van het actieplan en hoe volledig en sluitend inzicht verkregen kan worden op bedrijfsniveau van gebruik van kunstmest, kan eventueel een vervolgtraject worden gestart om te sanctioneren of om meer bewustwording bij gebruik af te dwingen.

*Datum inwerkingtreding*
Nederland werkt in 2022 een plan uit dat zijn beslag zal krijgen vanaf 2023.

*Verwacht effect voor de landbouw*
Kunstmest wordt beter ingezet, dit zal leiden tot een verbetering van de nutriëntenefficiency. Daar waar te veel kunstmest werd gebruikt zal het leiden tot een inperking van de nutriënten input.

*Verwacht effect voor de uitvoering en handhaving*
Uitkomst van het actieplan moet zijn dat er meer inzicht komt in het gebruik van kunstmest op landbouwbedrijven. Daarmee zou de handhaving eenvoudiger moeten worden.

**Waar wil Nederland in 2025 staan met grondgebondenheid?**
In het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn is aangekondigd toe te werken naar een volledig grondgebonden melk- en rundveehouderij in 2032. Er wordt momenteel gewerkt aan een nadere uitwerking van de definitie van grondgebondenheid. Volgende maand zullen we verdere informatie verstrekken over het wetstraject dat hiervoor in de tweede helft van dit jaar zal starten. De consultatie op dit wetsvoorstel is in de tweede helft van dit jaar voorzien.

**Als deelname aan de derogatie afneemt, hoe gaat Nederland zorgen voor voldoende aandeel grasland om te voorkomen dat grasland wordt opgezet in bouwland?**
Bij de nadere uitwerking van de definitie van grondgebondenheid wordt gekeken op welke manier een aandeel grasland binnen het totale areaal meegenomen kan worden in de definitie van grondgebondenheid. Volgende maand zullen we verdere informatie verstrekken over de stand van zaken in dit proces. Op korte termijn hebben we geen aanknopingen om het aandeel grasland op een andere manier te garanderen, aangezien dergelijke maatregelen een wetswijziging behoeven.

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e
**Verzonden:** vrijdag 20 mei 2022 14:43
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** ' 5.1.2.E '; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Oplegnotitie BWO 25 mei en bespreeknotitie ADC Brussel (deadline vrijdag 10.00 uur)

Hoi allemaal,
Deadline is al verstreken, maar prima nota wat mij betreft. Fijn dat er ook positieve lijn tav Repower EU in staat, kreeg eerder het signaal van EZK dat LNV negatiever er in staat.

Groet 5.1.2.e

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 20 mei 2022 om 11:42:19 CEST
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E E.G.M. ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** ' 5.1.2.E ' < 5.1.2.E @minbuza.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Oplegnotitie BWO 25 mei en bespreeknotitie ADC Brussel (deadline vrijdag 10.00 uur)

Update:
5.1.2.E was gisteren al akkoord (is in domus verwerkt);
Zojuist ook formeel akkoord 5.1.2.E dus EIA is ook akkoord.

Gr,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 20 mei 2022 11:14
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** ' 5.1.2.E ' < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Oplegnotitie BWO 25 mei en bespreeknotitie ADC Brussel (deadline vrijdag 10.00 uur)

Beste mensen,

Mij is gevraagd de behandelmap te beheren voor 5.1.2.e (is afwezig vandaag) maar ook te zorgen voor het halen van de tas van 12 uur.

Ik heb de ontvangen input verwerkt (I&W en PAV) en enkele typo's/niet-lopende opsommingen verbeterd.
Verder heb ik alleen het email akkoord van dir PAV ontvangen. Dat is in domus verwerkt.

Dit zijn de versies die ik nu in DOMUS terugzet naar 5.1.2.e het MT-lid dat er daadwerkelijk over gaat. Aan hem het besluit om de stukken door te zetten naar de tas van 12 uur.

Gr,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E :@minlnv.nl>
**Verzonden:** donderdag 19 mei 2022 16:31
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** ' 5.1.2.E ' < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Oplegnotitie BWO 25 mei en bespreeknotitie ADC Brussel (deadline vrijdag 10.00 uur)
**Urgentie:** Hoog

Goedemiddag 5.1.2.e, 5.1.2.E 5.1.2.E en 5.1.2.E

Hierbij ter akkoord de oplegnotitie voor het BWO van 25 mei en de bespreeknotitie ADC Brussel voor MLNV en MNenS. Verzoek voor deze stukken is om ze morgen in de weekendtas van de beide ministers mee te geven. Gezien de krapte in de deadline icm jullie aanwezigheid op de directeurenconferentie, leek het ons verstandig om de afstemming op directeuren niveau per mail te doen.

Gespreksonderwerp voor BWO is het bezoek van de vier bewindspersonen aan de Eurocommissaris Sinkevičius op 31 mei. Beide stukken zijn interdepartementaal afgestemd met collega's van AZ, IenW, EZK, DEF, en BZK.

**Eventuele aanscherpingen en opmerkingen ontvangen wij graag vòòr 10.00 uur morgenochtend.** Deze zullen door 5.1.2.E (cc) en 5.1.2.E (cc) verwerkt worden in de DOMUS versies en daarna via 5.1.2.E langs BPZ naar DG LG&S, DG AGRO en DG NV gaan.

Voor vragen zijn 5.1.2.E en ik telefonisch en per mail beschikbaar.

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E
Beleidsadviseur Team Visie, Strategie en Beleidsontwikkeling

**Werkdagen:** ma/di/wo/do/(vr)
.....
**Programma Directoraat Generaal Stikstof**
Bezuidenhoutseweg 73, 2500 EK, Den Haag
M: 5.1.2.E

T: 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl
www.aanpakstikstof.nl

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 25 mei 2022 16:49
**Aan:** MinisterLNVagenda; 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); ministernensagenda; 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E); '5.1.2.E @minvws.nl'; 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Overleg derogatie met MLNV/MNenS - presentatie
**Bijlagen:** ENVI derogatie v1.pptx

Dag allen,

Bijgaand vinden jullie de presentatie die in de tas van de ministers is meegegaan tbv het overleg straks.

Groet
5.1.2.E

**Voorstel opties n.a.v. ambtelijk gesprek met DG ENVI op 23 mei 2022 over inhoud en voorwaarden derogatie**

Onderwerpen:
- Hoogte derogatienormen - Renure
- Nationale mestproductieplafonds
- N2000-gebieden
- Bufferstroken
- Grondwaterbeschermingsgebieden
- Hotspots
- Overig

## Hoogte derogatienormen en Renure (1)

*Ons voorstel*:

| | *230 kg N/ha* | *250 kg N/ha* |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 220 | 240 |
| 2025 | 200 | 220 |

En: landenspecifieke oplossing voor gebruik van Renure producten

*Tegenvoorstel ENVI:*

| | *230 kg N/ha* | *250 kg N/ha* |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 210 | 230 |
| 2024 | 190 | 210 |
| 2025 | 170 | 190 |

Zonder mogelijkheid van Renure producten

## Hoogte derogatienormen (2)

*Tegenvoorstel*

| | *230 kg N/ha* | *250 kg N/ha* |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 210 | 230 |
| 2025 | 190 | 210 |

Optie a)
- Generiek in totaal afname 40 kg/N/ha
- Renure nodig voor melkveehouderij

Optie b)
- Afbouw en stoppen per 2026 met derogatie op zand 230- en lössgronden.
- Afbouwpad voor klei- en veengronden naar max 220
- Derogatie na 2026 voortzetten op klei- en veengronden
- Renure nodig voor melkveehouderij

| | *230 kg N/ha* | *250 kg N/ha* |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 210 | 230 |
| 2025 | 200 | 220 |
| 2026 | 170 | 220 |

Advies: optie b

In beide opties
Resultaatsverplichting actualisatie N-totaal gebruiksnormen

## Nationale mestproductieplafonds (1)

*Ons voorstel:*
- Aanpassing volgend op tempo aankoop- en beëindigingsregelingen
- Plafonds nu: N: 504,4 en P 172,9 miljoen kg

*Voorstel ENVI:*
- Afname N en P excretie in 2020 en 2021
- Nieuw nationaal mestproductieplafond o.b.v. 2021: N 473,7 en P 149 miljoen kg
- Daling van 3% bij stikstof per jaar en 1% bij fosfaat

| | N | P |
|---|---|---|
| 2021 | 473,7 | 149 |
| 2022 | 458 | 147,3 |
| 2023 | 442,3 | 145,6 |
| 2024 | 426,6 | 143,9 |
| 2025 | 410,9 | 142,2 |

**Nationale mestproductieplafonds (2)**

Tegenvoorstel:
- Bereidheid over te stappen van nationaal plafond uit 2002 naar actueler plafond
- Uitgangspunt 2020 nemen i.p.v. 2021, want 2021 nog niet definitief vastgesteld.

- Landelijke beëindigingsregeling (Lbv) op z’n vroegst effectief medio 2024.
- Eerdere inschatting is dat regeling (EUR 500 miljoen) leidt tot reductie van 2%.

- Instemmen met afname van gemiddeld 1% per jaar, maar geen plafonds per jaar.
- Alleen verlaging nationale plafonds N en P met 5% in 2025 ten opzichte van 2020 opnemen in beschikking
- Verdeling naar sectoren nu niet verder uitwerken

**N2000-gebieden**

*Ons voorstel*: n.v.t.

*Voorstel ENVI:*
Ervoor zorgen dat derogatie de doelstellingen van de wet ter vermindering van ammoniakemissies en waterkwaliteit in N-2000 gebieden niet in gevaar brengt? Wat is de situatie met landbouwactiviteiten en afwijkingen in/nabij gebieden onder de vogel- en habitatrichtlijn?

*Voorstel reactie:*
- Percelen in aangewezen stikstofgevoelige en overbelaste Natura 2000 gebieden worden uitgesloten van deelname aan derogatie.

Aandachtspunten bij uitwerking:
- Juridisch
- Uitvoering en handhaving

## Grondwaterbeschermingsgebieden

*Ons voorstel*: n.v.t.

*Voorstel ENVI:*
- Geen derogatie in grondwaterbeschermingsgebieden. Aanvullende maatregelen nodig om de bemesting te verminderen t.b.v. omschakeling in deze gebieden.
- Mogelijke aanvullende maatregelen in 'polluted' gebieden: Bemestingspercentages (dierlijke mest en kunstmest) geleidelijk verminderen naar 170 kg/N/ha in deze gebieden.

*Voorstel reactie:*
- Wel derogatie voor de komende vier jaar. Vanaf 2026 geen derogatie meer voor grondwaterbeschermingsgebieden.
- Hiervoor loopt reeds bestuursovereenkomst met alle betrokken partijen. Voor 1 juli as besluit over voortzetting hiervan.
- Doel overeenkomst: uiterlijk in 2025 50 mg/l nitraat gebiedsgemiddeld realiseren.
- *Evaluatie door regio's: 50% wordt het bereikt. Ook met verplichting na 2025 geen doelbereik gerealiseerd door: effecten van maatregelen door na-ijleffecten later in monitoring te zien zijn. Droogte speelt hierin een rol.*
- *Extern bureau brengt nu voorziene doelbereik, resterende doelgat en voor-en nadelen van voortzetting Bestuursovereenkomst in beeld. Dit wordt voor 1 juli as opgeleverd.*
- NL zal passende maatregelen nemen die doelbereik mogelijk maakt in deze gebieden (realisatie ijlt na en kan niet al in 2025 zijn bereikt).
- Hiervoor wordt aangesloten bij de gebiedsprocessen vanuit het NPLG en het onontkoombare juridische instrumentarium.

**Bufferstroken**

*Ons voorstel*: n.v.t.

*Voorstel ENVI*:
- Bufferstroken: pas wettelijke GLB verplichting van 3 meter overal als een minimum toe (met minimale uitzonderingen) (of meer dan voorgesteld in het 7e AP en addendum)
- Mogelijke aanvullende maatregelen in polluted gebieden: grotere bufferstroken?

*Voorstel reactie*:
- Blijf vasthouden aan 7e AP: 2 meter standaard en 5 meter langs bepaalde waterlopen
- Dit heeft bij de vaststelling van het 7e AP tot veel nationale politieke discussie geleid.
- Bij akkoord GLB verordening heeft NL ingestemd met mogelijkheid tot uitzondering voor bufferstroken voor landen met veel sloten. Ook tav GLB is inzet om afspraken 7e AP te volgen.
- Maatregel uit Addendum t.a.v. beekdalen heeft veel impact.

**Hotspots**

*Ons voorstel*: n.v.t.

*Voorstel ENVI*:
Mogelijke aanvullende maatregelen in ‘polluted’ gebieden. ‘Polluted’ gebieden zijn van een grote zorg zowel grondwater als eutrofiering:

- Afname derogatie als startpunt

Reactie: zie sheet over hoogte derogatienorm

- Overall en graduele reductie van de bemestingsnorm (dierlijke mest en kunstmest) als een maatregel om de toename van nutriëntenverontreiniging te adresseren.

Reactie: aansluiten bij reeds gestarte actualisatie van het stikstofgebruiksnormenstelsel- en werkingscoëfficiënten uit het 7$^{e}$ AP

- Grotere bufferstroken

Reactie: zie sheet over bufferstroken

- Bemestingsnorm (dierlijke mest en kunstmest) gradueel reduceren naar 170 N kg/ha in grondwaterbeschermingsgebieden

Reactie: zie sheet over grondwaterbeschermingsgebieden

**Overig**

Ons voorstel: n.v.t.

Voorstel ENVI:
- Aanvullende voorwaarde opnemen in beschikking over bemestingsregister uit 7e AP.
Reactie: overnemen, volgt reeds uit 7e AP. Implementatie niet eerder dan 2024.

Aanvullende vragen:
- Bemestingsplan voor derogatiebedrijven: wat is de relatie met het bemestingsregister? Waarom alleen voor derogatiebedrijven?
- Omploegen van grasland, vanggewassen, bemestingskalender: Wat valt onder het 7e AP en is van toepassing voor alle boeren?
- Bodemanalyse- en maatregelen om bodemstructuren te verbeteren: voor alle boeren?
- Voorwaarden om ammoniakemissies te beperken? Zijn generieke voorwaarden voor korting in lijn met de stikstofwet?

Voorgestelde reactie:
- De vragen zullen worden beantwoord op basis van het bestaande beleid en de te implementeren maatregelen vanuit het 7e AP

**Vervolg**

- Reactie begin volgende naar ENVI met verzoek zsm overleg te vervolgen
- Begin volgende week Bestuurlijk Overleg sector
- Komende dagen sondering met coalitiepartijen

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** dinsdag 21 juni 2022 11:50
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); ' 5.1.2.E @minvws.nl'; 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ); ' 5.1.2.E '
**Onderwerp:** 5.1.2.E 12.15 uur wordt verzet naar 12.30 uur

5.1.2.E
Secretariaat Minister Henk Staghouwer
Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar: 5.1.2.E @minlnv.nl

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 22 juni 2022 13:50
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Notitie BWO derogatie en spreeklijn MR as vrijdag
**Bijlagen:** 220622 BWO derogatie PM juni 2022 v1 ztt.docx; Spreeklijn MR 24 juni 2022 over derogatie van de Nitraatrichtlijn.docx

Hoi 5.1.2.E

Hierbij de notitie voor het BWO waarin de opmerkingen van 5.1.2.E en 5.1.2.E zijn verwerkt en de spreeklijn voor de MR ook als oplegger voor MNenS.

Is het BWO al ingepland? IenW kwam nl net op de lijn.

Groet,
5.1.2.E

**Bewindspersonenoverleg, PM juni 2022**

**Notitie: Derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025**

## Aanleiding
Op PM vindt van PM het BWO plaats over de politieke onderhandeling met de Europese Commissaris voor Milieu (EC/Milieu) over de inhoud en voorwaarden van een derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025. Deze notitie dient ter voorbereiding van het BWO.

## Advies
Deze notitie beschrijft de politieke inzet voor de onderhandeling met EC/Milieu en de scenario's als geen overeenstemming wordt bereikt. U wordt geadviseerd om in het BWO hierover van gedachten te wisselen.

## Politieke inzet
### *Proces*
Voorafgaand aan het gesprek met de Europees Commissaris voor Milieu vinden hoog ambtelijk overleggen (nog te bevestigen) plaats met DG Milieu, kabinet EC/Milieu en kabinet Timmermans.

### *Algemeen*
- EC/ENVI beschouwt de derogatie als een transitiemaatregel voor vier jaar die wordt verleend als een overgangsmaatregel om de hervormingen in de landbouw en veehouderij in Nederland te begeleiden waarmee wordt voldaan aan de milieu- en klimaateisen van de EU met betrekking tot stikstofemissies (ammoniak) en nutriënten in het water. Daarmee is het voor de EC/Milieu een harde lijn dat de derogatie 2022-2025 de laatste derogatie is en dat Nederland voor de periode vanaf 2026 geen nieuwe derogatie meer zal aanvragen.
- Hierbij stelt EC/Milieu een snel afbouwpad in de hoogte van de derogatienorm voor waardoor er de facto na 2023 geen sprake meer is van een serieuze derogatie. Ook stelt EC/ENVI aanvullende eisen in de derogatiebeschikking voor om de waterkwaliteitsdoelen tijdig te realiseren bovenop het eerder ingediende 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en addendum en extra eisen op het gebied waterkwaliteit en stikstof die onderdeel zijn van de integrale, gebiedsgerichte aanpak.
- De EC/ENVI is wantrouwend richting Nederland omdat eerdere beloftes het beleid aan te scherpen onvoldoende zijn nagekomen of weinig effect hebben gehad. Daarom wil de Commissie dwingende afspraken opnemen in de derogatiebeschikking, ook over de resultaten van de gebiedsgerichte aanpak voor stikstof en grondwaterbeschermingsgebieden. [5.1.2.a]

### *Overeenstemming onder voorwaarden*
Overeenstemming dat dit de laatste derogatie is, kan alleen onder de voorwaarden dat:
- het afbouwpad voor derogatie behoedzamer is, zodat deze ondersteunend kan zijn aan de transitie in de landbouw;
- de indeling naar grondsoorten zoals die in vorige derogaties gold (de zogenaamde 250/230-gebieden) onveranderd blijft;
- het overeenkomen van een handreiking door middel van een procesafspraak om verwerkte dierlijke mest te kunnen inzetten als vervanging van kunstmest.

### *Overeenstemming aanvullende eisen*
Op een aantal door EC/Milieu voorgestelde aanvullende eisen zal ook politiek overeenstemming moeten worden bereikt. Dit betreft:
- actualisatie van het nationale mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat van het jaar 2002 naar het jaar 2020 en een 10%-reductie van deze plafonds in 2025. Dit houdt de facto een verkleining van de veestapel in → *voorstel om in te stemmen*: *het sluit aan bij de*

*stikstofambitie al is op voorhand niet met zekerheid te zeggen dat de 10% in 2025 is gerealiseerd.*

- generieke bufferstroken van 3 meter, zoals in het Gemeenschappelijk Landbouwbeleid is voorgesteld door de EC. In het 7e AP is een andere invulling gekozen om wetenschappelijk onderbouwd recht te doen aan de Nederlandse waterrijke situatie → *voorstel om **niet op voorhand** in te stemmen*: *EC komt terug op afspraken in het 7e Nitraat Actieprogramma wat door de Commissaris als 'toereikend' is beoordeeld. In eindfase kan ingestemd worden omdat de gevolgen te overzien zijn.*
- Verlagen van de totaal stikstofbemestingsnorm met 20% in 2025. Afgesproken was al in het 7e Nitraat Actieprogramma een actualisatie van het stikstofgebruiksnormenstelsel. → *voorstel om in te stemmen met een reductie van deze normen op basis van de totale bruto stikstof balans met 10% in 2025. Een reductie met 20% is een te grote stap. De Farm to Fork strategy heeft als ambitie 20% minder bemesting in 2030.*
- geen derogatie in voor nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden, omdat derogatie effectief is voor de waterkwaliteit → *voorstel om **niet** in te stemmen, wel toezeggen van implementatie van een pakket aan wettelijke maatregelen op uiterlijk 1 januari 2025 ten behoeve van doelbereik Intrekken van derogatie brengt doelbereik niet in beeld, want probleem zit bij andere teelten. In eindfase kan dit toegezegd worden in het belang van een akkoord.*
- geen derogatie in alle Natura 2000 gebieden → *voorstel om in te stemmen. Het voorstel is om **niet** in te stemmen met de verbreding naar 'nabij' de Natura 2000 gebieden*
- toename van 5% naar 10% fysieke controles door de NVWA → *voorstel om **niet** in te stemmen: want niet uitvoerbaar.*

***Scenario's mogelijke uitkomsten***

- **Wel** politieke overeenstemming met EC/ENVI wordt politiek overeenstemming bereikt. EC/ENVI zal de procedure naar derogatieverlening vervolgen via o.m. het College van Commissarissen.
- **Geen** overeenstemming met EC/ENVI:
  - Afspraak EC/ENVI nodig over hoe dit jaar (2022) met hogere bemesting omgegaan moet worden, bijvoorbeeld in de handhaving.
  - Op het moment dat aan Nederland geen derogatie zal worden verleend, zal Nederland nog steeds gehouden zijn aan de verplichtingen van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water.

***Consequenties geen overeenstemming***

- Nederland heeft sinds 2006 derogatie en dit is gunstig voor de waterkwaliteit én van grote economische waarde voor de sector.
  - Derogatie draagt positief bij aan waterkwaliteit, het klimaat en agrobiodiversiteit. Derogatie kan als gevolg van de hogere toegestane dierlijke mestgift wel leiden tot een hogere ammoniakemissie door meer dierlijke mest gebruik,
  - De nationale plaatsingsruimte voor stikstof uit dierlijke mest zal door het wegvallen van de derogatie afnemen. De druk op de mestmarkt zal zo fors toenemen dat de gevolgen daarvan zeer grote impact kunnen hebben op de gehele veehouderij in Nederland.
  - Geen derogatie zal betekenen dat het gebruik van kunstmest in de Nederlandse landbouw en fossiele brandstoffen fors zal gaan toenemen met een hogere CO2-uitstoot het gevolg zijn.
- Geen derogatie betekent dat het draagvlak van de sector voor de integrale, gebiedsgerichte aanpak verder zal afnemen en hierdoor mogelijk medewerking langdurig en volledig zal blokkeren.
- Dit houdt een reëel risico van een infractieprocedure op de Nitraatrichtlijn / Kaderrichtlijn Water v.w.b. landbouwopgave in die zowel kan leiden tot zeer strenge aanvullend opgelegde eisen en hoge boetes. Voorbeeld Duitsland: forfaitair € 11 miljoen en € 820.000 per dag vanaf ingebrekestelling in 2018.

**<u>Toelichting</u>**

- Derogatie houdt in dat boeren onder voorwaarden meer stikstof uit dierlijke mest mogen gebruiken dan de norm van 170 kilogram per hectare die is vastgelegd in de Nitraatrichtlijn. De Europese Commissie (EC) kan middels een beschikking een lidstaat derogatie verlenen. Hiertoe

dienen in de besluitvormingsprocedure een aantal stappen in het Nitraatcomité doorlopen te worden. Derogatie wordt alleen verleend als het geen afbreuk doet aan de doelen van de Richtlijn. Aangezien de Nitraatrichtlijn een generieke norm voor de hele Europese Unie kent, die geen rekening houdt met de lengte van het groeiseizoen, is de mogelijkheid van derogatie opgenomen. De West-Europese landen met soortgelijk klimaat als Nederland (Ierland, België en Denemarken) en daardoor een lang groeiseizoen maken er gebruik van.
Derogatie heeft inmiddels het frame van een tijdelijke uitzondering die niet milieuverantwoord is en zo snel mogelijk moet worden afgebouwd. Zo is deze niet vastgelegd in de Nitraatrichtlijn. De derogatie moet op objectieve wetenschappelijke gronden (lengte groeiseizoen, …) worden aangetoond, dat heeft Nederland gedaan. In oude richtlijnen zoals de Nitraatrichtlijn komen normen voor die in heel Europa gelden, terwijl de omstandigheden zeer verschillend zijn.

- Aan Nederland was tot 31 december 2021 derogatie verleend. Een actieprogramma vormt de rechtvaardiging voor een derogatie van de Nitraatrichtlijn. Het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7e AP) en het addendum op dit 7e AP is de basis voor verlening van derogatie van de Nitraatrichtlijn.
- De Europees Commissaris voor Milieu heeft Nederland in februari 2022 de procedure naar derogatieverlening van de Nitraatrichtlijn laten vervolgen. Met DG Milieu van de Europese Commissie zijn in de afgelopen periode ambtelijk onderhandelingen gevoerd over de inhoud en voorwaarden van een derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025.

**Spreeklijn MR 24 juni 2022 over derogatie van de Nitraatrichtlijn**

- Afgelopen week heb ik in de Ministerraad toegelicht dat de gesprekken met DG Milieu van de Europese Commissie plaatsvinden over de inhoud en voorwaarden van een derogatie van de Nitraatrichtlijn. Ik heb ook aangegeven dat deze gesprekken moeizaam verlopen.
- We zijn nu in de eindfase gekomen.
- De SG van LNV voert op mijn verzoek gesprekken met de kabinetschef van de Commissaris, met de DG van ENVI en met de heer Samson ter voorbereiding op mijn gesprek met de Commissaris.
- Ik hecht er aan in een bewindspersonenoverleg met de meest betrokken collega's de dilemma's te delen. Dit BWO is gepland op PM
- Ik sluit niet uit dat ook inzet van de MP noodzakelijk is.
- Eea moet binnen nu en uiterlijk begin juli worden afgerond, omdat er duidelijkheid nodig is voor de Nederlandse staat en Nederlandse boeren

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 22 juni 2022 14:14
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E [redacted] 5.1.2.e [redacted] ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** toelichting BWO voor MNenS
**Bijlagen:** MNenS toelichting BWO.docx

Hoi 5.1.2.E

Zoals door jou verzocht hierbij de toelichting voor MNenS voor het BWO.
Dit is ivm tijdsbestek niet meer afgestemd met 5.1.2.E en 5.1.2.E maar in lijn met de stukken van zojuist.

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E

Team Mest
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 2594 AC Den Haag
Postbus 20401 2500 EK Den Haag

**T** 5.1.2.E
**BGG** 5.1.2.E
**E** 5.1.2.E @minlnv.nl
Flexplek: A Noord 4e verdieping

Voor: Minister voor Natuur en Stikstof

Betreft: BWO derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025

Toelichting:

- Op 15 juni 2022 is de Nederlandse reactie op het voorstel van DG ENVI van 9 juni 2022 over de inhoud van de derogatie van de Nitraatrichtlijn aan DG ENVI toegezonden. Op 17 juni 2022 is telefonisch gesproken met de Head of Unit van DG ENVI waar de Nitraatrichtlijn is belegd.
- Uit dit gesprek komt naar voren dat de voorstellen nog ver uit elkaar blijven liggen en dat een politiek vervolg de volgende stap is. Dat betekent dat de eindfase van de onderhandeling ingaat.
- De SG van LNV zal gesprekken voeren met de kabinetschef van de Commissaris, met de DG van ENVI en met de heer Samson ter voorbereiding op het gesprek van Minister LNV met de Europees Commissaris voor Milieu.
- Het is ook van belang het Kabinet hierin mee te nemen. Daarom is in overleg met AZ en de Permanente Vertegenwoordiging van de EU op korte termijn een bewindspersonenoverleg gepland met de meest betrokken collega's waaronder u.
- De Minister van LNV zal dit aanstaande vrijdag mondeling toelichten in de Ministerraad.

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 28 juni 2022 09:29
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** BWO notitie derogatie
**Bijlagen:** 220628 BWO derogatie 29 juni 2022.docx

Hoi 5.1.2.E

Hierbij.

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E

Team Mest
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 2594 AC Den Haag
Postbus 20401 2500 EK Den Haag

**T** 5.1.2.E
**BGG** 5.1.2.E
**E** 5.1.2.E @minlnv.nl
Flexplek: A Noord 4e verdieping

**Bewindspersonenoverleg, 29 juni 2022**

**Notitie: Derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025**

## Aanleiding
Op 29 juni 2022 vindt van 9u – 9.45u het BWO plaats over de politieke onderhandeling met de Europese Commissaris voor Milieu (EC/Milieu) over de inhoud en voorwaarden van een derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025. Deze notitie dient ter voorbereiding van het BWO.

## Advies
Deze notitie beschrijft de politieke inzet voor de onderhandeling met EC/Milieu en de scenario's als geen overeenstemming wordt bereikt. U wordt geadviseerd om in het BWO hierover van gedachten te wisselen.

## Politieke inzet

### *Proces*
Voorafgaand aan het gesprek met de Europees Commissaris voor Milieu vinden hoog ambtelijk overleggen (nog te bevestigen) plaats met DG Milieu, kabinet EC/Milieu en kabinet Timmermans.

### *Algemeen*
- EC/ENVI beschouwt de derogatie als een transitiemaatregel voor vier jaar die wordt verleend als een overgangsmaatregel om de hervormingen in de landbouw en veehouderij in Nederland te begeleiden waarmee wordt voldaan aan de milieu- en klimaateisen van de EU met betrekking tot stikstofemissies (ammoniak) en nutriënten in het water. Daarmee is het voor de EC/Milieu een harde lijn dat de derogatie 2022-2025 de laatste derogatie is en dat Nederland voor de periode vanaf 2026 geen nieuwe derogatie meer zal aanvragen.
- Hierbij stelt EC/Milieu een snel afbouwpad in de hoogte van de derogatienorm voor waardoor er de facto na 2023 geen sprake meer is van een serieuze derogatie. Ook stelt EC/ENVI aanvullende eisen in de derogatiebeschikking voor om de waterkwaliteitsdoelen tijdig te realiseren bovenop het eerder ingediende 7$^{e}$ actieprogramma Nitraatrichtlijn en addendum en extra eisen op het gebied waterkwaliteit en stikstof die onderdeel zijn van de integrale, gebiedsgerichte aanpak.
- De EC/ENVI is wantrouwend richting Nederland omdat eerdere beloftes het beleid aan te scherpen onvoldoende zijn nagekomen of weinig effect hebben gehad. Daarom wil de Commissie dwingende afspraken opnemen in de derogatiebeschikking, ook over de resultaten van de gebiedsgerichte aanpak voor stikstof en grondwaterbeschermingsgebieden. Een achterliggend doel van de Commissie is krimp van de veestapel. Er is weinig begrip voor het belang aan draagvlak, tempo van implementatie en zorgvuldige omgang tussen overheid en burgers en boeren.

### *Overeenstemming onder voorwaarden*
Overeenstemming dat dit de laatste derogatie is, kan alleen onder de voorwaarden dat:
- het afbouwpad voor derogatie behoedzamer is, zodat deze ondersteunend kan zijn aan de transitie in de landbouw;
- de indeling naar grondsoorten zoals die in vorige derogaties gold (de zogenaamde 250/230-gebieden) onveranderd blijft;
- het overeenkomen van een handreiking door middel van een procesafspraak om verwerkte dierlijke mest te kunnen inzetten als vervanging van kunstmest.

### *Overeenstemming aanvullende eisen*
Op een aantal door EC/Milieu voorgestelde aanvullende eisen zal ook politiek overeenstemming moeten worden bereikt. Dit betreft:
- actualisatie van het nationale mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat van het jaar 2002 naar het jaar 2020 en een 10%-reductie van deze plafonds in 2025. Dit zal een afname van de veestapel inhouden → *voorstel om in te stemmen*: *het sluit aan bij de stikstofambitie al is op voorhand niet met zekerheid te zeggen dat de 10% in 2025 is gerealiseerd.*

- generieke bufferstroken van 3 meter, zoals in het Gemeenschappelijk Landbouwbeleid is voorgesteld door de EC. In het 7e AP is een andere invulling gekozen om wetenschappelijk onderbouwd recht te doen aan de Nederlandse waterrijke situatie → *voorstel om **niet op voorhand** in te stemmen*: *EC komt terug op afspraken in het 7e Nitraat Actieprogramma wat door de Commissaris als 'toereikend' is beoordeeld. In eindfase kan ingestemd worden omdat de gevolgen te overzien zijn.*
- Verlagen van de totaal stikstofbemestingsnorm met 20% in 2025. Afgesproken was al in het 7e Nitraat Actieprogramma een actualisatie van het stikstofgebruiksnormenstelsel. → *voorstel om in te stemmen met een reductie van deze normen op basis van de totale bruto stikstof balans met 10% in 2025. Een reductie met 20% is een te grote stap. De Farm to Fork strategy heeft als ambitie 20% minder bemesting in 2030.*
- geen derogatie in voor nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden, omdat derogatie effectief is voor de waterkwaliteit → *voorstel om **niet** in te stemmen, wel toezeggen van implementatie van een pakket aan wettelijke maatregelen op uiterlijk 1 januari 2025 ten behoeve van doelbereik Intrekken van derogatie brengt doelbereik niet in beeld, want probleem zit bij andere teelten. In eindfase kan dit toegezegd worden in het belang van een akkoord.*
- geen derogatie in alle Natura 2000 gebieden → *voorstel om in te stemmen. Het voorstel is om **niet** in te stemmen met de verbreding naar 'nabij' de Natura 2000 gebieden*
- toename van 5% naar 10% fysieke controles door de NVWA → *voorstel om **niet** in te stemmen: want niet uitvoerbaar.*

***Scenario's mogelijke uitkomsten***

- **Wel** politieke overeenstemming met EC/ENVI. EC/ENVI zal de procedure naar derogatieverlening vervolgen via o.m. het College van Commissarissen.
- **Geen** overeenstemming met EC/ENVI:
  - Afspraak EC/ENVI nodig over hoe dit jaar (2022) met hogere bemesting omgegaan moet worden, bijvoorbeeld in de handhaving.
  - Op het moment dat aan Nederland geen derogatie zal worden verleend, zal Nederland nog steeds gehouden zijn aan de verplichtingen van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water.

***Consequenties geen overeenstemming***

- Nederland heeft sinds 2006 derogatie. Derogatie kent de voorwaarde van 80% grasland die leidt tot minder nitraatuitspoeling (de nitraatuitspoeling onder grasland is minder dan onder andere teelten) en daardoor gunstiger is voor de waterkwaliteit. Derogatie houdt een grote economische waarde voor de sector in, omdat er meer dierlijke mest gebruikt kan worden in plaats van kunstmest.
  - Derogatie draagt positief bij aan waterkwaliteit, het klimaat en agrobiodiversiteit. Derogatie kan als gevolg van de hogere toegestane dierlijke mestgift wel leiden tot een hogere ammoniakemissie door meer dierlijke mest gebruik,
  - De nationale plaatsingsruimte voor stikstof uit dierlijke mest zal door het wegvallen van de derogatie afnemen. De druk op de mestmarkt zal zo fors toenemen dat de gevolgen daarvan zeer grote impact kunnen hebben op de gehele veehouderij in Nederland.
  - Geen derogatie zal betekenen dat het gebruik van kunstmest in de Nederlandse landbouw en fossiele brandstoffen fors zal gaan toenemen met een hogere CO2-uitstoot het gevolg zijn.
- Geen derogatie betekent dat het draagvlak van de sector voor de integrale, gebiedsgerichte aanpak verder zal afnemen en hierdoor mogelijk medewerking langdurig en volledig zal blokkeren.
- Dit houdt een reëel risico van een infractieprocedure op de Nitraatrichtlijn / Kaderrichtlijn Water v.w.b. landbouwopgave in die zowel kan leiden tot zeer strenge aanvullend opgelegde eisen en hoge boetes. Voorbeeld Duitsland: forfaitair € 11 miljoen en € 820.000 per dag vanaf ingebrekestelling in 2018.

**<u>Toelichting</u>**

- Derogatie houdt in dat boeren onder voorwaarden meer stikstof uit dierlijke mest mogen gebruiken dan de norm van 170 kilogram per hectare die is vastgelegd in de Nitraatrichtlijn. De Europese Commissie (EC) kan middels een beschikking een lidstaat derogatie verlenen. Hiertoe

dienen in de besluitvormingsprocedure een aantal stappen in het Nitraatcomité doorlopen te worden. Derogatie wordt alleen verleend als het geen afbreuk doet aan de doelen van de Richtlijn. Aangezien de Nitraatrichtlijn een generieke norm voor de hele Europese Unie kent, die geen rekening houdt met de lengte van het groeiseizoen, is de mogelijkheid van derogatie opgenomen. De West-Europese landen met soortgelijk klimaat als Nederland (Ierland, België en Denemarken) en daardoor een lang groeiseizoen maken er gebruik van.

- Derogatie heeft inmiddels het frame van een tijdelijke uitzondering die niet milieuverantwoord is en zo snel mogelijk moet worden afgebouwd. Zo is deze niet vastgelegd in de Nitraatrichtlijn. De derogatie moet op objectieve wetenschappelijke gronden (o.a. lengte groeiseizoen) worden aangetoond, dat heeft Nederland gedaan. In oude richtlijnen zoals de Nitraatrichtlijn komen normen voor die in heel Europa gelden, terwijl de omstandigheden zeer verschillend zijn.
- Aan Nederland was tot 31 december 2021 derogatie verleend. Een actieprogramma vormt de rechtvaardiging voor een derogatie van de Nitraatrichtlijn. Het 7$^{e}$ actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7$^{e}$ AP) en het addendum op dit 7$^{e}$ AP is de basis voor verlening van derogatie van de Nitraatrichtlijn.
- De Europees Commissaris voor Milieu heeft Nederland in februari 2022 de procedure naar derogatieverlening van de Nitraatrichtlijn laten vervolgen. Met DG Milieu van de Europese Commissie zijn in de afgelopen periode ambtelijk onderhandelingen gevoerd over de inhoud en voorwaarden van een derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025.

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** woensdag 29 juni 2022 11:15
**Aan:** ' 5.1.2.E '
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minvws.nl; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E
**Onderwerp:** RE: Timeslot overleg derogatie Minister - Sinkevicius

Beste 5.1.2.E

Is het mogelijk om 6 juli 10.30 uur te plannen in plaats van 5.1.2.E uur met minister Sinkevicius? 5.1.2.E minister heeft een afspraak tot 10.30 uur die moeilijk te verzetten is.

Ik hoor graag van je.

Vriendelijke groet,

5.1.2.E
Secretariaat minister LNV, Henk Staghouwer

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Verzonden:** dinsdag 28 juni 2022 11:40
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minvws.nl; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Onderwerp:** Timeslot overleg derogatie Minister - Sinkevicius

Beste 5.1.2.E 5.1.2.E

Voorstel vanuit het Kabinet Sinkevicius voor een digitale meeting met Minister: 6 juli om 10:00 uur. Verneem graag of ik kan bevestigen.

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E
5.1.2.E
.....
Permanent Representation of the Kingdom of the Netherlands to the European Union
5.1.2.E 1040 Brussels
.....
T: (+ 5.1.2.E
M: (+ 5.1.2.E
@: 5.1.2.E @minbuza.nl
www: NL Permrep to the EU
.....

---

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit

bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

**Van:** MinisterLNV
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E
5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e . 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E );
5.1.2.E @minlnv.nl
**Onderwerp:** Derogatie
**Datum:** woensdag 29 juni 2022 12:11:46
**Bijlagen:** image001.jpg

---

Allen,

Vanmiddag om 14.30 uur overleg gepland met de minister over de volgende stappen m.b.t. derogatie. Overleg zal volledig digitaal plaatsvinden.

Groet,

5.1.2.E
Secretariaat Minister Henk Staghouwer
Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar: 5.1.2.E @minlnv.nl

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) namens MinisterLNVagenda
**Verzonden:** woensdag 29 juni 2022 13:59
**Aan:** ' 5.1.2.E '
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minvws.nl; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E
**Onderwerp:** RE: Timeslot overleg derogatie Minister - Sinkevicius

Hallo 5.1.2.E

11.00 uur noteer ik in de agenda. Ik ga er vanuit dat het gesprek een half uurtje duurt en via Webex plaatsvindt.

Vriendelijke groet,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Verzonden:** woensdag 29 juni 2022 13:53
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minvws.nl; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Onderwerp:** RE: Timeslot overleg derogatie Minister - Sinkevicius

Dag 5.1.2.E

10:30 uur is helaas niet mogelijk voor de Commissaris. Wel om 11:00 uur , is de Minister dan beschikbaar?

Groet,
5.1.2.E

5.1.2.E
5.1.2.E
.....
Permanent Representation of the Kingdom of the Netherlands to the European Union
5.1.2.E 1040 Brussels
.....
T: (+ 5.1.2.E
M: (+ 5.1.2.E
@: 5.1.2.E @minbuza.nl
www: NL Permrep to the EU
.....

---

**From:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Sent:** woensdag 29 juni 2022 11:15
**To:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Cc:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minvws.nl; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E

5.1.2.E @minbuza.nl>
**Subject:** RE: Timeslot overleg derogatie Minister - Sinkevicius

Beste 5.1.2.E

Is het mogelijk om 6 juli 10.30 uur te plannen in plaats van 5.1.2.E uur met minister Sinkevicius? 5.1.2.E minister heeft een afspraak tot 10.30 uur die moeilijk te verzetten is.

Ik hoor graag van je.

Vriendelijke groet,

5.1.2.E
Secretariaat minister LNV, Henk Staghouwer

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Verzonden:** dinsdag 28 juni 2022 11:40
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E /@minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minvws.nl; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>
**Onderwerp:** Timeslot overleg derogatie Minister - Sinkevicius

Beste 5.1.2.E 5.1.2.E

Voorstel vanuit het Kabinet Sinkevicius voor een digitale meeting met Minister: 6 juli om 10:00 uur. Verneem graag of ik kan bevestigen.

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E
5.1.2.E
.....
Permanent Representation of the Kingdom of the Netherlands to the European Union
5.1.2.E 1040 Brussels
.....
T: (+ 5.1.2.E
M: (+ 5.1.2.E
@: 5.1.2.E @minbuza.nl
www: NL Permrep to the EU
.....

---

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.
Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

---

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.
This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message. The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

---

Help save paper! Do you really need to print this email?

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is toegezonden, wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen. De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 4 juli 2022 13:21
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e(5.1.2.E )
**Onderwerp:** Opmerkingen MNenS
**Bijlagen:** Scan_20220704_131602_MFP-1341.5.1.2.e .pdf; 22280078.docx

Dag 5.1.2.E en 5.1.2.E

Zoals besproken - hierbij de opmerking van MNenS bij de brief. MLNV had geen opmerkingen.

Kunnen jullie in revisies in de opgemaakte versie in de bijlage de brief aanpassen?

Het zou fijn zijn als we uiterlijk om 16u een nieuwe versie kunnen voor beide minsiters.

Groet
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

3/7/22 Met akkoord

TER ADVISERING

5.1.2.e

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
29 juni 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22285742

**BHM: 22278798**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Reactie Commissieverzoek informatie over derogatie

Ik zou veel meer de bocht maken
= voorsorteren
= concreet wanneer, wat
= ~~k~~ noodscenario's
laten zien dat het menens is en voorbereid zijn.

**Parafenroute**

| | |
|---|---|
| **DGA**<br>b/a 5.1.2.E | **PAV,** 5.1.2.e<br>5.1.2.E |
| **DG Stikstof**<br>5.1.2.E | **DGS,** 5.1.2.e<br>5.1.2.E |
| **BPZ**<br>5.1.2.E | |

## Aanleiding

De vaste Kamercommissie Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit van de Tweede Kamer heeft naar aanleiding van het stikstofdebat op 23 juni 2022 op 27 juni 2022 een verzoek gedaan om informatie over de stand van zaken van de gesprekken over de derogatie. Met deze brief beantwoordt u dit verzoek. De brief is inhoudelijk afgestemd met DG LGenS.

Handhaving? Planwoud? Mitigatie?

## Advies

**MLNV:** U wordt geadviseerd bijgaande brief aan de Tweede Kamer te ondertekenen.
**MNenS:** U wordt geadviseerd akkoord te gaan met bijgaande brief aan de Tweede Kamer.

Tu Ek so sreat dat boeren nu in overtreding zijn

## Kernpunten

Het verzoek van de Tweede Kamer ziet op een brief met daarin een toelichting op:

- een toelichting op de stand van zaken,
- de meest waarschijnlijke uitkomst en
- de gevolgen (liefst per sector en per regio) van het mogelijk niet verlengen van de derogatie en
- hoe die gevolgen zich verhouden tot het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG).

In de beantwoording gaat u niet in op de meest waarschijnlijke uitkomst en vraagt u nogmaals begrip in verband met onderhandelingspositie met de Europese Commissie.

Ontvangen BPZ

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22285742

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22280078

**Uw kenmerk**
2022Z13112/2022D27243

Datum
Betreft Verzoek om informatie over derogatie

Geachte Voorzitter,

Op 27 juni 2022 heeft de vaste commissie voor Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit mij verzocht de Tweede Kamer te informeren over de meest waarschijnlijke uitkomst en de gevolgen van het mogelijk niet verlengen van de derogatie en hoe die gevolgen zich verhouden tot het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG). Met deze brief informeer ik de Tweede Kamer hierover.

In mijn brief van 26 april 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verkrijgen van een nieuwe derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 439). Ik heb in deze brief aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Hierbij heb ik toegelicht dat ik inzet op drie kernvoorwaarden en dat ik de optimale ruimte zal zoeken en hierin het noodzakelijke zal doen. De drie kernvoorwaarden zijn:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

Is een voorwaarde

In de afgelopen periode is meermaals overleg gevoerd met DG Milieu over de inhoud en voorwaarden van een derogatie en deze gesprekken zullen in de komende periode worden voortgezet. Ik vraag nogmaals begrip van de Tweede Kamer om nu niet in te gaan op de meest waarschijnlijke uitkomst van de onderhandelingen, omdat dit de onderhandelingspositie mogelijk kan schaden. Eerder heb ik aangegeven dat ik verwachtte in juni uitsluitsel te kunnen geven over de uitkomst van deze onderhandelingen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van juli meer duidelijkheid kan geven.

Zou wel willen weten / Tweede Kamer

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22280078

In voornoemde brief van 26 april 2022 aan de Tweede Kamer heb ik de consequenties van het verlies van derogatie toegelicht en ben ik ingegaan op de grootste verschuivingen die ik verwacht ten aanzien van de sectoren. Samengevat betekent geen verlening van derogatie dat in Nederland voor alle landbouwgronden uitgegaan moet worden van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke meststoffen van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zal, op korte termijn, grote gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland, waarbij naar verwachting melkveehouders de mest, die op het eigen bedrijf geproduceerd wordt niet langer volledig op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, waardoor mest van het bedrijf naar elders zal moeten worden afgezet. De behoefte aan stikstof zal worden ingevuld met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest, bijvoorbeeld door kunstmest. De akkerbouw zal naar verwachting minder mest uit de varkenshouderij toepassen en meer gebruik gaan maken van de mest uit de melkveehouderij. Tenslotte zal de afzet van mest naar buiten Nederland toenemen evenals het belang van mestverwerking. Als gevolg van deze veranderingen zullen de mestafzetkosten voor de veehouderijbedrijven sterk stijgen en voor melkveehouderijbedrijven zullen de kosten voor kunstmest toenemen.

Het effect op de waterkwaliteit van het niet verkrijgen van een derogatie is moeilijk precies te voorspellen. Het gebruik van dierlijke mest zal afnemen, maar omgekeerd zal het gebruik van kunstmest toenemen. Bij stijgende mestafzetkosten en regionale overschotten van dierlijke mest, neemt het risico op overbemesting en fraude toe. Het vervallen van de derogatievoorwaarde om 80% van de oppervlakte grasland te hebben, kan leiden tot het scheuren van grasland. Dit kan gepaard gaan met grotere stikstofverliezen naar grond- en oppervlaktewater. Scheuren van grasland heeft ook een negatief effect op $CO_2$ vastlegging in de bodem. Ook vanuit de optiek van milieukwaliteit is het niet verkrijgen van een derogatie ongunstig.

Verschillende urgente opgaven maken dat het landelijk gebied de komende jaren flink zal moeten veranderen. De draagkracht van onze natuur en ons bodem- en watersysteem wordt op veel plekken overschreden. Bovendien vraagt de klimaatopgave om een sterke daling van de broeikasgasemissies van landbouw en landgebruik. Om deze doelen te realiseren richt het kabinet het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG) in, waarvan u op 10 juni de startnotitie heeft ontvangen (Kamerstuk 34682, nr. 96). Het al dan niet verkrijgen van een derogatie heeft geen invloed op de doelstellingen van het NPLG. In de gebiedsprocessen worden met alle betrokkenen samen worden de plannen uitgewerkt De deelname van alle betrokkenen partijen is daarbij van groot belang. Zij kennen immers bij uitstek het gebied en zijn gebruikers van een groot deel van het land. Omwille van duidelijkheid en zekerheid, vind ik het ook belangrijk dat zodra de uitkomsten van de onderhandelingen bekend zijn, deze worden betrokken bij de nadere vormgeving van de gebiedsprocessen.

Ik streef naar een derogatie voor Nederland die ondersteunend is aan de werkwijze en doelen voor water, klimaat en biodiversiteit, zoals omschreven in het

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22280078

Nationaal Programma Landelijk gebied. Vanuit het belang dat ik hecht aan duidelijkheid en zekerheid, vind ik het tevens van belang dat zodra de uitkomsten van de onderhandelingen bekend zijn, deze worden betrokken bij de nadere vormgeving van de gebiedsprocessen en de maatregelen die daarin worden voorgesteld.

zal MNes die betrekken bij...

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22280078

**Uw kenmerk**
2022Z13112/2022D27243

Datum
Betreft Verzoek om informatie over derogatie

Geachte Voorzitter,

Op 27 juni 2022 heeft de vaste commissie voor Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit mij verzocht de Tweede Kamer te informeren over de meest waarschijnlijke uitkomst en de gevolgen van het mogelijk niet verlengen van de derogatie en hoe die gevolgen zich verhouden tot het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG). Met deze brief informeer ik de Tweede Kamer hierover.

In mijn brief van 26 april 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verkrijgen van een nieuwe derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 439). Ik heb in deze brief aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Hierbij heb ik toegelicht dat ik inzet op drie kernvoorwaarden en dat ik de optimale ruimte zal zoeken en hierin het noodzakelijke zal doen. De drie kernvoorwaarden zijn:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

In de afgelopen periode is meermaals overleg gevoerd met DG Milieu over de inhoud en voorwaarden van een derogatie en deze gesprekken zullen in de komende periode worden voortgezet. Ik vraag nogmaals begrip van de Tweede Kamer om nu niet in te gaan op de meest waarschijnlijke uitkomst van de onderhandelingen, omdat dit de onderhandelingspositie mogelijk kan schaden. Eerder heb ik aangegeven dat ik verwachtte in juni uitsluitsel te kunnen geven over de uitkomst van deze onderhandelingen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van juli meer duidelijkheid kan geven.

In voornoemde brief van 26 april 2022 aan de Tweede Kamer heb ik de consequenties van het verlies van derogatie toegelicht en ben ik ingegaan op de grootste verschuivingen die ik verwacht ten aanzien van de sectoren. Samengevat betekent geen verlening van derogatie dat in Nederland voor alle landbouwgronden uitgegaan moet worden van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke meststoffen van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zal, op korte termijn, grote gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland, waarbij naar verwachting melkveehouders de mest, die op het eigen bedrijf geproduceerd wordt niet langer volledig op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, waardoor mest van het bedrijf naar elders zal moeten worden afgezet. De behoefte aan stikstof zal worden ingevuld met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest, bijvoorbeeld door kunstmest. De akkerbouw zal naar verwachting minder mest uit de varkenshouderij toepassen en meer gebruik gaan maken van de mest uit de melkveehouderij. Tenslotte zal de afzet van mest naar buiten Nederland toenemen evenals het belang van mestverwerking. Als gevolg van deze veranderingen zullen de mestafzetkosten voor de veehouderijbedrijven sterk stijgen en voor melkveehouderijbedrijven zullen de kosten voor kunstmest toenemen.

Het effect op de waterkwaliteit van het niet verkrijgen van een derogatie is moeilijk precies te voorspellen. Het gebruik van dierlijke mest zal afnemen, maar omgekeerd zal het gebruik van kunstmest toenemen. Bij stijgende mestafzetkosten en regionale overschotten van dierlijke mest, neemt het risico op overbemesting en fraude toe. Het vervallen van de derogatievoorwaarde om 80% van de oppervlakte grasland te hebben, kan leiden tot het scheuren van grasland. Dit kan gepaard gaan met grotere stikstofverliezen naar grond- en oppervlaktewater. Scheuren van grasland heeft ook een negatief effect op CO2 vastlegging in de bodem. Ook vanuit de optiek van milieukwaliteit is het niet verkrijgen van een derogatie ongunstig.

Verschillende urgente opgaven maken dat het landelijk gebied de komende jaren flink zal moeten veranderen. De draagkracht van onze natuur en ons bodem- en watersysteem wordt op veel plekken overschreden. Bovendien vraagt de klimaatopgave om een sterke daling van de broeikasgasemissies van landbouw en landgebruik. Om deze doelen te realiseren richt het kabinet het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG) in, waarvan u op 10 juni de startnotitie heeft ontvangen (Kamerstuk 34682, nr. 96). Het al dan niet verkrijgen van een derogatie heeft geen invloed op de doelstellingen van het NPLG. In de gebiedsprocessen worden met alle betrokkenen samen worden de plannen uitgewerkt De deelname van alle betrokkenen partijen is daarbij van groot belang. Zij kennen immers bij uitstek het gebied en zijn gebruikers van een groot deel van het land. Omwille van duidelijkheid en zekerheid, vind ik het ook belangrijk dat zodra de uitkomsten van de onderhandelingen bekend zijn, deze worden betrokken bij de nadere vormgeving van de gebiedsprocessen.

Ik streef naar een derogatie voor Nederland die ondersteunend is aan de werkwijze en doelen voor water, klimaat en biodiversiteit, zoals omschreven in het

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22280078

Nationaal Programma Landelijk gebied. Vanuit het belang dat ik hecht aan duidelijkheid en zekerheid, vind ik het tevens van belang dat zodra de uitkomsten van de onderhandelingen bekend zijn, deze worden betrokken bij de nadere vormgeving van de gebiedsprocessen en de maatregelen die daarin worden voorgesteld.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 5 juli 2022 06:43
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: Ministers akkoord met brief derogatie.

Goedemorgen collega's,

Ik heb toch nog een vraag over de passage waarin wordt aangegeven dat we (en waarover we) volgende week de TK informeren. Kunnen we dat op deze manier waarmaken.? 5.1.2.e gaf heel duidelijk aan dat er geen ruimte is (wat de Commissie betreft) om te communiceren over "een deal". De vraag die ik hierbij heb is of we wel kunnen communiceren over de aard van het voorstel dat in de interservice gaat. En we hebben gisteren nog geen afspraak gemaakt over de aard van de communicatie richting de sector.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Datum:** 4 juli 2022 om 22:36:33 CEST
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Ministers akkoord met brief derogatie.

Dag allen,

Ik begrijp van 5.1.2.E dat de ministers akkoord zijn met de brief (ze heeft even contact gehad met 5.1.2.E en Henk). Bijgaand vinden jullie de brief die ik morgen laat versturen.

In de passage met het tijdspad m.b.t. informeren kamer zijn een paar taalkundige dingen aangepast (zinnen die niet liepen).

Zonder tegenbericht laat ik deze brief morgen om 09u verzenden.

Groet
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Verzonden:** dinsdag 5 juli 2022 07:21
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E)
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Onderwerp:** RE: Antw: Ministers akkoord met brief derogatie.
**Bijlagen:** 22280078_aangepast_22.30 5.1.2.e .docx

Ha 5.1.2.E en 5.1.2.E

Ik denk dat niets aan de Kamer melden niet kan en zomer lang. Minister zal proces kunnen schetsen. Over de inhoud zal hij toch ook iets moeten zeggen. In ieder geval over 2022.

Ik heb de tekst wat afgezwakt. Maar ik denk dat de minister de Kamer moet informeren.

Groet,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E :@minlnv.nl>
**Verzonden:** dinsdag 5 juli 2022 06:43
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Antw: Ministers akkoord met brief derogatie.

Goedemorgen collega's,

Ik heb toch nog een vraag over de passage waarin wordt aangegeven dat we (en waarover we) volgende week de TK informeren. Kunnen we dat op deze manier waarmaken.? 5.1.2.e gaf heel duidelijk aan dat er geen ruimte is (wat de Commissie betreft) om te communiceren over "een deal". De vraag die ik hierbij heb is of we wel kunnen communiceren over de aard van het voorstel dat in de interservice gaat. En we hebben gisteren nog geen afspraak gemaakt over de aard van de communicatie richting de sector.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Datum:** 4 juli 2022 om 22:36:33 CEST
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E s@minlnv.nl>, 5.1.2.E (5.1.2.E) <p.j.a.l.munters@minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E n@minlnv.nl>, 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E :@minlnv.nl>
**Onderwerp:** Ministers akkoord met brief derogatie.

Dag allen,

Ik begrijp van 5.1.2.E dat de ministers akkoord zijn met de brief (ze heeft even contact gehad met 5.1.2.E en Henk). Bijgaand vinden jullie de brief die ik morgen laat versturen.

In de passage met het tijdspad m.b.t. informeren kamer zijn een paar taalkundige dingen aangepast (zinnen die niet liepen).

Zonder tegenbericht laat ik deze brief morgen om 09u verzenden.

Groet
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

Datum
Betreft Verzoek om informatie over derogatie

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22280078

**Uw kenmerk**
2022Z13112/2022D27243

Geachte Voorzitter,

Op 27 juni 2022 heeft de vaste commissie voor Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit mij verzocht de Tweede Kamer te informeren over de meest waarschijnlijke uitkomst en de gevolgen van het mogelijk niet verlengen van de derogatie en hoe die gevolgen zich verhouden tot het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG). Met deze brief informeer ik de Tweede Kamer hierover.

In mijn brief van 26 april 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verkrijgen van een nieuwe derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstukken II, 33037, nr. 439). Ik heb in deze brief aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Hierbij heb ik toegelicht dat ik inzet op drie kernvoorwaarden en dat ik de optimale ruimte zal zoeken en hierin het noodzakelijke zal doen. De drie kernvoorwaarden zijn:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

De Tweede Kamer is in eerdere Kamerbrieven en in debatten geïnformeerd dat het zonder meer verkrijgen van deze derogatie niet vanzelfsprekend is. In voornoemde brief van 26 april 2022 heb ik aangegeven dat we er rekening mee moeten houden dat voortzetting van de derogatie, zoals die voorgaande jaren aan Nederland was toegekend, steeds lastiger wordt. In de afgelopen periode is meermaals overleg gevoerd met de diensten van de Europese Commissie over de inhoud en voorwaarden van de derogatie.

Deze gesprekken verlopen moeizaam. Ik span mij echter maximaal in om in gesprekken op ambtelijk en politiek niveau te komen tot een derogatieverlening

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22280078

~~Ik wil de Tweede Kamer informeren dat uit de lopende gesprekken naar voren is gekomen dat de diensten van de Europese Commissie een stapsgewijze vergaande verlaging in de hoogte van de derogatienorm én aanvullende voorwaarden voorstellen.~~

In de derogatieonderhandelingen blijf ik inzetten op een balans tussen een inzet die haalbaar is in Brussel maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en rechtdoet aan de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. De komende periode worden de gesprekken voortgezet. Ik vraag nogmaals begrip van de Tweede Kamer om nu niet in te gaan op de meest waarschijnlijke uitkomst van de onderhandelingen, omdat dit de onderhandelingspositie mogelijk kan schaden.

Eerder heb ik aangegeven dat ik verwachtte in juni uitsluitsel te kunnen geven over de uitkomst van deze onderhandelingen. Helaas ~~verwacht ik~~is de verwachting dat ~~kan~~ ik u niet voor ~~het~~ de aanvang van het zomerreces van de Tweede Kamer verder kan informeren. Het is~~, maarok verwacht~~ mijn streven ~~is dat ik~~ de Tweede Kamer ~~de Tweede Kamer~~ in de eerste helft van volgende week meer duidelijkheid ~~kan geven~~ ~~geefte~~ geven over het verloop ~~de uitkomsten~~ van de gesprekken. Ik zal hierbij ingaan op de gevolgen ~~schetsen~~ en ~~ingaan~~ op de wijze waarop hieraan uitvoering kan worden gegeven.

In voornoemde brief van 26 april 2022 aan de Tweede Kamer heb ik de consequenties van het verlies van derogatie toegelicht en ben ik ingegaan op de grootste verschuivingen die ik verwacht ten aanzien van de sectoren. Samengevat betekent geen verlening van derogatie dat in Nederland voor alle landbouwgronden uitgegaan moet worden van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke meststoffen van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zal, op korte termijn, grote gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland, waarbij naar verwachting melkveehouders de mest, die op het eigen bedrijf geproduceerd wordt niet langer volledig op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, waardoor mest van het bedrijf naar elders zal moeten worden afgezet. De behoefte aan stikstof zal worden ingevuld met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest, bijvoorbeeld door kunstmest. De akkerbouw zal naar verwachting minder mest uit de varkenshouderij toepassen en meer gebruik gaan maken van de mest uit de melkveehouderij. Tenslotte zal de afzet van mest naar buiten Nederland toenemen evenals het belang van mestverwerking. Als gevolg van deze veranderingen zullen de mestafzetkosten voor de veehouderijbedrijven sterk stijgen en voor melkveehouderijbedrijven zullen de kosten voor kunstmest toenemen.

Het effect op de waterkwaliteit van het niet verkrijgen van een derogatie is moeilijk precies te voorspellen. Het gebruik van dierlijke mest zal afnemen, maar omgekeerd zal het gebruik van kunstmest toenemen. Bij stijgende mestafzetkosten en regionale overschotten van dierlijke mest, neemt het risico op overbemesting en fraude toe. Het vervallen van de derogatievoorwaarde om 80% van de oppervlakte grasland te hebben, kan leiden tot het scheuren van grasland. Dit kan gepaard gaan met grotere stikstofverliezen naar grond- en oppervlaktewater. Scheuren van grasland heeft ook een negatief effect op CO2

vastlegging in de bodem. Ook vanuit de optiek van milieukwaliteit is het niet verkrijgen van een derogatie ongunstig.

Verschillende urgente opgaven maken dat het landelijk gebied de komende jaren flink zal moeten veranderen. De draagkracht van onze natuur en ons bodem- en watersysteem wordt op veel plekken overschreden. Bovendien vraagt de klimaatopgave om een sterke daling van de broeikasgasemissies van landbouw en landgebruik. Om deze doelen te realiseren richt het kabinet het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG) in, waarvan u op 10 juni de startnotitie heeft ontvangen (Kamerstuk 34682, nr. 96). Het al dan niet verkrijgen van een derogatie heeft geen invloed op de doelstellingen van het NPLG. In de gebiedsprocessen worden met alle betrokkenen samen de plannen uitgewerkt. Hierbij is de deelname van alle betrokkenen partijen van groot belang. Zij kennen immers bij uitstek het gebied en zijn gebruikers van een groot deel van het land.

Ik streef naar een derogatie voor Nederland die ondersteunend is aan de werkwijze en doelen voor natuur (stikstof), water, klimaat en biodiversiteit, zoals omschreven in het Nationaal Programma Landelijk gebied en daarnaast werkbaar is voor de agrarische sector~~.~~ Vanuit het belang dat ik hecht aan duidelijkheid en zekerheid, zal de Minister voor Natuur en Stikstof zodra de uitkomsten van de onderhandelingen bekend zijn, deze betrekken bij de nadere vormgeving van de gebiedsprocessen en de maatregelen die daarin worden voorgesteld.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** woensdag 6 juli 2022 16:13
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E @minvws.nl; 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); ' 5.1.2.E [redacted]'; 5.1.2.E [redacted] (5.1.2.E); 5.1.2.E ('5.1.2.E [redacted]; 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E); 5.1.2.E @minlnv.nl
**Onderwerp:** Afspraak om 17.00 uur zal volledig digitaal via Teams plaatsvinden

5.1.2.E
Secretariaat Minister Henk Staghouwer
Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar: uitnodigin 5.1.2.E @minlnv.nl

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** woensdag 6 juli 2022 16:25
**Aan:** MinisterLNV; 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E @minvws.nl; 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); ' 5.1.2.E '; 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E [redacted] 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E); SecretariaatSG-5.1.2.E @minlnv.nl
**Onderwerp:** sorry, de minister blijft op LNV de afspraak kan dan hybride plaatsvinden

---

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** woensdag 6 juli 2022 16:13
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minvws.nl; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; ' 5.1.2.E ' < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minlnv.nl
**Onderwerp:** Afspraak om 17.00 uur zal volledig digitaal via Teams plaatsvinden

5.1.2.E
Secretariaat Minister Henk Staghouwer
Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar: uitnodigin 5.1.2.E @minlnv.nl

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** vrijdag 8 juli 2022 12:14
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E
**Onderwerp:** FW: draft derogation decision

Hierbij een voorstel voor reactie:

Dear 5.1.2.e,

Thank you for your swift and constructive response. I highly appreciate the efforts of you and your team to come to an agreement.

On the application standards: Thank you for accepting our proposal of yesterday. I believe we have come to an acceptable compromise.

On the polluted areas: I understand your proposal as such that the table included in the 7th AP will define the polluted areas in 2023 and that a new table can be the basis by 2024. Although I appreciate your efforts to find a solution, I must note that this will have significant effects in 2023 as many areas will shift from the 250- to the 230-regime (with an application standard of 220 kg/ha in 2023), while some of these areas may shift back to the 250-regime by 2024 (with an application standard of 230 kg in 2024). I fear this will still undermine the approach of the National Program for Rural Areas.
At the same time, I understand your services must go ahead with internal procedures and I very much appreciate your efforts to come to a draft decision in time for the Nitrates Committee in September. This is indeed of utmost importance to us. I also understand it is the responsibility of the Commission to take this decision. Therefore, I take note that your services will start internal procedures now including the formula on polluted areas as described in your email. I will inform my Minister accordingly.

Thank you again for the constructive dialogue and collaboration.

Best regards,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Verzonden:** vrijdag 8 juli 2022 11:24
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E .@eeas.europa.eu; 5.1.2.E 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>; 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e 5.1.2.E < 5.1.2.E 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Onderwerp:** RE: draft derogation decision

Dear 5.1.2.E

Thank you for the new constructive proposals we received last night. Allow me to react on behalf of 5.1.2.E who is currently travelling.

We looked at you latest proposals in a constructive spirit, as the Commission is wanting to support the Dutch request for a derogation, for which in procedural terms however the time is running (out) if we want to submit a proposal to the C'ttee in September. Concretely we suggest to accommodate in the derogation proposal the following:

**On the application standards** - We appreciate that you make efforts to bring a clearer signal towards ending the derogation in 2026. We think that despite a rather slow start of the reduction path, the commitment is overall clearer now and hence could accept your latest suggestion as the way forward.

**On the designation of polluted areas** We note that you acknowledge that eutrophication should be fully included in the designation of polluted areas. Thank you. We also appreciate that you commit to solve the absence of such designation by 2024. However we are facing in the vacuum until 2024 a legal issue of non-compliance with the Nitrates Directive as well as a question of equal treatment between Member States, which makes it difficult to leave the designation unresolved until 2024. Therefore in order to go forward nevertheless and set the derogation on a sound legal basis, we will advance with the procedure with the text including a provision that the table included in the 7th Action Program will be used as a basis to designate polluted zones until the Netherlands provides a new table of designated polluted areas by 0 . This will also give legal certainty for farmers, as waiting for 0 to designate all polluted zones would in effect correspond to a review. I believe this is a formula that is close to your political ambition while also respecting the legal requirements.

I trust that with these last compromises we can close the discussion in order to pave the way for a hopefully positive acceptance by the C'ttee in September of the Dutch derogation request. As explained during our conversation, it is in the utmost interest for the Netherlands that the Derogation can be presented to the Nitrates Committee in September and still be adopted by the College in 2022, therefore, my services will now urgently go ahead with our internal procedures on this basis.

Let me thank you again for your constructive collaboration. I am confident that together we now have found a solid basis to secure a derogation in September.

Kind regards,
5.1.2.e

---

5.1.2.e

**European Commission**
Directorate General for Environment

Avenue d'Auderghem 19, B-1000 Belgium
+32 5.1.2.E

5.1.2.e 5.1.2.E @ec.europa.eu

**From:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) <p. 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Sent:** 5.1.2.E 7, 2022 7:56 PM
**To:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @eeas.europa.eu>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E L. 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Cc:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minvws.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu> 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Subject:** RE: Text proposals draft derogation decision

Dear 5.1.2.E

Thank you very much for your further clarification. This certainly helps us better understanding what the Commission is asking and to better formulate our reaction.

As for the **Renure-derogation**, we confirm that Minister Staghouwer and Commissioner Sinkevicius have agreed to take this derogation out of the current discussion.

As for the **application standards**, we recognize your concerns about the gap between 2025 and 2026. To give you the assurance that we will deal with this adequately we propose to further reduce the application standard for 2025 to 200 for the 250 areas, and to 190 for the 230 area (see table below). Understanding that in doing so we have addressed your concerns about the gap sufficiently. Therefore combining this reduction path with an equivalent reduction in the total application standard for nitrogen (incl. chemical fertilizers) per year for grassland on derogated farms, is not necessary.

| Year | 250 areas | 230 areas |
|---|---|---|
| 2022 | 250 | 230 |
| 2023 | 240 | 220 |
| 2024 | 230 | 210 |
| 2025 | 200 | 190 |
| 2026 | 170(no derogation) | |

As for the **designation of the polluted areas**, we fully agree that the identification must include eutrophication. However, since the designation of the polluted areas is integral part of the National Program of the Rural Areas, designating them as of 2023 would not be in line with the implementation path of the National Program. If we should implement it separate from the National Program as of 2023, the water quality objectives won't be any longer an integral part of the integrated, area based approach of the National Program and as such would undermine one of the three pillars of the National Program (water quality, climate and nitrogen emissions). Therefore we urgently ask you to considering implementation as of 2024. To provide you with assurance that we indeed implement these areas as of 2024, we suggest that in the text of the derogation you include a sentence along the following lines: If the Netherlands has not provided a new table of designated polluted areas by 2024, the table included in the 7th Action Program will be used.

Last but not least, I would like to inform you that this evening some reports have appeared in the Dutch press, stating that our ministry will announce Monday that it has not succeeded in ensuring a new nitrates derogation. I would like to underline explicitly that this signal is not coming from the ministry, on the contrary. Our message has always been and still is that we are still in discussion with the Commission, without any reference to the content or possible outcome of the discussion.

We understand very well the tight time schedule and really appreciate giving us another opportunity to react.

Best regards,

5.1.2.E

5.1.2.E
Ministry of Agriculture, Nature and Food Quality

---

**Van:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Verzonden:** donderdag 7 juli 2022 17:46
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @eeas.europa.eu; 5.1.2.E < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E < 5.1.2.E @minvws.nl>; 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e 5.1.2.E 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.e <5.1.2.e - 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Onderwerp:** RE: Text proposals draft derogation decision
**Urgentie:** Hoog

Dear colleagues,

We are surprised by your inputs of yesterday evening to DG ENV as they don't reflect what was discussed between Commissioner Sinkevičius and Minister Staghouwer.

Just to recall that Commissioner Sinkevičius suggested a number of compromises to move forward with the 3 issues raised by Minister Staghouwer:

1) Derogation for RENURE: **Agreement to leave it out of the discussion now.** The cumulative effects of the two derogations require a very careful analysis, and the priority with the first derogation is to reduce fertilisation and reduce nutrients losses in polluted areas. The Commission will look at this issue of recycling of nutrients and replacements of chemical fertilisers in the context of the Integrated Nutrient Management Action Plan.

**2)** Application standards: this is a key issue as the derogation needs to support the reforms and should not be used as an instrument to delay them. The effect of the

announced reforms should be visible by the end of the derogation period and there should be preparations for a future without derogation. Equality between Member States must be respected. **The slower reduction proposed by NL could be accepted if by the latest in 2024 there are measures in place to bridge the gap between 2025 and 2026 (without derogation), and, if, no additional chemical fertilisers are used on top of the manure**.

3) Designation of polluted areas: the identification needs to be done in line with EU law, and **must include eutrophication**. This approach is used for all Member States and there can be no exception for NL.

We were expecting from you a proposal on point 2 in line with the options proposed by the Commissioner, and a proposal on point 3 on a system to define the polluted areas that would cover also eutrophication.

The feedback sent by NL yesterday evening to DG ENV does not address adequately these points and instead raises a number of other issues not discussed between the Commissioner and the Minister. **Against this background, the only sensible way forward is that the Commission will for the moment use the table included in the 7th nitrates action programme.**

As the Commissioner indicated, we are under extreme time constraints. The draft text needs to be finalised today to be on time for the procedural steps, Nitrates Committee in September and ensure adoption by the College still in 2022.

Thank you in advance for your cooperation.

Kind regards,

5.1.2.e

5.1.2.e

**European Commission**
Environment, Oceans and Fisheries

BERL 08/163
B-1049 Brussels/Belgium
Tel. : + 5.1.2.E
E-mail : 5.1.2.E @ec.europa.eu

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden,

wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the risks inherent in the electronic transmission of messages.

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** maandag 11 juli 2022 14:19
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); ' 5.1.2.E '
**Onderwerp:** FW: text proposal polluted areas

Zie hieronder de reactie van de EC. Is niet waar we op hoopten. Ik heb tussen nu en 15u ruimte voor even overleg

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Verzonden:** maandag 11 juli 2022 14:07
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e < 5.1.2.E 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e 5.1.2.e - 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; ' 5.1.2.E @minbuza.nl' < 5.1.2.E @minbuza.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minlnv.nl
**Onderwerp:** Re: text proposal polluted areas

Dear 5.1.2.E

Thank you and your colleagues for the further efforts and for the new proposal sent yesterday night.

Just to sum up the state of play at this very late stage.

From the Commission side we have come a long way towards the Dutch requests for a new derogation under the Nitrates Directive, showing a lot of understanding and flexibility in light of the political commitments taken by the Government to eventually tackle the nitrogen problem. First, by agreeing to provide a derogation even in a situation of worsening water trends. Furthermore, we have made in the last weeks a series of important concessions: a derogation for 4 years instead of 2 as the last one, no review clause as imposed to other MS, keeping the 2021 manure application rate for 2022, lower manure reduction rates during the 4 years and reduction obligations only at the end, no increase of controls to fight manure fraud. I would like also to remind you that in addition to the concerns with water quality there have been also important delays in the implementation of conditions from the previous derogation.

On behalf of our 5.1.2.e, and in agreement with our 5.1.2.e 5.1.2.e we suggest, as last effort from our side to ensure this derogation goes through, to go in the direction you propose as follows.

We understand that the additional designation for 2023 you propose would not be based on *actual monitoring data*, but on a *projection and modelling scenarios* included in a study, and would include the waters that in 2027 would still be above the norms if all the measures were going to be implemented. In addition, because you consider only the waters in bad and poor status, <u>your proposal would amount to</u>

a very significant reduction of the 'nutrients polluted areas' compared to your table included in the 7th NAP (with only about 15% of the regional waterbasins included). Moreover, the exact designation of these areas would be defined only in autumn 2022, *after* the derogation would have been voted in the Committee and adopted by the Commission.

As you know, for the designation of polluted areas the Commission expects this to be done on the basis of monitoring data and not only on modelling projections, in line with the legal provisions of EU legislation.

We would be ready, as an extraordinary concession, to go in your direction, but the "nutrients inadequate areas" must include also the areas in moderate status (yellow color). This designation would still overall concern only about half of the polluted areas as identified by you 7AP able. And if in 2027, under the best case scenario of your study (assuming that also all the voluntary measures planned would have been implemented) these have still not achieved the norm of good status (and thus would not be compliant with the obligations under the Water Framework Directive), these should certainly be considered polluted in 2022. We would also need to include a clarification of the methodology for the designation of polluted areas that would be compatible with the Nitrates Directive and a safeguard, if the new designation is not in place in 2024.

The article would thus read as:

The Netherlands shall develop a new designation and map of nutrients polluted areas from agricultural sources by 2024 at the latest, which includes all catchment areas for monitoring points for groundwater and surface water exhibiting mean or punctual nitrates pollution, at risk of being polluted and increasing trends, as well as monitoring points exhibiting eutrophication or at risk of becoming eutrophic. As a first step, the designation of nutrients polluted areas applicable as of 1 January 2023 will be based on (a) southern and central sandy soils and loess soils extended with (b) nutrients inadequate areas (bad, poor and moderate) in regional waterbodies according to the Water Framework Directive, as described in the National Analysis Water Quality by PBL (2020). As of 1 January 2024, a final designation and map of nutrients polluted areas shall be in place and shall include at least the areas designated as of 2023 as well as any other additional area where the contribution from agriculture to the pollution is significant, that is more than 19% of the load. Should the new designation of nutrients polluted areas not be in place on 1 January 2024, the designation provided in the 7th Nitrates action programme will be used.

I hope this is acceptable for you, as this is our last possibility to compromise. We will thus proceed today on this basis with the internal procedure for the derogation Decision.

Kind regards,

5.1.2.E

5.1.2.E 5.1.2.E

5.1.2.E

**European Commission**
DG Environment
Unit ENV D.1 – Land Use & Management
Office: BREY2 – Avenue d'Auderghem 19

Mail address: Rue de la Loi 200, B - 1049 Brussels
Tel: (+ 5.1.2.E
E-mail: 5.1.2.E @ec.europa.eu
Website: http://ec.europa.eu/environment
Follow us on:

Disclaimer: *"This message does not constitute a formal communication and the views expressed are purely those of the writer and may not in any circumstances be regarded as stating an official position of the European Commission."*

**From:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Sent:** Sunday, July 10, 2022 11:43 PM
**To:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Subject:** Re: text proposal polluted areas

Dear 5.1.2.E
Thanks a lot for your efforts and the text proposal which is well noted. I will share it with my colleagues and come back to you by the end of tomorrow morning. Possibly my colleagues will get in touch directly with yours.
Kind regards
5.1.2.e

5.1.2.e

On 10 Jul 2022, at 22:43, 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl> wrote:

Dear 5.1.2.E

Thank you very much for the efforts of you and your team to meet our concerns to the extent possible and to come to a common understanding on a derogation to the Nitrates Directive for the Netherlands.

As for the ***application standards***, we are very pleased that the Commission is willing to accept our proposal of July 7, 2022 7:56 PM (mail) and which you accepted on July 8, 2022 11:24 (mail).

On the **nutrients *polluted areas***, we acknowledge the concerns the Commission has about the vacuum in 2023 on creating a legal issue of non-compliance with the Nitrates Directive, as well as the question of equal treatment between Member States. As discussed by phone in the evening of Friday July 8th, we are facing a major dilemma in the Netherlands with your text proposal about the polluted areas based on the 7th Nitrates Action Program as of 1 January 2023. You gave me the opportunity to suggest a text proposal that sees in to a less far-reaching designation of polluted areas as of 1 January 2023.

I herewith propose a text, which in our view addresses the concerns of the European Commission, and at the same time is feasible to implement in the Netherlands.

It will provide the European Commission with the designation of the polluted areas by 2024 at the latest, and ensures a designation in 2023 by taking a very meaningful and legal first step of designation of nutrients polluted areas. I trust this formula is respecting legal requirements, equal treatment between Member States and at the same time is legally enforceable and also feasible in Dutch agricultural practice within the specified periods.

Hopefully we can discuss this text proposal on Monday morning 11 July. I will ask my secretariat to contact your secretariat to arrange this appointment.

In order to being able to prepare the necessary national regulations for the implementation of the derogation, we would appreciate it very much if you could provide us with the text of the draft decision at your earliest convenience. This on the clear understanding that the decision is not final until approved by the Nitrates Committee and the College of Commissioners.

Lastly, as discussed by Commissioner Sinkevicius and Minister Staghouwer, we will contact your services in the course of this week on how we intend to inform our parliament on the progress in the derogation process.

Please accept my sincere gratitude for the constructive dialogue and cooperation to bring this sensitive issue to a satisfactory, meaningful conclusion.

Best regards,

5.1.2.E

Dit bericht kan informatie bevatten die niet voor u is bestemd. Indien u
niet de geadresseerde bent of dit bericht abusievelijk aan u is gezonden,
wordt u verzocht dat aan de afzender te melden en het bericht te verwijderen.
De Staat aanvaardt geen aansprakelijkheid voor schade, van welke aard
ook, die verband houdt met risico's verbonden aan het elektronisch verzenden van berichten.

This message may contain information that is not intended for you. If you
are not the addressee or if this message was sent to you by mistake, you
are requested to inform the sender and delete the message.
The State accepts no liability for damage of any kind resulting from the
risks inherent in the electronic transmission of messages.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 13 juli 2022 16:38
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Reactie MLNV derogatiebrief 15 juli 2022
**Bijlagen:** Scan_20220713_163005_MFP-1341_5.1.2.e .pdf

202

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
12 juli 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22320845

BHM: 22322081

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

adviesnota MR stuk en brieven aan Staten-Generaal

**Parafenroute**

| SG | PAV, MT-lid | WJZ | |
|---|---|---|---|
| 5.1.2.E | 5.1.2.E | 5.1.2.E | 5.1.2.E |

**BPZ**
5.1.2.E

## Aanleiding

Aan de Tweede Kamer is toegezegd deze week verder informatie te geven over het verloop van de onderhandelingen met de Europese Commissie (hierna: EC) over derogatie. Aan de Eerste Kamer zal eenzelfde brief worden toegestuurd. De EC zal voor behandeling van de brief in de Ministerraad worden geïnformeerd over de inhoud van de brief. De brief is op MT-niveau afgestemd met DG LGenS en ambtelijk met IenW en PV EU.

## Advies

MLNV

U wordt geadviseerd:

- akkoord te gaan met het actief aangeven dat boeren in 2022 kunnen anticiperen op toepassing van de derogatienorm zoals die de afgelopen jaren gold. Hiervoor is een tekstblok in de brief aangegeven. Dit houdt (juridische) risico's in die in deze nota verder toegelicht worden.
- akkoord te gaan met agendering van de brief, met het MR-aanbiedingsformulier en oplegnotitie in de Ministerraad (MR) van 15 juli 2022.
- na behandeling in de MR de brief aan de Staten-Generaal te verzenden.

MNenS

U wordt geadviseerd:

- akkoord te gaan met het 'mede namens' versturen van de brief.

Ontvangen BPZ

Ik heb de volgende opm over de brief.

- De brief gaat wat verder dan ik eigenlijk nu wil gaan.
- Hij moet voor mij feitelijk zijn.
- Dus niet vooruitlopend op afbouw of transitie.
- Details komen in de uiteindelijke beschikking als alles is afgerond.
- Wel benadrukken: Dit moeizame traject; stabiele onderhandelingen; transitie landbouw. EC beziet deze beschikking <u>in dat licht</u>.
  Wel dat beschikking niet meer hetzelfde zal zijn.
- pag 2 bovenaan + midden = prima.
  dus dat kan worden gedrukt.
- Dit gedrukt: geregd wordt... Risico.
  hoe groot is dat?
  en in deze tekst een wat andere formulering hieren <u>positiever</u>.
- kunstmest vervangij es ook uit komt later.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Hierbij heb ik toegelicht dat ik inzet op drie kernvoorwaarden en dat ik de optimale ruimte zal zoeken en hierin het noodzakelijke zal doen. De drie kernvoorwaarden zijn:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij mede namens de Minister voor Natuur en Stikstof over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over inhoud en voorwaarden van een derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd aan de Tweede Kamer is het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid. Indien Nederland niet opnieuw derogatie verkrijgt, geldt per 1 januari jl. de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zou een grote impact hebben op de agrarische sector en past niet meteen bij de wijze waarop Nederland momenteel werkt aan het realiseren van milieudoelen. De afgelopen periode zijn dan ook zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden in deze brief.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en openbaar worden.

Kamer + sectoren informeren

Op dit moment is er dan ook nog geen besluit dat ik met de Tweede Kamer kan delen. Onder het voorbehoud van de uitkomsten van de hier bovengenoemde besluitvormingsprocedure maak ik uit de gesprekken met de EC op dat er draagvlak is om Nederland een derogatiebeschikking te verlenen voor 4 jaar (2022-2025). De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de doorontwikkeling van het landelijk gebied en de transitie van de landbouw als gevolg van het Nationaal Programma Landelijk Gebied. De EC ziet deze derogatieverlening dan ook als een zogenoemde 'transitiederogatie'. Dat houdt in dat dit de laatste graasdierderogatie is die aan Nederland zal worden verleend. Uit de gesprekken met de EC maak ik op dat in 2023, 2024 en 2025 de hoogte van de stikstofgebruiksnormen voor dierlijke mest (250 en 230 kg stikstof per ha) stapsgewijs worden afgebouwd richting het niveau van 170 kg/ha. Dit betekent dat na afloop van de beschikking, dus vanaf 2026, de gebruiksnorm van 170 kg stikstof uit dierlijke mest per hectare zal gelden. Ook zal de EC voor deze jaren aanvullende voorwaarden stellen in de beschikking. Voor het jaar 2022 is mijn verwachting dat de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021, wat betekent dat bedrijven met minimaal 80% grasland tot 230 kilogram stikstof uit dierlijke mest per hectare mogen gebruiken in het centrale en zuidelijke zandgebied en in het lössgebied en tot 250 kilogram in andere delen van Nederland.

[
**Dit laatste is voor mij steeds een belangrijk punt geweest in de besprekingen met de EC. Inmiddels is de eerste helft van 2022 ruimschoots voorbij en is het voor boeren niet realistisch hun bedrijfsvoering voor dit lopende jaar nog aan te passen. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.]**

Positieve.

*Kunstmestvervanging*
In voornoemde brief van 26 april 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd dat ik gelijktijdig inzet op het verkrijgen van de mogelijkheid van kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest. De EC heeft

??

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

in de gesprekken aangegeven dat dit een separate procedure betreft. Ik zal de gesprekken hierover met de EC op een later moment vervolgen.

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Ik realiseer mij terdege dat het verkrijgen van een derogatie voor de Nederlandse agrarische sector cruciaal is. Tegelijkertijd ben ik mij er zeer van bewust dat het geleidelijke afbouwpad naar 2026 alsmede aanvullende voorwaarden in de beschikking, ingrijpende gevolgen zullen inhouden voor de agrarische sector. Dit zal een groot aantal land- en tuinbouwbedrijven direct financieel raken.
Ik zal me hiervan goed rekenschap geven bij het schetsen van de toekomst van de landbouw en het toekomstperspectief van de boeren, waarover ik de Tweede Kamer conform motie Klaver begin september een brief zal sturen, en het vaststellen van de doelen en ruimtelijk structurerende keuzes binnen het Nationaal Programma Landelijk Gebied, dat uw Kamer in oktober 2022 ontvangt van de minister voor Natuur en Stikstof.

anders einde.
dit = teveel inhoud

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 13 juli 2022 18:22
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** opmerkingen MLNV derogatiebrief 15 juli 2022
**Bijlagen:** Scan_20220713_163005_MFP-1341 5.1.2.e .pdf; DOMUS-22317194-v12-TK_brief_Stand_van_zaken_onderhandelingen_met_de_Europese_Commissie_over_derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn_.DOCX; optie B zonder tracks.docx; optie B.docx

Beste 5.1.2.E
Hierbij.
Fijne avond,
5.1.2.E

202

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
12 juli 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22320845

BHM: 22322081

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

adviesnota MR stuk en brieven aan Staten-Generaal

**Parafenroute**

| SG | PAV, MT-lid | WJZ | |
|---|---|---|---|
| 5.1.2.E | 5.1.2.E | 5.1.2.E | 5.1.2.E |

**BPZ**
5.1.2.E

## Aanleiding

Aan de Tweede Kamer is toegezegd deze week verder informatie te geven over het verloop van de onderhandelingen met de Europese Commissie (hierna: EC) over derogatie. Aan de Eerste Kamer zal eenzelfde brief worden toegestuurd. De EC zal voor behandeling van de brief in de Ministerraad worden geïnformeerd over de inhoud van de brief. De brief is op MT-niveau afgestemd met DG LGenS en ambtelijk met IenW en PV EU.

## Advies

MLNV

U wordt geadviseerd:

- akkoord te gaan met het actief aangeven dat boeren in 2022 kunnen anticiperen op toepassing van de derogatienorm zoals die de afgelopen jaren gold. Hiervoor is een tekstblok in de brief aangegeven. Dit houdt (juridische) risico's in die in deze nota verder toegelicht worden.
- akkoord te gaan met agendering van de brief, met het MR-aanbiedingsformulier en oplegnotitie in de Ministerraad (MR) van 15 juli 2022.
- na behandeling in de MR de brief aan de Staten-Generaal te verzenden.

MNenS

U wordt geadviseerd:

- akkoord te gaan met het 'mede namens' versturen van de brief.

Ontvangen BPZ

Ik heb de volgende opm over de brief.

- De brief gaat wat verder dan ik eigenlijk nu wil gaan.
- Hij moet voor mij feitelijk zijn.
- Dus niet vooruitlopend op afbouw of transitie.
- Details komen in de uiteindelijke beschikking als alles is afgerond.
- Wel benadrukken: Dit moeizame traject; stabiele onderhandelingen; transitie landbouw. EC beziet deze beschikking <u>in dat licht</u>.
  Wel dat beschikking niet meer hetzelfde zal zijn.
- pag 2 bovenaan + midden = prima.
  dus dat kan worden gedrukt.
- Dit gedrukt: geregd wordt... Risico.
  hoe groot is dat?
  en in deze tekst een wat andere formulering hieren <u>positiever</u>.
- kunstmest vervangij es ook uit komt later.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Hierbij heb ik toegelicht dat ik inzet op drie kernvoorwaarden en dat ik de optimale ruimte zal zoeken en hierin het noodzakelijke zal doen. De drie kernvoorwaarden zijn:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij mede namens de Minister voor Natuur en Stikstof over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over inhoud en voorwaarden van een derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd aan de Tweede Kamer is het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid. Indien Nederland niet opnieuw derogatie verkrijgt, geldt per 1 januari jl. de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zou een grote impact hebben op de agrarische sector en past niet meteen bij de wijze waarop Nederland momenteel werkt aan het realiseren van milieudoelen. De afgelopen periode zijn dan ook zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden in deze brief.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en openbaar worden.

Kamer + sectoren informeren

Op dit moment is er dan ook nog geen besluit dat ik met de Tweede Kamer kan delen. Onder het voorbehoud van de uitkomsten van de hier bovengenoemde besluitvormingsprocedure maak ik uit de gesprekken met de EC op dat er draagvlak is om Nederland een derogatiebeschikking te verlenen voor 4 jaar (2022-2025). De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de doorontwikkeling van het landelijk gebied en de transitie van de landbouw als gevolg van het Nationaal Programma Landelijk Gebied. De EC ziet deze derogatieverlening dan ook als een zogenoemde 'transitiederogatie'. Dat houdt in dat dit de laatste graasdierderogatie is die aan Nederland zal worden verleend. Uit de gesprekken met de EC maak ik op dat in 2023, 2024 en 2025 de hoogte van de stikstofgebruiksnormen voor dierlijke mest (250 en 230 kg stikstof per ha) stapsgewijs worden afgebouwd richting het niveau van 170 kg/ha. Dit betekent dat na afloop van de beschikking, dus vanaf 2026, de gebruiksnorm van 170 kg stikstof uit dierlijke mest per hectare zal gelden. Ook zal de EC voor deze jaren aanvullende voorwaarden stellen in de beschikking. Voor het jaar 2022 is mijn verwachting dat de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021, wat betekent dat bedrijven met minimaal 80% grasland tot 230 kilogram stikstof uit dierlijke mest per hectare mogen gebruiken in het centrale en zuidelijke zandgebied en in het lössgebied en tot 250 kilogram in andere delen van Nederland.

[
**Dit laatste is voor mij steeds een belangrijk punt geweest in de besprekingen met de EC. Inmiddels is de eerste helft van 2022 ruimschoots voorbij en is het voor boeren niet realistisch hun bedrijfsvoering voor dit lopende jaar nog aan te passen. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.]**

Positieve.

*Kunstmestvervanging*
In voornoemde brief van 26 april 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd dat ik gelijktijdig inzet op het verkrijgen van de mogelijkheid van kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest. De EC heeft

??

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

in de gesprekken aangegeven dat dit een separate procedure betreft. Ik zal de gesprekken hierover met de EC op een later moment vervolgen.

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Ik realiseer mij terdege dat het verkrijgen van een derogatie voor de Nederlandse agrarische sector cruciaal is. Tegelijkertijd ben ik mij er zeer van bewust dat het geleidelijke afbouwpad naar 2026 alsmede aanvullende voorwaarden in de beschikking, ingrijpende gevolgen zullen inhouden voor de agrarische sector. Dit zal een groot aantal land- en tuinbouwbedrijven direct financieel raken.
Ik zal me hiervan goed rekenschap geven bij het schetsen van de toekomst van de landbouw en het toekomstperspectief van de boeren, waarover ik de Tweede Kamer conform motie Klaver begin september een brief zal sturen, en het vaststellen van de doelen en ruimtelijk structurerende keuzes binnen het Nationaal Programma Landelijk Gebied, dat uw Kamer in oktober 2022 ontvangt van de minister voor Natuur en Stikstof.

anders einde.
dit = teveel inhoud

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Hierbij heb ik toegelicht dat ik inzet op drie kernvoorwaarden en dat ik de optimale ruimte zal zoeken en hierin het noodzakelijke zal doen. De drie kernvoorwaarden zijn:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij mede namens de Minister voor Natuur en Stikstof over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over inhoud en voorwaarden van een derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd aan de Tweede Kamer is het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid. Indien Nederland niet opnieuw derogatie verkrijgt, geldt per 1 januari jl. de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zou een grote impact hebben op de agrarische sector en past niet meteen bij de wijze waarop Nederland momenteel werkt aan het realiseren van milieudoelen. De afgelopen periode zijn dan ook zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met

de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden in deze brief.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en openbaar worden.

Op dit moment is er dan ook nog geen besluit dat ik met de Tweede Kamer kan delen. Onder het voorbehoud van de uitkomsten van de hier bovengenoemde besluitvormingsprocedure maak ik uit de gesprekken met de EC op dat er draagvlak is om Nederland een derogatiebeschikking te verlenen voor 4 jaar (2022-2025). De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de doorontwikkeling van het landelijk gebied en de transitie van de landbouw als gevolg van het Nationaal Programma Landelijk Gebied. De EC ziet deze derogatieverlening dan ook als een zogenoemde 'transitiederogatie'. Dat houdt in dat dit de laatste graasdierderogatie is die aan Nederland zal worden verleend. Uit de gesprekken met de EC maak ik op dat in 2023, 2024 en 2025 de hoogte van de stikstofgebruiksnormen voor dierlijke mest (250 en 230 kg stikstof per ha) stapsgewijs worden afgebouwd richting het niveau van 170 kg/ha. Dit betekent dat na afloop van de beschikking, dus vanaf 2026, de gebruiksnorm van 170 kg stikstof uit dierlijke mest per hectare zal gelden. Ook zal de EC voor deze jaren aanvullende voorwaarden stellen in de beschikking. Voor het jaar 2022 is mijn verwachting dat de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021, wat betekent dat bedrijven met minimaal 80% grasland tot 230 kilogram stikstof uit dierlijke mest per hectare mogen gebruiken in het centrale en zuidelijke zandgebied en in het lössgebied en tot 250 kilogram in andere delen van Nederland.

***[***
**Dit laatste is voor mij steeds een belangrijk punt geweest in de besprekingen met de EC. Inmiddels is de eerste helft van 2022 ruimschoots voorbij en is het voor boeren niet realistisch hun bedrijfsvoering voor dit lopende jaar nog aan te passen. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.]**

*Kunstmestvervanging*
In voornoemde brief van 26 april 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd dat ik gelijktijdig inzet op het verkrijgen van de mogelijkheid van kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest. De EC heeft

in de gesprekken aangegeven dat dit een separate procedure betreft. Ik zal de gesprekken hierover met de EC op een later moment vervolgen.

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Ik realiseer mij terdege dat het verkrijgen van een derogatie voor de Nederlandse agrarische sector cruciaal is. Tegelijkertijd ben ik mij er zeer van bewust dat het geleidelijke afbouwpad naar 2026 alsmede aanvullende voorwaarden in de beschikking, ingrijpende gevolgen zullen inhouden voor de agrarische sector. Dit zal een groot aantal land- en tuinbouwbedrijven direct financieel raken.
Ik zal me hiervan goed rekenschap geven bij het schetsen van de toekomst van de landbouw en het toekomstperspectief van de boeren, waarover ik de Tweede Kamer conform motie Klaver begin september een brief zal sturen, en het vaststellen van de doelen en ruimtelijk structurerende keuzes binnen het Nationaal Programma Landelijk Gebied, dat uw Kamer in oktober 2022 ontvangt van de minister voor Natuur en Stikstof.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak die onder meer gericht is op het behalen van de doelen voor waterkwaliteit.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij mede namens de Minister voor Natuur en Stikstof over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over inhoud en voorwaarden van een derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd aan de Tweede Kamer is het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid. De afgelopen periode zijn zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden die zijn genoemd in voornoemde brief van 26 april 2022.

De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de doorontwikkeling van het landelijk gebied en de transitie van de landbouw als gevolg van het Nationaal Programma Landelijk Gebied.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken.

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en openbaar worden.

Op dit moment is er dan ook nog geen besluit dat ik met de Tweede Kamer kan delen. Onder het voorbehoud van de uitkomsten van de hier bovengenoemde besluitvormingsprocedure maak ik uit de gesprekken met de EC op dat er draagvlak is om Nederland een derogatiebeschikking te verlenen voor 4 jaar (2022-2025). Voor het jaar 2022 is mijn verwachting dat de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021, wat betekent dat bedrijven met minimaal 80% grasland tot 230 kilogram stikstof uit dierlijke mest per hectare mogen gebruiken in het centrale en zuidelijke zandgebied en in het lössgebied en tot 250 kilogram in andere delen van Nederland.

***[***
**Dit laatste is voor mij steeds een belangrijk punt geweest in de besprekingen met de EC. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.]**

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak die onder meer gericht is op het behalen van de doelen voor waterkwaliteit. ~~Hierbij heb ik toegelicht dat ik inzet op drie kernvoorwaarden en dat ik de optimale ruimte zal zoeken en hierin het noodzakelijke zal doen. De drie kernvoorwaarden zijn:~~

- ~~gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;~~
- ~~door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;~~
- ~~ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.~~

**Met opmaak:** Geen opsommingstekens of nummering

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij mede namens de Minister voor Natuur en Stikstof over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over inhoud en voorwaarden van een derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd aan de Tweede Kamer is het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid. ~~Indien Nederland niet opnieuw derogatie verkrijgt, geldt per 1 januari jl. de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zou een grote impact hebben op de agrarische sector en past niet meteen bij de wijze waarop Nederland momenteel werkt aan het realiseren van milieudoelen.~~ De afgelopen periode zijn ~~dan ook~~ zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met

de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden ~~in~~ die zijn genoemd in ~~deze~~ voornoemde brief van 26 april 2022.

De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de doorontwikkeling van het landelijk gebied en de transitie van de landbouw als gevolg van het Nationaal Programma Landelijk Gebied.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en openbaar worden.

Op dit moment is er dan ook nog geen besluit dat ik met de Tweede Kamer kan delen. Onder het voorbehoud van de uitkomsten van de hier bovengenoemde besluitvormingsprocedure maak ik uit de gesprekken met de EC op dat er draagvlak is om Nederland een derogatiebeschikking te verlenen voor 4 jaar (2022-2025). ~~De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de doorontwikkeling van het landelijk gebied en de transitie van de landbouw als gevolg van het Nationaal Programma Landelijk Gebied. De EC ziet deze derogatieverlening dan ook als een zogenoemde 'transitiederogatie'. Dat houdt in dat dit de laatste graasdierderogatie is die aan Nederland zal worden verleend. Uit de gesprekken met de EC maak ik op dat in 2023, 2024 en 2025 de hoogte van de stikstofgebruiksnormen voor dierlijke mest (250 en 230 kg stikstof per ha) stapsgewijs worden afgebouwd richting het niveau van 170 kg/ha. Dit betekent dat na afloop van de beschikking, dus vanaf 2026, de gebruiksnorm van 170 kg stikstof uit dierlijke mest per hectare zal gelden. Ook zal de EC voor deze jaren aanvullende voorwaarden stellen in de beschikking.~~ Voor het jaar 2022 is mijn verwachting dat de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021, wat betekent dat bedrijven met minimaal 80% grasland tot 230 kilogram stikstof uit dierlijke mest per hectare mogen gebruiken in het centrale en zuidelijke zandgebied en in het lössgebied en tot 250 kilogram in andere delen van Nederland.

***[***
**Dit laatste is voor mij steeds een belangrijk punt geweest in de besprekingen met de EC. ~~Inmiddels is de eerste helft van 2022 ruimschoots voorbij en is het voor boeren niet realistisch hun bedrijfsvoering voor dit lopende jaar nog aan te passen.~~ Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.]**

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

~~*Kunstmestvervanging*~~
~~In voornoemde brief van 26 april 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd dat ik gelijktijdig inzet op het verkrijgen van de mogelijkheid van kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest. De EC heeft in de gesprekken aangegeven dat dit een separate procedure betreft. Ik zal de gesprekken hierover met de EC op een later moment vervolgen.~~

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

~~Ik realiseer mij terdege dat het verkrijgen van een derogatie voor de Nederlandse agrarische sector cruciaal is. Tegelijkertijd ben ik mij er zeer van bewust dat het geleidelijke afbouwpad naar 2026 alsmede aanvullende voorwaarden in de beschikking, ingrijpende gevolgen zullen inhouden voor de agrarische sector. Dit zal een groot aantal land- en tuinbouwbedrijven direct financieel raken.~~
~~Ik zal me hiervan goed rekenschap geven bij het schetsen van de toekomst van de landbouw en het toekomstperspectief van de boeren, waarover ik de Tweede Kamer conform motie Klaver begin september een brief zal sturen, en het vaststellen van de doelen en ruimtelijk structurerende keuzes binnen het Nationaal Programma Landelijk Gebied, dat uw Kamer in oktober 2022 ontvangt van de minister voor Natuur en Stikstof.~~

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 13 juli 2022 20:26
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); ' 5.1.2.E @minvws.nl'; 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Kamerbrief derogatie
**Bijlagen:** optie B zonder tracks_WH.docx; Scan_20220713_163005_5.1.2.e-1341_5.1.2.e .pdf

Dag allen,

Ik werd zojuist even gebeld door 5.1.2.E en zij heeft nog even contact gehad met Henk over de derogatiebrief. De minister blijft bij zijn eerdere opmerkingen op de brief en wil dat deze nu niet specifiek in detail treedt over afbouwpad, transitiederogatie en de verdere voorwaarden omdat dit pas in september definitief wordt. Wel moet de brief in meer abstractere termen een stevige winstwaarschuwing af te geven dat deze derogatie qua omvang en voorwaarden niet dezelfde is als de vorige.

De variant B die 5.1.2.E eerder vandaag voorziet daar volgens mij grotendeels in. Wel heb ik een aanzet gedaan waarmee we nog iets meer benadrukken dat een nieuwe derogatiebeschikking niet dezelfde omvang en voorwaarden zal kennen als de vorige. *Graag jullie kritische blik hierop*.

Ik sprak net ook even met 5.1.2.E en ons voorstel zou zijn dat we deze versie dan morgenochtend voorleggen aan de minister, met daarbij voor de minister ook een oplegger waarin we ook de afwegingen schetsen die grondslag liggen aan de beide versies van de brief. 5.1.2.E zal dit ook even benoemen in het directeurenoverleg.

Groet,
5.1.2.E

202

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
12 juli 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22320845

BHM: 22322081

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

adviesnota MR stuk en brieven aan Staten-Generaal

**Parafenroute**

| SG | PAV, MT-lid | WJZ | |
|---|---|---|---|
| 5.1.2.E | 5.1.2.E | 5.1.2.E | 5.1.2.E |

**BPZ**
5.1.2.E

## Aanleiding

Aan de Tweede Kamer is toegezegd deze week verder informatie te geven over het verloop van de onderhandelingen met de Europese Commissie (hierna: EC) over derogatie. Aan de Eerste Kamer zal eenzelfde brief worden toegestuurd. De EC zal voor behandeling van de brief in de Ministerraad worden geïnformeerd over de inhoud van de brief. De brief is op MT-niveau afgestemd met DG LGenS en ambtelijk met IenW en PV EU.

## Advies

MLNV

U wordt geadviseerd:

- akkoord te gaan met het actief aangeven dat boeren in 2022 kunnen anticiperen op toepassing van de derogatienorm zoals die de afgelopen jaren gold. Hiervoor is een tekstblok in de brief aangegeven. Dit houdt (juridische) risico's in die in deze nota verder toegelicht worden.
- akkoord te gaan met agendering van de brief, met het MR-aanbiedingsformulier en oplegnotitie in de Ministerraad (MR) van 15 juli 2022.
- na behandeling in de MR de brief aan de Staten-Generaal te verzenden.

MNenS

U wordt geadviseerd:

- akkoord te gaan met het 'mede namens' versturen van de brief.

Ontvangen BPZ

Ik heb de volgende opm over de brief.

- De brief gaat wat verder dan ik eigenlijk nu wil gaan.
- Hij moet voor mij feitelijk zijn.
- Dus niet vooruitlopend op afbouw of transitie.
- Details komen in de uiteindelijke beschikking als alles is afgerond.
- Wel benadrukken: Dit moeizame traject; stabiele onderhandelingen; transitie landbouw. EC beziet deze beschikking <u>in dat licht</u>.
  Wel dat beschikking niet meer hetzelfde zal zijn.
- pag 2 bovenaan + midden = prima.
  dus dat kan worden gedrukt.
- Dit gedrukt: geregd wordt... Risico.
  hoe groot is dat?
  en in deze tekst een wat andere formulering hieren <u>positiever</u>.
- kunstmest vervangij es ook uit komt later.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Hierbij heb ik toegelicht dat ik inzet op drie kernvoorwaarden en dat ik de optimale ruimte zal zoeken en hierin het noodzakelijke zal doen. De drie kernvoorwaarden zijn:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij mede namens de Minister voor Natuur en Stikstof over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over inhoud en voorwaarden van een derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd aan de Tweede Kamer is het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid. Indien Nederland niet opnieuw derogatie verkrijgt, geldt per 1 januari jl. de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zou een grote impact hebben op de agrarische sector en past niet meteen bij de wijze waarop Nederland momenteel werkt aan het realiseren van milieudoelen. De afgelopen periode zijn dan ook zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden in deze brief.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en openbaar worden.

Kamer + sectoren informeren

Op dit moment is er dan ook nog geen besluit dat ik met de Tweede Kamer kan delen. Onder het voorbehoud van de uitkomsten van de hier bovengenoemde besluitvormingsprocedure maak ik uit de gesprekken met de EC op dat er draagvlak is om Nederland een derogatiebeschikking te verlenen voor 4 jaar (2022-2025). De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de doorontwikkeling van het landelijk gebied en de transitie van de landbouw als gevolg van het Nationaal Programma Landelijk Gebied. De EC ziet deze derogatieverlening dan ook als een zogenoemde 'transitiederogatie'. Dat houdt in dat dit de laatste graasdierderogatie is die aan Nederland zal worden verleend. Uit de gesprekken met de EC maak ik op dat in 2023, 2024 en 2025 de hoogte van de stikstofgebruiksnormen voor dierlijke mest (250 en 230 kg stikstof per ha) stapsgewijs worden afgebouwd richting het niveau van 170 kg/ha. Dit betekent dat na afloop van de beschikking, dus vanaf 2026, de gebruiksnorm van 170 kg stikstof uit dierlijke mest per hectare zal gelden. Ook zal de EC voor deze jaren aanvullende voorwaarden stellen in de beschikking. Voor het jaar 2022 is mijn verwachting dat de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021, wat betekent dat bedrijven met minimaal 80% grasland tot 230 kilogram stikstof uit dierlijke mest per hectare mogen gebruiken in het centrale en zuidelijke zandgebied en in het lössgebied en tot 250 kilogram in andere delen van Nederland.

[
**Dit laatste is voor mij steeds een belangrijk punt geweest in de besprekingen met de EC. Inmiddels is de eerste helft van 2022 ruimschoots voorbij en is het voor boeren niet realistisch hun bedrijfsvoering voor dit lopende jaar nog aan te passen. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.]**

Positieve.

*Kunstmestvervanging*
In voornoemde brief van 26 april 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd dat ik gelijktijdig inzet op het verkrijgen van de mogelijkheid van kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest. De EC heeft

??

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

in de gesprekken aangegeven dat dit een separate procedure betreft. Ik zal de gesprekken hierover met de EC op een later moment vervolgen.

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Ik realiseer mij terdege dat het verkrijgen van een derogatie voor de Nederlandse agrarische sector cruciaal is. Tegelijkertijd ben ik mij er zeer van bewust dat het geleidelijke afbouwpad naar 2026 alsmede aanvullende voorwaarden in de beschikking, ingrijpende gevolgen zullen inhouden voor de agrarische sector. Dit zal een groot aantal land- en tuinbouwbedrijven direct financieel raken.
Ik zal me hiervan goed rekenschap geven bij het schetsen van de toekomst van de landbouw en het toekomstperspectief van de boeren, waarover ik de Tweede Kamer conform motie Klaver begin september een brief zal sturen, en het vaststellen van de doelen en ruimtelijk structurerende keuzes binnen het Nationaal Programma Landelijk Gebied, dat uw Kamer in oktober 2022 ontvangt van de minister voor Natuur en Stikstof.

anders einde.
dit = teveel inhoud

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** donderdag 14 juli 2022 17:35
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Definitieve stukken
**Bijlagen:** Def brief _schoon 5.1.2.e _DEF.docx; DOMUS-22321942-v1-220713_5.1.2.e _svz_zaken_derogatie_15_juli_2022_aanbiedingsformulier_def.pdf; Def 5.1.2.e notitie.docx

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439 en met Kamerstuk 33037, nr. 446). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak die onder meer gericht is op het behalen van de doelen voor waterkwaliteit.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over de derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd door mijzelf en mijn ambtsvoorganger is gebleken dat het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid is. De afgelopen periode zijn zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden in voornoemde brief van 26 april 2022:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de transitie van de landbouw en de impact daarvan op het landelijk gebied door het Nationaal Programma Landelijk Gebied. Als gevolg hiervan zal een toekomstige derogatieverlening significant anders zijn.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Op dit moment kan ik dan ook geen besluit met de Kamer delen. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en zal ik de Kamer en de sectoren informeren.

Gelet op het feit dat het seizoen al vergevorderd is hecht ik er aan om agrariërs duidelijkheid te geven voor het lopende mestjaar. Onder voorbehoud van de uitkomsten, is mijn beeld uit de gesprekken met de EC dat voor 2022 de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Handtekening bewindspersoon

Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Rijksoverheid

# Aanbiedingsformulier voor Ministerraad

## Aanbieding

| | |
|---|---|
| Van 1 * | Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit |
| Van 2 | N.v.t. |
| Mede namens 1 | Selecteer |
| Mede namens 2 | N.v.t. |
| Mede namens 3 | N.v.t. |
| Type voorstel * | Brief aan de Staten-Generaal (beide kamers) |

## Titel en inhoud

| | |
|---|---|
| Titel * | Stand van zaken derogatie van de Nitraatrichtlijn |
| Inhoud en doelstelling van het voorstel * | De afgelopen periode zijn gesprekken gevoerd met de diensten van de Europese Commissie over inhoud en voorwaarden van de derogatie van de Nitraatrichtlijn. Met bijgevoegde brief wordt de Staten-Generaal geïnformeerd over de stand van zaken met betrekking tot derogatie van de Nitraatrichtlijn. |
| Voorgesteld besluit * | Anders nl. |
| Eigen formulering | Minister LNV zal de Staten-Generaal een brief toezenden over de stand van zaken met betrekking tot de derogatie na behandeling in de MR. |

## Behandeltraject

| | |
|---|---|
| Datum aanbieding * | 13-jul-2022 |
| Kenmerk * | 22317194 |
| Hamerstuk * | ☐ Ja ☒ Nee |
| Voorgaande behandeling * | ☐ Ja ☒ Nee |

## Gevolgen en juridisch kader

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Gevolgen rijksbegroting * | ☐ Ja | ☒ Nee | | |
| Gevolgen apparaatsuitgaven * | ☐ Ja | ☒ Nee | | |
| Gevolgen voor regeldruk * | ☐ Ja | ☒ Nee | | |
| Overeenstemming met JenV inzake wetgevingstoets en effectenanalyse * | ☐ Ja | ☐ Nee, met bijlage | ☒ Nee, zonder bijlage | ☐ N.v.t. |
| Overeenstemming met JenV inzake fouten- en misbruiksignalering * | ☐ Ja | ☐ Nee, met bijlage | ☒ Nee, zonder bijlage | ☐ N.v.t. |
| Aan EU Notificatie voldaan * | ☐ Ja | ☐ Nee | ☒ N.v.t. | |
| Verplichting int. verdragen en/of Europese regelgeving * | ☒ Ja | ☐ Nee | | |
| Naam verdrag * | Nitraatrichtlijn (Richtlijn 91/676/EEG van de Raad van 12 december 1991 betreffende de bescherming van water tegen verontreiniging door nitraten uit agrarische bronnen, PB L 375 van 31.12.1991) | | | |

## Interdepartementale afstemming

| | | | |
|---|---|---|---|
| Overeenstemming BZK inzake beoordelingskader financiële/ bestuurlijke consequenties decentrale overheden en/of Caribisch Nederland * | ☐ Ja | ☐ Nee | ☒ N.v.t. |
| Overeenstemming Aruba, Curaçao en Sint Maarten * | ☐ Ja | ☐ Nee | ☒ N.v.t. |
| Ambtelijk afgestemd * | ☐ Ja | ☐ Nee | ☒ N.v.t. |
| Overeenstemming bereikt op ambtelijk niveau * | ☐ Ja | ☐ Nee | ☒ N.v.t. |

## Contactpersonen

| | Contactpersoon 1 | Contactpersoon 2 |
|---|---|---|
| Naam * | 5.1.2.E | 5.1.2.E |
| Afdeling * | PAV, team mest | PAV, MT-lid |
| Telefoonnummer * | 5.1.2.E | 5.1.2.E |
| E-mailadres * | 5.1.2.E @minlnv.nl | 5.1.2.E @minlnv.nl |

**Notitie: brief over stand van zaken derogatie t.b.v Ministerraad 15 juli 2022**
Datum: 12 juli 2022

## 1. Aanleiding

De gesprekken over de derogatie van de Nitraatrichtlijn met de Europese Commissie zijn inhoudelijk op alle niveaus afgerond.
De Europese Commissie (hierna: EC) heeft de conceptderogatiebeschikking aan Nederland intern binnen de diensten voorgelegd voor consultatie waarnaar deze doorgeleid kan worden aan het College van Commissarissen ten behoeve van agendering in het geplande Nitraatcomité van 15 september 2022. Het formele proces is nog steeds gaande.
Met bijgevoegde brief wordt de Staten-Generaal geïnformeerd over de stand van zaken met betrekking tot derogatie van de Nitraatrichtlijn.

## 2. Inhoud brief

Gegeven de duidelijkheid die nu voor boeren nodig is over de omvang van de derogatie in 2022 en het zomerreces dat reeds is gestart zal de Staten-Generaal geïnformeerd worden over een deel van de inhoud van de conceptbeschikking:

- Uit de gesprekken met de EC komt naar voren dat er voor het jaar 2022 geen verandering plaatsvindt in de hoogte van de derogatienorm (de zogenaamde 250/230) en
- de brief wel geeft aan dat een volgende derogatie significant anders zal zijn.

Voorafgaand aan het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 (bij het beschikbaar komen van de conceptagenda van dat Comité) zal de Staten-Generaal geïnformeerd worden over de verdere inhoud en aanvullende voorwaarden, te weten:

- Het is de laatste derogatie van de Nitraatrichtlijn voor onbewerkte dierlijke mest die aan Nederland wordt verleend. Vanaf 2026 zal Nederland geen derogatie meer aanvragen.
- De omvang van het afbouwpad van de jaarlijks de hoogte van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest vanaf 2023.
- Een landenspecifieke oplossing voor de mogelijkheid van vervanging van kunstmest door hoogwaardige mestproducten (RENURE) maakt geen deel meer uit van de onderhandeling.
- Het nationale mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat over het jaar 2002 wordt geactualiseerd naar het jaar 2020. Er vindt een graduele bijstelling van deze plafonds plaats met 10%-reductie in 2025.
- In alle Natura 2000 gebieden wordt geen derogatie verleend.
- De aanwijzing van zogenaamde 'polluted areas' in het kader van eutrofiëring (Kaderrichtlijn Water) per 1 januari 2023 en het van toepassing laten zijn van het derogatieregime van 230-en het daarbij behorende afbouwbad.
- De omvang van de graduele verlaging van de totaal stikstofbemestingsnorm met 20% in 2025.

Over de inhoud van een aantal voorwaarden die in de brief voorafgaand aan het Nitraatcomité zal worden verzonden aan de Staten-Generaal, is op dit moment nog geen duidelijkheid. Dit betreft:

- De omvang van de generieke bufferstroken.
- Het niet verlenen van derogatie in voor nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden
- Verlening van derogatie 'nabij' de Natura 2000 gebieden.
- Een mogelijke toename van 5% naar 10% fysieke controles door de NVWA.

## 3. Hoogte derogatienorm 2022

Gegeven de onrust in de agrarische sector en de onduidelijkheid bij boeren of zij een hogere norm mogen toepassen is het voor de boeren wenselijk dat zij hierover snel duidelijkheid verkrijgen.
Het uitrijdseizoen voor dierlijke mest is inmiddels vergevorderd in het jaar. Bij besluitvorming na het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 is het uitrijdseizoen afgelopen, waardoor boeren hier in de praktijk niets meer aan zullen hebben.

Het actief uitdragen dat boeren dit jaar kunnen anticiperen op toepassing van 250-230 brengt echter ook een aantal (juridische) risico's met zich mee:

- De EC kan hiermee voor het blok worden gezet, waardoor de EC kan besluiten de conceptderogatiebeschikking niet te agenderen voor het Nitraatcomité van 15 september 2022.
- Op het moment dat het formele traject aan de zijde van de EC of van Nederlandse zijde voor verlening van derogatie wordt beëindigd, betekent dit dat Nederland zich niet aan de vastgestelde norm uit de Nitraatrichtlijn van 170 kg/ha stikstof uit dierlijke mest heeft gehouden. Nederland overtreedt dan de Nitraatrichtlijn. Dit kan er dan snel toe leiden dat Nederland direct geconfronteerd wordt met een infractieprocedure omdat de gebruiksnorm is overtreden en de Nederlandse overheid de toepassing van een hogere norm heeft

uitgedragen. Omdat de mest al op het land is gebracht, zal dit waarschijnlijk tot een hoge boete kunnen leiden. Een omvang over de hoogte van een mogelijke boete is niet te duiden.

- De Commissie heeft verschillende keren laten weten dat de derogatie voor 2022 gelijk zal zijn aan die van 2020 en 2021. Onder andere in het telefoongesprek op vrijdagavond 8 juli 2022 van de SG LNV met de DG ENVI. En dit is bevestigd in een mail van het DG ENVI aan het ministerie van LNV van 11 juli 2022: *'keeping the 2021 manure application rate for 2022'.*

  In de brief wordt uitgesproken dat de gebruiksnormen van 2021 ook in het jaar 2022 kunnen worden toegepast en dat ondernemers op deze normen kunnen anticiperen. Een ondernemer kan hieraan het vertrouwen ontlenen dat de hogere gebruiksnorm van toepassing is, ook al is de derogatiebeschikking nog niet definitief. Mocht de derogatie onverhoopt toch niet gelijk zijn aan die van 2020 en 2021 dan levert dit een risico op juridische procedures op die een grote kans van slagen hebben. Deze procedures kunnen bijvoorbeeld betrekking hebben op de houdbaarheid van bestuurlijke boetes en op aansprakelijkheidskwesties.
- Zowel de kans op geen derogatie als het niet waar maken van gewekt vertrouwen, en in mindere mate de kans op een ingebrekestellingsprocedure, zijn een politiek risico.

## 4. Vervolg

De EC heeft aangegeven dat de conceptbeschikking met Nederland gedeeld zal worden. Op het moment dat deze beschikbaar is, zullen de consequenties zo goed als mogelijk in beeld worden gebracht. Dan zal ook een afweging ten aanzien van proportionaliteit van de voorgestelde voorwaarden worden gedaan.

Normaalgesproken vindt voortzetting van de procedure als volgt plaats:

- agendering van de conceptbeschikking door de Commissie op de agenda van het Nitraatcomité van 15 september 2022
- 2 tot 3 weken voor het Nitraatcomité wordt de conceptbeschikking met de Lidstaten gedeeld.
- stemming door de Lidstaten in het Nitraatcomité. Bij een positief advies vervolgt de Commissie de procedure
- besluitvorming door het College van Commissarissen van de Europese Commissie
- verlening van de definitieve beschikking.

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ı@minvws.nl>
**Verzonden:** donderdag 14 juli 2022 18:25
**Aan:** 5.1.2.E @ec.europa.eu
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minbuza.nl
**Onderwerp:** Draft communication to parliament
**Bijlagen:** Def brief _schoon 5.1.2 _DEF.docx

5.1.2.E

Last week the communication on the derogation was one of the topics of the meeting of Commissioner Sinkevicius and Minister Staghouwer. As explained by the Minister, our national Parliament has asked for an update and we need to give clarity to farmers about the ongoing manure season as well. As promised, I herewith send you the draft letter to our National Parliament on the state of play on the derogation of the Nitrates Directive (the letter is in Dutch).

In the letter the formal procedure is explained via the scheduled Nitrates Committee on September 15th and the formal decision by the College of Commissioners. Probationary to this decision making process, our National Parliament will be informed about the following:

- for the year 2022 we expect that the size and conditions of the derogation will remain the same as in the previous decision for 2020-2021, which means that farms with at least 80% grassland may use up to 230 kilograms of nitrogen from animal manure per hectare in the central and southern sand area and in the loess area and up to 250 kilograms in other parts of the Netherlands;
- as of 2023 the derogation will be significantly different.

The letter to Parliament has been put on the agenda of the Council of Ministers for tomorrow. If the Council adopts the letter it will be send to our Parliament at the end of that day.

I know the time schedule is tight and my apologies for that, if you have any comments on this please let me know on short time notice.

In the meantime we will continue our process.

Best regards,
5.1.2.E

Verzonden met BlackBerry Work
(www.blackberry.com)

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439 en met Kamerstuk 33037, nr. 446). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak die onder meer gericht is op het behalen van de doelen voor waterkwaliteit.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over de derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd door mijzelf en mijn ambtsvoorganger is gebleken dat het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid is. De afgelopen periode zijn zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden in voornoemde brief van 26 april 2022:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de transitie van de landbouw en de impact daarvan op het landelijk gebied door het Nationaal Programma Landelijk Gebied. Als gevolg hiervan zal een toekomstige derogatieverlening significant anders zijn.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Op dit moment kan ik dan ook geen besluit met de Kamer delen. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en zal ik de Kamer en de sectoren informeren.

Gelet op het feit dat het seizoen al vergevorderd is hecht ik er aan om agrariërs duidelijkheid te geven voor het lopende mestjaar. Onder voorbehoud van de uitkomsten, is mijn beeld uit de gesprekken met de EC dat voor 2022 de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** donderdag 14 juli 2022 18:52
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** FW: Draft communication to parliament
**Bijlagen:** Def brief _schoon LE_DEF.docx

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** donderdag 14 juli 2022 18:25
**Aan:** 5.1.2.E @ec.europa.eu
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>; 5.1.2.E @minbuza.nl
**Onderwerp:** Draft communication to parliament

5.1.2.E

Last week the communication on the derogation was one of the topics of the meeting of Commissioner Sinkevicius and Minister Staghouwer. As explained by the Minister, our national Parliament has asked for an update and we need to give clarity to farmers about the ongoing manure season as well. As promised, I herewith send you the draft letter to our National Parliament on the state of play on the derogation of the Nitrates Directive (the letter is in Dutch).

In the letter the formal procedure is explained via the scheduled Nitrates Committee on September 15th and the formal decision by the College of Commissioners. Probationary to this decision making process, our National Parliament will be informed about the following:

- for the year 2022 we expect that the size and conditions of the derogation will remain the same as in the previous decision for 2020-2021, which means that farms with at least 80% grassland may use up to 230 kilograms of nitrogen from animal manure per hectare in the central and southern sand area and in the loess area and up to 250 kilograms in other parts of the Netherlands;
- as of 2023 the derogation will be significantly different.

The letter to Parliament has been put on the agenda of the Council of Ministers for tomorrow. If the Council adopts the letter it will be send to our Parliament at the end of that day.

I know the time schedule is tight and my apologies for that, if you have any comments on this please let me know on short time notice.

In the meantime we will continue our process.

Best regards,
5.1.2.E

Verzonden met BlackBerry Work
(www.blackberry.com)

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439 en met Kamerstuk 33037, nr. 446). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak die onder meer gericht is op het behalen van de doelen voor waterkwaliteit.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over de derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd door mijzelf en mijn ambtsvoorganger is gebleken dat het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid is. De afgelopen periode zijn zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden in voornoemde brief van 26 april 2022:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de transitie van de landbouw en de impact daarvan op het landelijk gebied door het Nationaal Programma Landelijk Gebied. Als gevolg hiervan zal een toekomstige derogatieverlening significant anders zijn.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Op dit moment kan ik dan ook geen besluit met de Kamer delen. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en zal ik de Kamer en de sectoren informeren.

Gelet op het feit dat het seizoen al vergevorderd is hecht ik er aan om agrariërs duidelijkheid te geven voor het lopende mestjaar. Onder voorbehoud van de uitkomsten, is mijn beeld uit de gesprekken met de EC dat voor 2022 de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** vrijdag 15 juli 2022 08:15
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); ' 5.1.2.E '
**Onderwerp:** FW: Draft communication to parliament
**Bijlagen:** Def brief _schoon 5.1.2. _DEF.docx

Zie hieronder de reactie van de EC. Als we dit allemaal overnemen blijft er een totaal nietszeggende brief over. Lijkt mij niet handig, maar na gisteravond wil de minister dit wellicht wel?

Groeten
5.1.2.E

Verzonden met BlackBerry Work
(www.blackberry.com)

---

**Van:** 5.1.2.e 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Datum:** vrijdag 15 jul. 2022 12:47 AM
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Kopie:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>, 5.1.2.E @minbuza.nl < 5.1.2.E @minbuza.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>, 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>, 5.1.2.e 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>, 5.1.2.e 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>, 5.1.2.e 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>, 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Onderwerp:** RE: Draft communication to parliament

5.1.2.E

It is not for the Commission to comment on the choices of the Dutch Government about how and what to communicate to the national parliament and the stakeholders. This falls entirely under the competence of the Dutch Government, who will be responsible of its declarations.

However, given the sensitivity of the topic and the discussion between the Minister and the Commissioner, allow me to suggest a much more prudent approach in these statements, to avoid creating unrealistic expectations that would risk further complicating the situation.

In particular there are some parts of the text that look problematic to us, notably:
- still pointing to the possibility of a next derogation (this does not seem in line with what agreed between the Commissioner and the Minister)
- saying that it is a derogation with special conditions for NL (then Parliament will of course ask right away what the special conditions are; in fact, all derogations are country-specific)
- saying to farmers that they can anticipate to put 250/230 kg manure on their fields already now (until the moment in which the derogation Decision enters into force, this would be illegal under the Nitrates Directive, which sets a limit of 170 kg/he/year of N from manure for NVZ).

We would thus suggest to delete the corresponding sentences on page 2 of the draft letter.

Kind regards,

5.1.2.E

-----Original Message-----
From: 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ı@minvws.nl>
Sent: 5.1.2.E 14, 2022 6:25 PM
To: 5.1.2.e 5.1.2.E 5.1.2.e, < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
Cc: 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>;
5.1.2.E @minbuza.nl
Subject: Draft communication to parliament

5.1.2.E

Last week the communication on the derogation was one of the topics of the meeting of Commissioner Sinkevicius and Minister Staghouwer. As explained by the Minister, our national Parliament has asked for an update and we need to give clarity to farmers about the ongoing manure season as well. As promised, I herewith send you the draft letter to our National Parliament on the state of play on the derogation of the Nitrates Directive (the letter is in Dutch).

In the letter the formal procedure is explained via the scheduled Nitrates Committee on September 15th and the formal decision by the College of Commissioners. Probationary to this decision making process, our National Parliament will be informed about the following:

* for the year 2022 we expect that the size and conditions of the derogation will remain the same as in the previous decision for 2020-2021, which means that farms with at least 80% grassland may use up to 230 kilograms of nitrogen from animal manure per hectare in the central and southern sand area and in the loess area and up to 250 kilograms in other parts of the Netherlands;
* as of 2023 the derogation will be significantly different.

The letter to Parliament has been put on the agenda of the Council of Ministers for tomorrow. If the Council adopts the letter it will be send to our Parliament at the end of that day.

I know the time schedule is tight and my apologies for that, if you have any comments on this please let me know on short time notice.

In the meantime we will continue our process.

Best regards,
5.1.2.E

Verzonden met BlackBerry Work
(https://urldefense.com/v3/__http://www.blackberry.com__;!!DOxrgLBm!BiFfuylUGQfk4qdRbDdnp8NwkryYLLb6x85QXdM2m6qgg9q6ojwCdQSPioOzYpnKV-d0Z_QBwZz1XKi2uCnQ2RwuoH2TeQ$ )

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439 en met Kamerstuk 33037, nr. 446). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak die onder meer gericht is op het behalen van de doelen voor waterkwaliteit.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over de derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd door mijzelf en mijn ambtsvoorganger is gebleken dat het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid is. De afgelopen periode zijn zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden in voornoemde brief van 26 april 2022:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de transitie van de landbouw en de impact daarvan op het landelijk gebied door het Nationaal Programma Landelijk Gebied. Als gevolg hiervan zal een toekomstige derogatieverlening significant anders zijn.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Op dit moment kan ik dan ook geen besluit met de Kamer delen. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en zal ik de Kamer en de sectoren informeren.

Gelet op het feit dat het seizoen al vergevorderd is hecht ik er aan om agrariërs duidelijkheid te geven voor het lopende mestjaar. Onder voorbehoud van de uitkomsten, is mijn beeld uit de gesprekken met de EC dat voor 2022 de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** vrijdag 15 juli 2022 17:22
**Aan:** 5.1.2.e 5.1.2.E
**CC:** ' 5.1.2.E 5.1.2. 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e
5.1.2.e 5.1.2.E
**Onderwerp:** Letter to parliament
**Bijlagen:** 22317194.TK.docx

5.1.2.E ,

Thank you for your quick reply and the suggestions on the draft letter to our Parliament.

This has resulted in a modified letter addressing the three points in your email:
- any reference on the future was intended for the period after 2022, so for the years 2023, 2024 and 2025. The text is clarified on this point.
- any reference to conditions has been removed
- nothing is said about the current year 2022.

The letter to Parliament was sent this afternoon and is enclosed to this email.

Kind regards and have a nice weekend,
5.1.2.E

Verzonden met BlackBerry Work
(www.blackberry.com)

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

Datum 15 juli 2022
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstuk 33037, nr. 439 en met Kamerstuk 33037, nr. 446). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak die onder meer gericht is op het behalen van de doelen voor waterkwaliteit.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over de derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd door mijzelf en mijn ambtsvoorganger is gebleken dat het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid is. De afgelopen periode zijn zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden in voornoemde brief van 26 april 2022:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de transitie van de landbouw en de impact daarvan op het landelijk gebied door het Nationaal Programma Landelijk Gebied. Tegen deze achtergrond verwacht ik dat de EC aan

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

het Nitraatcomité een conceptderogatiebeschikking zal voorleggen voor de periode 2022-2025 die significant anders zal zijn.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking aan Nederland in het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Op dit moment kan ik dan ook geen verdere informatie met de Kamer delen. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC.

In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de inhoud van de conceptderogatiebeschikking.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** maandag 22 augustus 2022 09:58
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.e 5.1.2.E ; 5.1.2.e 5.1.2.E ; 5.1.2.E ; 5.1.2.e ; 5.1.2.e 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Draft text Commission decision for the derogation

Dear 5.1.2.E

I have had a good summer break, thank you! I hope yours was good as well.
Thank you for sharing the draft. We will check the text and get back to you asap.

Best regards,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Verzonden:** maandag 22 augustus 2022 09:50
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minbuza.nl 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Onderwerp:** Draft text Commission decision for the derogation

5.1.2.E

I hope you have had a very relaxing summer break.
As per agreement, I am sending you for your information the draft Commission Decision that has been the subject of a comprehensive inter-service and cabinets consultation.
As regards the buffer strips we have included the text that the Commission proposed to the NL on 3 August in the context of the GAEC 4 of the CAP SP. We are well aware that NL made a counter proposal on 16 August and the Commission will be reacting to this counterproposal today or tomorrow. So we know that this is still subject to negotiations. We will finally include in the Draft Commission decision the outcome of that parallel discussion.

You will see that there a couple of places where we marked that some factual information would be needed from your side to complement the text.
Please also check if there are any inaccuracies in numbers or references.
However, as you can well understand, this text is final and **no other changes than factual inaccuracies will be accepted.**
We would be very grateful if you would provide us with the references and any factual correction **by tomorrow (Tuesday 23 August) cob**. So that we can send the text to the other MS for the vote on 15 September.

Best regards
5.1.2.E

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** maandag 22 augustus 2022 16:06
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E [redacted]); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E is); 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Onderwerp:** Derogatie

Allen,

Dinsdag 23 augustus 10.15 uur is er overleg derogatie met MLNV en MNenS. Overleg zal digitaal plaatsvinden.

Groet,

5.1.2.E
Secretariaat Minister Henk Staghouwer
Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Telefoon: 5.1.2.E
Mobiel: 5.1.2.E
Uitnodigingen kunnen gestuurd worden naar: uitnodigin 5.1.2.E @minlnv.nl

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Aan:** MinisterLNV; MinisterNenS
**Cc:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Datum:** maandag 22 augustus 2022 15:30:40

---

Hi 5.1.2.E en 5.1.2.E

De volgende personen kunnen worden uitgenodigd voor het gesprek over derogatie morgen:

- 5.1.2.e
- 5.1.2.E
- 5.1.2.E
- 5.1.2.E
- 5.1.2.E
- 5.1.2.E

Ik weet even niet wie er van de woordvoerders morgen is die dit kan doen, dus ik zet 5.1.2.E en 5.1.2.E even voor de zekerheid in de cc.

Veel dank!

Groet,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 23 augustus 2022 08:22
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Memo en conceptderogatiebeschikking tbv gesprek om 10.15u
**Bijlagen:** 220822 Memo conceptderogatiebeschikking.docx; 220823 NL derogation post ISC -19AUG2022 - for NL - response.docx

Goedemorgen,

Hierbij de memo en de conceptderogatiebeschikking voor beide ministers tbv het gesprek om 10.15u.

Groet,
5.1.2.E

**Memo: conceptderogatiebeschikking**
22 augustus 2022 17 uur

**Aanleiding**
DG Milieu heeft op 22 augustus de conceptderogatiebeschikking met Nederland gedeeld en verzocht om uiterlijk 23 augustus feitelijke onjuistheden toe te sturen.

**Proces**
- DG Milieu zal op korte termijn de conceptderogatiebeschikking met de Lidstaten delen ten behoeve van agendering in het geplande Nitraatcomité op 15 september aanstaande.
- De brief aan de Eerste en Tweede Kamer zal worden opgesteld en met u worden gedeeld en voor verzending ambtelijk worden afgestemd met DG Milieu.

**Inhoudelijk**
De inhoud van de beschikking komt in hoofdlijnen overeen met wat eerder met NL is gedeeld. Op een aantal punten is nu verdere duidelijkheid gekomen.

- Het nationale mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat over het jaar 2002 wordt geactualiseerd naar het jaar 2020. Er vindt een graduele bijstelling van deze plafonds plaats met 10%-reductie in 2025.
- In alle Natura 2000 gebieden wordt geen derogatie verleend.
- Geen verlening van derogatie per 1 januari 2024 'nabij' de Natura 2000 gebieden zoals gedefinieerd in het Nationaal Programma Landelijk Gebied, en waarvan de omvang van de bufferzones rond Natura 2000 zal worden gespecificeerd in 2023.
- De aanwijzing van zogenaamde 'polluted areas' in het kader van eutrofiëring (Kaderrichtlijn Water) per 1 januari 2023 en het van toepassing laten zijn van het derogatieregime van 230-en het daarbij behorende afbouwpad.
- De omvang van de graduele verlaging van de totaal stikstofbemestingsnorm met 20% in 2025 in 'polluted areas'.
- De omvang van de generieke bufferstroken. Onderhandelingen lopen nu gelijktijdig via GLB/NSP met DG AGRI. De uitkomsten hiervan worden opgenomen in de conceptbeschikking.
- Het niet verlenen van derogatie in voor nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden.
- 5% fysieke controles door de NVWA.

**Reactie**
- Uit de conceptbeschikking lijkt te volgen dat in Natura 2000 gebieden en grondwaterbeschermingsgebieden in 2022 geen derogatie verleend kan worden. We zijn er steeds van uitgegaan dat dit per 1 januari 2023. In de reactie is nu opgenomen dat we ervan uit zijn gegaan dat dit per 1 januari 2023 is en niet in 2022 is.
- In de reactie zal ten aanzien van de verlaging van de nationale mestproductieplafonds worden aangegeven dat dit per 1 januari 2024 nationaal wettelijk zal worden geborgd.
- Er is een bepaling opgenomen dat aan alle derogatiebedrijven trainingen zullen worden gegeven over maatregelen ter vermindering van de ammoniakemissie. De eerste training wordt gegeven vóór 31 december 2023 (artikel 9 lid 2). Hieraan zal verder uitwerking moeten worden. Hierop zal geen reactie aan ENVI worden gestuurd.
- In de jaarlijkse monitoringsvereiste (artikel 10 lid 5) wordt data gevraagd van zowel derogatie als niet-derogatiebedrijven (nitraatconcentraties in oppervlakte- en grondwater, en fosforconcentraties en trofische status van oppervlaktewater). Dat is een verbreding ten opzichte van de eerdere vereiste die alleen op derogatiebedrijven zag.
  Voorgesteld wordt hierop aan te geven dat over niet-derogatiebedrijven op de gebruikelijke wijze zal worden gerapporteerd via de reguliere nitraatrichtlijnrapportage.

**COMMISSION IMPLEMENTING DECISION**

**of XXX**

**granting a derogation requested by the Netherlands pursuant to Council Directive 91/676/EEC concerning the protection of waters against pollution caused by nitrates from agricultural sources**

(only the Dutch version is authentic)

THE EUROPEAN COMMISSION,

Having regard to the Treaty on the Functioning of the European Union,

Having regard to Council Directive 91/676/EEC of 12 December 1991 concerning the protection of waters against pollution caused by nitrates from agricultural sources[1], and in particular paragraph 2, third subparagraph, of Annex III thereto,

Whereas:

(1) Directive 91/676/EEC lays down rules on the protection of waters against pollution caused by nitrates from agricultural sources.

(2) Paragraph 2 of Annex III to Directive 91/676/EEC establishes that Member States intending to apply more livestock manure than 170 kg nitrogen per hectare (ha) are to fix amounts so as not to prejudice the achievement of the objectives specified in Article 1 of that Directive. If a Member State allows a different amount under point (b) of the second subparagraph, it shall inform the Commission, which shall examine the justification in accordance with the regulatory procedure referred to in Article 9(2).

(3) By Decision 2005/880/EC[2], the Commission granted a derogation requested by the Netherlands pursuant to Directive 91/676/EEC for the purpose of allowing the application of grazing livestock manure up to a limit of 250 kg nitrogen per hectare per year on farms with at least 70 % grassland.

(4) By Decision 2010/65/EU[3], the Commission, amending Decision 2005/880/EC, granted a derogation requested by the Netherlands pursuant to Directive 91/676/EEC for the purpose of allowing the application of grazing livestock manure up to a limit of 250 kg nitrogen per hectare per year on farms with at least 70 % grassland until 31 December 2013.

---

1 OJ L 375, 31.12.1991, p. 1.

2 Commission Decision 2005/880/ECof 8 December 2005 granting a derogation requested by the Netherlands pursuant to Council Directive 91/676/EEC concerning the protection of waters against pollution caused by nitrates from agricultural sources (, OJ L 324, 10.12.2005, p. 89).

3 Commission Decision 2010/65/EUof 5 February 2010 amending Decision 2005/880/EC granting a derogation requested by the Netherlands pursuant to Council Directive 91/676/EEC concerning the protection of waters against pollution caused by nitrates from agricultural sources (, OJ L 35, 6.2.2010, p. 18).

(5) By Commission Implementing Decision 2014/291/EU[4], which ceased to apply on 31 December 2017, the Netherlands was granted a derogation pursuant to Directive 91/676/EEC to allow the application of grazing livestock manure on farms with at least 80 % grassland up to a limit of 230 kg nitrogen per hectare per year for farms on southern and central sandy soils and on loess soils, and up to a limit of 250 kg nitrogen per hectare per year for farms on other soils. The derogation concerned 19 564 farms in 2016, corresponding to 47 % of the total net agricultural area in the Netherlands.

(6) By Commission Implementing Decision (EU) 2018/820[5], which ceased to apply on 1 January 2020, the Netherlands was granted a derogation pursuant to Directive 91/676/EEC to allow the application of grazing livestock manure on farms with at least 80 % grassland up to a limit of 230 kg nitrogen per hectare per year for farms on southern and central sandy soils and on loess soils, and up to a limit of 250 kg nitrogen per hectare per year for farms on other soils. The derogation concerned 18818 farms in 2019, corresponding to 44.7 % of the total net agricultural area in the Netherlands.

(7) By Commission Implementing Decision (EU) 2020/1073[6], which ceased to apply on 31 December 2021, the Netherlands was granted a derogation to allow the application of grazing livestock manure on farms with at least 80 % grassland up to a limit of 230 kg nitrogen per hectare per year for farms on southern and central sandy soils and on loess soils, and up to a limit of 250 kg nitrogen per hectare per year for farms on other soils. The duration of that Implementing Decision was limited to 2 years in order to enable the Netherlands to fully implement an enhanced enforcement strategy to prevent fraud in the implementation of its manure policy. Furthermore, additional conditions were included to ensure that the amount of livestock did not increase and to reduce ammonia emissions in manure application.

(8) On 25 February 2022, the Netherlands requested a new derogation pursuant to Directive 91/676/EEC paragraph 2, third subparagraph, of Annex III.

(9) The Netherlands reported data[7] under Article 10 of Directive 91/676/EEC which showed that for the period 2016 to 2019, approximately 14 % of the groundwater monitoring stations in the Netherlands had mean nitrate concentrations above 50 mg/l, 5 % between 40 and 50 mg/l, and 73 % below 25 mg/l. The data also showed that for the period 2016 to 2019, 99 % of the surface water monitoring stations in the Netherlands had mean nitrate concentrations below 50 mg/l and that 96 % of those monitoring stations had mean nitrate concentrations below 25 mg/l. Nevertheless, in the reporting period 2016 to 2019, 58 % of freshwaters were eutrophic and 10 % could become eutrophic if no measures were taken.

(10) This data also showed signficant variations between Dutch provinces and that pollution hotspots for nitrate concentrations in groundwater and eutrophication are found in a number of Dutch provinces. In *Limburg*, 36 % of groundwater stations showed mean nitrate concentrations above 50 mg/l and 22 % showed negative trends,

**Met opmerkingen 5.1.2.e(1]** 5.1.2.E

**Met opmerkingen 5.1.2.e(2]:** 5.1.2.E gevraagd voor check

**Met opmerkingen 5.1.2.e(3]:** The Province *Flevoland* is missing.

[4] Commission Implementing Decision 2014/291/EU of 16 May 2014 granting a derogation requested by the Netherlands pursuant to Council Directive 91/676/EEC concerning the protection of waters against pollution caused by nitrates from agricultural (, OJ L 148, 20.5.2014, p. 88).

[5] Commission Implementing Decision (EU) 2018/820 of 31 May 2018 granting a derogation requested by the Netherlands pursuant to Council Directive 91/676/EEC concerning the protection of waters against pollution caused by nitrates from agricultural sources (, OJ L 137, 4.6.2018, p. 27).

[6] Commission Implementing Decision (EU) 2020/1073 of 17 July 2020 granting a derogation requested by the Netherlands pursuant to Council Directive 91/676/EEC concerning the protection of waters against pollution caused by nitrates from agricultural sources (, OJ L 234, 21.7.2022, p. 20).

[7] COM(2021) 1000 and SWD(2021) 1001 part 28

while 74 % of surface waters were eutrophic and 16 % at risk of becoming eutrophic if no measures were taken. In *Noord-Brabant*, 26 % of groundwater stations showed mean nitrate concentrations above 50 mg/l and 20 % showed negative trends, while 68 % of surface waters were eutrophic and 7 % at risk of becoming eutrophic if no measures were taken. In *Zeeland*, 14 % of groundwater stations showed mean nitrate concentrations above 50 mg/l and 47 % showed negative trends, while 80 % of surface waters were eutrophic and 11 % at risk of becoming eutrophic if no measures were taken. In *Zuid-Holland*, 54 % of surface waters were eutrophic and 17 % at risk of becoming eutrophic if no measures were taken. In *Noord-Holland*, 61 % of surface waters were eutrophic and 19 % at risk of becoming eutrophic if no measures were taken. In *Utrecht*, 24 % of groundwater stations showed negative trends in nitrate concentrations, while 43 % of surface waters were eutrophic and 10 % at risk of becoming eutrophic if no measures were taken. In *Gelderland*, 10 % of groundwater stations showed mean nitrate concentrations above 50 mg/l and 15 % showed negative trends. In *Overijssel*, 18 % of groundwater stations showed mean nitrate concentrations above 50 mg/l and 19 % showed negative trends, while 67 % of surface waters were eutrophic and 4 % at risk of becoming eutrophic if no measures were taken. In *Drenthe*, 15 % of groundwater stations showed mean nitrate concentrations above 50 mg/l, while 65 % of surface waters were eutrophic and 9 % at risk of becoming eutrophic if no measures were taken. In *Friesland*, 23 % of groundwater stations showed negative trends in nitrate concentrations, while, 85 % of surface waters were eutrophic. In *Groningen*, 52 % of surface waters were eutrophic and 11 % at risk of becoming eutrophic if no measures were taken.

(11) The data reported by the Netherlands in 2020 and 2021 in the context of the reports under Implementing Decision (EU) 2020/1073 showed increases in nitrate concentrations in groundwater in areas with löoess, sandy and clay soils. In the south and the east of the sandy soil region, the average nitrate concentration in the upper metre of the groundwater was 67 mg/l in 2021. This exceeds the Union limit value of 50 mg/l. Since 2017, the nitrate concentration has doubled in this part of the sandy soil region. The average concentration in the north of the sandy soil region remained lower than the Union limit value, but increased to 37 mg/l in 2021. In the loess soil region, the average concentration decreased slightly to 57 mg/l in 2020, but is still above the Union limit value. In the clay soil region, nitrate concentrations consistently remained below the limit value, however they have increased. In the peat soil region, the lowest concentrations were measured at an average concentration of 14 mg/lin 2021. Data also showed that root zone water from farms in the derogation monitoring network often exceeded the nitrate concentration norms even if the mean value remained below 50 mg/l.

(12) The Netherlands applies, in conformity with Article 3(5) of Directive 91/676/EEC, an action programme throughout its whole territory. On 26 December 2021, the Netherlands adopted a new action programme for the period 2022-2025[8] (the 7th Nitrates Action Programme), which includes additional measures to reduce nutrients (nitrogen and phosphoreus) losses to the environment and is based on a regional differentiated approach depending on the level of nutrients pollution and on the soil type. However, the environment impact assessment, performed in preparation of the 7th Nitrates Action Programme by the scientific advisory comission to the Dutch authorities (Commissie van Deskundigen Meststoffenwet), found that the potential effects of the action programme would not be sufficient to achieve the water quality

**Met opmerkingen [5.1.2.e[4]]:** Is environment/milieu niet te breed?
Doel Nitraatrichtlijn richtlijn heeft tot doel:
— de waterverontreiniging die wordt veroorzaakt of teweeggebracht door nitraten uit agrarische bronnen te verminderen , en
— verdere verontreiniging vain dien aard te voorkomen.

[8] Original title '7e Nederlandse actieprogramma betreffende de Nitraatrichtlijn (2022-2025)'.

objectives. On 25 February 2022, the Netherlands adopted an Addendum[9] to the 7th Nitrates Action Programme referring to the National Programme for Rural Areas[10] which sets out an integral approach to nature, water and climate, including nitrogen emissions, to meet Union environmental and climate requirements. Through the Addendum the Dutch Government seeks to translate its ambitions into concrete measures aiming at achieving the water quality targets for nutrients from agricultural sources.

(13) The 2022-2025 7th Nitrates Action Programme and its Addendum set efforts needed per region to reach water quality objectives regarding nitrates and phosphoreus from agricultural sources as specified by Directive 91/676/EEC and the Dutch river basin management plan adopted in the context of Directive 2000/60/EC of the European Parliament and of the Council[11]. For nitrates concentrations in groundwater, the *Zand Noord, Zand Oost, Westelijk Noord-Brabant, Centraal zeeklei, Zuidwestelijk zeekleigebied, Westelijk zandgebied* regions need *some* effort to reach the targets, while the *Gelderse Vallei, Oostelijk Noord-Brabant en Limburg Zand, Lössgebied* regions need a *significant* effort to reach them. For phosphoreus concentrations in surface water (eutrophication), the *Zand Noord, Zand Oost, Westelijk Noord-Brabant, Oostelijk Noord-Brabant en Limburg Zand, Noordelijk zeekleigebied, Centraal zeeklei Zuidwestelijk zeekleigebied* regions need *some* effort to reach the targets, whilewhile the *Gelderse Vallei, Lössgebied, Westelijk Zeeklei, Westelijk veengebied, Westelijk zandgebied* regions need a *significant* effort to reach them. This is consistent with the data reported by the Netherlands under Article 10 of Directive 91/676/EEC.

(14) The Netherlands will adopt a new designation of areas polluted by nitrates and phosphoreus from agricultural sources (*nutrients polluted areas*), which should include all catchment areas for monitoring points for groundwater and surface water exhibiting mean nitrates pollution or occasional nitrates pollution events, at risk of being polluted and increasing trends, as well as monitoring points exhibiting eutrophication or at risk of becoming eutrophic. The designation should also take into account relevant case-law of the Court of Justice of the European Union, in particular, the rulings in cases C-221/03[12] and C-543/16[13]. If no new designation is in place on 1 January 2024, all areas where some or significant efforts are required will be designated as nutrients polluted areas.

(15) This derogation request should be considered within the broader EU policy context regarding nutrient management issues, in particular, the objectives and targets of Directives 2000/60/EC[14], 2006/118/EC[15] and 2008/56/EC[16], the increasing ambition

---

[9] Original title 'Addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn'.

[10] Nationaal Programma Landelijk Gebied.

[11] Directive 2000/60/EC of the European Parliament and of the Council of 23 October 2000 establishing a framework for Community action in the field of water policy (OJ L 327, 22.12.2000, p. 1).

[12] Judgment of the Court of Justice of 22 September 2005, C 221/03, Commission of the European Communities v Kingdom of Belgium, ECLI:EU:C:2005:573.

[13] Judgment of the Court of 21 June 2018, European Commission v Federal Republic of Germany, C-543/16, ECLI:EU:C:2018:481.

[14] Directive 2000/60/EC of the European Parliament and of the Council of 23 October 2000 establishing a framework for Community action in the field of water policy

[15] Directive 2006/118/EC of the European Parliament and of the Council of 12 December 2006 on the protection of groundwater against pollution and deterioration (OJ L 372, 27.12.2006, p. 19)

[16] Directive 2008/56/EC of the European Parliament and of the Council of 17 June 2008 establishing a framework for community action in the field of marine environmental policy (Marine Strategy Framework Directive) (OJ L 164, 25.6.2008, p. 19).

of Effort Sharing Regulation[17] and the CAP Strategic Plan for the Netherlands[18], as well as the objectives of the European Green Deal concerning nutrient pollution. The European Green Deal sets objectives for the Union to reduce nutrients losses, and to limit non-$CO_2$ greenhouse gases, namely methane (methane and nitrous oxide), of which fertilisation and livestock are a major source. In particular, the Union has committed, in the Farm to Fork Strategy[19] and the Zero Pollution Action Plan[20], to reducing nutrients losses by 50 % in 2030, leading to a reduction of 20 % in fertilisers, and preserving soil fertility, and reducing by 25 % the EU ecosystems areas, measured as areas above 'critical loads' of nitrogen deposition, where air pollution threatens biodiversity.

(16) In the 'initial proposal for the National Programme for Rural Areas' of 10 June 2022[21], the Dutch Government notes 'In peatland areas, Natura 2000 areas, groundwater protection areas, vulnerable watercourses, and buffer zones around Natura 2000 sites are the greatest challenges. In those areas, farmers will have more business restrictions or less development opportunities. Extensification of agriculture is then the most appropriate route'. There is also a 'commitment to create transitional areas around Natura 2000 sites'. 'Transitional areas (buffer zones) around Natura 2000 areas are areas adjacent to Natura 2000 sites which contribute to system restoration to maintain and restore the biodiversity in the Natura 2000 site concerned'.

Met opmerkingen 5.1.2.e [5]: Checken via 5.1.2.E

(17) The Commission has examined the Dutch request for derogation taking into account the requirements and objectives of Directive 91/676/EEC and the experience from the previous derogation decisions and in the light of the 7th Nitrates Action Programme and its Addendum. It has also examined the trends in water quality and taken into account the European Green Deal objectives. Based on the above, the Commission considers it is necessary to ensure a predictable transition derogation period of maximum 4 years for grassland farmers until the planned reforms as set out in the Addendum are fully incorprated in Dutch law and to accompany the gradual implementation of the new reforms. The Commission further considers that achieving the objectives of Directive 91/676/EEC requires strict additional conditions to be met by the Netherlands, in particular, but not only, in the nutrients polluted areas. The requested derogation should support the reform path defined in the Addendum and in the National Programme for Rural Areas.

(18) The derogation granted by this Decision is without prejudice to the Netherlands' obligations to apply Council Directive 92/43/EEC[22] and the ruling of the Court of Justice of the European Union in Case C-293/17[23], in particular on the interpretation of Article 6(3) of that Directive; and to apply Directive 2000/60/EC and Directive 2008/56/EC and does not exclude that additional measures may be needed to fulfil obligations derived from these Directives.

---

17 Regulation (EU) 2018/842 - Binding annual greenhouse gas emission reductions by Member States from 2021 to 2030 contributing to climate action to meet commitments under the Paris Agreement and amending Regulation (EU) No 525/2013

18 SWD(2020) 93 final - Analysis of links between CAP Reform and Green Deal; SWD(2020) 388 final - Commission recommendations for Netherland's CAP strategic plan. SWD(2020) 388 final.

19 A Farm to Fork Strategy for a fair, healthy and environmentally-friendly food system. COM(2020) 381 final.

20 COM(2021) 400 final

21 Original title 'Startnotitie Nationaal Programma Landelijk Gebied – 10 Juni 2022'..

22 Council Directive 92/43/EEC of 21 May 1992 on the conservation of natural habitats and of wild fauna and flora (OJ L 206, 22.7.1992, p. 7).

23 Case C-293/17 Coöperatie Mobilisation for the Environment and Vereniging Leefmilieu (ECLI:EU:C:2018:882).

(19) It is essential to ensure that authorising additional amounts of~~d~~ manure per hectare per year does not delay or put at risk the requirements of other Union legislation for which nitrogen and phosphorous pollution could be an obstacle in achieving its objectives. Therefore, national authorisations for derogations to individual farmers should not be allowed in groundwater protection areas and in Natura 2000 areas, or~~or~~ within the buffer zones around Natura 2000 areas as defined in the Dutch National Programme for Rural Areas, and the size of which will be specified in 2023.

(20) According to the data provided by the Netherlands, in the period 2019 to 2021 the total livestock decreased by 2.5 %, whereas the number of cattle increased. The livestock density in the Netherlands remains very high; in 2016, it was the highest in the Union, nearly five times higher than the Union average. Since 2006, Dutch legislation sets limitations on the number of pigs and poultry. Moreover, since January 2015, Dutch legislation requires that an appropriate share of surplus manure from the dairy sector be processed. In addition, a system of phoshate production rights for dairy cattle has been introduced in the Netherlands since 1 January 2018.

(21) The overall manure production of 2020 should not be exceeded~~-~~. Moroever, the implementation of the reforms planned under the National Programme for Rural Areas should lead to a gradual reduction of the manure production by the end of the validity of the current derogation.

(22) In nutrients polluted areas, it is necessary to complement the 7th Nitrates Action Programme and its Addendum with specific measures recognised for their effectiveness in sustainable nutrients management at farm level and in reducing nutrients losses in groundwater and freshwater.

(23) The Netherlands established an enhanced enforcement strategy to step up the prevention of fraud in the implementation of its manure policy. That strategy was implemented in the years 2020-2021, but suffered some delays also due to the COVID pandemic. The implementation of the strategy along its main axes of action needs to be pursued effectively and extended to other regions where the independent assessment shows a significant risk of deliberate non-compliance with the rules on manure management. The transition period for the planned agricultural reforms could also lead to increased fraud, and therefore the controls should be intensified.

(24) The authorisations to individual farmers are subject to certain conditions that are aimed at ensuring fertilisation at farm level based on crop needs and at preventing nitrogen and phosphorus losses to water. The measures laid down in this Decision should be additional to the measures already being applied through the 7th Nitrates Action Programme and its Addendum.

(25) The Netherlands is required to implement all measures set in Annex III to Directive (EU) 2016/2284 of the European Parliament and of the Council[24] for the reduction of ammonia emissionsare. The report on the impact of Directive 91/676/EEC on gaseous nitrogen emissions[25] concluded that in some regions with high livestock densities, the derogation may result in higher gaseous emissions. Therefore, appropriate measures should be taken to reduce ammonia emissions, including low emission spreading techniques, where necessary in combination with a maximum temperature at which

**heeft opmaak toegepast:** Tekstkleur: Rood

**heeft opmaak toegepast:** Tekstkleur: Rood, Doorhalen

**heeft opmaak toegepast:** Markeren

**heeft opmaak toegepast:** Tekstkleur: Rood, Doorhalen, Markeren

**heeft opmaak toegepast:** Markeren

**Met opmerkingen [EdL(6]:** Per wanneer? Check looptijd

**Met opmerkingen [5.1.2.e7]:** Nav opmerking 5.1.2.E diary vervangen door livestock. Dit is grondgebondenheid, dus wel melkvee

**Met opmerkingen [5.1.2.e8]:** The timetable is not very consisted. 2019-2021, 2016, 2006, 2015, 2018.

**Met opmerkingen [5.1.2.e9]:** This will be embedded in our national legislation as of 1st of January 2024.

**heeft opmaak toegepast:** Markeren

**heeft opmaak toegepast:** Tekstkleur: Rood

[24] Directive (EU) 2016/2284 of the European Parliament and of the Council of 14 December 2016 on the reduction of national emissions of certain atmospheric pollutants, amending Directive 2003/35/EC and repealing Directive 2001/81/EC (OJ L 344, 17.12.2016, p. 1).

[25] The impact of the Nitrates Directive on gaseous N emissions, Effects of measures in nitrates action programme on gaseous N emissions, Contract ENV.B.1/ETU/2010/0009.

manure can be applied and a strict obligation of immediate incorporation into the soil of manure/slurry when applied on fields.

(26) The conditions laid down in this Decision are considered for the entities benefiting from derogations as the version of the Statutory Management Requirements established in national law in the meaning of Article 12 and 13 of Regulation (EU) 2021/2115 of the European Parliament and of the Council[26].

(27) The Netherlands must comply with the objectives on greenhouse gas emissions and removals from land use, land use change and forestry in the 2030 climate and energy framework. A conversion of land use from grassland to arable land would induce an increase of emissions of soil carbon and hamper compliance with with Article 4 of Regulation (EU) 2018/841[27].

(28) Directive 2007/2/EC of the European Parliament and of the Council[28] lays down general rules aimed at establishing the Infrastructure for Spatial Information in the Union for the purposes of environmental policies of the Union and policies or activities of the Union which may have an impact on the environment. Where applicable, the spatial information collected in the context of this Decision should be in line with the provisions set out in that Directive. Furthermore, in order to reduce the administrative burden and enhance data coherence, the Netherlands, when collecting the necessary data under this Decision, should, where appropriate, make use of the information generated under the integrated administration and control system set up by the Netherlands pursuant to Article 67(1) of Regulation (EU) No 1306/2013 of the European Parliament and of the Council[29].

(29) This Decision will cease to apply on 31 December 2025.

(30) The measures provided for in this Decision are in accordance with the opinion of the Nitrates Committee set up pursuant to Article 9 of Directive 91/676/EEC,

**heeft opmaak toegepast:** Markeren

**heeft opmaak toegepast:** Markeren

**heeft opmaak toegepast:** Markeren

[26] Regulation (EU) 2021/2115 of the European Parliament and of the Council of 2 December 2021 establishing rules on support for strategic plans to be drawn up by Member States under the common agricultural policy (CAP Strategic Plans) and financed by the European Agricultural Guarantee Fund (EAGF) and by the European Agricultural Fund for Rural Development (EAFRD) and repealing Regulations (EU) No 1305/2013 and (EU) No 1307/2013 (OJ L 435, 6.12.2021, p. 1).

[27] Regulation (EU) 2018/841 of the European Parliament and of the Council of 30 May 2018 on the inclusion of greenhouse gas emissions and removals from land use, land use change and forestry in the 2030 climate and energy framework, and amending Regulation (EU) No 525/2013 and Decision No 529/2013/EU (OJ L 156, 19.6.2018, p. 1).

[28] Directive 2007/2/EC of the European Parliament and of the Council of 14 March 2007 establishing an Infrastructure for Spatial Information in the European Community (INSPIRE)(, OJ L 108, 25.4.2007, p. 1.

[29] Regulation (EU) No 1306/2013 of the European Parliament and of the Council of 17 December 2013 on the financing, management and monitoring of the common agricultural policy and repealing Council Regulations (EEC) No 352/78, (EC) No 165/94, (EC) No 2799/98, (EC) No 814/2000, (EC) No 1290/2005 and (EC) No 485/2008, OJ L 347, 20.12.2013, p. 549.

HAS ADOPTED THIS DECISION:

*Article 1*

***Derogation***

The derogation requested by the Netherlands by letter of 25 February 2022, for the purpose of allowing application to the land of a higher amount of nitrogen from grazing livestock manure than that provided for in paragraph 2, second subparagraph, first sentence, of Annex III to Directive 91/676/EEC, is granted as a transitional measure to accompany reforms of the agriculture and livestock sector in the Netherlands in order to meet EU environmental and climate requirements in relation to nitrogen emissions (including ammonia) and nutrients in water (including Directive 91/676/EEC), and subject to the conditions set in this Decision.

*Article 2*
***Scope of the derogation***

The derogation applies to grassland farms for which an authorisation has been granted in accordance with Article 6.

*Article 3*

***Definitions***

For the purposes of this Decision, the following definitions shall apply:

(1) 'grassland farm' means any holding where at least 80 % of the acreage available for manure application is grass;

(2) 'grazing livestock' means cattle (with the exclusion of veal calves), sheep, goats, horses, donkeys, deer and water buffalo;

(3) 'farmland' means the acreage owned, rented or managed by the farmer under a written individual contract and on which the farmer has a direct management responsibility;

(4) 'grassland' means permanent grassland or temporary grassland which lies less than 5 years;

(5) 'fertilisation plan' means a calculation of the planned use and availability of nutrients;

(6) 'fertilisation account' means the nutrient balance based on the real use and uptake of nutrients;

(7) 'fertilisation register' means an electronic system by which farmers report on real nutrient uses and manure management;

(8) 'southern and central sandy soils' means soils indicated as southern and central sandy soils under the Dutch legislation Article 1 part 1 of Uitvoeringsregeling Meststoffenwet implementing Directive 91/676/EEC;

(9) 'loess soils' means soils indicated as loess soils under the Dutch legislation Article 1 sub o of Meststoffenwet implementing Directive 91/676/EEC;

**Met opmerkingen [5.12.10]:** NL: please provide specific reference to national legislation as well as the definition set by this national legislation

**Met opmerkingen [5.12.11]:** NL: idem

(10) 'nutrients' refer to nitrogen and phosphorous.

*Article 4*

***General conditions for the derogation***

1) The Netherlands shall develop a new designation and a new map of areas polluted by nitrates and phosphorous from agricultural sources (*nutrients polluted areas*) by 1 January 2024 at the latest, which includes all catchment areas for monitoring points for groundwater and surface water exhibiting mean nitrates pollution or occasional nitrates pollution events, at risk of being polluted and increasing trends, as well as monitoring points exhibiting eutrophication or at risk of becoming eutrophic.

   As a transitional measure and until the new designation is in place at the latest by 1 January 2024, nutrients polluted areas will cover southern and central sandy soils and loess soils areas, as well as, from 1 January 2023, the catchment areas defined from regional waterbodies and qualified as nutrients inadequate areas (bad, poor and moderate) in the national analysis of water quality (2020)[30] by the Netherlands Environmental Assessment Agency (PBL).

   As of 1 January 2024, a final designation and map of nutrients polluted areas shall be in place and shall include at least the areas designated in 2023 as well as any other additional area where the contribution from agriculture to the nutrients pollution is significant i.e. more than 19 % of the total nutrients load.

   Should the final designation and map of nutrients polluted areas not be in place on 1 January 2024, the designation provided in the 7th Nitrates Action Programme and its Addendum shall be used, which includes all areas where *some* or *significant* efforts are required to reach water quality objectives regarding nitrates and phosphorous concentrations as specified by Directive 91/676/EEC and the Dutch river basin management plan adopted in the context of Directive 2000/60/EC.

2) The Netherlands shall monitor the amount of manure produced and ensure that manure production at national level, both in terms of nitrogen and phosphorus, does not exceed 489.4 million kg of nitrogen and 150.7 million kg of phosph~~orous~~ate (amount produced in 2020), and that, as a result of the reforms set out in the Addendum being implemented, the amount of manure produced gradually decreases, and in 2025 does not exceed 440 million kg of nitrogen and 135 million kg of phosphat~~orous~~.

3) The Netherlands shall not grant authorisations for derogations as referred in Article 5 of this Decision within Natura 2000 sites established in accordance with Directive 2009/147/EC[31] and Directive 92/43/EEC[32], and, from 1 January 2024, in buffer zones near Natura 2000 sites as specified by the National Programme for Rural Areas, for which the critical nitrogen load for nitrogen deposition is exceeded.

**Met opmerkingen 5.1.2.a(12]:** NL: please make as precise as possible for legal certainty. 5.1.2.E you give a more stable reference than the hyperlink

**Met opmerkingen 5.1.2.a(13R12]:** The mentioned catchment areas have no legal basis in the Meststoffenwet, and are only used by the NL Environmental Assessment Agency to indicate area of attention.
Following the implementation of this derogation a legal basis will be laid down.

Another reference could be: Fysisch-chemische waterkwaliteit KRW, 2021 | Compendium voor de Leefomgeving (clo.nl)

**Met opmerkingen 5.1.2.a(14]:** Manure Production is reported in Phosphate (P2O5)

**Met opmerkingen 5.1.2.e(15]:** Manure production is reported in Phosphate (P2O5)

**Met opmerkingen 5.1.2.e(16]:** Following our technical discussions this is the case as of 1 January 2022

[30] https://www.pbl.nl/sites/default/files/downloads/pbl-2020-nationale-analyse-waterkwaliteit-4002_0.pdf.

[31] Directive 2009/147/EC of the European Parliament and of the Council of 30 November 2009 on the conservation of wild birds (OJ L 20, 26.1.2010, p. 7).

[32] Council Directive 92/43/EEC of 21 May 1992 on the conservation of natural habitats and of wild fauna and flora (OJ L 206, 22.7.1992, p. 7).

4) The Netherlands shall not grant authorisations for derogations as referred in Article 5 of this Decision in groundwater protection areas. In areas where the groundwater is polluted by nitrates, a package of mandatory measures to reduce nutrient loads shall be applied in the groundwater protection areas by 1 January 2024.

**Met opmerkingen [5.1.2.e(17]:** As discussed in our technical meetings this will apply as of 2023

**Met opmerkingen 5.1.2.e(18]:** This will take place within the National Program on rural areas

5) The Netherlands shall put in place the following measures:

(a) as of January 2023, all farms shall draw up an annual fertilisation plan before the growing season. The fertilisation plan shall describe the crop rotation of the farmland and the planned application of manure and other nitrogen and phosphate fertilisers.

(b) an electronic fertiliser register shall be in place as of 1 January 2024 registering application of mineral fertilisers and manure production and application on the land. By 1 January 2025, all farms shall use the electronic register. The Dutch authorities shall monitor and analyse the fertilisers' application rates, and provide advice to farmers on methods to reduce the overall application rates.

(c) buffer strips on agricultural land along water courses on which fertilisation is prohibited. This applies to all water courses on agricultural parcels located in the Netherlands with the exception of, in accordance with point 3.1.e of Annex I to Commission Implementing Regulation (EU) 2021/2289, water courses which dry up in the summer (those water courses will be dry at least during the period from 1 April to 1 October). For those water courses a minimum width of 1 m for buffer strips applies. The buffer strips shall be set as follows as of 1 January 2023:

**Met opmerkingen 5.1.2(19]:** THIS IS THE PROPOSAL SENT BY AGRI ON 3 AUGUST. WILL BE UPDATED WITH FINAL VERSION.

(i) minimum 5 metres width buffer strips along ecological vulnerable brooks and surface water bodies as defined under Directive 2000/60/EC;

(ii) minimum 3 metres width buffer strip along all other watercourses in agricultural areas, including for ditches.

These minimum widths can be adjusted in areas with significant dewatering and irrigation ditches in the following way:

(i) 3 metres width buffer strip along surface water bodies as defined under Directive 2000/60/EC where the total area at parcel level of a buffer strip of 5 metres width would encompass more than 5 % of the agricultural parcel.

(ii) 1 metre width buffer strips along all other water courses in agricultural areas where the total area at parcel level of a buffer strip of 3 metres width would encompass more than 5 % of the agricultural parcel.

(d) In nutrients polluted areas, the following condition shall apply: the overall fertilisation rate from organic and chemical fertilisers shall gradually be reduced so that the rates will be 20 % lower as of 1 January 2025 compared to the rates published in the Annex to the 7th Nitrates Action Programme. If the planned revision of the fertilisation norms sets lower values, the latter shall prevail.

6) The Netherlands shall pursue the implementation of the enhanced enforcement strategy, building on the experience pursuant to the implementation of Article 4(3) of Implementing Decision (EU) 2020/1073. The enhanced enforcement strategy shall, as a minimum, include the following elements:

(a) continued independent risk assessment of fraud cases and identification of areas and actors of manure handling and management with a higher risk of deliberate non-compliance with the national rules on manure as laid in the 'Meststoffenwet' and underlying regulation and in the 'Wet Bodembescherming' and underlying regulation;

Met opmerkingen [5.12.20]: NL: please provide references of legislation

(b) continued implementation of enhanced enforcement in De Peel, Gelderse Vallei and Twente, identified as high-risk areas of deliberate non-compliance with the national rules on manure; the enhanced enforcement strategy shall progressively be extended before the end of 2025 to all other regions where the assessment shows that they are in a high-risk area, taking into account the experience and best practices gained;

(c) specific focus of the enforcement strategy on high-risk actors in the manure value chain including intermediaries and co-digesters in all regions;

(d) the automated system for real-time accountability of manure transport starting 1 January 2023;

(e) continued strengthening of the capacity for inspections and controls, which shall be at least equal to 40 % of the capacity required for the field inspections of grassland farms covered by an authorisation as referred to in Article 11(2), including random controls, and a better targeting of that capacity to risk areas of manure handling and management;

(f) individual inspection of at least 5,5 % of pig farms yearly.

*Article 5*

***Applications for authorisation***

1) Grassland farmers may submit to the competent authority an application for an annual authorisation to apply a higher amount of grazing livestock manure, including manure excreted by the animals themselves, to be the amount of manure per hectare per year containing:

(a) for 2022, up to 230 kg of nitrogen per hectare and per year in nutrients polluted areas and up to 250 kg of nitrogen per hectare and per year in other areas;

heeft opmaak toegepast: Markeren

(b) for 2023, up to 220 kg of nitrogen per hectare and per year in nutrients polluted areas and up to 240 kg of nitrogen per hectare in other areas;

(c) for 2024, up to 210 kg of nitrogen per hectare and per year in nutrients polluted areas and up to 230 kg of nitrogen per hectare in other areas;

(d) for 2025, up to 190 kg of nitrogen per hectare and per year in nutrients polluted areas and up to 200 kg of nitrogen per hectare in other areas;

(e) after 31 December 2025, up to 170 kg of nitrogen per hectare and per year in all areas.

2) Together with the application referred to in paragraph 1, applicants shall submit a written declaration that they fulfil the conditions laid down in Articles 7, 8 and 9 and that they accept that the application, as well as the fertilisation plan and the fertilisation account

heeft opmaak toegepast: Markeren

referred to in 5.1.2.E may be subject to inspection as referred to in 5.1.2.E of this Decision.

*Article 6*

***Granting of authorisations***

Authorisations to grassland farms to apply a higher amount of grazing livestock manure on grassland farms, including manure excreted by the animals themselves, shall be granted subject to the conditions laid down in Articles 7, 8 and 9.

*Article 7*

***Conditions regarding application of manure and other fertilisers in grassland farms benefiting from a derogation***

1) The amount of manure from grazing livestock applied to the land each year on grassland farms, including manure excreted by the animals themselves, shall not exceed the amounts specified in Article 5.

2) Phosphate from chemical fertilisers shall not be used on the grassland farm.

3) The grassland farm shall make a fertilisation plan by 28 February at the latest. The plan shall include at least the elements listed in Article 7(4) of Implementing Decision (EU) 2020/1073. The fertilisation plan shall be revised no later than 7 days following any changes in agricultural practices at the grassland farm.

4) The grassland farm shall keep a fertilisation account for each calendar year. It shall be submitted to the competent authority by 31 March of the next calendar year. The fertilisation account shall include the following elements:

   (a) the crop acreages;

   (b) the number and type of livestock;

   (c) the manure production per animal;

   (d) the amount of fertilisers imported by the grassland farm;

   (e) the amount of manure delivered to contractors and therefore not used on the grassland farm and the name of those contractors.

5) The grassland farm shall perform nitrogen and phosphorous analysis in soil at least every 4 years for each homogeneous area of the farm, with regard to crop rotation and soil characteristics. One analysis per five hectares of land shall be required as a minimum. On the basis of that analysis, the fertilisation plan of the farm and corrective measures shall be applied.

6) Where grassland is ploughed for grassland renewal, the nitrogen application standard shall be reduced by 50 kg nitrogen per hectare after 31 May of each calendar year. Where grassland is ploughed for the cultivation of maize, the nitrogen application standard for maize shall be reduced by 65 kg nitrogen per hectare.

7) Where crop rotation includes leguminous or other plants fixing atmospheric nitrogen, fertiliser application shall be reduced accordingly.

8) Manure shall not be spread in the autumn before grass cultivation.

*Article 8*

***Conditions regarding land management in grassland farms benefiting from a derogation***

1) In nutrients polluted areas, grass or other crops ensuring soil coverage during the winter shall be cultivated after maize.

2) Catch crops shall not be ploughed before 1 February.

3) In nutrients polluted areas, grass shall only be ploughed in spring, except for:

   (a) for grassland renewal, which may be done until 31 August at the latest;

   (b) for planting flower bulbs, which may be done in autumn.

4) Ploughed grass on all soil types shall be followed immediately by a crop with high nitrogen demand, and fertilisation shall be based on soil analysis concerning mineral nitrogen and other parameters providing references for estimates of nitrogen release from soil organic matter mineralisation.

*Article 9*

***Conditions as regards reduction of ammonia emissions to reduce nutrient depositions also in water***

1) On grassland farms benefiting from an authorisation pursuant to Article 6, the following conditions shall apply:

   (a) slurry shall be applied on grassland on sandy and loess soils with shallow injection;

   (b) slurry shall be applied on grassland on clay and peat soils with shallow injection, with a trailing shoe slurry applicator with a 2:1 dilution of slurry with water or with a pulse track injector;

   (c) slurry shall not be applied with a trailing shoe applicator where the outside temperature is 20 °C or higher;

   (d) slurry shall be applied on arable land with injection or immediately worked in after application in one pass;

   (e) solid manure shall be immediately worked in after application in at most two passes.

2) The Netherlands shall provide training on ammonia emission reduction measures to all grassland farmer benefiting from an authorisation. The first training shall be provided before 31 December 2023.

**Met opmerkingen 5.1.2.e[21]:** RVO/ 5.1.2.E gevraagd

**Met opmerkingen 5.1.2.e22]:** NL: Should there be some restrictions on ploughing? Or at least 'discouraging' ploughing of grassland?

**Met opmerkingen 5.1.2.e23R22]:** The rules mentioned in article 7.6 are already a strong discouragement.

**heeft opmaak toegepast:** Markeren

*Article 10*

***Monitoring***

1) The competent authorities shall ensure that maps are drawn up indicating the percentages of the following:

   (a) grassland farms in each municipality which are covered by authorisations;

   (b) livestock in each municipality which is covered by authorisations;

   (c) agricultural land in each municipality which is covered by authorisations.

   Those maps shall be updated every year.

2) The competent authorities shall establish and maintain a monitoring network for sampling of soil water, streams, shallow groundwater and drainage water at monitoring sites in grassland farms covered by an authorisation. That monitoring network shall provide data on nitrate and phosphorus concentration in water leaving the root zone and entering the groundwater and surface water system.

3) The monitoring network shall comprise at least 300 farms covered by authorisations and shall be representative of each soil type (clay, peat, sandy, and sandy loess soils) and of the level of pollution, the fertilisation practices and the crop rotation. The composition of the monitoring network shall not be modified during the period of applicability of this Decision.

4) The competent authorities shall monitor the following:

   (a) root zone water, surface waters and ground water;

   (b) progress towards water quality objectives regarding nitrates and phosphor~~o~~us concentrations as specified by Directive 91/676/EEC and the Dutch river basin management plan adopted in the context of Directive 2000/60/EC in nutrients polluted areas.

5) They shall provide the Commission with data on nitrates concentrations in surface and groundwater, and on phosphor~~o~~us concentration and trophic status for surface water, both under derogation and non-derogation conditions.

**Met opmerkingen [5.1.2.e24]:** = verbreding naar niet-derogatiebedrijven

**Met opmerkingen [5.1.2.e25]:** Is dit mogelijk. We rapporteren in ons derogatie rapport de waterkwaliteit onder derogatie omstandigheden. Er wordt nu gevraagd om data die ook niet-derogatie omstandigheden te gaan meten. Niet duidelijk vanaf wanneer deze data gemeten dienen te worden.

*Article 11*

***Controls and inspections***

1) The competent authorities shall carry out administrative controls on all applications for authorisation, with the aim of assessing compliance with the conditions in Articles 7, 8 and 9. Where it is demonstrated that the conditions are not fulfilled, the competent authorities shall refuse the application and the applicant will be informed of the reasons for the refusal.

   The competent authorities shall carry out administrative controls for at least 5 % of the grassland farms covered by authorisations with regard to land use, livestock number and manure production.

2) The competent authorities shall establish a programme for field inspections of grassland farms covered by authorisations on a risk analysis basis and with appropriate frequency. The programme shall take into account the results of controls of the previous years, the results of general random controls of legislation transposing Directive 91/676/EEC and any other information that might indicate non-compliance with the conditions set out in Articles 7, 8 and 9 of this Decision.

   Field inspections shall be carried out in at least 5 % of the grassland farms covered by authorisations to assess compliance with the conditions in Articles 7, 8 and 9. Those inspections shall be supplemented by the inspections and controls referred to in Article 4(6).

3) Where it is established in any year that a grassland farm covered by an authorisation did not fulfil the conditions in Articles 7, 8 and 9, the holder of the authorisation shall be penalised in accordance with national rules and shall not be eligible for an authorisation the following year.

4) The competent authorities shall be granted the necessary powers and means to verify compliance with the conditions for an authorisation granted under this Decision.

*Article 12*

***Reporting***

1) The competent authorities shall, every year by 30 June at the latest, submit a report to the Commission containing the following information:

   (a) data related to fertilisation in all grassland farms which are covered by authorisations pursuant to Article 6, including information on yields and soil types;

   (b) trends in livestock numbers for each livestock category in the Netherlands and in grassland farms covered by an authorisation;

   (c) trends in national manure production as far as nitrogen and phosphate in manure are concerned;

   (d) the implementation of the general conditions laid down in Article 4;

   (e) the maps referred to in Article 10(1);

   (f) the results of ground and surface water monitoring as regards nitrates and phosphorus concentrations and eutrophication, including information on water quality trends for groundwater and surface water, both under derogation and non-derogation conditions, as well as the impact of derogations on water quality, as referred to in Article 10(4);

   (g) an evaluation, on the basis of controls carried out at farm level, of how the conditions for the authorisations set out in Articles 7, 8 and 9 are being implemented, and information on non-compliant farms, on the basis of the results of the administrative controls and inspections referred to in Article 11;

   (h) the implementation of the enhanced enforcement strategy referred to in Article 4, with specific reporting on each of the elements referred to in Article 4(6).

2) The spatial data contained in the report referred to in paragraph 1 shall, where applicable, comply with Directive 2007/2/EC. In collecting the necessary data, the Netherlands shall make use, where appropriate, of the information generated under the integrated administration and control system set up in accordance with Article 67(1) of Regulation (EU) No 1306/2013.

*Article 13*

***Period of application***

This Decision shall apply until 31 December 2025.

*Article 14*

***Addressee***

This Decision is addressed to the Kingdom of the Netherlands.

Done at Brussels,

*For the Commission*

*Virginijus SINKEVIČIUS*

*Member of the Commission*

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**Verzonden:** dinsdag 23 augustus 2022 18:52
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.E 5.1.2.E ; 5.1.2.E 5.1.2.E ; 5.1.2.E 5.1.2.e ; 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Draft text Commission decision for the derogation
**Bijlagen:** 220823 NL derogation post ISC -19AUG2022 - for NL - response.docx

Dear 5.1.2.E

Herewith we send you our factual check on the draft decision. We did make a remark on some points and it is of course up to you if you want to take them into further consideration. Should this raise any further questions on your side, ofcourse let us know.

Could you inform us when you will share the draft decision with the Member States prior to the Nitrates Committee scheduled for September 15th, 2022? In our process to Parliament we foresee to inform our Parliament on the content of the draft decision after the draft decision is shared with the Member States. We will share the draft letter with you before sending it to Parliament.

Furthermore, as shared earlier this week, I have started a new position at the Ministry of Public Health. 5.1.2.E has started as head of the nitrates / manure team at the Ministry of Agriculture as of this month. His contacts are: +31 5.1.2.E / 5.1.2.E @minlnv.nl. Further correspondence on the draft decision can take place with him from here. I hope you will have the opportunity to meet each other in person soon.

From my side, I would like to thank you and your team very much for the cooperation over the past years. Notwithstanding our different views at times, I have always appreciated our discussions and the mutual understanding and efforts to find a solution. I look forward to meeting in Brussels soon for a proper goodbye!

Best regards,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Verzonden:** maandag 22 augustus 2022 09:50
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minvws.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E @minbuza.nl; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.E < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.E 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>; 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>
**Onderwerp:** Draft text Commission decision for the derogation

5.1.2.E

I hope you have had a very relaxing summer break.
As per agreement, I am sending you for your information the draft Commission Decision that has been the subject of a comprehensive inter-service and cabinets consultation.
As regards the buffer strips we have included the text that the Commission proposed to the NL on 3 August in the context of the GAEC 4 of the CAP SP. We are well aware that NL made a counter proposal on 16 August and the Commission will be reacting to this counterproposal

today or tomorrow. So we know that this is still subject to negotiations. We will finally include in the Draft Commission decision the outcome of that parallel discussion.

You will see that there a couple of places where we marked that some factual information would be needed from your side to complement the text.
Please also check if there are any inaccuracies in numbers or references.
However, as you can well understand, this text is final and **no other changes than factual inaccuracies will be accepted.**
We would be very grateful if you would provide us with the references and any factual correction **by tomorrow (Tuesday 23 August) cob**. So that we can send the text to the other MS for the vote on 15 September.

Best regards

5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** woensdag 24 augustus 2022 13:58
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E [redacted] ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E );
5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Mailwisselingen m.b.t. derogatie
**Bijlagen:** Mails derogatie.zip

Dag allen,

Zoals besproken met 5.1.2.E en 5.1.2.E ben ik met het oog op mijn aanstaande verlof en nieuwe baan nog even door mijn mail gegaan voor alle correspondentie die buiten DOMUS per mail is gewisseld met de bewindspersonen m.b.t. de derogatie. Dit zijn veelal nagezonden stukken, maar soms zitten daar ook reacties/akkoorden bij van de ministers. Bijgevoegde zip-map bevat deze mails en bijlagen op chronologische volgorde.

Ik heb deze stukken ook in een DOMUS-bhm (22427375) gezet. Deze map is in principe afgeschermd maar ik heb de rechten gegeven aan 5.1.2.E (nieuwe collega per 1 september), 5.1.2.E
5.1.2.E en 5.1.2.E

Groet,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 28 januari 2022 17:53
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e ; 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Nazending tas - stukken tbv overleg addendum 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn (maandag 11.15-12.00u)
**Bijlagen:** Presentatie Europese Commissie.pptx; Infonota gesprek over addendum 7e APN.docx

Dag Henk,

Maandag is er van 11.15-12.00 een overleg gepland samen met MNenS om te spreken over het addendum bij het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Hierover is op 3 februari een ambtelijk overleg met de Europese Commissie.

Bijgaand vind je een adviesnota en een presentatie die, indien jij en MNenS, akkoord zijn vooraf zal worden gedeeld met de Europese Commissie.

Groet,
5.1.2.E

Ministry of Agriculture,
Nature and Food Quality

# Coalition Agreement in relation to agriculture

# Addendum 7th Action Program Nitrates Directive

February 3rd, 2022

# Agenda

- National Program for the Rural Area
- Addendum on 7th Action Program Nitrates Directive and derogation
- Contribution Dutch CAP Strategic Plan

# National Program for Rural Area

- The Government seeks to unconditionally meet its international and European obligations with regard to nature, biodiversity, climate, soil and water by the means of an integrated, area-focused approach.
- In 2020, the structural approach to nitrogen was introduced which includes legally binding reduction targets and the implementation of the Program SN with various nitrogen reduction and nature improvement measures.
- Additional to this structural approach, this government will implement an ambitious area-specific policy program (National Program for Rural Areas). Through this program we are developing integrated strategies and measures aimed at nature restoration, climate and water that address the specific needs and challenges of each area.
- The legally binding target of bringing 74% of all areas under the critical deposition load will be brought forward from 2035 to 2030, the approach will have to result in 5Mton additional reduction in greenhouse gas emissions and the targets of the Water Quality Directive will have to be met.
- The approach of the Program rests on three pillars: integral, area-oriented, inevitability.
- This ambitious program aimed at the transformation of our rural areas is supported by a fund of 25 billion euros.
- Independent research institutes will advise on whether the ambitious program meets policy objectives.
- A separate fund worth 35 billion euros is attributed to climate. Nitrogen reduction within industry and mobility takes place through measures taken for climate goals. Climate policies are developed in close cooperation with nitrogen policies to ensure maximum synergy effects.

# Objectives

## Nature

- Compliance with Birds- and Habitats directives
- The creation of extra nature area

## Nitrogen

- The Nitrogen Reduction and Nature Improvement Act (2020): A legal result obligation to bring 40% in 2025, 50% in 2030, and 74% in 2035 of all nitrogen sensitive areas under the critical deposition load by 2035. Intermediate goals for the years in between in combination with a system of monitoring and evaluation ensures that the government can interfere when targets are not met.
- The national reduction targets are translated into specific regional targets, in line with the NDA's. These are laid down in legally binding area plans.
- This government will bring forward the legally binding target year of bringing 74% of all nitrogen sensitive areas under CDL from 2035 to 2030. The acceleration of the targets requires a change in this law. The process for the required adjustment of the law will start in spring 2022.

## Water

- By 2027, the Netherlands will have implemented all measures needed to adhere to the WFD.
- Objective for surface water: to prevent deterioration and to achieve a good chemical and ecological status. The goals are already defined.
- Objective for groundwater: to achieve a good chemical status and to ensure a balance between abstraction and replenishment. The goals are already defined.
- Nitrate Directive: reducing nitrates from agricultural sources— reducing water pollution from agricultural sources and preventing further such pollution.

## Climate

- Current targets and policy is laid down in national Climate agreement: 49% emission reduction compared to 1990 in 2030
- Climate agreement will be adjusted as stated in coalition accord, with stricter targets: 60% emission reduction by 2030.
- For the agricultural sector this translates to a reduction of 5 mton $CO_2$ equivalents by 2030.

# Measures

- The Government is asking the agricultural sector to downsize and to accelerate the transition towards sustainable agriculture through extensification, conversion, innovation, legalization and relocation.
- Buying out by governments and termination of farms is an explicit part of this approach.
- We create an intermediate form of natural and agricultural land: landscape land. With this and additional expansion of natural areas (outside Natura-2000 areas) we are increasing the habitat of vulnerable species and achieving the goals of the Bird and Habitat guideline closer
- With long-term agreements and an appropriate compensation, we increase (agricultural) nature and landscape management.
- Total budget for the integrated approach is 25 billion for 2022-2035. This is additional to funds of structural nitrogen approach of 6 billion.
- Nitrogen reduction within industry and mobility takes place through measures taken for climate goals. A separate fund worth 35 billion euros is attributed to climate.

# Budget for integrated approach*

| | Funds in mln € 2022-2030 | Funds in mln € 2030-2035 |
|---|---|---|
| **Track 1: Buying out of farms; devaluation of land and additional funding WFD** | **13.800** | **3.681** |
| o.w. Purchase indicative mix of dairy cattle, poultry and pigs | 6,100 | 1,315 |
| o.w. Financial write-down of land (dairy cattle) | 5,700 | 1,125 |
| o.w. Expansion of natural area | 1,330 | 1,000 |
| o.w. Additional funds for the Water Framework Directive (WFD) | 670 | 141 |
| **Track 2: Perspective agriculture, continue with the route taken to sustainability** | **4,350** | **943** |
| o.w. Nature-inclusive agriculture | 2,120 | 470 |
| o.w. Innovative barn systems and management measures | 1,000 | 212 |
| o.w. Policy on strengthening entrepreneurship and innovation | 1,230 | 261 |
| **Track: Implementation costs** | **1,750** | **376** |
| **Totals** | **20,000** | **5,000** |

* This budget is supplementary to the 6 billion euro budget for the structural approach

# Area-oriented

- Ecological analysis (NDA's) determine what is needed to meet the area-specific goals with regard to nature conservation and restoration.
- It is our intention to appoint an ecological authority which will be made responsible for a scientific review of these analysis.
- Regional specific targets and regional measures are set using the ecological analysis. These targets and measures are laid down in the area plans of every province by 2023, with the intention to make these legally binding.
- Following from the area-specific soil and water system, the conditions and perspectives for future agricultural practices will be made clear per region.
- Planning:
  - Feb/ March 2022: Insight into the possible spatial distribution of nitrogen reduction per province
  - March 2022: Outcomes Quick scan ecological analysis.
  - End 2022: Publication of NDAs for the nitrogen-sensitive N2000 area's for which deterioration can not be ruled out.
  - Mid 2023: Publication of all NDA's and determining definitive area plans (as obligated by law)

# Inevitability

- The Dutch government is fully committed to unconditionally meet its international and European obligations with regard to nature, biodiversity, climate, soil and water by the means of an integrated, area-focused approach.
- Inevitability means that clear frameworks are set to achieve the goals, ensuring that the results will be unequivocally achieved. It must be ensured that the effect occurs, in what time frame and at what location. The system is set up in such a way that the objectives, including the required nitrogen reduction, are guaranteed to be achieved through the correct use of instruments and measures.
- Legal obligation: By law, the Dutch government has a result obligation to the statutory targets for nitrogen reduction for 2025, 2030 and 2035. This also includes the obligation to set intermediate targets for the years in between. The target for 2035 will be brought forward tot 2030
- Furthermore, to guarantee inevitability, the quality of the underlying instrumentation and the means (including resources) to ensure its execution are of upmost important to the Dutch government. For both the structural as well as the integrated approach, the functioning of instrumentation and execution will be monitored.
- An important part to ensure inevitability is the system of monitoring and reporting of the structural approach in order to track the achieving of goals and input for adjustment. Reporting happens:
  - Annually for environmental values 2025, 2030, 2035 and interim targets. (1st report in 2022).
  - Every two years regarding progress and consequences of the measures for nitrogen and nature (1st report 2023).
  - Every six years: evolution of the conservation status of nitrogen-sensitive habitats in Natura 2000 areas (1st report in 2026).
- Inevitability also includes a clear escalation mechanism, which does not categorically exclude the use of more compelling instruments. The Environment and Planning Act provides the necessary tools to guarantee inevitability, also in the case of no-compliance, and will be used accordingly.
- The Program SN, regional-specific goals for every area and determine which measures are needed. Both will be laid down in legally binding result obligations per area. An ecological authority will be responsible for assuring the scientific and legal basis of these analyses.
- As long as the regional or local environmental value has not been achieved, a program obligation applies in any case under the Environment and Planning Act.
  - Measures have to be taken in order to achieve these values in time.
  - Central government can lay down further rules regarding that program. Administrative bodies have an obligation to achieve goals and implement measures they have agreed to.

# Provincial and municipal instruments for inevitability:

- General management instruments include money, administrative agreements, and policy rules for the interpretation of existing powers, for example with regard to permits and the power to register.
- Local governments have special powers such as land development and pre-emptive rights.
- Provinces, municipalities and water boards each have control options via the general instruments of the Environment and Planning Act, including the 'environmental vision', programs linked to regional or local environmental values and decentralized regulations (standardization, job assignment). Rules can be differentiated by zone/area.
- Provinces can also set requirements for environmental plans for municipalities via instruction rules.
- All instruments and powers that are currently included in the Nature Conservation Act will soon be part of the rules of the Environment and Planning Act.

# State instruments for inevitability:

- National environmental values or other goals (law)
- Elaboration of government policy in program (National Program for Rural Areas and Program for nitrogen reduction and nature improvement)
- The National environmental vision: main lines of government policy and government objectives with a rough geographical interpretation
- Rules can be differentiated by zone/area based on objective differences
- Central government can lay down rules on data to be reported by local authorities on the state of nature, progress of measures and target achievement (law).
- For certain activities, the central government can and will take control regarding the granting of permits for projects of national importance.
- Government regulations on the scope of a permit obligation (law)
- Government regulations on activities (e.g. emission limits, stable requirements)
- Instruction rules for the exercise of tasks and powers (e.g. licensing or withdrawal/limitation of licenses) various authorities.
- Instruction rules (order in council) for decentralized regulations (in line with statutory tasks):
  - to include (certain) regional or local environmental values;
  - to set certain general rules, if necessary. linked to zoning; these may also impose restrictions on permitted functions.

# Appendix: Research on Integrated Approach

- Summer ’21: Independent research institutes PBL, RIVM and WUR deliver reports which clarify a number of aspects of a follow-up approach to nitrogen.
- These reports with quantitative and qualitative analysis shed light on the various options and choices to be made within an integrated approach. The reports provide:
  - an analysis of the necessary additional steps to realize the conditions as laid out in the BHD, such as the expansion of nature area and the improvement of water quality and quantity.
  - an indicative picture of the effects of various packages of measures and a picture of the socio-economic consequences and the future prospects for the especially the agricultural sector
  - insights into the efficiency of the spatial and area-oriented targeting of instruments on bringing the various Natura-2000 areas under the critical deposition load
  - propositions on how to ensure consistency and integrality between the approach on nature, nitrogen, climate and water.
  - insight into the origin of nitrogen deposition from various sectors, including agriculture, industry and mobility.
- These reports were used to further refine the integrated approach and the package of measures which was later presented in the coalition agreement.

# Addendum of the 7th Action Program

- Water quality is an integral part of the National Program for the Rural Area and budget will be available, as well as binding goals per area, to tackle the issues related to the Nitrates Directive and the Water Framework Directive in order to fulfil the objectives of both Directives. For water quality the goals are already defined per area (WFD and ND). It will be examined per area which measures are needed to achieve the objectives. And this will be laid down in binding result obligations per area.

- In the addendum the measures of the NPLG which will improve water quality are described:

a. Extensivation of Dutch agriculture
    a. Extensivation of farms & transition to more sustainable farm types -> reduction of manure pressure
    b. Buy out of farms and downgrading prices of arable parcels
    c. Transition to solely land based dairy farms
b. Wide stream valleys
c. Other additional area specific surface (and groundwater) water measures

# Addendum – Buy out and cessation of farms (1)

An explicit part of the approach is the buying out and cessation of farms by governments. This approach will be aimed at dairy and other animal farms ánd also at arable farms.

- This will strongly reduce the pressure on the manure market and thereby reduce risk of fraud;
- There will be a legal prohibition in place to cultivate nitrate leaching-sensitive crops on nitrate-sensitive land that becomes available through buy-out/cessation;
- Also it will be legally embedded that grassland of dairy farms cannot be converted to arable land with more sensitive leaching crops at nitrate sensitive soils.

# Addendum – Buy-out and cassation of farms (2)

- Buy-out and termination will also result in taking out and annuling production rights out of the market. This means a direct and permanent reduction of livestock and thus of manure production.
- This will take place in line with the natural attrition and farmers ending their businesses. The pace of downward adjustment follows the pace of the expected effects of the area process.
- In order to ensure the reduction of phosphate and nitrogen production by livestock is definitive and permanent, the manure production ceilings, which are laid down in the Act on Manure, will be adjusted downwards to confirm the decrease in the volume of the livestock.

# Addendum – Land based dairy farming

- The dairy sector will become fully land based within 10 years.

- This will be legally embedded by changing the Act on Manure. Therefore we will start a legislative process this year.

# Addendum – Additional measures sandy soils

Remaining task: with the 7e AP the goals for groundwater will be reached on sandy soils. For surface water additional steps are needed. These will be addressed in the integrated area specific approach.

Specifically, in addition to the before mentioned measures :

- Budget of EUR 811 million is allocated for the Water Framework Directive related to the contribution of agriculture. Among others this will be aimed at implementing buffer strips in the stream valleys (100-250 meters) in the sandy areas of the Central Netherlands (Gelderse Vallei), the East Netherlands and the South Netherlands.
- The released soils will taken out of regular production and will be converted to nature or extensively managed grassland with a mining regime.

# Addendum – Additional measures loess soils

Task: with the 7e AP the goals for groundwater on loessial soils  will not yet be reached. Also for surface water additional steps are needed. Roreign loads in streams are an important factor in not reaching surface water quality goals in this area.

Specifically, in addition to the before mentioned measures:

- The area-specific approach will specifically focused on specific and tailored measures for this area. For instance sediment collecting basins, reduction of leaching sensitive crops, measures to reduce surface runoff.
- Additionally a stream valley approach will be initiated in alignment with the High water action plan in this region.

# Addendum – Additional measures clay and peat soil

Task: with the 7e AP the goals for groundwater on clay and peat soils will be met. For surface water locally additional steps are needed.

Specifically, in addition to the before mentioned measures:

- In the low lying peat areas the waterlevel will be raised, reducing intensity of farming and reducing nitrogen load to the surface water.
- Depending on the area, specific measures are required for surface water quality and these will be included in the integrated area-oriented approach. For instance increasing phosphate mining, purifying drainage water or ditch water, measures to reduce surface runoff.

# Contribution Derogation

Derogation positive for:

- Water quality, mainly due to the high percentage of grass
- Closing the nutrient cycle and reducing use of articifical fertilizers (and therefore positive for reducing climate pressure)
- Support base for implementing rules of NPLG and 7th action program

# Contribution Dutch CAP Strategic Plan

Highly ambitious with a strong focus on the greenblue architecture

- √ Transfering up to 30% from ELGF (mainly income support) to ELFPO (dark greenblue meausures)
- √ 7th AP measures fully conditional
  - √ controlled by area monitoring (within IACS with full coverage of areas)
- √ Ecoschemes & agri environmental schemes beyond the 7th AP
  - √ stimulating farmers in the transition towards a more sustainable agriculture
  - √ adressing local and regional needs & preparing future stricter meausures of the AP's
- √ Improving Agricultural Knowledge and Innovation Systems
- √ Stimulating greenblue farm investments
- √ Allocating substantial recources for coorporation
  - √ for improving waterquality
  - √ for Natura2000 and peatlands

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
28 januari 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22034463

**BHM: 22035255**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Onderhandelingsinzet voor gesprek EC/DG ENVI op addendum 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en gebiedsgerichte aanpak

**Parafenroute**

**DGA**
5.1.2.e

**PAV.** 5.1.2.e .
5.1.2.E

**BPZ**
5.1.2.E

## Aanleiding

Op 3 februari 2022 vindt ambtelijk overleg met de Europese Commissie (EC), Directoraat-Generaal Milieu (DG Milieu) plaats over het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn waarmee tijdig moet worden voldaan aan de doelen van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water. Dit addendum zal de basis moeten zijn voor derogatieverlening van de Nitraatrichtlijn. Aan de minister voor Natuur en Stikstof is deze nota eveneens voorgelegd. Op maandag 31 januari om 11.30 is hierover een gesprek met de minister voor Natuur en Stikstof en u gepland. De inzet zoals weergegeven in deze nota is afgestemd tussen PAV, NVLG, DGS en WJZ. Tevens is het ministerie van IenW hierop aangesloten.

## Advies

U wordt geadviseerd:

- in te stemmen met het voorgestelde onderhandelingsmandaat;
- in te stemmen om voorafgaand aan het overleg de bijgevoegde powerpoint presentatie met de EC te delen.

## Kernpunten

- In de brief aan de Tweede Kamer van vorige week heeft u de hoofdlijnen van de inzet voor het addendum op het 7e AP geschetst. In bijgevoegde presentatie zijn deze hoofdlijnen verder uitgewerkt in concrete maatregelen. Zoals eerder met u besproken, gaan deze maatregelen verder dan de in het Coalitieakkoord gepresenteerde aanpak, die vooral gebaseerd is op vrijwilligheid.
- Voor de EC is zekerheid nodig dat met de integrale gebiedsgerichte aanpak de waterkwaliteitsdoelen tijdig zullen worden gehaald. Hiervoor is juridische borging van de aanpak nodig.
- Gelet op het krappe tijdpad waarin we ons bevinden, is het wenselijk dat we in het gesprek op 3 februari zoveel mogelijk tot overeenstemming komen met de EC. In de toelichting is per maatregel in het addendum beschreven wat onze inzet is in het gesprek, wat onze inschatting is ten aanzien van de opstelling

Ontvangen BPZ

van de EC en welke terugvaloptie wij zien om er zonodig met de EC uit te komen.

- De verwachting is dat de EC op tenminste twee onderwerpen vergaande (juridische) borging zal verlangen, namelijk (1) de borging van de onontkoombare resultaatverplichtingen in de gebieden en het vertrouwen in het proces hiertoe te komen en (2) verlaging van de mestproductieplafonds. We verwachten dat de EC hierop een stok achter de deur / sanctionering wenst indien de resultaten niet gehaald worden. Ten aanzien van de onontkoombare resultaatsverplichtingen zal het proces dat hierop ingezet gaat worden het noodzakelijke vertrouwen moeten geven. Kortheidshalve verwijzen we naar de toelichting voor de terugvalopties op deze punten.
- Ten aanzien van de derogatie blijft de inzet gericht op het verkrijgen van dezelfde derogatie als die Nederland in voorgaande jaren toegekend heeft gekregen. Mocht in het gesprek geen overeenstemming bereikt worden waardoor het verkrijgen van derogatie verder uit beeld raakt, dan is de terugvaloptie het bepleiten van een afbouwpad.

**Toelichting: Voorgestelde onderhandelingsmandaat**

- Inzet: In april 2020 heeft het kabinet de Structurele Aanpak Stikstof gepresenteerd. Deze aanpak wordt uitgebreid naar een integrale, gebiedsgerichte aanpak. Ook is afgesproken de doelstelling te versnellen (74% stikstofreductie in 2030 ipv 2035). Ook zal de aanpak er onontkoombaar toe moeten leiden dat er additioneel 5Mton broeikasgasemissies worden gereduceerd en de KRW-doelstellingen worden gehaald. In overleg met de provincies worden op gebiedsniveau doelen en de integrale systematiek vastgelegd in het NPLG. Daarnaast worden door middel van het transitiefonds landelijk gebied ruim middelen beschikbaar gesteld (25 miljard euro) om deze doelen te halen. Deze middelen worden ingezet om de gebiedsplannen die medio 2023 opgeleverd dienen te worden daadwerkelijk te realiseren. Deze zijn mede gebaseerd op de natuurdoelanalyses waarin de noodzakelijke maatregelen per gebied nader worden geduid. De aanpak van het kabinet staat voor dat de doelen onomstotelijk worden gehaald. Monitoring en bijsturing hebben daarom een centrale plaats in de aanpak. Via de Omgevingswet vindt bijsturing plaats als deze aanpak niet tijdig leidt tot onontkoombare resultaten. Er wordt gewerkt aan een bijsturingsmechanisme waarmee, aan de voorkant van de aanpak al duidelijke afspraken worden gemaakt wanneer en hoe ingegrepen zal worden mocht dat nodig zijn ten behoeve van het halen van de doelstellingen.
  De voorgestelde inzet is om ruimte te houden in de wijze waarop de doelen zullen worden ingevuld.
- Verwachte opstelling EC: De inschatting is dat de EC (1) een strak tijdpad wil zien voor de gebiedsaanpak en op zo kort mogelijke termijn de resultaatverplichtingen vastgelegd wil zien; (2) de doelstelling per gebied en integrale systematiek worden vastgelegd in het NPLG; (3) inzicht wil in wat er gebeurt als de resultaatverplichting niet wordt nagekomen, waarbij de EC een harde stok achter de deur / sanctie zal verlangen; (4) bevestiging wil dat opkoop van bedrijven niet alleen op vrijwillige basis gebeurt maar ook verplichtend zal worden ingezet waar en wanneer dit nodig blijkt (onteigening).

- Terugvaloptie: We willen niet op alle punten zover gaan als de EC mogelijk verlangt, omdat daarmee de gebiedsgerichte aanpak daarmee op voorhand teveel beperkt / dichtgetimmerd wordt. Indien nodig adviseren we de EC tegemoet te komen met de volgende punten: (1) inzicht geven in het beoogde tijdpad voor de gebiedsplannen; (2) de doelstelling per gebied wordt vastgelegd per amvb; (3) wanneer de gebiedsplannen niet behaald worden biedt het instrumentarium uit de Omgevingswet voldoende handvatten om bij te sturen; (4) onteigening is mogelijk als sluitstuk wanneer maatregelen op basis van vrijwilligheid onvoldoende resultaten opleveren.

*Bijstellen mestproductieplafonds*

- Inzet: Bij de op- en uitkoop van veehouderijbedrijven worden productierechten ingenomen en doorgehaald (is al een vereiste vanuit staatssteunregels). Hiermee neemt de veestapel af en daarmee zal ook de productie van (fosfaat en stikstof uit) dierlijke mest afnemen. Om te borgen dat deze productie nimmer weer kan toenemen, worden de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet naar beneden bijgesteld.[1] Onze inzet is dat de mestproductieplafonds worden verlaagd, volgend op de resultaten van de opkoopregelingen. M.a.w. eerst worden productierechten ingenomen en doorgehaald middels opkoop van bedrijven, daarna worden de plafonds verlaagd, waarmee het resultaat van het innemen en doorhalen van productierechten in de wet wordt geborgd.[2] Op basis van de resultaten van de opkoop tot dan toe zullen de mestproductieplafonds in 2025, 2027 en 2030 worden bijgesteld.
- Verwachte opstelling EC: Inschatting is dat de EC zal inzetten op een eerdere afname van de mestproductieplafonds die op voorhand in de wet wordt vastgelegd. Bijvoorbeeld door in de wet vast te leggen dat de productieplafonds elk jaar met een bepaald percentage omlaag gaan, resulterend in 33% verlaging van de plafonds in 2030 t.o.v. nu.
- Terugvaloptie: Om de gebiedsprocessen tijd te geven tot ontwikkeling te komen, en op- en uitkoop daarop volgend is, is het wenselijk daar in de bijstelling rekening mee te houden indien mogelijk (met het oog op de vereiste resultaten). De verwachting is dat het vanaf 2024 jaarlijks met eenzelfde percentage af te laten nemen mestplafonds, forse negatieve consequenties zal hebben voor het draagvlak (dit zal gezien worden als een gedwongen krimp van de veestapel, terwijl steeds is gezegd dat krimp van de veestapel geen doel op zich is) en omdat op voorhand geen inschatting te geven is van de verdeling over de drie sectoren: melkveehouderij, varkenshouderij en pluimveehouderij.

---

[1] De Meststoffenwet voorziet in een systematiek om bij overschrijving van een mestproductieplafond in laatste instantie een generieke korting op fosfaat, varkens- of pluimveerechten op te leggen.

[2] In de studie van het PBL (Quickscan van twee beleidspakketten voor het vervolg van de structurele aanpak stikstof (pbl.nl)) van augustus 2021 is aangegeven dat € 8 mrd. voor opkoop leidt tot een afname van de veestapel van 30%. In het coalitieakkoord is € 7 mrd. opgenomen voor opkoop. Natuurlijk verloop zal niet leiden tot realisatie in de periode tot 2030. Daarnaast is de opgave voor klimaat vergroot met 5 megaton en dat behelst 33% van de melkveestapel.

*Op- en uitkoop ook gericht akkerbouw*

- Inzet: Op- en uitkoop van landbouwbedrijven en afwaardering van gronden betreft niet alleen de veehouderij maar ook de akkerbouw en tuinbouw, daar waar dat nodig is om de waterkwaliteitsdoelen te halen.[3] Op vrijvallende gronden (van zowel veebedrijven als akkerbouwbedrijven) mogen geen nitraat-uitspoelingsgevoelige teelten op uitspoelingsgevoelige gronden plaatsvinden. De voorgestelde inzet is aan te geven dat het beperken van de mogelijkheden voor het gebruik van vrijvallende gronden wettelijk zal worden geborgd. Dit zal aan de voorkant worden geregeld.
- Verwachte opstelling EC: We schatten in dat de EC in hoofdzaak positief reageert op dit punt. Mogelijk zullen ze aangeven dat het verbod op teelt van uitspoelingsgevoelige gewassen op uitspoelingsgevoelige gronden niet beperkt zou moeten worden tot vrijvallende gronden na opkoop van bedrijven maar van toepassing zou moeten zijn in het hele gebied.
- Terugvaloptie: Wij adviseren niet mee te gaan in een breder verbod op uitspoelingsgevoelige gewassen op uitspoelingsgevoelige gronden. Dit zou namelijk vooral effect hebben op de grondwaterkwaliteit, maar cf. het 7e AP worden reeds maatregelen getroffen, zoals verplichte rotatie met rustgewassen, en dit is volgens de milieueffectrapportage voldoende effectief voor het behalen van de grondwaterkwaliteitsdoelen.

*Volledige grondgebondenheid melk- en rundveehouderij*

- Inzet: Aankondigen van een wetstraject waarin wordt vastgelegd dat de melk- en rundveehouderij (zoog- en weidekoeien) binnen 10 jaar volledig grondgebonden moet zijn. In de verdere uitwerking is de omvang van het areaal (deels permanente) grasland relevant, die zal resulteren in extensivering van de bedrijven en bijbehorende afname van de te plaatsen mest en daarmee een positief effect op de waterkwaliteit in de betreffende gebieden zal hebben.
- Verwachte opstelling EC: Inschatting is dat de EC positief is over dit wetstraject. Mogelijk vindt de EC 10 jaar te lang en willen ze het sneller gerealiseerd zien. Daarnaast zal de EC duidelijkheid willen over wanneer deze wet ingevoerd zal worden.
- Terugvaloptie: We kunnen aangeven dat het wetgevingstraject zo snel mogelijk wordt opgepakt, gericht op inwerkingtreding per 1 januari 2024. Eerdere inwerkingtreding is niet realistisch gelet op de noodzakelijke uitwerking en onderbouwing van het wetsvoorstel alsmede de wettelijke procedures. We adviseren vast te houden aan een tijdpad van 10 jaar om te komen tot een volledig grondgebonden melk- en rundveehouderij.

---

[3] Dit betreft de middelen in het Coalitieakkoord ad. ca. € 800 mln. voor het behalen van de KRW-doelen. Wij zijn met IenW (eerstverantwoordelijk voor de KRW) in gesprek over de inzet van deze middelen. Dit zal grotendeels betrekking hebben op het omzetten van landbouwgrond in natuur of zeer extensief grasland in beekdalen langs KRW-gevoelige waterlichamen.
NB. Bij de akkerbouw- en tuinbouw leeft het gevoel dat zij alles moeten opofferen voor derogatie van de melkveesector. Dit is niet zo; deze maatregelen zijn benodigd om te voldoen aan de eisen van de KRW en de Nitraatrichtlijn, ook zonder derogatie.

*Additionele maatregelen ten behoeve van waterkwaliteit*
Voor de verschillende grondsoorten worden in de integrale gebiedsgerichte aanpak wordt bij de uitwerking in de gebiedsprocessen duidelijk welke maatregelen aanvullend nodig zijn.

- *Zandgronden*

Specifiek voor waterkwaliteit zullen in aanvulling op het 7e AP, 100-250 meter brede bufferstroken in beekdalen in de zandgebieden van Centraal Nederland, Oost Nederland en Zuid Nederland (behalve löss) worden ingericht binnen het hiervoor beschikbaar gestelde budget. De vrijvallende grond wordt omgezet naar natuur of extensief beheerd grasland met een uitmijnregime. Als onderdeel van deze integrale, gebiedsgerichte aanpak zal worden bepaald welke breedte in de range 100-250 meter noodzakelijk is voor doelbereik van de KRW per gebied. Als borging van het veranderende grondgebruik in beekdalen wordt de mogelijkheid bezien om per 2027 een bestemmingsplanwijziging in te doen gaan waarmee de verplichting tot natuurgrond of natuur inclusief grasland met extensieve begrazing wordt vastgelegd. Uitgangspunt is dat de bijbehorende afwaardering van de grond voor de landbouw wordt gecompenseerd.

- *Klei- en veengronden*

Ook in de kleigebieden en veengebieden is de oppervlaktewaterkwaliteit nog niet overal zoals benodigd vanuit de KRW. Afhankelijk van het gebied zijn specifieke maatregelen nodig voor de oppervlaktewaterkwaliteit. Dit is per gebied verschillend. Hierbij moet gedacht worden aan maatregelen zoals afvang van fosfaat, uitmijnen van fosfaat, teeltverboden, multifunctionele bufferstroken, zuiveren van drainagewater (ijzerzand of houtsnippers) en zuiveren van oppervlaktewater (zuiveringsmoerassen). Deze maatregelen zijn aanvullend op de maatregelen opgenomen in het Coalitieakkoord, en zullen worden meegenomen in de integrale gebiedsgerichte aanpak. In de financiering van deze maatregelen moet nog worden voorzien.

- *Lössgronden*

Uit de MER van het 7$^{e}$ AP komt naar voren dat in het lössgebied de doelen voor de grondwaterkwaliteit (nitraat) nog niet gehaald worden. Ook de doelen voor de oppervlaktewaterkwaliteit zijn nog niet in zicht. Dit laatste wordt hier voor een groot deel ook veroorzaakt door buitenlandse belasting van beken. Door samenwerking met Duitsland en Vlaanderen wordt gewerkt aan vermindering van de buitenlandse belasting. De hiervoor benoemde geïntegreerde, gebiedsgerichte aanpak gaat ook in het lössgebied bijdragen aan een verbetering. De aanpak voor de brede beekdalen zal in het lössgebied op andere wijze worden vormgegeven in samenhang met de Hoogwater-aanpak. In een gebiedsgerichte aanpak zal specifiek voor het lössgebied gekeken moeten worden welke maatregelen benodigd zijn om ook hier de doelen te gaan halen aanvullend op de hierboven beschreven extensivering van de landbouwsector.

*Afbouwscenario derogatie*

- Indien zou blijken dat de EC de aanvullende maatregelen op het 7$^{e}$ actieprogramma Nitraatrichtlijn (7$^{e}$ AP) onvoldoende vindt en derogatieverlening onhaalbaar is geworden, is het wenselijk een afbouwscenario voor derogatie in te brengen zodat de negatieve gevolgen van

het wegvallen van derogatie (ook voor de waterkwaliteit) gemitigeerd kunnen worden.

- Dit kan op verschillende manieren plaatsvinden, waarbij de hieronder aangeven optie A de meest wenselijke optie is omdat zo graduele afbouw plaatsvindt. Het laatste jaar, 2025, waarin gebruik van derogatie gemaakt kan worden is het laatste jaar van de looptijd van het 7e AP.

Optie A: Geleidelijke afbouw over een periode van 4 jaar

| | 230 kg N/ha[4] | 250 kg N/ha[5] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 215 | 230 |
| 2024 | 200 | 210 |
| 2025 | 185 | 190 |
| 2026 | 170 | 170 |

Optie B: Tijdelijke derogatie van 2 jaar met een afbouw in gebruiksnorm

| | 230 kg N/ha | 250 kg N/ha |
|---|---|---|
| 2022 | 210 | 230 |
| 2023 | 190 | 210 |
| 2024 | 170 | 170 |

Optie C: Tijdelijke derogatie van 2 jaar (2022 en 2023) met een lagere gebruiksnorm van 210 kg N/ha ipv 230/250 N/ha

| | 230 kg N/ha | 250 kg N/ha |
|---|---|---|
| 2022 | 210 | 210 |
| 2023 | 210 | 210 |
| 2024 | 170 | 170 |

[4] Voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg.
[5] Voor landbouwgrond in de rest van Nederland.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 31 januari 2022 11:54
**Aan:** 5.1.2.E [redacted] (5.1.2.E )
**CC:** MinisterNenS
**Onderwerp:** Slides
**Bijlagen:** DOMUS-22035916-v1-DOMUS-22035421-v1-DOMUS-22035232-v1-PWP_ENVI_def.pptx

Dag 5.1.2.E

Hierbij de sheets. Deze zijn per abuis niet in IBAS terrecht gekomen.

Groet,
5.1.2.E

64.c

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 31 januari 2022 15:36
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**CC:** MinisterNenS; 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Aangepaste presentatie mestbeleid tbv EC
**Bijlagen:** 220131 PWP ENVI_geel gearceerd.pptx

Dag 5.1.2.E

Bijgaand vind je de presentatie over het coalitieakkoord en het addendum bij het 7e Actieprogramma waarin een aantal aanpassingen zijn doorgevoerd. Deze aanpassingen zijn geel gearceerd op slides 2, 3 en 12. Het streven is de presentatie vandaag nog aan de Europese Commissie te verzenden, dus indien je opmerkingen hebt horen we die graag vanmiddag nog.

Groet,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E [redacted] ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 31 januari 2022 15:36
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** MinisterLNV
**Onderwerp:** Antw: Slides

Dag 5.1.2.E

Dank je voor het doorsturen!

Heb nog een paar suggesties / vragen:
-> wat is nou precies de definitie van grondgebondenheid, is die definitie voor iedereen hetzelfde?
-> is het wel handig dit al te noemen in de EC donderdag, terwijl deze definitie niet voor iedereen helder is, of hetzelfde is?
-> zoals ik vanmorgen ook inbracht vraag ik mij af of hier een politieke meerderheid voor is. Het zou kunnen dat dit gevoelig ligt, ook kijkende naar het CA.
-> tot slot, voor alle zekerheid: ik ga er vanuit dat dit is afgestemd met de sector? Met name de haalbaarheid van deze transitie irt de genoemde 10 jaar.

Het is natuurlijk aan Henk, maar dit zouden mijn (zorg)punten zijn!

Hartelijke groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Datum:** 31 januari 2022 om 11:54:30 CET
**Aan:** 5.1.2.E [redacted] ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** MinisterNenS < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Slides

Dag 5.1.2.E

Hierbij de sheets. Deze zijn per abuis niet in IBAS terrecht gekomen.

Groet,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 31 januari 2022 16:03
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E)
**Onderwerp:** RE: Antw: Slides

Dag 5.1.2.E

Onze mails kruisten elkaar net, maar ik had je net ook nog een (iets aangepaste) versie gestuurd van de presentatie.

Met dank aan de collega's van PAV, hieronder een korte toelichting op de vragen die je had:

- De definitie van grondgebondenheid staat nog niet vast. Dit wordt nog nader uitgewerkt de komende periode in het wetstraject en daarmee heeft de Kamer de komende periode nog de mogelijkheid hierop te sturen. Er zal één definitie gelden voor iedereen.
- De inzet op de grondgebonden melk- en vleeshouderij is niet nieuw en al meermaals aan zowel Kamer en Europese Commissie gecommuniceerd. De termijn is nieuw, maar eerder is een dergelijke inschatting wel als stip aan de horizon gedeeld met de Europese Commissie. De inschatting is dat de Commissie nu van ons zal eisen hier concreter in te zijn daarom is het in de presentatie van donderdag opgenomen.
- In eerdere communicatie met de Kamer is aangegeven dat we streven naar een grondgebonden melkveehouderij, en dit staat ook zo in het coalitieakkoord. Inschatting is dat voor vleesveehouderij de consequenties minimaal zijn.
- De inzet op de grondgebondenheid is gedeeld met de sector. In het kader van het 7e Actieprogramma is hier ook veelvuldig over gesproken en zijn er procesafspraken gemaakt over de verdere uitwerking hiervan. In eerdere gesprekken is 2030 als stip aan de horizon genoemd. De ervaring leert echter dat de sector zich publiekelijk niet snel committeert aan dergelijke afspraken.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** maandag 31 januari 2022 15:36
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Antw: Slides

Dag 5.1.2.E

Dank je voor het doorsturen!

Heb nog een paar suggesties / vragen:
-> wat is nou precies de definitie van grondgebondenheid, is die definitie voor iedereen hetzelfde?
-> is het wel handig dit al te noemen in de EC donderdag, terwijl deze definitie niet voor iedereen helder is, of hetzelfde is?
-> zoals ik vanmorgen ook inbracht vraag ik mij af of hier een politieke meerderheid voor is. Het zou kunnen dat dit gevoelig ligt, ook kijkende naar het CA.
-> tot slot, voor alle zekerheid: ik ga er vanuit dat dit is afgestemd met de sector? Met name de haalbaarheid van deze transitie irt de genoemde 10 jaar.

Het is natuurlijk aan Henk, maar dit zouden mijn (zorg)punten zijn!

Hartelijke groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 31 januari 2022 om 11:54:30 CET
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e( 5.1.2.E ) 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** MinisterNenS < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Slides

Dag 5.1.2.E

Hierbij de sheets. Deze zijn per abuis niet in IBAS terrecht gekomen.

Groet,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 25 februari 2022 08:50
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e [redacted]); 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Onderwerp:** Spreeklijn gesprek Sinkevicius
**Bijlagen:** 220225 Spreeklijn Minister - Sinkevicius.pdf

Dag Henk,

Bijgaand vind je een spreeklijn voor het gesprek dat je vanmiddag hebt met Sinkevicius. Dit is op verzoek van de Commissaris via Webex en 5.1.2.E en 5.1.2.E zullen hier ook bij aanwezig zijn.

Ik zal zorgen dat ook geprinte versie van dit stuk je bereikt.

Groet,
5.1.2.E

**Voorbereiding gesprek EU Commissaris Sinkevicius over addendum 7e AP en derogatie**

Bijgaand treft u spreeklijnen voor uw gesprek met EU commissaris Sinkevicius over het addendum op het 7e AP en derogatie van de Nitraatrichtlijn. Het gesprek vindt plaats via webex. U wordt ondersteund door 5.1.2.E en 5.1.2.E

Het addendum heeft ten eerste tot doel een infractieprocedure te voorkomen. Ten tweede heeft het tot doel om te komen tot verlening van derogatie van de Nitraatrichtlijn. Op beide punten verwachten we vandaag helderheid te krijgen van de Commissaris.

Te bereiken:

1. Agreement on the Addendum on the 7th Action Program
    - If agreed:
        - express gratitude
        - the Addendum will be formally submitted to the Commission today
    - If no agreement:
        - Express disappointment
        - Ask for explanation

2. Agreement on the continuation of the decision making process for granting a derogation
    - If agreed:
        - express gratitude
        - formal request for derogation will be submitted today
        - ask for flexibility in decision procedure
    - If no agreement:
        - Express disappointment
        - Underline the serious consequences for both national and EU ambitions for sustainable food systems (Green Deal)
            - Worsening water quality
            - Increase in fertilizer use
            - Turmoil in the sector and undermining of support
            - Undermining of EU ambitions and acceptance
        - Ask for transition period

## *Spreekpunten Virginijus Sinkevicius*

25 February 2022

- Thank you for making the time for having this meeting today. And also for the flexibility of your services for having a technical meeting this week on the content of the Addendum on the 7th Action Program.
- Over the past weeks, several discussions took place. These discussions were always constructive. I very much appreciate the openness and flexibility.
- After the technical discussion of last Wednesday, we have finalized the addendum to the 7th AP. Today, I will send the addendum to parliament as well as to the Commission, combined with a formal request for derogation – in time for the Nitrates Committee on March 17th.
- The addendum captures the approach of this government to achieve our targets on nature improvement, water quality and climate. We set up an integrated, area based approach to achieve the targets. This approach is legally binding and we have made available an additional budget of EUR 25 billion to realize the transition of the agricultural sector. On top of that, we take several additional legal measures, such as the establishment of a fully land based dairy sector in the Manure Act.
- I am convinced that with the addendum, the Netherlands complies with its obligations under the Nitrates Directive and Water Framework Directive.

- Consequently, the 7th AP combined with the addendum provides a solid basis for derogation, which I formally request today.
- To put it directly on the table: I am seeking clarity on two points:
    - **First**, are you assured that with the Addendum on the 7th Action Program the Netherlands meets its objectives;
    - **Second**, the continuation of the decision making process for granting a derogation.

***Lines to take in case of an agreement:***

- Thank you for your support.
- It is very important for us to have your support and willingness in this. I do appreciate this a lot.
- There is one remaining issue we need to discuss with respect to the decision making procedure.
- I would like to ask for flexibility in the procedure in order to have a decision at the latest in June 2022. This could be done by a faster or abbreviated decision making process.
- [For example by giving 2 presentations instead of 1 in the first Nitrates Committee of 2022. Or by adding a Nitrates Committee or by having a Nitrates Committee in writing.]

***Lines to take in case of no agreement on the Addendum:***

- I am very disappointed.
- This means that we were not convincing in explaining the radical and systematic approach we have chosen to achieve the environmental objectives.
- Does this mean you are of the opinion that we are not in compliance with both the directives?
- This is a message with great meaning. Not only I but we all need to process.
- Could you explain your decision?

- I will inform our national parliament on your conclusion.

***Lines to take in case of no agreement on derogation:***

- I am very disappointed.
- I would like to underline the serious consequences of this decision. Consequences that are neither in the interest of our national ambition of a truly sustainable agricultural sector, nor of the broader Green Deal objectives:
  - I expect a worsening of water quality because grassland will be turned into arable land. This will also have negative effects on climate and biodiversity;
  - Furthermore, the use of fertilizer will increase, with negative effects on climate;
  - I expect turmoil in the sector. I fear this will undermine the acceptance of far-reaching measures. This would also greatly undermine the support for and cooperation in the new approach of the cabinet;
  - Lastly, I foresee a negative impact on the EU Green Deal and Farm-to-Fork as well as on general public acceptance of the ambitions of the European Commission.
- If a new derogation in its current form (230 respectively 250 kg Nitrate per hectare) is out of the question, could we agree on a transition period? Reducing step by step the derogation to the norm of 170 kg N per hectare over a timespan of a few years?
- This would make it possible to gradually work towards a situation without derogation and to mitigate the negative environmental effects.

- If we face a 'clean cut' to 170 kg N per hectare starting next year, I fear water quality will be worse off because there is insufficient time to implement mitigating measures. I would very much prefer a smooth transition. But I need your help to realize that.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 25 februari 2022 16:38
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e [redacted]); 5.1.2.E ( 5.1.2.E)
**Onderwerp:** RE: Spreeklijn gesprek Sinkevicius
**Bijlagen:** 220225 Spreeklijn Minister - Sinkeviciusv1.docx

Dag Henk

Hierbij de spreektekst aangevuld met de punten over Oekraine. Deze staan ook in de geprinte tekst die je als het goed is in de auto hebt liggen.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 25 februari 2022 08:50
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e [redacted]) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Spreeklijn gesprek Sinkevicius

Dag Henk,

Bijgaand vind je een spreeklijn voor het gesprek dat je vanmiddag hebt met Sinkevicius. Dit is op verzoek van de Commissaris via Webex en 5.1.2.E en 5.1.2.E zullen hier ook bij aanwezig zijn.

Ik zal zorgen dat ook geprinte versie van dit stuk je bereikt.

Groet,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 25 februari 2022 16:57
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.e ; 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Kamerbrief derogatie tbv bespreking
**Bijlagen:** 22073076.docx; 22073076.pdf

Dag Henk,

Hierbij (in word en pdf) de Kamerbrief over de derogatie ten behoeve van de bespreking straks om 17u (dit is dezelfde als die je in de tas ontving gisteren).

Groet,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

Datum
Betreft Addendum 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en derogatie

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22073076

**Bijlage(n)**
1

Geachte Voorzitter,

Met deze brief sturen wij u, mede namens de minister van Infrastructuur en Waterstaat, het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (7e AP) toe en informeren wij u over de stand van zaken met betrekking tot derogatie van de Nitraatrichtlijn. Hiermee wordt tevens invulling gegeven aan de toezegging aan uw Kamer uit het Wetgevingsoverleg Water van 22 november 2021 over de aanvullende stappen die nodig zijn om de doelen van de Kaderrichtlijn Water (KRW) te behalen.

In onze brief van 20 januari 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 434) hebben wij aangegeven dat een opgave resteert voor doelbereik van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water (KRW), voor zover het de bijdrage uit de landbouw betreft. Overeenkomstig het Coalitieakkoord is verbetering van de waterkwaliteit een integraal en onlosmakelijk onderdeel van de geïntegreerde, gebiedsgerichte aanpak. Hierbij voorziet de gebiedsgerichte aanpak op onontkoombare wijze in het tijdig bereiken van de resterende opgave voor de waterkwaliteit.

Over de maatregelen die in aanvulling op het 7e AP nodig zijn ten behoeve van doelbereik van de Nitraatrichtlijn en KRW, is in de afgelopen weken gesproken met de Europese Commissie. Dat heeft geleid tot dit addendum. In het addendum is een nadere duiding van de werking van de gebiedsgerichte aanpak en het beoogde tijdpad voor de gebiedsplannen opgenomen evenals de instrumenten die kunnen voorzien in onontkoombaarheid. In het addendum is daarnaast een juridische borging opgenomen voor de afname van de productie van stikstof en fosfaat als gevolg van opkoop- en uitkoop van veehouderijbedrijven waarbij inname en doorhaling van productierechten plaatsvindt. Volgend op het tempo van de afname van de mestproductie zullen de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet naar beneden worden bijgesteld. Verder wordt een wetstraject gestart om te komen tot een volledig grondgebonden melk- en rundveehouderij binnen 10 jaar. Dit voorjaar zal de minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit (LNV) uw Kamer nader informeren over de inhoud en het proces hiervan. Beoogd is in de tweede helft van 2022 de consultatie te starten over een wetsvoorstel tot wijziging van de Meststoffenwet waarmee de melk- en

rundveehouderij binnen 10 jaar (uiterlijk in 2032) volledig grondgebonden is. Tot slot is in het addendum voor de verschillende grondsoorten een nadere duiding gegeven van de aanvullende maatregelen zoals bijvoorbeeld grootschalig beekdalherstel in zandgronden. Hiervoor zijn specifiek middelen gealloceerd.

Met dit addendum voldoet Nederland aan de verplichtingen voor de Nitraatrichtlijn en KRW. Op grond van het 7e AP en het bijgevoegde addendum daarop, heeft het kabinet de Europese Commissie formeel verzocht om derogatie van de Nitraatrichtlijn. Wij achten het verkrijgen van derogatie van groot belang, juist vanwege de positieve impact hiervan voor de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit.[1]

Vandaag heeft hierover een gesprek plaatsgevonden tussen de minister van LNV en de Eurocommissaris van Milieu. In dit gesprek heeft de Commissaris aangegeven dat de procedure om te komen tot verlenging van derogatie aan Nederland zal worden voortgezet. Hiertoe zal Nederland een presentatie geven in het Nitraatcomité van 17 maart a.s. De komende periode zullen verdere gesprekken met de Europese Commissie plaatsvinden over de inhoud en voorwaarden van de derogatie. Het is daarbij geen gegeven dat de derogatie zoals Nederland die de afgelopen jaren toegekend heeft gekregen, zal worden voortgezet. Wij houden er rekening mee dat hieraan aanvullende eisen, voorwaarden en/of beperkingen gesteld zullen worden. Vanzelfsprekend houden wij uw Kamer hiervan op de hoogte.

OF:

Vandaag heeft hierover een gesprek plaatsgevonden tussen de minister van LNV en de Eurocommissaris van Milieu. Tot onze spijt heeft de Commissaris in dit gesprek aangegeven niet bereid te zijn tot het voortzetten van de procedure om te komen tot verlenging van derogatie aan Nederland. De Commissaris is van mening dat … Wij delen deze mening niet en zullen hierover nader in gesprek treden met de Europese Commissie. Tegelijkertijd dienen we er serieus rekening mee te houden dat Nederland niet tijdig of in het uiterste geval zelfs helemaal geen derogatie toegekend zal krijgen. Boeren doen er dan ook verstandig aan zich in hun bemestingsplan te houden aan de norm van maximaal 170 kilogram stikstof per hectare. De minister van LNV zal uw Kamer op korte termijn nader informeren over de vervolgstappen die het kabinet zet richting de Europese Commissie.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Christianne van der Wal-Zeggelink
Minister voor Natuur en Stikstof

[1] Advies van de Commissie Deskundigen Meststoffenwet over de milieueffecten van derogatie, Kamerstuk 33037, nr. 369

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

Datum
Betreft Addendum 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en derogatie

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22073076

**Bijlage(n)**
1

Geachte Voorzitter,

Met deze brief sturen wij u, mede namens de minister van Infrastructuur en Waterstaat, het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (7e AP) toe en informeren wij u over de stand van zaken met betrekking tot derogatie van de Nitraatrichtlijn. Hiermee wordt tevens invulling gegeven aan de toezegging aan uw Kamer uit het Wetgevingsoverleg Water van 22 november 2021 over de aanvullende stappen die nodig zijn om de doelen van de Kaderrichtlijn Water (KRW) te behalen.

In onze brief van 20 januari 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 434) hebben wij aangegeven dat een opgave resteert voor doelbereik van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water (KRW), voor zover het de bijdrage uit de landbouw betreft. Overeenkomstig het Coalitieakkoord is verbetering van de waterkwaliteit een integraal en onlosmakelijk onderdeel van de geïntegreerde, gebiedsgerichte aanpak. Hierbij voorziet de gebiedsgerichte aanpak op onontkoombare wijze in het tijdig bereiken van de resterende opgave voor de waterkwaliteit.

Over de maatregelen die in aanvulling op het 7e AP nodig zijn ten behoeve van doelbereik van de Nitraatrichtlijn en KRW, is in de afgelopen weken gesproken met de Europese Commissie. Dat heeft geleid tot dit addendum. In het addendum is een nadere duiding van de werking van de gebiedsgerichte aanpak en het beoogde tijdpad voor de gebiedsplannen opgenomen evenals de instrumenten die kunnen voorzien in onontkoombaarheid. In het addendum is daarnaast een juridische borging opgenomen voor de afname van de productie van stikstof en fosfaat als gevolg van opkoop- en uitkoop van veehouderijbedrijven waarbij inname en doorhaling van productierechten plaatsvindt. Volgend op het tempo van de afname van de mestproductie zullen de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet naar beneden worden bijgesteld. Verder wordt een wetstraject gestart om te komen tot een volledig grondgebonden melk- en rundveehouderij binnen 10 jaar. Dit voorjaar zal de minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit (LNV) uw Kamer nader informeren over de inhoud en het proces hiervan. Beoogd is in de tweede helft van 2022 de consultatie te starten over een wetsvoorstel tot wijziging van de Meststoffenwet waarmee de melk- en

rundveehouderij binnen 10 jaar (uiterlijk in 2032) volledig grondgebonden is. Tot slot is in het addendum voor de verschillende grondsoorten een nadere duiding gegeven van de aanvullende maatregelen zoals bijvoorbeeld grootschalig beekdalherstel in zandgronden. Hiervoor zijn specifiek middelen gealloceerd.

Met dit addendum voldoet Nederland aan de verplichtingen voor de Nitraatrichtlijn en KRW. Op grond van het 7e AP en het bijgevoegde addendum daarop, heeft het kabinet de Europese Commissie formeel verzocht om derogatie van de Nitraatrichtlijn. Wij achten het verkrijgen van derogatie van groot belang, juist vanwege de positieve impact hiervan voor de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit.[1]

Vandaag heeft hierover een gesprek plaatsgevonden tussen de minister van LNV en de Eurocommissaris van Milieu. In dit gesprek heeft de Commissaris aangegeven dat de procedure om te komen tot verlenging van derogatie aan Nederland zal worden voortgezet. Hiertoe zal Nederland een presentatie geven in het Nitraatcomité van 17 maart a.s. De komende periode zullen verdere gesprekken met de Europese Commissie plaatsvinden over de inhoud en voorwaarden van de derogatie. Het is daarbij geen gegeven dat de derogatie zoals Nederland die de afgelopen jaren toegekend heeft gekregen, zal worden voortgezet. Wij houden er rekening mee dat hieraan aanvullende eisen, voorwaarden en/of beperkingen gesteld zullen worden. Vanzelfsprekend houden wij uw Kamer hiervan op de hoogte.

OF:

Vandaag heeft hierover een gesprek plaatsgevonden tussen de minister van LNV en de Eurocommissaris van Milieu. Tot onze spijt heeft de Commissaris in dit gesprek aangegeven niet bereid te zijn tot het voortzetten van de procedure om te komen tot verlenging van derogatie aan Nederland. De Commissaris is van mening dat … Wij delen deze mening niet en zullen hierover nader in gesprek treden met de Europese Commissie. Tegelijkertijd dienen we er serieus rekening mee te houden dat Nederland niet tijdig of in het uiterste geval zelfs helemaal geen derogatie toegekend zal krijgen. Boeren doen er dan ook verstandig aan zich in hun bemestingsplan te houden aan de norm van maximaal 170 kilogram stikstof per hectare. De minister van LNV zal uw Kamer op korte termijn nader informeren over de vervolgstappen die het kabinet zet richting de Europese Commissie.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Christianne van der Wal-Zeggelink
Minister voor Natuur en Stikstof

[1] Advies van de Commissie Deskundigen Meststoffenwet over de milieueffecten van derogatie, Kamerstuk 33037, nr. 369

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Verzonden:** donderdag 14 april 2022 15:11
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk); 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E)
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Onderwerp:** [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie
**Bijlagen:** 220414 Memo vervolg derogatie ztt v2.docx

Beste Henk en 5.1.2.E

In de bijlage treffen jullie de memo over derogatie, voor jullie akkoord.
Zouden jullie uiterlijk morgen je opmerkingen/akkoord kunnen geven? Na jullie akkoord stuurt 5.1.2.E de memo naar de coalitie.

Heel veel dank alvast,
5.1.2.E

**Memo ten behoeve van het coalitieoverleg vervolg derogatie**

Aanleiding
In het coalitieoverleg van 6 april 2022 is toegelicht wat de stand van zaken is naar aanleiding van het gesprek met DG Milieu van de Europese Commissie (EC) over inhoud en voorwaarden van een derogatie.

Er zijn twee wensen vanuit NL: een volledige graasdierderogatie en een derogatie voor kunstmestvervangers.

DG Milieu heeft een groot aantal verzoeken voor meer informatie gedaan die onderdeel moeten worden van de derogatiebeschikking. Deze verzoeken zien onder meer op het vastleggen van reductie in de productieplafonds en het instellen van een tussentijdse review van de waterkwaliteit waarbij een achteruitgang in de waterkwaliteit leidt tot een terugval in de hoogte van de derogatienorm. ENVI heeft ook gevraagd naar het (juridische) mechanisme als de (tussen)doelen van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG) niet worden gehaald.
DG Milieu staat daarnaast als gevolg van de Oekraïne oorlog onder druk van de Lidstaten ten aanzien van de het mogelijk maken van vervanging van kunstmest door hoogwaardige producten uit dierlijke mest binnen de Nitraatrichtlijn. Het realiseren van de mogelijkheid van kunstmestvervanging binnen de Nitraatrichtlijn zal een langjarig traject vergen. Een andere mogelijkheid is het aanvragen van een landenspecifieke oplossing. DG Milieu beschouwt dit als een tweede derogatieverzoek en heeft Nederland ambtelijk verzocht een aanvraag voor kunstmestvervanging te doen. We willen inzetten op een periode van 8 jaar om zo bedrijven langere termijn zekerheid te geven om hun investeringen terug te verdienen.

De ambtelijke inschatting is dat het beantwoorden van alle vragen zal leiden tot het opnemen van vergaande bepalingen en voorwaarden in de derogatiebeschikking. Hierbij zal een tussentijdse evaluatie van de waterkwaliteit leiden tot onzekerheid voor boeren omdat onduidelijk is van welke derogatienormen zij de komende vier jaar uit kunnen gaan. De weersomstandigheden in de komende vier jaar kunnen sterk variëren en kunnen gevolgen hebben voor de waterkwaliteit. Het vastleggen van een reductie van de mestproductieplafonds gaat in tegen de systematiek van het NPLG. De eerste resultaten van de aankoop- en beëindigingsregelingen zullen in 2025 zichtbaar worden. De inschatting is dat dit een beperkte afname zal zijn.[1] Als de beëindigingsregelingen onvoldoende resultaat opleveren om aan de voorwaarden van een reductie van de mestproductieplafonds te voldoet resteert een gedwongen van de krimp van de veestapel.

Het tijdspad is krap: het volgende Nitraatcomité is op 15 juni aanstaande. De conceptagenda wordt 2 tot 3 weken van te voren door ENVI gedeeld met de Lidstaten. Dat betekent dat uiterlijk (in de week van) 21 mei (politieke) overeenstemming bereikt moet zijn met ENVI/EC.

Er zijn twee opties voor het vervolg:

Optie 1: De Nederlandse inzet is het verleend krijgen van 2 derogaties namelijk de (reguliere) graslandderogatie én een derogatie voor kunstmestvervanging.
Vervolg:
- De vragen van ENVI worden beantwoord.
- Het initiatief blijft bij ENVI en Nederland wacht de vervolgvoorstellen van ENVI af.

Risico:
- Op basis van de gedeelde informatie is de kans groot dat bepalingen en voorwaarden in de derogatiebeschikking worden opgenomen die binnen de derogatieperiode van vier jaar elk jaar tot onzekerheid zullen leiden voor agrariërs. (Bijv.: als uit monitoring van de waterkwaliteit blijkt dat deze in twee opvolgende jaren verslechtert dan wordt de stikstofgebruiksnorm naar beneden bijgesteld. Dit kan echter ook het gevolg zijn van weersomstandigheden, wat buiten de invloedssfeer van de landbouwer ligt. Een dergelijke bepaling leidt dus tot onzekerheid voor de sector. Desondanks is een dergelijke bepaling recent opgenomen in de derogatiebeschikking aan Ierland).
- Dergelijke voorwaarden kunnen gevolgen inhouden voor de realisatie van en het draagvlak voor het Nationaal Programma Landelijk Gebied en de ruimte voor de sector binnen de integrale gebiedsgerichte aanpak. Naast bovengenoemde voorwaarde wijzen de gesprekken tot nu toe erop dat de ENVI ertoe neigt om voorgeschreven doelen voor de integrale gebiedsgerichte aanpak in de beschikking op te nemen, zoals een jaarlijkse

[1] Een groffe berekening op een regeling van EUR 500 ML zal een afname van 2% van de mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat inhouden

afname van de mestproductieplafonds (leidend tot een generieke korting op de productierechten). Dit zou veel druk zetten op de aankoop- en beëindigingsregelingen in de integrale gebiedsgerichte aanpak en kan resulteren in gedwongen krimp van de veestapel (in plaats van dat de omvang van de veestapel een resultante is van de gebiedsgerichte aanpak).
- Op dit moment is niet duidelijk of voorwaarden aan bedrijfsbeëindiging onderdeel kunnen worden van de derogatiebeschikking.
- De kans is groot dat ENVI een derogatieaanvraag voor kunstmestvervanging als een separate derogatie inclusief de daarbij behorende besluitvormingsprocedure zal zien én deze aanvraag niet op korte termijn tot resultaat zal leiden.
- ENVI neemt in de derogatiebeschikking afbouw pad voor de graasdierderogatie op evenals de eerder aangegeven ingrijpende bepalingen in de derogatiebeschikking.

<u>Optie 2: De Nederlandse inzet is het verleend krijgen van een combiderogatie met een ingroeipad van derogatie voor kunstmestvervanging en een graslandderogatie met afbouw pad.</u>
Vervolg:
- Op ambtelijk niveau stelt Nederland een afbouw pad voor de graslandderogatie aan ENVI voor. Inzet is gericht op het voorkomen van de opname van de eerder aangegeven ingrijpende bepalingen in de derogatiebeschikking.
- Onze inzet is dat ENVI hiermee een aantal beperkende voorwaarden kan laten vallen (bijv. verlaging productieplafonds, tussentijdse evaluaties)
- Hiermee wordt aan de voorkant meer duidelijkheid aan agrariërs gegeven.
- En is het kader voor de gebiedsprocessen in de integrale gebiedsgerichte aanpak aan de voorkant helder.
- Als gevolg van een afbouw pad zal minder dierlijke mest worden uitgereden waardoor de ammoniakemissie afneemt. Dit leidt tot meer stikstofruimte.

Risico:
- Politiek houdt dit een risico in, omdat Nederland zelf het voorstel voor afbouw doet en dit niet aan ENVI laat. Daarmee wordt het niet opgelegd door de EC.
- Er is een kans dat ENVI dit voorstel niet goed genoeg vindt en dat een derogatie voor kunstmestvervanging niet wordt verleend, maar een afbouw pad voor de graasdierderogatie wel door ENVI wordt geïncasseerd als resultaat.
- ENVI neemt in de derogatiebeschikking ondanks een afbouw pad voor de graasdierderogatie wel de eerder aangegeven ingrijpende bepalingen in de derogatiebeschikking op.

Het uitrijdseizoen is inmiddels gestart. Het is daarom wenselijk geen aanpassing in de stikstofgebruiksnorm meer te doen voor dit lopende jaar. Het voorstel voor een afbouw pad is als volgt:

| | *230 kg N/ha*[2] | *250 kg N/ha*[3] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 210 | 230 |
| 2025 | 200 | 210 |

**Advies**
Ik ben voornemens om te kiezen voor optie 2 omdat:
a) dit een breekijzer kan zijn om onwerkbare eisen en voorwaarden, die de gebiedsgerichte aanpak ondermijnen, buiten de derogatiebeschikking te houden;
b) een afbouw pad van de plaatsingsruimte, hoewel pijnlijk, duidelijkheid geeft voor de komende vier jaar, in plaats van tussentijdse evaluatiebepalingen met consequenties voor de (omvang van de) derogatie, met alle onzekerheid van dien;
c) dit een breekijzer kan zijn om kunstmestvervanging mogelijk te maken, wat mogelijkheden biedt om de vermindering van de plaatsingsruimte voor dierlijke mest enigszins op te vangen en bijdraagt aan de doelen voor klimaat en kringlooplandbouw.

**Risico bij geen derogatie en wel nationaal toestaan een hogere stikstofgebruiksnorm**

[2] Derogatie afgelopen jaren voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg
[3] Derogatie afgelopen jaren voor de andere landbouwgronden in Nederland

Als we met ENVI niet tot een werkbare derogatiebeschikking komen, kan in theorie nationaal een hogere stikstofgebruiksnorm worden toegestaan dan de Nitraatrichtlijn voorschrijft. Dit zou inhouden dat Nederland de richtlijn bewust naast zich neerlegt. Hier zijn grote risico's aan verbonden:

- Het niet voldoen aan derogatievoorwaarden of een hogere gebruiksnorm toestaan dan de Nitraatrichtlijn voorschrijft kan leiden tot een infractieprocedure door de EC. In het verleden heeft Nederland het mestproductieplafond voor melkvee overschreden. Door hard ingrijpen, het fosfaatreductieplan en de invoering van het fosfaatrechtenstelsel, zijn deze overschrijdingen ongedaan gemaakt.
- De EC heeft infractieprocedures op de Nitraatrichtlijn lopen tegen andere Lidstaten. In het geval van Duitsland heeft het Europees Hof van Justitie een dwangsom van EUR 850.000,- per dag opgelegd voor het niet voldoen aan de verplichtingen.
- Helpt alle andere gesprekken met ENVI en breder binnen de EC niet. Denk hierbij aan kunstmestvervanging en accorderen GLB/NSP door EC.

**Van:** Staghouwer, H. (Henk )
**Verzonden:** vrijdag 15 april 2022 10:54
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

Goedemorgen,

Ik ben akkoord met de tekst

Groet, Henk

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 14 april 2022 om 15:10:47 CEST
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.e( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

Beste Henk en 5.1.2.E

In de bijlage treffen jullie de memo over derogatie, voor jullie akkoord.
Zouden jullie uiterlijk morgen je opmerkingen/akkoord kunnen geven? Na jullie akkoord stuurt 5.1.2.E de memo naar de coalitie.

Heel veel dank alvast,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 15 april 2022 11:55
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e 5.1.2.e 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

Dag allemaal,

Heb nota gelezen, en even laten bezinken. Ook mogelijke consequenties.
We doen alles wat de commissie wil, onontkoombaarheid, grondgebondenheid, extensivering etc. Dat moeten we toch echt aan elkaar kunnen koppelen ook in politieke zin zou je verwachten.

Zowel optie 1 als optie 2 hebben enorm veel impact op gebiedsgerichte aanpak. Ik maak mij hier echt grote zorgen over. Ook voor de sector. Dit gaat inslaan als een bom, en is eigenlijk niet te doen voor ondernemers. Eigenlijk is het een enorme sanering die helemaal niet past binnen coalitie akkoord en de manier waarop wij met elkaar aan het werk zijn.

Als het gaat om de opties zoals opgenomen in de nota, begrijp ik de keuze van Henk voor tweede optie.

Hierbij wel een aanvulling:
Optie 2 is gezien gebiedsgerichte aanpak alleen zonder voorwaarden acceptabel. Dus niet op een manier dat EU handen aan het stuur heeft of voorwaarden stelt aan gebiedsgerichte aanpak / NPLG. Dan staat doelbereik teveel onder druk.

Is een derde optie verkend, die buiten de standaard 'nitraatlijnen' kleurt? Bijvoorbeeld derogatie gekoppeld aan bodem/water, gebiedsgerichte derogatie of gewasderogatie?

Ik denk dat het verstandig is dat we goede en strategische scenario's uitwerken bij verschillende uitkomsten. Ook tav consequenties gebiedsgerichte aanpak.
Benieuwd naar coalitie komende week. We hebben nog een aantal weken toch? Zijn er mogelijkheden dit op Europese schaal politiek te maken? Is dat verkend? Is de sector hier goed bij betrokken? Denk dat coalitie dit ook zal willen weten volgende week?

Hartelijke groet,
5.1.2.E

---

**Van:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 15 april 2022 om 10:54:13 CEST
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E

5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E :@minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Antw: [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

Goedemorgen,

Ik ben akkoord met de tekst

Groet, Henk

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 14 april 2022 om 15:10:47 CEST
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E [redacted] ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** [TER AKKOORD] Memo vervolg derogatie

Beste Henk en 5.1.2.E

In de bijlage treffen jullie de memo over derogatie, voor jullie akkoord.
Zouden jullie uiterlijk morgen je opmerkingen/akkoord kunnen geven? Na jullie akkoord stuurt 5.1.2.E de memo naar de coalitie.

Heel veel dank alvast,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 25 april 2022 21:48
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ); 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e ); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E
5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Ter akkoord - adviesnota + Kamerbrief derogatie
**Bijlagen:** Adviesnota derogatie.docx; Kamerbrief derogatie - versie 2.docx; Kamerbrief derogatie - versie 1.pdf

Dag Henk en 5.1.2.E

Vanochtend is met jullie gesproken over derogatie en daarna heeft er nog bestuurlijk overleg plaatsgevonden. 5.1.2.E heeft geresulteerd in bijgaande adviesnota en twee versies van de Kamerbrief.

We horen graag of jullie akkoord zijn met de geadviseerde Kamerbrief.

Groet,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ONDERTEKENING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
de Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E 5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
25 april 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22186324

**BHM 22186321**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**
2

# nota

nota kamerbrief Derogatie van de Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| DG Agro | Directeur PAV | BPZ |
|---|---|---|
| 5.1.2.e | 5.1.2.e | 5.1.2.E |

## Aanleiding

Naar aanleiding van de ingediende motie van het lid Van Campen van de VVD-fractie tijdens het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserijraad van 19 april 2022 is er een Tweede en Eerste Kamerbrief opgesteld over de gevolgen van mogelijk derogatieverlies en de inzet voor de nieuwe derogatie.
Deze concept Kamerbrief is vrijdag 22 april aan u voorgelegd. Dit concept is op maandag 25 april in de weekstart met u besproken. De wijzigingen die naar aanleiding van uw opmerkingen zijn aangebracht, zijn in revisie in de nieuwe versie van de brief zichtbaar gemaakt.

Naar aanleiding van het bestuurlijk overleg van maandag 25 april met NAJK en LTO Nederland is ook een aangepaste versie van de Kamerbrief opgesteld, waarin enkel wordt ingegaan op de verzoeken uit de ingediende motie.

Er zijn dus nu twee versies van Kamerbrieven:

- Versie 1 van 22 april (met door de u gewenste revisies), waarin de inhoudelijke inzet van het jaarlijkse stapsgewijze afbouwpad concreet is beschreven
- Versie 2 van 25 april, waarin de consequenties van het verlies van de derogatie voorop staan en de complexiteit van wederom een derogatie verkrijgen staat beschreven (conform versie 1 van de brief), maar zonder het concrete afbouwpad te benoemen. Wel wordt beschreven dat ingezet wordt op drie kernpunten: geen verlaging van de derogatie in 2022, derogatie voor 4 jaar en geen beïnvloeding van gebiedsprocessen door de EC.

## Advies

Ontvangen BPZ

MLNV:

- U kunt de brieven met versie 2 (zonder concreet afbouwpad) aan de Eerste en Tweede Kamer ondertekenen.
- Uit politieke sondering door uw PA bij de coalitie (25 april) is naar voren gekomen dat de fracties genoegen nemen met een brief langs de lijn van versie 2 (zonder concreet afbouwpad). Deze versie kan tevens voorkomen dat direct na verzending grote weerstand ontstaat bij de sector waardoor LTO en NAJK de gesprekken stopzetten. U wordt daarom geadviseerd versie 2 van de brieven aan de Eerste en Tweede Kamer te ondertekenen.
- Om voortgang te houden in de onderhandelingen met EC, wordt u geadviseerd wel een mandaat te geven om de NLse inzet langs versie 1 van de brief (dus mét afbouwpad) ambtelijk te bespreken met de EC. U wordt tevens geadviseerd in te stemmen met een brief van DG Agro aan de DG Milieu bij de EC waarin de NLse inzet is weergegeven. Deze brief wordt z.s.m. aan u voorgelegd.
- Tussen uw akkoord met de brief en het moment van verzending is enkele uren de tijd nodig om ambtelijk de Europese Commissie te informeren.
- Er is een politiek afbreukrisico om de Kamer op dit moment nog niet volledig mee te nemen in deze inzet richting de EC. U zou op een later moment een gebrek aan transparantie verweten kunnen worden. Gelet op de uitkomst van de sondering door uw PA, wordt dit risico beheersbaar geacht.

MNenS: U kunt akkoord gaan met versie 2 van de brieven.

- U ontvangt morgen vanuit DC meer info over de communicatie aanpak van deze brief, evenals een spreeklijn

**Kernpunten**

- De ingediende motie van Van Campen verzoekt de regering enerzijds de Kamer op korte termijn te informeren over de vernietigende gevolgen van mogelijk derogatieverlies en anderzijds om met een voor de landbouwpraktijk uitvoerbaar voorstel te komen om opnieuw derogatie te verkrijgen.
- Hierover is op 22 april een concept-Kamerbrief opgesteld, waarin de inhoudelijke inzet van het jaarlijkse stapsgewijze afbouwpad concreet is beschreven
- Maandagochtend heeft er een bestuurlijk overleg (BO) plaatsgevonden met NAJK en LTO Nederland. Tijdens dit overleg is de stand van zaken voor het verkrijgen van een nieuwe derogatie toegelicht. Ook is de strekking van Kamerbrief naar aanleiding van de ingediende motie van Van Campen op hoofdlijnen gedeeld.
- In het BO gaven NAJK en LTO aan dat zij willen vasthouden aan de reguliere derogatie aanvraag voor de periode van 4 jaar (met voorwaarden die daar dan bij komen). Een verlaging van de normen (conform afbouwpad) past wat hun betreft niet in een integrale gebiedsgerichte aanpak. Wanneer een alternatieve inzet voor de derogatie middels de Kamerbrief wordt gedeeld, geven beide partijen aan dat zij hierop publiekelijk zullen moeten reageren.

- Zij hebben aangegeven dat zij in die situatie niet anders kunnen dan *geen* steun geven aan het verdere proces van onderhandelingen langs de lijn van het afbouwpad.
- Dit zet de zaken op scherp. LTO en NAJK hebben er op aangedrongen de motie Van Campen strikt te lezen en geen inhoudelijke inzet bekend te maken.
- Dit staat echter wel op gespannen voet met transparantie richting de Kamer over uw inzet.
- Daarom is vervolgens op 25 april in de middag contact met de coalitiewoordvoerders gelegd. Vanuit hen is benadrukt dat de motie de bedoeling heeft om helder te maken dat derogatieverlies grote gevolgen heeft én dat de ingewikkeldheid van het verkrijgen van een nieuwe derogatie goed wordt neergezet, waardoor de verwachtingen in de buitenwereld ook realistischer kunnen worden.
- Naar aanleiding van het BO en het contact met de coalitiewoordvoerders is er een nieuwe Kamerbrief (versie 2) opgesteld waarvan de inhoud dichterbij de ingediende motie ligt en de inhoudelijke inzet van het afbouwpad is weggelaten. Wel wordt beschreven dat ingezet wordt op drie kernpunten: geen verlaging van de derogatie in 2022, derogatie voor 4 jaar en geen beïnvloeding van gebiedsprocessen door de EC.
- Voordeel van versie 1 is dat u volstrekt transparant bent over uw inzet, dat u laat zien aan de EC dat u het meent (want u deelt deze met het parlement). Nadeel is dat u LTO en NAJK zich gedwongen voelen een afwijzend standpunt in te nemen, wat mogelijk gevolgd zal worden door een meerderheid van de TK-fracties. Dit brengt een risico met zich mee dat er geen steun wordt uitgesproken voor het afbouwpad en dat u zelfs tot aan behandeling in de Kamer gevraagd wordt geen onomkeerbare stappen te nemen. Dat brengt u in onaanvaardbare tijdnood, er komt niet tijdig een akkoord op de derogatie voor 2022 (moet half mei rond zijn). Dit geeft risico op infractieprocedure of nog striktere eisen van de EC.
- Voordeel van versie 2 van de brief is dat u de moties precies uitvoert, dat u ruimte laat voor de eigen onderhandeling en dat maatschappelijke partijen aan tafel kunnen blijven om mee te blijven praten en denken. Nadeel is dat u geen politieke en maatschappelijke steun aan de voorkant ontvangt en minder transparant bent over uw onderhandelingsstrategie. U zult zich hierover alsnog politiek moeten verantwoorden op een ander moment.
- In het tijdpad richting de EC is het namelijk, zoals eerder met u besproken, wel noodzakelijk om op zo kort mogelijke termijn een concreet voorstel – incl. afbouwpad – voor te leggen aan de EC.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E 5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22186295

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

Deze brief stuur ik, mede namens de minister voor Natuur en Stikstof, u naar aanleiding van de ingediende motie van het lid Van Campen van de VVD-fractie tijdens het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserijraad van 19 april 2022 (Kamerstuk 21501-32, nr. 1413). Hierbij ga ik eerst in op de consequenties van het verlies van derogatie. Daarnaast informeer ik u over het proces voor het verkrijgen van een nieuwe derogatie.

*Consequenties verlies derogatie*
Derogatie houdt in dat boeren onder voorwaarden meer stikstof uit dierlijke mest mogen gebruiken dan de norm van 170 kilogram per hectare die is vastgelegd in de Nitraatrichtlijn (onder andere Kamerstuk 33037, nr. 369). Op grond van de derogatiebeschikking 2020-2021 mogen boeren op zand- en lössgronden in de provincies Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant en Limburg 230 kilogram stikstof per hectare gebruiken en in de overige provincies 250 kilogram stikstof per hectare. Op het moment dat aan Nederland geen derogatie zal worden verleend, betekent dit dat Nederland op alle landbouwgronden zal terugvallen op de gebruiksnorm voor dierlijke meststoffen uit de Nitraatrichtlijn die is bepaald op 170 kilogram stikstof per hectare. De gebruiksnormen voor stikstof en fosfaat totaal (dierlijke mest en kunstmest) veranderen niet door het wegvallen van de derogatie.

Naar verwachting zal het wegvallen van de mogelijkheid tot derogatie grote gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland. Momenteel nemen met name melkveehouders deel aan de derogatie. Zij zullen bij geen derogatie op bedrijfsniveau hun bemesting op een andere wijze moeten gaan invullen. De behoefte aan stikstof zal ingevuld worden met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest. Binnen de huidige stikstofgebruiksnorm zal dit betekenen dat het gebruik van kunstmest in de Nederlandse landbouw fors zal gaan toenemen. Aan de andere kant zullen deze melkveehouders op zoek gaan naar wegen om de mest die zij niet meer op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, elders af te zetten. 5.1.2.E zullen dan hun mest willen gaan afzetten in de akkerbouw, waar nu vooral mest uit de varkenshouderij wordt gebruikt. De nationale plaatsingsruimte voor stikstof uit dierlijke mest zal door het wegvallen van de derogatie afnemen. Hierdoor zal de druk op de mestmarkt gaan toenemen.

Voorzien wordt dat de afzet van mest buiten Nederland zal toenemen. Momenteel vindt al veel export plaats naar met name Duitsland, België en Frankrijk. Het is met name de vaste fractie van mest na mestscheiding die wordt geëxporteerd, dit is de fosfaatrijke fractie. Bij het wegvallen van de derogatie zal ook de stikstofrijke fractie buiten de Nederlandse landbouw afgezet moeten worden. Om de kostprijs voor dit transport in de hand te houden zal mestbewerking hiervoor noodzakelijk zijn. Ook zullen verwerkingsroutes als verbranding van mest, of biologische zuivering van mest, die de stikstof omzetten naar N2-gas belangrijker worden. Een andere route is het inzetten op hoogwaardige verwerking van dierlijke mest, tot kunstmestvervangers. De verwachting is dat, als de Europese Commissie (hierna: EC) voor deze mogelijkheid ruimte biedt, deze verwerking van mest zal gaan toenemen, waarbij de inschatting is dat er momenteel onvoldoende capaciteit in Nederland is om het overschot volledig te kunnen gaan verwerken.

Relevant is dat in de afgelopen periode regelingen zijn opengesteld waardoor de mestproductie in Nederland in de komende jaren zal afnemen. Op 1 april 2021 telde Nederland 4% minder varkens ten opzichte van het jaar ervoor. Dit is mede het gevolg van de Saneringsregeling varkenshouderij. De Landelijke beëindigingsregeling veehouderijlocaties zal in 2022 open worden gesteld en naar verwachting in 2023 tot effecten leiden. Op dit moment kan geen inschatting worden gegeven van de exacte omvang van de effecten van deze regeling op de mestmarkt. Ditzelfde geldt voor de regelingen die momenteel in provincies zijn opengesteld en die gericht zijn op de opkoop van veehouderijen. Op langere termijn zullen deze regelingen naar verwachting de productie van dierlijke mest beperken, waardoor de druk op de mestmarkt op landelijk niveau, wanneer de derogatie weg zou vallen, weer wat zal afnemen. Voor individuele veehouders zal op bedrijfsniveau de plaatsingsruimte echter hoe dan ook afnemen bij geen derogatie.

Naast de gevolgen op de mestmarkt  heeft het ook gevolgen voor het milieu indien Nederland geen derogatie zou krijgen. Hierover heb ik uw Kamer eerder geïnformeerd. Op mijn verzoek heeft de CDM een advies gegeven over de milieueffecten van derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 369). Uit dit advies blijkt dat derogatie, onder meer als gevolg van de voorwaarde ten aanzien van grasland, positief bijdraagt aan de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit. Derogatie kan als gevolg van de hogere toegestane dierlijke mestgift wel leiden tot een hogere ammoniakemissie. Indien de derogatie zou wegvallen, is de verwachting dat een deel van het grasland dat nu wordt aangehouden om aan de derogatievoorwaarden te voldoen, zal worden omgezet in bouwland. Dit zou een negatief effect hebben op de waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit.

Concluderend zullen de mestverwerkingscapaciteit en exportmogelijkheden op korte termijn onvoldoende zijn om het gehele mestoverschot te kunnen plaatsen bij verlies van de derogatie. De druk op de mestmarkt zal zo fors toenemen dat de gevolgen daarvan zeer grote impact kunnen hebben op de gehele landbouw in Nederland. Tegelijkertijd zal de milieukwaliteit kunnen verslechteren, en door meer kunstmestgebruik, meer gebruik van fossiele brandstoffen en een hogere CO2 uitstoot het gevolg zijn.

*Proces nieuwe derogatie*
Ten aanzien van de weg naar een nieuwe derogatie voor Nederland, is het volgende te melden. Ik heb u al eerder in Kamerbrieven en in debatten aangegeven dat het zonder meer verkrijgen van deze derogatie niet vanzelfsprekend is.

Bij de aanbieding van het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 437) heb ik aangegeven op welke wijze aan het Coalitieakkoord uitvoering zal worden gegeven om tijdig en onontkoombaar doelbereik van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water voor zover het de landbouw betreft te realiseren. De maatregelen die in het addendum zijn opgenomen, zijn ingrijpend, maar nodig om doelbereik voor de waterkwaliteit te kunnen realiseren. Op basis hiervan heeft de Europese Commissie (hierna: EC) eind februari 2022 besloten de besluitvormingsprocedure naar derogatie te vervolgen.

Zoals eerder door mijn ambtsvoorganger is aangegeven (o.a. Kamerstuk 33037, nrs. 368 en 369) volgt de EC zeer nauwgezet de milieutoestand in den brede en de waterkwaliteit in het bijzonder in Nederland, waarbij de EC nadrukkelijk de verslechtering van de waterkwaliteit in Nederland meeweegt. De EC kijkt hierbij ook naar de mogelijke oorzaken van de milieudruk. Dit was het geval bij de derogatieverlening in 2018 en derogatieverlenging in 2020. In 2018 heeft dit er onder meer toe geleid dat derogatie is verleend voor twee in plaats van de gebruikelijke vier jaar en dat aanvullende voorwaarden zijn opgenomen met betrekking tot het vastleggen van de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet, inclusief een handhavingssystematiek bij overschrijding van deze plafonds, en met betrekking tot het tegengaan van fraude met mest. En bij de verlenging van derogatie in 2020 heeft de EC aanvullende voorwaarden gesteld aan de uitstoot van ammoniak in verband met de stikstofproblematiek (Kamerstuk 33037, nr. 369). Bij deze laatste voorwaarden is bijvoorbeeld een temperatuursbepaling vastgesteld voor de toepassing van de sleepvoetbemester op klei- en veengronden. Voor boeren maakt een dergelijke bepaling het lastig om de agrarische praktijk goed uit te kunnen blijven oefenen.

Aan de andere kant besef ik dat voortzetting van de derogatie zoals die aan voorgaande jaren aan Nederland was toegekend steeds lastiger wordt. De ontwikkeling van de waterkwaliteit en ook de bredere milieusituatie spreekt immers niet in het voordeel van Nederland en derogatieverlening staat in de EU ten principale onder druk. Dit maakt dat ik een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, duidelijkheid geeft voor de sector en rechtdoet aan de noodzakelijke transitie van de landbouw. Daarbij weeg ik ook mee dat de voortdurende onzekerheid over het al dan niet verkrijgen van derogatie in afgelopen jaren steeds tot veel onrust en onduidelijkheid in de sector heeft geleid. Dat is ook nu weer het geval. Zoals eerder in deze brief genoemd zal de impact van het niet opnieuw verkrijgen van derogatie groot zijn.
Uit de gesprekken die op de diverse niveaus met EC zijn gevoerd over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, het daarbij behorende addendum en de inhoud van een nieuwe derogatie maak ik op dat de EC belang hecht aan diverse

sturingsmogelijkheden om zeker te stellen dat de beoogde transitie in de Nederlandse landbouw wordt gerealiseerd.

In mijn brief van 20 januari 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 434) heb ik toegelicht dat de EC ook kritisch naar andere lidstaten kijkt bij de implementatie van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water als ook de verlening van derogatie. De EC heeft daarnaast recent in de conceptderogatiebeschikking aan Ierland[1] aanvullende bepalingen over monitoring van de waterkwaliteit opgenomen.

Zoals hierboven aangegeven heeft de EC in de recente conceptderogatiebeschikking aan Ierland[2] bepalingen opgenomen op basis waarvan de EC kan ingrijpen in de omvang van de derogatie wanneer de waterkwaliteit niet voldoende verbetert. Uit de gesprekken die tot nu toe met DG Milieu zijn gevoerd, wordt de indruk gewekt dat de EC dergelijke bepalingen ook in de beschikking aan Nederland zou willen opnemen, naast andere aanvullende voorwaarden. Ik ben hier geen voorstander van, omdat dit onzekerheid met zich brengt over de omvang van de derogatie gedurende de looptijd van de beschikking, wat voor boeren juist een belangrijk gegeven is in hun bedrijfsbeslissingen en in de agrarische uitvoeringspraktijk. Daarbij komt dat we de afgelopen jaren hebben ervaren dat weersomstandigheden van grote invloed kunnen zijn op de ontwikkeling van de waterkwaliteit, wat buiten de invloedssfeer van de boer ligt. Verder sluit ik niet uit dat de EC de voorwaarden in de derogatiebeschikking zal willen aanscherpen t.o.v. voorgaande jaren. Daarbij valt te denken aan de hoogte van mestproductieplafonds, wat directe impact kan hebben op de veehouderij in Nederland. Dit terwijl de kern van de gebiedsgerichte aanpak, zoals het kabinet die heeft ingezet, is dat op regionaal en lokaal niveau wordt bepaald hoe de doelen het beste gerealiseerd kunnen worden. Inmenging vanuit Brussel gedurende de looptijd van de beschikking staat daarmee op gespannen voet.

Daarnaast heeft het Europees Parlement op 5 april 2022 een resolutie aangenomen over maatregelen tegen waterverontreiniging door nitraten waarin is aangegeven dat er sinds de vaststelling van de Nitraatrichtlijn in 1991 slechts weinig vooruitgang is geboekt mede doordat lidstaten gebruikmaken van vrijstellingen.[3]

Dit maakt dat ik een balans moet zoeken tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en rechtdoet aan de noodzakelijke transitie van de landbouw. Daarnaast is het van groot belang om een besluit te hebben dat aansluit bij de uitvoerbaarheid in agrarische bedrijfspraktijk. Daarbij weeg ik ook mee dat de voortdurende onzekerheid over het al dan niet verkrijgen van derogatie in afgelopen jaren steeds tot veel onrust en onduidelijkheid in de sector heeft geleid. Dat is ook nu weer het geval. Ik besef ook dat het pijnlijk is voor de agrarische sector, om nu ook dit nog te ervaren, terwijl we ook staan voor andere opgaven, die de sector reeds zwaar belasten.

---

[1] ec.europa.eu/transparency/comitology-register/screen/documents/080076/1/consult?lang=en
[2] ec.europa.eu/transparency/comitology-register/screen/documents/080076/1/consult?lang=en
[3] www.europarl.europa.eu/doceo/document/TA-9-2022-0110_NL.html

Gedurende het proces van onderhandelen zet ik in op drie kernvoorwaarden. Gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen. Door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet op de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren.[4] Ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

Op korte termijn wordt het overleg met DG Milieu vervolgd. Dit is van belang om zo meer duidelijkheid te kunnen krijgen over de inhoud en voorwaarden van een derogatie door middel van een intentiebrief van de Europees Commissaris voor Milieu. Het tijdspad wordt hierbij bepaald door het Nitraatcomité dat op 15 juni aanstaande is gepland en waarin Nederland de derde presentatie over het 7e AP en daarbij behorende addendum in de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening wil geven.

*Kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest*
In de afgelopen jaren heeft Nederland zich ingezet voor het mogelijk maken van vervanging van kunstmest door hoogwaardige producten uit dierlijke mest binnen de Nitraatrichtlijn. Door een beter gebruik van lokaal beschikbare grondstoffen kan de input van fossiele kunstmest worden beperkt, kunnen emissies afnemen en kunnen de gerecyclede producten verwaard worden. De belangrijkste uitdaging is om gerecyclede nutriënten op een zodanig kwaliteitsniveau te verkrijgen, dat verliezen in het milieu naar zowel water, bodem als lucht tot een minimum worden beperkt. Het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de EC heeft in de periode 2018-2020 een studie laten uitvoeren naar teruggewonnen stikstof uit dierlijke mest. De betrokken stikstofproducten worden RENURE genoemd, van REcovered Nitrogen from manURE (teruggewonnen stikstof uit mest). Deze studie is in september 2020 afgerond[5]. Hierin worden criteria voorgesteld voor een veilig gebruik van gerecyclede producten uit dierlijke mest boven de in de Nitraatrichtlijn vastgestelde drempel, op een vergelijkbare wijze als voor een niet-organische meststoffen. Als gevolg van de situatie in Oekraïne is de noodzaak om minder afhankelijk van kunstmest te worden verder toegenomen. Zoals ik uw Kamer eerder heb laten weten, heb ik hiertoe in de Landbouw- en Visserijraad van 21 maart 2022 de EC verzocht met een oplossing te komen. Diverse Europese lidstaten ondersteunden dit verzoek.

Tegelijkertijd met de inzet voor de derogatie voor graasdiermest zet ik in op het verkrijgen van de mogelijkheid van kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest. Hiermee wordt de afhankelijkheid van kunstmest verminderd, wat bijdraagt aan het realiseren van de klimaatdoelen, én ontstaat een nieuw perspectief voor boeren om dierlijke mest te kunnen hergebruiken, mits uiteraard aan de kwaliteitseisen wordt voldaan. Voor wat betreft de inhoud van deze eisen is mijn inzet om aan te sluiten bij de uitkomsten van het hierboven genoemde onderzoek van het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de

[4] 230 kilogram N per hectare voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg; 250 kilogram N per hectare voor landbouwgrond in de rest van Nederland.
[5] JRC, 2020. 5.1.2.E et al. JRC Publications Repository - Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC) (europa.eu)

EC. Hiervoor stel ik een termijn voor van tenminste 8 jaar, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden.

*Doelbereik Kaderrichtlijn Water*
In het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserij Raad van 19 april 2022 heeft het lid Bromet (GroenLinks) gevraagd naar de informatie die de minister van Infrastructuur en Waterstaat (IenW) recent aan uw Kamer heeft gestuurd over het tijdig halen van de doelen van de Kaderrichtlijn Water en hoe zich dit verhoudt tot het 7e AP en het addendum op het 7e AP.
De minister van IenW heeft op 19 april 2022 vragen van de leden Minhas en Van Campen beantwoord over het bericht 'Schoon water is in Nederland nog ver weg'.[6] In deze beantwoording is herhaald wat in het addendum is opgenomen, namelijk dat als onderdeel van het transitiefonds voor de KRW specifiek wordt ingezet op grootschalig herstel van beekdalen op zandgronden. Op basis van een analyse (bijlage bij Kamerstuk 35334, nr. 170) is ingeschat dat hiermee op termijn de uitspoeling op de zandgronden voor stikstof met 40–70% afneemt en voor fosfor met 20–30%. Daarnaast zal de waterkwaliteit profiteren van andere maatregelen die tot doel hebben de sector te extensiveren met het oog op vermindering van de stikstofdepositie op natuurgebieden. Dit is onderdeel van het totale pakket van het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn, zoals recent aan Uw Kamer is gemeld (Kamerstuk 33037, nr. 437), en draagt ook bij aan de doelen van de Nitraatrichtlijn. Over de gecombineerde aanpak van natuur, water en klimaat in het landelijk gebied is uw Kamer 1 april jl. geïnformeerd (brief met kenmerk DGS/22055867). De definitieve Stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstuk II 35325, nr. 5) bevatten de maatregelen om de waterkwaliteit verder te verbeteren. Daarbij dienen de aanvullende 4 maatregelen, zoals hierboven genoemd, nog meer in detail te worden uitgewerkt. Het is een stevige uitdaging om al deze maatregelen tijdig uit te voeren. Hoewel naar verwachting de waterkwaliteit in 2027 niet voor iedere parameter op orde zal zijn, biedt de KRW uitzonderingsmogelijkheden. De maatregelen hebben tijd nodig om hun effect te bereiken. In verband met deze zogenoemde na-ijleffecten kan worden gemotiveerd dat de doelen later worden behaald, mits de daarvoor benodigde maatregelen tijdig genomen zijn. Met het 7e AP en het addendum voorzie ik in het tijdig nemen van deze benodigde maatregelen voor zover het de landbouw betreft.

Ik ben me er zeer van bewust dat het proces rondom het verkrijgen van een nieuwe derogatie veel onzekerheden met zich meebrengt voor boeren. Zoals ik in deze brief heb aangegeven, vind ik het ook van groot belang dat de sector duidelijkheid heeft voor de komende jaren. Ik blijf mij inzetten voor een voor de landbouwpraktijk uitvoerbaar voorstel wat ook voldoende borging geeft voor een verbetering van de waterkwaliteit.

Ik zal uw Kamer informeren over de uitkomst van de gesprekken met de Europese Commissie.

[6] www.rijksoverheid.nl/documenten/kamerstukken/2022/04/19/beantwoording-vragen-van-de-leden-minhas-en-van-campen-over-het-bericht-schoon-water-is-in-nederland-nog-ver-weg

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22186295

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22152852

Datum
Betreft Inzet derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

Met deze brief informeer ik u, mede namens de minister voor Natuur en Stikstof, over de gesprekken die ik met het Directoraat-Generaal Milieu (hierna: DG Milieu) van de Europese Commissie (hierna: EC) voer over het verlenen van een derogatie van de Nitraatrichtlijn (hierna: derogatie) aan Nederland voor de periode 2022 tot en met 2025 en mijn inzet in deze gesprekken. Hiermee geef ik invulling aan de ingediende motie van het lid Van Campen van de VVD-fractie tijdens het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserijraad van 19 april 2022 over de gevolgen van derogatieverlies en het voorstel voor derogatiebehoud waarbij rekening wordt gehouden met de uitvoerbaarheid voor de landbouwpraktijk (Kamerstuk 21501-32, nr. 1413).

*Context*
Zoals eerder door mijn ambtsvoorganger is aangegeven (o.a. Kamerstuk 33037, nrs. 368 en 369) volgt de EC zeer nauwgezet de milieutoestand in den brede en de waterkwaliteit in het bijzonder in Nederland, waarbij de EC nadrukkelijk de verslechtering van de waterkwaliteit in Nederland meeweegt. De EC kijkt hierbij ook naar de mogelijke oorzaken van de milieudruk. Dit was het geval bij de derogatieverlening in 2018 en derogatieverlenging in 2020. In 2018 heeft dit er onder meer toe geleid dat derogatie is verleend voor twee in plaats van de gebruikelijke vier jaar en dat aanvullende voorwaarden zijn opgenomen met betrekking tot het vastleggen van de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet, inclusief een handhavingssystematiek bij overschrijding van deze plafonds, en met betrekking tot het tegengaan van fraude met mest. En bij de verlenging van derogatie in 2020 heeft de EC aanvullende voorwaarden gesteld aan de uitstoot van ammoniak in verband met ~~als gevolg van~~ de stikstofproblematiek (Kamerstuk 33037, nr. 369). Bij deze laatste voorwaarden is bijvoorbeeld een temperatuursbepaling vastgesteld voor de toepassing van de sleepvoetbemester op klei- en veengronden. Voor boeren maakt een dergelijke bepaling het lastig om de agrarische praktijk goed uit te kunnen blijven oefenen.

In mijn brief van 20 januari 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 434) heb ik toegelicht dat de EC ook kritisch naar andere lidstaten kijkt bij de implementatie van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water als ook de verlening van derogatie. De EC

heeft daarnaast recent in de conceptderogatiebeschikking aan Ierland[1] aanvullende bepalingen over monitoring van de waterkwaliteit opgenomen. Zo zal een verslechtering van de waterkwaliteit gedurende de looptijd van de derogatie leiden tot een afname van de ~~stikstof~~gebruiksnorm voor dierlijke mest voor derogatiebedrijven van 250 kg stikstof per hectare naar 220 kg stikstof per hectare. Daarnaast heeft het Europees Parlement op 5 april 2022 een resolutie aangenomen over maatregelen tegen waterverontreiniging door nitraten waarin is aangegeven dat er sinds de vaststelling van de Nitraatrichtlijn in 1991 slechts weinig vooruitgang is geboekt mede doordat lidstaten gebruikmaken van vrijstellingen.[2]

Bij de aanbieding van het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 437) heb ik aangegeven op welke wijze aan het Coalitieakkoord uitvoering zal worden gegeven om tijdig en onontkoombaar doelbereik van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water voor zover het de landbouw betreft te realiseren. De maatregelen die in het addendum zijn opgenomen, zijn ingrijpend, maar nodig om doelbereik voor de waterkwaliteit te kunnen realiseren. Op basis hiervan heeft de Europese Commissie (hierna: EC) eind februari 2022 besloten de besluitvormingsprocedure naar derogatie te vervolgen.

*Kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest*
In de afgelopen jaren heeft Nederland zich ingezet voor het mogelijk maken van vervanging van kunstmest door hoogwaardige producten uit dierlijke mest binnen de Nitraatrichtlijn. Door een beter gebruik van lokaal beschikbare grondstoffen kan de input van fossiele kunstmest worden beperkt, kunnen emissies afnemen en kunnen de gerecyclede producten verwaard worden. De belangrijkste uitdaging is om gerecyclede nutriënten op een zodanig kwaliteitsniveau te verkrijgen, dat verliezen in het milieu naar zowel water, bodem als lucht tot een minimum worden beperkt. Het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de EC heeft in de periode 2018-2020 een studie laten uitvoeren naar teruggewonnen stikstof uit dierlijke mest. De betrokken stikstofproducten worden RENURE genoemd, van REcovered Nitrogen from manURE (teruggewonnen stikstof uit mest). Deze studie is in september 2020 afgerond[3]. Hierin worden criteria voorgesteld voor een veilig gebruik van gerecyclede producten uit dierlijke mest boven de in de Nitraatrichtlijn vastgestelde drempel, op een vergelijkbare wijze als voor een niet-organische meststoffen. Als gevolg van de situatie in Oekraïne is de noodzaak om minder afhankelijk van kunstmest te worden verder toegenomen. Zoals ik uw Kamer eerder heb laten weten, heb ik hiertoe in de Landbouw- en Visserijraad van 21 maart 2022 de EC verzocht met een oplossing te komen.

*Overleg DG Milieu en tijdspad*
Uit de gesprekken die op de diverse niveaus met DG Milieu zijn gevoerd over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, het daarbij behorende addendum en de inhoud van een nieuwe derogatie maak ik op dat de EC belang hecht aan diverse

[1] ec.europa.eu/transparency/comitology-register/screen/documents/080076/1/consult?lang=en
[2] www.europarl.europa.eu/doceo/document/TA-9-2022-0110_NL.html
[3] JRC, 2020. 5.1.2.E et al. JRC Publications Repository - Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC) (europa.eu)

sturingsmogelijkheden om zeker te stellen dat de beoogde transitie in de Nederlandse landbouw wordt gerealiseerd. Het kabinet hecht hier zelf ook groot belang aan. Voor een toekomstbestendige landbouw en de kwaliteit van ons milieu, natuur en leefomgeving is het belangrijk dat we zeker stellen dat de milieu- en klimaatdoelen gehaald worden. Dit behelst een grote transitie van de landbouw. Voor het realiseren van deze transitie zijn stabiliteit, rust en zekerheid essentieel, ook met het oog op de bedrijfsafwegingen en investeringsbeslissingen die agrariërs zullen moeten maken.

Zoals hierboven aangegeven heeft de EC in de recente conceptderogatiebeschikking aan Ierland[4] bepalingen opgenomen op basis waarvan de EC kan ingrijpen in de omvang van de derogatie wanneer de waterkwaliteit niet voldoende verbetert. Uit de gesprekken die tot nu toe met DG Milieu zijn gevoerd, wordt de indruk gewekt dat de EC dergelijke bepalingen ook in de beschikking aan Nederland zou willen opnemen, naast andere aanvullende voorwaarden. Ik ben hier geen voorstander van, omdat dit onzekerheid met zich brengt over de omvang van de derogatie gedurende de looptijd van de beschikking, wat voor boeren juist een belangrijk gegeven is in hun bedrijfsbeslissingen en in de agrarische uitvoeringspraktijk. Daarbij komt dat we de afgelopen jaren hebben ervaren dat weersomstandigheden van grote invloed kunnen zijn op de ontwikkeling van de waterkwaliteit, wat buiten de invloedssfeer van de boer ligt. Verder sluit ik niet uit dat de EC de voorwaarden in de derogatiebeschikking zal willen aanscherpen t.o.v. voorgaande jaren. Daarbij valt te denken aan de hoogte van mestproductieplafonds, wat directe impact kan hebben op de veehouderij in Nederland. Dit terwijl ~~is~~ de kern van de gebiedsgerichte aanpak, zoals het kabinet die heeft ingezet, is dat op regionaal en lokaal niveau wordt bepaald hoe de doelen het beste gerealiseerd kunnen worden. Inmenging vanuit Brussel gedurende de looptijd van de beschikking staat daarmee op gespannen voet. Tegelijkertijd besef ik dat voortzetting van de derogatie zoals die aan voorgaande jaren aan Nederland was toegekend, geen haalbare inzet is. De ontwikkeling van de waterkwaliteit en ook de bredere milieusituatie spreekt immers niet in het voordeel van Nederland en derogatieverlening staat in de EU ten principale onder druk. Dit maakt dat ik een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, duidelijkheid geeft voor de sector en rechtdoet aan de noodzakelijke transitie van de landbouw. Daarbij weeg ik ook mee dat de voortdurende onzekerheid over het al dan niet verkrijgen van derogatie in afgelopen jaren steeds tot veel onrust en onduidelijkheid in de sector heeft geleid. Dat is ook nu weer het geval. De impact van het niet opnieuw verkrijgen van derogatie zou groot zijn (zie bijlage 1) ~~maar voor de langere termijn vind ik het van belang om minder afhankelijk te worden van de derogatie.~~

Dit alles afwegend heb ik DG Milieu gevraagd om te voorzien in een derogatiebeschikking voor 2022 tot en met 2025 waarin ik inzet op een stapsgewijze, jaarlijkse ~~afbouw~~ verlaging van de omvang van de extra plaatsingsruimte voor graasdiermest bovenop de norm van 5.1.2.E kg N per hectare. Gelet op de rechtszekerheid voor boeren en het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet op de omvang van de derogatie voor dit jaar op

[4] ec.europa.eu/transparency/comitology-register/screen/documents/080076/1/consult?lang=en

hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren.[5] ~~Met ingang van 2023 zou een stapsgewijze afbouw van de omvang van de derogatie moeten worden ingezet.~~ Ik vind het belangrijk deze stapgewijze verlaging afbouw op voorhand vast te leggen in de beschikking, zodat er gedurende de vier jaar zekerheid is en boeren hiermee rekening kunnen houden en er op kunnen anticiperen in hun bedrijfsvoering. In het kader van de voortgang van de enorme transitie en de integrale gebiedsgerichte aanpak, waarvoor we in Nederland gezamenlijk staan en waarvoor we draagvlak willen blijven houden, is het een voorwaarde aan mijn inzet dat er gedurende de looptijd van de beschikking geen directe interventies vanuit de EC plaatsvinden die de gebiedsgerichte aanpak nadelig kunnen beïnvloeden.

~~Tegelijkertijd~~ Gecombineerd met het ~~afbouwen~~ stapsgewijs verlagen van de derogatie voor graasdiermest zet ik in op het verkrijgen van de mogelijkheid van kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest. Het ligt voor de hand de afspraken voor het gebruik van kunstmestvervangers vast te leggen in de derogatiebeschikking. Hiermee wordt de afhankelijkheid van kunstmest verminderd, wat bijdraagt aan het realiseren van de klimaatdoelen, én ontstaat een nieuw perspectief voor boeren om dierlijke mest te kunnen hergebruiken, mits uiteraard aan de kwaliteitseisen wordt voldaan. Voor wat betreft de inhoud van deze eisen is mijn inzet om aan te sluiten bij de uitkomsten van het hierboven genoemde onderzoek van het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de EC. Hiervoor stel ik een termijn voor van tenminste 8 jaar, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden.

Ik wil hierbij wel opmerken dat de EC nog steeds voorwaarden kan verbinden aan een dergelijke derogatie, zoals hierboven beschreven. Mijn verwachting is echter wel dat deze inzet kan leiden tot voorwaarden die beter aansluiten bij de agrarische uitvoeringspraktijk~~.~~ en langjariger zekerheid kunnen geven.

Op korte termijn wordt het overleg met DG Milieu vervolgd. Dit is van belang om zo meer duidelijkheid te kunnen krijgen over de inhoud en voorwaarden van een derogatie door middel van een intentiebrief van de Europees Commissaris voor Milieu. Het tijdspad wordt hierbij bepaald door het Nitraatcomité dat op 15 juni aanstaande is gepland en waarin Nederland de derde presentatie over het 7e AP en daarbij behorende addendum in de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening wil geven.

De derogatie kende de voorwaarde van een groot aandeel grasland die een grote positieve invloed heeft op de grondwaterkwaliteit. Om te voorkomen dat een stapsgewijze, jaarlijkse ~~afbouw~~ verlaging van de plaatsingsruimte voor graasdiermest leidt tot afname van het areaal grasland en daardoor kan leiden tot verslechtering van de waterkwaliteit in het algemeen zal ik hiervoor aansluiten bij de in het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn aangekondigde uitwerking van een grondgebonden melk- en rundveehouderij waarin ook een aandeel (permanent) grasland is voorzien.

[5] 230 kilogram N per hectare voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg; 250 kilogram N per hectare voor landbouwgrond in de rest van Nederland.

*Consequenties verlies derogatie*
Naar aanleiding van de ingediende motie van het lid Van Campen van de VVD-fractie tijdens het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserijraad van 19 april 2022 over de gevolgen van derogatieverlies verwijs ik u naar een eerdere brief van 4 oktober 2021 over de consequenties van het verlies van derogatie (Kamerstuk 33037, nr. 404). In bijlage 1 bij deze brief is deze informatie opgenomen.

*Doelbereik Kaderrichtlijn Water*
In het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserij Raad van 19 april 2022 heeft het lid Bromet (GroenLinks) gevraagd naar de informatie die de minister van Infrastructuur en Waterstaat (IenW) recent aan uw Kamer heeft gestuurd over het tijdig halen van de doelen van de Kaderrichtlijn Water en hoe zich dit verhoudt tot het 7e AP en het addendum op het 7e AP.
De minister van IenW heeft op 19 april 2022 vragen van de leden Minhas en Van Campen beantwoord over het bericht 'Schoon water is in Nederland nog ver weg'.[6] In deze beantwoording is herhaald wat in het addendum is opgenomen, namelijk dat als onderdeel van het transitiefonds voor de KRW specifiek wordt ingezet op grootschalig herstel van beekdalen op zandgronden. Op basis van een analyse (bijlage bij Kamerstuk 35334, nr. 170) is ingeschat dat hiermee op termijn de uitspoeling op de zandgronden voor stikstof met 40–70% afneemt en voor fosfor met 20–30%. ~~Hiermee kan in de beken voldaan worden aan de vermindering van de landbouwbijdrage voor realisatie van de KRW-doelen.~~ Daarnaast zal de waterkwaliteit profiteren van andere maatregelen die tot doel hebben de sector te extensiveren met het oog op vermindering van de stikstofdepositie op natuurgebieden. Dit is onderdeel van het totale pakket van het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn, zoals recent aan Uw Kamer is gemeld (Kamerstuk 33037, nr. 437), en draagt ook bij aan de doelen van de Nitraatrichtlijn. Over de gecombineerde aanpak van natuur, water en klimaat in het landelijk gebied is uw Kamer 1 april jl. geïnformeerd (brief met kenmerk DGS/22055867). De definitieve Stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstuk II 35325, nr. 5) bevatten de maatregelen om de waterkwaliteit verder te verbeteren. Daarbij dienen de aanvullende 4 maatregelen, zoals hierboven genoemd, nog meer in detail te worden uitgewerkt. Het is een stevige uitdaging om al deze maatregelen tijdig uit te voeren. Hoewel naar verwachting de waterkwaliteit in 2027 niet voor iedere parameter op orde zal zijn, biedt de KRW uitzonderingsmogelijkheden. De maatregelen hebben tijd nodig om hun effect te bereiken. In verband met deze zogenoemde na-ijleffecten kan worden gemotiveerd dat de doelen later worden behaald, mits de daarvoor benodigde maatregelen tijdig genomen zijn. Met het 7e AP en het addendum voorzie ik in het tijdig nemen van deze benodigde maatregelen voor zover het de landbouw betreft.

Ik ben me er zeer van bewust dat een jaarlijkse stapsgewijze ~~afbouw~~ verlaging van de derogatie zeer ingrijpend is voor de sector. Zoals ik in deze brief heb aangegeven vind ik het ook van groot belang dat de sector duidelijkheid heeft voor de komende jaren. Door deze stap te nu te zetten wil ik in die duidelijkheid voorzien.

[6] www.rijksoverheid.nl/documenten/kamerstukken/2022/04/19/beantwoording-vragen-van-de-leden-minhas-en-van-campen-over-het-bericht-schoon-water-is-in-nederland-nog-ver-weg

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22152852

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Bijlage 1 – Consequenties verlies derogatie d.d. 4 oktober 2021

Derogatie houdt in dat boeren onder voorwaarden meer stikstof uit dierlijke mest mogen gebruiken dan de norm van 170 kilogram per hectare die is vastgelegd in de Nitraatrichtlijn (onder andere Kamerstuk 33037, nr. 369). Op grond van de derogatiebeschikking 2020-2021 mogen boeren op zand- en lössgronden in de provincies Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant en Limburg 230 kilogram stikstof per hectare gebruiken en in de overige provincies 250 kilogram stikstof per hectare. Op het moment dat aan Nederland geen derogatie zal worden verleend, betekent dit dat Nederland op alle landbouwgronden zal terugvallen op de gebruiksnorm voor dierlijke meststoffen uit de Nitraatrichtlijn die is bepaald op 170 kilogram stikstof per hectare. De gebruiksnormen voor stikstof en fosfaat totaal (dierlijke mest en kunstmest) veranderen niet door het wegvallen van de derogatie. Naar verwachting zal het wegvallen van de mogelijkheid tot derogatie grote gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland. Momenteel nemen met name melkveehouders deel aan de derogatie. Zij zullen bij geen derogatie op bedrijfsniveau hun bemesting op een andere wijze moeten gaan invullen. De behoefte aan stikstof zal ingevuld worden met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest. Binnen de huidige stikstofgebruiksnorm zal dit betekenen dat het gebruik van kunstmest in de Nederlandse landbouw fors zal gaan toenemen. Aan de andere kant zullen deze melkveehouders op zoek gaan naar wegen om de mest die zij niet meer op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, elders af te zetten. Zij zullen dan hun mest willen gaan afzetten in de akkerbouw, waar nu vooral mest uit de varkenshouderij wordt gebruikt. De nationale plaatsingsruimte voor stikstof uit dierlijke mest zal door het wegvallen van de derogatie afnemen. Hierdoor zal de druk op de mestmarkt gaan toenemen, waarbij de inschatting is dat de voorkeur van akkerbouwers eerder uit zal gaan naar rundveemest, onder meer omdat deze mest meer organische stof bevat. Dit heeft tot gevolg dat de afzet van varkensmest naar de akkerbouw moeilijker wordt, hetgeen de mestafzetkosten in de varkenshouderij kan doen toenemen. Voorzien wordt dat de afzet van mest buiten Nederland zal toenemen. Momenteel vindt al veel export plaats naar met name Duitsland, België en Frankrijk. Het is met name de vaste fractie van mest na mestscheiding die wordt geëxporteerd, dit is de fosfaatrijke fractie. Bij het wegvallen van de derogatie zal ook de stikstofrijke fractie buiten de Nederlandse landbouw afgezet moeten worden. Aangezien de nabije markten voor de afzet van mest reeds verzadigd zijn, zal deze afzet gaan plaatsvinden op grotere afstand. Het zal tijd vergen om deze mest op andere markten te kunnen gaan plaatsen. Om de kostprijs voor dit transport in de hand te houden zal mestbewerking hiervoor noodzakelijk zijn. Ook zullen verwerkingsroutes als verbranding van mest, of biologische zuivering van mest, die de stikstof omzetten naar N2-gas belangrijker worden.
Een andere route is het inzetten op hoogwaardige verwerking van dierlijke mest, tot kunstmestvervangers. De verwachting is dat, als de Europese Commissie voor deze mogelijkheid ruimte biedt, deze verwerking van mest zal gaan toenemen, waarbij de inschatting is dat er momenteel onvoldoende capaciteit in Nederland is om het overschot volledig te kunnen gaan verwerken.
Relevant is dat in de afgelopen periode regelingen zijn opengesteld waardoor de mestproductie in Nederland in de komende jaren zal afnemen. Op 1 april 2021 telde Nederland 4% minder varkens ten opzichte van het jaar ervoor. Dit is mede het gevolg van de Saneringsregeling varkenshouderij. De Landelijke

beëindigingsregeling veehouderijlocaties zal in 2022 open worden gesteld en naar verwachting in 2023 tot effecten leiden. Op dit moment kan geen inschatting worden gegeven van de exacte omvang van de effecten van deze regeling op de mestmarkt. Ditzelfde geldt voor de regelingen die momenteel in provincies zijn opengesteld en die gericht zijn op de opkoop van veehouderijen. Op langere termijn zullen deze regelingen naar verwachting de productie van dierlijke mest beperken, waardoor de druk op de mestmarkt op landelijk niveau, wanneer de derogatie weg zou vallen, weer wat zal afnemen. Voor individuele veehouders zal de plaatsingsruimte echter hoe dan ook afnemen bij geen derogatie. Naast de gevolgen op de mestmarkt, zijn er ook vragen gesteld over de milieueffecten indien Nederland geen derogatie zou krijgen. Hierover heb ik uw Kamer eerder geïnformeerd. Op mijn verzoek heeft de CDM een advies gegeven over de milieueffecten van derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 369). Uit dit advies blijkt dat derogatie, onder meer als gevolg van de voorwaarde ten aanzien van grasland, positief bijdraagt aan de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit. Derogatie kan als gevolg van de hogere toegestane dierlijke mestgift wel leiden tot een hogere ammoniakemissie. Indien de derogatie zou wegvallen, is de verwachting dat een deel van het grasland dat nu wordt aangehouden om aan de derogatievoorwaarden te voldoen, zal worden omgezet in bouwland. Dit zou een negatief effect hebben op de waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit. Concluderend zullen de mestverwerkingscapaciteit en exportmogelijkheden op korte termijn onvoldoende zijn om het gehele mestoverschot te kunnen plaatsen bij verlies van de derogatie. De druk op de mestmarkt zal zo fors toenemen dat de gevolgen daarvan zeer grote impact kunnen hebben op de gehele landbouw in Nederland.

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 26 april 2022 08:28
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E
5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: Ter akkoord - adviesnota + Kamerbrief derogatie

Dag allemaal,

Ik heb Henk net al even gebeld en gesproken hierover.

Toen ik de tweede brief las, begreep ik even niets van de koerswijziging t.o.v. brief 1 zoals gisteren besproken. Maar het ambtelijk advies maakt dit duidelijk.
5.1.2.i

Hartelijke groet,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Datum:** 25 april 2022 om 21:48:29 CEST
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>,
5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E
5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Ter akkoord - adviesnota + Kamerbrief derogatie

Dag Henk en 5.1.2.E

Vanochtend is met jullie gesproken over derogatie en daarna heeft er nog bestuurlijk overleg plaatsgevonden. Dit heeft geresulteerd in bijgaande adviesnota en twee versies van de Kamerbrief.

We horen graag of jullie akkoord zijn met de geadviseerde Kamerbrief.

Groet,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 26 april 2022 13:13
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.e [redacted]); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Nieuwe versie TK-brief derogatie
**Bijlagen:** DOMUS-22187518-v2-Nota_Kamerbrieven__Derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn.docx; TK-brief derogatie - versie 3.docx

Dag Henk,

Bijgaand vind je een nota en een nieuwe versie van de Kamerbrief over derogatie tbv overleg om 13.30u

Groet,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ONDERTEKENING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E 5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
26 april 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22187518

**BHM 22187707**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Derogatie van de Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| DG Agro | Directeur PAV | BPZ |
|---|---|---|
| 5.1.2.e | 5.1.2.e | 5.1.2.E |

## Aanleiding
Deze nota dient ter aanvulling op de nota van 25 april jl. over hetzelfde onderwerp.

## Advies
MINLNV:
- Ons advies is om brief versie 3 te verzenden. Ik deze versie bent u transparant over dat u de onderhandelingsinzet niet wilt delen, omdat u daarmee de onderhandelingspositie schaadt.
- Ons advies om voordat u een besluit neemt over accordering van een briefversie, hierover kort te sluiten met Minister NenS
- Ons advies is dat wij ambtelijk, nádat u contact met MNenS hebt gehad en vóór verzending van de brief aan de Tweede Kamer, LTO en NAJK contacten.

## Kernpunten
- Naar aanleiding van de ingediende motie van het lid Van Campen van de VVD-fractie tijdens het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserijraad van 19 april 2022 is er een Tweede en Eerste Kamerbrief opgesteld over de gevolgen van mogelijk derogatieverlies en de inzet voor de nieuwe derogatie. Deze concept Kamerbrief is vrijdag 22 april aan u voorgelegd. Dit concept is op maandag 25 april in de weekstart met u besproken. De wijzigingen die naar aanleiding van uw opmerkingen zijn aangebracht, zijn in revisie in de nieuwe versie van de brief zichtbaar gemaakt.

- Naar aanleiding van het bestuurlijk overleg van maandag 25 april met NAJK en LTO Nederland is ook een aangepaste versie van de Kamerbrief opgesteld, waarin enkel wordt ingegaan op de verzoeken uit de ingediende motie.
- Op verzoek van MLNV is op 26 april een derde versie van de TK brief gemaakt.
- Er zijn dus nu drie versies van de Kamerbrief:

Ontvangen BPZ

- Versie 1 van 22 april (met door de u gewenste revisies), waarin de inhoudelijke inzet van het jaarlijkse stapsgewijze afbouwpad concreet is beschreven
- Versie 2 van 25 april, waarin de consequenties van het verlies van de derogatie voorop staan en de complexiteit van wederom een derogatie verkrijgen staat beschreven (conform versie 1 van de brief), maar zonder het concrete afbouwpad te benoemen. Wel wordt beschreven dat ingezet wordt op drie kernpunten: geen verlaging van de derogatie in 2022, derogatie voor 4 jaar en geen beïnvloeding van gebiedsprocessen door de EC.
- Versie 3 van 26 april, waarin op versie 2 van de brief is aangevuld dat: "Ik zal in de onderhandelingen de optimale ruimte zoeken en zal hierin het noodzakelijke doen. Omdat ik de Nederlandse onderhandelingspositie niet wil schaden, vraag ik uw begrip voor het feit dat ik mijn concrete onderhandelingsinzet niet met uw Kamer deel."

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E 5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22187503

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

Deze brief stuur ik, mede namens de minister voor Natuur en Stikstof, u naar aanleiding van de ingediende motie van het lid Van Campen van de VVD-fractie tijdens het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserijraad van 19 april 2022 (Kamerstuk 21501-32, nr. 1413). Hierbij ga ik eerst in op de consequenties van het verlies van derogatie. Daarnaast informeer ik u over het proces voor het verkrijgen van een nieuwe derogatie.

*Consequenties verlies derogatie*
Derogatie houdt in dat boeren onder voorwaarden meer stikstof uit dierlijke mest mogen gebruiken dan de norm van 170 kilogram per hectare die is vastgelegd in de Nitraatrichtlijn (onder andere Kamerstuk 33037, nr. 369). Op grond van de derogatiebeschikking 2020-2021 mogen boeren op zand- en lössgronden in de provincies Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant en Limburg 230 kilogram stikstof per hectare gebruiken en in de overige provincies 250 kilogram stikstof per hectare. Op het moment dat aan Nederland geen derogatie zal worden verleend, betekent dit dat Nederland op alle landbouwgronden zal terugvallen op de gebruiksnorm voor dierlijke meststoffen uit de Nitraatrichtlijn die is bepaald op 170 kilogram stikstof per hectare. De gebruiksnormen voor stikstof en fosfaat totaal (dierlijke mest en kunstmest) veranderen niet door het wegvallen van de derogatie.

Naar verwachting zal het wegvallen van de mogelijkheid tot derogatie grote gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland. Momenteel nemen met name melkveehouders deel aan de derogatie. Zij zullen bij geen derogatie op bedrijfsniveau hun bemesting op een andere wijze moeten gaan invullen. De behoefte aan stikstof zal ingevuld worden met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest. Binnen de huidige stikstofgebruiksnorm zal dit betekenen dat het gebruik van kunstmest in de Nederlandse landbouw fors zal gaan toenemen. Aan de andere kant zullen deze melkveehouders op zoek gaan naar wegen om de mest die zij niet meer op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, elders af te zetten. 5.1.2.E zullen dan hun mest willen gaan afzetten in de akkerbouw, waar nu vooral mest uit de varkenshouderij wordt gebruikt. De nationale plaatsingsruimte voor stikstof uit dierlijke mest zal door het wegvallen van de derogatie afnemen. Hierdoor zal de druk op de mestmarkt gaan toenemen.

Voorzien wordt dat de afzet van mest buiten Nederland zal toenemen. Momenteel vindt al veel export plaats naar met name Duitsland, België en Frankrijk. Het is met name de vaste fractie van mest na mestscheiding die wordt geëxporteerd, dit is de fosfaatrijke fractie. Bij het wegvallen van de derogatie zal ook de stikstofrijke fractie buiten de Nederlandse landbouw afgezet moeten worden. Om de kostprijs voor dit transport in de hand te houden zal mestbewerking hiervoor noodzakelijk zijn. Ook zullen verwerkingsroutes als verbranding van mest, of biologische zuivering van mest, die de stikstof omzetten naar N2-gas belangrijker worden. Een andere route is het inzetten op hoogwaardige verwerking van dierlijke mest, tot kunstmestvervangers. De verwachting is dat, als de Europese Commissie (hierna: EC) voor deze mogelijkheid ruimte biedt, deze verwerking van mest zal gaan toenemen, waarbij de inschatting is dat er momenteel onvoldoende capaciteit in Nederland is om het overschot volledig te kunnen gaan verwerken.

Relevant is dat in de afgelopen periode regelingen zijn opengesteld waardoor de mestproductie in Nederland in de komende jaren zal afnemen. Op 1 april 2021 telde Nederland 4% minder varkens ten opzichte van het jaar ervoor. Dit is mede het gevolg van de Saneringsregeling varkenshouderij. De Landelijke beëindigingsregeling veehouderijlocaties zal in 2022 open worden gesteld en naar verwachting in 2023 tot effecten leiden. Op dit moment kan geen inschatting worden gegeven van de exacte omvang van de effecten van deze regeling op de mestmarkt. Ditzelfde geldt voor de regelingen die momenteel in provincies zijn opengesteld en die gericht zijn op de opkoop van veehouderijen. Op langere termijn zullen deze regelingen naar verwachting de productie van dierlijke mest beperken, waardoor de druk op de mestmarkt op landelijk niveau, wanneer de derogatie weg zou vallen, weer wat zal afnemen. Voor individuele veehouders zal op bedrijfsniveau de plaatsingsruimte echter hoe dan ook afnemen bij geen derogatie.

Naast de gevolgen op de mestmarkt heeft het ook gevolgen voor het milieu indien Nederland geen derogatie zou krijgen. Hierover heb ik uw Kamer eerder geïnformeerd. Op mijn verzoek heeft de CDM een advies gegeven over de milieueffecten van derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 369). Uit dit advies blijkt dat derogatie, onder meer als gevolg van de voorwaarde ten aanzien van grasland, positief bijdraagt aan de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit. Derogatie kan als gevolg van de hogere toegestane dierlijke mestgift wel leiden tot een hogere ammoniakemissie. Indien de derogatie zou wegvallen, is de verwachting dat een deel van het grasland dat nu wordt aangehouden om aan de derogatievoorwaarden te voldoen, zal worden omgezet in bouwland. Dit zou een negatief effect hebben op de waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit.

Concluderend zullen de mestverwerkingscapaciteit en exportmogelijkheden op korte termijn onvoldoende zijn om het gehele mestoverschot te kunnen plaatsen bij verlies van de derogatie. De druk op de mestmarkt zal zo fors toenemen dat de gevolgen daarvan zeer grote impact kunnen hebben op de gehele landbouw in Nederland. Tegelijkertijd zal de milieukwaliteit kunnen verslechteren, en door meer kunstmestgebruik, meer gebruik van fossiele brandstoffen en een hogere CO2 uitstoot het gevolg zijn.

*Proces nieuwe derogatie*
Ten aanzien van de weg naar een nieuwe derogatie voor Nederland, is het volgende te melden. U bent al eerder in Kamerbrieven en in debatten geïnformeerd dat het zonder meer verkrijgen van deze derogatie niet vanzelfsprekend is. Voor mij is sinds mijn aantreden begin dit jaar het derogatiedossier een prioriteit geweest en dat zal ook zo blijven.

Zoals eerder door mijn ambtsvoorganger is aangegeven (o.a. Kamerstuk 33037, nrs. 368 en 369) volgt de EC zeer nauwgezet de milieutoestand in den brede en de waterkwaliteit in het bijzonder in Nederland, waarbij de EC nadrukkelijk de verslechtering van de waterkwaliteit in Nederland meeweegt. De EC kijkt hierbij ook naar de mogelijke oorzaken van de milieudruk.
Dit was het geval bij de derogatieverlening in 2018 en derogatieverlenging in 2020. In 2018 heeft dit er onder meer toe geleid dat derogatie is verleend voor twee in plaats van de gebruikelijke vier jaar en dat aanvullende voorwaarden zijn opgenomen met betrekking tot het vastleggen van de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet, inclusief een handhavingssystematiek bij overschrijding van deze plafonds, en met betrekking tot het tegengaan van fraude met mest. Bij de verlenging van derogatie in 2020 heeft de EC aanvullende voorwaarden gesteld aan de uitstoot van ammoniak in verband met de stikstofproblematiek (Kamerstuk 33037, nr. 369). Bij deze laatste voorwaarden is bijvoorbeeld een temperatuursbepaling vastgesteld voor de toepassing van de sleepvoetbemester op klei- en veengronden. Voor boeren maakt een dergelijke bepaling het lastig om de agrarische praktijk goed uit te kunnen blijven oefenen.

Uit de lopende gesprekken die op de diverse niveaus met EC zijn gevoerd over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, het daarbij behorende addendum en de inhoud van een nieuwe derogatie, maak ik op dat de EC belang hecht aan diverse sturingsmogelijkheden om zeker te stellen dat de beoogde transitie in de Nederlandse landbouw wordt gerealiseerd. De EC geeft daarbij aan dat de ontwikkeling van de waterkwaliteit en ook de bredere milieusituatie niet in het voordeel van Nederland spreekt.

In mijn brief van 20 januari 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 434) heb ik toegelicht dat de EC ook kritisch naar andere lidstaten kijkt bij de implementatie van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water als ook de verlening van derogatie. De EC heeft daarnaast recent in de conceptderogatiebeschikking aan Ierland[1] aanvullende bepalingen over monitoring van de waterkwaliteit opgenomen.

Uit de gesprekken die tot nu toe met DG Milieu zijn gevoerd, maak ik op dat de EC dergelijke bepalingen ook in de beschikking aan Nederland zou willen opnemen, naast andere aanvullende voorwaarden. Ik ben hier geen voorstander van, omdat dit onzekerheid met zich brengt over de omvang van de derogatie gedurende de looptijd van de beschikking, wat voor boeren juist een belangrijk gegeven is in hun bedrijfsbeslissingen en in de agrarische uitvoeringspraktijk. Daarbij komt dat we de afgelopen jaren hebben ervaren dat weersomstandigheden van grote

[1] ec.europa.eu/transparency/comitology-register/screen/documents/080076/1/consult?lang=en

invloed kunnen zijn op de ontwikkeling van de waterkwaliteit, wat buiten de invloedssfeer van de boer ligt.

Verder sluit ik niet uit dat de EC de voorwaarden in de derogatiebeschikking nog verder zal willen aanscherpen t.o.v. de derogatiebeschikking van voorgaande jaren. Daarbij valt te denken aan de hoogte van mestproductieplafonds, wat directe impact kan hebben op de veehouderij in Nederland. Dit terwijl de kern van de gebiedsgerichte aanpak, zoals het kabinet die heeft ingezet, is dat op regionaal en lokaal niveau wordt bepaald hoe de doelen het beste gerealiseerd kunnen worden. Inmenging vanuit Brussel gedurende de looptijd van de beschikking staat daarmee op gespannen voet. Daarnaast heeft het Europees Parlement op 5 april 2022 een resolutie aangenomen over maatregelen tegen waterverontreiniging door nitraten waarin is aangegeven dat er sinds de vaststelling van de Nitraatrichtlijn in 1991 slechts weinig vooruitgang is geboekt mede doordat lidstaten gebruikmaken van vrijstellingen.[2]

Mijn conclusie is dat we er rekening mee moeten houden dat voortzetting van de derogatie, zoals die voorgaande jaren aan Nederland was toegekend, steeds lastiger wordt. Ik besef heel goed dat het pijnlijk is voor de agrarische sector, om ook hiermee geconfronteerd te worden, terwijl we in Nederland ook staan voor andere grote opgaven, met grote gevolgen voor de sector.

Bovenstaande context zorgt er voor dat ik in de derogatieonderhandelingen een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel (en dus de waterkwaliteit verbetert), maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en rechtdoet aan de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Daarnaast is het van groot belang om een besluit te krijgen dat aansluit bij de uitvoerbaarheid in agrarische bedrijfspraktijk. Daarbij weeg ik ook mee dat de voortdurende onzekerheid over het al dan niet verkrijgen van derogatie in afgelopen jaren steeds tot veel onrust en onduidelijkheid in de sector heeft geleid.

Gedurende het proces van onderhandelen zet ik in op drie kernvoorwaarden:
- Gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen.
- Door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet op de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren.[3]
- Ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

Ik zal in de onderhandelingen de optimale ruimte zoeken en zal hierin het noodzakelijke doen. Omdat ik de Nederlandse onderhandelingspositie niet wil schaden, vraag ik uw begrip voor het feit dat ik mijn concrete onderhandelingsinzet niet met uw Kamer deel.

---

[2] www.europarl.europa.eu/doceo/document/TA-9-2022-0110_NL.html
[3] 230 kilogram N per hectare voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg; 250 kilogram N per hectare voor landbouwgrond in de rest van Nederland.

Het overleg met DG Milieu loopt en wordt vervolgd. Dit is van belang om zo snel meer duidelijkheid te kunnen krijgen over de inhoud en voorwaarden van een derogatie door middel van een intentiebrief van de Europees Commissaris voor Milieu. Het tijdspad wordt hierbij bepaald door het Nitraatcomité dat op 15 juni aanstaande is gepland en waarin Nederland de derde presentatie over het 7e AP en daarbij behorende addendum in de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening wil geven. Ruim daarvóór moeten de contouren van het onderhandelingsresultaat gereed zijn, om tijdig enige vorm van zekerheid te kunnen bieden aan de agrarische sector in Nederland.

*Kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest*
In de afgelopen jaren heeft Nederland zich ingezet voor het mogelijk maken van vervanging van kunstmest door hoogwaardige producten uit dierlijke mest binnen de Nitraatrichtlijn. Door een beter gebruik van lokaal beschikbare grondstoffen kan de input van fossiele kunstmest worden beperkt, kunnen emissies afnemen en kunnen de gerecyclede producten verwaard worden. De belangrijkste uitdaging is om gerecyclede nutriënten op een zodanig kwaliteitsniveau te verkrijgen, dat verliezen in het milieu naar zowel water, bodem als lucht tot een minimum worden beperkt. Het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de EC heeft in de periode 2018-2020 een studie laten uitvoeren naar teruggewonnen stikstof uit dierlijke mest. De betrokken stikstofproducten worden RENURE genoemd, van REcovered Nitrogen from manURE (teruggewonnen stikstof uit mest). Deze studie is in september 2020 afgerond[4]. Hierin worden criteria voorgesteld voor een veilig gebruik van gerecyclede producten uit dierlijke mest boven de in de Nitraatrichtlijn vastgestelde drempel, op een vergelijkbare wijze als voor een niet-organische meststoffen. Als gevolg van de situatie in Oekraïne is de noodzaak om minder afhankelijk van kunstmest te worden verder toegenomen. Zoals ik uw Kamer eerder heb laten weten, heb ik hiertoe in de Landbouw- en Visserijraad van 21 maart 2022 de EC verzocht met een oplossing te komen. Diverse Europese lidstaten ondersteunden dit verzoek.

Tegelijkertijd met de inzet voor de derogatie voor graasdiermest zet ik in op het verkrijgen van de mogelijkheid van kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest. Hiermee wordt de afhankelijkheid van kunstmest verminderd, wat bijdraagt aan het realiseren van de klimaatdoelen, én ontstaat een nieuw perspectief voor boeren om dierlijke mest te kunnen hergebruiken, mits uiteraard aan de kwaliteitseisen wordt voldaan. Voor wat betreft de inhoud van deze eisen is mijn inzet om aan te sluiten bij de uitkomsten van het hierboven genoemde onderzoek van het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de EC. Hiervoor stel ik een termijn voor van tenminste 8 jaar, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden.

*Doelbereik Kaderrichtlijn Water*
In het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserij Raad van 19 april 2022 heeft het lid Bromet (GroenLinks) gevraagd naar de informatie die de minister van

[4] JRC, 2020. 5.1.2.E et al. JRC Publications Repository - Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC) (europa.eu)

Infrastructuur en Waterstaat (IenW) recent aan uw Kamer heeft gestuurd over het tijdig halen van de doelen van de Kaderrichtlijn Water en hoe zich dit verhoudt tot het 7e AP en het addendum op het 7e AP.
De minister van IenW heeft op 19 april 2022 vragen van de leden Minhas en Van Campen beantwoord over het bericht 'Schoon water is in Nederland nog ver weg'.[5] In deze beantwoording is herhaald wat in het addendum is opgenomen, namelijk dat als onderdeel van het transitiefonds voor de KRW specifiek wordt ingezet op grootschalig herstel van beekdalen op zandgronden. Op basis van een analyse (bijlage bij Kamerstuk 35334, nr. 170) is ingeschat dat hiermee op termijn de uitspoeling op de zandgronden voor stikstof met 40–70% afneemt en voor fosfor met 20–30%. Daarnaast zal de waterkwaliteit profiteren van andere maatregelen die tot doel hebben de sector te extensiveren met het oog op vermindering van de stikstofdepositie op natuurgebieden. Dit is onderdeel van het totale pakket van het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn, zoals recent aan Uw Kamer is gemeld (Kamerstuk 33037, nr. 437), en draagt ook bij aan de doelen van de Nitraatrichtlijn. Over de gecombineerde aanpak van natuur, water en klimaat in het landelijk gebied is uw Kamer 1 april jl. geïnformeerd (brief met kenmerk DGS/22055867). De definitieve Stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstuk II 35325, nr. 5) bevatten de maatregelen om de waterkwaliteit verder te verbeteren. Daarbij dienen de aanvullende 4 maatregelen, zoals hierboven genoemd, nog meer in detail te worden uitgewerkt. Het is een stevige uitdaging om al deze maatregelen tijdig uit te voeren. Hoewel naar verwachting de waterkwaliteit in 2027 niet voor iedere parameter op orde zal zijn, biedt de KRW uitzonderingsmogelijkheden. De maatregelen hebben tijd nodig om hun effect te bereiken. In verband met deze zogenoemde na-ijleffecten kan worden gemotiveerd dat de doelen later worden behaald, mits de daarvoor benodigde maatregelen tijdig genomen zijn. Met het 7e AP en het addendum voorzie ik in het tijdig nemen van deze benodigde maatregelen voor zover het de landbouw betreft.

Ik ben me er zeer van bewust dat het proces rondom het verkrijgen van een nieuwe derogatie veel onzekerheden met zich meebrengt voor boeren. Zoals ik in deze brief heb aangegeven, vind ik het ook van groot belang dat de sector duidelijkheid heeft voor de komende jaren. Ik blijf mij inzetten voor een voor de landbouwpraktijk uitvoerbaar voorstel wat ook voldoende borging geeft voor een verbetering van de waterkwaliteit.

Ik zal uw Kamer informeren over de uitkomst van de gesprekken met de Europese Commissie.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

[5] www.rijksoverheid.nl/documenten/kamerstukken/2022/04/19/beantwoording-vragen-van-de-leden-minhas-en-van-campen-over-het-bericht-schoon-water-is-in-nederland-nog-ver-weg

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 26 april 2022 13:53
**Aan:** 5.1.2.E [redacted] (5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); [redacted]); 5.1.2.E (5.1.2.E );
5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Onderwerp:** Aangepaste Kamerbrief derogatie
**Bijlagen:** Nota - Kamerbrief derogatie.docx; TK-brief derogatie - versie 3.docx

Dag 5.1.2.E

Bijgaand vind je een aangepaste Kamerbrief over derogatie. Henk gaf aan dat hij jou hier zo om 14.00u over belt.

Groet,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ONDERTEKENING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E 5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
26 april 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22187518

**BHM 22187707**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Derogatie van de Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| DG Agro | Directeur PAV | BPZ |
|---|---|---|
| 5.1.2.e | 5.1.2.e | 5.1.2.E |

## Aanleiding
Deze nota dient ter aanvulling op de nota van 25 april jl. over hetzelfde onderwerp.

## Advies
MINLNV:
- Ons advies is om brief versie 3 te verzenden. Ik deze versie bent u transparant over dat u de onderhandelingsinzet niet wilt delen, omdat u daarmee de onderhandelingspositie schaadt.
- Ons advies om voordat u een besluit neemt over accordering van een briefversie, hierover kort te sluiten met Minister NenS
- Ons advies is dat wij ambtelijk, nádat u contact met MNenS hebt gehad en vóór verzending van de brief aan de Tweede Kamer, LTO en NAJK contacten.

## Kernpunten
- Naar aanleiding van de ingediende motie van het lid Van Campen van de VVD-fractie tijdens het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserijraad van 19 april 2022 is er een Tweede en Eerste Kamerbrief opgesteld over de gevolgen van mogelijk derogatieverlies en de inzet voor de nieuwe derogatie. Deze concept Kamerbrief is vrijdag 22 april aan u voorgelegd. Dit concept is op maandag 25 april in de weekstart met u besproken. De wijzigingen die naar aanleiding van uw opmerkingen zijn aangebracht, zijn in revisie in de nieuwe versie van de brief zichtbaar gemaakt.
- Op verzoek van MLNV is op 26 april een derde versie van de TK brief gemaakt.
- Er zijn dus nu drie versies van de Kamerbrief:
  - Versie 1 van 22 april (met door de u gewenste revisies), waarin de inhoudelijke inzet van het jaarlijkse stapsgewijze afbouwpad concreet is beschreven

Ontvangen BPZ

- Versie 2 van 25 april, waarin de consequenties van het verlies van de derogatie voorop staan en de complexiteit van wederom een derogatie verkrijgen staat beschreven (conform versie 1 van de brief), maar zonder het concrete afbouwpad te benoemen. Wel wordt beschreven dat ingezet wordt op drie kernpunten: geen verlaging van de derogatie in 2022, derogatie voor 4 jaar en geen beïnvloeding van gebiedsprocessen door de EC.
- Versie 3 van 26 april, waarin op versie 2 van de brief is aangevuld dat: "Ik zal in de onderhandelingen de optimale ruimte zoeken en zal hierin het noodzakelijke doen. Omdat ik de Nederlandse onderhandelingspositie niet wil schaden, vraag ik uw begrip voor het feit dat ik mijn concrete onderhandelingsinzet niet met uw Kamer deel."

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E 5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22187503

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

Deze brief stuur ik, mede namens de minister voor Natuur en Stikstof, u naar aanleiding van de ingediende motie van het lid Van Campen van de VVD-fractie tijdens het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserijraad van 19 april 2022 (Kamerstuk 21501-32, nr. 1413). Hierbij ga ik eerst in op de consequenties van het verlies van derogatie. Daarnaast informeer ik u over het proces voor het verkrijgen van een nieuwe derogatie.

*Consequenties verlies derogatie*
Derogatie houdt in dat boeren onder voorwaarden meer stikstof uit dierlijke mest mogen gebruiken dan de norm van 170 kilogram per hectare die is vastgelegd in de Nitraatrichtlijn (onder andere Kamerstuk 33037, nr. 369). Op grond van de derogatiebeschikking 2020-2021 mogen boeren op zand- en lössgronden in de provincies Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant en Limburg 230 kilogram stikstof per hectare gebruiken en in de overige provincies 250 kilogram stikstof per hectare. Op het moment dat aan Nederland geen derogatie zal worden verleend, betekent dit dat Nederland op alle landbouwgronden zal terugvallen op de gebruiksnorm voor dierlijke meststoffen uit de Nitraatrichtlijn die is bepaald op 170 kilogram stikstof per hectare. De gebruiksnormen voor stikstof en fosfaat totaal (dierlijke mest en kunstmest) veranderen niet door het wegvallen van de derogatie.

Naar verwachting zal het wegvallen van de mogelijkheid tot derogatie grote gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland. Momenteel nemen met name melkveehouders deel aan de derogatie. Zij zullen bij geen derogatie op bedrijfsniveau hun bemesting op een andere wijze moeten gaan invullen. De behoefte aan stikstof zal ingevuld worden met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest. Binnen de huidige stikstofgebruiksnorm zal dit betekenen dat het gebruik van kunstmest in de Nederlandse landbouw fors zal gaan toenemen. Aan de andere kant zullen deze melkveehouders op zoek gaan naar wegen om de mest die zij niet meer op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, elders af te zetten. Zij zullen dan hun mest willen gaan afzetten in de akkerbouw, waar nu vooral mest uit de varkenshouderij wordt gebruikt. De nationale plaatsingsruimte voor stikstof uit dierlijke mest zal door het wegvallen van de derogatie afnemen. Hierdoor zal de druk op de mestmarkt gaan toenemen.

Voorzien wordt dat de afzet van mest buiten Nederland zal toenemen. Momenteel vindt al veel export plaats naar met name Duitsland, België en Frankrijk. Het is met name de vaste fractie van mest na mestscheiding die wordt geëxporteerd, dit is de fosfaatrijke fractie. Bij het wegvallen van de derogatie zal ook de stikstofrijke fractie buiten de Nederlandse landbouw afgezet moeten worden. Om de kostprijs voor dit transport in de hand te houden zal mestbewerking hiervoor noodzakelijk zijn. Ook zullen verwerkingsroutes als verbranding van mest, of biologische zuivering van mest, die de stikstof omzetten naar N2-gas belangrijker worden. Een andere route is het inzetten op hoogwaardige verwerking van dierlijke mest, tot kunstmestvervangers. De verwachting is dat, als de Europese Commissie (hierna: EC) voor deze mogelijkheid ruimte biedt, deze verwerking van mest zal gaan toenemen, waarbij de inschatting is dat er momenteel onvoldoende capaciteit in Nederland is om het overschot volledig te kunnen gaan verwerken.

Relevant is dat in de afgelopen periode regelingen zijn opengesteld waardoor de mestproductie in Nederland in de komende jaren zal afnemen. Op 1 april 2021 telde Nederland 4% minder varkens ten opzichte van het jaar ervoor. Dit is mede het gevolg van de Saneringsregeling varkenshouderij. De Landelijke beëindigingsregeling veehouderijlocaties zal in 2022 open worden gesteld en naar verwachting in 2023 tot effecten leiden. Op dit moment kan geen inschatting worden gegeven van de exacte omvang van de effecten van deze regeling op de mestmarkt. Ditzelfde geldt voor de regelingen die momenteel in provincies zijn opengesteld en die gericht zijn op de opkoop van veehouderijen. Op langere termijn zullen deze regelingen naar verwachting de productie van dierlijke mest beperken, waardoor de druk op de mestmarkt op landelijk niveau, wanneer de derogatie weg zou vallen, weer wat zal afnemen. Voor individuele veehouders zal op bedrijfsniveau de plaatsingsruimte echter hoe dan ook afnemen bij geen derogatie.

Naast de gevolgen op de mestmarkt heeft het ook gevolgen voor het milieu indien Nederland geen derogatie zou krijgen. Hierover heb ik uw Kamer eerder geïnformeerd. Op mijn verzoek heeft de CDM een advies gegeven over de milieueffecten van derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 369). Uit dit advies blijkt dat derogatie, onder meer als gevolg van de voorwaarde ten aanzien van grasland, positief bijdraagt aan de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit. Derogatie kan als gevolg van de hogere toegestane dierlijke mestgift wel leiden tot een hogere ammoniakemissie. Indien de derogatie zou wegvallen, is de verwachting dat een deel van het grasland dat nu wordt aangehouden om aan de derogatievoorwaarden te voldoen, zal worden omgezet in bouwland. Dit zou een negatief effect hebben op de waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit.

Concluderend zullen de mestverwerkingscapaciteit en exportmogelijkheden op korte termijn onvoldoende zijn om het gehele mestoverschot te kunnen plaatsen bij verlies van de derogatie. De druk op de mestmarkt zal zo fors toenemen dat de gevolgen daarvan zeer grote impact kunnen hebben op de gehele landbouw in Nederland. Tegelijkertijd zal de milieukwaliteit kunnen verslechteren, en door meer kunstmestgebruik, meer gebruik van fossiele brandstoffen en een hogere CO2 uitstoot het gevolg zijn.

*Proces nieuwe derogatie*
Ten aanzien van de weg naar een nieuwe derogatie voor Nederland, is het volgende te melden. U bent al eerder in Kamerbrieven en in debatten geïnformeerd dat het zonder meer verkrijgen van deze derogatie niet vanzelfsprekend is. Voor mij is sinds mijn aantreden begin dit jaar het derogatiedossier een prioriteit geweest en dat zal ook zo blijven.

Zoals eerder door mijn ambtsvoorganger is aangegeven (o.a. Kamerstuk 33037, nrs. 368 en 369) volgt de EC zeer nauwgezet de milieutoestand in den brede en de waterkwaliteit in het bijzonder in Nederland, waarbij de EC nadrukkelijk de verslechtering van de waterkwaliteit in Nederland meeweegt. De EC kijkt hierbij ook naar de mogelijke oorzaken van de milieudruk.
Dit was het geval bij de derogatieverlening in 2018 en derogatieverlenging in 2020. In 2018 heeft dit er onder meer toe geleid dat derogatie is verleend voor twee in plaats van de gebruikelijke vier jaar en dat aanvullende voorwaarden zijn opgenomen met betrekking tot het vastleggen van de mestproductieplafonds in de Meststoffenwet, inclusief een handhavingssystematiek bij overschrijding van deze plafonds, en met betrekking tot het tegengaan van fraude met mest. Bij de verlenging van derogatie in 2020 heeft de EC aanvullende voorwaarden gesteld aan de uitstoot van ammoniak in verband met de stikstofproblematiek (Kamerstuk 33037, nr. 369). Bij deze laatste voorwaarden is bijvoorbeeld een temperatuursbepaling vastgesteld voor de toepassing van de sleepvoetbemester op klei- en veengronden. Voor boeren maakt een dergelijke bepaling het lastig om de agrarische praktijk goed uit te kunnen blijven oefenen.

Uit de lopende gesprekken die op de diverse niveaus met EC zijn gevoerd over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, het daarbij behorende addendum en de inhoud van een nieuwe derogatie, maak ik op dat de EC belang hecht aan diverse sturingsmogelijkheden om zeker te stellen dat de beoogde transitie in de Nederlandse landbouw wordt gerealiseerd. De EC geeft daarbij aan dat de ontwikkeling van de waterkwaliteit en ook de bredere milieusituatie niet in het voordeel van Nederland spreekt.

In mijn brief van 20 januari 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 434) heb ik toegelicht dat de EC ook kritisch naar andere lidstaten kijkt bij de implementatie van de Nitraatrichtlijn en Kaderrichtlijn Water als ook de verlening van derogatie. De EC heeft daarnaast recent in de conceptderogatiebeschikking aan Ierland[1] aanvullende bepalingen over monitoring van de waterkwaliteit opgenomen.

Uit de gesprekken die tot nu toe met DG Milieu zijn gevoerd, maak ik op dat de EC dergelijke bepalingen ook in de beschikking aan Nederland zou willen opnemen, naast andere aanvullende voorwaarden. Ik ben hier geen voorstander van, omdat dit onzekerheid met zich brengt over de omvang van de derogatie gedurende de looptijd van de beschikking, wat voor boeren juist een belangrijk gegeven is in hun bedrijfsbeslissingen en in de agrarische uitvoeringspraktijk. Daarbij komt dat we de afgelopen jaren hebben ervaren dat weersomstandigheden van grote

[1] ec.europa.eu/transparency/comitology-register/screen/documents/080076/1/consult?lang=en

invloed kunnen zijn op de ontwikkeling van de waterkwaliteit, wat buiten de invloedssfeer van de boer ligt.

Verder sluit ik niet uit dat de EC de voorwaarden in de derogatiebeschikking nog verder zal willen aanscherpen t.o.v. de derogatiebeschikking van voorgaande jaren. Daarbij valt te denken aan de hoogte van mestproductieplafonds, wat directe impact kan hebben op de veehouderij in Nederland. Dit terwijl de kern van de gebiedsgerichte aanpak, zoals het kabinet die heeft ingezet, is dat op regionaal en lokaal niveau wordt bepaald hoe de doelen het beste gerealiseerd kunnen worden. Inmenging vanuit Brussel gedurende de looptijd van de beschikking staat daarmee op gespannen voet. Daarnaast heeft het Europees Parlement op 5 april 2022 een resolutie aangenomen over maatregelen tegen waterverontreiniging door nitraten waarin is aangegeven dat er sinds de vaststelling van de Nitraatrichtlijn in 1991 slechts weinig vooruitgang is geboekt mede doordat lidstaten gebruikmaken van vrijstellingen.[2]

Mijn conclusie is dat we er rekening mee moeten houden dat voortzetting van de derogatie, zoals die voorgaande jaren aan Nederland was toegekend, steeds lastiger wordt. Ik besef heel goed dat het pijnlijk is voor de agrarische sector, om ook hiermee geconfronteerd te worden, terwijl we in Nederland ook staan voor andere grote opgaven, met grote gevolgen voor de sector.

Bovenstaande context zorgt er voor dat ik in de derogatieonderhandelingen een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel (en dus de waterkwaliteit verbetert), maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en rechtdoet aan de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Daarnaast is het van groot belang om een besluit te krijgen dat aansluit bij de uitvoerbaarheid in agrarische bedrijfspraktijk. Daarbij weeg ik ook mee dat de voortdurende onzekerheid over het al dan niet verkrijgen van derogatie in afgelopen jaren steeds tot veel onrust en onduidelijkheid in de sector heeft geleid.

Gedurende het proces van onderhandelen zet ik in op drie kernvoorwaarden:
- Gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen.
- Door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet op de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren.[3]
- Ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

Ik zal in de onderhandelingen de optimale ruimte zoeken en zal hierin het noodzakelijke doen. Omdat ik de Nederlandse onderhandelingspositie niet wil schaden, vraag ik uw begrip voor het feit dat ik mijn concrete onderhandelingsinzet niet met uw Kamer deel.

---

[2] www.europarl.europa.eu/doceo/document/TA-9-2022-0110_NL.html
[3] 230 kilogram N per hectare voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg; 250 kilogram N per hectare voor landbouwgrond in de rest van Nederland.

Het overleg met DG Milieu loopt en wordt vervolgd. Dit is van belang om zo snel meer duidelijkheid te kunnen krijgen over de inhoud en voorwaarden van een derogatie door middel van een intentiebrief van de Europees Commissaris voor Milieu. Het tijdspad wordt hierbij bepaald door het Nitraatcomité dat op 15 juni aanstaande is gepland en waarin Nederland de derde presentatie over het 7e AP en daarbij behorende addendum in de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening wil geven. Ruim daarvóór moeten de contouren van het onderhandelingsresultaat gereed zijn, om tijdig enige vorm van zekerheid te kunnen bieden aan de agrarische sector in Nederland.

*Kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest*
In de afgelopen jaren heeft Nederland zich ingezet voor het mogelijk maken van vervanging van kunstmest door hoogwaardige producten uit dierlijke mest binnen de Nitraatrichtlijn. Door een beter gebruik van lokaal beschikbare grondstoffen kan de input van fossiele kunstmest worden beperkt, kunnen emissies afnemen en kunnen de gerecyclede producten verwaard worden. De belangrijkste uitdaging is om gerecyclede nutriënten op een zodanig kwaliteitsniveau te verkrijgen, dat verliezen in het milieu naar zowel water, bodem als lucht tot een minimum worden beperkt. Het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de EC heeft in de periode 2018-2020 een studie laten uitvoeren naar teruggewonnen stikstof uit dierlijke mest. De betrokken stikstofproducten worden RENURE genoemd, van REcovered Nitrogen from manURE (teruggewonnen stikstof uit mest). Deze studie is in september 2020 afgerond[4]. Hierin worden criteria voorgesteld voor een veilig gebruik van gerecyclede producten uit dierlijke mest boven de in de Nitraatrichtlijn vastgestelde drempel, op een vergelijkbare wijze als voor een niet-organische meststoffen. Als gevolg van de situatie in Oekraïne is de noodzaak om minder afhankelijk van kunstmest te worden verder toegenomen. Zoals ik uw Kamer eerder heb laten weten, heb ik hiertoe in de Landbouw- en Visserijraad van 21 maart 2022 de EC verzocht met een oplossing te komen. Diverse Europese lidstaten ondersteunden dit verzoek.

Tegelijkertijd met de inzet voor de derogatie voor graasdiermest zet ik in op het verkrijgen van de mogelijkheid van kunstmestvervanging door hoogwaardige producten uit dierlijke mest. Hiermee wordt de afhankelijkheid van kunstmest verminderd, wat bijdraagt aan het realiseren van de klimaatdoelen, én ontstaat een nieuw perspectief voor boeren om dierlijke mest te kunnen hergebruiken, mits uiteraard aan de kwaliteitseisen wordt voldaan. Voor wat betreft de inhoud van deze eisen is mijn inzet om aan te sluiten bij de uitkomsten van het hierboven genoemde onderzoek van het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de EC. Hiervoor stel ik een termijn voor van tenminste 8 jaar, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden.

*Doelbereik Kaderrichtlijn Water*
In het Tweeminutendebat Landbouw- en Visserij Raad van 19 april 2022 heeft het lid Bromet (GroenLinks) gevraagd naar de informatie die de minister van

[4] JRC, 2020. D.Huygens et al. JRC Publications Repository - Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC) (europa.eu)

Infrastructuur en Waterstaat (IenW) recent aan uw Kamer heeft gestuurd over het tijdig halen van de doelen van de Kaderrichtlijn Water en hoe zich dit verhoudt tot het 7e AP en het addendum op het 7e AP.
De minister van IenW heeft op 19 april 2022 vragen van de leden Minhas en Van Campen beantwoord over het bericht 'Schoon water is in Nederland nog ver weg'.[5] In deze beantwoording is herhaald wat in het addendum is opgenomen, namelijk dat als onderdeel van het transitiefonds voor de KRW specifiek wordt ingezet op grootschalig herstel van beekdalen op zandgronden. Op basis van een analyse (bijlage bij Kamerstuk 35334, nr. 170) is ingeschat dat hiermee op termijn de uitspoeling op de zandgronden voor stikstof met 40–70% afneemt en voor fosfor met 20–30%. Daarnaast zal de waterkwaliteit profiteren van andere maatregelen die tot doel hebben de sector te extensiveren met het oog op vermindering van de stikstofdepositie op natuurgebieden. Dit is onderdeel van het totale pakket van het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn, zoals recent aan Uw Kamer is gemeld (Kamerstuk 33037, nr. 437), en draagt ook bij aan de doelen van de Nitraatrichtlijn. Over de gecombineerde aanpak van natuur, water en klimaat in het landelijk gebied is uw Kamer 1 april jl. geïnformeerd (brief met kenmerk DGS/22055867). De definitieve Stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstuk II 35325, nr. 5) bevatten de maatregelen om de waterkwaliteit verder te verbeteren. Daarbij dienen de aanvullende 4 maatregelen, zoals hierboven genoemd, nog meer in detail te worden uitgewerkt. Het is een stevige uitdaging om al deze maatregelen tijdig uit te voeren. Hoewel naar verwachting de waterkwaliteit in 2027 niet voor iedere parameter op orde zal zijn, biedt de KRW uitzonderingsmogelijkheden. De maatregelen hebben tijd nodig om hun effect te bereiken. In verband met deze zogenoemde na-ijleffecten kan worden gemotiveerd dat de doelen later worden behaald, mits de daarvoor benodigde maatregelen tijdig genomen zijn. Met het 7e AP en het addendum voorzie ik in het tijdig nemen van deze benodigde maatregelen voor zover het de landbouw betreft.

Ik ben me er zeer van bewust dat het proces rondom het verkrijgen van een nieuwe derogatie veel onzekerheden met zich meebrengt voor boeren. Zoals ik in deze brief heb aangegeven, vind ik het ook van groot belang dat de sector duidelijkheid heeft voor de komende jaren. Ik blijf mij inzetten voor een voor de landbouwpraktijk uitvoerbaar voorstel wat ook voldoende borging geeft voor een verbetering van de waterkwaliteit.

Ik zal uw Kamer informeren over de uitkomst van de gesprekken met de Europese Commissie.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

[5] www.rijksoverheid.nl/documenten/kamerstukken/2022/04/19/beantwoording-vragen-van-de-leden-minhas-en-van-campen-over-het-bericht-schoon-water-is-in-nederland-nog-ver-weg

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 26 april 2022 17:21
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e [redacted]); 5.1.2.E ( 5.1.2.E)
**Onderwerp:** Ter akkoord - brief aan 5.1.2.e
**Bijlagen:** DOMUS-22182375-v4-Nota_Aanvraag_derogatie_RENURE.DOCX; DOMUS-22153987-v1-Bijlage__Verzoek_tot_landen_specifieke_oplossing_RENURE_.DOCX; DOMUS-22141697-v10-Brief_EC__Aanvraag_Derogatie_RENURE.docx

Dag Henk,

Zoals net in het overleg besproken vind je hierbij een brief die 5.1.2.e aan 5.1.2.e kan sturen met de Nederlandse inzet omtrent derogatie.
We horen graag of je daarmee akkoord bent.

Groet
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ONDERTEKENING

Aan
De minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E 5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
22 april 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22182375

**Bhm: 22187909**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**
2

# nota

Aanvraag derogatie RENURE

**Parafenroute**

| PAV, 5.1.2.e 5.1.2.e | PAV, MT-lid | BPZ |
|---|---|---|
| | 5.1.2.E | 5.1.2.E |

## Aanleiding

In het kader van de gesprekken met DG ENVI gaat Nederland een bijgesteld verzoek doen voor de derogatie dierlijke mest op basis van de Nitraatrichtlijn. Dit verzoek wordt gecombineerd met een aanvraag voor derogatie RENURE, een landen-specifieke oplossing voor de productie en gebruik van producten uit mestverwerking die voldoen aan de RENURE-criteria en boven de gebruiksnorm voor dierlijke mest van de Nitraatrichtlijn mogen worden toegepast. Met bijgaande brief dient LNV een formeel gecombineerd verzoek in bij de Europese Commissie (EC) voor een derogatie RENURE van de Nitraatrichtlijn met de looptijd van 8 jaar en een stapsgewijze verlaging voor de zogenaamde graslandderogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode van 4 jaar.

## Advies

U kunt akkoord geven op het verzenden van de brief door 5.1.2.e.
De brief zal via de PV aan de EC worden verstuurd.

## Kernpunten

- 25 februari 2022 heeft u een formeel verzoek voor derogatie van de Nitraatrichtlijn ingediend bij de Europese Commissie. Deze aanvraag betrof een 'reguliere' derogatie voor de periode van 4 jaar.
- De EC heeft in de derogatiebeschikking van Ierland opgenomen dat zij tussentijds de normen voor dierlijke mest naar beneden kan bijstellen wanneer er verslechtering optreed van de waterkwaliteit. Uit de gesprekken die tot nu toe met de EC zijn gevoerd, maken we op dat de EC dergelijke bepalingen ook in de beschikking aan Nederland zou willen opnemen, naast andere aanvullende voorwaarden. Een dergelijke bepaling zal veel onzekerheid met zich meebrengen voor de sector.
- Verder heeft de EC in de laatste expert groep van 17 maart 2022 aangegeven open te staan voor een landen-specifieke oplossing voor de productie en gebruik van producten uit mestverwerking die voldoen aan de RENURE-criteria en boven de gebruiksnorm voor dierlijke mest van de Nitraatrichtlijn mogen worden toegepast.

Ontvangen BPZ

- Naar aanleiding van de signalen van de EC is er gekozen om een nieuw voorstel voor dierlijke mest derogatie op te stellen waarin een stapsgewijze verlaging van de normen voor dierlijke mest is opgenomen. Hierbij zet u in om de normen voor 2022, in verband met het uitrijseizoen, gelijk te houden aan de derogatie beschikking van 2020-2021. Verder zet u in op een looptijd van 4 jaar om stabiliteit, rust en zekerheid voor de sector te creëren. Ten slotte streef u op deze manier naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.
- In de laatste expert groep van 17 maart 2022 heeft de EC aangegeven zij openstaan voor een landen-specifieke oplossing voor de productie en gebruik van producten uit mestverwerking die voldoen aan de RENURE-criteria en boven de gebruiksnorm voor dierlijke mest van de Nitraatrichtlijn mogen worden toegepast. Een voorstel voor RENURE-derogatie met een looptijd van 8 jaar is hierop geformuleerd.
- Met deze brief dient u een alternatief voorstel in voor grasland derogatie met een doorlooptijd van 4 jaar gecombineerd met een formeel derogatieverzoek voor RENURE-producten met een looptijd van 8 jaar.
- Het politieke belang van derogatie is groot, maar feitelijke betreffen derogatieverzoeken in het kader van de Nitraatrichtlijn een 'technische' uitvoeringsbevoegdheid van de Europese Commissie. Vandaar dat het gebruikelijk is dat het derogatieverzoek op DG-niveau wordt ondertekend en aan de EC gestuurd. Dit is bij de voorgaande drie derogatieverzoeken ook gebeurd en we adviseren dit nu weer te doen.

## Toelichting

Voorstel grasland derogatie

- De aanvraag ziet op een stapsgewijze verlaging voor de zogenaamde graslandderogatie. Totaliteit voor de periode van 4 jaar zal neerkomen op 30 kg N/ha in 2025. Dit komt overeen met de aanvullende voorwaarden die zijn opgenomen in de beschikking van Ierland.
- In verband met de uitrijperiode zal voor 2022 getracht worden de norm vast te houden uit de derogatiebeschikking van 2021-2022. Daarna stellen we in 2023 een verlaging voor van 10 kg N/ha, die ook in 2024 zal gelden. Deze verlaging is nodig gezien ontwikkeling van de waterkwaliteit. In 2025 zal de norm met 20 kg N/ha verlaagd worden om in totaliteit op een verlaging van 30 kg N/ha uit te komen in de looptijd van de beschikking. Op deze manier heeft de sector voldoende tijd om de verwerking van dierlijke mest op te schalen.
- Met dit voorstel blijft de derogatie nog 3 jaar op goed niveau en is er tijd om in het licht van de transitie om te schakelen naar minder gebruik van onbewerkte dierlijke mest en vervangen van kunstmest door RENURE-producten.

| | *230 kg N/ha*[1] | *250 kg N/ha*[2] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 220 | 240 |
| 2025 | 200 | 220 |

- Dit zal door de Commissie worden gezien als openingsbod. De verwachting is dat de Commissie een scherpere verlaging en aanvullende voorwaarden zal vragen.
- Gedurende het proces van onderhandelen zal geprobeerd worden om vast te houden aan drie kernvoorwaarden:
  - Gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het de inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen.
  - Door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is de inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren.[3]
  - Ten slotte wordt er gestreefd naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

Derogatie RENURE-producten
- Met de Derogatie voor RENURE-producten wordt getracht de afhankelijkheid van kunstmest te verminderen, wat bijdraagt aan het realiseren van de klimaatdoelen
- Daarnaast ontstaat er nieuw perspectief voor boeren om dierlijke mest te kunnen hergebruiken, mits uiteraard aan de kwaliteitseisen wordt voldaan.
- Voor wat betreft de inhoud van de RENURE-derogatie wordt aangesloten bij de uitkomsten van het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de EC.
- Het voorstel omhelst een termijn van tenminste 8 jaar, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden.

[1] Derogatie afgelopen jaren voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg
[2] Derogatie afgelopen jaren voor de andere landbouwgronden in Nederland
[3] 230 kilogram N per hectare voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg; 250 kilogram N per hectare voor landbouwgrond in de rest van Nederland.

## Landen-specifieke oplossing voor RENURE-producten

Nederland vraagt een landen-specifieke oplossing aan voor het gebruik van producten uit mestverwerking die voldoen aan de RENURE-criteria uit het JRC-rapport boven de gebruiksnorm voor dierlijke mest van de Nitraatrichtlijn, omdat deze stoffen passen binnen goede landbouwpraktijken ter vermindering van verontreiniging door nitraten, zoals bedoeld in bijlage II van de richtlijn.

Deze meststoffen zullen bij gebruik dezelfde status hebben als kunstmest, zoals bedoeld in artikel 2f van de Nitraatrichtlijn. Het gebruik van RENURE meststoffen zal een afname betekenen van het gebruik van andere minerale meststoffen. De overige gebruiksnormen stikstof-totaal en fosfaat blijven immers ongewijzigd.

**REcovered Nitrogen from manURE (RENURE)**

In 2018 is het Joint Research Centre in opdracht van de Europese Commissie gestart met een onderzoek naar mestverwerkingsproducten in stikstofgevoelige gebieden. JRC beschrijft in dit rapport[1] dat er potentieel bestaat om de lopende technologische en marktontwikkelingen voor het recyclen van nutriënten in een circulaire economie te gebruiken met als doel waterlichamen te beschermen tegen vervuiling door dierlijke mest.

Het doel van dit rapport was om te helpen bij het definiëren van die geharmoniseerde criteria die het mogelijk zouden kunnen maken om stikstof (N)-meststoffen, gedeeltelijk of volledig afkomstig van mest door verwerking, te gebruiken in gebieden waarvoor het maximum van 170 kg N/ha/jr is voorgeschreven in bijlage III van de nitraatrichtlijn, overeenkomstig de overigens identieke bepalingen die van toepassing zijn op stikstofhoudende chemische meststoffen in de nitraatrichtlijn (91/676/EEG), terwijl de verwezenlijking van de doelstellingen van de richtlijn en voldoende agronomische voordelen worden gewaarborgd.

Dergelijke herwonnen meststoffen worden in dit rapport teruggewonnen stikstof uit mest (RENURE) genoemd. Dit werk combineert bio-geochemische modelleringstechnieken, analytische metingen en kwantitatieve (meta-analyse) en kwalitatieve literatuuronderzoekstechnieken om de gebruikseffecten van kandidaat-RENURE-materialen op milieuvervuiling te beoordelen, inclusief de nitraatuitspoeling.

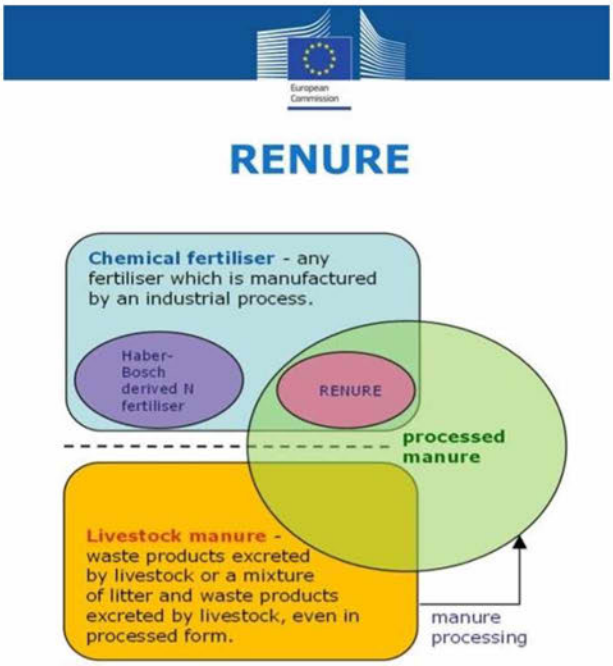


De resultaten gaven aan dat verwerkte mest, die wordt gekenmerkt door een verhouding van totaal organische koolstof tot totaal N ≤ 3 of een verhouding van mineraal N tot totaal N ≥ 90% een vergelijkbaar N-uitspoelings-potentieel en agronomische efficiëntie kan hebben als van Haber-Bosch afgeleide en gelijkwaardige chemische N-meststoffen. Met name stikstofrijke bewerkte meststoffen, zoals zouten uit luchtwassing, mineralenconcentraten en vloeibare digestaten verkregen door centrifugatie en/of geavanceerde verwijdering van vaste stoffen, kunnen aan deze eisen voldoen.

[1] JRC, 2020. Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC). https://publications.jrc.ec.europa.eu/repository/handle/JRC121636.

Om te voldoen aan de doelstellingen van milieubescherming, is het echter noodzakelijk om het gebruik van RENURE te combineren met goede beheerpraktijken, waaronder het gebruik van levende plantenafdekkingen of gelijkwaardige maatregelen, toepassingstechnieken met een lage NH3-emissie en goede RENURE-opslagomstandigheden.

Het JRC-rapport stelt een reeks materiaal- en gebruiksvereisten voor om het veilige gebruik van RENURE in gebieden met waterverontreiniging door stikstof mogelijk te maken, in hoeveelheden boven de drempel die is vastgelegd in de nitraatrichtlijn (91/676/EEG). Er wordt geconcludeerd dat de mogelijke implementatie van RENURE als onderdeel van mestbeheersystemen een vooruitgang mogelijk maakt naar een meer circulaire economie en een weg naar een efficiënter gebruik van hulpbronnen in het voedselproductiesysteem van de EU.

**Kwaliteitscriteria leidend**

Nederland stelt voor om de kwaliteitscriteria van meststoffen leidend te laten zijn in de landen-specifieke beschikking. Immers wetenschappelijk onderzoek heeft laten zien, dat als de producten uit mestverwerking voldoen aan essentiële kwaliteitscriteria er een vergelijkbaar effect op gewassen en het milieu te verwachten valt als van chemische meststoffen. Het JRC-rapport biedt daarvoor het volgende kader:

- Het percentage minerale (anorganische) stikstof ten opzichte van de totale stikstof moet meer dan 90% zijn, of de verhouding tussen koolstof en stikstof moet lager zijn dan 3.
- Koper (=Cu): maximaal 300 mg per kg droge stof
- Zink (=Zn): maximaal 800 mg per kg droge stof

Daarnaast geeft het JRC het advies aan lidstaten om:

- Om maatregelen te nemen die het gebruik van het product inpassen in goede landbouwpraktijk, zoals gebruiken binnen de gebruiksnorm voor specifieke gewassen, gebruiken in het groeiseizoen en het gebruik van vanggewassen om uit- en afspoeling met name in de winterperiode te voorkomen.
- Om maatregelen nemen om emissie van ammoniak bij aanwending te voorkomen, met name bij producten die weinig nitraat-stikstof (<40%) bevatten en als de bodem een hoge zuurgraad (>5) heeft.
- Om maatregelen te nemen de emissie van ammoniak bij productie en opslag van meststoffen te voorkomen.

Nederland stelt voor om in de landenspecifieke oplossing bovengenoemde criteria 1-op-1 in te voeren voor RENURE-producten en de productie daarvan.

**Anorganische meststoffen uit dierlijke mest (EU 2019/1009)**

Daarnaast stelt de nieuwe Europese Meststoffenverordening (EU 2019/1009) eisen voor minerale meststoffen. Deze eisen zijn geformuleerd in bijlage 1 van deze notitie. Het gaat dan om producten met een zeer laag gehalte aan organische stof. Daarnaast hoge gehaltes aan primaire macronutriënten als Stikstof (>5%), Fosfor of Kalium, en secundaire macronutriënten: Calcium, Magnesium, Natrium of Zwavel. En daarnaast eisen aan de gehalte voor zware metalen (Cd, CrIV, Ni, Pb, As, Cu en Zn), en daarnaast eisen voor Biureet en Perchloraat.

Dergelijke anorganische meststoffen kunnen in verschillende vormen (vast/vloeibaar, enkelvoudig of samengesteld) op de markt gebracht worden. Volgens deze verordening kunnen deze producten van verwerkte mest (verordening dierlijke bijproducten: EU 1069/1009) geproduceerd worden, mits voldaan wordt aan de eisen die aan het eindpunt van de productieketen in deze verordening worden gesteld. Momenteel werkt DG GROW ook aan een lijst van dierlijke bijproducten die het eindpunt van de verwerkingsketen hebben bereikt (CMC 10). In deze verordening is ook een categorie voor digestaat opgenomen (CMC 5) en tenslotte wordt een bestandsdelencategorie

uitgewerkt die luchtreinigingsproducten uit stallen en mestverwerkingsinstallaties als grondstof voor meststoffen op te nemen in de bijlage II van deze verordening (CMC 15). Met deze ontwikkeling zullen er anorganische meststoffen geproduceerd van dierlijke mest als minerale meststof op de markt gebracht worden. De producten zijn niet meer te onderscheiden van hun equivalent, die geproduceerd zijn via een chemisch proces.

De producten dienen voordat ze als EU-meststof op de markt gebracht worden een conformiteitsbeoordeling doorlopen te hebben. Een dergelijke conformiteitsbeoordeling biedt de mogelijkheid om voorafgaand aan de markttoegang de kwaliteit van dergelijke bemestingsproducten kritisch te beoordelen. Daarnaast wordt de kwaliteit van deze bemestingsproducten periodiek via een audit getoetst.

In Nederland zijn diverse producten geproduceerd uit geconcentreerde stallucht als anorganische meststof op de markt gebracht. Uit het JRC-onderzoek van de Europese Commissie blijkt dat in diverse andere Europese landen dit ook een gangbare praktijk is.

**Uitgewerkt voorstel van Nederland een landen-specifieke beschikking voor RENURE-producten**

*Algemeen*

- Deze aanvraag voor een derogatie beoogt het stimuleren van het gebruik van herwonnen stikstofmeststoffen die, middels een industrieel proces, worden vervaardigd uit dierlijke mest of digestaat van vergistinginstallaties (RENURE-product).
- Het gebruik van het RENURE-product valt binnen normen voor goede landbouwpraktijk zoals gesteld door annex II van de Nitraatrichtlijn.
- De werkingscoëfficiënt voor stikstof van het RENURE-product wordt op 100% gesteld.
- De gebruiksnorm voor stikstof uit dierlijke mest is niet van toepassing op RENURE-producten.

*Aanwijzing*

- RENURE-producten kunnen alleen worden geproduceerd door nationaal aangewezen installaties. In Nederland vindt dit plaats bij RVO.
- Bedrijven maken in deze aanwijzingsprocedure duidelijk dat de installatie een RENURE-product kan maken, dat kan voldoen aan de kwaliteitscriteria zoals hierboven benoemd.
- Het bedrijf laat in de aanwijzingsprocedure documenten zien, waaruit blijkt dat het bedrijf een omgevingsvergunning heeft voor de verwerking en opslag van mest en/of RENURE-producten, waarin voorwaarden zijn opgenomen met betrekking tot de emissie van ammoniak bij productie en opslag.
- Een mestverwerkingsbedrijf, die mest van derden verwerkt en RENURE-producten vermarkt heeft een KvK-nummer en registratie als intermediair.
- Als producenten van RENURE-producten bovengenoemde procedure hebben doorlopen worden ze aangewezen als RENURE-producent.
- Aanwijzing is een publiekrechtelijk besluit en deze bedrijven zullen gepubliceerd worden op RVO-website.

*Maatregelen bij producenten*

- Alleen aangewezen producenten van RENURE-producten kunnen RENURE-producten afzetten onder deze beschikking.
- Producenten van RENURE-producten zetten alleen RENURE-producten af die voldoen aan de essentiële kwaliteitscriteria, zoals benoemd in beschikking. Producten die niet voldoen, worden afgezet als dierlijke mest.
- Producenten van RENURE-producten nemen maatregelen om ammoniak emissie tijdens productie en opslag tegen te gaan.

*Kwaliteitscriteria voor RENURE-producten*

- Het percentage minerale (anorganische) stikstof ten opzichte van de totale stikstof moet meer dan 90% zijn, of de verhouding tussen koolstof en stikstof moet lager zijn dan 3.
- De zware metalen gehaltes mogen niet hoger zijn dan:
    - Koper (=Cu): maximaal 300 mg per kg droge stof
    - Zink (=Zn): maximaal 800 mg per kg droge stof

*Productie van anorganische meststoffen*

- Producenten die RENURE-producten produceren, maar welke ook voldoen aan de kwaliteitseisen, zoals benoemd onder PFC 1C van de Europese verordening voor bemestingsproducten EU 2019/1009 (zie bijlage 1), en voldoen aan de alle overige eisen die in deze verordening benoemd staan met betrekking tot grondstoffen en conformiteitsbeoordeling, kunnen deze producten met CE-markering, als anorganische meststof op de markt brengen.

- Voor deze anorganische meststoffen geldt de regelgeving voor anorganische meststoffen, hiermee vervalt de verplichtingen voor dierlijke mest, maar moet het product als anorganische meststof geëtiketteerd zijn, en het vervoer begeleid gaan met de bijbehorende transportdocumenten.

*Transport van RENURE-producten*

- Voor RENURE-producten zijn alle reguliere transportregels voor dierlijke mest van kracht.
- RENURE-product wordt van de verwerker naar de producent vervoerd met een Vervoersbewijs Dierlijke Mest, met code 120.

*Maatregelen bij gebruikers*

- Afnemers van RENURE-producten worden bij RVO via het vervoersbewijs dierlijke mest automatisch geregistreerd op het moment dat zij RENURE-product met een VDM onder code 120 aanvoeren.
- Het RENURE-product kan alleen worden toegediend in de uitrijperiode die ook geldt voor stikstofkunstmest: 1 februari tot en met 15 september.
- Het RENURE-product kan alleen worden aangewend binnen de gebruiksnormen stikstof-totaal en fosfaat.
- Het RENURE-product kan alleen worden aangewend met een emissiearm bemestingsapparatuur.
- Het RENURE-product wordt in de registratie van de meststoffen van de gebruiker opgenomen als kunstmest.

*Monitoring*

- De kwaliteit van RENURE-producten bij producenten zal worden gemonitord via een certificatie-schema dat door geaccrediteerde instelling wordt uitgevoerd. De intensiteit van kwaliteitscontrole kan afnemen als uit opvolgende analyses blijkt dat het bedrijf consequent voldoet aan de voorwaarden.
- De kwaliteit van RENURE-producten wordt minimaal elk kwartaal geanalyseerd.
- Alle producenten van RENURE-producten worden twee-jaarlijks eenmaal fysiek gecontroleerd door de NVWA.
- Alle transporten van RENURE-producten worden bij RVO bekend via de vervoersbewijzen dierlijke mest, zodat duidelijk is waar de producten zijn afgezet, de gehaltes aan nutrienten en de hoeveel product is afgezet.

*Controle en handhaving*

- Bedrijven een analyse rapport laten zien, dat niet voldoet, zal gevraagd worden om in grotere frequentie analyse rapporten te laten zien.
- Bedrijven vaker een analyse rapport laten zien, dat niet voldoet, komen onder toezicht te staan. NVWA zal dit bedrijf bezoeken en controleren. Bij overtreding zal sanctionerend opgetreden worden.
- Bij bedrijven die persisteren in non-conformiteit van het RENURE-product, kan de aanwijzing worden ingetrokken, waardoor deze bedrijven geen RENURE-product meer op de markt kunnen aanbieden.

*Randvoorwaarden voor een derogatiebeschikking*

- Nederland heeft een gebruiksnorm voor dierlijke mest, die geldt voor alle producten van dierlijke mest die niet voldoen aan de RENURE-criteria.
- Nederland heeft binnen de code voor goede landbouwpraktijk een gebruiksnormenstelsel voor Stikstof en Fosfaat, dat toeziet op het gebruik van alle meststoffen die op of in de grond worden gebracht.

- Nederland heeft instrumenten om te borgen dat de totale mestproductie van de veehouderij (of deelsectoren) onder, de in de Meststoffenwet opgenomen sectorale plafonds, blijven.
- Nederland monitort de effecten van het mestbeleid op het grondwater en de effecten van de landbouw op de oppervlaktewaterkwaliteit.

**Langere termijn**

Gezien de innovatie en ontwikkeling op het gebied van hergebruik van organische reststromen heeft Nederland de wens dat er een permanente voorziening binnen de Nitraatrichtlijn wordt geschapen voor het gebruik hoogwaardige meststoffen uit dierlijke mest.

# Wetenschappelijk onderbouwing

De Europese Commissie heeft met de Green Deal een reeks van aanpassingsvoorstellen gedaan, die tot doel hebben klimaat, energie, maar ook andere opgaven te behalen. In de Farm-to-Fork en Biodiversiteitsstrategie zijn deze voorstellen voor landbouw meer uitgewerkt, en sturen aan op vermindering van het gebruik van externe inputs, het verbeteren van de milieukwaliteit door vermindering van de emissies naar bodem, water en lucht en het versterken van de mogelijkheden tot recycling van reststromen.

## 1. Hergebruik van Nutriënten

De ontwikkeling van mestverwerking past in de ontwikkeling uit de Farm-to-Fork-strategie. Zeker in regio's, die te karakteriseren zijn als hotspotgebieden met een omvangrijke intensieve veehouderij, kan het hergebruik van organische reststromen zoals dierlijke mest passen in een duurzame landbouwpraktijk, omdat via mestverwerking de herwonnen meststoffen toegepast kunnen worden in heel gerichte bemestingstechnieken. Daarbij kan in combinatie met de winning van biogas, de broeikasgasuitstoot afkomstig uit mest, gereduceerd worden. In Nederland kennen we momenteel al een aantal (biogas-)installaties die mest/digestaat raffineren tot specifieke enkelvoudige meststoffen, die voldoen aan essentiële kwaliteits- en veiligheidsvoorschriften.

Nederland kent een actief beleid om emissie-arme bemestingsproducten te ontwikkelen uit dierlijke mest waarmee de noodzaak tot aanvullende bemesting met kunstmest afneemt en die bijdragen aan verbetering van de bodemkwaliteit. De vraag naar bemestingsproducten van akkerbouwers, veehouders en tuinders staat hierbij centraal. Er is een groot onderzoeksproject dat precies deze vraag onderzoekt, NL Next Level Mestverwaarding. Hierin worden diverse Product-Markt combinaties onderzocht[2]. Markten kunnen binnen Nederland liggen, maar ook op afstand binnen de Europese Unie. Gezamenlijk met het agro-bedrijfsleven is onderzoek gedaan naar de afzetmogelijkheden van dergelijke bemestingsproducten en welke landbouwkundige waarde deze producten hebben[3].

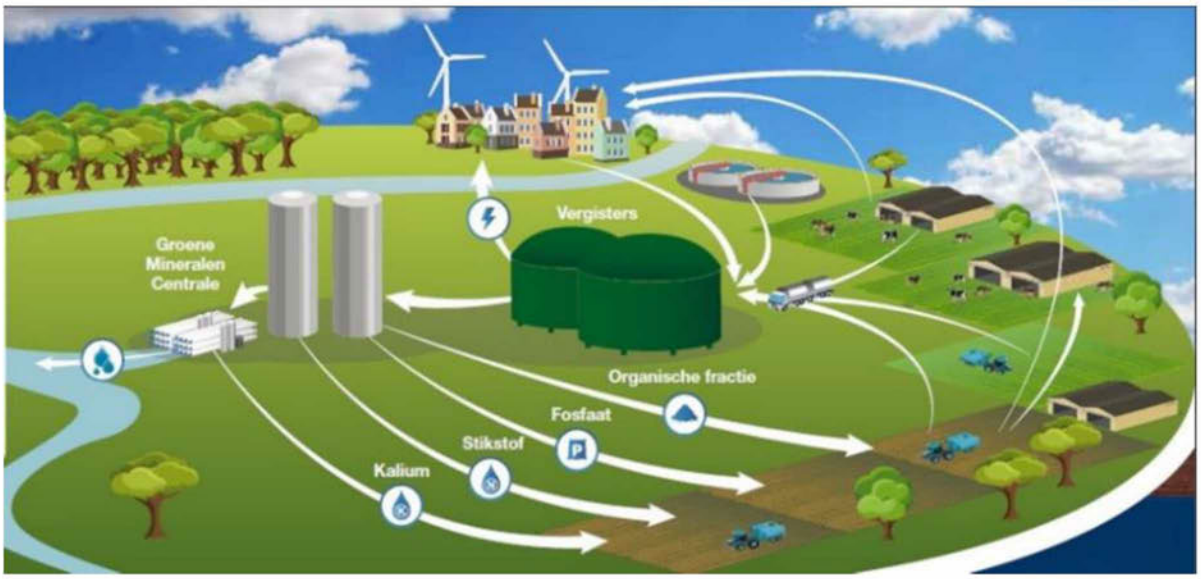


[2] Van Dijk, Postma, Grollenbeek, Mostert, Roefs en Verdoes, 2020a. Behoefte van Mestbewerkingsproducten in Nederland en Europa. Een inventarisatie van perspectiefvolle product-markt combinaties. WUR-report WPR-1011. https://edepot.wur.nl/528800 .

[3] Van Dijk, Postma en Roefs, 2020b. Landbouwkundige waarde van mestbewerkingsproducten. WUR-report WPR-1012. https://edepot.wur.nl/528799.

Uit dergelijke studies blijkt dat er binnen Nederland behoefte is aan geconcentreerde stikstofmeststoffen, die kunstmest kunnen vervangen voor gebruik op grasland en wintertarwe, en aan een organisch rijk product, dat nauwelijks nutriënten bevat en kan dienen als een veenvervanger. Buiten Nederland zijn markten voor fosfaatrijkere producten. In het kader van EU-project RENU2FARM, is onderzocht waar in Noordwest Europa behoefte is aan specifieke bemestingsproducten[4].

Door deze voortschrijdende techniek en innovatie is het mogelijk om meststoffen te maken die veel beter aansluiten bij de behoefte van het gewas, en daarmee veel minder emissies hebben. Het gebruik van dierlijke mest als grondstof wordt echter belemmerd door algemene bepalingen in de Nitraatrichtlijn.

## 2. Onderzoek naar RENURE-producten in Nederland

Sinds 2009 kent Nederland onderzoek en pilot projecten naar producten uit dierlijke mest. In het zesde Nitraatactieprogramma (2018-2021) heeft Nederland een tweetal grote praktijkpilots gedraaid waarin diverse grote mest-verwerkende bedrijven in participeerden. Binnen de pilot Mineralenconcentraat en de pilot Kunstmestvrije Achterhoek zijn praktijkproeven gedaan die laten zien dat producten die voldoen aan een aantal essentiële kwaliteitscriteria, zoals de RENURE-criteria en de kwaliteitseisen die beschreven staan in de nieuwe Europese Meststoffenverordening.

Het principe van deze pilots is dat met het behalen van de kwaliteitscriteria, de producten ingezet kunnen worden als kunstmestvervanger en dat de milieurisico's voor grond- en oppervlaktewater hetzelfde zijn (figuur 1). De nitraatgehaltes onder percelen bemest met dergelijke meststoffen is niet wezenlijk anders dan bij bemesting met de referentie kunstmest.

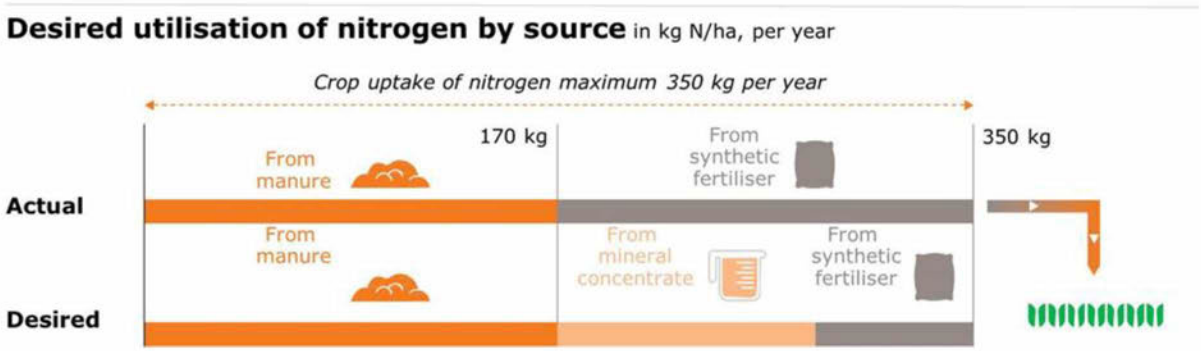


***Figuur 1. RENURE-product (mineralenconcentraat) wordt ingezet als vervanger van synthetische meststoffen.***

### 2.1 Productie en afzet van mineralenconcentraat

Productie van mineralenconcentraat bestaat in Nederland sinds 2009. Sinds 2018 zijn in Nederland 10 producenten met één of twee installaties. Zij produceren mineralenconcentraat die aan wettelijke kwaliteitseisen moeten voldoen (Uitvoeringsregeling Meststoffenwet, artikel 35a). In 2018 en 2019 hebben in totaal 1499 individuele gebruikers van dit product gebruik gemaakt. Dit product wordt naar deze landbouwbedrijven afgezet met een vervoersbewijs dierlijke mest met de mestcode 120. Gebruikers van mineralenconcentraat kunnen dit product als kunstmest gebruiken.

[4] Postma en Harms. 2020. Meststoffen in Kringlooplandbouw. Hoe kan het hergebruik van nutriënten worden verhoogd? https://www.nmi-agro.nl/wp-content/uploads/2020/09/Bodem-aug.2020_Meststoffen-in-kringlooplandbouw.pdf

Mineralenconcentraat is een product dat gewonnen wordt uit voornamelijk varkensmest en digestaat. Het is een vloeibaar product dat, na scheiding van de vaste en vloeibare fractie geconcentreerd wordt via de omgekeerde osmose techniek (figuur 2).

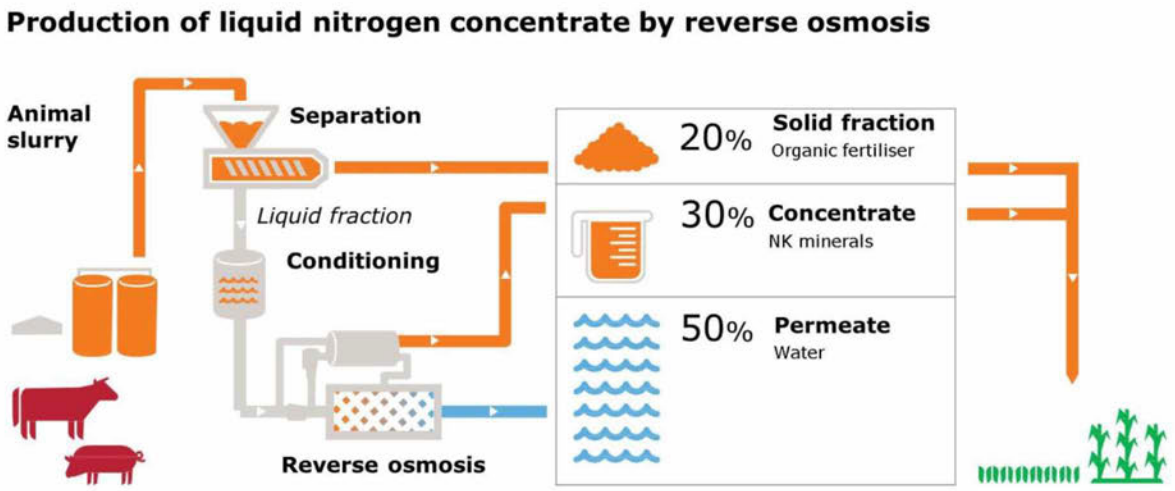


Figuur 2. Productie van mineralenconcentraat met de techniek van omgekeerde osmose.

Nederland kent in het mestbeleid drie gebieden, waarin mestbeleid gediversifieerd is. De hoeveelheden mineralenconcentraat die in een concentratiegebied is geproduceerd, is bepaald aan de hand van de afvoer van mineralenconcentraat vanaf de productielocaties in de concentratiegebieden. Aan de hand van de aanvoer naar landbouwbedrijven is een beeld verkregen van de verdeling van de afzet over de verschillende concentratiegebieden. Tabel 1 toont de aan- en afvoer van mineralenconcentraat van producenten naar landbouwbedrijven in de concentratiegebieden Zuid, Oost en Overig over de periode 2015 tot en met 2019[5] aan.

*Tabel 1. Afvoer en aanvoer van mineralenconcentraat van producten naar landbouwbedrijven in de concentratiegebieden Zuid, Oost en Overig in ton product per jaar.* (Bron: RVO, 2020)

| **Afvoer van productielocaties** | **2015** | **2016** | **2017** | **2018** | **2019** |
|---|---|---|---|---|---|
| **Zuid** | 107.971 | 138.235 | 239.539 | 304.362 | 391.666 |
| **Oost** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| **Overig** | 15.480 | 13.448 | 11.065 | 9.371 | 10.746 |
| **Totaal** | **123.451** | **151.683** | **250.603** | **313.733** | **402.412** |
| **Aanvoer naar Landbouwbedrijven (afnemers)** | **2015** | **2016** | **2017** | **2018** | **2019** |
| **Zuid** | 87.939 | 97.745 | 168.288 | 199.803 | 253.487 |
| **Oost** | 3.978 | 12.909 | 18.608 | 26.828 | 31.723 |
| **Overig** | 31.534 | 41.029 | 63.708 | 87.102 | 117.203 |
| **Totaal** | **123.451** | **151.683** | **250.603** | **313.733** | **402.412** |

Tabel 1 laat zien dat de afvoer van mineralenconcentraat van producenten in concentratiegebied Zuid het grootst was ten opzicht van de andere twee concentratiegebieden. In 2019 vond 97% van de afvoer van mineralenconcentraat plaats vanaf producenten in concentratiegebied 5.1.2.E In de periode 2015 tot en met 2019 is de afzet van mineralenconcentraat gestegen van ruim 123.000

[5] NCM, 2020. Landelijke inventarisatie 2020 export en verwerking dierlijke mest. https://www.mestverwaarding.nl/kenniscentrum/1537/landelijke-inventarisatie-2020-export-en-verwerking-dierlijke-mest

ton naar ruim 402.000 ton. Er is dus een duidelijke groei van de productie van mineralenconcentraat.

Een groot deel van het in concentratiegebied Zuid geproduceerde mineralenconcentraat wordt ook in dit gebied afgezet. In 2019 werd circa 65% van het in gebied Zuid geproduceerde mineralenconcentraat afgezet bij landbouwbedrijven in gebied Zuid. Hoewel het aandeel van de afzet naar de concentratiegebieden Oost en Overig relatief beperkt is, zien we de omvang van de afzet in deze gebieden jaarlijks toenemen. Afzet van dit product is bij melkveehouders (gras en snijmais) en akkerbouwers (aardappels en granen).

*Tabel 2. Aan- en afvoer van mineralenconcentraat naar landbouwbedrijven in de concentratiegebieden Zuid, Oost en Overig uitgedrukt in tonnen product, kg stikstof en kg fosfaat, in 2019. (Bron: RVO, 2020)*

| 2019 | Afvoer product (ton) | Aanvoer product (ton) | Afvoer stikstof (kg) | Aanvoer stikstof (kg) | Afvoer fosfaat (kg) | Aanvoer fosfaat (kg) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **Zuid** | 391.666 | 253.487 | 2.434.497 | 1.501.870 | 76.653 | 41.407 |
| **Oost** | | 31.723 | | 225.261 | | 8.499 |
| **Overig** | 10.746 | 117.203 | 56.871 | 764.237 | 715 | 27.462 |
| **Totaal** | **402.412** | **402.412** | **2.491.368** | **2.491.368** | **77.368** | **77.368** |
| **Gehalte in kg/ton** | | | 6,2 | 6,2 | 0,2 | 0,2 |

In totaal is in 2019 via mineralenconcentraat circa 2,5 mln. kg stikstof en 77 duizend kg fosfaat geproduceerd en afgezet. Dit betekend dat hiermee 2,5 mln kg kunstmest is bespaard. Het gemiddeld gehalte stikstof en fosfaat over alle vrachten bedroeg 6,2 kg per ton en respectievelijk 0,2 kg per ton. De minimale verhouding stikstof/fosfaat in het mineralenconcentraat is wettelijk vastgelegd op minimaal 15:1. De cijfers laten zien dat deze verhouding goed haalbaar is in de praktijk (zie tabel 2).

### 2.1.1 Monitoring van de kwaliteit van het product

In het kader van de pilot Mineralenconcentraten (MC) is een monitoringsprogramma uitgevoerd om gegevens te verzamelen over de huidige kwaliteit van mineralenconcentraten in relatie tot de kwaliteitscriteria en de uitvoering van het productieproces. Zowel de nationale criteria ($N_{min}$>90%, ratio N:$P_2O_5$ >15 en EC-getal >50, als de RENURE criteria zijn bemeten. Deze criteria zijn vastgesteld teneinde een hoge stikstofgebruikseffiçiëntie van het concentraat te waarborgen zonder dat dit tot schadelijke gevolgen voor het milieu leidt. De monitoring was gekoppeld aan informatie die werd gevraagd door het EU Joint Research Centre (JRC) ter ondersteuning van de ontwikkeling van kwaliteitscriteria voor stikstofhoudende meststoffen verkregen uit dierlijke mest, genaamd RENURE, in het kader van de Nitraatrichtlijn. De monitoring was bovendien gekoppeld aan relevante gegevens over de kwaliteit van het permeaat uit omgekeerde osmose (OO) voor onderbouwing van kwaliteitseisen voor het lozen op oppervlaktewater van effluenten uit mestverwerkingsinstallaties. Tot het monitoringsprogramma behoorden primaire en secundaire nutriënten, zware metalen, antibiotica, pathogene bacteriën en virussen. In dit rapport zijn de resultaten van de monitoring bijeengebracht. De resultaten zijn te vinden in het bijgevoegde Engelstalige rapport: *Composition of mineral concentrates. Results of monitoring installations of the Pilot Mineral Concentrate in 2019-2020*[6]. Het rapport toont aan dat bij alle producenten de Renure-criteria behaald kunnen worden en dat verontreinigingen in het product voor zware

[6] 5.1.2.E de Buisonjé, Pishgar Komleh en Ehlert, 2021. Composition of mineral concentrates. Results of monitoring installations of the Pilot Mineral Concentrate in 2019-2020. Wageningen Livestock Research Report No.1295. Composition of mineral concentrates: Results of monitoring installations of the Pilot Mineral Concentrate in 2019-2020 — Research@WUR

metalen onder de normen zit. Dit bevestigt resultaten van eerdere onderzoek naar mineralenconcentraat.

### 2.1.2 Milieukwaliteit bij gebruik van mineralenconcentraat

Er zijn veel proeven gedaan naar de milieueffecten van mineralenconcentraat. Een samenvatting is te vinden in *Mineral concentrate from processed manure as fertiliser (Velthof 2015)* [7].

Gemiddeld is 90% van de stikstof in mineralenconcentraat aanwezig als ammonium (161 monsters in de periode 2009-2014); de resterende stikstof is aanwezig als organische stikstof. Van de ingaande dunne varkensmest was 67% van de stikstof aanwezig als ammonium.

Potproeven met verschillende grondsoorten en gewassen laten zien dat de werkingscoëfficiënt van inde bodem geïnjecteerd mineralenconcentraat gemiddeld 91% was ten opzicht van de referentiemeststof kalkammonsalpeter (KAS)[8]. De werking van geïnjecteerde varkensmest was in dezelfde proeven lager: 75%. De gemiddelde werkingscoëfficiënt van geïnjecteerd mineralenconcentraat ten opzichte van KAS varieerde in veldproeven op bouwland van 72–84%.

De werking op grasland nam toe van 54% in 2009 naar 81% in 2014, waarbij aangegeven dient te worden dat niet duidelijk is waarom de werking in 2009 zo laag was. De werkingscoëfficiënt was hoger (79–102%) ten opzichte van vloeibaar ammoniumnitraat als referentiemeststof. Een mineralenconcentraat is een ammoniumhoudende meststof met een hoge pH (ongeveer 8).

Experimenten laten zien dat bovengrondse toediening van mineralenconcentraten leidt tot emissies van ammoniak en lachgas. Het injecteren of inwerken van mineralenconcentraat beperkt ammoniakemissie sterk. De ammoniakemissie van ingewerkt mineralenconcentraat was significant lager dan die van ingewerkte varkensmest in drie incubatieproeven. De emissie van lachgas na toediening van mineralenconcentraten wordt waarschijnlijk veroorzaakt door de aanwezigheid van gemakkelijk afbreekbare organische stof en/of door hoge ammoniakconcentraties in de bodem. De gemiddelde lachgasemissie van ingewerkte mineralenconcentraat was in incubatieproeven hoger dan die van KAS en varkensmest.

Het risico op nitraatuitspoeling na toediening van mineralenconcentraten was vergelijkbaar of lager met die van toediening van KAS en onbewerkte mest, voor zowel bouwland als grasland. Deze resultaten duiden erop dat gasvormige emissies (ammoniak en denitrificatie) de belangrijkste posten van stikstofverlies zijn die leiden tot een lagere stikstofwerking dan KAS. Er zijn perspectieven om stikstofverliezen te verminderen en de stikstofwerking te verhogen door het gebruik van emissiearme toedieningssystemen, aanzuren van concentraat en verlaging van het gehalte aan organische stikstof in het concentraat.

Scenarioanalyses op nationale schaal laten zien dat grootschalig gebruik van mineralenconcentraten als kunstmest en dikke fractie van gescheiden mest in Nederland kunnen leiden tot een afname van de behoefte aan stikstof- en fosfaatkunstmest met respectievelijk 15 en 82%. De totale ammoniak- en lachgasemissies en nitraatuitspoeling in Nederland veranderen weinig in de doorgerekende scenario's. Door het op grote schaal toepassen van mineralenconcentraat in Nederland zal de benutting van stikstof en fosfaat in de landbouw toenemen.

---

[7] Velthof, 2015. Mineral concentrates from processed manure as fertilizer. Synthesis report. Alterra WUR-report No.2650. Mineral concentrate from processed manure as fertiliser - WUR

[8] Rietra en Velthof, 2014. Stikstofwerking van mineralenconcentraat onder gecontroleerde omstandigheden. Effecten van aanzuren, vocht en toedieningstechniek. Alterra-rapport 2518, WageningenUR: Stikstofverwerking van mineralenconcentraat onder gecontroleerde omstandigheden : effecten van aanzuren, vocht en toedieningstechniek — Research@WUR

## 2.2 Kunstmest-vrije Achterhoek

Dit project loopt vanaf 2018 er is 1 producent en er zijn 56 deelnemers. Het project is gericht op de productie van bemestingsproducten, die aansluiten bij de behoefte van de gewassen. Bij de deelnemers worden bodemmonsters genomen en een aansluitend bemestingsadvies, dat wordt ingevuld met biobased meststoffen (BBF). Hiervoor worden de meest geavanceerde mestverwerkingstechnieken gebruikt, die momenteel beschikbaar zijn. De basis van deze meststof is mineralenconcentraat die gewonnen wordt bij Groot Zevert vergisting. Groot Zevert vergist ongeveer 130.000 ton producten per jaar, waarvan circa 90-100.000 ton varkensmest. De installatie is een co-vergister, waarbij de overige 30.000-40.000 ton toegestane industriële reststromen voor covergisting zijn. De installatie produceert gedurende het jaar twee soorten producten; in het voorjaar een stikstof- en zwavelrijke meststof en in de zomer een stikstof- en kaliumrijke meststof. De meststof wordt na behoefte gemengd met bemestingsproducten op basis van dierlijke mest, zuiveringsslib en mengsels daarvan, zoals ammoniumsulfaat, ammoniumnitraat en ammoniakwater. Dergelijke meststoffen passen in een gebalanceerd bemestingsplan.

De pilot heeft op verschillende niveaus gefunctioneerd.

1. 10 demonstratieproeven op praktijklocaties een grasperceel dat voor de helft met kunstmest werd bemest en voor de helft met biobased meststoffen.
2. Wetenschappelijke veldproeven in gras en mais, waarin de effecten van de meststof .
3. Praktijk bedrijven, waar ervaringen van ondernemers met de meststof werden onderzocht.

Gedurende het project is er bemestingsapparatuur ontwikkeld, die het vloeibare product emissie-arm kan toedienen. Immers de meststof is veel geconcentreerder dan een vloeibare drijfmest. Deze bemester is uitgerust met GPS-techniek en kan plaatsspecifiek de bemesting variëren.

### 2.2.1 Demonstratie proeven

In het project zijn 2018[9] en 2019[10] demonstratieproeven uitgevoerd. De proeven zijn in beide jaren identiek uitgevoerd. Eerst werd er op basis van een bodemmonster een bemestingsadvies vastgesteld met minerale kunstmest of met Groene Weide meststoffen. Beide bemestingsproducten hebben identieke verhoudingen tussen stikstof, kalium en zwavel. De ontwikkeling van het gras werd gevolgd door de grashoogte te meten bij vier of vijf sneden. Daarnaast werd de voorraad minerale stikstof in drie bodemlagen bepaald: voorafgaand aan de bemesting en na de laatste snede.

De landbouwkundige werkzaamheid van de Groene Weide meststof was bij de eerste snede lager dan die van de blend van synthetische minerale stikstofmeststoffen. Dit verschijnsel werd

---

[9] Ehlert en van der Lippe, 2019. Toetsing van de Groene Weide Meststof in de praktijk. Demovelden van de gebiedsgerichte pilot Kunstmestvrije Achterhoek, 2018. Wageningen Environmental Research No.3007 https://research.wur.nl/en/publications/toetsing-van-de-groene-weide-meststof-in-de-praktijk-demovelden-v

[10] Ehlert en van der Lippe, 2020. Toetsing van de Groene Weide Meststof in de praktijk. Demovelden van de gebiedsgerichte pilot Kunstmestvrije Achterhoek, 2019 https://research.wur.nl/en/publications/review-of-the-green-meadow-fertiliser-in-practice-test-fields-of-

waarschijnlijk veroorzaakt door het aandeel geconcentreerd ammoniumwater in het nieuwe bemestingsproduct dat tot een te hoge pH leidde. De samenstelling van het bemestingsproduct werd daarop gewijzigd, waarbij de pH overeenkwam met die van mest of digestaat. Het verschijnsel werd daarna bij de volgende sneden niet meer waargenomen. Na wijziging van de samenstelling werd de landbouwkundige werkzaamheid vergelijkbaar. Voor vier sneden is de raming voor de relatieve werking van het nieuwe bemestingsproduct 89% van die van de blend van minerale meststoffen.

De voorraad minerale stikstof in de bodemlaag 0-90 cm nam in 2018 en 2019 toe als gevolg van de droogte. In 2019 was na de laatste snede een tendens waarneembaar dat het nieuwe bemestingsproduct tot een lagere voorraad minerale stikstof in de bodemlaag 0-90 cm leidt dan de blend. De onderzoekers concluderen dat er geen aanwijzing is dat het nieuwe bemestingsproduct leidt tot een verhoogd risico op nitraatuitspoeling.

### 2.2.3. Veldproeven gras en mais

In de periode 2019-2020 zijn er twee veldproeven op gras en twee veldproeven uitgevoerd op mais. Het doel van deze proeven was om de agronomische effectiviteit te bepalen door het bepalen van de stikstof-efficiëntie. Daarnaast het bepalen en vergelijken van het risico op nitraatuitspoeling bij gebruik van N-biobased bemestingsproducten (BBF) als vervanging voor minerale (synthetische) N-meststoffen.

Veldexperimenten van 2019 en 2020 hadden geen gunstige weersomstandigheden voor gewasgroei; droogte en hoge temperaturen. Om de droogte tegen te gaan, moest in deze jaren irrigatie worden toegepast. De veldproef op grasland in 2021 kende gunstige weersomstandigheden. Gras reageerde goed op stikstofbemesting, maar snijmaïs liet geen duidelijke reactie zien. De variatie binnen een behandeling in 2020 was groot, waardoor er geen significante verschillen waren voor maïs. Deze bevindingen worden vermoedelijk veroorzaakt door droogte en de impact van sprinkler-irrigatie op de mineralisatie van organische bodemstikstof.

Algehele resultaten van NFRV voor grasland kunnen worden gerangschikt volgens:
CAN ~ BBFb ~ UAN > CS +BBFb > CS maar een rangschikking voor het testen van de mestproducten met snijmaïs is niet evident aanwezig.

Op grasland werd meer stikstof toegepast dan in de totale stikstofopname door alle snedes gras waardoor een reststikstof in de bodem werd vastgesteld. Stikstof wordt duidelijk geïmmobiliseerd in de bodemprocessen of gaat verloren door uitstoot van ammoniak, $N_2O/N_2$. Na de oogst verschilt de voorraad minerale stikstof en een vergelijkbare dosering niet tussen BBF's of Kalkammonsalpeter (CAN). Over het algemeen laten de veldexperimenten zien dat een BBF gemaakt van mineralenconcentraat en een andere stikstof- en/of zwavelbron vergelijkbaar is met de agronomische effectiviteit van CAN. Het milieurisico op uitspoeling van nitraat van BBF's van GMMC verschilt niet van die van CAN[11].

### 2.2.3 Ervaring met bemestingsproduct

Het product wordt geproduceerd bij Groot Zevert Vergisting in Beltrum. Het product wordt in de markt gezet onder de marktnaam Groene Weide Meststoffen en vermarkt door de Agrarische Coöperatie For Farmers als een kunstmestproduct. Afnemers moeten voor dit product betalen. In deze regio wordt het product met name op gras en mais gebruikt.

In een evaluatie[12] in 2019 bij afnemers van het product geeft meer dan 85% van de afnemers aan tevreden te zijn over de uitvoering van de bemesting. Alle deelnemers geven aan geen verschil in opbrengst te hebben ervaren op percelen die met Groene Weide Meststoffen bemest waren ten

---

[11] Ehlert, P.A.I., 2022. Pilot Biobased Fertilisers Achterhoek; Synthesis report Monitoring program Wageningen Environmental Research. 5.1.2.E Environmental Research, Report. 53 pp. (in press)
[12] www.kunstmestvrijeachterhoek.nl

opzichte van de percelen die kunstmest hebben gekregen. Sommige afnemers menen zelfs een iets betere opbrengst te hebben. Als reden geven zij aan dat dit mogelijk komt doordat het een vloeibaar product is waardoor de watercomponent ook mee speelt. Bemesting met Groene Weide meststoffen wordt door afnemers op een schaal van 0-10 gewaardeerd met 7,2. Deelnemers zijn overwegend positief en geven aan dat het product goed paste bij de bemestingsbehoefte. Gedurende de pilot 2018-2021 is er een vaste groep van afnemers ontstaan, die het product blijven afnemen, wat ook een indicatie is dat het product vertrouwd wordt en aansluit bij de bemestingsbehoefte van deze landbouwers.

### 2.3 Onderzoek Joint Research Centre

In 2018 is het Joint Research Centre in opdracht van de Europese Commissie gestart met een onderzoek naar mestverwerkingsproducten in stikstofgevoelige gebieden. JRC beschrijft in dit rapport[13] dat er potentieel bestaat om de lopende technologische en marktontwikkelingen voor het recyclen van nutriënten in een circulaire economie te gebruiken met als doel waterlichamen te beschermen tegen vervuiling door dierlijke mest.

Het doel van dit rapport was om te helpen bij het definiëren van die geharmoniseerde criteria die het mogelijk zouden kunnen maken om stikstof (N)-meststoffen, gedeeltelijk of volledig afkomstig van mest door verwerking, te gebruiken in gebieden waarvoor het maximum van 170 kg N/ha/jr is voorgeschreven in bijlage III van de nitraatrichtlijn, overeenkomstig de overigens identieke bepalingen die van toepassing zijn op stikstofhoudende chemische meststoffen in de nitraatrichtlijn (91/676/EEG), terwijl de verwezenlijking van de doelstellingen van de richtlijn en voldoende agronomische voordelen worden gewaarborgd.

Dergelijke herwonnen meststoffen worden in dit rapport teruggewonnen stikstof uit mest (RENURE) genoemd. Dit werk combineert bio-geochemische modelleringstechnieken, analytische metingen en kwantitatieve (meta-analyse) en kwalitatieve literatuuronderzoekstechnieken om de gebruikseffecten van kandidaat-RENURE-materialen op milieuvervuiling te beoordelen, inclusief de nitraatuitspoeling.

De resultaten gaven aan dat verwerkte mest, die wordt gekenmerkt door een verhouding van totaal organische koolstof tot totaal N ≤ 3 of een verhouding van mineraal N tot totaal N ≥ 90% een vergelijkbaar N-uitspoelings-potentieel en agronomische efficiëntie kan hebben als van Haber-Bosch afgeleide en gelijkwaardige chemische N-meststoffen. Met name stikstofrijke bewerkte meststoffen, zoals zouten uit luchtwassing, mineralenconcentraten en vloeibare digestaten verkregen door centrifugatie en/of geavanceerde verwijdering van vaste stoffen, kunnen aan deze eisen voldoen.

Om te voldoen aan de doelstellingen van milieubescherming, is het echter noodzakelijk om het gebruik van RENURE te combineren met goede beheerpraktijken, waaronder het gebruik van levende plantenafdekkingen of gelijkwaardige maatregelen, toepassingstechnieken met een lage NH3-emissie en goede RENURE-opslagomstandigheden.

Het JRC-rapport stelt een reeks materiaal- en gebruiksvereisten voor om het veilige gebruik van RENURE in gebieden met waterverontreiniging door stikstof mogelijk te maken, in hoeveelheden boven de drempel die is vastgelegd in de nitraatrichtlijn (91/676/EEG). Er wordt geconcludeerd dat de mogelijke implementatie van RENURE als onderdeel van mestbeheersystemen een vooruitgang mogelijk maakt naar een meer circulaire economie en een weg naar een efficiënter gebruik van hulpbronnen in het voedselproductiesysteem van de EU.

---

[13] JRC, 2020. Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC). https://publications.jrc.ec.europa.eu/repository/handle/JRC121636.

***Bijlage 1. Eisen voor anorganische meststoffenproducten in de Europese Meststoffenverordening (EU 2019/1009)***

**PFC 1 C) I): ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een anorganische macronutriëntenmeststof heeft tot doel planten of paddenstoelen van een of meer van de volgende macronutriënten te voorzien:
   a) primaire macronutriënten: stikstof (N), fosfor (P) of kalium (K),
   b) secundaire macronutriënten: calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na) of zwavel (S).

2. Contaminanten in een anorganische macronutriëntenmeststof mogen de volgende grenswaarden niet overschrijden:
   a) cadmium (Cd):
      i) indien een anorganische macronutriëntenmeststof een totaal gehalte aan fosfor (P) van minder dan 5 massa-procent fosforpentoxide (P2O5)-equivalent heeft: 3 mg/kg droge stof, of
      ii) indien een anorganische macronutriëntenmeststof een totaal gehalte aan fosfor (P) van 5 massaprocent fosforpentoxide (P2O5)-equivalent of meer heeft ("fosfaatmeststof"): 60 mg/kg fosforpentoxide (P2O5),
   b) zeswaardig chroom (Cr(VI)): 2 mg/kg droge stof,
   c) kwik (Hg): 1 mg/kg droge stof,
   d) nikkel (Ni): 100 mg/kg droge stof,
   e) lood (Pb): 120 mg/kg droge stof,
   f) arseen (As): 40 mg/kg droge stof,
   g) biureet (C2H5N3O2): 12 g/kg droge stof,
   h) perchloraat (ClO4-): 50 mg/kg droge stof

**PFC 1 C) I) a): VASTE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

Een vaste anorganische macronutriëntenmeststof heeft een vaste vorm.

**PFC 1 C) I) a) i): ENKELVOUDIGE VASTE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een enkelvoudige vaste anorganische macronutriëntenmeststof heeft een aangegeven gehalte van:
   a) slechts één macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K), calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)), of
   b) slechts één primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)) en een of meer secundaire macronutriënten (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)).

2. Indien een enkelvoudige vaste anorganische macronutriëntenmeststof slechts één aangegeven macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K), calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) bevat, is dat macronutriëntengehalte ten minste:
   a) 10 massaprocent totaal stikstof (N),
   b) 12 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5),
   c) 6 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O),
   d) 5 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
   e) 12 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
   f) 10 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
   g) 1 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 40 massaprocent.

Indien een enkelvoudige vaste anorganische macronutriëntenmeststof slechts één aangegeven primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)) en een of meer aangegeven secundaire macronutriënten (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) bevat:

a) is dat gehalte aan primaire macronutriënt ten minste:
   i. 3 massaprocent totaal stikstof (N),
   ii. 3 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5), of
   iii. 3 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O);
b) zijn die gehalten aan secundaire macronutriënten ten minste:
   i. 1,5 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
   ii. 1,5 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
   iii. 1,5 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
   iv. 1 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 40 massaprocent.

De som van alle aangegeven gehalten aan primaire en secundaire macronutriënten bedraagt ten minste 18 massaprocent.

**PFC 1 C) I) a) ii): SAMENGESTELDE VASTE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof heeft een aangegeven gehalte van:
   a) meer dan één primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)), of
   b) meer dan één secundaire macronutriënt (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) en geen primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)).

2. Een samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof bevat meer dan één van de volgende aangegeven macronutriënten in ten minste de volgende gehalten:
   a) 3 massaprocent totaal stikstof (N),
   b) 3 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5),
   c) 3 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O),
   d) 1,5 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
   e) 1,5 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
   f) 1,5 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
   g) 1 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 40 massaprocent.

De som van alle aangegeven gehalten aan macronutriënten bedraagt ten minste 18 massaprocent.

**PFC 1 C) I) a) i-ii) A): ENKELVOUDIGE OF SAMENGESTELDE VASTE ANORGANISCHE MACRO-NUTRIËNTENMESTSTOF OP BASIS VAN AMMONIUMNITRAAT EN MET EEN HOOG STIKSTOFGEHALTE**

1. Een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte is gebaseerd op ammoniumnitraat (NH4NO3) en bevat ten minste 28 massaprocent stikstof (N) afkomstig van ammoniumnitraat (NH4O3).
2. Alle eventueel aanwezige andere stoffen dan ammoniumnitraat (NH4NO3) zijn inert voor ammoniumnitraat (NH4NO3).
3. Een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte wordt uitsluitend in verpakte vorm aan de eindgebruiker ter beschikking gesteld. De verpakking is op zodanige wijze of met

een zodanig systeem gesloten dat door het openen ervan de sluiting, het sluitzegel of de verpakking zelf onherstelbaar wordt beschadigd. Het gebruik van klepzakken is toegestaan.

4. De olieretentie van een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte, dat vooraf twee temperatuurcycli heeft doorlopen zoals beschreven in punt 4.1 van module A1 in deel II van bijlage IV, mag niet meer dan 4 massaprocent bedragen.
5. De detonatiebestendigheid van een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte is zodanig dat:
   — na vijf temperatuurcycli zoals beschreven in punt 4.3 van module A1 in deel II van bijlage IV,
   — bij twee detonatiebestendigheidsproeven zoals beschreven in punt 4.4 van module A1 in deel II van bijlage IV, een of meer van de loden steuncilinders minder dan 5 % wordt gestuikt.
6. Het massapercentage van als koolstof (C) gemeten brandbaar materiaal mag niet meer bedragen dan:
   - 0,2 massaprocent bij een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte, met een gehalte aan stikstof (N) van ten minste 31,5 massaprocent, en
   - 0,4 massaprocent bij een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte, met een gehalte aan stikstof (N) van tenminste 28, maar minder dan 31,5 massaprocent.
7. De pH van een oplossing van 10 g van een enkelvoudige of samengestelde vaste anorganische macronutriëntenmeststof op basis van ammoniumnitraat en met een hoog stikstofgehalte, in 100 ml water moet ten minste 4,5 bedragen.
8. Ten hoogste 5 massaprocent mag door een zeef met een maaswijdte van 1 mm gaan, en ten hoogste 3 massaprocent door een zeef met een maaswijdte van 0,5 mm.
9. Het gehalte aan koper (Cu) mag niet hoger zijn dan 10 mg/kg, en het gehalte aan chloor (Cl) niet hoger dan 200 mg/kg.

**PFC 1 C) I) b): VLOEIBARE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

Een vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof heeft een vloeibare vorm.

**PFC 1 C) I) b) i): ENKELVOUDIGE VLOEIBARE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een enkelvoudige vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof heeft een aangegeven gehalte van:

   a) slechts één macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K), calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)), of
   b) slechts één primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)) en een of meer secundaire macronutriënten (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)).

2. Indien een enkelvoudige vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof slechts één aangegeven macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K), calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) bevat, is dat macronutriëntengehalte ten minste:

   a) 5 massaprocent totaal stikstof (N),
   b) 5 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5),
   c) 3 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O),

d) 2 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
e) 6 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
f) 5 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
g) 1 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 40 massaprocent.

Indien een enkelvoudige vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof slechts één aangegeven primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P) of kalium (K)) en een of meer aangegeven secundaire macronutriënten (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na) of zwavel (S)) bevat:

a) is dat gehalte aan primaire macronutriënt ten minste:
    i. 1,5 massaprocent totaal stikstof (N),
    ii. 1,5 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5), of
    iii. 1,5 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O), en
b) zijn die gehalten aan secundaire macronutriënten ten minste:
    i. 0,75 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
    ii. 0,75 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
    iii. 0,75 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
    iv. 0,5 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 20 massaprocent.

De som van alle aangegeven gehalten aan primaire en secundaire macronutriënten bedraagt ten minste 7 massaprocent.

**PFC 1 C) I) b) ii): SAMENGESTELDE VLOEIBARE ANORGANISCHE MACRONUTRIËNTENMESTSTOF**

1. Een samengestelde vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof heeft een aangegeven gehalte van:
    a) meer dan één primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)), of
    b) meer dan één secundaire macronutriënt (calcium (Ca), magnesium (Mg), natrium (Na), zwavel (S)) en geen primaire macronutriënt (stikstof (N), fosfor (P), kalium (K)).

2. Een samengestelde vloeibare anorganische macronutriëntenmeststof bevat meer dan één van de volgende aangegeven nutriënten in ten minste de volgende gehalten:
    a) 1,5 massaprocent totaal stikstof (N),
    b) 1,5 massaprocent totaal fosforpentoxide (P2O5),
    c) 1,5 massaprocent totaal kaliumoxide (K2O),
    d) 0,75 massaprocent totaal magnesiumoxide (MgO),
    e) 0,75 massaprocent totaal calciumoxide (CaO),
    f) 0,75 massaprocent totaal zwaveltrioxide (SO3), of
    g) 0,5 massaprocent totaal natriumoxide (Na2O).

Het gehalte aan totaal natriumoxide (Na2O) is echter niet meer dan 20 massaprocent.

De som van alle aangegeven nutriëntengehalten bedraagt ten minste 7 massaprocent.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

5.1.2.e [redacted]
Europese Commissie
1049 BRUSSEL
België

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22141697

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**
1

Datum
Betreft Aanvraag Derogatie RENURE

Geachte 5.1.2.e [redacted],

Op 25 februari 2022 is er een aanvraag van Nederland aan u doen toekomen voor een nieuwe derogatie van de gebruiksnorm van 170 kg stikstof per hectare per jaar voor dierlijke mest als opgenomen in bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn voor Nederland met ingang van 1 januari 2022 (kenmerk: DGA-PAV / 22072814). Met deze brief specificeer ik het verzoek van Nederland dat ziet op een derogatie voor graasdiermest en een landen-specifieke oplossing voor kunstmestvervanging.

*Derogatie graasdiermest*
In het gesprek van 25 februari 2022 van de Europees Commissaris voor Milieu met de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit is aangegeven dat de Europese Commissie een derogatie voor vier jaar wil verlenen aan Nederland. Over deze uitkomst ben ik verheugd. De Europees Commissaris heeft hierbij ook aangegeven dat het om een transitiederogatie gaat, die zal moeten aansluiten bij de transitie die het Nederlandse kabinet met de verduurzaming en extensivering in de landbouw voorstaat om de milieudoelen, waaronder waterkwaliteit, te realiseren. Hierbij zijn ook de ontwikkelingen op circulaire economie en het klimaat relevant, inclusief het hergebruik van hoogwaardige producten ter vervanging van producten uit fossiele bronnen, zoals kunstmest.

Uit de gesprekken die op de diverse niveaus met uw dienst zijn gevoerd over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, het daarbij behorende addendum en de inhoud van een nieuwe derogatie maak ik op dat de Europese Commissie belang hecht aan diverse sturingsmogelijkheden om zeker te stellen dat de beoogde transitie in de Nederlandse landbouw wordt gerealiseerd. Nederland hecht hier zelf ook groot belang aan en heeft dan ook begrip voor de positie van de Europese Commissie. Voor het realiseren van deze transitie zijn stabiliteit en zekerheid essentieel, ook met het oog op de bedrijfsafwegingen en investeringsbeslissingen die agrariërs zullen moeten maken. Dit maakt dat duidelijkheid aan de voorkant gewenst is over de omvang van de derogatie voor de duur van de beschikking van 4 jaar.

Nederland streeft een derogatie na die aansluit bij het transitiepad dat Nederland wil volgen en bijdraagt aan het verder verbeteren van de waterkwaliteit. Daartoe

staat Nederland een beschikking voor waarin de omvang van de derogatie stapsgewijs wordt teruggebracht. Een verlaging van de derogatie voor dierlijke mest kan samengaan met het opbouwen van het gebruik van RENURE-producten. Dit bevordert het hergebruik van dierlijke mest in hoogwaardige grondstoffen en vermindert de afhankelijkheid van fossiele grondstoffen en daarmee gepaard gaande uitstoot van broeikasgassen. Met het afgeven van een beschikking voor het gebruik van RENURE-producten kan het uitbreiden van de productiecapaciteit van RENURE-producten in gang worden gezet. Dit vraagt 2 tot 3 jaar. Verderop in deze brief ga ik hier nader op in.

De Nederlandse regering doet dan ook een aanvraag voor een derogatie voor graasdiermest die gericht is op een stapsgewijze verlaging in de hoogte van de stikstofgebruiksnorm, namelijk:

| | *230 kg N/ha*[1] | *250 kg N/ha*[2] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 220 | 240 |
| 2025 | 200 | 220 |

*Kunstmestvervanging*
De afgelopen jaren is met uw dienst en in de expert group on Nitrates uitvoerig gesproken over de innovatieve mogelijkheden die mestverwerking biedt om hoogwaardige meststoffen te produceren uit dierlijke mest. Vanuit Horizon 2020 zijn diverse grote onderzoeksprojecten aan deze uitdagingen gewijd.

Met het actieplan voor de circulaire economie wordt de recycling bevorderd van nutriënten uit dierlijke mest en andere organische bronnen ter vervanging van chemische meststoffen. In de Farm to Fork-strategie wordt aangekondigd dat de Commissie wil werken aan het verminderen van het gebruik van meststoffen en streeft naar meer recycling van organisch afval tot hernieuwbare meststoffen, met name in gebieden met veel intensieve veehouderij. Door een beter gebruik te maken van lokaal beschikbare grondstoffen kan de input van fossiele kunstmest worden beperkt, kunnen emissies afnemen en kunnen de gerecyclede producten worden verwaard. De belangrijkste uitdaging is om gerecyclede nutriënten op een zodanig kwaliteitsniveau te verkrijgen, dat verliezen in het milieu naar zowel water, bodem als lucht tot een minimum worden beperkt.

Uw dienst heeft in de jaren 2018-2020 het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de Commissie een studie laten uitvoeren over teruggewonnen stikstof uit dierlijke mest. De betrokken stikstofproducten worden RENURE genoemd, van REcovered Nitrogen from manURE (teruggewonnen stikstof uit mest). Deze studie is in september 2020 afgerond[3]. Hierin worden criteria voorgesteld voor een veilig gebruik van gerecyclede producten uit dierlijke mest

[1] Derogatie afgelopen jaren voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg
[2] Derogatie afgelopen jaren voor de andere landbouwgronden in Nederland
[3] JRC, 2020. 5.1.2.E et al. JRC Publications Repository - Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC) (europa.eu)

boven de in de Nitraatrichtlijn vastgestelde drempel, op een vergelijkbare wijze als voor een niet-organische meststoffen. Uw dienst heeft in het afgelopen jaar onderzoek gedaan naar de opties voor de toepassing van deze criteria binnen het huidige rechtskader van de Nitraatrichtlijn, met name naar de optie RENURE-producten te beschouwen als kunstmestproducten in plaats van dierlijke mestproducten. In de laatste expert groep van 17 maart 2022 heeft uw dienst aangegeven dat de Commissie openstaat voor laatstgenoemde optie en een landen-specifieke oplossing te willen bezien als lidstaten overwegen een dergelijke aanvraag te doen.

In mijn brief van 29 juni 2021 (referentie: DGA-PAV / 21152040) heb ik aangegeven dat naar onze mening deze producten niet passen in de Nitraatrichtlijn, omdat deze niet kunnen worden ingebed in de definitie voor dierlijke mest, artikel 1 onder g, en voor kunstmest, artikel 1 onder f. Uw dienst geeft aan dat bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn een wettelijke mogelijkheid biedt voor de Commissie om een uitzondering op de maximaal toegestane 170kg stikstof per hectare per jaar in die zin dat voor de bepaling van die hoeveelheid op of in de bodem gebrachte RENURE-producten niet meetellen. In de nationale regelgeving zullen RENURE-producten meetellen onder de totale stikstofgebruiksnorm.

Nederland stelt voor deze landen-specifieke oplossing een termijn van tenminste 8 jaar voor, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden. In de bijlage vindt u een voorstel hoe Nederland een dergelijke mogelijkheid zou willen inrichten. Nederland heeft reeds ervaring opgedaan in pilots. Wij zijn gaarne bereid deze ervaringen te delen met u en de andere lidstaten.

*Concluderend*
De aanvraag ziet op een stapsgewijze verlaging voor de derogatie voor graasdiermest én op een ingroei van een landen-specifieke oplossing voor de productie en gebruik van RENURE-producten binnen de Nederlandse landsgrenzen.

Wij zouden deze voorstellen graag met uw diensten verder willen bespreken en zo de vereiste besluitvormingsprocedure voort zetten. Daarbij herhaal ik het verzoek dat Nederland eerder aan u heeft gedaan om flexibiliteit te betrachten in de procedure ten einde zo spoedig mogelijk tot definitieve besluitvorming te komen.

5.1.2.e

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 26 april 2022 17:50
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk )
**Onderwerp:** RE: Ter akkoord - brief aan DG Fink
**Bijlagen:** DOMUS-22141697-v10-Brief_EC__Aanvraag_Derogatie_RENURE.pdf; DOMUS-22182375-v4-Nota_Aanvraag_derogatie_RENURE.pdf; DOMUS-22153987-v1-Bijlage__Verzoek_tot_landen_specifieke_oplossing_RENURE_.pdf

Dag Henk,

Zoals gewisseld per app - hierbij de stukken in PDF.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 26 april 2022 17:21
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e [redacted] ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Ter akkoord - brief aan 5.1.2.e

Dag Henk,

Zoals net in het overleg besproken vind je hierbij een brief die 5.1.2.e aan 5.1.2.e kan sturen met de Nederlandse inzet omtrent derogatie.
We horen graag of je daarmee akkoord bent.

Groet
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

5.1.2.e [redacted]
Europese Commissie
1049 BRUSSEL
België

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22141697

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**
1

Datum
Betreft Aanvraag Derogatie RENURE

Geachte 5.1.2.e [redacted],

Op 25 februari 2022 is er een aanvraag van Nederland aan u doen toekomen voor een nieuwe derogatie van de gebruiksnorm van 170 kg stikstof per hectare per jaar voor dierlijke mest als opgenomen in bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn voor Nederland met ingang van 1 januari 2022 (kenmerk: DGA-PAV / 22072814). Met deze brief specificeer ik het verzoek van Nederland dat ziet op een derogatie voor graasdiermest en een landen-specifieke oplossing voor kunstmestvervanging.

*Derogatie graasdiermest*
In het gesprek van 25 februari 2022 van de Europees Commissaris voor Milieu met de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit is aangegeven dat de Europese Commissie een derogatie voor vier jaar wil verlenen aan Nederland. Over deze uitkomst ben ik verheugd. De Europees Commissaris heeft hierbij ook aangegeven dat het om een transitiederogatie gaat, die zal moeten aansluiten bij de transitie die het Nederlandse kabinet met de verduurzaming en extensivering in de landbouw voorstaat om de milieudoelen, waaronder waterkwaliteit, te realiseren. Hierbij zijn ook de ontwikkelingen op circulaire economie en het klimaat relevant, inclusief het hergebruik van hoogwaardige producten ter vervanging van producten uit fossiele bronnen, zoals kunstmest.

Uit de gesprekken die op de diverse niveaus met uw dienst zijn gevoerd over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, het daarbij behorende addendum en de inhoud van een nieuwe derogatie maak ik op dat de Europese Commissie belang hecht aan diverse sturingsmogelijkheden om zeker te stellen dat de beoogde transitie in de Nederlandse landbouw wordt gerealiseerd. Nederland hecht hier zelf ook groot belang aan en heeft dan ook begrip voor de positie van de Europese Commissie. Voor het realiseren van deze transitie zijn stabiliteit en zekerheid essentieel, ook met het oog op de bedrijfsafwegingen en investeringsbeslissingen die agrariërs zullen moeten maken. Dit maakt dat duidelijkheid aan de voorkant gewenst is over de omvang van de derogatie voor de duur van de beschikking van 4 jaar.

Nederland streeft een derogatie na die aansluit bij het transitiepad dat Nederland wil volgen en bijdraagt aan het verder verbeteren van de waterkwaliteit. Daartoe

staat Nederland een beschikking voor waarin de omvang van de derogatie stapsgewijs wordt teruggebracht. Een verlaging van de derogatie voor dierlijke mest kan samengaan met het opbouwen van het gebruik van RENURE-producten. Dit bevordert het hergebruik van dierlijke mest in hoogwaardige grondstoffen en vermindert de afhankelijkheid van fossiele grondstoffen en daarmee gepaard gaande uitstoot van broeikasgassen. Met het afgeven van een beschikking voor het gebruik van RENURE-producten kan het uitbreiden van de productiecapaciteit van RENURE-producten in gang worden gezet. Dit vraagt 2 tot 3 jaar. Verderop in deze brief ga ik hier nader op in.

De Nederlandse regering doet dan ook een aanvraag voor een derogatie voor graasdiermest die gericht is op een stapsgewijze verlaging in de hoogte van de stikstofgebruiksnorm, namelijk:

| | *230 kg N/ha*[1] | *250 kg N/ha*[2] |
|---|---|---|
| 2022 | 230 | 250 |
| 2023 | 220 | 240 |
| 2024 | 220 | 240 |
| 2025 | 200 | 220 |

*Kunstmestvervanging*
De afgelopen jaren is met uw dienst en in de expert group on Nitrates uitvoerig gesproken over de innovatieve mogelijkheden die mestverwerking biedt om hoogwaardige meststoffen te produceren uit dierlijke mest. Vanuit Horizon 2020 zijn diverse grote onderzoeksprojecten aan deze uitdagingen gewijd.

Met het actieplan voor de circulaire economie wordt de recycling bevorderd van nutriënten uit dierlijke mest en andere organische bronnen ter vervanging van chemische meststoffen. In de Farm to Fork-strategie wordt aangekondigd dat de Commissie wil werken aan het verminderen van het gebruik van meststoffen en streeft naar meer recycling van organisch afval tot hernieuwbare meststoffen, met name in gebieden met veel intensieve veehouderij. Door een beter gebruik te maken van lokaal beschikbare grondstoffen kan de input van fossiele kunstmest worden beperkt, kunnen emissies afnemen en kunnen de gerecyclede producten worden verwaard. De belangrijkste uitdaging is om gerecyclede nutriënten op een zodanig kwaliteitsniveau te verkrijgen, dat verliezen in het milieu naar zowel water, bodem als lucht tot een minimum worden beperkt.

Uw dienst heeft in de jaren 2018-2020 het Gemeenschappelijk Centrum voor onderzoek van de Commissie een studie laten uitvoeren over teruggewonnen stikstof uit dierlijke mest. De betrokken stikstofproducten worden RENURE genoemd, van REcovered Nitrogen from manURE (teruggewonnen stikstof uit mest). Deze studie is in september 2020 afgerond[3]. Hierin worden criteria voorgesteld voor een veilig gebruik van gerecyclede producten uit dierlijke mest

[1] Derogatie afgelopen jaren voor landbouwgrond op zand- en lössgrond in Overijssel, Gelderland, Utrecht, Noord-Brabant of Limburg
[2] Derogatie afgelopen jaren voor de andere landbouwgronden in Nederland
[3] JRC, 2020. D.Huygens et al. JRC Publications Repository - Technical proposals for the safe use of processed manure above the threshold established for Nitrate Vulnerable Zones by the Nitrates Directive (91/676/EEC) (europa.eu)

boven de in de Nitraatrichtlijn vastgestelde drempel, op een vergelijkbare wijze als voor een niet-organische meststoffen. Uw dienst heeft in het afgelopen jaar onderzoek gedaan naar de opties voor de toepassing van deze criteria binnen het huidige rechtskader van de Nitraatrichtlijn, met name naar de optie RENURE-producten te beschouwen als kunstmestproducten in plaats van dierlijke mestproducten. In de laatste expert groep van 17 maart 2022 heeft uw dienst aangegeven dat de Commissie openstaat voor laatstgenoemde optie en een landen-specifieke oplossing te willen bezien als lidstaten overwegen een dergelijke aanvraag te doen.

In mijn brief van 29 juni 2021 (referentie: DGA-PAV / 21152040) heb ik aangegeven dat naar onze mening deze producten niet passen in de Nitraatrichtlijn, omdat deze niet kunnen worden ingebed in de definitie voor dierlijke mest, artikel 1 onder g, en voor kunstmest, artikel 1 onder f. Uw dienst geeft aan dat bijlage III, paragraaf 2 van de Nitraatrichtlijn een wettelijke mogelijkheid biedt voor de Commissie om een uitzondering op de maximaal toegestane 170kg stikstof per hectare per jaar in die zin dat voor de bepaling van die hoeveelheid op of in de bodem gebrachte RENURE-producten niet meetellen. In de nationale regelgeving zullen RENURE-producten meetellen onder de totale stikstofgebruiksnorm.

Nederland stelt voor deze landen-specifieke oplossing een termijn van tenminste 8 jaar voor, omdat bedrijven omvangrijke investeringen dienen te doen die pas over langere tijd terug verdiend kunnen worden. In de bijlage vindt u een voorstel hoe Nederland een dergelijke mogelijkheid zou willen inrichten. Nederland heeft reeds ervaring opgedaan in pilots. Wij zijn gaarne bereid deze ervaringen te delen met u en de andere lidstaten.

*Concluderend*
De aanvraag ziet op een stapsgewijze verlaging voor de derogatie voor graasdiermest én op een ingroei van een landen-specifieke oplossing voor de productie en gebruik van RENURE-producten binnen de Nederlandse landsgrenzen.

Wij zouden deze voorstellen graag met uw diensten verder willen bespreken en zo de vereiste besluitvormingsprocedure voort zetten. Daarbij herhaal ik het verzoek dat Nederland eerder aan u heeft gedaan om flexibiliteit te betrachten in de procedure ten einde zo spoedig mogelijk tot definitieve besluitvorming te komen.

5.1.2.e

**Van:** Staghouwer, H. (Henk )
**Verzonden:** dinsdag 26 april 2022 17:53
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Ter akkoord - brief aan 5.1.2.e

Dag 5.1.2.E

Ik ben akkoord met het versturen van de brief en de onderhandelingsinzet.

Met vriendelijke groet,
Henk

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Datum:** 26 april 2022 om 17:49:36 CEST
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Ter akkoord - brief aan 5.1.2.e

Dag Henk,

Zoals gewisseld per app - hierbij de stukken in PDF.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 26 april 2022 17:21
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Ter akkoord - brief aan 5.1.2.e

Dag Henk,

Zoals net in het overleg besproken vind je hierbij een brief die 5.1.2.e aan 5.1.2.e kan sturen met de Nederlandse inzet omtrent derogatie.
We horen graag of je daarmee akkoord bent.

Groet
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 23 mei 2022 20:46
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ); 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e [redacted]); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Aanvullende spreek/redeneerlijn t.b.v. BWO woensdag
**Bijlagen:** Aanvullend memo BWO 25 mei.docx

Dag Henk en 5.1.2.E

Zoals vanochtend besproken is er een aanvullende spreek/redeneerlijn opgesteld over de koppeling tussen ADC-toets en derogatie t.b.v. het BWO komende woensdag ter voorbereiding van het bezoek aan Brussel.

Morgen om 16.30u is er een overleg met jullie beide gepland om dit BWO voor te bespreken.

Groet,
5.1.2.E

**Memo Bewindspersonenoverleg (BWO) 25 mei 2022 voorafgaand gesprek Eurocommissaris voor Milieu Sinkevicius op 31 mei 2022**

U heeft reeds een adviserende nota ontvangen t.b.v. het BWO op 25 mei 2022. Op 23 mei 2022 heeft ambtelijk overleg met DG ENVI plaatsgevonden over inhoud en voorwaarden van derogatie 2022-2025. Dit leidt tot een aanvulling op deze nota.

Spreeklijn voor de minister van LNV:

*Belang en achtergrond derogatie*

- Het belang van derogatie van de Nitraatrichtlijn is economisch groot voor de agrarische sector. Derogatie heeft voordelen voor het milieu onder meer ten aanzien van waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit. Een nadeel kan zijn dat een hogere mestgift kan leiden tot meer ammoniakemissie.
- Bij derogatie is het beeld dat het bedoeld is om meer tijd te krijgen om aan de norm te gaan voldoen. Dat is niet de reden waarom de derogatie is opgenomen. De norm van 170 kg stikstof in dierlijke mest is een gemiddelde norm voor heel de EU. In landen met een gematigd klimaat is het groeiseizoen langer en wordt er meer stikstof miliueverantwoord opgenomen.
- (Vergelijking: gemiddelde EU burgers zijn 1,80 meter lang. Stel dat in een richtlijn zou komen dat bedden niet langer mogen zijn dan 1,80 meter, maar Nederland heeft derogatie gekregen om langere bedden te maken omdat Nederlanders vaak langer zijn. Ligt het dan voor de hand deze af te schaffen??)

*Gesprek met EC/ENVI op 23 mei 2022*

- Op 23 mei 2022 heeft EC/ENVI ambtelijk in het onderhandelingstraject voor derogatie een afbouwpad voor derogatie voorgesteld dat veel verder gaat dan dat NL heeft aangevraagd. En het verzoek wat Nederland heeft gedaan is al een forse aanscherping van de huidige derogatie. De aanscherpingen die EC/ENVI heeft voorgesteld zijn vergaand en zullen impact hebben op de transitie, de gebiedsgerichte aanpak en de hele Nederlandse landbouw. De Commissie wil naast het in 4 jaar volledig afbouwen van de derogatie ook de verkleining van de veestapel vastleggen door middel van het jaarlijks verlagen van het productieplafond.
- Momenteel bereiden wij de reactie aan EC/ENVI voor en zullen de onderhandelingen ambtelijk en politiek worden vervolgd.

*Geen koppeling maken tussen ADC-toets en derogatie*

- Het is de vraag of Eurocommissaris Sinkevicius in het overleg op 31 mei 2022 de koppeling tussen de ADC-toets en derogatie zal leggen en opbrengen in het gesprek.
- Beide sporen doorlopen hun eigen traject en tijdspad.
- Het is de vraag of het koppelen van ADC procedure aan de derogatie een bijdrage levert aan het dichterbij brengen van oplossingen.
    - Het is de verwachting dat bij zeer snel afbouwen van de derogatie zoals de EC/ENVI voorstelt de vrijwillige medewerking aan de landbouw in den brede en de integrale gebiedsgerichte plannen vanuit de landbouw volledig en langdurig wordt stil gelegd.
    - Dan leidt dat er een beroep moet worden gedaan op verplichtingen, zoals onteigening, die dan het tempo bepalen: het risico is hierbij dat er dan de komende jaren geen noemenswaardige stikstofruimte ontstaat.
    - In het 7e AP, het addendum en de derogatie stelt extra eisen aan stikstofuitstoot. Ook hiervoor is een werkzame derogatie en medewerking van de sector nodig.

*Oplossing in juridisch risico van ADC procedure verkleinen*

- Risico ADC is vooral een juridisch risico, mogelijk meer dan de opstelling van de Europese Commissie: is overwogen de regelgeving op dit maximaal te versterken?

Minister voor N&S

- Een aangescherpt afbouwpad voor derogatie kan op het eerste gezicht leiden tot meer stikstofruimte.
- Tegelijkertijd deel ik de zorg dat de landbouw niet langer medewerking verleend aan de integrale gebiedsgerichte aanpak. En ik heb hen zeer nodig om de aanpak te laten slagen.
- Het is belangrijk om daar waar mogelijk te voorkomen dat de gebiedsgerichte aanpak wordt gefrustreerd, juist ook met het oog op tempo. Voor een aantal dwingende

instrumenten geldt dat inzet pas op termijn zal leiden tot stikstofreduutie (zoals onteigening). Ik vind het dan ook niet wenselijk dat het afbouwpad verder gaat dan dat we eerder hebben aangevraagd.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 30 mei 2022 19:57
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ); 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Ter akkoord - reactie aan de EC over derogatie
**Bijlagen:** Mandaat vervolg derogatiegesprekken.docx

Dag Henk en 5.1.2.E

Bijgaand vinden jullie ter akkoord een concept reactie aan de Europese Commissie met een reactie op hun voorstel m.b.t. de derogatie. Graag horen we morgen of jullie akkoord zijn met het verzenden hiervan.

Indien er behoefte is aan nader overleg kan daar morgen ook een moment voor worden gezocht.

Groet
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
26 mei 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22229016

**BHM 22230806**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

adviesnota: Mandaat vervolggesprek DG ENVI over inhoud en voorwaarden derogatie 2022-2025

**Parafenroute**

| DGA | PAV, 5.1.2.e | BPZ |
|---|---|---|
| 5.1.2.e | 5.1.2.e | 5.1.2.E |

## Aanleiding

Op 23 mei 2022 heeft ambtelijk overleg met DG ENVI plaatsgevonden over inhoud en voorwaarden van derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025. Op 23 mei 2022 is over de uitkomsten van dit gesprek met u gesproken. Op 25 mei 2022 is met u gesproken over de inhoud van een tegenvoorstel. Op basis van dit gesprek is het tegenvoorstel verder uitgewerkt met een duiding van beide opties. Bijgevoegd treft u daarnaast de voorgestelde beantwoording (bijlage 1) op de door ENVI gestelde vragen. Ook is een voorstel voor het vervolgproces opgenomen. De nota is ambtelijk afgestemd met DGLGenS.

## Advies

U wordt verzocht in te stemmen met:
- het tegenvoorstel en voorgestelde beantwoording (bijlage 1), zodat op korte termijn een ambtelijk vervolgoverleg met ENVI kan worden gepland.
- het voorgestelde vervolgproces.

## Kernpunten

### *Derogatienormen en Renure*

Op 25 mei 2022 zijn twee opties met u besproken over afname van de derogatienormen. Voorkeur van Minister LNV in dit gesprek ging uit naar optie B.
- Nederland kent een onderscheid naar grondsoorten bij de implementatie van de Nitraatrichtlijn om zo recht te doen aan de waterkwaliteitsissues. De eerdere derogaties kenden reeds een onderscheid in de hoogte van de norm voor gevoelige zand- en lössgronden en de overige grondsoorten (230 versus 250 kg/N/ha).
- Optie houdt in vanaf 2026 te stoppen met derogatie op zand-230,- en lössgronden. En derogatie voor zand-250,- klei- en veengronden vanaf 2026 voort te zetten met 220 kg/N/ha.
- In de nationale politiek en naar de sector is optie B inhoudelijk beter uitlegbaar omdat deze zich richt op de gebieden met de grootste waterkwaliteitsproblematiek. Ontvangen BPZ

- In reactie naar ENVI geldt ditzelfde argument. De onderbouwing van een derogatie met een omvang van 200 kg/N/ha voor zand-230-, en lössgebieden in 2025 is uitlegbaar: hoe lager de norm wordt hoe minder interessant het is voor melkveehouders om aan derogatie deel te nemen.
- Ter verdere onderbouwing: In juli 2019 is een analyse van Wageningen Economic Research aan de Tweede Kamer gezonden over een verkenning naar afname en beweegredenen van ondernemers niet langer deel te nemen aan derogatie als gevolg van afname deelname aan derogatie in 2016-2019.[1] Met name veroorzaakt door bedrijfsbeëindiging, deelnamevoorwaarden die als beperkend worden beschouwd en omschakeling van bedrijven naar andere producten of productiewijzen. De beperkende voorwaarde ziet met name op de 80%-grasland-eis. Er zijn regionale verschillen ten aanzien van het percentage afname areaal met derogatie: dit is sterker in Centrale en zuidwestelijke zeeklei, Zand-Noord en Zand-Zuid + Löss ten opzichte van geheel Nederland.
- Het is van belang om te voorkomen dat de afbouw van de derogatie tot ongewenste effecten leidt, zoals de omzetting van gras- naar bouwland voor gewassen waarvan de teelt leidt tot risico's voor het halen van de diverse doelstellingen. Daarom zal hier in, onder meer de vormgeving van de integrale aanpak en aanpalend beleid, aandacht voor moeten zijn (in de zin van instrumentarium en aanvullende voorwaarden).
- De afname in de periode tot en met 2025 is 30 kg/N/ha.
- De landenspecifieke oplossing voor kunstmestvervanging uit dierlijke mest is noodzakelijk ten behoeve van de invulling van een grondgebonden melkveehouderij. Zonder Renure en derogatie zijn de consequenties groot.
- Geen derogatie is gunstig voor verminderen stikstofemissies maar nadelig voor de waterkwaliteit, klimaat en agrobiodiversiteit. Dit is in lijn met het CDM-advies uit 2020

**Optie B**

| | **230 kg N/ha (2021: 30% ha)** | **250 kg N/ha (2021: 70% ha)** |
|---|---|---|
| **2022** | 230 | 250 |
| **2023** | 220 | 240 |
| **2024** | 210 | 230 |
| **2025** | 200 | 220 |
| **2026** | 170 | 220 |

De terugvaloptie is optie A met een totale generieke afname van 40 kg/N/ha. Met deze optie zet Nederland een stap richting ENVI.

**Optie A**

| | **230 kg N/ha** | **250 kg N/ha** |
|---|---|---|
| **2022** | 230 | 250 |
| **2023** | 220 | 240 |
| **2024** | 210 | 230 |

[1] Kamerstukken 33037, nr. 360, 'Afname derogatie, verkenning omvang en beweegredenen ondernemers'.

| | | |
|---|---|---|
| **2025** | 190 | 210 |

**Inschatting reactie ENVI op beide opties**
Op voorhand is niet in te schatten hoe de reactie van ENVI op beide opties zal zijn. Ook is het risico niet in te schatten als niet direct optie a wordt voorgesteld.

Over de uitgangspunten van ENVI kan het volgende worden aangegeven:
- ENVI beschouwt de derogatie 2022-2025 als een transitiederogatie die ondersteunend is aan de transitie die Nederland in de landbouw voorstaat.
- ENVI geeft aan dat derogatie alleen verleend kan worden onder de voorwaarde dat regionale plannen met aanvullende doelen vanaf 2023 van toepassing zullen zijn en strenger zullen zijn dan de eerdere derogatie. ENVI wil door middel van voorwaarden hierover zekerheid over het realiseren van deze transitie.
- De verwachting is dat ENVI duidelijkheid wil over voortzetting van derogatie vanaf 2026.
- ENVI heeft aangegeven dat op basis van de stand van de waterkwaliteit in Nederland zowel een politiek als juridisch zeer goed onderbouwde motivering nodig is om nu derogatie te verlenen.
- De zorg van ENVI ziet op de omvang van de veehouderij en het niet realiseren van voortgang in waterkwaliteitsresultaten onder bouwland, met name op zand- en lössgronden.
- In de Nederlandse derogatieaanvraag van afgelopen april is een afname van 30 kg/N/ha opgenomen. Het voorstel van ENVI is 60 kg/N/ha, uitkomend op 170 kg/N/ha in 2025.
- Optie B komt tegemoet aan het onderscheid in de waterkwaliteitsproblematiek in Nederland waarbij derogatie per 2026 wordt beëindigd op de meest problematische gronden voor waterkwaliteit. De omvang van de afname van derogatie in de periode tot 2026 is onveranderd ten opzichte van het voorstel van ENVI.
- Met optie A wordt een stap van 10 kg/N/ha gezet richting ENVI. Onduidelijk blijft hierbij of Nederland vanaf 2026 opnieuw derogatie wil aanvragen.
- Risico om van optie b naar optie a te gaan is dat ENVI vanaf 2026 zal willen dat derogatie op zand-230,- en lössgronden zal worden beëindigd.
- De inschatting is dat in het ambtelijk overleg met ENVI geen ruimte voor Renure zal zijn en dat dit hierover op politiek niveau overeengekomen zal moeten worden.
- In het 7$^{e}$ actieprogramma is een actualisatie van het stikstofgebruiksnormenstelsel opgenomen. In een latere fase in de gesprekken met ENVI is mogelijk een toezegging nodig dat dit versneld wordt uitgevoerd.

***Mestproductieplafonds***
Voorkeur van uw beiden is geen verlaging van de mestproductieplafonds van 5% in 2025 door te voeren.

Voorgesteld wordt de nationale mestproductieplafonds te actualiseren naar het niveau van 2020. Dit vergt gelijktijdig een aanpassing van de sectorale productieplafonds.
Dit betekent een afname van het nationale stikstofplafond met 3% en een afname van het nationale fosfaatplafond met 13% ten opzichte van de plafonds van 2002.
Bij overschrijding van een productieplafond is voorzien in een handhavingssystematiek in de Meststoffenwet voor de drie grote sectoren (voor melkvee, varkens en pluimvee) waarbij in laatste instantie via de productierechtenstelsel de mogelijkheid van een generieke korting opgelegd kan worden.
Het Centraal Bureau voor de Statistiek publiceert elk kwartaal de productieprognose. Op basis van de rapportage over het tweede kwartaal van 2022 is de inschatting dat de producties niet boven de geactualiseerde plafonds komen. Wel laat die rapportage een lichte stijging in de fosfaatproductie zien.
De effecten van de subsidieregeling voor de beëindiging van varkenshouderijbedrijven zijn in de periode 2020-2021 zichtbaar geworden. De effecten hiervan maken geen deel uit van de bijstelling van de nationale mestproductieplafonds naar het niveau van 2020.
Op politiek niveau zal met ENVI hierop mogelijk verder in het proces wel een stap gezet moeten worden.

***Geen derogatie in Natura-2000 gebieden***
Met u besproken is het voorstel van de ENVI om percelen in aangewezen stikstofgevoelige en overbelaste Natura-2000 gebieden uit te sluiten van deelname aan derogatie. Hiervoor gelden al gebruiksbeperkingen en de praktische consequenties die uit dit voorstel volgen zijn naar verwachting dan ook beperkt.
In Natura-2000-gebieden geldt dat het merendeel van de percelen sowieso geen gebruik maakt van de derogatie, als gevolg van het feit dat het hier meestal gaat om (agrarisch) natuurbeheer. Zeker gezien de grote (stikstof)opgave in N2000-gebieden wordt u geadviseerd de betekenis van dit voorstel (toch) verder te verkennen.
In het gesprek heeft u aangegeven te willen voorkomen dat vanuit een nieuwe derogatiebeschikking aanvullende eisen komen die het gebiedsproces onder druk kunnen zetten. Onze inschatting is dat een dergelijke eis niet of zeer beperkt het geval zal zijn, ook omdat de gebiedsprocessen met name zien op gebieden buiten N2000-gebieden.
Aanvullend hierop kan met ENVI het voornemen worden gedeeld om in aangrenzende zones van deze gebieden zeer stevige richtinggevende doelen voor stikstofemissiereductie op te leggen. Deze doelen worden medio 2023 definitief vastgesteld. Desgewenst kan een kaart met eventuele toelichting op regionale doelstellingen worden gedeeld met de Commissie.

***Grondwaterbeschermingsgebieden***
Overeenkomstig de met u besproken lijn:
- Geen derogatie meer vanaf 2026.
- NL neemt passende maatregelen die doelbereik in deze gebieden mogelijk maakt, realisatie ijlt na en kan niet in 2025 zijn bereikt.
- Hiervoor wordt aangesloten bij de gebiedsprocessen van het NPLG en het onontkoombare juridische instrumentarium.

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22229016

***Bufferstroken***
Overeenkomstig de met u besproken lijn:
- In overeenstemming laten blijven met maatregel zoals opgenomen in het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn.
- Maatregel uit addendum ten aanzien van beekdalherstel heeft veel impact.

***Overig***
- De beantwoording van de overige vragen is opgenomen in bijlage 1.

***Handhaving***
Op enig moment zal in de gesprekken met ENVI moeten worden aangegeven dat het laat verlenen van derogatie gevolgen heeft voor de handhaving door de NVWA. De derogatiebeschikking kende de voorwaarde van 5% fysieke inspecties. NVWA heeft aangegeven dat dit jaar 2,2% fysiek kan worden uitgevoerd. Daarbij zal dit verdere doorwerking hebben op de handhaving op het mestbeleid in 2023.

**Voorstel verdere proces**
- Z.s.m. verzenden van de reactie aan ENVI met verzoek om vervolggesprek op ambtelijk niveau.
- Afhankelijk van de uitkomsten van dit gesprek kan een ambtelijk vervolggesprek nodig zijn of is escalatie naar hoger politiek niveau nodig.
- Dit bepaalt ook de timing van het te plannen Bestuurlijk Overleg met de sector en met de coalitiepartijen.
- Gesprek op politiek niveau kan niet plaatsvinden voor 14 juni 2022 in verband met het Nitraatcomité op 13 juni 2022 waarin Nederland de 3e presentatie mag geven (7e actieprogramma en addendum).
- ENVI dient eind juni 2022 de conceptbeschikking afgerond te hebben voor verdere doorgeleiding naar de Interservice Consultatie met de andere diensten binnen de Europese Commissie en met het College van Commissarissen om zo agendering van de conceptderogatiebeschikking en stemming op het Nitraatcomité dat gepland is op 15 september 2022 mogelijk te maken.
- Dat betekent dat een laatste gesprek op politiek niveau zo vroeg mogelijk in de week van 20 juni moet plaatsvinden.

Bijlage 1 – Voorgestelde beantwoording DG ENVI

**General**
In the meeting of 25th February 2022 of European Commissioner for Environment Mr. Sinkevicius with Dutch Minister for Agriculture, Nature and Food Quality Mr. Staghouwer the Commissioner stated to grant a transition derogation of the Nitrates Directive for the period 2022-2025 to the Netherlands. The aim of this derogation is to support the transition in Dutch agriculture towards sustainability and extensification as to fulfill environmental goals including water quality.
As we have informed you in previous meeting our current government has agreed on an ambitious transition path for nature restoration, nitrogen reduction, climate change and improvement of water quality that will be realized in the coming 10 years.
In recent years, the Netherlands has taken measures too little or too late. The government acknowledges this.
However, support in the agricultural sector is needed for the transition in the agriculture. Whereby the shape of the transition is given by means of incentives and legal measures.

As announced by our government in the Addendum of the 7th Action Program of the Nitrates Directive the dairy farming will be completely land-based within 10 years (2032). Herewith the cycle of feed an manure will be further closed at a regional level and this will lead to an improvement of water quality and a large reduction in nitrogen fertilizer use.

In the period up to and including 2025, derogation of the Nitrates Directive is of great importance to maintain the area of grassland. For the most sensitive water quality areas, the Netherlands is prepared to waive a derogation for unprocessed animal manure after 2025. This is not yet the case for sandy-250, clay and peat soils. For these soils the water quality objectives can also be achieved with a derogation (at a lower level).

In addition to animal manure, nitrogen fertilizers are also used in the Netherlands. The Netherlands wants to strongly reduce the use of chemical fertilizers, partly in order to save energy and become more independent from fossil energy. Making Renure possible is of great importance to make this turnaround. We therefore requested a country-specific solution in our letter of 26th April 2022 for these products.

**Enhanced enforcement strategy: are all conditions set in previous derogations in place, in all regions? Are all regions implementing the strategy? How do you plan to go forward**
On 18 May 2022 we send you the draft report on the Dutch Manure Policy 2021 which provides insight in several subjects in our policy including the progress on the execution and enforcement, and on the Enhanced enforcement strategy.
The implementation of the Enhanced Manure Enforcement strategy in 2022 is going well.

With regard to the area-oriented approach, risk-analysis, planning and execution of inspections by RVO and NVWA with the Water Boards and Environmental Services, and when possible with Public Prosecution Service and National Police, are jointly being carried out. Moreover, there is attention for communication and knowledge transfer in this cooperation in the framework of the area-oriented approach. The implementation of the introduction of real-time reporting of manure transport (rVDM) is in full swing. In 2021 the executive order (Uitvoeringsbesluit Meststoffenwet) has therefore been amended (Stb. 2021, 192). A further small second amendment has been submitted for advice at the Council of State (Raad van State) and may be completed before July 2022. Moreover, in 2021 the standstill period of the notification of the implementation regulation (Uitvoeringsregeling Meststoffenwet) has finished. While further amendments have proven necessary regarding technical instructions a new amendment will be notified at short notice. Test runs which had started mid 2021 with a limited number of transporters, suppliers and users of manure have been completed. The first of June 2022, in anticipation of the entry into force of the new regulations on 1 January 2023 a representative pilot will start, in which participating transporters, suppliers and users of manure will report their transports through the rVDM-system.

**Fertilizer Register – 7th NAP: when will it be in place, what will it be?**
**Fertilization plan and account: how will it relate with fertilizer register>**
**Why only for derogated farms?**
**Fertilizer administration**
All farmers in the Netherlands are obliged to keep an administration of the use of fertilizers on their fields. In our national regulation, Chapter 5 Uitvoeringsregeling Meststoffenwet sets clear rules what this administration must comply with. The administration takes into account, solid manure, slurry, sewage sludge (hardly used in the Netherlands), compost and other fertilizers (e.g. chemical fertilizers). In the Netherlands, the farmer makes this administration available for inspection-officials.

**Fertilizer plan**
Derogation farms have to make a fertilizer plan before the growing season. This plan is an obligation in the derogation decision for all farmers that make use of the derogation. This provision is part of all derogation decisions which were granted to the Netherlands since 2005. Farmers must be able to consult a fertilizer plan for enforcement purposes.
The intention of this rule is to make farmers more aware of the use of animal manure and the additional use of artificial fertilizers and other fertilizers, in order to adjust fertilization as best as possible and at the right time to the crop demands. In other words: ensuring good agricultural practice.
Complying with application standards: it is important that farmers realize in advance what the application standards mean for the fertilization on their farm and for the supply and removal of animal manure. In other words: ensure in advance that your plans fit within the application-standards.
It is our impression that almost all farmers make such a fertilizer plan for their farm anyhow, whether they make use of the derogation or not. Fertilizer plans are very common at all farms in the Netherlands.

**Intensive farms**
Livestock farms that produce more than 170 kg N per hectare livestock manure are obliged to deliver additional information to the public services in the Netherlands. In our national regulation, Article 35 Uitvoeringsbesluit Meststoffen oblige farmers to do so. These farms need to send in data on the supply of fertilizers (livestock manure, chemical fertilizers, compost en sewage sludge), on their fertilizer storage, the number of animals, and on the disposal of fertilizers. In relation to the application standards this data are used by control and enforcement authorities. These data are looking back on the last growing season and need to be delivered before 1st of February the year after. This are derogation farms, but also pig, poultry and veal farms (no derogation farms).

**Fertilizer register / insight in chemical fertilizers**
In the 7th Nitrates Action program (paragraph 6.3.4) the Netherlands proposes to get a better insight in the trade and use of chemical fertilizers, also in the crop-production. This sector is currently not seen as an intensive farm, these companies are not obliged to deliver additional information to public services. The plan proposed in the 7th NAP is to start with an action plan, that will be drawn up in 2022 in collaboration with the supplying industry and the primary sector to gain better insight into the use of fertilizers in the Netherlands. In addition to use at national and regional level, it is important to gain more insight into the use of fertilizer types (e.g. urea, CAN, Ammonium-sulphate) at individual farm level. The aim is to connect to existing systems. These fertilizer data can be used to improve fertilization recommendations that encourage farmers to increase nutrient use efficiency. This utilization efficiency is a measure of the proportion of nitrogen used that is converted to harvested product during a growing season and is thus an indicator of how a farmer applies precision farming principles in his fertilization strategy. In addition, these fertilizer data help improve the effects of fertilization on emissions to soil, water and air to provide insight into models (e.g. NEMA) and might be used to monitor how much synthetic fertilizers are replaced by fertilizers from recycled sources. Finally it could also be used to indicate possible over-fertilization with fertilizers by farmers, and an instrument for control and inspection services to carry out a physical company visit and to check the administration.

In 2022 an action plan will be delivered, this will lead to implementation in 2023. A fertilizer register could be there from 2024 onwards. We are strongly looking to the Flemish system. In relation to the above mentioned systems of control the fertilizer register will give additional information on none-derogation farms, especially crop farmers. We would like also to make better use of the information that could be delivered by the fertilizer sector. Since this measure is already taken up the action program and poses extra measures to farms that not make use of the derogation the Netherlands suggest that this measure is not taken up in the derogation decision.

**Ploughing conditions, catch crops, manure application calender: How much is covered by the 7th NAP and applicable to all farmers?**
The closed periods for application of manure are specified by type of manure and soil type and therefore cover all parts of the open-field agricultural sector (see Annex 3 of the 7th NAP). The 7th NAP tightens the closed period for slurry and liquid sewage sludge from the 15th of February to the 15th of March, with the exception of crops that receive manure earlier. The closed period was already moved to the 15th of March for maize on sandy and loessal soils in the 6th NAP. Following the 6th NAP, it is obligatory since 2019 to sow a catch crop before the 1st of October when growing maize on sandy and loessal soils.
The 7th NAP goes a step further and obliges as of 2023 either the sowing of catch crops before the 1st of October after *any* crop on sandy and loessal soils, or a decrease in the nitrogen application norm in the next year comparable to the potential N-uptake of a catch crop (see section 5.5.3 of the 7th NAP). This last option is provided as harvest periods vary per crop and year. The catch crop obligation is limited to sand and loess, as empirical data for their application on clay and peat soils is very limited and preliminary calculations show that their effect would be very small.

**Soil analysis and measures to improve soil structures: for all farmers?**
Derogated farms need to analyse their soil at least every four years by a periodic nitrogen and phosphorus analysis of the soil. This analyses is performed for every part of the farm that is homogeneous in terms of crop rotation and soil characteristics. At least one analysis is required per five hectares of land.

If a non-derogated farmer wants to apply more phosphate from both animal manure or fertilizer than the strictest norm, a soil analysis has to be performed. Therefore many farms, including arable farms, still take soil samples to determine the phosphate content of their soils. An rough estimate is that at least 40-50% of farmers make use of this option. If a soil is not analysed, automatically the lowest application standards do apply.
Many farmers combine this sampling with an analysis of other soil parameters such as organic matter, soil biodiversity and structure. The largest laboratory in the Netherlands offers these services for just a few euros extra per hectare, which generally can be cost-neutral because of increasing yields through better management.

Improving soil structure is a complex issue with many possible approaches. We believe there is no one-size-fits-all approach. Therefore, the Netherlands chooses a combination of several methods. The first method is obligatory rotation with resting crops as established in the seventh action program, combined with financial stimulation of increased rotation with resting crops through the CAP eco-schemes. Next to this, through the Task Force Agricultural Water Management (in Dutch: Deltaplan Agrarisch Waterbeheer) farmers are guided in improving soil management tailored to their situation. Lastly, there are several research projects, such as Slim Landgebruik (*Clever Land Use)* developing applicable knowledge for farmers to increase carbon storage in their soil.

**Conditions to reduce ammonia emissions? General conditions of reduction in line with Nitrogen law?**

*Ammonia emissions from application techniques on grassland*

In recent years, using the application techniques of slurry with the lowest possible ammonia emission for each soil and crop type has become mandatory. At this moment, no scalable techniques are available on grass- or arable land that have lower ammonia emissions, without serious side effects on soil quality and yields. Deep injection and acidification of manure are techniques with lower ammonia emissions on grassland, compared to the legally prescribed methods. However, these techniques result in either significant damage to the grass sod and soil structure, or excessive application of sulfuric compounds.

Dilution of manure (slurry) with water in a ratio of 2:1 has been proven to be effective on clay and peat soils when used in conjunction with application of slurry on the soil (the so-called "sleepvoetbemester"), and is therefore legally prescribed as an alternative to shallow injection on these soil types. Dilution of slurry is currently being researched for application on sand- and loess soils, where only shallow injection is allowed, but preliminary results show no significant reduction of ammonia emissions compared to control.

Therefore Wageningen Research, commissioned by the ministry of Agriculture, Nature and Food Quality, is currently rolling out an innovation program in cooperation with NGO's, sector organizations and other research institutes collecting and prototyping new techniques. The goal of the program is reducing ammonia emissions from manure application by 50%, making a significant contribution to the goals laid down in the Nitrogen Law. The program will run until 2024. Definitive results are not expected before that period.

Improper use of the legally prescribed techniques can also diminish the effectiveness of these techniques. Therefore, enforcing authorities already perform inspections in the field where the correct performance of the technique is checked. Next to this, the program described above is currently organizing demonstration days where contractors and farmers are being shown the importance of proper application with real-time measurements of ammonia emissions.

**Van:** 5.1.2.E [redacted] ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 31 mei 2022 11:53
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: Ter akkoord - reactie aan de EC over derogatie

Akkoord.
Ook al achten jullie kans klein, maar wat voor mij echt een ondergrens is, is het feit dat de commissie niet met de handen aan het stuur komt in onze gebiedsgerichte aanpak.

Benieuwd naar vervolg!

Hgr. 5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Datum:** 30 mei 2022 om 19:56:49 CEST
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E [redacted] ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.e [redacted] ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Ter akkoord - reactie aan de EC over derogatie

Dag Henk en 5.1.2.E

Bijgaand vinden jullie ter akkoord een concept reactie aan de Europese Commissie met een reactie op hun voorstel m.b.t. de derogatie. Graag horen we morgen of jullie akkoord zijn met het verzenden hiervan.

Indien er behoefte is aan nader overleg kan daar morgen ook een moment voor worden gezocht.

Groet
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 31 mei 2022 12:12
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: Ter akkoord - reactie aan de EC over derogatie

Dank je wel. Ik geef dit door aan de betrokken collega's en Henk.

Groet
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 31 mei 2022 om 11:52:52 CEST
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Antw: Ter akkoord - reactie aan de EC over derogatie

Akkoord.
Ook al achten jullie kans klein, maar wat voor mij echt een ondergrens is, is het feit dat de commissie niet met de handen aan het stuur komt in onze gebiedsgerichte aanpak.

Benieuwd naar vervolg!

Hgr. 5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E ;@minlnv.nl>
**Datum:** 30 mei 2022 om 19:56:49 CEST
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.e 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.e ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>,
5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Ter akkoord - reactie aan de EC over derogatie

Dag Henk en 5.1.2.E

Bijgaand vinden jullie ter akkoord een concept reactie aan de Europese Commissie met een reactie op hun voorstel m.b.t. de derogatie. Graag horen we morgen of jullie akkoord zijn met het verzenden hiervan.

Indien er behoefte is aan nader overleg kan daar morgen ook een moment voor worden gezocht.

Groet
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 13 juni 2022 18:35
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ); 5.1.2.E 5.1.2.e( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.e . 5.1.2.e ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Ter akkoord - reactie aan ENVI over derogatie
**Bijlagen:** Adviesnota derogatie.pdf; Bijlage - Water quality tasks per region.pdf

Dag Henk en 5.1.2.E

Bijgaand vinden jullie een adviesnota (+bijlage) met een voorgestelde reactie aan de Europese Commissie op hun voorstel van 9 juni jl. over de derogatie.

Indien jullie akkoord zijn wordt dit voorstel aan ENVI gezonden en zal er op korte termijn een ambtelijk vervolggesprek worden gepland.

Groet,
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
10 juni 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22249742

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Adviesnota vervolg onderhandeling DG ENVI over derogatie van de Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| | | |
|---|---|---|
| **DGA**<br>5.1.2.e | **PAV,** 5.1.2.e<br>5.1.2.e | **PAV, MT-lid**<br>5.1.2.E |
| **DGS**<br>5.1.2.E | **BPZ**<br>5.1.2.E | |

## Aanleiding

Op 9 juni 2022 heeft ambtelijk overleg met DG ENVI plaatsgevonden over de inhoud en voorwaarden van een derogatie van de Nitraatrichtlijn op basis van ons tegenvoorstel dat in de week van 30 mei 2022 aan ENVI is toegezonden. Met deze nota wordt u geïnformeerd over het tegenvoorstel van DG ENVI hierop en is een nieuw tegenvoorstel vanuit NL voor het onderhandelingsmandaat op ambtelijk niveau opgenomen. Deze nota is ambtelijk afgestemd met DGS.

## Advies

U wordt geadviseerd in te stemmen met het voorgestelde ambtelijke onderhandelingsmandaat. Na uw akkoord wordt het tegenvoorstel aan ENVI toegezonden.

## Kernpunten

- ENVI is Nederland beperkt tegemoet gekomen ten opzichte van hun laatste voorstel. Dit laatste voorstel zal nog steeds grote impact hebben. In de nota wordt ingegaan op de voorwaarden die ENVI stelt en onze voorgestelde reactie. Hierbij is aangegeven op welke punten naar verwachting politiek overleg noodzakelijk is.
- Bij uw akkoord zal het tegenvoorstel aan ENVI worden gezonden en zal op zeer korte termijn een vervolggesprek op ambtelijk niveau worden gepland.
- Gezien de noodzaak om eind van deze maand duidelijkheid te hebben is onze verwachting dat snel na het ambtelijke overleg een overleg op politiek niveau nodig is over de resterende punten om overeenstemming te bereiken.

Ontvangen BPZ

## Derogatienormen

*Voorstel ENVI*
Het betreft een transitiederogatie voor vier jaar die wordt verleend als een overgangsmaatregel om de hervormingen in de landbouw en veehouderij in Nederland te begeleiden waarmee wordt voldaan aan de milieu- en klimaateisen van de EU met betrekking tot stikstofemissies (ammoniak) en nutriënten in het water.

| | ENVI 23 mei | | Voorstel NL | | Voorstel ENVI 9 juni | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2022 | 250 | 230 | 250 | 230 | 250 | 230 |
| 2023 | 230 | 210 | 240 | 220 | 230 | 210 |
| 2024 | 210 | 190 | 230 | 210 | 200 | 200 |
| 2025 | 190 | 170 | 220 | 200 | 190 | 190 |
| 2026 | geen derogatie | | 220 | geen der. | geen derogatie | |

Hierbij geldt 250 nu voor het klei, veen en noordelijk zandgebied en 230 voor het midden- en zuidelijk zandgebied. Daarnaast legt ENVI een verband tussen derogatiehoogte en de noodzaak voor extra maatregelen voor de resterende waterkwaliteitsopgave. Hiervoor verwijst ENVI naar een in het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en het addendum opgenomen tabel over de resterende waterkwaliteitsopgave, die binnen de reeds bestaande indeling in grondsoorten een verdere toespitsing kent naar gebieden (zie bijlage 1). ENVI geeft aan dat de gebieden met een beperkte (oranje) of grote (rood) opgave op minimaal één van de drie items (fosfor oppervlakte water, stikstof oppervlakte water, nitraat grondwater) reden is voor een lagere derogatie en voor andere aanvullende eisen. Deze tabel uit het 7e AP is indicatief en gebaseerd op een snelle wetenschappelijke exercitie, en bevat ook deels de opgave voor waterkwaliteit uit andere bronnen.

Onze conclusie is dat dit een grote verbreding is van de eerdere derogatie '230-gebieden' is waarvoor dan ook een aangescherpte derogatienorm zou moeten gelden met aanvullende bepalingen. Vrijwel heel Nederland wordt dan vanaf dit jaar al '230-gebied'. Daarmee zullen veel gebieden dit jaar al ineens midden in het seizoen te maken krijgen met een lagere gebruiksnorm. ENVI heropent hiermee de onderhandelingen over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn. Daarbij is een lagere derogatie in veel gevallen niet de oplossing voor de waterkwaliteitproblematiek, omdat deze problematiek niet altijd afkomstig is uit (huidige) bemesting maar bijvoorbeeld ook uit het buitenland.

*Voorstel reactie*
Voor de huidige '230 gebieden' (midden en zuidelijk zand en löss) heeft Nederland al ingestemd dat dit de laatste derogatieperiode wordt. ENVI houdt voor het hele grondgebied vast dat dit de laatste derogatieperiode is. Het vraagt een politiek besluit dat dit de laatste derogatie is en dat Nederland vanaf 2026 zal afzien van derogatie.
Onze verwachting is dat (hoewel vanuit de Nitraatrichtlijn het niet is op te maken dat derogatie eindig zou moeten zijn) de toezegging af te zien van derogatie vanaf 2026 meer ruimte biedt voor de invulling van deze gevraagde derogatie. Daarom adviseren wij hier toe.

Nederland heeft tot op heden het standpunt dat met de gebiedsgerichte aanpak de doelen voor de landbouwopgave van de KRW behaald zullen worden. Het is daarom niet wenselijk nu via de derogatie deze aanvullende gebieden op te nemen en vrijwel het hele land als '230 gebied' aan te wijzen. Daarbij houdt dit ook inhoudelijk niet stand vanuit de waterkwaliteitsproblemen in relatie tot derogatie. Ook kan opnemen van aanvullende eisen ook spanning opleveren met de vormgeving en invulling van de integrale gebiedsgerichte aanpak in het kader van het NPLG. In het gesprek tussen de Commissaris en minister van LNV van 25/5/2022 is afgesproken dat het 7e AP en het addendum voldoende zijn om het derogatietraject voort te kunnen zetten. Inhoudelijk zag dat gesprek op de inhoud van het addendum en niet op bijvoorbeeld de bufferstroken.

Inhoudelijk is de tabel een onvoldoende onderbouwing om in deze aanvullende gebieden de derogatie te verlagen en andere aanvullende maatregelen (zie verderop) te nemen. Voor het verlagen van eutrofiering van het oppervlaktewater door stikstof en fosfor, zal het verlagen van de dierlijke mestgift daar maar een beperkt effect hebben. Andere instrumenten lijken passender.

Daarnaast is er een juridisch argument. Nederland heeft het hele grondgebied aangewezen als Nitraatgevoelig gebied. Binnen Nederland is er onderscheid naar grondsoorten en voor de zandgronden is dit verder opgesplitst naar landsdeel. Dit nadere onderscheid bij zandgronden is gemaakt in verband met de mate van uitspoelingsgevoeligheid van nitraat naar het grondwater. ENVI wil nu ook ten behoeve van terugdringen van eutrofiering via aanwijzing van 'polluted area's' voor oppervlaktewater gebieden aanwijzen. Nederland kent deze aanwijzing niet. Dit kost nauwkeurige analyse en goede onderbouwing van alle gebieden, die voor de aanwijzing in aanmerking komen en dit kan meerdere jaren kan duren.

Daarom het voorstel:

- Vasthouden aan de huidige indeling van '230 en 250 gebieden omdat:
    - In veel van de "rode" en "oranje" gebieden huidige bemesting niet de grootste bron van stikstof en/of fosfaat in het oppervlaktewater is. Afbouw van derogatie in deze gebieden zal dus niet of nauwelijks bijdragen aan het verbeteren van de waterkwaliteit.
    - Deze nieuwe 230-gebieden gedurende het bemestingsseizoen te maken zullen krijgen met een plotselinge terugval in de gebruiksruimte.
    - Aanpassen een zorgvuldige onderbouwing vraagt ten behoeve van het vastleggen in regelgeving en daardoor meerdere jaren tijd kost.
    - In het 7e AP overeenstemming is bereikt over de maatregelen ten behoeve van de KRW (oppervlaktewater).
- Instemmen met het uitwerken van een hot spot/polluted area aanpak die in lijn is met de NPLG aanpak en die in 2024 gereed is.
- Derogatiehoogte en duur
    - Instemmen dat derogatie voor onbewerkte dierlijke mest eindigt in 2025. De door de Commissaris en minister van LNV eerder besproken transitiederogatie suggereert deze eindigheid.

- Een alternatief afbouwpad om ambtelijk in te brengen. Voor de '230 gebieden' is dit gelijk aan het vorige voorstel van NL. Voor de '250 gebieden' een verdere verlaging tot 210 in plaats van 220 en de toezegging dat dit de laatste derogatie-aanvraag is. Een eventuele verdere concessie kan in een politiek eindgesprek worden ingezet als dat nodig is.
- Nieuw NL voorstel:

| | | |
|---|---|---|
| 2022 | 250 | 230 |
| 2023 | 240 | 220 |
| 2024 | 230 | 210 |
| 2025 | 210 | 200 |
| 2026 | geen derogatie | |

**<u>Polluted areas:</u>**
**<u>Aanvullende voorwaarden voor gebieden met grondwaterverontreiniging, met oppervlaktewater verontreiniging en oppervlaktewater eutrofiëring</u>**

ENVI zoekt daarnaast naar maatregelen die zouden moeten gelden in de hierboven beschreven "polluted areas" op basis van de in het 7e AP opgenomen tabel (de oranje en rode gebieden).

*Voorstel ENVI*
- Een verlaagd startpunt van de derogatienorm

We gaan ervan uit dat ENVI hiermee bedoelt dat de oranje en rode gebieden op de tabel van bijlage 1 allemaal worden ingedeeld als '230 gebied'. Dit is vrijwel het hele land.

*Voorstel reactie:*
Dit voorstel niet accepteren. Het maatregelenpakket van het 7e AP en het addendum moet toereikend zijn om de KRW doelstellingen voor oppervlaktewater door agrarische bronnen te bereiken. Hierbij aansluiten op de algemene reactie op de hoogte van de derogatienorm.

*Voorstel ENVI*
- Gehele en graduele reductie van de totale stikstofgebruiksnorm van 20% aan het eind van 2025.

Mondeling gaf ENVI in het overleg aan dat Nederland in verhouding met andere Lidstaten hogere gebruiksnormen heeft. 20% sluit aan bij de aankondiging in de Farm to Fork dat nutriëntenverliezen in 2030 met 50% gereduceerd moeten zijn waarvan een reductie van 20% in het gebruik van meststoffen.

*Voorstel reactie:*
Het voorstel luidt verder geen resultaatverplichting op te nemen.
Nationaal heeft de Tweede Kamer in december 2020 een SGP-motie aangenomen zich uit te spreken tegen deze reductie van 20%.

De gebruiksnormen zijn gedifferentieerd per grondsoort en voor zandgronden verder onderscheiden naar deel van het land (afhankelijk van de

uitspoelingsgevoeligheid). In het 5e AP zijn de stikstofgebruiksnormen voor de uitspoelingsgevoelige gewassen reeds 20% verlaagd op de zandgronden in zuid Nederland en voor de lössgronden.

De stikstofgebruiksnormen zijn daarnaast op basis van een wetenschappelijke onderbouwing vastgesteld. Vaststellen van Goede landbouwpraktijk is een verantwoordelijkheid van de lidstaat. De Commissie legt nu voorwaarden op die vér boven hun mandaat gaan. Nederland zal overeenkomstig het 7e AP een actualisatie van het model en de normen uitvoeren, waarbij de destijds vastgestelde modelparameters worden geüpdatet. Vervolgens kan dit model gebruikt worden voor het vaststellen van normen die dichter bij het ecologisch optimum liggen, gezien de regionale bouwplannen. Dit moet leidend zijn voor de vaststelling van deze normen.

Voorstel opnemen in derogatiebeschikking: Nederland doet een wetenschappelijke evaluatie van de gebruiksnorm voor totaal stikstofgebruik, zoals opgenomen in 7e NAP. Hierbij zal toegewerkt worden naar het ecologisch optimum op basis van de regionale bouwplannen van 2027. Dit zal voor de meeste gewassen leiden tot een graduele afname van de stikstofgebruiksnorm, welke van kracht gaan worden vanaf 1 januari 2024. Mocht ENVI hier niet mee instemmen, zal dit politiek moeten worden besproken.

*Alternatieve inzet voor punt stikstofgebruiksnormen.*
Inzetten op reductie van totaal gebruik van stikstof, niet beperkt tot de gebruiksnormen maar ook rekening houdend met de werking-coëfficiënten van dierlijke mest.

Nederland krijgt met een verlaging van de gebruiksnorm dierlijke mest al forse vermindering van de stikstofbemesting. Immers totaalgebruiksnorm stikstof = dierlijke mest x werking coëfficiënt (60-80%) + kunstmestruimte. Doordat de dierlijke mest ruimte krimpt tot 210 / 200 kg is dat al een forse vermindering van de N-gift. Als je dan daarbovenop nog eens 20% kort, krijg je als boer dus een nog grotere korting voor de kiezen. Daarnaast gaat met de ingang van het NLPG waarschijnlijk veel landbouwgebieden om en rond Natura 2000 gebieden heel veel extensiever worden (veel meer dan 20%). Waardoor daar de input van nutriënten ook al fors achteruit gaat. Wat je zou kunnen doen is de resultaatsverplichting afspreken op het totaal gebruik van 5.1.2.E dan een combinatie indicator is van minder dierlijke mest, scherpere gebruiksnormen en extensivering in en rond Natura 2000 gebieden. Nadeel hiervan is dat de wetenschappelijke onderbouwing van de gebruiksnormen minder centraal staat.

Voorstel om in de beschikking op te nemen: Nederland voert een evaluatie uit van de gebruiksnorm voor totaal stikstof, zoals beschreven in 7e NAP. En Nederland streeft naar (inspanningsverplichting in plaats van resultaatsverplichting) voor een graduele reductie van het totaal gebruik van stikstof in de landbouw met 10% aan het eind van 2025 op basis van de bruto stikstof balans.

Advies: starten met voorgestelde reactie en ambtelijk de ruimte krijgen om het alternatief te bespreken met ENVI als er meer nodig is om tot overeenstemming te komen.

**Renure**

DG ENVI heeft niet aangegeven hoe het vervolg voor Renure zal zijn. Wel is door ENVI toegelicht dat zij zien dat Renure bijdraagt aan circulariteit, maar tevens dat ENVI terughoudend is omdat Nederland hierdoor de veestapel in stand kan houden.

*Voorstel* reactie
Ambtelijk blijven we aangeven dat over het vervolgtraject duidelijkheid nodig is. Overwogen kan worden om een meer afgebakend groeipad voor Renure voor te stellen dat in ieder geval ervoor zorgt dat de afnemende mestplaatsingsruimte voor onbewerkte dierlijke mest door afname en beëindiging van de derogatie wordt opgevangen.

Goed toelichten dat de stikstofreductie-opgave die nu reeds is gepresenteerd onoverkomelijk is en gerealiseerd gaat worden, en volledig los staat van Renure. Verkleining van de veestapel is een onvermijdelijk gevolg van de reductiedoelstelling die het kabinet heeft gepresenteerd op 10 juni j.l.
De verwachting is dat ENVI ambtelijk hier geen stap gaat zetten en dat dit politiek besproken zal moeten worden.

**Mestproductieplafonds**

*Voorstel ENVI*
Op nationaal niveau vindt actualisatie van het plafond plaats van 2002 naar het jaar 2020 (voor stikstof 489,4 en voor fosfaat 150,7 mln kg). De plafonds moeten in 2025 afnemen met 10% tot maximaal 440,4 mln kg voor stikstof en 135,6 mln kg voor fosfaat. In de tussenliggende jaren zijn er geen tussendoelen, maar ze mogen niet stijgen.

*Voorstel reactie*
Hoewel het niet wenselijk is om de gebiedsprocessen te belasten met een resultaatsverplichting vanuit de derogatie, stellen we toch voor om dit voorstel te accepteren. Hiervoor hebben we de volgende overwegingen:

- Er wordt niet verplicht dat het via inkrimpen van rechten gaat. Het kan ook deels (zij het beperkt) via managementmaatregelen zoals aanpassingen in het rantsoen.
- Het stikstofbeleid gaat ongetwijfeld tot reductie van de veestapel leiden.
- In 2025 is het meetjaar. Pas in 2026 kan worden vastgesteld of in 2025 aan de doelstelling is voldaan. Dan is de derogatie voorbij, maar blijft het risico op infractie wel bestaan. En in 2026 moet toch wel echt de verlaging gerealiseerd zijn.

De vraag is wel wanneer dit punt in de onderhandelingen wordt weggegeven. In het ambtelijk overleg, of in het politieke overleg. Als u kiest voor politiek overleg,

is het van belang dat we kunnen aangeven dat dit punt politiek besproken kan worden.

Implementatie: de plafonds kunnen worden aangepast in de Meststoffenwet per 1 januari 2024. Dit kan samengaan met het wetsvoorstel volledige grondgebonden melk- en rundveehouderij welke op dezelfde datum in werking dient te treden.

**Bufferstroken**

*Voorstel ENVI*

- Bufferstroken
  Overeenkomstig het GLB overal een minimum van 3 meter, alleen gerechtvaardigde uitzonderingen. ENVI beschouwt een andere invulling als een nieuwe derogatie. ENVI geeft aan dat een afwijking van de 3 meter gerechtvaardigd moet zijn en geeft ook aan dat dit voor ondernemers proportioneel moet zijn.

*Voorstel reactie*

Opties:

a) Vasthouden aan het 7e AP (bufferstroken van 2 meter met mogelijke uitzondering). Deze zijn vastgesteld op basis van wetenschappelijke onderbouwing. Ook vanuit het ambtelijk team van het nieuwe GLB wordt verdedigd dat de bufferstroken in de conditionaliteit 2 meter zouden moeten zijn, zodat het 7e AP volgt. Dit leidt tot weerstand bij EC.

b) Meebewegen:
   Een mogelijkheid is om in te stemmen met de 3 meter, en op basis van proportionaliteit dit af te blokken op maximaal 5% van het areaal, met daarbij mogelijke uitzonderingen obv de wetenschappelijk onderbouwde leidraad. Dit om de slootrijke gebieden te ontzien.
   - Ondervangt problematiek in lopende implementatie in regelgeving.
   - Implementeren kan niet eerder dan per 1-1-24 aangezien hiervoor een wijziging van een algemene maatregel van bestuur nodig is en het daarvoor benodigde tijdpad is zo'n negen maanden.
   - Aanpassing gedurende de looptijd van het jaar is onwenselijk omdat deze maatregel effect heeft op de mestplaatsingsruimte.

Advies: Het advies is om ambtelijk nogmaals vast te houden aan de 2 meter brede bufferstroken met uitzonderingsmogelijkheden, zoals vastgelegd in het 7e AP. Vervolgens kan indien nodig de 3 meter alsnog politiek geaccepteerd worden, mocht dit ruimte geven in de onderhandelingen. Het is daarbij wel van belang dat de max van 5% van het areaal van een perceel behouden blijft.

**<u>Grondwaterbeschermingsgebieden</u>**

*Voorstel ENVI:*

Geen derogatie in grondwaterbeschermingsgebieden én graduele afname van stikstofbemesting naar het niveau van biologische landbouw.

*Voorstel reactie*
Twee opties:

a) Instemmen met ingang van 2023
- Risico op verslechtering van de waterkwaliteit neemt toe als gevolg van verschuiving van gras- naar bouwland.
- Het nog verlagen of niet verlenen van de derogatie in 2022 brengt bedrijven meteen in de problemen. Het risico is groot dat voor er duidelijkheid is over een derogatie al normoverschrijding heeft plaats gevonden.

b) Alternatief voorstellen.
- In plaats van geen derogatie teeltverbod voor uitspoelingsgevoelige teelten opnemen met ingang van 2024.
- In het gesprek met ENVI aangeven dat we juridische bezwaren zien in deze voorwaarde opleggen aan niet-derogatiebedrijven op grond van de derogatiebeschikking, maar dat we bereid zijn te verkennen hoe dit wel juridisch zuiver geregeld kan worden.
  Risico's
  - Aan niet-derogatiebedrijven worden aanvullende voorwaarden gesteld die ingrijpend zijn. De EC neemt hiermee ingrijpende maatregelen op basis van de derogatiebeschikking voor bedrijven die niet deelnemen aan derogatie. Juridisch is dit lastig tot niet te onderbouwen. Dit kan leiden tot schadeclaims.
  - Risico dat het en, en wordt: geen derogatie en wel een teeltverbod

Advies: Richting ENVI aangeven dat we bereid zijn alle noodzakelijke maatregelen te nemen in deze gebieden, zoals teeltverboden, als onderdeel van de afspraak. Dat we echter van mening zijn dat deze maatregelen genomen zouden moeten worden in de akker- en tuinbouw, en dat de derogatiebeschikking hiervoor geen geschikt instrument is omdat deze ziet op graasdierbedrijven. En dat ENVI het belang van aanvullende vergaande maatregelen in grondwaterbeschermingsgebieden mogelijk vast kan leggen in de overwegingen van de beschikking.

**<u>Natura 2000 gebieden</u>**
*Voorstel ENVI*
Geen derogatie meer in alle Natura 2000-gebieden.
ENVI geeft aan dat zij intern nog bespreken of en hoe kan worden omgegaan met derogatie 'nabij' Natura 2000-gebieden. Ze zien de moeilijkheid van het definiëren van 'nabij' en de juridische aanwijzing hiervan. ENVI beraadt zich hier intern nog op en kijkt ook naar andere wijzen hoe hiermee om te gaan en nodigt ons hiertoe ook uit.

*Voorstel reactie*
- In alle N2000-gebieden het voorstel van ENVI overnemen met ingang van 2023. Implementatie in Uitvoeringsregeling Meststoffenwet (Urm) met verwijzing naar Wet natuurbescherming.

- Nabij N2000: niet overnemen onder verwijzing naar TK-brief over stikstofdoelen NPLG van 10 juni 2022. Voor het verbeteren van de waterkwaliteit nabij Natura2000-gebieden zet Nederland in op een gebiedsgerichte invulling die aansluit bij de op te stellen provinciale gebiedsprogramma's voor het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG), zoals aangegeven in de brief van 10 juni jl. Doelen voor stikstofreductie worden daarmee verbonden aan de opgaven en omgevingscondities voor water, klimaat en de transitie van de landbouw.

**Algemeen - anti-fraude**
*Voorstel ENVI*
De implementatie van de versterkte handhavingsstrategie mest (VHS) vindt plaats naar alle regio's.
In het gesprek is overeengekomen dat de formulering hiervan wordt aangepast naar een formulering in de trant van: daar waar uit de beoordeling volgt dat de risico's significant zijn toegenomen de VHS wordt uitgebreid.

*Voorstel reactie:*
Overnemen.

Hiervoor is geen implementatie in regelgeving nodig.

**Algemeen – fertiliser register en fertiliser plan**
*Voorstel ENVI*
Alle bedrijven stellen jaarlijks voorafgaand aan het bemestingsseizoen een bemestingsplan op.

*Voorstel reactie: Overnemen*
- Dit geldt reeds voor derogatiebedrijven en intensieve veehouderij bedrijven. In de praktijk stellen de meeste bedrijven dit al op. Met name in de akkerbouw is de verwachting dat dit als een aanvullende verplichting zal worden gezien.
- Nadeel is het principiële punt dat de EC hierdoor maatregelen kan nemen in de akkerbouw via een derogatie voor graasdierbedrijven.
- Implementatie in Urm vanaf 1 januari 2024.

*Voorstel ENVI*
Per januari 2024 is een elektronisch bemestingsregister in werking waarin de registratie van het gebruik van meststoffen, mestproductie en toepassing op het land wordt geregistreerd. Per 1 januari 2025 wordt dit register door alle bedrijven gebruikt. De overheid zal het gebruik monitoren en analyseren en advies geven over de methode om overall het bemestingsgebruik te verminderen. Het voorstel is om open te houden wie het register maakt en beheert (overheid of private partij).

*Voorstel reactie: Overnemen.*
In lijn met het 7$^{e}$ actieprogramma.

**Artikelen 7 en 8 (aanvullende voorwaarden uit huidige derogatiebeschikking)**

*Voorstel ENVI*
Zijn er mogelijkheden deze artikelen in overeenstemming te brengen met het 7e AP zodat de administratieve lasten kunnen afnemen?

*Voorstel reactie*
We zien mogelijkheden om dubbele bepalingen te laten vervallen. Dit kan tot meer proportionaliteit in de handhaving leiden, omdat hiermee niet direct de derogatievergunning dient te worden ingetrokken bij overtredingen. We zullen een tekstvoorstel voorbereiden.

**Artikel 9 Voorwaarden ammoniak emissies uit huidige derogatiebeschikking**
*Voorstel ENVI:* Onveranderd laten

*Voorstel reactie:* instemmen

**Artikel 11 Controles en inspecties uit huidige derogatiebeschikking**

*Vraag ENVI*
Kunnen de fysieke inspecties toenemen naar 10%?

*Voorstel reactie*
Niet overnemen.
Op 5% houden. Dit vergt veel capaciteit en inzet van de NVWA die dan niet ingezet kan worden ten behoeve van de versterkte handhavingsstrategie mest. De derogatiebedrijven zijn juist de laagrisicobedrijven. De grootste risico's zitten bij intermediaire bedrijven (mesttransporteurs en handelaren). Het is van belang risicogericht de bedrijven aan te pakken in de mestketen die op grotere schaal fraude mogelijk maken. Uitbreiding van fysieke controles naar 10% zet veel NVWA capaciteit in met weinig resultaat die niet ingezet kan worden aan het aanpakken van de echte risicobedrijven. Uitbreiding van capaciteit is mede gezien de arbeidsmarkt geen reële optie.

**Water quality tasks per region**
3-6-2022

For both the Nitrates Directive and the WFD there is still a task in the Netherlands. It appears from the environmental impact assessment[1], the addendum to the environmental impact assessment[2] and the CDM advice[3] on the amendments to the draft 7th AP, that the target for groundwater quality is approaching with the 7th AP, but that the surface water quality targets for the agricultural task will not yet be achieved. Table 1 provides an estimate of the current task for water quality in the upper groundwater for agricultural areas and surface water[4] (see also figure 1 and 2). The current statement concerns the situation in 2021, without taking into account the intended measures from the 7th AP and the 3th RBMP. For surface water, the measurement points from the WFD monitoring network as well as the points from the Monitoring Network Nutrients for Agriculture Specific Surface Water were examined – so the focus is on the agricultural task, but the task for other sources of nutrients is also included. The table shows that for surface water the tasking is spread over the different soil types; there is not one type of soil that stands out in terms of task. For nitrate in groundwater, the task is largest on sandy and loess soils. When looking at nutrients in groundwater and surface water, the water quality is only completely in order in the river area. The water quality is also quite good in the northern peat area and the northern sea clay area. There are tough tasks on all fronts in the loess area. Foreign pollution plays a major role in this regard for surface water quality due to the cross-border streams. There are still tasks for ground and surface water in the Gelderse Valley, just like in eastern North Brabant and North Limburg and in the western sandy area (bulb region).

Table 1. Estimated situation in 2021 per region for phosphorus and nitrogen for surface water (total task for all sources), and for nitrate for groundwater (agricultural task). Green – no task, orange – limited task, red – large task. The expected effect of the measures of the 7th AP and 3th RBMP are not included in this table.

| Region | Sand North | Sand East | Gelderse valley | Western North Brabant sand | Eastern North Brabant and Limburg Sand | Loess region | Northern Peat area | Northern Marine clay area | Western Marine clay | Central marine clay (Flevopolders) | River clay area | Western peat area | South Western marine clay area | Western sand area (bulbregion) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Provinces included in region | Friesland, Groningen, Drenthe | Overijssel, Gelderland | Utrecht, Gelderland, (Noord Holland) | Noord Brabant | Noord Brabant, Limburg | Limburg | Friesland, Overijssel | Friesland, Groningen | Noord Holland, Zuid Holland | Flevoland | Utrecht, Gelderland | Noord Holland, Zuid Holland, Utrecht | Zuid Holland, Zeeland, Noord Brabant | Noord Holland, Zuid Holland |
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| Total phosphate surface water | | | | | | | | | | | | | | |
| Total nitrogen surface water | | | | | | | | | | | | | | |
| Nitrate ground water | | | | | | | | | | | | | | |

[1]Van Boekel, E., P. Groenendijk, J. Kros , L. Renaud , JC Voogd, G. Ros, Y. Fujita , GJ Noij and W. van Dijk, 2021. Effects of measures in the seventh Nitrates Directive Action Program. Environmental impact assessment at plan level. Wageningen, Wageningen Environmental Research, Report 3108, 217 p. 101 Ref. In Dutch.
[2]Effects of sustainable building plans on nitrate in leaching water and the N and P load of surface water. Addendum to: "Effects of measures in the Seventh Nitrates Directive Action Program. Environmental impact assessment at plan level". In Dutch.
[3]Qualitative assessment of amendments to the proposed policy package 7 the Nitrates Directive Action Program. Committee on Experts in the Fertilizers Act (CDM), 25 November 2021. In Dutch.
[4] Groenendijk, P. et al (2021) Additional measures to the package of the seventh Nitrates Directive Action Program with an area-oriented orientation 11207723-000-BGS-0001. In Dutch.

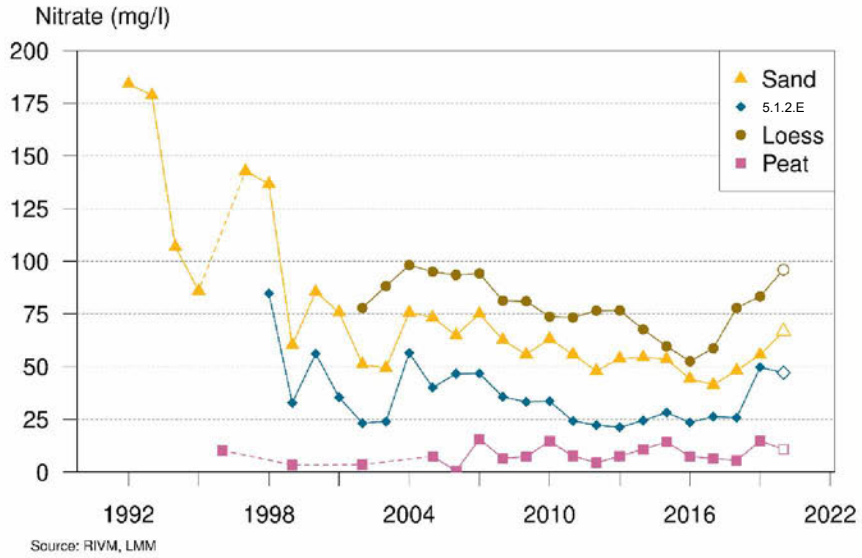


Figure 1. Ground water, National Minerals Policy Monitoring Program, National Institute for Public Health and the Environment, latest numbers in concept.

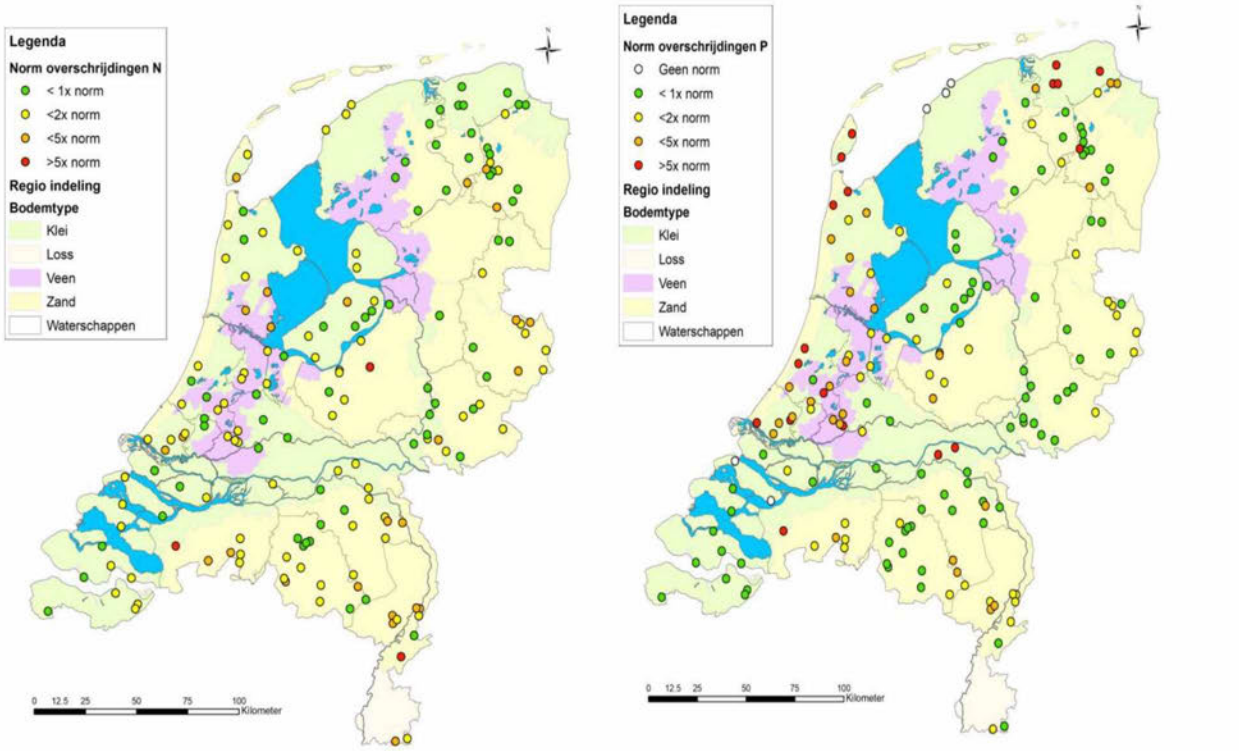


*Figuur 3.8 Mate van de waterschapsnormoverschrijding van de gemiddelde concentratie N-totaal in de zomer over de jaren 2015 t/m 2018 op de MNLSO-locaties.*

*Figuur 3.9 Mate van waterschapsnormoverschrijding van de gemiddelde concentratie P-totaal in de zomer over de jaren 2015 t/m 2018 op de MNLSO-locaties.*

*Figure 2. Surface water, Monitoring Program Nutrient Agricultural specific surface water*
*Left: nitrogen, Right: phosphate, green dots <1x task, yellow dots <2x task, orange dots <5x task, red dots >5x task. Back ground colors: green – clay, beige in south – loess, purple – peat, yellow – sand. The grey lines indicate the boarders of the different Water boards.*

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 14 juni 2022 21:02
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e ); 5.1.2.E (5.1.2.E );
5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Ter akkoord - reactie aan EC over derogatiebeschikking
**Bijlagen:** Adviesnota derogatie _ voorgestelde reactie.pdf

Dag 5.1.2.E

Vandaag is met Henk gesproken over de reactie aan de Europese Commissie op hun voorstel voor een derogatiebeschikking.

Bijgaand vind je de besluiten die Henk heeft genomen op de nota die jullie gisteren ontvingen met de geschetste inzet. Deze besluiten zijn in rode textboxen toegevoegd aan deze oorspronkelijke nota. Voor een tweetal punten (geen derogatie in N2000-gebieden, verlaging productieplafonds in 2025) wordt expliciet om jouw instemming gevraagd. Indien je akkoord bent zal deze inzet met Brussel worden gedeeld en zullen er vervolggesprekken op ambtelijk en politiek niveau worden gepland.

In overleg met 5.1.2.E is morgenochtend om 09.30u een tijdslot gereserveerd voor een overleg mocht je hier behoefte aan hebben.

Groet
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister voor Natuur en Stikstof
Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
10 juni 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22249742

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Adviesnota vervolg onderhandeling DG ENVI over derogatie van de Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| DGA | PAV, 5.1.2.e | PAV, MT-lid |
|---|---|---|
| 5.1.2.e | 5.1.2.e | 5.1.2.E |
| **BPZ** | | |
| 5.1.2.E | | |

## Aanleiding

Op 9 juni 2022 heeft ambtelijk overleg met DG ENVI plaatsgevonden over de inhoud en voorwaarden van een derogatie van de Nitraatrichtlijn op basis van ons tegenvoorstel dat in de week van 30 mei 2022 aan ENVI is toegezonden. Op 13 juni heeft u hierover een nota ontvangen.

Deze nota is op 14 juni met de minister van LNV besproken, om ambtelijk opnieuw een onderhandelingsmandaat te krijgen. Minister van LNV heeft op alle punten een besluit geformuleerd, dat besluit is in de nota van 13 juni in rode tekstblokken toegevoegd.
Twee besluiten vragen nadrukkelijk instemming door de Minister van Natuur en Stikstof. Dat betreft:

- het besluit over de mestproductieplafonds op pagina 7-8 van deze nota.
- Het besluit over uitsluiten derogatie in en rond Natura2000-gebieden op pagina 10-11 van deze nota.

Advies
U wordt geadviseerd in te stemmen met de twee voorgestelde besluiten voor het ambtelijke onderhandelingsmandaat. Na uw akkoord wordt het tegenvoorstel aan ENVI toegezonden.

## Kernpunten

- ENVI is Nederland beperkt tegemoet gekomen ten opzichte van hun laatste voorstel. Dit voorstel zal nog steeds grote impact hebben. In de nota wordt ingegaan op de voorwaarden die ENVI stelt en onze voorgestelde reactie.
- Bij uw akkoord zal het tegenvoorstel aan ENVI worden gezonden en zal op zeer korte termijn een vervolggesprek op ambtelijk niveau worden gepland.

Ontvangen BPZ

## Derogatienormen

*Voorstel ENVI*

Het betreft een transitiederogatie voor vier jaar die wordt verleend als een overgangsmaatregel om de hervormingen in de landbouw en veehouderij in Nederland te begeleiden waarmee wordt voldaan aan de milieu- en klimaateisen van de EU met betrekking tot stikstofemissies (ammoniak) en nutriënten in het water.

| | ENVI 23 mei | | Voorstel NL | | Voorstel ENVI 9 juni | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2022 | 250 | 230 | 250 | 230 | 250 | 230 |
| 2023 | 230 | 210 | 240 | 220 | 230 | 210 |
| 2024 | 210 | 190 | 230 | 210 | 200 | 200 |
| 2025 | 190 | 170 | 220 | 200 | 190 | 190 |
| 2026 | geen derogatie | | 220 | geen der. | geen derogatie | |

Hierbij geldt 250 nu voor het klei, veen en noordelijk zandgebied en 230 voor het midden- en zuidelijk zandgebied. Daarnaast legt ENVI een verband tussen derogatiehoogte en de noodzaak voor extra maatregelen voor de resterende waterkwaliteitsopgave. Hiervoor verwijst ENVI naar een in het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en het addendum opgenomen tabel over de resterende waterkwaliteitsopgave, die binnen de reeds bestaande indeling in grondsoorten een verdere toespitsing kent naar gebieden (zie bijlage 1). ENVI geeft aan dat de gebieden met een beperkte (oranje) of grote (rood) opgave op minimaal één van de drie items (fosfor oppervlakte water, stikstof oppervlakte water, nitraat grondwater) reden is voor een lagere derogatie en voor andere aanvullende eisen. Deze tabel uit het 7e AP is indicatief en gebaseerd op een snelle wetenschappelijke exercitie, en bevat ook deels de opgave voor waterkwaliteit uit andere bronnen.

Onze conclusie is dat dit een grote verbreding is van de eerdere derogatie '230-gebieden' is waarvoor dan ook een aangescherpte derogatienorm zou moeten gelden met aanvullende bepalingen. Vrijwel heel Nederland wordt dan vanaf dit jaar al '230-gebied'. Daarmee zullen veel gebieden dit jaar al ineens midden in het seizoen te maken krijgen met een lagere gebruiksnorm. ENVI heropent hiermee de onderhandelingen over het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn. Daarbij is een lagere derogatie in veel gevallen niet de oplossing voor de waterkwaliteitproblematiek, omdat deze problematiek niet altijd afkomstig is uit (huidige) bemesting maar bijvoorbeeld ook uit het buitenland.

*Voorstel reactie*

Voor de huidige '230 gebieden' (midden en zuidelijk zand en löss) heeft Nederland al ingestemd dat dit de laatste derogatieperiode wordt. ENVI houdt voor het hele grondgebied vast dat dit de laatste derogatieperiode is. Het vraagt een politiek besluit dat dit de laatste derogatie is en dat Nederland vanaf 2026 zal afzien van derogatie.
Onze verwachting is dat (hoewel vanuit de Nitraatrichtlijn het niet is op te maken dat derogatie eindig zou moeten zijn) de toezegging af te zien van derogatie vanaf 2026 meer ruimte biedt voor de invulling van deze gevraagde derogatie. Daarom adviseren wij hier toe.

Nederland heeft tot op heden het standpunt dat met de gebiedsgerichte aanpak de doelen voor de landbouwopgave van de KRW behaald zullen worden. Het is daarom niet wenselijk nu via de derogatie deze aanvullende gebieden op te nemen en vrijwel het hele land als '230 gebied' aan te wijzen. Daarbij houdt dit ook inhoudelijk niet stand vanuit de waterkwaliteitsproblemen in relatie tot derogatie. Ook kan opnemen van aanvullende eisen ook spanning opleveren met de vormgeving en invulling van de integrale gebiedsgerichte aanpak in het kader van het NPLG. In het gesprek tussen de Commissaris en minister van LNV van 25/5/2022 is afgesproken dat het 7e AP en het addendum voldoende zijn om het derogatietraject voort te kunnen zetten. Inhoudelijk zag dat gesprek op de inhoud van het addendum en niet op bijvoorbeeld de bufferstroken.

Inhoudelijk is de tabel een onvoldoende onderbouwing om in deze aanvullende gebieden de derogatie te verlagen en andere aanvullende maatregelen (zie verderop) te nemen. Voor het verlagen van eutrofiering van het oppervlaktewater door stikstof en fosfor, zal het verlagen van de dierlijke mestgift daar maar een beperkt effect hebben. Andere instrumenten lijken passender.

Daarnaast is er een juridisch argument. Nederland heeft het hele grondgebied aangewezen als Nitraatgevoelig gebied. Binnen Nederland is er onderscheid naar grondsoorten en voor de zandgronden is dit verder opgesplitst naar landsdeel. Dit nadere onderscheid bij zandgronden is gemaakt in verband met de mate van uitspoelingsgevoeligheid van nitraat naar het grondwater. ENVI wil nu ook ten behoeve van terugdringen van eutrofiering via aanwijzing van 'polluted area's' voor oppervlaktewater gebieden aanwijzen. Nederland kent deze aanwijzing niet. Dit kost nauwkeurige analyse en goede onderbouwing van alle gebieden, die voor de aanwijzing in aanmerking komen en dit kan meerdere jaren kan duren.

Daarom het voorstel:

- Vasthouden aan de huidige indeling van '230 en 250 gebieden omdat:
    - In veel van de "rode" en "oranje" gebieden huidige bemesting niet de grootste bron van stikstof en/of fosfaat in het oppervlaktewater is. Afbouw van derogatie in deze gebieden zal dus niet of nauwelijks bijdragen aan het verbeteren van de waterkwaliteit.
    - Deze nieuwe 230-gebieden gedurende het bemestingsseizoen te maken zullen krijgen met een plotselinge terugval in de gebruiksruimte.
    - Aanpassen een zorgvuldige onderbouwing vraagt ten behoeve van het vastleggen in regelgeving en daardoor meerdere jaren tijd kost.
    - In het 7e AP overeenstemming is bereikt over de maatregelen ten behoeve van de KRW (oppervlaktewater).
- Instemmen met het uitwerken van een hot spot/polluted area aanpak die in lijn is met de NPLG aanpak en die in 2024 gereed is.
- Derogatiehoogte en duur
    - Instemmen dat derogatie voor onbewerkte dierlijke mest eindigt in 2025. De door de Commissaris en minister van LNV eerder besproken transitiederogatie suggereert deze eindigheid.

- Een alternatief afbouwpad om ambtelijk in te brengen. Voor de '230 gebieden' is dit gelijk aan het vorige voorstel van NL. Voor de '250 gebieden' een verdere verlaging tot 210 in plaats van 220 en de toezegging dat dit de laatste derogatie-aanvraag is. Een eventuele verdere concessie kan in een politiek eindgesprek worden ingezet als dat nodig is.
- Nieuw NL voorstel:

| | | |
|---|---|---|
| 2022 | 250 | 230 |
| 2023 | 240 | 220 |
| 2024 | 230 | 210 |
| 2025 | 210 | 200 |
| 2026 | geen derogatie | |

**Besluit Minister van LNV:**
In het ambtelijk gesprek met de Commissie wordt vastgehouden aan het voorstel dat Nederland gedaan heeft.

| | | |
|---|---|---|
| 2022 | 250 | 230 |
| 2023 | 240 | 220 |
| 2024 | 230 | 210 |
| 2025 | 220 | 200 |
| 2026 | 220 | geen derogatie |

Dat betekent een afbouwpad voor het zuidelijk en oostelijk zandgebied (230-gebieden). Dit zijn de gebieden die in de stikstof aanpak ook het meest prominent zijn met N-gevoelige gebieden. In de overige gebieden (250-gebieden) wordt van 250 naar 220 gereduceerd. Daarnaast vasthouden aan de gebiedsindeling die we nu kennen van 230 en 250 regio's. En niet meegaan met een nieuwe 'polluted areas' aanpak, die de Commissie wil zien. In feite opent de Commissie hier de onderhandelingen over het 7e NAP weer.
Ambtelijk zal geen toezegging gedaan worden voor afbouw derogatie in 250 gebied. Bij geen overeenstemming naar politiek niveau brengen.

**Polluted areas:**
**Aanvullende voorwaarden voor gebieden met grondwaterverontreiniging, met oppervlaktewater verontreiniging en oppervlaktewater eutrofiëring**

ENVI zoekt daarnaast naar maatregelen die zouden moeten gelden in de hierboven beschreven "polluted areas" op basis van de in het 7e AP opgenomen tabel (de oranje en rode gebieden).

*Voorstel ENVI*
- Een verlaagd startpunt van de derogatienorm

We gaan ervan uit dat ENVI hiermee bedoelt dat de oranje en rode gebieden op de tabel van bijlage 1 allemaal worden ingedeeld als '230 gebied'. Dit is vrijwel het hele land.

*Voorstel reactie:*

Dit voorstel niet accepteren. Het maatregelenpakket van het 7e AP en het addendum moet toereikend zijn om de KRW doelstellingen voor oppervlaktewater door agrarische bronnen te bereiken. Hierbij aansluiten op de algemene reactie op de hoogte van de derogatienorm.

**Besluit Minister LNV:**
Vasthouden aan de gebiedsindeling die we nu kennen van 230 en 250 regio's. Geen nieuwe indeling, niet meegaan met een nieuwe 'polluted areas' aanpak, die de Commissie wil zien.

*Voorstel ENVI*

- Gehele en graduele reductie van de totale stikstofgebruiksnorm van 20% aan het eind van 2025.

Mondeling gaf ENVI in het overleg aan dat Nederland in verhouding met andere Lidstaten hogere gebruiksnormen heeft. 20% sluit aan bij de aankondiging in de Farm to Fork dat nutriëntenverliezen in 2030 met 50% gereduceerd moeten zijn waarvan een reductie van 20% in het gebruik van meststoffen.

*Voorstel reactie:*
Het voorstel luidt verder geen resultaatverplichting op te nemen.
Nationaal heeft de Tweede Kamer in december 2020 een SGP-motie aangenomen zich uit te spreken tegen deze reductie van 20%.

De gebruiksnormen zijn gedifferentieerd per grondsoort en voor zandgronden verder onderscheiden naar deel van het land (afhankelijk van de uitspoelingsgevoeligheid). In het 5e AP zijn de stikstofgebruiksnormen voor de uitspoelingsgevoelige gewassen reeds 20% verlaagd op de zandgronden in zuid Nederland en voor de lössgronden.

De stikstofgebruiksnormen zijn daarnaast op basis van een wetenschappelijke onderbouwing vastgesteld. Vaststellen van Goede landbouwpraktijk is een verantwoordelijkheid van de lidstaat. De Commissie legt nu voorwaarden op die vér boven hun mandaat gaan. Nederland zal overeenkomstig het 7e AP een actualisatie van het model en de normen uitvoeren, waarbij de destijds vastgestelde modelparameters worden geüpdatet. Vervolgens kan dit model gebruikt worden voor het vaststellen van normen die dichter bij het ecologisch optimum liggen, gezien de regionale bouwplannen. Dit moet leidend zijn voor de vaststelling van deze normen.

Voorstel opnemen in derogatiebeschikking: Nederland doet een wetenschappelijke evaluatie van de gebruiksnorm voor totaal stikstofgebruik, zoals opgenomen in 7e NAP. Hierbij zal toegewerkt worden naar het ecologisch optimum op basis van de regionale bouwplannen van 2027. Dit zal voor de meeste gewassen leiden tot een graduele afname van de stikstofgebruiksnorm, welke van kracht gaan worden vanaf 1 januari 2024. Mocht ENVI hier niet mee instemmen, zal dit politiek moeten worden besproken.

*Alternatieve inzet voor punt stikstofgebruiksnormen.*
Inzetten op reductie van totaal gebruik van stikstof, niet beperkt tot de gebruiksnormen maar ook rekening houdend met de werking-coëfficiënten van dierlijke mest.

Nederland krijgt met een verlaging van de gebruiksnorm dierlijke mest al forse vermindering van de stikstofbemesting. Immers totaalgebruiksnorm stikstof = dierlijke mest x werking coëfficiënt (60-80%) + kunstmestruimte. Doordat de dierlijke mest ruimte krimpt tot 210 / 200 kg is dat al een forse vermindering van de N-gift. Als je dan daarbovenop nog eens 20% kort, krijg je als boer dus een nog grotere korting voor de kiezen. Daarnaast gaat met de ingang van het NLPG waarschijnlijk veel landbouwgebieden om en rond Natura 2000 gebieden heel veel extensiever worden (veel meer dan 20%). Waardoor daar de input van nutriënten ook al fors achteruit gaat. Wat je zou kunnen doen is de resultaatsverplichting afspreken op het totaal gebruik van N. Dat dan een combinatie indicator is van minder dierlijke mest, scherpere gebruiksnormen en extensivering in en rond Natura 2000 gebieden. Nadeel hiervan is dat de wetenschappelijke onderbouwing van de gebruiksnormen minder centraal staat.

Voorstel om in de beschikking op te nemen: Nederland voert een evaluatie uit van de gebruiksnorm voor totaal stikstof, zoals beschreven in 7e NAP. En Nederland streeft naar (inspanningsverplichting in plaats van resultaatsverplichting) voor een graduele reductie van het totaal gebruik van stikstof in de landbouw met 10% aan het eind van 2025 op basis van de bruto stikstof balans.

Advies: starten met voorgestelde reactie en ambtelijk de ruimte krijgen om het alternatief te bespreken met ENVI als er meer nodig is om tot overeenstemming te komen.

**Besluit van Minister van LNV**:
Nederland houdt vast aan de inzet om de gebruiksnormen zelf vast te stellen en geen resultaat verplichting van -20% op de stikstofgebruiksnormen in polluted areas.
Verkennen of een inspanningsverplichting van 10% op het totaal gebruik van stikstof is af te spreken. Dit is een combinatie van minder dierlijke mest, minder kunstmest en extensivering van landbouw en sluit aan bij de methodiek die de Commissie zelf beschrijft in het Actieplan voor beter beheer van nutriënten.

**Renure**
DG ENVI heeft niet aangegeven hoe het vervolg voor Renure zal zijn. Wel is door ENVI toegelicht dat zij zien dat Renure bijdraagt aan circulariteit, maar tevens dat ENVI terughoudend is omdat Nederland hierdoor de veestapel in stand kan houden.

*Voorstel* reactie
Ambtelijk blijven we aangeven dat over het vervolgtraject duidelijkheid nodig is.

Overwogen kan worden om een meer afgebakend groeipad voor Renure voor te stellen dat in ieder geval ervoor zorgt dat de afnemende mestplaatsingsruimte voor onbewerkte dierlijke mest door afname en beëindiging van de derogatie wordt opgevangen.

Goed toelichten dat de stikstofreductie-opgave die nu reeds is gepresenteerd onoverkomelijk is en gerealiseerd gaat worden, en volledig los staat van Renure. Verkleining van de veestapel is een onvermijdelijk gevolg van de reductiedoelstelling die het kabinet heeft gepresenteerd op 10 juni j.l.
De verwachting is dat ENVI ambtelijk hier geen stap gaat zetten en dat dit politiek besproken zal moeten worden.

**Besluit Minister van LNV:**
Ambtelijk blijven we aangeven dat over het vervolgtraject duidelijkheid nodig is. Dat RENURE extreem goed past in de F2F. Dat ook bij een afnemende veestapel, het noodzakelijk is om hoogwaardige meststoffen toe te passen, wat zorgt voor een verdere reductie van emissies.
Er wordt een A4tje uitgewerkt voor het kabinet van Timmermans om dit verhaal beter voor het voetlicht te brengen. De verwachting is dat dit punt verder politiek besproken moet worden.

## Mestproductieplafonds

*Voorstel ENVI*
Op nationaal niveau vindt actualisatie van het plafond plaats van 2002 naar het jaar 2020 (voor stikstof 489,4 en voor fosfaat 150,7 mln kg). De plafonds moeten in 2025 afnemen met 10% tot maximaal 440,4 mln kg voor stikstof en 135,6 mln kg voor fosfaat. In de tussenliggende jaren zijn er geen tussendoelen, maar ze mogen niet stijgen.

*Voorstel reactie*
Hoewel het niet wenselijk is om de gebiedsprocessen te belasten met een resultaatsverplichting vanuit de derogatie, stellen we toch voor om dit voorstel te accepteren. Hiervoor hebben we de volgende overwegingen:

- Er wordt niet verplicht dat het via inkrimpen van rechten gaat. Het kan ook deels (zij het beperkt) via managementmaatregelen zoals aanpassingen in het rantsoen.
- Het stikstofbeleid gaat ongetwijfeld tot reductie van de veestapel leiden.
- In 2025 is het meetjaar. Pas in 2026 kan worden vastgesteld of in 2025 aan de doelstelling is voldaan. Dan is de derogatie voorbij, maar blijft het risico op infractie wel bestaan. En in 2026 moet toch wel echt de verlaging gerealiseerd zijn.

De vraag is wel wanneer dit punt in de onderhandelingen wordt weggegeven. In het ambtelijk overleg, of in het politieke overleg. Als u kiest voor politiek overleg, is het van belang dat we kunnen aangeven dat dit punt politiek besproken kan worden.

Implementatie: de plafonds kunnen worden aangepast in de Meststoffenwet per 1 januari 2024. Dit kan samengaan met het wetsvoorstel volledige grondgebonden melk- en rundveehouderij welke op dezelfde datum in werking dient te treden.

**Besluit van Minister LNV, dat de minister van N&S wordt voorgelegd voor akkoord**
Ambtelijk aangeven dat de gebiedsprocessen niet te belasten met een resultaatsverplichting vanuit de derogatie en dat hier een politiek besluit voor nodig is.
In een gesprek met EU-Commissaris Sincevicius zou dit punt kunnen worden toegezegd.

***Overwegingen***
De NLPG aanpak en de generieke bronmaatregelen, zoals beschreven in de stikstofbrief van 10 juni zullen onherroepelijk leiden tot een reductie van de productie van stikstof en fosfaat in mest. 2020 is het basisjaar. De productie in 2021 is 3% lager. Voor de periode tot 2022-2025 resteert nog 7% opgave.
Deze maatregelen hoeven niet puur alleen met opkoop van rechten worden bereikt, maar kunnen ook met managementmaatregelen zoals extensivering of reductie gehalte N in het rantsoen behaald worden.

**Is deze 10 % te halen?**
Dit is niet met zekerheid te zeggen. De verwachting is dat de productie van stikstof en fosfaat door inzet van alle instrumenten zoals opkoopregeling gaat dalen. Totaal 10% in deze periode lijkt zeker haalbaar.

**Als de doelstelling niet wordt gehaald wat is dan het gevolg?**
Dit hangt af van de derogatiebeschikking. De Commissie stelt nu voor dat het gaat om de totale productie in Nederland. Als de daling onvoldoende is, is het aan Nederland om aanvullende maatregelen te nemen. Of dat regionaal gedifferentieerd gaat of juist generiek.
Omdat de cijfers over de productie van mest pas in de zomer van het opvolgende jaar gepresenteerd worden. Is dit een afspraak die pas tot resultaat leidt in 2026, als de huidige derogatie is afgelopen. Dit betekent dan ook dat de gevolgen van deze toezegging relatief beperkt zijn, al zal de Commissie wel bezien of er sprake is van een reductie van de stikstof en fosfaatproductie.

**Bufferstroken**

*Voorstel ENVI*

- Bufferstroken
  Overeenkomstig het GLB overal een minimum van 3 meter, alleen gerechtvaardigde uitzonderingen. ENVI beschouwt een andere invulling als een nieuwe derogatie. ENVI geeft aan dat een afwijking van de 3 meter

gerechtvaardigd moet zijn en geeft ook aan dat dit voor ondernemers proportioneel moet zijn.

*Voorstel reactie*

Opties:

a) Vasthouden aan het 7e AP (bufferstroken van 2 meter met mogelijke uitzondering). Deze zijn vastgesteld op basis van wetenschappelijke onderbouwing. Ook vanuit het ambtelijk team van het nieuwe GLB wordt verdedigd dat de bufferstroken in de conditionaliteit 2 meter zouden moeten zijn, zodat het 7e AP volgt. Dit leidt tot weerstand bij EC.

b) Meebewegen:
Een mogelijkheid is om in te stemmen met de 3 meter, en op basis van proportionaliteit dit af te blokken op maximaal 5% van het areaal, met daarbij mogelijke uitzonderingen obv de wetenschappelijk onderbouwde leidraad. Dit om de slootrijke gebieden te ontzien.
   - Ondervangt problematiek in lopende implementatie in regelgeving.
   - Implementeren kan niet eerder dan per 1-1-24 aangezien hiervoor een wijziging van een algemene maatregel van bestuur nodig is en het daarvoor benodigde tijdpad is zo'n negen maanden.
   - Aanpassing gedurende de looptijd van het jaar is onwenselijk omdat deze maatregel effect heeft op de mestplaatsingsruimte.

Advies: Het advies is om ambtelijk nogmaals vast te houden aan de 2 meter brede bufferstroken met uitzonderingsmogelijkheden, zoals vastgelegd in het 7e AP. Vervolgens kan indien nodig de 3 meter alsnog politiek geaccepteerd worden, mocht dit ruimte geven in de onderhandelingen. Het is daarbij wel van belang dat de max van 5% van het areaal van een perceel behouden blijft.

**Besluit Minister van LNV:**
Om ambtelijk nogmaals vast te houden aan de 2 meter brede bufferstroken met uitzonderingsmogelijkheden, zoals vastgelegd in het 7e AP. Vervolgens kan indien nodig de 3 meter alsnog politiek geaccepteerd worden, mocht dit ruimte geven in de onderhandelingen. Het is daarbij wel van belang dat de max van 5% van het areaal van een perceel behouden blijft.

## Grondwaterbeschermingsgebieden

*Voorstel ENVI:*
Geen derogatie in grondwaterbeschermingsgebieden én graduele afname van stikstofbemesting naar het niveau van biologische landbouw.

*Voorstel reactie*
Twee opties:

a) Instemmen met ingang van 2023

- Risico op verslechtering van de waterkwaliteit neemt toe als gevolg van verschuiving van gras- naar bouwland.
- Het nog verlagen of niet verlenen van de derogatie in 2022 brengt bedrijven meteen in de problemen. Het risico is groot dat voor er duidelijkheid is over een derogatie al normoverschrijding heeft plaats gevonden.

b) Alternatief voorstellen.

- In plaats van geen derogatie teeltverbod voor uitspoelingsgevoelige teelten opnemen met ingang van 2024.
- In het gesprek met ENVI aangeven dat we juridische bezwaren zien in deze voorwaarde opleggen aan niet-derogatiebedrijven op grond van de derogatiebeschikking, maar dat we bereid zijn te verkennen hoe dit wel juridisch zuiver geregeld kan worden.
  Risico's
  - Aan niet-derogatiebedrijven worden aanvullende voorwaarden gesteld die ingrijpend zijn. De EC neemt hiermee ingrijpende maatregelen op basis van de derogatiebeschikking voor bedrijven die niet deelnemen aan derogatie. Juridisch is dit lastig tot niet te onderbouwen. Dit kan leiden tot schadeclaims.
  - Risico dat het en, en wordt: geen derogatie en wel een teeltverbod

Advies: Richting ENVI aangeven dat we bereid zijn alle noodzakelijke maatregelen te nemen in deze gebieden, zoals teeltverboden, als onderdeel van de afspraak. Dat we echter van mening zijn dat deze maatregelen genomen zouden moeten worden in de akker- en tuinbouw, en dat de derogatiebeschikking hiervoor geen geschikt instrument is omdat deze ziet op graasdierbedrijven. En dat ENVI het belang van aanvullende vergaande maatregelen in grondwaterbeschermingsgebieden mogelijk vast kan leggen in de overwegingen van de beschikking.

**Besluit van Minister van LNV (voorgelegd aan Ministerie van I&W):**
Richting ENVI aangeven dat we bereid zijn alle noodzakelijke maatregelen te nemen in deze gebieden, zoals teeltverboden, als onderdeel van de afspraak. Dat we echter van mening zijn dat deze maatregelen genomen zouden moeten worden in de akker- en tuinbouw, en dat de derogatiebeschikking hiervoor geen geschikt instrument is omdat deze ziet op graasdierbedrijven. En dat ENVI het belang van aanvullende vergaande maatregelen in grondwaterbeschermingsgebieden mogelijk vast kan leggen in de overwegingen van de beschikking.
Nederland aangeeft dat de afspraken over het pakket van maatregelen uiterlijk per 1-1-2025 wettelijk geïmplementeerd kunnen worden.

**Natura 2000 gebieden**

*Voorstel ENVI*

Geen derogatie meer in alle Natura 2000-gebieden.
ENVI geeft aan dat zij intern nog bespreken of en hoe kan worden omgegaan met derogatie 'nabij' Natura 2000-gebieden. Ze zien de moeilijkheid van het definiëren

van 'nabij' en de juridische aanwijzing hiervan. ENVI beraadt zich hier intern nog op en kijkt ook naar andere wijzen hoe hiermee om te gaan en nodigt ons hiertoe ook uit.

*Voorstel reactie*

- In alle N2000-gebieden het voorstel van ENVI overnemen met ingang van 2023. Implementatie in Uitvoeringsregeling Meststoffenwet (Urm) met verwijzing naar Wet natuurbescherming.
- Nabij N2000: niet overnemen onder verwijzing naar TK-brief over stikstofdoelen NPLG van 10 juni 2022. Voor het verbeteren van de waterkwaliteit nabij Natura2000-gebieden zet Nederland in op een gebiedsgerichte invulling die aansluit bij de op te stellen provinciale gebiedsprogramma's voor het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG), zoals aangegeven in de brief van 10 juni jl. Doelen voor stikstofreductie worden daarmee verbonden aan de opgaven en omgevingscondities voor water, klimaat en de transitie van de landbouw.

**Besluit van Minister van LNV, waar het akkoord van de minister van N&S wordt gevraagd:**
Ambtelijk instemmen met geen derogatie in alle Natura2000 gebieden per 1-1-2023. Implementatie in de Uitvoeringsregeling meststoffenwet met een verwijzing naar de Wet Natuurbeheer.
Niet instemmen met geen derogatie nabij Natura2000 gebieden. Het 'nabij' is een belangrijk onderdeel van de NPLG aanpak.

**Algemeen - anti-fraude**

*Voorstel ENVI*
De implementatie van de versterkte handhavingsstrategie mest (VHS) vindt plaats naar alle regio's.
In het gesprek is overeengekomen dat de formulering hiervan wordt aangepast naar een formulering in de trant van: daar waar uit de beoordeling volgt dat de risico's significant zijn toegenomen de VHS wordt uitgebreid.

*Voorstel reactie:*
Overnemen.

Hiervoor is geen implementatie in regelgeving nodig.

**Besluit Minister van LNV:**
In te stemmen met ambtelijk voorstel ENVI.

**Algemeen – fertiliser register en fertiliser plan**

*Voorstel ENVI*
Alle bedrijven stellen jaarlijks voorafgaand aan het bemestingsseizoen een bemestingsplan op.

*Voorstel reactie: Overnemen*

- Dit geldt reeds voor derogatiebedrijven en intensieve veehouderij bedrijven. In de praktijk stellen de meeste bedrijven dit al op. Met name in de akkerbouw is de verwachting dat dit als een aanvullende verplichting zal worden gezien.
- Nadeel is het principiële punt dat de EC hierdoor maatregelen kan nemen in de akkerbouw via een derogatie voor graasdierbedrijven.
- Implementatie in Urm vanaf 1 januari 2024.

*Voorstel ENVI*
Per januari 2024 is een elektronisch bemestingsregister in werking waarin de registratie van het gebruik van meststoffen, mestproductie en toepassing op het land wordt geregistreerd. Per 1 januari 2025 wordt dit register door alle bedrijven gebruikt. De overheid zal het gebruik monitoren en analyseren en advies geven over de methode om overall het bemestingsgebruik te verminderen. Het voorstel is om open te houden wie het register maakt en beheert (overheid of private partij).

*Voorstel reactie: Overnemen.*
In lijn met het 7e actieprogramma.

**Besluit Minister van LNV:**
In te stemmen met ambtelijk voorstel ENVI.

**Artikelen 7 en 8 (aanvullende voorwaarden uit huidige derogatiebeschikking)**

*Voorstel ENVI*
Zijn er mogelijkheden deze artikelen in overeenstemming te brengen met het 7e AP zodat de administratieve lasten kunnen afnemen?

*Voorstel reactie*
We zien mogelijkheden om dubbele bepalingen te laten vervallen. Dit kan tot meer proportionaliteit in de handhaving leiden, omdat hiermee niet direct de derogatievergunning dient te worden ingetrokken bij overtredingen. We zullen een tekstvoorstel voorbereiden.

**Besluit Minister van LNV:**
In te stemmen met ambtelijk voorstel ENVI. Tekstvoorstel wordt voorbereid.

**Artikel 9 Voorwaarden ammoniak emissies uit huidige derogatiebeschikking**
*Voorstel ENVI:* Onveranderd laten

*Voorstel reactie:* instemmen

**Besluit Minister van LNV:**
In te stemmen met ambtelijk voorstel ENVI.

**Artikel 11 Controles en inspecties uit huidige derogatiebeschikking**

*Vraag ENVI*
Kunnen de fysieke inspecties toenemen naar 10%?

*Voorstel reactie*
Niet overnemen.
Op 5% houden. Dit vergt veel capaciteit en inzet van de NVWA die dan niet ingezet kan worden ten behoeve van de versterkte handhavingsstrategie mest. De derogatiebedrijven zijn juist de laagrisicobedrijven. De grootste risico's zitten bij intermediaire bedrijven (mesttransporteurs en handelaren). Het is van belang risicogericht de bedrijven aan te pakken in de mestketen die op grotere schaal fraude mogelijk maken. Uitbreiding van fysieke controles naar 10% zet veel NVWA capaciteit in met weinig resultaat die niet ingezet kan worden aan het aanpakken van de echte risicobedrijven. Uitbreiding van capaciteit is mede gezien de arbeidsmarkt geen reële optie.

**Besluit Minister van LNV:**
Niet in te stemmen met ambtelijk voorstel ENVI en besluit ambtelijk advies LNV over te nemen (5% houden). Dit vergt veel capaciteit en inzet van de NVWA die dan niet ingezet kan worden ten behoeve van de versterkte handhavingsstrategie mest.

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 4 juli 2022 17:06
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk ); 5.1.2.E 5.1.2.e( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Ter akkoord - aangepaste Kamerbrief derogatie.
**Bijlagen:** 22280078_aangepast.pdf

Dag 5.1.2.E en Henk,

Bijgaand vinden jullie een aangepaste brief over de derogatie. Deze is aangepast n.a.v. de ronde van 5.1.2.E langs de woordvoerders en de opmerkingen van 5.1.2.E bij de eerdere versie.

Indien jullie akkoord zijn sturen we deze vanmiddag nog naar de Kamer (dit kan in principe tot 18u).

Groet
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22280078

**Uw kenmerk**
2022Z13112/2022D27243

Datum
Betreft Verzoek om informatie over derogatie

Geachte Voorzitter,

Op 27 juni 2022 heeft de vaste commissie voor Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit mij verzocht de Tweede Kamer te informeren over de meest waarschijnlijke uitkomst en de gevolgen van het mogelijk niet verlengen van de derogatie en hoe die gevolgen zich verhouden tot het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG). Met deze brief informeer ik de Tweede Kamer hierover.

In mijn brief van 26 april 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verkrijgen van een nieuwe derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstukken II, 33037, nr. 439). Ik heb in deze brief aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. Hierbij heb ik toegelicht dat ik inzet op drie kernvoorwaarden en dat ik de optimale ruimte zal zoeken en hierin het noodzakelijke zal doen. De drie kernvoorwaarden zijn:

- gelet op de rechtszekerheid voor boeren is het mijn inzet om een derogatiebeschikking voor 4 jaar te verkrijgen;
- door het inmiddels gevorderde stadium van het uitrijdseizoen, is mijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren;
- ten slotte streef ik naar een derogatie zonder directe interventies vanuit de EC in gebiedsgerichte aanpak gedurende de looptijd van de beschikking.

De Tweede Kamer is in eerdere Kamerbrieven en in debatten geïnformeerd dat het zonder meer verkrijgen van deze derogatie niet vanzelfsprekend is. In voornoemde brief van 26 april 2022 heb ik aangegeven dat we er rekening mee moeten houden dat voortzetting van de derogatie, zoals die voorgaande jaren aan Nederland was toegekend, steeds lastiger wordt. In de afgelopen periode is meermaals overleg gevoerd met de diensten van de Europese Commissie ~~DG Milieu~~ over de inhoud en voorwaarden van ~~een~~ de derogatie.
Deze gesprekken verlopen moeizaam. Ik wil de Tweede Kamer informeren dat uit de lopende gesprekken naar voren is gekomen dat de diensten van de Europese

Commissie een stapsgewijze vergaande verlaging in de hoogte van de derogatienorm én aanvullende voorwaarden voorstellen.

~~en deze gesprekken~~ In de derogatieonderhandelingen blijf ik inzetten op een balans tussen een inzet die haalbaar is in Brussel maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en rechtdoet aan de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak. ~~zullen in d~~De komende periode worden de gesprekken voortgezet. Ik vraag nogmaals begrip van de Tweede Kamer om nu niet in te gaan op de meest waarschijnlijke uitkomst van de onderhandelingen, omdat dit de onderhandelingspositie mogelijk kan schaden.

Eerder heb ik aangegeven dat ik verwachtte in juni uitsluitsel te kunnen geven over de uitkomst van deze onderhandelingen. Helaas kan ik ~~de Tweede Kamer~~u niet voor het ~~komende~~ zomerreces van de Tweede Kamer verder informeren, maar~~. I~~ok verwacht dat ik de Tweede Kamer in de eerste helft van ~~juli~~ volgende week meer duidelijkheid kan geven over de uitkomsten van de gesprekken. Ik zal hierbij de gevolgen schetsen en ingaan op de wijze waarop hieraan uitvoering kan worden gegeven.

In voornoemde brief van 26 april 2022 aan de Tweede Kamer heb ik de consequenties van het verlies van derogatie toegelicht en ben ik ingegaan op de grootste verschuivingen die ik verwacht ten aanzien van de sectoren. Samengevat betekent geen verlening van derogatie dat in Nederland voor alle landbouwgronden uitgegaan moet worden van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke meststoffen van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zal, op korte termijn, grote gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland, waarbij naar verwachting melkveehouders de mest, die op het eigen bedrijf geproduceerd wordt niet langer volledig op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, waardoor mest van het bedrijf naar elders zal moeten worden afgezet. De behoefte aan stikstof zal worden ingevuld met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest, bijvoorbeeld door kunstmest. De akkerbouw zal naar verwachting minder mest uit de varkenshouderij toepassen en meer gebruik gaan maken van de mest uit de melkveehouderij. Tenslotte zal de afzet van mest naar buiten Nederland toenemen evenals het belang van mestverwerking. Als gevolg van deze veranderingen zullen de mestafzetkosten voor de veehouderijbedrijven sterk stijgen en voor melkveehouderijbedrijven zullen de kosten voor kunstmest toenemen.

Het effect op de waterkwaliteit van het niet verkrijgen van een derogatie is moeilijk precies te voorspellen. Het gebruik van dierlijke mest zal afnemen, maar omgekeerd zal het gebruik van kunstmest toenemen. Bij stijgende mestafzetkosten en regionale overschotten van dierlijke mest, neemt het risico op overbemesting en fraude toe. Het vervallen van de derogatievoorwaarde om 80% van de oppervlakte grasland te hebben, kan leiden tot het scheuren van grasland. Dit kan gepaard gaan met grotere stikstofverliezen naar grond- en oppervlaktewater. Scheuren van grasland heeft ook een negatief effect op CO2

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22280078

vastlegging in de bodem. Ook vanuit de optiek van milieukwaliteit is het niet verkrijgen van een derogatie ongunstig.

Verschillende urgente opgaven maken dat het landelijk gebied de komende jaren flink zal moeten veranderen. De draagkracht van onze natuur en ons bodem- en watersysteem wordt op veel plekken overschreden. Bovendien vraagt de klimaatopgave om een sterke daling van de broeikasgasemissies van landbouw en landgebruik. Om deze doelen te realiseren richt het kabinet het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG) in, waarvan u op 10 juni de startnotitie heeft ontvangen (Kamerstuk 34682, nr. 96). Het al dan niet verkrijgen van een derogatie heeft geen invloed op de doelstellingen van het NPLG. In de gebiedsprocessen worden met alle betrokkenen samen ~~worden~~ de plannen uitgewerkt. Hierbij is ~~D~~de deelname van alle betrokkenen partijen ~~is daarbij~~ van groot belang. Zij kennen immers bij uitstek het gebied en zijn gebruikers van een groot deel van het land. ~~Omwille van duidelijkheid en zekerheid, vind ik het ook belangrijk dat zodra de uitkomsten van de onderhandelingen bekend zijn, deze worden betrokken bij de nadere vormgeving van de gebiedsprocessen.~~

Ik streef naar een derogatie voor Nederland die ondersteunend is aan de werkwijze en doelen voor natuur (stikstof), water, klimaat en biodiversiteit, zoals omschreven in het Nationaal Programma Landelijk gebied. Vanuit het belang dat ik hecht aan duidelijkheid en zekerheid, ~~vind~~ zal de Minister voor Natuur en Stikstof ~~ik het tevens van belang dat~~ zodra de uitkomsten van de onderhandelingen bekend zijn, deze ~~worden~~ betr~~o~~ekken bij de nadere vormgeving van de gebiedsprocessen en de maatregelen die daarin worden voorgesteld.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

64.bb

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 5 juli 2022 22:09
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Voorbereiding gesprek Sinkevicius
**Bijlagen:** 220705 Spreeklijn MLNV Sinkevicius v9.docx

Dag Henk,

Morgenochtend spreek je met Sinkevicius. Inschatting van de betrokken collega's is dat het zeker nog geen gelopen race is. Bijgaand vind je de spreeklijnen die zijn voorbereid n.a.v. de gesprekken van vandaag.

Ik zal zorgen dat deze lijnen morgenochtend ook geprint voor je klaar liggen. Op je kamer zullen in elk geval 5.1.2.E en 5.1.2.E aanwezig zijn tijdens het gesprek.

Groet
5.1.2.E

# *Spreekpunten Minister LNV*
# *Europees Commissaris Virginijus Sinkevičius*

- Thank you for making time for having this meeting today.
- When we first met we discussed the derogation of the Nitrates Directive and today it is also the topic I want to discuss with you.
- In the last days there have been tough but constructive conversations at different levels. These have led to a better mutual understanding of our positions
- I believe there is the will on both sides to find a joint solution.
- As far as I am concerned the purpose of today's meeting is not trying to reach an agreement now, but to explore whether you see space to reach an agreement and if you are willing to give that space for further exploration. If that is the case I would suggest that our services will discuss on these points in more detail in order to reach an agreement.

- I already informed you about the Coalition Agreement on the major transition in agriculture to meet the environmental objectives. I would only like to underline again that the emissions of nitrogen will have to be reduced by 50% in 2030. It will inevitably lead to a reduction of livestock of 30%. Also a transition fund with a budget of 25 billion euros is made available.
- Furthermore I want to emphasize that reaching the environmental goals is of upmost importance to our

government. We share the outcome: reaching the environmental goals, including water quality, in time.

- 2.5 weeks ago the indicative targets for nitrogen in agriculture were sent to Parliament. As you may be aware, this has led to enormous emotions and turmoil in the sector.
- Notwithstanding this turmoil, our Government is fully committed to reach the environmental objectives. And our national Parliament confirmed the objectives last week.

- I am aware that granting a derogation to the Netherlands is a big step for you, considering the overall status of the water quality in the Netherlands.

- In our meeting of last February we spoke about a 'transition derogation'.
- I understand your position is that this should be the last derogation to be granted to the Netherlands.
- This is far reaching and a huge step for me to take. 17,000 farmers will be affected. Also politically it is a risk for me.
- I also understand you want to take up very strict additional requirements in the derogation decision. I want to stress the importance of aligning the derogation decision with the transition path and schedule.
- In order to reach our common goals, we need to give farmers the chance to adapt to the new situation in which there will be no derogation anymore.

- I am ready to defend the fact that this is the last derogation. But being politically able to do so, I need the following two points on the reduction application standards and the soil types/Polluted areas:

**1. Reduction Application standards**

- Firstly, we do agree that the derogation decision includes a step-by-step reduction of the application standard for nitrogen from livestock manure. The end-point of that reduction is clear: no more derogation as of 2026.
- We have a different view on the pace [or the extent] of reduction.
- It means farmers have four years to adapt their business model, – including 2022, which is well under way –. This cannot be done overnight.
- I ask for an orderly reduction path of 10 kg/nitrogen/hectare per year.

| | | |
|---|---|---|
| [2022 | 250 | 230 |
| 2023 | 240 | 220 |
| 2024 | 230 | 210 |
| 2025 | 220 | 200] |

- This reduction path is a clear signal to farmers that environmental goals are leading in Dutch policy. But it also gives farmers time to adapt to the new situation.
- [Fall back option: If you find a reduction of 10 kg/year insufficient, perhaps we can find each other mid-way. I

propose a reduction of 10 kg/year in the first years of the decision (2022 to 2023 and 2023 to 2024) and a reduction of 20 kg/year in the final year of the decision (2024 to 2025).]

- **2. Soil types/Polluted areas**
- Secondly, I understand very well your concerns about eutrophication and that you want to address them in this decision [also considering the recent Court case against Germany on this].
- However, changing the distinction between sandy soils and other soils – the so-called 230 and 250-areas – that has been part of the derogation decisions since 2006 would have a direct, major impact on many companies. This would mean that from now, almost overnight 90% of the surface area will fall under the stricter regime of the current 230 (compared to approximately 30% now). This would create significant unrest in the sector. Also, I foresee legal difficulties because the adjusted 'polluted zones' are currently not yet legally designated.
- However, I can give you my word and assure you that we will designate the further distinction between polluted areas within in the National Program for the Rural Area. The frame will be ready coming October. And the limitation and measures in July 2023. Followingly, this can be implemented in legislation by January 1st, 2024.
- I propose we ask our services to further work on this in the coming days.

- There is also the issue of reduction of the overall nitrogen fertilisation rate (both manure and chemical fertilizer). I do understand that your proposal of 20% in 2025 is on the polluted areas.
- My concern is that these polluted areas are not designated yet (as just mentioned). And that the farms concerned already have to deal with a lot of restrictions. Therefore my suggestion would be a 10% reduction for the whole of the Netherlands in 2025.

**Other conditions in the draft decision**

- I would like to briefly touch upon one other condition in the draft decision that have been subject of discussion between our staff:
  - Buffer strips: DG Agri put a proposal on the table regarding the general buffer strips within the Common Agricultural Policy. This proposal can be adopted in the derogation decision as well.
- I would suggest that we ask our services to work further on no derogation in groundwater protection areas, the physical controls and no derogation nearby Natura 200 areas.
  *Nb bij doorvragen spreektekst op laatste pagina*

**Proces coming days**

- There are some remaining points to breach. And I would suggest that our services work on this in the coming days and bridge these differences to come to an outcome.
- If needed I propose we have a short meeting after that.

**Communication**

- [*In case of agreement on the issues raised*]: Thank you for your constructive approach. I appreciate this.

- I do understand that the outcome is only formal after the Nitrates Committee scheduled for September 15th and the decision of the College of Commissioners afterwards.
- However, our national Parliament and the farmers need clarity. Also since the closing period to apply manure is ending in September. And Parliament has already asked to share the most likely outcome.
- Therefore, I need to inform our Parliament very soon [within a week] on:
  - the current year 2022
  - the main points of our discussions
  - and the formal procedure which you need to follow before the decision is final.
- My staff will share the draft communication with your services before it is made public.

**Achter de hand – other conditions**

- No derogation in specific areas: we agree that derogation will not be allowed anymore in Natura 2000 areas. I understand you also want to exclude groundwater protection areas of the decision. I am not happy with this and fear adverse effects on water quality, but for the sake of coming to a conclusion I am willing to assent. This should be effective per 2023 because this year is already well under way and farmers could not anticipate.
- Physical controls: As compliance is very high among derogation participants and we control 100% administratively, I propose to maintain physical controls at 5%. This will allow us to deploy inspection capacity risk-based as part of the enhanced enforcement strategy. [Fall back option: I you insist on increasing the percentage for physical controls, let's put it on 7% as of 2023.]

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 11 juli 2022 16:49
**Aan:** 5.1.2.E [redacted] (5.1.2.E ); Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E [redacted] (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Memo voorstel nav reactie EC
**Bijlagen:** memo 11 juli voorstel nav reactie EC.docx

Dag 5.1.2.E en Henk,

Hierbij het memo.

Groet
5.1.2.E

Memo: Appreciatie tekstvoorstel EC polluted areas

Datum, 11 juli 14 uur

De EC deed via mail vanmiddag het volgende tekstvoorstel (nav ons voorstel van zondag avond 10 juli). Er zijn twee mails (zie onder)

> The Netherlands shall develop a new designation and map of nutrients polluted areas from agricultural sources by 2024 at the latest, which includes all catchment areas for monitoring points for groundwater and surface water exhibiting mean or punctual nitrates pollution, at risk of being polluted and increasing trends, as well as monitoring points exhibiting eutrophication or at risk of becoming eutrophic. As a first step, the designation of nutrients polluted areas applicable as of 1 January 2023 will be based on (a) southern and central sandy soils and loess soils extended with (b) nutrients inadequate areas (bad, poor and moderate) in regional waterbodies according to the Water Framework Directive, as described in the National Analysis Water Quality by PBL (2020). As of 1 January 2024, a final designation and map of nutrients polluted areas shall be in place and shall include at least the areas designated as of 2023 as well as any other additional area where the contribution from agriculture to the pollution is significant, that is more than 19% of the load. Should the new designation of nutrients polluted areas not be in place on 1 January 2024, the designation provided in the 7th Nitrates action programme will be used.

Appreciatie inhoudelijk:

Bovenop de vorige tekst van de EC én bovenop onze tekst van 10 juli zien wij nu drie aanvullende eisen van de EC, die wij niet eerder hebben gezien:

- Toevoeging van vervuilde gebieden met een "risico op verontreiniging" en "stijgende trend"
- Toevoeging categorie "matig" (gele kleur),
- Toevoeging van "gebied waar de bijdrage van de landbouw aan de verontreiniging significant is, dat wil zeggen meer dan 19% van de belasting."

Verder vormen de gebieden voor 2023 de absolute ondergrens van de aanwijzing van de gebieden voor 2024.

Vooral voor 2023 stelt de tekst ons nog steeds voor een groot dilemma, waarvan de gevolgen moeilijk te overzien zijn. Het gevolg van toevoegen van geel heeft grote invloed op de omvang, hierdoor kan het oplopen tot 50 – 60 % van het areaal. We maken ons zorgen of de bepalingen haalbaar, afdwingbaar en eerlijk zijn. Stel je bent agrarisch ondernemer in een geel gebied, met een matige waterkwaliteit, die bijna aan de norm voldoet, maar niet slecht of ontoereikend is. Maar er is wel een "risico op verontreiniging". Is het dan rechtvaardig om de ondernemers in dit gebied de strenge eisen van de derogatiebeschikking op te leggen?

Hoe dan ook: we moeten heel goed bekijken hoe we de technische uitwerking gaan doen, over betekenissen en definities voor de aanwijzing voor 2023. Met als doel een haalbare en verantwoorde en rechtvaardige aanwijzing van polluted areas. De uitwerking van ons eigen voorstel voor 2023 (vrijdagavond) was al heel lastig. Met de nieuwe tekst van de EC is het er alleen maar lastiger op geworden.

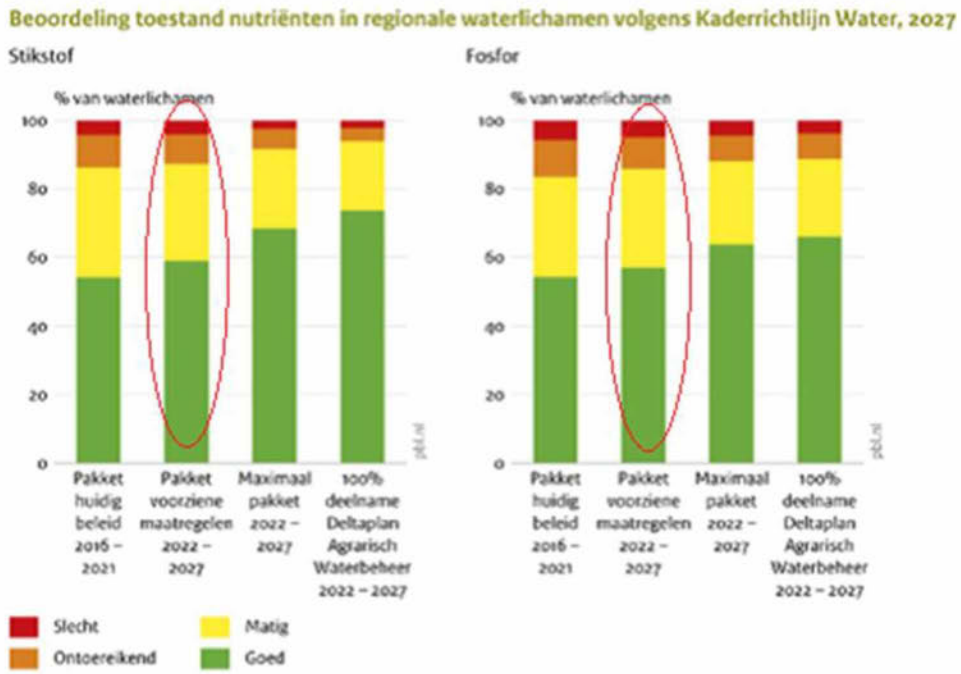


Appreciatie politiek-bestuurlijk

De beide begeleidende mails van DG ENVI geven eigenlijk geen ruimte om de tekst nogmaals te beïnvloeden.

De ambassadeur EU 5.1.2.E geeft aan dat dit voorstel van ambtelijk DG ENVI komt, maar dat de mail is afgestemd met de Eurocommissaris en met het kabinet van de president van de EC.

Voorstel email

Thank you for your email of 11 July. We appreciate your efforts to bridge the gap between our positions on the designation of polluted areas. It wouldn't come as a surprise however, that we are not happy with the latest text on polluted areas. We note three additional requirements on top of the previous text of last Friday: the addition of a new category "moderate", addition of polluted areas with an "increased risk of pollution", and addition of "area where the contribution from agriculture to the pollution is significant, that is more than 19% of the load". The text still poses a big dilemma especially for 2023, the consequences of which are difficult to foresee. We have concerns about whether the provisions are feasible to implement and enforceable.

However, for the sake of a quick decision-making process, which is in the interest of the Netherlands as well, its leaves us with no other choice than to accept reluctantly the final proposal.

Voorstel telefoongesprek

- Thank you [ and your hierarchy] for your text proposal on polluted areas.
- Frankly we are not happy with it and we are surprised.
- Your proposal includes new additions and I want to highlight three of them:
  - The addition of the category moderate
  - The addition of polluted areas at risk of being polluted
  - The addition 'where the contribution from agriculture to the pollution is more than 19% of the load'
- Those last two additions are completely new elements for us and I also did not discuss them with your Director General last Friday evening.

- Especially the year 2023 is a huge dilemma for us. And I cannot foresee the consequences of your last proposal at the moment.
- I do have questions on this. And for now mainly on the justification: do the new elements justify the actual state of the water quality and the strict measures which have to be taken there?
  For example: if a farmer is located in a yellow area, where the water quality is not very bad (for example at the lowest point of moderate and "at risk"), does it justify than taking such severe measures for individual entrepreneurs?

- Because of the continuation of the decision-making procedure, which is important for the Netherlands in particular to give farmers certainty over 2022, we will resign ourselves to this for now.

- This is also of importance in order to realise a executable [feasible] and justifiable proposal for the Netherlands and the Dutch entrepreneurs

5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.e < 5.1.2.E @ec.europa.eu>

**Sent:** Monday, July 11, 2022 2:07 PM

5.1.2.E

Thank you and your colleagues for the further efforts and for the new proposal sent yesterday night.

Just to sum up the state of play at this very late stage.

From the Commission side we have come a long way towards the Dutch requests for a new derogation under the Nitrates Directive, showing a lot of understanding and flexibility in light of the political commitments taken by the Government to eventually tackle the nitrogen problem. First, by agreeing to provide a derogation even in a situation of worsening water trends. Furthermore, we have made in the last weeks a series of important concessions: a derogation for 4 years instead of 2 as the last one, no review clause as imposed to other MS, keeping the 2021 manure application rate for 2022, lower manure reduction rates during the 4 years and reduction obligations only at the end, no increase of controls to fight manure fraud. I would like also to remind you that in addition to the concerns with water quality there have been also important delays in the implementation of conditions from the previous derogation.

On behalf of our 5.1.2.e [redacted], and in agreement with our 5.1.2.e [redacted], we suggest, as last effort from our side to ensure this derogation goes through, to go in the direction you propose as follows.

We understand that the additional designation for 2023 you propose would not be based on *actual monitoring data*, but on a *projection and modelling scenarios* included in a study, and would include the waters that in 2027 would still be above the norms if all the measures were going to be implemented. In addition, because you consider only the waters in bad and poor status, your proposal would amount to a very significant reduction of the 'nutrients polluted areas' compared to your table included in the 7th NAP (with only about 15% of the regional waterbasins included). Moreover, the exact designation of these areas would be defined only in autumn 2022, *after* the derogation would have been voted in the Committee and adopted by the Commission.

As you know, for the designation of polluted areas the Commission expects this to be done on the basis of monitoring data and not only on modelling projections, in line with the legal provisions of EU legislation.

We would be ready, as an extraordinary concession, to go in your direction, but the "nutrients inadequate areas" must include also the areas in moderate status (yellow color). This designation would still overall concern only about half of the polluted areas as identified by you 7AP able. And if in 2027, under the best case scenario of your study (assuming that also all the voluntary measures planned would have been implemented) these have still not achieved the norm of good status (and thus would not be compliant with the obligations under the Water Framework Directive), these should certainly be considered polluted in 2022. We would also need to include a clarification of the methodology for the designation of polluted areas that would be compatible with the Nitrates Directive and a safeguard, if the new designation is not in place in 2024.

The article would thus read as:

The Netherlands shall develop a new designation and map of nutrients polluted areas from agricultural sources by 2024 at the latest, which includes all catchment areas for monitoring points for groundwater and surface water exhibiting mean or punctual nitrates pollution, at risk of being

polluted and increasing trends, as well as monitoring points exhibiting eutrophication or at risk of becoming eutrophic. As a first step, the designation of nutrients polluted areas applicable as of 1 January 2023 will be based on (a) southern and central sandy soils and loess soils extended with (b) nutrients inadequate areas (bad, poor and moderate) in regional waterbodies according to the Water Framework Directive, as described in the National Analysis Water Quality by PBL (2020). As of 1 January 2024, a final designation and map of nutrients polluted areas shall be in place and shall include at least the areas designated as of 2023 as well as any other additional area where the contribution from agriculture to the pollution is significant, that is more than 19% of the load. Should the new designation of nutrients polluted areas not be in place on 1 January 2024, the designation provided in the 7th Nitrates action programme will be used.

I hope this is acceptable for you, as this is our last possibility to compromise. We will thus proceed today on this basis with the internal procedure for the derogation Decision.

Kind regards,

5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.e [redacted] < 5.1.2.E r@ec.europa.eu>
**Datum:** 11 juli 2022 om 15:13:11 CEST
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** text proposal polluted areas

Dear 5.1.2.E

I thank you for your constructive efforts. As you see from the below mail from my expert colleagues, your last proposal has been carefully analysed and taken as a basis for our final text. I spoke to our cabinet and we trust that at political level at your side this last unprecedented concession from us is well understood in its scope and appreciated; we want you to have a meaningful derogation which at the same time helps the government to prepare the implementation of the overall vision.

The initial last proposal you shared is based on modelling not on existing data which we exceptionally accept (although we never did so with any other MS and I hope it is not creating issues in the C'ttee), yet as a result of this modelling your proposal offers a level of protection that de facto covers approx. only 15%, whereas the current NL 7AP covers 90% of agricultural areas. We have to be serious and credible on this sensitive issue, hence the need to take also into account the bad, poor and moderate status, which still leads to a significant lower area covered than under the 7AP - we now half it . In the end we speak however of a very serious continuing contamination of the groundwater that is also being used (albeit filtered against high costs) as drinking water. The Dutch citizens will want to be assured that the derogation is not locking in the status quo, but allows in parallel for a credible phasing in of the new approach promised by the Dutch government.

We are putting the below text therefore now in our Decide base so as to close it in time before the procedural deadline kicks in. I hope these additional explanations from my side is of help to you as you will have to inform your parliament on the progress in the derogation process. Do not hesitate to contact my services in case of need for further background information in this regard.

Best regards

5.1.2.e

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** donderdag 14 juli 2022 11:46
**Aan:** 5.1.2.E [redacted] (5.1.2.E ); Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E [redacted] (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Ter akkoord - aangepaste Kamerbrief derogatie
**Bijlagen:** DOMUS-22321938-v4-Notitie_MR_Stand_van_zaken_derogatie_15_juli_2022.DOCX; DOMUS-22326132-v7-Aanpassingen_brief_aan_de_Staten-Generaal_over_stand_van_zaken_van_de_derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn.DOCX; DOMUS-22317194-v15-TK_brief_Stand_van_zaken_onderhandelingen_met_de_Europese_Commissie_over_derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn_.DOCX

Dag Henk en 5.1.2.E

Bijgaand vind jullie de aangepaste Kamerbrief m.b.t. derogatie, de aangepaste MR-notitie en een oplegnotitie daarbij.

In reactie op de vraag van 5.1.2.E of ze deze brief mede moest ondertekenen en hoe dit vorige keer geregeld was, het volgende:

- De vorige brief (5 juli) is niet 'mede namens' MNenS verstuurd, de brief daarvoor (26 april) wel. Er dus geen echt consistente lijn hierin.
- Achtergrond van 'mede namens' ondertekening in deze brief was de link met het NPLG. In de nu (ingekorte) brief is deze passage ingekort.
- De brief kan alleen namens Henk worden gestuurd (na instemming van de MR). Met een 'mede namens' ondertekening toon je een bredere betrokkenheid.

Indien jullie akkoord zijn met deze stukken biedt ik deze aan bij AZ t.b.v. de MR van morgen.

Groet
5.1.2.E

**Notitie: brief over stand van zaken derogatie t.b.v Ministerraad 15 juli 2022**
Datum: 12 juli 2022

## 1. Aanleiding

De gesprekken over de derogatie van de Nitraatrichtlijn met de Europese Commissie zijn inhoudelijk op alle niveaus afgerond.
De Europese Commissie (hierna: EC) heeft de conceptderogatiebeschikking aan Nederland intern binnen de diensten voorgelegd voor consultatie waarnaar deze doorgeleid kan worden aan het College van Commissarissen ten behoeve van agendering in het geplande Nitraatcomité van 15 september 2022. Het formele proces is nog steeds gaande.
Met bijgevoegde brief wordt de Staten-Generaal geïnformeerd over de stand van zaken met betrekking tot derogatie van de Nitraatrichtlijn.

## 2. Inhoud brief

Gegeven de duidelijkheid die nu voor boeren nodig is over de omvang van de derogatie in 2022 en het zomerreces dat reeds is gestart zal de Staten-Generaal geïnformeerd worden over een deel van de inhoud van de conceptbeschikking:

- Uit de gesprekken met de EC komt naar voren dat er voor het jaar 2022 geen verandering plaatsvindt in de hoogte van de derogatienorm (de zogenaamde 250/230) en
- dat de omvang van een toekomstige derogatiebeschikking en de voorwaarden die daaraan verbonden zijn significant zullen verschillen van de huidige beschikking.

Voorafgaand aan het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 (bij het beschikbaar komen van de conceptagenda van dat Comité) zal de Staten-Generaal geïnformeerd worden over de verdere inhoud en aanvullende voorwaarden, te weten:

- Het is de laatste derogatie van de Nitraatrichtlijn voor onbewerkte dierlijke mest die aan Nederland wordt verleend. Vanaf 2026 zal Nederland geen derogatie meer aanvragen.
- De omvang van het afbouwpad van de jaarlijks de hoogte van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest vanaf 2023.
- Een landenspecifieke oplossing voor de mogelijkheid van vervanging van kunstmest door hoogwaardige mestproducten (RENURE) maakt geen deel meer uit van de onderhandeling.
- Het nationale mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat over het jaar 2002 wordt geactualiseerd naar het jaar 2020. Er vindt een graduele bijstelling van deze plafonds plaats met 10%-reductie in 2025.
- In alle Natura 2000 gebieden wordt geen derogatie verleend.
- De aanwijzing van zogenaamde 'polluted areas' in het kader van eutrofiëring (Kaderrichtlijn Water) per 1 januari 2023 en het van toepassing laten zijn van het derogatieregime van 230-en het daarbij behorende afbouwbad.
- De omvang van de graduele verlaging van de totaal stikstofbemestingsnorm met 20% in 2025.

Over de inhoud van een aantal voorwaarden die in de brief voorafgaand aan het Nitraatcomité zal worden verzonden aan de Staten-Generaal, is op dit moment nog geen duidelijkheid. Dit betreft:

- De omvang van de generieke bufferstroken.
- Het niet verlenen van derogatie in voor nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden
- Verlening van derogatie 'nabij' de Natura 2000 gebieden.
- Een mogelijke toename van 5% naar 10% fysieke controles door de NVWA.

## 3. Hoogte derogatienorm 2022

Gegeven de onrust in de agrarische sector en de onduidelijkheid bij boeren of zij een hogere norm mogen toepassen is het voor de boeren wenselijk dat zij hierover snel duidelijkheid verkrijgen.
Het uitrijdseizoen voor dierlijke mest is inmiddels vergevorderd in het jaar. Bij besluitvorming na het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 is het uitrijdseizoen afgelopen, waardoor boeren hier in de praktijk niets meer aan zullen hebben.

Het actief uitdragen dat boeren dit jaar kunnen anticiperen op toepassing van 250-230 brengt echter ook een aantal (juridische) risico's met zich mee:

- De EC kan hiermee voor het blok worden gezet, waardoor de EC kan besluiten de conceptderogatiebeschikking niet te agenderen voor het Nitraatcomité van 15 september 2022.
- Op het moment dat het formele traject aan de zijde van de EC of van Nederlandse zijde voor verlening van derogatie wordt beëindigd, betekent dit dat Nederland zich niet aan de vastgestelde norm uit de Nitraatrichtlijn van 170 kg/ha stikstof uit dierlijke mest heeft gehouden. Nederland overtreedt dan de Nitraatrichtlijn. Dit kan er dan snel toe leiden dat Nederland direct geconfronteerd wordt met een infractieprocedure omdat de gebruiksnorm

is overtreden en de Nederlandse overheid de toepassing van een hogere norm heeft uitgedragen. Omdat de mest al op het land is gebracht, zal dit waarschijnlijk tot een hoge boete kunnen leiden. Een omvang over de hoogte van een mogelijke boete is niet te duiden.

- De Commissie heeft verschillende keren laten weten dat de derogatie voor 2022 gelijk zal zijn aan die van 2020 en 2021. Onder andere in het telefoongesprek op vrijdagavond 8 juli 2022 van de SG LNV met de DG ENVI. En dit is bevestigd in een mail van het DG ENVI aan het ministerie van LNV van 11 juli 2022: *'keeping the 2021 manure application rate for 2022'.*
  In de brief wordt uitgesproken dat de gebruiksnormen van 2021 ook in het jaar 2022 kunnen worden toegepast en dat ondernemers op deze normen kunnen anticiperen. Een ondernemer kan hieraan het vertrouwen ontlenen dat de hogere gebruiksnorm van toepassing is, ook al is de derogatiebeschikking nog niet definitief. Mocht de derogatie onverhoopt toch niet gelijk zijn aan die van 2020 en 2021 dan levert dit een risico op juridische procedures op die een grote kans van slagen hebben. Deze procedures kunnen bijvoorbeeld betrekking hebben op de houdbaarheid van bestuurlijke boetes en op aansprakelijkheidskwesties.
- Zowel de kans op geen derogatie als het niet waar maken van gewekt vertrouwen, en in mindere mate de kans op een ingebrekestellingsprocedure, zijn een politiek risico.

## 4. Vervolg

De EC heeft aangegeven dat de conceptbeschikking met Nederland gedeeld zal worden. Op het moment dat deze beschikbaar is, zullen de consequenties zo goed als mogelijk in beeld worden gebracht. Dan zal ook een afweging ten aanzien van proportionaliteit van de voorgestelde voorwaarden worden gedaan.

Normaalgesproken vindt voortzetting van de procedure als volgt plaats:

- agendering van de conceptbeschikking door de Commissie op de agenda van het Nitraatcomité van 15 september 2022
- 2 tot 3 weken voor het Nitraatcomité wordt de conceptbeschikking met de Lidstaten gedeeld.
- stemming door de Lidstaten in het Nitraatcomité. Bij een positief advies vervolgt de Commissie de procedure
- besluitvorming door het College van Commissarissen van de Europese Commissie
- verlening van de definitieve beschikking.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22317194

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn 2022-2025

Geachte Voorzitter,

In mijn brieven van 26 april 2022 en 5 juli 2022 heb ik de Tweede Kamer geïnformeerd over het proces voor het verlenen van derogatie van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 (Kamerstukken II, 33037, nr. 439). Ik heb in deze brieven aangegeven dat ik in de derogatieonderhandelingen met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) een balans zoek tussen een inzet die haalbaar is in Brussel, maar die ook (langjarig) duidelijkheid geeft voor de sector en aansluit bij de noodzakelijke transitie van de landbouw in het kader van de gebiedsgerichte aanpak die onder meer gericht is op het behalen van de doelen voor waterkwaliteit.

Conform mijn toezegging in mijn brief van 5 juli 2022 informeer ik de Tweede Kamer hierbij over het verloop van de gesprekken met de Europese Commissie over inhoud en voorwaarden van een derogatie en licht ik het verdere proces toe.

Zoals ook eerder gecommuniceerd aan de Tweede Kamer is het opnieuw verkrijgen van een derogatie voor het gebruik van graasdiermest geen vanzelfsprekendheid. De afgelopen periode zijn zowel op ambtelijk als politiek niveau intensieve gesprekken gevoerd met de EC over het opnieuw verkrijgen van derogatie. Ik heb mij in deze gesprekken maximaal ingespannen ten behoeve van de drie eerder benoemde kernvoorwaarden die zijn genoemd in voornoemde brief van 26 april 2022.

De EC plaatst deze derogatieverlening uitdrukkelijk in het licht van de doorontwikkeling van het landelijk gebied en de transitie van de landbouw als gevolg van het Nationaal Programma Landelijk Gebied.

De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. Het proces is gericht op behandeling van een conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland in het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022. De lidstaten zullen dan stemmen over een voorstel van de EC om de conceptderogatiebeschikking inclusief voorwaarden aan Nederland te verstrekken. Bij gekwalificeerde meerderheid van stemmen zal de EC de

conceptderogatiebeschikking aan het College van Commissarissen aanbieden ter besluitvorming. Zodra dit proces is afgerond en de EC een formeel akkoord heeft gegeven op de conceptbeschikking voor de derogatieverlening, zal de beschikking definitief worden vastgesteld door de EC en openbaar worden.

Op dit moment is er dan ook nog geen besluit dat ik met de Tweede Kamer kan delen. Onder het voorbehoud van de uitkomsten van de hierboven genoemde gesprekken is mijn beeld dat er draagvlak lijkt te bestaan om Nederland een derogatiebeschikking te verlenen voor 4 jaar (2022-2025). Uit de gesprekken met de EC maak ik op dat de omvang van een toekomstige derogatiebeschikking en de voorwaarden die daaraan verbonden zijn significant zullen verschillen van de beschikking zoals die eerder aan Nederland was verleend. Voor het jaar 2022 is mijn verwachting dat de omvang en voorwaarden van de derogatie gelijk blijven aan die in de voorgaande beschikking voor 2020-2021. Wat betekent dat bedrijven met minimaal 80% grasland tot 230 kilogram stikstof uit dierlijke mest per hectare mogen gebruiken in het centrale en zuidelijke zandgebied en in het lössgebied en tot 250 kilogram in andere delen van Nederland in 2022. Dit laatste is voor mij steeds een belangrijk punt geweest in de besprekingen met de EC. Ondernemers die voornemens zijn in 2022 een vergunning voor derogatieverlening aan te vragen, kunnen anticiperen op de gebruiksnormen voor dierlijke mest van 230 respectievelijk 250 kg/ha, onder de voorwaarden zoals die ook golden bij de derogatiebeschikking voor 2020-2021.

*Tot slot*
In aanloop naar het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 zal de EC de conceptbeschikking met de Lidstaten delen. Ik verwacht dat ik in de eerste helft van september de Tweede Kamer kan informeren over de verdere inhoud en voorwaarden van de conceptderogatiebeschikking.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 9 augustus 2022 17:25
**Aan:** Staghouwer, H. (Henk )
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.e [redacted]); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E ); 5.1.2.E (5.1.2.E )
**Onderwerp:** Dagmail MLNV 9 augustus
**Bijlagen:** 1a Voorstel werkbezoeken.pdf; 1b Logistiek formulier bezoek 5.1.2.E 5.1.2.E ; 2a beantwoording vragen visserij.pdf; 3. Oplegnota SO derogatie.pdf; 3 Beantwoording SO Derogatie.pdf

Dag Henk,

Hierbij de dagmail van 9 augustus.

**1a. Ter akkoord - Voorstel werkbezoeken**
Bijgaand vind je een voorstel voor de invulling van twee werkbezoeken op woensdag 17 augustus en maandag 5 september. Tevens bevat de nota een overzicht van de reeds geplande bezoeken.

Gevraagd wordt om:
- je akkoord op het voorstel voor de invulling van het bezoek op 17 augustus m.b.t. de droogte.
- je voorkeur voor één van de opties voor een bezoek op 5 september.
- je akkoord op een uitbreiding van het reeds geplande bezoek op 16 augustus.

**1b. Ter informatie – logistiek formulier werkbezoek donderdag**
Komende donderdag ga je op bezoek bij het melkveebedrijf van 5.1.2.E In de bijlage vind je het logistiek formulier.

**2a. Ter informatie - Beantwoording vragen visserij**
In de bijlage vind je de beantwoording van twee vragen die je had over visserij.

**2b Ter informatie - verzoek tot BO visserij**
Je vroeg om in de eerste week van september een BO met de visserijsector in te plannen, mede naar aanleiding van de brandbrief uit Urk. In je agenda is hier nu een slot voor gereserveerd op 31 augustus van 15-16u. Een volgend BO stond reeds gepland op 6 oktober.

**3. Ter akkoord - Schriftelijk Overleg Derogatie**
De Kamer heeft een aantal vragen gesteld over de derogatie. Formeel is de beantwoordingstermijn deze week, vandaar dat ik je het nu stuur. De verwachting is niet dat hier nu direct vanuit de Kamer actie op zal worden ondernomen. Dus mocht je iets meer tijd nodig hebben om de beantwoording kan ik deze volgende week ook geprint in de tas meegeven.

Groet
5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ONDERTEKENING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
1 augustus 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22377970

**BHM: 22378158**

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**
1

# nota

Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| DGA | MT-PAV | WJZ Coördinator |
|---|---|---|
| 5.1.2.e | 5.1.2.E | 5.1.2.E |

**BPZ**
5.1.2.E

## Aanleiding

Op 15 juli 2022 heeft u een brief gestuurd over de derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstukken II, 33037, nr. 448). Naar aanleiding van deze brief heeft de vaste commissie voor Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit van de Tweede Kamer een Schriftelijk Overleg gepland. Verschillende fracties hebben vragen en opmerkingen aan u voorgelegd. Hierbij vindt u de beantwoording van de vragen.

## Advies

U kunt de beantwoording van de schriftelijke vragen over de stand van zaken van de onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn ondertekenen voor verzending aan de Tweede Kamer.

## Kernpunten

- Leden van de volgende fracties hebben vragen en opmerkingen gesteld naar aanleiding van de Kamerbrief over de derogatie: PVV, CDA, GroenLinks/PvdA, PvdD en BBB.
- De beantwoording is in lijn met de brief die u op 26 april en 15 juli 2022 aan de Tweede Kamer heeft gestuurd.
- In de beantwoording wordt aangegeven dat zodra de Europese Commissie de conceptderogatiebeschikking deelt met de lidstaten in september vooraf aan het Nitraatcomité op 15 september, met de Kamer gedeeld zal worden onder welke voorwaarden de Europese Commissie bereid is een nieuwe derogatiebeschikking aan Nederland te verlenen.
- Het Nitraatcomité stemt op 15 september over de beschikking. De uitkomst is een advies aan de EC. Als het comité voor de beschikking stemt (positief advies), stelt de EC de beschikking vast.
- De antwoorden zijn ambtelijk afgestemd met I&W (relatie met Kaderrichtlijn Water) en worden parallel voorgelegd aan de minister van I&W.

Ontvangen BPZ

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

Datum
Betreft Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22377594

**Uw kenmerk**
Kamerstuk 33037, nr. 448

Geachte Voorzitter,

Hierbij stuur ik u de beantwoording van de vragen vaste commissie voor Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit over de brief 'Stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn' (Kamerstuk 33037, nr. 448), die ik op 15 juli 2022 aan uw Kamer heb toegezonden.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

**Directoraat-generaal Agro**

Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

DGA-PAV / 22377594

## Vragen en opmerkingen van de leden van de PVV-fractie

De leden van de PVV-fractie hebben kennisgenomen van de stand van zaken van de onderhandelingen met de Europese Commissie (EC) over derogatie van de Nitraatrichtlijn. Deze leden hebben daar enkele vragen over.

1
De leden van de PVV-fractie vragen welke regio's in de Europese Unie (EU) een derogatie van de Nitraatrichtlijn hebben. Hadden regio's in het Verenigd Koninkrijk ook een derogatie van de Nitraatrichtlijn? In welke Europese regio's wordt de norm van de Nitraatrichtlijn niet gehaald en is er toch sprake van een derogatie? Is het de minister bekend dat heel veel Europese landen zich niet houden aan Europese richtlijnen en verordeningen?

Antwoord
Naast Nederland is in het kader van de Nitraatrichtlijn momenteel een derogatie van kracht in België voor het Vlaams Gewest, Denemarken en Ierland. Voor de uittreding van het VK uit de EU was er ook een derogatie verleend aan het VK voor Noord-Ierland. In het Verslag van de Commissie aan de Raad en het Europees Parlement over de uitvoering van Richtlijn 91/676/EEG van de Raad inzake de bescherming van water tegen verontreiniging door nitraten uit agrarische bronnen, op basis van verslagen van de lidstaten over de periode 2016-2019 [1] is te lezen dat van de vier landen waar in die periode een derogatie van kracht was alleen in België (Vlaams Gewest) de maximum concentratie in een groot aantal grondwatermeetstations overschreden werd. Andere landen waar dit ook het geval was, maar die geen derogatie hebben, zijn Duitsland, Luxemburg, Malta, Portugal en Spanje. Ik heb geen overzicht van de mate van naleving van alle Europese richtlijnen en verordeningen door alle lidstaten.

2
Waarom bereikt de minister niets voor onze boeren en vissers in Brussel? Komt het goed uit dat deze sectoren moeten krimpen? Is de minister bereid de derogatie te eisen, onder dreiging van inzet van veto's of te stoppen met de financiële bijdrage aan de EU?

Antwoord
De opgaven op het gebied van natuur, stikstof, waterkwaliteit en klimaat waar Nederland en in het bijzonder de landbouwsector in Nederland mee geconfronteerd worden, zijn groot. Dit vraagt om een transitie van de landbouw waarbij krimp niet het doel maar een mogelijke resultante is. Mijn inzet in de derogatieonderhandelingen met de Commissie is om de transitie in de landbouw te faciliteren en mogelijk te maken. Het verkrijgen van derogatie is echter geen vanzelfsprekendheid. Nederland heeft op basis van het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 431) en het bijbehorende addendum (Kamerstuk 33037, nr. 437) verzocht om toekenning van derogatie en het is aan de Europese Commissie om te beoordelen of en, zo ja, onder welke voorwaarden zij bereid is de derogatie te verlenen. Begin september, als de Europese Commissie de conceptderogatiebeschikking bekend heeft gemaakt ter bespreking in het Nitraatcomité van 15 september 2022, zal ik uw Kamer informeren over de inhoud.

[1] https://eur-lex.europa.eu/legal-content/NL/TXT/?uri=CELEX:52021DC1000.

3
De leden van de PVV-fractie vragen verder hoeveel extra transportbewegingen de minister schat dat er zullen plaatsvinden door het verlies van derogatie. Hoeveel brandstof is hiermee gemoeid? Hoeveel extra behoefte aan kunstmest schat de minister dat er zal zijn als de Nederlandse landbouwsector de totale productie van landbouwgewassen op peil wenst te houden? Hoeveel aardgas is hiermee gemoeid? Is het realistisch dat kunstmest zonder aardgas wordt geproduceerd?

Antwoord
In mijn brief van 26 april 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 439) heb ik aangegeven dat te voorzien is dat bij verlies van derogatie de afzet van mest buiten Nederland toe zal nemen. Daarnaast zullen ondernemers meer kunstmest aanvoeren om het verlies van stikstof uit dierlijke mest te compenseren en zo de huidige productie van landbouwgewassen op peil te houden. Dit zal resulteren in meer transportbewegingen en extra aardgasgebruik. Ik kan niet betrouwbaar aangeven wat de omvang hiervan is omdat deze afhankelijk is van vele factoren. Gelet op de huidige stand van de techniek is het niet realistisch te veronderstellen dat op dit moment kunstmest op grote schaal geproduceerd kan worden zonder aardgas.

4
Vindt de minister, net als de leden van de PVV-fractie, dat het totaal onacceptabel is dat door beëindiging van de derogatie er grondstoffen (als diesel en aardgas) worden verspild?

Antwoord
Mijn inzet is erop gericht om dierlijke mest te laten verwerken tot een waardevolle meststof die kan dienen als volwaardige kunstmestvervanger waardoor verspilling van grondstoffen wordt tegengegaan.

5
Is het juist dat de norm van de Nitraatrichtlijn bij (bijna) alle derogatiebedrijven in Nederland gehaald wordt? Vindt de minister het goed dat de hele landbouwsector in Nederland gedupeerd wordt als slechts in een klein gebied de norm van de Nitraatrichtlijn niet wordt gehaald?

Antwoord
Op 7 juli 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 445) heb ik uw Kamer het rapport «Landbouwpraktijk en waterkwaliteit op landbouwbedrijven aangemeld voor derogatie 2020», door het Rijksinstituut voor Volksgezondheid en Milieu (RIVM) en Wageningen Economic Research (WEcR) doen toekomen. Uit het rapport komt naar voren dat de waterkwaliteitsnormen bij derogatiebedrijven niet overal gehaald worden; met name is dit het geval bij derogatiebedrijven gelegen in het zuidelijk en oostelijk deel van de Zandregio en de Lössregio. Verder blijkt uit de rapportage dat de dalende trend in de nitraatconcentraties in het uitspoelingswater die tot en met 2017 werd waargenomen in de afgelopen jaren tot stilstand is gekomen en dat er in sommige regio's sprake is van een stijging.

## Vragen en opmerkingen van de leden van de CDA-fractie

De leden van de CDA-fractie hebben kennisgenomen van de brief voor het schriftelijk overleg stand van zaken onderhandelingen met de Europese Commissie over derogatie van de Nitraatrichtlijn en hebben nog enkele vragen.

6
De leden van de CDA-fractie constateren dat al meerdere keren in brieven en debatten wordt gesteld dat de minister zich maximaal inspant voor het verkrijgen van derogatie. Kan de minister aangeven wat hij er concreet aan heeft gedaan om dit voor elkaar te krijgen en of de gesprekken hierover op het hoogste politieke niveau plaatsvinden? In de brief wordt aangegeven dat de minister zich inzet om een derogatiebeschikking voor vier jaar te verkrijgen. Waarop is deze termijn gebaseerd? En wat verstaat de minister hier concreet onder? Wordt hiermee een afbouwpad van vier jaar bedoeld? Zo ja, is de minister het met deze leden eens dat dat veel te kort is voor de sector om zich hierop aan te passen?

Antwoord
Zoals in mijn brief van 26 april jl. (Kamerstuk 33037, nr. 439) is aangegeven, is het gebruikelijk dat de Europese Commissie de derogatie verleend voor een beperkte tijd, meestal vier jaar, en daarbij nauwgezet de milieutoestand volgt om zo, indien noodzakelijk, tijdig mogelijke oorzaken van een te hoge milieudruk weg te (laten) nemen. In 2018 heeft dit geleid tot een derogatieverlening voor 2018 en 2019 en in 2020 tot een verlening voor de jaren 2020 en 2021. Vanwege rechtszekerheid voor boeren hecht ik er aan om in de huidige onderhandelingen over de derogatie een beschikking te verkrijgen voor vier jaar. Ik zal uw Kamer begin september als de Europese Commissie de conceptderogatiebeschikking bekend heeft gemaakt, informeren over de inhoud van de conceptbeschikking en daarbij ingaan op het procesverloop.

7
Klopt de conclusie van de leden van de CDA-fractie dat er nog geen zekerheid is over de derogatie in 2023 en dat daar pas op 15 september 2022 over besloten gaat worden? Zo ja, wat gaat de minister concreet doen om ervoor te zorgen dat ook in 2023 nog een derogatie van hetzelfde niveau als de afgelopen jaren wordt verkregen? Welke argumenten gaat de minister aandragen om dit voor elkaar te krijgen? Deze leden benadrukken het belang van een geleidelijk, realistisch afbouwpad na 2023 van minstens tien jaar, zodat de sector de tijd krijgt om de omschakeling te maken, inclusief de innovaties die daarvoor nodig zijn. Wat gaat de minister doen om de sector te stimuleren om aan deze omschakeling mee te werken? Kan de minister aangeven hoe het staat met de uitvoering van de motie over het per direct toestaan van kunstmestvervangers op basis van dierlijke mest (Kamerstuk 21501-32, nr. 1403)?

Antwoord
In mijn brief van 15 juli 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 448) heb ik aangegeven dat de procedure om tot een nieuwe derogatiebeschikking te komen nog niet is afgerond en dat het proces nu gericht is op behandeling van een conceptbeschikking in het Nitraatcomité van 15 september 2022. Zodra de Europese Commissie de conceptderogatiebeschikking deelt met de lidstaten zal ik met uw Kamer delen onder welke voorwaarden de Europese Commissie bereid is een nieuwe derogatiebeschikking aan Nederland te verlenen. In de brief over de toekomst van de landbouw die ik uw Kamer in september toestuur, zal ik nader ingaan op de betekenis van de conceptderogatiebeschikking voor de landbouw en hoe hier mee om te gaan. Dan ook zal ik ingaan op stand van zaken ten aanzien van de landenspecifieke voorziening die Nederland heeft aangevraagd voor het toestaan van kunstmestvervangers op basis van dierlijke mest.

8

De leden van de CDA-fractie vragen of er ook een scenario is uitgewerkt voor als er geen volledige derogatie voor 2023 verkregen wordt. Hoeveel gaat dit de individuele boer (financieel) kosten en op welke manier wordt deze gecompenseerd? Wat zijn de exacte consequenties voor de sector en daarbuiten, concreter dan beschreven in de brief van 26 april jongstleden? En wat zijn de gevolgen voor het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn (7e APN) wanneer geen/minder derogatie voor 2023 verkregen wordt? Worden de eisen dan naar beneden bijgesteld?

Antwoord
Het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn inclusief bijbehorend addendum is nodig om aan de vereisten van de Nitraatrichtlijn te voldoen en vormt daarmee de basis voor het huidige verzoek aan de EC om derogatie te verlenen. De inhoud van de derogatie heeft dus geen invloed op het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn. Zoals aangegeven zal ik begin september uw Kamer informeren over de inhoud van de conceptderogatiebeschikking. Dan ook zal duidelijk worden wat de gevolgen zijn voor de landbouwsector, zij het in eerste instantie vooral in kwalitatieve zin.

9
De leden van de CDA-fractie lezen in de brief dat wordt aangegeven dat het uitrijdseizoen inmiddels ver gevorderd is en dat het daarom de inzet van de minister is om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren. Waarom worden beslissingen over belangrijke onderwerpen, onder andere derogatie, het Nationaal Strategisch Plan (NSP) voor het Gemeenschappelijk Landbouwbeleid (GLB-NSP) en het 7e APN, binnen de agrarische sector keer op keer te laat genomen, waardoor de boeren steeds niet weten waar ze aan toe zijn? En is de minister zich ervan bewust dat boeren altijd ver vooruit moeten denken en plannen en dat dit wordt bemoeilijkt door deze (te) late besluitvorming? Hoe verhoudt zich dit tot een goede landbouwpraktijk, zo vragen deze leden. En wat gaat de minister eraan doen om dit in het vervolg te voorkomen? Deze leden hechten grote waarde aan duidelijkheid en perspectief voor de agrarische sector.

Antwoord
Net als de leden van de CDA-fractie hecht ook ik eraan om voor langere tijd duidelijkheid en perspectief te geven. Juist omdat dit boeren in staat stelt om invulling te geven aan een goede landbouwpraktijk. Vandaar mijn inzet om de Europese Commissie te bewegen derogatie te verlenen aan Nederland voor een periode van vier jaar. Ook in andere belangrijke dossiers tracht ik zo spoedig mogelijk duidelijkheid te verschaffen, maar ik ben daarbij wel gebonden aan - veelal Europese - besluitvormingstrajecten die zorgvuldig voorbereid en doorlopen moeten worden.

## Vragen en opmerkingen van de leden van de GroenLinks- en de PvdA-fractie

De leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie hebben de brief van de minister gelezen en hebben hier vragen en opmerkingen bij.

10
De brief van de minister is buitengewoon summier en bevat eigenlijk geen nieuwe informatie. Dat maakt het voor de Kamer lastig om haar controlerende functie uit

te oefenen en de inzet en de slagingskansen te beoordelen en af te wegen tegen andere belangen en het algemeen belang.



De leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie kunnen uit deze brief en het beleid van de afgelopen decennia niet opmaken dat er een degelijke afweging ten guste van het algemeen belang is gemaakt. Het lijkt erop, en de brief bevestigt dit ook wel, dat het doel van de minister is om de huidige status quo, waarbij het huidige mestoverschot maximaal mag worden uitgereden ten koste van natuur en waterkwaliteit, zoveel mogelijk behouden dient te blijven. Deze leden zijn van mening dat het tijd wordt om met deze praktijk en dit beleid te breken. De doelstellingen en mogelijkheden van het stikstoffonds, de gewijzigde inzet van het GLB, de "Van boer tot bord"-strategie, de klimaat- en natuurdoelstellingen en de gewijzigde maatschappelijke houding ten opzichte van de intensieve veehouderij en de daaraan verbonden ethische bezwaren, zouden ook voor de minister aanleiding moeten zijn om anders naar de derogatie te kijken. De kwestie van de derogatie, en veel breder de intensieve veehouderij, zou niet meer exclusief vanuit de belangen van het agro-industriële complex moeten worden beschouwd, maar vooral vanuit het algemeen belang, met gezondheid, klimaat en natuurbehoud als prioriteit. Daarmee zouden nieuwe derogatie-afspraken en lagere nitraatplafonds hand in hand kunnen gaan met een forse afname van de veestapel en extensivering van de landbouw, waardoor het derogatiebeleid meewerkt met de bredere doelen van de minister in plaats van deze tegen te werken. Deze leden zijn benieuwd waarom hier niet voor is gekozen.

Antwoord
De EU-Nitraatrichtlijn heeft tot doel de nitraatuitspoeling uit de landbouw en de eutrofiëring van oppervlaktewater door de landbouw te verminderen, en een verdere verontreiniging van grondwater en oppervlaktewater met nitraat uit de landbouw te voorkomen. Lidstaten hebben de mogelijkheid om de Europese Commissie te verzoeken om een derogatie van de gebruiksnorm van maximaal 170 kg N per ha per jaar uit dierlijke mest, indien er geen afbreuk wordt gedaan aan het bereiken van de doelstellingen van de Nitraatrichtlijn, en mits de derogatie wetenschappelijk wordt onderbouwd. De onderbouwing van de Nederlandse derogatie voor graasdiermest op graasdierbedrijven is steeds gebaseerd op de hoge stikstofopname en het lange groeiseizoen van grasland.[2] In 2021 is de onderbouwing voor de derogatie door de Commissie Deskundigen Meststoffen (CDM) getoetst (Kamerstuk 33037, nr. 393, bijlage CDM-advies 'Toetsing van de wetenschappelijke onderbouwing van de Nederlandse derogatie in het kader van de Nitraatrichtlijn'). Ten algemene geeft de CDM aan dat de monitoring van de waterkwaliteit op derogatiebedrijven laat zien dat er bij derogatie geen afbreuk wordt gedaan aan de doelstellingen van de Nitraatrichtlijn. Tegelijk is het zo, als aangegeven in bovengenoemde Kamerbrief, dat de nitraatconcentratie in het grondwater in bepaalde gebieden in de afgelopen jaren is toegenomen en dat er in agrarische gebieden er problemen zijn met de kwaliteit van het oppervlaktewater. Op basis van de combinatie van het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn, het addendum hierbij en de voorwaarden die zijn verbonden aan

[2] Schröder, J.J., H.F.M. Aarts, J.C. van Middelkoop, M.H.A. de Haan, R.L.M. Schils, G.L. Velthof, B. Fraters & W.J. Willems (2005) Limits to the use of manure and mineral fertilizer in grass and silage maize production in The Netherlands, with special reference to the EU Nitrates Directive. Plant Research International, Wageningen, Report 93. Schröder, J.J., H.F.M. Aarts, J.C. van Middelkoop, R.L.M. Schils, G.L. Velthof, B. Fraters & W.J. Willems (2007) Permissible manure and fertilizer use in dairy farming systems on sandy soils in The Netherlands to comply with the Nitrates Directive target. Europ. J. Agronomy 27, 102–114. Vellinga, T.V., Van der Putten, A.H.J. and Mooi, J.M. (2001) Grassland management and nitrate leaching, a model approach. Netherlands Journal of Agricultural Science, 49, 229–253.

derogatie, zoals dat 80% van de landbouwgrond grasland moet zijn, maken het verantwoord opnieuw derogatie aan te vragen.
Ik acht het verkrijgen van een derogatie van groot belang vanwege de overwegend positieve gevolgen voor de waterkwaliteit en ook omdat een derogatie past bij en ondersteunend is aan de transitie van de melkveehouderij naar grondgebondenheid en het beter sluiten van de voer- en mestkringlopen.



De leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie hebben nog een aantal concrete vragen.

11
Om welke specifieke redenen staat de EC momenteel kritisch tegenover de Nederlandse derogatie-aanvraag? Wat is volgens de EC de relatie met het coalitieakkoord en de "Van boer tot bord"-strategie?

Antwoord
In mijn brief aan uw Kamer van 26 april jl. ben ik ingegaan op de positie van de Europese Commissie ten aanzien van het derogatieverzoek (Kamerstuk 33037, nr. 439).

12
Op welke manier is het ministerie van Infrastructuur en Waterstaat betrokken bij de derogatie-aanvraag en de implementatie daarvan in relatie tot verbetering van de waterkwaliteit en hoe beziet de minister van Infrastructuur en Waterstaat de kansen en risico's van het mogelijk aflopen van de derogatie in relatie tot de opgave om de Kaderrichtlijn Water (KRW)-doelstellingen in 2027 te halen?

Antwoord
In april 2021 heeft mijn voorganger uw Kamer mede namens de bewindspersonen van Infrastructuur en Waterstaat (IenW) uitgebreid geïnformeerd over de opgave voor de waterkwaliteit (Kamerstuk 33037, nr. 393). Het Ministerie van IenW is nauw betrokken geweest bij het opstellen van het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn en het addendum. Eveneens is het ministerie van IenW intensief betrokken bij de implementatie daarvan en de gesprekken met de Europese Commissie over het Nederlandse derogatieverzoek.
Op basis van de conceptderogatiebeschikking kan de relatie tot de opgave van de Kaderrichtlijn Water verder worden geduid. Het is nu te vroeg om daar al op in te gaan.

13
De leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie lezen dat de waterkwaliteit bij derogatiebedrijven volgens het Rijksinstituut voor Volksgezondheid en Milieu (RIVM) in drie van de vijf afgelopen jaren is achteruitgegaan vanwege de droogte. Deze achteruitgang is strijdig met Europees recht. Is de minister voornemens om in het kader van de door klimaatverandering steeds vaker voorkomende droogte de algehele nitraatplafonds te verlagen om achteruitgang in tijden van droogte te voorkomen? Wat zijn de acute gevolgen voor het mestbeleid per bedrijf, in geval van droogte? Hoe grijpt de minister in als door droogte extra vervuiling dreigt?

Antwoord
In 2018 en regionaal in 2019 en 2020 was er sprake van aanhoudende droogte in Nederland. Omdat droogte een negatief effect heeft op de waterkwaliteit is aan de CDM in 2020 advies gevraagd over hoe om te gaan met aanhoudende droogte in het mestbeleid om effecten op de waterkwaliteit te voorkomen. Uw Kamer is

daarover geïnformeerd (Kamerstuk 33037, nr. 379, bijlage CDM-advies 'Structureel omgaan met droogte in het mestbeleid'). Overeenkomstig het CDM-advies en zoals aangekondigd in het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 431) is de CDM vervolgens gevraagd om de gevolgen van droogte nog verder in beeld te brengen, onder andere ten aanzien van de monitoring van droogte ten behoeve van een goede landbouwpraktijk. Onderdeel van een goede landbouwpraktijk is dat de mestgift bij droogte wordt aangepast. Het vervolg CDM-advies ten aanzien van droogte zal naar verwachting in de tweede helft van dit jaar worden opgeleverd.
De in het CDM-advies gegeven beleidsopties om rekening te houden met droogte zien op meer aspecten dan alleen het mestbeleid, zoals hydrologische maatregelen in het waterbeheer, het verbeteren van efficiënt watergebruik en het telen van meer droogte bestendige gewassen. Deze klimaatadaptieve maatregelen zijn onderdeel van het Actieprogramma klimaatadaptatie landbouw over de voortgang waarvan ik uw Kamer onlangs heb geïnformeerd (Kamerstuk 35925-XIV, nr. 159).
Ten algemene is in het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn (paragraaf 5.4.2.3) een actualisatie van de stikstofgebruiksnormen en stikstof werkingscoëfficiënten aangekondigd. Dit zal leiden tot stikstofgebruiksnormen die afgestemd zijn op de actuele behoefte van het gewas met het oog op een betere stikstofbenutting en daarmee een lager risico op uitspoeling naar het grondwater. Hiervoor is gestart met een actualisatie van het modelinstrumentarium dat hiervoor aan de basis ligt. Aansluitend zullen waar nodig de gebruiksnormen worden aangepast.

14
De leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie vragen op welke wijze de minister momenteel bezig is met een plan B, in relatie tot het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG), om te voorkomen dat als gevolg van verlies van derogatie meer kunstmest wordt gebruikt waardoor de waterkwaliteit verder verslechtert of het economisch perspectief van boeren daalt. Krijgen boeren die hun derogatie verliezen een vergelijkbaar 'woest aantrekkelijk aanbod' als boeren die op basis van te veel ammoniakemissie de lucht vervuilen?

Antwoord
Ik verwacht dat de Europese Commissie in september een conceptderogatiebeschikking zal voorleggen aan het Nitraatcomité, als aangegeven in mijn brief van 15 juli jongstleden aan uw Kamer (Kamerstuk 33037, nr. 448). Op dit moment kan ik niet vooruitlopen op de inhoud daarvan.

15
Als gevolg van het stikstofbeleid de veestapel met ongeveer een derde afneemt, wat zijn dan de gevolgen voor het mestoverschot, vragen de leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie. En wat doet dat voor bedrijven die niet in de buurt van een kwetsbaar natuurgebied zitten, maar wel hun derogatie verliezen? Is dit voldoende voor een nieuwe mestbalans in Nederland?

Antwoord
Het doel van het NPLG is een vitaal landelijk gebied, met een gezonde natuur, een robuust watersysteem, lage impact op het klimaat en met perspectief voor de landbouw (Kamerstuk 34682, nr. 96). Een afname van het aantal gehouden dieren in Nederland is geen doel op zich, maar kan hiervan een uitkomst zijn. De door de leden van GroenLinks en de PvdA gevraagde effecten kunnen in beeld

worden gebracht op basis van de volgend jaar juli te verschijnen integrale gebiedsprogramma's.



16
De leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie willen voorkomen dat als gevolg van verlies van de derogatie, dierlijke mest vervangen wordt door kunstmest. Is de minister voornemens de nitraatplafonds te verlagen bij verlies of vermindering derogatie en hiermee watervervuiling te voorkomen en kringlooplandbouw te bevorderen?

Antwoord
De gebruiksnorm voor stikstof-totaal wordt bepaald op basis van de behoefte van het gewas en de gevolgen voor de waterkwaliteit. Als de gebruiksnorm voor stikstof uit dierlijke mest verlaagd wordt, kan een boer de stikstofbehoefte die het gewas heeft invullen met overige meststoffen, zoals kunstmest. In het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn (paragraaf 5.4.2.3) heb ik aangekondigd een actualisatie te doen van de stikstofgebruiksnormen en stikstof werkingscoëfficiënten, zoals ik in een eerder antwoord op vragen van uw fracties ten aanzien van droogte heb toegelicht. Bij dit antwoord is ervan uitgegaan dat de fracties van GroenLinks en PvdA met nitraatplafonds doelen op de stikstof-totaal gebruiksnormen.

17
Een mogelijk negatief effect van verlies van derogatie is het omzetten van grasland naar snijmais. De leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie willen graag weten welke beleidsinstrumenten reeds beschikbaar zijn vanuit bijvoorbeeld het GLB om deze omzetting te voorkomen en welke mogelijkheden de minister nog meer ziet om deze omzetting in de toekomst te voorkomen of te ontmoedigen.

Antwoord
Zoals aangegeven in mijn brief aan uw Kamer (Kamerstuk 33037, nr. 448) verwacht ik dat de Europese Commissie een conceptderogatiebeschikking zal voorleggen aan het Nitraatcomité.
De Nitraatrichtlijn heeft tot doel de waterverontreiniging die wordt veroorzaakt of teweeggebracht door nitraten uit agrarische bronnen te verminderen, en - verdere verontreiniging van dien aard te voorkomen. Het nieuwe GLB stimuleert met het nieuwe subsidie instrument de ecoregeling langdurig blijvend grasland en ontmoedigt daarmee omzetting van grasland naar snijmais. Bovendien kent het GLB voor alle areaalbetalingen een aantal voorwaarden die indirect het omzetten van blijvend grasland voorkomen. Deze voorwaarden betreffen met name de goede landbouw en milieucondities, waaronder behoud van het aandeel blijvend grasland in Nederland en een ploeg- en omzetverbod voor aangewezen ecologisch kwetsbaar blijvend grasland in Natura2000-gebieden.

18
De leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie vragen of er plannen zijn voor meer 'technische oplossingen' zoals mestvergisters of export om het mestoverschot als gevolg van verlies van derogatie te voorkomen. Zijn of komen hier subsidies voor? Is de minister het met deze leden eens dat dit de overige doelen, zoals die voor natuur, tegenwerkt en er grote risico's voor lock-ins bestaan? Hoe wordt voorkomen dat boeren zich wederom voor miljarden in de schulden steken om een landbouwpraktijk te continueren die niet houdbaar is?

Antwoord
Als naar voren gebracht in de beantwoording van een soortgelijke vraag van de leden de fracties van GroenLinks en PvdA, verwacht ik dat de Europese Commissie begin september een conceptderogatiebeschikking zal voorleggen aan het Nitraatcomité.
Daarnaast heb ik aangekondigd in september te komen met een brief over de toekomst van de agrarische sector en met een verdere uitwerking van een herziening van het mestbeleid (Kamerstuk 33037, nr. 374) en in het bijzonder de verdere uitwerking van grondgebondenheid voor de melkveehouderij. In deze brieven komen deze vragen van de fracties van GroenLinks en PvdA aan de orde.

19
De leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie vragen of door de minister momenteel maatregelen getroffen worden zodat een mogelijk verlies of vermindering van de derogatie meegenomen kan worden door Rijk en provincies in de uitwerking van het NPLG en het economische perspectief voor agrarische ondernemers. Is de minister bereid om met ketenpartijen in gesprek te gaan over hoe zij kunnen bijdragen aan de compensatie van eventuele inkomstenderving van boeren bij een (gedeeltelijke) beëindiging van derogatie?

20
De gevolgen van mogelijk verlies van derogatie zijn veelomvattend en complex, zo stellen de leden van de GroenLinks- en PvdA-fractie. Is de minister om deze reden bereid de Commissie van Deskundigen Meststoffenwet (CDM) om een aanvullend advies te vragen over wat de kansen en risico's op lange termijn zijn van het verlies van derogatie in relatie tot het NPLG, de stikstofdoelen, de waterdoelen in relatie tot de KRW, de klimaatdoelen en het economisch toekomstperspectief van de boeren en dit advies met de Kamer te delen?

Antwoord 19 en 20
In september kom ik met een brief over de toekomst van de agrarische sector. Ik zal in deze brief uiteraard de derogatie betrekken. In het kader van het NPLG worden door de provincies integrale gebiedsprogramma's ontwikkeld. Vooralsnog zie ik geen reden voor een nieuwe scenariostudie.

## Vragen en opmerkingen van de leden van de PvdD-fractie

De leden van de Partij voor de Dieren-fractie hebben kennisgenomen van de brief van de minister over de stand van zaken van de onderhandelingen met de EC over derogatie van de Nitraatrichtlijn.

21
Al jaren waarschuwen deze leden voor het moment waarop Nederland de derogatie zal verliezen. In 2020 gaf de EC een laatste waarschuwing door niet voor vier jaar, maar voor twee jaar derogatie te verlenen. En nu wijst alles erop dat er na zestien jaar een einde komt aan deze uitzonderingspositie voor Nederland. Maar nog altijd lijkt de minister de kop in het zand te steken en tegen beter weten in in te zetten op onmogelijke voorwaarden. Zo is zijn inzet om de omvang van de derogatie voor 2022 op hetzelfde niveau te houden als de afgelopen jaren en om weer een beschikking te krijgen voor de periode van vier jaar. Hoe kijkt de minister naar de huidige gang van zaken, nu Nederland geen derogatie heeft sinds begin dit jaar, de bemestingsperiode voor grasland inmiddels

ver gevorderd is en boeren mogelijk toch te veel mest hebben uitgereden? Heeft de minister overleg gehad met de minister van Infrastructuur en Waterstaat over wat dit betekent voor de waterkwaliteit? Zo nee, waarom niet? Zo ja, kan de minister de uitkomsten van dit gesprek delen? Hoe kan de minister zijn inspanningen om de derogatie te verkrijgen verklaren in het licht van de stikstof- en watercrisis? Is de minister het met deze leden eens dat het uitrijden van (te veel) mest een negatief effect heeft op het halen van de stikstof-, natuur- en waterkwaliteitsdoelen?

Antwoord
Voor de beantwoording van de vraag over (de achtergronden van) mijn inzet in de onderhandelingen met de Europese Commissie over het Nederlandse derogatieverzoek en over de betrokkenheid van IenW verwijs ik naar de beantwoording op soortgelijke vragen van de leden van de fracties van GroenLinks en PvdA.
Het kabinet werkt aan een ingrijpende en integrale transitie van het landelijk gebied gericht op water-, klimaat- natuur- en stikstofdoelen. Een derogatie voor de komende vier jaar kan deze transitie ondersteunen.
De nog voortdurende onzekerheid over de derogatie in 2022, terwijl het bemestingsseizoen al ver is gevorderd, is onwenselijk, maar bleek onvermijdelijk gelet op het verloop van de procedure om tot derogatieverlening over te gaan. Zoals aangegeven is de verwachting dat de Europese Commissie begin september een conceptderogatiebeschikking zal voorleggen aan het Nitraatcomité dat bijeenkomt op 15 september 2022.

22
De leden van de Partij voor de Dieren-fractie constateren dat er intussen niets is gedaan om te anticiperen op de situatie die iedereen al van mijlenver aan kon zien komen. Met als resultaat dat Nederland straks kampt met een acuut mestoverschot, waarbij de kosten voor het afvoeren van grote hoeveelheden mest op het bordje komen van de individuele melkveehouder. Erkent de minister dit? De afgelopen jaren weigerde de minister bovendien categorisch om 'vooruit te lopen' op het verlies van derogatie en schoof daarom de vraag van deze leden hoe hij gaat voorkomen dat grote aantallen dieren vroegtijdig naar de slacht worden afgevoerd bij verlies van derogatie, telkens terzijde.[3] [4] [5] [6] Daarom nogmaals de vraag: hoe gaat de minister voorkomen dat een groot aantal koeien vroegtijdig naar de slacht zal worden afgevoerd uit vrees voor de hoge kosten van mestafzet?

Antwoord
Mijn inzet is erop gericht om een derogatie verleend te krijgen voor een termijn van vier jaar, zodat voor langere tijd duidelijk is wat het perspectief is voor boeren.

23
En dit terwijl de minister zelf ook verwacht dat de EC zal komen met een conceptderogatiebeschikking die "significant anders" zal zijn, zoals hij schrijft. Kan de minister deze verwachting nader toelichten? Op welke manier houdt de minister in zijn nieuwe perspectiefbrief over de toekomst van de landbouw rekening met de verwachte nieuwe situatie, zonder derogatie?

[3] Kamerstuk 33 037, nr. 349.
[4] Kamerstuk 33 037, nr. 359.
[5] Kamerstuk 33 037, nr. 403.
[6] Kamerstuk 33 037, nr. 441.

Antwoord
Ik verwacht begin september de Kamer nader te kunnen informeren over de inhoud van de conceptderogatiebeschikking. In de septemberbrief over de toekomst van de landbouw zal ik uiteraard ook ingaan op de derogatie. Ik kan daar nu niet op vooruitlopen.

24
Tot slot vragen de leden van de Partij voor de Dieren-fractie of de minister kennis heeft genomen van het plan van Rabobank, FrieslandCampina en Lely om met leningen en subsidie melkveehouders te laten investeren in mestverwerkers van Lely.[7] Melkveehouders worden zo opnieuw nog dieper in de schulden gelokt. Met grote minachting voor dit kabinet en haar plannen stelt de hoge baas van FrieslandCampina dat dit in hun ogen "een duurzamere en toekomstbestendigere oplossing is voor Nederland dan een dure uitkoopregeling". Kan de minister bevestigen dat de minister voor Natuur en Stikstof nu juist duidelijk heeft gemaakt dat maatregelen die nu worden genomen, vooruitlopend op de gebiedsgerichte aanpak, "no-regret" moeten zijn en niet moeten leiden tot lock-in effecten?[8] Op welke manier gaat de minister melkveehouders waarschuwen voor het doen van grote investeringen en het aangaan van nieuwe leningen, terwijl nog onduidelijk is of en hoe deze kunnen worden terugverdiend dan wel afgelost?

Antwoord
Ik heb kennisgenomen van de plannen van genoemde bedrijven. De minister voor Natuur en Stikstof heeft in haar brief van 15 juli 2022 (Kamerstuk 35925-XIV, nr. 161) gewezen op het belang van het voorkomen van lock-ineffecten bij (nieuwe) voorstellen die de uitvoering van het gebiedsprogramma later bemoeilijken. Dat neemt echter niet weg dat om de grote veranderopgaven het hoofd te bieden perspectiefvolle innovaties op het boerenerf nodig zijn en dat daar ook een versnelling op gewenst is. Het programma Innovatie op het Boerenbedrijf draagt hier aan bij door het stimuleren van kennisoverdracht; niet alleen over de technische aspecten maar ook over de financiële aspecten die samenhangen met die innovaties.

## Vragen en opmerkingen van de leden van de BBB-fractie

Het lid van de BBB-fractie heeft kennisgenomen van de brief over de stand van zaken onderhandelingen met de EC over derogatie van de Nitraatrichtlijn en heeft daarover nog enkele vragen.

25
Derogatieverlening is volgens het lid van de BBB-fractie uiterst belangrijk om te voldoen aan alle eisen die er tegenwoordig gesteld worden aan de landbouwsector. Het mogen inruilen van gebruiksruimte van kunstmest voor dierlijke mest draagt bij aan het sluiten van kringlopen, minder gasverbruik door minder kunstmestproductie, minder afvoer van bedrijven en dus minder vervoersbewegingen. Door de derogatievoorwaarden hebben derogatiebedrijven overwegend betere prestaties op het gebied van waterkwaliteit dan landbouwbedrijven zonder derogatie. De Nitraatrichtlijn schrijft voor dat er voorkomen moet worden dat drinkwaterbronnen verontreinigd worden met

[7] FD, 14 juli 2022, Rabo, FrieslandCampina en Lely bieden boeren samen mestverwerkers aan (https://fd.nl/bedrijfsleven/1445677/rabo-frieslandcampina-en-lely-bieden-boeren-samen-mestverwerkers-aan-lsg2cayg5hHd).
[8] Brief 15 juli 2022, 2022Z14127.

nitraten waarbij de nitraatnorm 50mg/l water is. Derogatiebedrijven voldoen in grote mate (95%) aan deze norm. In die zin kan gesteld worden dat het doel van de Nitraatrichtlijn grotendeels behaald wordt, dankzij derogatie(voorwaarden). Heeft de minister in beeld wat de verwachte gevolgen zijn voor de waterkwaliteit op het moment dat derogatie verloren zou worden en de 80% graslandeis vervalt?

Antwoord
Voor de milieukundige gevolgen van het verlies van derogatie verwijs ik het lid van de BBB-fractie naar mijn brief van 26 april jl. (Kamerstuk 33037, nr. 439).

26
Het lid van de BBB-fractie vindt het ook opmerkelijk dat doelen die buiten de scope van de Nitraatrichtlijn vallen nu gekoppeld worden aan derogatieverlening. Zijn er wettelijke grondslagen om andere opgaven die verder gaan dan de nitraatnorm van 50mg/l te koppelen aan de derogatie van de Nitraatrichtlijn? Of is het mogelijk dat iedere Europese richtlijn voorwaarden gaat stellen op gebieden waar die richtlijn niet voor ontworpen is?

Antwoord
Lidstaten kunnen een verzoek doen voor een derogatie. De Europese Commissie beoordeelt of een derogatie geen afbreuk doet aan de doelen van de Nitraatrichtlijn. De Nitraatrichtlijn heeft tot doel de waterverontreiniging die wordt veroorzaakt of teweeggebracht door nitraten uit agrarische bronnen te verminderen, en verdere verontreiniging van dien aard te voorkomen.[9] Op de positie van de Europese Commissie ben ik ingegaan in mijn antwoord op een soortgelijke vraag van de leden van de fracties van GroenLinks en PvdA.

27
De onderhandelingen met de EC en het Nitraatcomité verlopen de afgelopen jaren erg moeizaam. Het lid van de BBB-fractie vraagt daarom of er meer inzage gegeven kan worden in het verloop van de gesprekken van die onderhandelingen. Zijn er gespreksverslagen van deze gesprekken? Is de minister bereid om deze, als ze er zijn, te delen met de Kamer? Zo nee, waarom niet?

Antwoord
De correspondentie van gesprekken met de Europese Commissie kunnen niet openbaar worden gemaakt. Op de correspondentie met de Europese Commissie zijn de openbaarheidsregels van de Europese Unie van toepassing, alsook de geheimhoudingsverplichtingen die voortvloeien uit de Procedureverordening (EU-verordening 1049/2001 ('Eurowob') en (artikel 30 van de) Verordening (EU) 2015/1589 ('Procedureverordening').

28
Wat zegt de EC over het feit dat de nitraatnorm juist onder derogatiebedrijven gehaald wordt? Als het doel van de richtlijn gediend is met derogatie, wat is dan de onderbouwde argumentatie om er geen uitzondering op te verlenen?

Antwoord
De doelen van de Nitraatrichtlijn en de Kaderrichtlijn Water zijn ondanks de verbetering van de waterkwaliteit in de afgelopen decennia nog niet bereikt. Bovendien wordt de door de leden van de BBB-fractie genoemde norm gemiddeld

[9] Art. 1, Richtlijn 91/676/EEG van de Raad van 12 december 1991 inzake de bescherming van water tegen verontreiniging door nitraten uit agrarische bronnen.

niet gehaald op derogatiebedrijven op zandgronden in Oost- en Zuid-Nederland en lössgronden in Zuid-Limburg (RIVM-rapportage, 'Landbouwpraktijk en waterkwaliteit op landbouwbedrijven aangemeld voor derogatie in 2020', bijlage bij Kamerstuk 33037, nr. 445).
Op de positie van de Europese Commissie ben ik ingegaan in mijn antwoord op een soortgelijke vraag van de leden van de fracties van GroenLinks en PvdA.



29
Kan de minister wellicht een overzicht geven van de landen die op dit moment gebruik maken van derogatie, de voorwaarden waar zij aan moeten voldoen en een overzicht van de waterkwaliteitsnormen aldaar?

Antwoord
Voor het antwoord van deze vraag verwijs ik naar een soortgelijke vraag gesteld door de leden van de PVV-fractie.

30
In eerdere antwoorden van de minister staat: "De uitgevoerde Nationale analyse waterkwaliteit (Kamerstuk 27 625, nr. 497) en de Ex ante-analyse waterkwaliteit (Kamerstuk 27 625, nr. 555) wijzen uit dat dit van grensregio tot grensregio varieert. In het derde kwartaal van dit jaar zal de minister van Infrastructuur en Water, zoals toegezegd tijdens het Wetgevingsoverleg Water van 22 november 2021, uw Kamer hier uitgebreider over informeren.",[10] dit impliceert dat er wel degelijk verschillende normen voor waterkwaliteit gehandhaafd worden binnen lidstaten en dat er dus binnenstromend water vanuit grensregio's in Nederland níet aan de norm voldoet, waardoor dit bij de opgave van de Nederlandse landbouw wordt opgeteld. Is de minister het met dit lid eens dat dit een ongewenste situatie oplevert? Wat gaat de minister eraan doen om te voorkomen dat verontreiniging in water, dat vanuit grensregio's ons land binnenkomt, op conto van onze landbouw komt? Dit verdient volgens dit lid de hoogste prioriteit, zeker als derogatieverlening door het gedifferentieerd hanteren van normen in gevaar komt.

Antwoord
Het is juist dat er verschillende normen voor waterkwaliteit gehanteerd worden in lidstaten. Dat komt vooral omdat het over verschillende wateren gaat. Er horen andere vissen thuis in een meer dan in een rivier en dat stelt andere voorwaarden aan ondersteunende parameters, zoals nutriënten. Voor vergelijkbare wateren zijn de doelen voor vissen en waterplanten geharmoniseerd tussen lidstaten. Het klopt ook dat er desondanks verschillende normen voor ondersteunende parameters worden gehanteerd. Daarbij mag er geen afwenteling van problemen optreden en dient er voor bijvoorbeeld de concentratie nutriënten rekening gehouden te worden met de vereisten benedenstrooms. Dat is in aanvulling op de normen die een lidstaat zelf stelt. In de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 voor de Kaderrichtlijn Water (bijlage bij Kamerstuk 35325, nr. 5) zijn daarom de grenswateren vermeld met de actuele concentratie voor nutriënten in het water bij de grens en de norm die voor de Nederlandse waterlichamen geldt. De minister van IenW heeft de Kamer afgelopen najaar geïnformeerd over de wijze waarop hier de komende jaren aan gewerkt zal worden (Kamerstuk 27625, nr. 555).

[10] Kamerstuk 33037, nr. 438.

31
Is de minister het met dit lid eens dat de EC een afgebakende ruimte zou moeten hebben waarbij er niet voortdurend extra voorwaarden buiten de scope van de richtlijn worden toegevoegd?

Antwoord
De EU-Nitraatrichtlijn heeft tot doel de nitraatuitspoeling uit de landbouw en de eutrofiëring van oppervlaktewater door de landbouw te verminderen, en een verdere verontreiniging van grondwater en oppervlaktewater met nitraat uit de landbouw te voorkomen. De Europese Commissie beoordeelt of een derogatieverzoek van een lidstaat geen afbreuk doet aan de doelen van de Nitraatrichtlijn en kan in dat kader voorwaarden stellen aan de derogatie.

32
Het lid van de BBB-fractie constateert dat binnen de verschillende lidstaten verschillende omstandigheden heersen op het gebied van klimaat en bodem. Is de minister het met dit lid eens dat één generieke norm in heel Europa vanuit landbouwkundig oogpunt vrijwel onverdedigbaar is? Zijn hier gesprekken over met de EC? Is de minister bereid om te pleiten voor gedifferentieerde bemestingsnormen in de EU, afgestemd op lokale omstandigheden?

Antwoord
Lidstaten hebben verschillende bemestingsnormen voor fosfaat en stikstof afhankelijk van onder andere grondsoort en gewas. Enkel voor stikstof uit dierlijke mest bevat de Nitraatrichtlijn een algemene gebruiksnorm (maximaal 170 kg nitraat uit dierlijke mest per ha). Een lidstaat kan een onderbouwd verzoek indienen bij de Europese Commissie om daarvan af te wijken (derogatieverzoek).

33
Het lid van de BBB-fractie vraagt of de minister bekend is met het praktijkonderzoek naar aanleiding van de literatuurstudie 'Nitrate leaching from liquid cattle manure compared to synthetic fertilizer applied to grassland or silage maize in the Netherlands'? Uit het praktijkonderzoek blijkt dat uitspoeling van stikstof uit dierlijke mest (op uitspoelinggevoelige gronden) aanzienlijk lager is dan dat van kunstmest, zelfs bij een nog veel hogere stikstof uit dierlijke mest gift. Heeft de minister dit onderzoek bij de EC onder ogen gebracht? Zo ja, wat is de reactie? Zo nee, gaat de minister dit nog doen?

Antwoord
Het genoemde rapport betreft een literatuurstudie die voornamelijk ingaat op het verschil in werking tussen stikstofkunstmest (KAS) en runderdrijfmest. De studie geeft de seizoensverschillen in uitspoeling tussen stikstofkunstmest (KAS) en runderdrijfmest. Stikstofkunstmest wordt gebruikt tijdens het groeiseizoen zodat het meteen kan worden opgenomen. De studie geeft aan dat op dat moment, op korte termijn tijdens het groeiseizoen, kunstmest meer risico heeft om uit te spoelen dan runderdrijfmest. De reden hiervoor is dat runderdrijfmest organisch gebonden stikstof bevat dat pas later vrij kan komen en mogelijk uitspoelen na omzetting. Nog steeds kan de uitspoeling van runderdrijfmest verder in het seizoen optreden. De studie doet geen vergelijkende uitspraken over de algehele uitspoeling van kunstmest en runderdrijfmest. Dit onderzoek is niet aangeboden aan de Europese Commissie omdat het niet bijdraagt aan de onderbouwing van de derogatieaanvraag.

34
Is de minister het eens met het lid van de BBB-fractie dat verlies van derogatie kostprijsverhogend zou werken voor de bedrijven die gebruikmaken van derogatie en dit derhalve haaks staat op alle ambities met betrekking tot grondgebondenheid en andere opgaven?

Antwoord
Voor de gevolgen voor de mestmarkt van het verlies van derogatie verwijs ik het lid van de BBB-fractie naar mijn brief van 26 april jl. (Kamerstuk 33037, nr. 439).

35
Het verdienvermogen van de agrarische sector zou een speerpunt zijn van dit kabinet en het vorige, in de praktijk zien we regeling na regeling die dit verdienvermogen verder onderuit haalt, het GLB is ook slechts een herverdeling van geld en een sigaar uit eigen doos. Wanneer kan de minister de eerder toegezegde impact-analyse overleggen aan de Tweede Kamer?

Antwoord
Op 15 oktober 2021 is uw Kamer een economische analyse toegestuurd ten aanzien van het ontwerp 7e AP (Bijlage bij Kamerstuk 33037, nr. 404). Ik heb toegezegd uw Kamer in september te informeren over de invoering van grondgebondenheid en dan zal ik u eveneens informeren over de impactanalyse die ik uw Kamer daarover heb toegezegd. Ik ga bij dit antwoord ervan uit dat het lid van de BBB-fractie doelt op één van deze impactanalyses.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
14 juli 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22326132

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**

# nota

Aanpassingen brief aan de Staten-Generaal over stand van zaken van de derogatie van de Nitraatrichtlijn

**Parafenroute**

| | |
|---|---|
| **SG**<br>5.1.2.E | **PAV, MT-Lid**<br>5.1.2.E |
| **BPZ**<br>5.1.2.E | |

## Aanleiding

Minister LNV heeft op 13 juli 2022 de volgende opmerkingen bij de brief aan de Staten-Generaal over stand van zaken van de derogatie van de Nitraatrichtlijn geplaatst. Op basis hiervan zijn de brieven aan de Staten-Generaal aangepast.

## Advies

We willen u graag wijzen op de mogelijke consequenties:

- Op dit moment is meer informatie over de inhoud van de conceptderogatiebeschikking bekend als gevolg van de overleggen en schriftelijke correspondentie (mails) met de Europese Commissie in de periode eind juni en de eerste helft van juli 2022. Dat maakt dat op basis van wat nu bekend is de boodschap die medio juli aan beide Kamers wordt toegezonden niet evenwichtig is op basis van de beschikbare informatie.
- Er zijn inmiddels drie verzoeken op grond van de Wet Open Overheid en een Commissieverzoek ingediend over de correspondentie met de Europese Commissie en de Nederlandse overheidsorganen. Bij het openbaren van deze informatie zal duidelijk worden dat begin juli al bij LNV deze informatie bekend was.
- Niet uitgesloten kan worden dat deze zomer via de media meer informatie naar buiten kan komen over de inhoud en voorwaarden uit de derogatiebeschikking, zoals afgelopen week ook het geval was met een persbericht van de NOS over de afbouw van de derogatie. Als dat zou gebeuren, is de reactie hierop moeilijker.
- Wij hebben daarom een proceszin opgenomen zoals met u vanmorgen besproken.

Ontvangen BPZ

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22326132

- In de notitie voor de Ministerraad van 15 juli 2022 is een toelichting opgenomen voor de keuze nu alleen de Staten-Generaal over 2022 te informeren.

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** donderdag 25 augustus 2022 16:29
**Aan:** 5.1.2.E [redacted] ( 5.1.2.E [redacted]); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Tijdlijnnota - reactie MLNV
**Bijlagen:** Scan_20220825_133222_MFP-1341_stratingr.pdf

Zie bijgevoegd

65.a

21/8 5.1.2.e

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

TER INFORMATIE

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
23 augustus 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22424563

**BHM: 22426488**

# nota

Tijdspad brief over conceptderogatiebeschikking

**Parafenroute**

| DGA | PAV, 5.1.2.e | PAV, MT-lid |
|---|---|---|
| 5.1.2.e | 5.1.2.e | 5.1.2.E |

**BPZ**
5.1.2.E

In richten: communicatie helpdesk ect.

## Aanleiding

DG ENVI zal voorafgaand aan het geplande Nitraatcomité op 15 september aanstaande de conceptderogatiebeschikking met de Lidstaten delen. De verwachting is dat dit op korte termijn zal zijn. Zoals besproken op 23 augustus jl. is een tijdspad opgesteld voor de brief aan het parlement.

## Advies

MLNV en MNenS:

- U kunt kennis nemen van het tijdspad inclusief de voorziene stappen (dit tijdspad is uiteraard onder voorbehoud van actuele ontwikkelingen).

## Kernpunten

- 26 augustus:
  - Mondelinge toelichting in Ministerraad over stand van zaken conceptderogatiebeschikking. Hiertoe zal u aanvullend z.s.m. een spreeklijn toekomen.
  - In Ministerraad tevens aankondiging agendering brief aan Parlement in Ministerraad van 2 september – onder voorbehoud van uitkomst afstemming met de Europese Commissie/DG ENVI
- Weekendtas 26 augustus: conceptbrief over inhoud van de conceptderogatiebeschikking
- 29 en 30 augustus: voorleggen conceptbrief aan Europese Commissie/DG ENVI voor afstemming
- 2 september: agendering brief in Ministerraad (onder voorbehoud afstemming EC/DG ENVI)
- Ochtend 5 september informeren:
  - ~~Sectoren: LTO en NAJK~~
  - Natuurmonumenten zal worden geïnformeerd over het tijdstip van verzending van de brief
  - IPO

Ontvangen BPZ ?

waarom alleen Natuurmonumenten

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22424563

- Ruimte voor politieke sondering
- Middag/avond 5 september verzending brief aan Parlement
- 13 september Commissiedebat Mestbeleid

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** donderdag 25 augustus 2022 17:23
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** MR spreeklijn 26 augustus derogatie
**Bijlagen:** Spreeklijn MR 26 augustus 2022 over derogatie van de Nitraatrichtlijn v1.docx

Hoi 5.1.2.E

Hierbij de spreeklijn.

Groet,
5.1.2.E

**Spreeklijn MR 26 augustus 2022 over derogatie van de Nitraatrichtlijn**

- Voor het zomerreces heb ik in de Ministerraad toegelicht dat de gesprekken met de Europese Commissie, DG Milieu, plaatsvinden over de inhoud en voorwaarden van een derogatie van de Nitraatrichtlijn en medio juli zijn afgerond. Ik heb hierbij ook aangegeven dat dit ingewikkelde en moeizame gesprekken waren.
- In nauwe samenwerking met de MP en AZ hebben we de laatste onderhandelingen gevoerd.
- De Europese Commissie heeft de conceptbeschikking in de zomerperiode intern verder gebracht [interservice consultatie van andere DGs binnen de EC].
- Deze week heeft de Europese Commissie de conceptbeschikking ambtelijk met mijn departement gedeeld en heeft verzocht om (slechts) feitelijke onjuistheden door te geven aan de Europese Commissie.
- Op dit moment is niet duidelijk wanneer de conceptbeschikking met de Lidstaten zal worden gedeeld ten behoeve van het geplande Nitraatcomité op 15 september as.
- Ik zal, nadat de conceptbeschikking met de Lidstaten is gedeeld, en na afstemming met de Europese Commissie, de Eerste en Tweede Kamer informeren over de inhoud van de beschikking en de consequenties, zoals ik in juli aan beide Kamers heb toegezegd.
- Ik ben voornemens deze brief volgende week in de Ministerraad voor te leggen om aansluitend aan de Eerste en Tweede Kamer te sturen.
- Dit zal wel afhankelijk zijn van of we de beschikking van de Europese Commissie hebben ontvangen.

- Inhoudelijk zijn er geen grote aanpassingen met wat ik eerder in de Ministerraad heb gedeeld.
- De consequenties zullen groot en ingrijpend zijn en ik verwacht dat dit maatschappelijk en politiek tot ophef zal leiden.

- Het is de laatste derogatie van de Nitraatrichtlijn voor het plaatsen van onbewerkte dierlijke mest die aan Nederland wordt verleend. Vanaf 2026 zal Nederland geen derogatie meer aanvragen, omdat de EC helder heeft gemaakt dat deze niet meer zal worden verleend.
- Voor het jaar 2022 vindt geen verandering plaats in de hoogte van de derogatienorm (de zogenaamde 250/230).
- De derogatie kent vanaf 2023 een afbouwpad waarbij jaarlijks de hoogte van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest naar beneden wordt bijgesteld. Vanaf 1 januari 2026 is er geen derogatie meer en is de gebruiksnorm 170 kg gebruiksnorm stikstof uit dierlijke mest.
- Het afbouwpad dat de EC voorstelt gaat zo snel dat al na 2023 geen substantiële derogatie overblijft.
- De aanwijzing van zogenaamde 'polluted areas' in het kader van eutrofiëring van water (Kaderrichtlijn Water). Voor deze nog aan te wijzen gebieden zal het laagste derogatieregime gelden.
- In alle Natura 2000 gebieden wordt geen derogatie verleend. Vanaf 2024 vindt geen verlening van derogatie meer plaats 'nabij' de Natura 2000 gebieden. Die gebieden moeten nog worden aangewezen.
- Het niet verlenen van derogatie in voor nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden
- Het nationale mestproductieplafond voor stikstof en fosfaat worden graduele bijgesteld met 10%-reductie in 2025.
- De omvang van de graduele verlaging van de totale bemestingsnorm met 20% in 2025 in de aangewezen 'polluted areas'.
- Het percentage fysieke controles door de NVWA blijft op 5%.

- Op dit moment is nog geen duidelijkheid over:
- De omvang van de generieke bufferstroken langs waterlopen. Hiervoor wordt binnen het Gemeenschappelijk Landbouwbeleid een voorstel met DG Landbouw voorbereid. De uitkomst hiervan kan worden overgenomen in de conceptderogatiebeschikking.

**<u>Mogelijke vragen:</u>**

Hoe gaat u bij geen derogatie zorgen voor behoud van grasland?

- Boeren zullen naar verwachting niet al direct in 2023 en 2024 hun grasland gaan omzetten naar bouwland, omdat melkveehouders een aandeel grasland zullen willen behouden voor het beweiden en voeren van hun melkvee. En het afbouwpad voor derogatie zal naar verwachting nog steeds aantrekkelijk zijn voor melkveehouders om derogatie aan te vragen.
- Op grond van het Gemeenschappelijk Landbouw Beleid mag het aandeel blijvend grasland binnen het landbouwareaal van een lidstaat niet teveel dalen. Bij een daling van 5% of meer [ten opzichte van het referentiejaar 2012] dient dan ingegrepen te worden [omzetverbod en invoeren herstelplicht].
- Onderdeel van de uitwerking van een volledige grondgebonden melk- en rundveehouderij is een aandeel grasland van een bedrijf.

Hoe verhouden derogatie en het NPLG zich tot elkaar?

- De derogatie kent een ander tijdspad dan het NPLG.
- Bij de gesprekken over inhoud en voorwaarden van een derogatie heb ik samen met de Minister voor Natuur en Stikstof ook goed gekeken naar de effecten voor het NPLG. We hebben ook getracht bepaalde voorwaarden zoveel mogelijk in lijn te laten zijn met het NPLG, maar dat is lastig gebleken in de onderhandeling [denk aan polluted areas].
- Ook houden bepaalde aanvullende voorwaarden uit de conceptderogatiebeschikking direct verband met het NPLG. Denk bijvoorbeeld aan de actualisatie en bijstelling van de mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat.

Hoe verhoudt de timing van de verzending van deze brief zich tot de septemberbrief over het perspectief voor de landbouw?

- Deze brief moet op korte termijn uit, nadat de conceptderogatiebeschikking met de Lidstaten is gedeeld. Dat is ook wat ik aan beide Kamers heb toegezegd.
- In de planning voorzie ik de brief aan beide Kamers volgende week in de Ministerraad te agenderen, dit onder voorbehoud van de reactie en de afstemming met de Europese Commissie.
- Inhoud zal waarschijnlijk snel buiten bekend zijn na toezending van de stukken aan Lidstaten.
- Haakje naar perspectiefbrief zal opgenomen worden in de derogatiebrief.

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e
**Verzonden:** vrijdag 26 augustus 2022 09:03
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Antw: Medeparaaf gevraagd op Kamerbrief concept derogatiebeschikking - graag morgen 09:30

Hoi 5.1.2.E e.a,

Volgens mij is het punt waar je aandacht voor vraagt wel goed opgepakt in de brief, en dank voor je toelichting. We hebben zoals ik het begrijp nog de keuze hoe we de gebieden gaan aanwijzen. Ik neem aan dat dit ook voor de vervuilde gebieden geldt.

Is het nog een overweging om iets concreter te zijn wat je dan wanneer gaat doen in het NPLG? Kunnen we in de 14 oktober versie van het NPLG al richtinggevende uitspraken hierover doen? Of misschien nog concreter?

En fijn hoe in de laatste alinea staat opgenomen dat we kijken naar de effecten van de derogatie op de doelstellingen. Ik denk dat het heel helpend kan zijn als we het vervallen van de derogatie kunnen zien als een invulling van de wijze waarop de richtinggevende doelstellingen stikstof (en KRW) gehaald moeten worden, en niet als een extra opgave.

Groet Vera

5.1.2.e
5.1.2.E - secretariaat 5.1.2.e 5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 25 augustus 2022 om 19:55:38 CEST
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Medeparaaf gevraagd op Kamerbrief concept derogatiebeschikking - graag morgen 09:30

Dag 5.1.2.e,

Omwille van de vroege tas zou ik je alvast willen vragen of je medeparaaf zou kunnen geven op de eerste versie van bijgevoegde Kamerbrief, over de concept derogatiebeschikking. Bijgevoegd ook de begeleidende nota.

5.1.2.e en 5.1.2.E hebben me vandaag goed geholpen met inbreng vanuit DGS, maar omdat het lang heeft geduurd eer de inbreng van alle partijen verwerkt was staat er nog een punt open. Mogelijk kun jij ook een akkoord geven op dat punt. Het gaat om de vragen van 5.1.2.e in de versie met haar inbreng ten aanzien van de overgangsgebied en "niet-derogatie"-gebieden rondom N2000 gebieden.

Er lijkt wat verwarring te zijn ontstaan. Ik begrijp dat het idee is dat er los van de overgangsgebieden nog apart "niet-derogatie"-gebieden moeten worden aangewezen. De conceptbeschikking laat echter

expliciet de ruimte om die “niet-derogatie”-gebieden aan te wijzen in het kader van het NPLG. Deze gebieden kunnen dus juist als “tool” dienen voor de overgangsgebieden.

Het is ook een optie om dit na de inbreng van de ministers verder aan te passen, want de brief dient sowieso nog aangepast te worden aan de definitieve beschikking.

Hoe dan ook dank!
Met vriendelijke groet,
5.1.2.E
*Beleidsmedewerker Mest*
.....
**Directie Plantaardige Agroketens & Voedselkwaliteit**
**Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit**
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag | A-Noord 4
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
M: 5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e
**Verzonden:** vrijdag 26 augustus 2022 09:31
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Antw: Medeparaaf gevraagd op Kamerbrief concept derogatiebeschikking - graag morgen 09:30

Formeel akkoord!

5.1.2.e
[redacted]
5.1.2.E - secretariaat 5.1.2.e 5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 26 augustus 2022 om 09:16:02 CEST
**Aan:** 5.1.2.E (Vera) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Antw: Medeparaaf gevraagd op Kamerbrief concept derogatiebeschikking - graag morgen 09:30

Dag 5.1.2.e,

Dank, dat klopt inderdaad.

Wat betreft je suggestie om nog concreter te zijn denk ik dat dat voor de versie die nu in de weekendtas moet te kort dag is om dat afgestemd te krijgen. Wellicht dat dit in de versie van volgende week kan, ik heb in ieder geval maandag al een kort momentje staan om er even over te brainstormen met het transitieteam van PAV. De link zal toch op enig moment moeten worden gelegd.

Als je je daar in kan vinden dan graag nog even een formeel akkoord

Groeten,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** vrijdag 26 augustus 2022 09:03
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E F.I. ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Antw: Medeparaaf gevraagd op Kamerbrief concept derogatiebeschikking - graag morgen 09:30

Hoi 5.1.2.E e.a,

Volgens mij is het punt waar je aandacht voor vraagt wel goed opgepakt in de brief, en dank voor je toelichting. We hebben zoals ik het begrijp nog de keuze hoe we de gebieden gaan aanwijzen. Ik neem aan dat dit ook voor de vervuilde gebieden geldt.

Is het nog een overweging om iets concreter te zijn wat je dan wanneer gaat doen in het NPLG? Kunnen we in de 14 oktober versie van het NPLG al richtinggevende uitspraken hierover doen? Of misschien nog concreter?

En fijn hoe in de laatste alinea staat opgenomen dat we kijken naar de effecten van de derogatie op de doelstellingen. Ik denk dat het heel helpend kan zijn als we het vervallen van de derogatie kunnen zien als een invulling van de wijze waarop de richtinggevende doelstellingen stikstof (en KRW) gehaald moeten worden, en niet als een extra opgave.

Groet [redacted]

[redacted]

[redacted] - secretariaat Anjalie Ramdjiawan [redacted]

---

**Van:** [redacted] ([redacted]) <[redacted]@minlnv.nl>
**Datum:** 25 augustus 2022 om 19:55:38 CEST
**Aan:** [redacted]) <[redacted]@minlnv.nl>
**CC:** [redacted] ) <[redacted]@minlnv.nl>, [redacted] ) <[redacted]@minlnv.nl>, [redacted] ([redacted]) <[redacted]@minlnv.nl>, [redacted] ([redacted]) <[redacted]@minlnv.nl>
**Onderwerp:** Medeparaaf gevraagd op Kamerbrief concept derogatiebeschikking - graag morgen 09:30

Dag [redacted],

Omwille van de vroege tas zou ik je alvast willen vragen of je medeparaaf zou kunnen geven op de eerste versie van bijgevoegde Kamerbrief, over de concept derogatiebeschikking. Bijgevoegd ook de begeleidende nota.

Tine en [redacted] hebben me vandaag goed geholpen met inbreng vanuit DGS, maar omdat het lang heeft geduurd eer de inbreng van alle partijen verwerkt was staat er nog een punt open. Mogelijk kun jij ook een akkoord geven op dat punt. Het gaat om de vragen van Tine in de versie met haar inbreng ten aanzien van de overgangsgebied en "niet-derogatie"-gebieden rondom N2000 gebieden.

Er lijkt wat verwarring te zijn ontstaan. Ik begrijp dat het idee is dat er los van de overgangsgebieden nog apart "niet-derogatie"-gebieden moeten worden aangewezen. De conceptbeschikking laat echter expliciet de ruimte om die "niet-derogatie"-gebieden aan te wijzen in het kader van het NPLG. Deze gebieden kunnen dus juist als "tool" dienen voor de overgangsgebieden.

Het is ook een optie om dit na de inbreng van de ministers verder aan te passen, want de brief dient sowieso nog aangepast te worden aan de definitieve beschikking.

Hoe dan ook dank!
Met vriendelijke groet,
[redacted]
*Beleidsmedewerker Mest*
.....
**Directie Plantaardige Agroketens & Voedselkwaliteit**

**Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit**
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag | A-Noord 4
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
M: 5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** vrijdag 26 augustus 2022 16:17
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ; 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Reactie MNenS op tijdlijn derogatie
**Bijlagen:** Scan_20220826_161440_MFP-1342_stratingr.pdf

Zie bijgevoegd

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

25/8/22
5.1.2.e

TER INFORMATIE

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Aan de Minister voor Natuur en Stikstof

2/4 mr = direct daarna communiceren!

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Datum**
23 augustus 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22424563

**BHM: 22426488**

# nota

Tijdspad brief over conceptderogatiebeschikking

**Parafenroute**

| | | |
|---|---|---|
| **DGA**<br>5.1.2.e | **PAV,** 5.1.2.e<br>5.1.2.e | **PAV, MT-lid**<br>5.1.2.E |
| **BPZ**<br>5.1.2.E | | |

## Aanleiding

DG ENVI zal voorafgaand aan het geplande Nitraatcomité op 15 september aanstaande de conceptderogatiebeschikking met de Lidstaten delen. De verwachting is dat dit op korte termijn zal zijn. Zoals besproken op 23 augustus jl. is een tijdspad opgesteld voor de brief aan het parlement.

## Advies

MLNV en MNenS:

- U kunt kennis nemen van het tijdspad inclusief de voorziene stappen (dit tijdspad is uiteraard onder voorbehoud van actuele ontwikkelingen).

## Kernpunten

- 26 augustus:
  - Mondelinge toelichting in Ministerraad over stand van zaken conceptderogatiebeschikking. Hiertoe zal u aanvullend z.s.m. een spreeklijn toekomen.
  - In Ministerraad tevens aankondiging agendering brief aan Parlement in Ministerraad van 2 september – onder voorbehoud van uitkomst afstemming met de Europese Commissie/DG ENVI
- Weekendtas 26 augustus: conceptbrief over inhoud van de conceptderogatiebeschikking
- 29 en 30 augustus: voorleggen conceptbrief aan Europese Commissie/DG ENVI voor afstemming
- 2 september: agendering brief in Ministerraad (onder voorbehoud afstemming EC/DG ENVI)
- Ochtend 5 september informeren:
  - Sectoren: LTO en NAJK
  - Natuurmonumenten zal worden geïnformeerd over het tijdstip van verzending van de brief
  - IPO

niet!

Ontvangen BPZ

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens
en Voedselkwaliteit

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22424563

- Ruimte voor politieke sondering
- Middag/avond 5 september verzending brief aan Parlement
- 13 september Commissiedebat Mestbeleid

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E)
**Verzonden:** maandag 29 augustus 2022 14:01
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E [redacted]; 5.1.2.E 5.1.2.E)
**Onderwerp:** Opmerkingen mlnv bij derogatiebrief weekendtas
**Bijlagen:** Scan_20220829_135226_MFP-1342_steenhoveng.pdf

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

28/8 70.a 5.1.2.e
5.1.2.e

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
De Minister voor Natuur en Stikstof

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E s@minlnv.nl

**Datum**
25 augustus 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22432168

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**
1

# nota

Nota Kamerbrief conceptderogatiebeschikking

**Parafenroute**

| | | |
|---|---|---|
| **DGA** 5.1.2.e | **PAV,** 5.1.2.e 5.1.2.e | **PAV, MT-lid** 5.1.2.E |
| **WJZ** 5.1.2.e 5.1.2.E | **DG Stikstof,** 5.1.2.e 5.1.2.e | **RVO,** 5.1.2.e 5.1.2.E |
| BPZ | | |

brief moet qua toon + inhoud aangepast zie opm

## Aanleiding

Op maandag 22 augustus j.l. heeft de Europese Commissie (hierna: EC) een conceptderogatiebeschikking van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 met NL gedeeld. Naar aanleiding hiervan is een Kamerbrief opgesteld welke ingaat op de inhoud van deze conceptbeschikking. Gezien de vertrouwelijke aard van de conceptbeschikking wordt de brief pas nadat de conceptbeschikking als agendastuk voor het aanstaande nitraatcomité aan de lidstaten is verstuurd, aan de Tweede Kamer gezonden.

## Advies

- U kunt uw inbreng leveren op de concept Kamerbrief.
- Na het ontvangen van de definitieve beschikking en afstemming met de EC zult u verder worden geadviseerd – ook over het al dan niet accepteren van de derogatie - en zal de brief – waarin uw input, die van uw collega en de input vanuit de EC is verwerkt - opnieuw aan u worden voorgelegd voor verzending aan de ministerraad en uiteindelijk ter ondertekening.
- De brief kan pas worden verstuurd nadat de EC de conceptbeschikking voor het Nitraatcomité van 15 september aan de lidstaten heeft toegezonden.

## Kernpunten

- In tegenstelling tot de voorgaande derogatiebeschikking bevat deze beschikking een groot aantal generieke voorwaarden die betrekking hebben op landbouwer in Nederland ongeacht of zij gebruik maken van de derogatie.
- De brief gaat in op de generieke voorwaarden van de conceptbeschikking en op de specifiek voor derogatiebedrijven geldende voorwaarden. Deze zijn op

Ontvangen BPZ

dinsdag 23 augustus 2022 met u besproken. De generieke voorwaarden die in de brief terugkomen zijn:

- De nationale mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat over het jaar 2002 worden geactualiseerd naar het jaar 2020. U meldt in de brief dat deze vanaf 1 januari 2024 in de Meststoffenwet kunnen worden geborgd. Er vindt een graduele bijstelling van deze plafonds plaats met 10%-reductie in 2025.
- In alle Natura 2000 gebieden en in nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden wordt vanaf PM geen derogatie verleend.
- Geen verlening van derogatie per 1 januari 2024 'nabij' de Natura 2000 gebieden zoals gedefinieerd in het Nationaal Programma Landelijk Gebied, en waarvan de omvang van de bufferzones rond Natura 2000 zal worden gespecificeerd in 2023.
- De aanwijzing van zogenaamde 'polluted areas' in het kader van eutrofiëring (Kaderrichtlijn Water) vanaf inwerkingtreding van de beschikking. De aangewezen 'polluted areas' worden in de periode tot 1 januari 2024 steeds verder uitgebreid. In 2022 zijn dat de huidige centrale en zuidelijke zandgronden en de lössgronden waarvoor in afgelopen jaren de 230 kg-derogatienorm gold. In 2023 komen daar de gebieden rond waterlichamen die in de landelijke analyse van de waterkwaliteit (2020) van het Planbureau voor de Leefomgeving (PBL) voor nutriënten als onvoldoende (slecht, ontoereikend en matig) zijn gekwalificeerd bij. De definitieve aanwijzing per 1/1/24 dient in elk geval alle voorgaande gebieden te omvatten. In de aangewezen 'polluted areas' is vanaf inwerkingtreding van de conceptbeschikking het volgende van toepassing:
  - het derogatieregime van 230 kg/ha-en het daarbij behorende afbouwpad;
  - Een graduele verlaging van de totaal te gebruiken meststoffen tot 20% vanaf 1 januari 2025
- 
- De omvang van de generieke bufferstroken. Onderhandelingen lopen nu gelijktijdig via GLB/NSP met DG AGRI (DG AGRI stemt deze weer af met DG ENVI). De uitkomsten hiervan worden opgenomen in de conceptbeschikking. De brief zal daarop worden aangevuld.
- Het niet verlenen van derogatie in voor nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden vanaf PM.

- De specifieke voorwaarden (dus alleen geldend voor de derogatiebedrijven) zijn grotendeels gelijk als in de vorige derogatiebeschikking inclusief de voorwaarde van 5% fysieke controles door de NVWA op derogatiebedrijven.

- In de brief wordt aangegeven dat ondernemers met vragen terecht kunnen bij RVO waarvoor een telefoonnummer wordt gegeven.
- In de brief wordt kort aandacht besteed aan de consequenties voor de sector van deze eisen aan de derogatie en het feit dat dit grote impact heeft op individuele bedrijven en de sector in het geheel.
- Verder wordt in de brief kort aandacht besteed aan een mogelijke afname van het areaal grasland en de daaropvolgende noodzaak tot passende maatregelen, ook in het kader van een volledig grondgebonden melk- en rundveehouderij.
- Doordat er nog (beleidsmatige) onduidelijkheden zijn, over bijvoorbeeld de bufferstroken, kan de impact voor de regelgeving, de uitvoering en de

werkbaarheid voor de sector nog niet volledig worden overzien. Dat raakt ook de voorbereiding op de uitvoering van de derogatie door RVO.

- Tevens wordt benoemd dat Nederland een landenspecifieke oplossing voor RENURE in april 2022 heeft gedaan, maar dat de gesprekken hierover in een later stadium worden voortgezet. U heeft hiermee invulling gegeven aan de motie van de BBB, SGP en CDA op dit punt.
- Aanvullend beschrijft de brief het verdere proces van het formeel verlenen van de beschikking. Daarbij wordt aangegeven dat de Kamer op een later punt geïnformeerd zal worden over de benodigde wijzigingen van regelgeving en het tijdspad daarbij.
- Op 23 augustus 2022 is een reactie op feitelijke onjuistheden aan de EC/ENVI verstuurd. Hierop is op dit moment nog geen reactie ontvangen en op een aantal punten is nog onduidelijkheid over het jaar van inwerkingtreding van bepaalde vereisten.
- Zoals u per eerdere nota bent geïnformeerd is voorzien deze brief voor instemming voor te leggen in de Ministerraad van 2 september a.s.
- Ambtelijk heeft afstemming over de inhoud en proces plaatsgevonden met het ministerie van IenW.

**Communicatie**

Het is belangrijk, naast het informeren van de Kamerleden, dat ook de landbouwsectoren en de pers geïnformeerd worden. De volgende communicatieaanpak is voorzien indien de conceptbeschikking als agendastuk voor het aanstaande Nitraatcomité is verzonden aan de lidstaten:

- Bij het versturen van de Kamerbrief maakt Directe Communicatie een nieuwsbericht (met een persoonlijke quote), berichten voor social media (eventueel voorzien van zogenaamde Twitter-cards en/of een infovisual), woordvoeringslijn en Q&A's.
- Een concept-woordvoeringslijn voor het geval informatie eerder naar buiten komt, wordt voorbereid. U wordt hier op de gebruikelijke wijze door de woordvoerders in begeleid.
- Mits de conceptbeschikking als agendatstuk voor het komende Nitraatcomité is verzonden, zal direct na de Ministerraad op 2 september en uw ondertekening direct aansluitend de informatie naar de Kamer worden gestuurd. Dan staat u ook de pers te woord (na de persconferentie van de MP)
- Een optie is om op een later te bepalen tijdstip nog een technische briefing voor journalisten te organiseren. Collega's van beleid geven dan een presentatie en er is ruimte om vragen te stellen. Belangrijk dat we daarin aandacht hebben voor zowel de inhoud als het proces om tot derogatiebeschikking te komen.
- Wij wegen nog af of wij enige tijd na publicatie van de Kamerbrief een webinar organiseren voor agrarisch ondernemers waarin zij vragen kunnen stellen over de conceptderogatiebeschikking. Inhoud zal worden verzorgd door beleidscollega's van LNV en een derogatie-expert van RVO.
- U ontvangt later van DC een uitgebreid voorstel op de communicatiemiddelen.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

- brief aanpassen aan actualiteit.
- fastforce

De Tweede Kamer der Staten-Generaal
Postbus 20018
2500 EA Den Haag

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22412594

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

- skuiye Jurid.
- alle middelen
- ect ect.

Datum
Betreft Conceptbeschikking derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

In de afgelopen maanden heb ik u met regelmaat geïnformeerd over het proces van verlening van een derogatie van de Nitraatrichtlijn (onder andere Kamerstukken II 2021/'22, 33037, nr. 439, 446 en 448). Er is intensief overleg gevoerd met de Europese Commissie (hierna: EC) op bestuurlijk en ambtelijk niveau over de inhoud en voorwaarden van een derogatie.

Dit heeft ertoe geleid dat de EC op 15 september 2022 voornemens is een voorstel voor een conceptbeschikking voor een derogatie van de Nitraatrichtlijn aan Nederland ter stemming aan de lidstaten te agenderen in het dan geplande Nitraatcomité op 15 september 2022. Ten behoeve van het Nitraatcomité[1] is de inhoud van de conceptderogatiebeschikking met de lidstaten gedeeld.

Met deze brief informeer ik de Tweede Kamer over de inhoud van deze beschikking. Daarbij schets ik de context waarbinnen de EC deze conceptbeschikking heeft opgesteld en ga ik in op zowel de generieke voorwaarden die de EC aan Nederland en Nederlandse landbouwers stelt als de voorwaarden die van toepassing zijn op derogatiebedrijven. Tot slot licht ik toe hoe het verdere proces rondom de conceptbeschikking eruit ziet.

**Milieudoelstellingen en de conceptbeschikking**
Voordat ik inga op de inhoud van de conceptbeschikking schets ik de achtergrond waarbinnen de gesprekken met de EC hebben plaatsgevonden over de inhoud en voorwaarden van een derogatie. De EC volgt zeer nauwgezet de Nederlandse milieutoestand in den brede en de waterkwaliteit in het bijzonder. De hoofddoelstelling van de Nitraatrichtlijn is immers waterverontreiniging veroorzaakt door nitraten uit agrarische bronnen te verminderen en te voorkomen. Daarbij weegt de EC nadrukkelijk mee dat de waterkwaliteit in Nederland weliswaar gemiddeld verbetert, maar dat het tempo te laag ligt en er voor bepaalde parameters en gebieden sprake is van een verslechtering. Hierbij gaat het om nitraatgehalte in grondwater op zand- en lössgronden en de oppervlaktewaterkwaliteit in veel sloten. Om verdere verslechtering te voorkomen is het daarom van belang dat er daadwerkelijk een verbetering op gaat treden. De transitie van het landelijk gebied, zoals beoogd met het Nationaal Programma Landelijk Gebied (hierna: NPLG), heeft ook een verbetering van de waterkwaliteit tot doel.

[1] Aan het Nitraatcomité neemt een ambtelijke vertegenwoordiging van elk van de lidstaten deel.

**Directoraat-generaal**
**Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22412594

In het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en het addendum hierop (Kamerstukken II, 33037, nr. 431 en 434) heeft Nederland reeds maatregelen ten behoeve van de grond- en oppervlaktewaterkwaliteit opgenomen, die door de EC zijn gewogen bij de inhoud en voorwaarden die zij aan een derogatie aan Nederland stelt. Gegeven de hierboven toegelichte achtergrond heeft de EC stevige aanvullende voorwaarden opgenomen in de conceptderogatiebeschikking.

Zoals ik in voornoemde brieven heb aangegeven plaatst de EC een derogatieverlening uitdrukkelijk ook in het licht van de afspraken in het coalitieakkoord, de transitie van de landbouw en de impact van de landbouw op het landelijk gebied. Het zicht op het halen van de doelen voor natuur (stikstof), klimaat en waterkwaliteit (voor wat de landbouwopgave betreft), waarvoor het kabinet ondermeer het NPLG inzet, is daarbij een belangrijke toetssteen. De EC beziet deze verlening van derogatie daarnaast in de bredere Europese context van de Green Deal en doelstellingen van de van Boer tot Bord strategie waaronder de vermindering van nutriëntenverliezen in 2030 met 50% leidend tot een afname van 20% van de toepassing van meststoffen.

Mijn inzet is altijd geweest ondernemers rechtszekerheid voor een langere periode te kunnen bieden. Mede om deze reden is de looptijd van de conceptbeschikking langer dan de vorige, namelijk vier jaar, te weten van 2022 tot en met 2025. Daar tegenover staat dat de conceptbeschikking voor 2022 tot en met 2025 de laatste derogatie voor graasdiermest zal zijn die aan Nederland zal worden verleend. Vanaf 2026 is de stikstofgebruiksnorm uit dierlijke mest 170 kg per hectare. De conceptbeschikking voorziet daarbij vanaf 2023 in een stapsgewijze, jaarlijkse afbouw van de omvang van de extra plaatsingsruimte voor graasdiermest bovenop de norm van 170 kg stikstof per hectare en stelt aanvullende voorwaarden. De hoogte van de derogatie is de komende jaren als volgt, waarbij ik in de volgende paragraaf inga op de aanwijzing van door nutriënten verontreinigde gebieden.

| | Hoogte derogatienorm in door nutriënten verontreinigde gebieden | Hoogte derogatienorm overige gebieden |
|---|---|---|
| 2022 | 230 kg/N/ha[2] | 250 kg/N/ha |
| 2023 | 220 kg/N/ha | 240 kg/N/ha |
| 2024 | 210 kg/N/ha | 230 kg/N/ha |
| 2025 | 190 kg/N/ha | 200 kg/N/ha |
| 2026 | Geen derogatie | Geen derogatie |

Ik ben me er van bewust dat dit een zeer ingrijpende ontwikkeling voor de agrarische sector in Nederland is en dat deze voor individuele bedrijven en voor de agrarische sector als geheel grote consequenties heeft.

[2] In 2022 gaat het om het centrale en zuidelijke zandgebied en in het lössgebied overeenkomstig de voorgaande aan Nederland verleende derogatiebeschikkingen

## Inhoud van de conceptbeschikking

### *Generieke voorwaarden conceptbeschikking*

Allereerst is het van belang te duiden dat deze conceptbeschikking, meer dan eerdere beschikkingen, voorwaarden bevat die gelden voor de Nederlandse landbouw als geheel. Sommige van deze voorwaarden gelden dus ook voor boeren die niet deelnemen aan de derogatie. Dit geldt in het bijzonder voor de hieronder genoemde voorwaarden.

*Aanwijzing vervuilde gebieden*

De uitspraak van het Europese Hof van Justitie in een zaak tegen Duitsland[3] heeft geleid tot de opname van de bepaling dat Nederland voor 1 januari 2024 zogenaamde door nutriënten vervuilde gebieden moet aanwijzen waarvan het grondwater en/of oppervlaktewater verontreinigd zijn met nutriënten (nitraat en fosfor) uit agrarische bronnen of het risico lopen hiermee verontreinigd te worden. Als overgangsmaatregel en totdat de nieuwe aanwijzing per 1 januari 2024 zal gelden, worden de huidige "230-gebieden" (ofwel de zuidelijke en centrale zandgronden en lössbodems) beschouwd als door nutriënten verontreinigde gebieden. Per 1 januari 2023 zullen de gebieden rond waterlichamen die in de landelijke analyse van de waterkwaliteit (2020) van het Planbureau voor de Leefomgeving (PBL) voor nutriënten als onvoldoende (slecht, ontoereikend en matig) zijn gekwalificeerd ook onder deze aanwijzing vallen. De in 2023 aangewezen gebieden dienen in elk geval per 1 januari 2024 onder de definitieve aanwijzing te vallen. Deze gebieden zullen vervolgens ook onder het "230-regime" vallen.

In door nutriënten vervuilde gebieden zal vanaf 2023 de laagste derogatienorm gelden. Dit kan betekenen dat een gebied waarvoor in 2022 het 250-regime geldt, in 2023 in het regime voor door nutriënten verontreinigde gebieden kan vallen waarvoor de laagste derogatienorm geldt.
Wat de conceptbeschikking voorschrijft over door nutriënten vervuilde gebieden betreft een nieuwe bepaling, die ik zorgvuldig zal uitwerken, omdat de gevolgen voor individuele bedrijven groot kunnen zijn. Ik zal de Tweede Kamer op korte termijn informeren over de wijze waarop ik hieraan uitvoering zal geven.

Voor de door nutriënten vervuilde gebieden stelt de conceptbeschikking een aanvullende voorwaarde. Eerder in deze brief heb ik toegelicht dat de doelstelling uit de Green Deal, ten aanzien van een vermindering van nutriëntenverliezen in 2030 met 50% en leidend tot een afname van 20% van de toepassing van meststoffen, een belangrijk uitgangspunt voor de EC is. Dit heeft ertoe geleid dat in de conceptbeschikking een bepaling is opgenomen dat het gebruik van meststoffen, door zowel derogatiebedrijven als niet derogatiebedrijven, in 2025 generiek met 20% verlaagt dienen te worden in deze aangewezen door nutriënten verontreinigde gebieden. Ook deze voorwaarde zal ik de komende tijd verder uitwerken.

*Mestproductieplafonds*

Sinds 2006 is de mestproductie door de veehouderij in Nederland gemaximeerd op 172,9 miljoen kilogram fosfaat en 504,4 miljoen kg stikstof. Deze plafonds

[3] Judgment of the Court of 21 June 2018, European Commission v Federal Republic of Germany, C-543/16, ECLI:EU:C:2018:481.

komen overeen met de productiecijfers over het jaar 2002. Deze productieplafonds zijn vastgelegd in de Meststoffenwet. In de conceptbeschikking is een actualisering van deze nationale mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat opgenomen naar de waarden van 2020. Dit betekent een bijstelling van de nu geldende productieplafonds naar 150,7 miljoen kg fosfaat en 489,4 miljoen kg stikstof. Dit is een verlaging. Er vindt vervolgens een graduele reductie van 10% plaats op de bijgestelde plafonds in 2025. De Meststoffenwet zal daarom hierop worden gewijzigd.

*Bufferstroken*
PM - onderhandeling loopt nog

*Geen derogatieverlening in specifieke gebieden*
Vanaf PM is het niet meer mogelijk dat bedrijven in grondwaterbeschermingsgebieden en in Natura-2000 gebieden een derogatievergunning aanvragen. Vanaf 2024 kan dit ook gelden voor bedrijven in een zone rondom Natura-2000 gebieden. De aanwijzing van deze zone dient nog te worden vastgesteld waarbij het NPLG leidend is. Daarnaast zal voor grondwaterbeschermingsgebieden die door nutriënten worden verontreinigd per 1 januari 2024 een pakket van verplichtende maatregelen moeten gelden. De uitwerking hiervan zal in samenhang met het NPLG plaatsvinden.

*Overig*
Ten aanzien van de handhaving zal de uitvoering van de versterkte handhavingsstrategie mest worden vervolgd. De Peel, de Gelderse Vallei en Twente zijn eerder aangewezen als risicogebieden. De strategie dient te worden uitgebreid met regio's waarvoor de risicobeoordeling laat zien dat er sprake is van een hoog risico op bewuste niet-naleving. Onderdeel van de VHS is het realtime verantwoorden van dierlijke mest (rVDM), waarop in de afgelopen jaren reeds een grote inspanning is gedaan. Deze verantwoording dient 1 januari 2023 in te gaan. Voor zowel derogatie- als niet derogatiebedrijven zal gelden dat zij jaarlijks voorafgaand aan het groeiseizoen een bemestingsplan moeten opstellen.
Per 2024 dient een elektronisch bemestingsregister in werking te zijn waarin de toepassing van meststoffen en productie van mest is opgenomen. Alle bedrijven dienen per 2025 gebruik te maken van dit systeem.

***Voorwaarden derogatiebedrijven***
Tevens stelt de conceptbeschikking specifieke voorwaarden aan deelnemende bedrijven die gebruik maken van de derogatie. Deze voorwaarden zijn vrijwel hetzelfde als de voorwaarden die op basis van de vorige beschikking golden. Dit betekent onder andere dat tenminste 80% van het areaal van derogatiebedrijven uit grasland bestaat, dat een landbouwer geen fosfaat uit kunstmest mag gebruiken, en dat een landbouwer een bemestingsplan moet opstellen en bijhouden. Nieuw is dat de verplichting tot de teelt van gras of bodembedekkers na maïs gaat gelden voor de door nutriënten vervuilde gebieden (in plaats van voor zand- en lössgrond). Ook de voorwaarden voor het vernietigen van graszode op zand- en lössgrond zijn aangepast.
Uiteraard moeten derogatiebedrijven zich onverkort houden aan de gebruiksnormen voor fosfaat en totaalstikstof zoals deze zijn vastgelegd in de Meststoffenwet.

Positieve SUP.
kunstkunst / offensief pept
belang van ect

**Kunstmestvervanging door dierlijke mest**
De afgelopen jaren heeft Nederland zich zeer actief ingezet voor het mogelijk maken van vervanging van kunstmest door hoogwaardige producten uit dierlijke mest binnen de Nitraatrichtlijn. Nederland heeft in april 2022 een aanvraag voor een landen-specifieke oplossing voor het gebruik van deze producten boven de gebruiksnorm dierlijke mest ingediend bij de EC, mede naar aanleiding van de motie Van der Plas, Bisschop en Boswijk (Kamerstukken 21501-32, nr. 1403). Dit maakte deel uit van de onderhandelingen met de EC over de derogatie voor graasdiermest. De EC heeft deze aanvraag nu niet in behandeling willen nemen en beschouwt kunstmestvervanging als een separaat traject. Ik blijf mij intensief inzetten voor kunstmestvervanging door dierlijke mest in Europees verband en ook met andere lidstaten.

**Eerste beoordeling impact van de conceptderogatiebeschikking**
Ik ben mij er zeer van bewust dat de generieke voorwaarden, het geleidelijke afbouwpad en het verlies van derogatie vanaf 2026 aanmerkelijke gevolgen hebben voor de agrarische sector. Voor zowel de derogatiebedrijven als niet-derogatiebedrijven zal deze conceptderogatiebeschikking een grote impact inhouden. Derogatiebedrijven krijgen in de komende jaren te maken met een afname van de mestplaatsingsruimte voor dierlijke mest op hun bedrijf die effect zal hebben op hun bedrijfsvoering. Hierbij zullen verschuivingen op de mestmarkt gaan optreden in Nederland en zal de afzet van mest buiten Nederland toenemen. Derogatiebedrijven zullen meer mest moeten laten afvoeren, wat kosten met zich brengt en dit zal invloed hebben op de mestmarkt in bredere zin. Ik verwijs hiervoor ook naar voornoemde brief van 26 april 2022. De aanwijzing van de door nutriënten verontreinigde gebieden per 1 januari 2023 en de zones rondom Natura-2000 per 1 januari 2024 zullen gevolgen hebben voor de mestplaatsingsruimte van dierlijke mest voor bedrijven die onder deze aanwijzing of in deze zone vallen. Op dit moment is nog niet duidelijk welke gebieden dit betreft. Niet-derogatiebedrijven krijgen onder meer te maken met aanvullende voorwaarden ten aanzien van de registratie van hun mestboekhouding.

Daarnaast gaf de derogatiebeschikking in het verleden een stevige impuls aan het areaal grasland. Een bedrijf dat gebruikt maakt van de derogatie moet op tenminste 80% van het areaal grasland telen. Daarmee draagt de beschikking bij aan de kwaliteit van het (grond)water. Een derogatie met een afbouwpad kan ertoe leiden dat jaarlijks steeds minder bedrijven gebruik willen maken van de mogelijkheid tot derogatie. Het areaal grasland kan hierdoor afnemen. Met het oog op de verbetering van de waterkwaliteit vind ik het van belang om dit areaal op peil te houden. Voor de langere termijn onderzoek ik op welke wijze ik dit kan betrekken bij de uitwerking van een volledige grondgebonden melk- en rundveehouderij. Voor de kortere termijn bezie ik of het nodig is passende maatregelen te treffen met het oog op het behoud van het grasland. Ik zal de Tweede Kamer op een later moment informeren over de verdere uitwerking en het beoogde tijdspad van de uitwerking.

De Tweede Kamer heeft in het Schriftelijk Overleg van 15 augustus j.l. (Kamerstukken II, 2021/22, 33037, nr 448) enkele vragen gesteld die ik zonder

deze conceptbeschikking niet heb kunnen beantwoorden. Ik ga er vanuit dat deze met deze brief beantwoord zijn.

Ik kan mij voorstellen dat boeren veel vragen hebben naar aanleiding van deze brief. De Rijksdienst voor Ondernemend Nederland (hierna: RVO) zal onder andere via de website (www.rvo.nl) ondernemers informeren over de inhoud van deze regeling en de wijze waarop ondernemers gebruik kunnen maken van de derogatie in 2022 en de komende jaren. Ondernemers met vragen over deze conceptbeschikking kunnen ook terecht bij RVO via het telefoonnummer 088 - 042 42 42.

Info webinar. ect.

**Vervolg**
De procedure om tot een nieuwe beschikking te komen, is nog niet afgerond. De EC dient hiertoe de conceptderogatiebeschikking aan Nederland in het geplande Nitraatcomité op 15 september 2022 te agenderen. De lidstaten zullen dan in het comité een positief dan wel negatief advies over het voorstel van de EC geven om de conceptderogatiebeschikking aan Nederland te verstrekken. Het spreekt zich daarbij uit met een gekwalificeerde meerderheid van stemmen. Bij een positief advies stelt de EC de derogatiebeschikking vast. Hierover zal ik de Tweede Kamer vervolgens informeren. Bij een negatief advies van het Nitraatcomité zal ik de Tweede Kamer informeren over het proces dat dan gevolgd zal worden.

Indien de derogatiebeschikking is verleend, zullen de voorwaarden ervan worden geïmplementeerd. De implementatie van de voorwaarden zal er toe leiden dat zowel het handhavingsbeleid van NVWA en RVO zal worden gewijzigd, als de nationale regelgeving. Dit betreft onder andere een wijziging van de Meststoffenwet, het Besluit gebruik meststoffen en de Uitvoeringsregeling meststoffenwet.

**Tot slot**
Ik herhaal dat ik me er zeer van bewust ben dat deze uitkomst grote impact zal hebben in de agrarische sector en voor individuele bedrijven. Het afbouwpad van de derogatie levert een intensievere en snellere uitdaging binnen de benodigde transitie in de landbouw op die effect zal hebben op het landelijk gebied. In het NPLG zal nader in worden gegaan hoe dit mogelijk tot andere ruimtelijke keuzes leidt en wat het effect is op het halen van de doelen. In oktober 2022 informeer ik u hier nader over. Ik zal de gevolgen uitdrukkelijk meenemen in mijn schets van de toekomst van de landbouw en het toekomstperspectief van de boeren, waarover ik de Tweede Kamer in september zal informeren.

Henk Staghouwer
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

Christianne van der Wal-Zeggink
Minister voor Natuur en Stikstof

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 29 augustus 2022 15:19
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e 5.1.2.E 5.1.2; 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Nieuwe Stukken derogatie
**Bijlagen:** paragraaf transitieregeling voor derogatiebrief RP.docx; Contouren regeling tbv BWO 29 augustus RP.docx

**Concept Paragraaf toe te voegen aan de derogatiebrief**

**ter bespreking in de BW-taskforce 29 augustus**

**+++**

**Financiële tegemoetkoming a.g.v. afbouw derogatie**

Het kabinet beseft dat de gevolgen van de afbouw van de derogatie voor de betreffende melkveehouders erg groot zijn. Deze melkveehouders hebben jarenlang voordeel gehad van de verleende derogatie, maar worden nu geconfronteerd met de afbouw van deze jarenlang aan Nederland verleende gunst. Deze boodschap komt juist op het moment dat zij met hun bedrijven aan de vooravond staan van een ingrijpende, noodzakelijke verduurzamingstransitie omwille van de stikstof-, klimaat, waterkwaliteit- en natuurproblematiek. Hiervoor biedt het Rijk een integrale aanpak en kaders, via het NPLG, en ondersteuning. Waar voor de realisatie van de doelen van het NPLG tot 2030 de tijd is, zorgt het verlies van derogatie per 1-1-2026 er voor dat de 17.000 melkveehouders al veel sneller hun bedrijfsvoering op de veranderende situatie aan moeten passen. et kabinet wil daarom deze melkveehouders met behulp van een tijdelijke en gedeeltelijke financiële vergoeding ondersteunen om vanuit een krachtige positie met hun bedrijf de transitie van het landelijk gebied in het kader van het NPLG te kunnen starten en ook door te kunnen maken.

Het kabinet vindt het daarbij van groot belang dat melkveehouders de komende jaren een vergunning voor derogatie blijven aanvragen, omdat zij zich via deze derogatievergunning en de daaraan gekoppelde voorwaarden committeren aan de verplichting om 80% grasland te hebben. Het behoud van het aandeel grasland is nodig voor (verbetering van) de waterkwaliteit, een oplossing die past in de benodigde lange termijn transitie. Het kabinet wil daarom het behoud van grasland stimuleren en hiermee voorkomen dat grasland wordt omgezet in bouwland voor de teelt van uitspoelingsgevoelige gewassen. Kortom: door voldoende deelname aan de derogatieregeling, kunnen we het areaal grasland in Nederland op peil houden PM:

- Als overgang tot het moment waarop een aandeel graslandverplichting voor melkveehouders wettelijk verankerd is in de wet grondgebonden melkveehouderij .
- Als overgang tot het moment vrijwillige subsidie regeling behoud grasland

Het kabinet heeft daarom het voornemen om een tijdelijke regeling vorm te geven, die voorziet in een gedeeltelijke financiële tegemoetkoming aan melkveehouders die in 2021 een derogatievergunning hadden. De tegemoetkoming ziet op de extra kosten die deze melkveehouders moeten maken vanwege de afbouw van de derogatie. Deze regeling heeft een looptijd van maximaal 3 jaar en loopt uiterlijk in december 2025 af. Deze subsidieregeling zal geen volledige financiële compensatie bieden, maar beoogt een stimulans te geven voor melkveehouders om de derogatie te blijven aanvragen en het aandeel grasland hiermee te behouden.

De subsidieregeling wordt uitgevoerd door Rijksdienst voor Ondernemend Nederland, RVO. De details van de regeling zullen de komende tijd worden uitgewerkt, waarbij uiteraard in gesprek met LTO en NAJK zal worden getoetst of de regeling aansluit bij de bedrijfspraktijk. De regeling zal zo eenvoudig mogelijk worden opgezet, om de uitvoering voor zowel de melkveehouders als RVO zo makkelijk mogelijk te maken. Dat betekent dat er gewerkt zal worden met forfaitaire bedragen en dat de regeling niet bedrijfsspecifiek zal kunnen zijn. Gezien de strenge staatssteunkaders die gelden voor agrarisch ondernemers, is het belangrijk te benadrukken dat met de voorgenomen regeling geen sprake mag zijn van ongeoorloofde staatssteun. De regeling zal ter notificatie /goedkeuring vooraf worden voorgelegd aan de EC. Hiervoor zal de regeling een positieve bijdrage moeten leveren aan het behalen van de doelen ten aanzien van waterkwaliteit op langere termijn (Kaderrichtlijn water in 2027).

Het kabinet beseft dat deze regeling slechts één deel van de oplossing is. Er moet in het kader van het NPLG veel meer gebeuren om de melkveehouders te helpen. Uiteindelijk is het doel voor de nabije toekomst dat de melkveehouderij minder mest produceert, minder emissies naar het milieu veroorzaakt en vanaf 2032 grondgebonden wordt. Een voorbeeld is de al bestaande maatregel verlaging ruw eiwitgehalte in veevoer. En ook zal de komende jaren volop worden ingezet op

**Met opmerkingen** 5.1.2.e**[1]:** Hou het kort.

Enorme impact, daarom financiele tegemoetkoming, waarbij grasland eis zit vanwege waterkwaliteit.
Dat is de kern

**Met opmerkingen** 5.1.2.e**[2]:** Dit anders verwoorden. Vanuit waterkwaliteit redeneren, niet vanuit de derogatieaanvraag. En dat bij tegemoetkoming dus die graslandeis meekomt.

**Met opmerkingen** 5.1.2.e**[3]:** Dit zou ik niet zo verwoorden. Je biedt financiele tegemoetkoming omdat de gevolgen groot zijn en er een enorme opgave ligt.

**Met opmerkingen** 5.1.2.e**[4]:** Anders verwoorden. Verwijs naar septemberbrief, waarin integraal wordt gekeken wat er nodig is voor de transitie, met oog voor rol overheid en keten, naast de veehouder.

ondersteuning van de extensivering van de melkveehouderij, op innovatieve stallen en meer mestverwerking, ook op bedrijfsniveau en op termijn het gebruik van kunstmestvervangers. De overheid staat daar aan de zijde van de melkveehouders (PM verwijzing naar sept brief en grondgebondenheidsbrief, waarin meer staat over ondersteuning van agrarische sector in algemeen en over definities rondom grondgebondenheid) .

PM: stikstof bank inboeken verzoek 5.1.2.e

**Contouren financiële tegemoetkoming consequenties derogatie**

Tijdpad:

- Januari of februari 2023: een financiële regeling ter plaatsing in de Staatscourant (of een ander financieel instrument)
  Er is tijd voor het openstellen van een concrete regeling (of ander instrument): voor 2022 is de derogatie grotendeels gelijk aan eerdere jaren, geen compensatie nodig. De afbouw van de derogatie start in 2023 (met 10 kilogram/ha voor de meeste bedrijven). Het mestuitrij-seizoen begint half februari 2023, boeren kunnen gewoon starten met uitrijden (het zal wel een tijd duren voordat ze boven de 170 kilogram/ha uitkomen en aan hun maximale "derogatiehoeveelheden" toekomen). Bij voorkeur openstelling van de regeling in januari 2023, maar iets later zou dus ook kunnen.
- De EC zal naar verwachting deze week de conceptderogatiebeschikking aan de LS versturen ter voorbereiding op het Nitraatcomité van 15 september waar over de beschikking wordt gestemd. Aan de TK is toegezegd dat de beschikking na verzending aan LS aan de TK wordt gestuurd. In de brief waarin de conceptderogatie aan de TK wordt aangeboden worden de contouren van deze regeling geschetst om al zo concreet mogelijk perspectief te bieden voor de komende 3 jaren. Ideaalbeeld is behandeling brief in MR van 2-9, en daarna verzending onder voorbehoud dat EC de conceptbeschikking naar de LS heeft rondgestuurd.
- Belangrijk dat regeling goed aansluit bij bedrijfspraktijk, dus uitwerking met LTO-NAJK. Daarvoor de tijd nemen is ook van belang.

Wat is het op te lossen probleem?

- Wegvallen derogatie betekent dat de plaatsingsruimte van 250 kg N/ha naar 170 kg N/ha uit dierlijke mest op land gaat, melkveehouder houdt mest over, heeft extra mestafzetkosten en gaat wellicht meer kunstmest gebruiken.
- Akkerbouwers willen liever rundveemest dan varkensmest, waardoor de varkenshouders meer moeite hebben om hun mest af te zetten, ook hun mestafzetkosten nemen toe.
- Mestverwerkingscapaciteit zal moeten stijgen
- In 2021 ca. 17.000 derogatiebedrijven
- Door beëindiging van de derogatie nemen de mestafzetkosten toe met grofgeschat 160 mln per jaar (per melkveehouder is dat € 9.000 per jaar). Daarnaast nemen de kosten voor kunstmest toe. NB. Het gemiddelde inkomen per ondernemer en volledig meewerkend gezinslid in de melkveehouderij was in 2021 €32.000,-.
- De mestafzetkosten voor varkenshouders zullen verder stijgen. Voor varkenshouders zijn de mestafzetkosten gemiddeld zo'n €40.000,- per jaar en kunnen hierdoor met €15.000,- toenemen.
- Bedrijven die gebruikmaken van derogatie hebben een verplichting om 80% eigen land als grasland te hebben. Indien bedrijven geen gebruik meer maken van derogatie vervalt deze verplichting en zal er veel gras ingeruild worden voor andere teelten. Dit is slecht voor de waterkwaliteit. Door bedrijven te stimuleren gebruik te blijven maken van de derogatie wordt bijgedragen aan behoud grasland.
- Na de derogatieperiode (1-1-2026) speelt sowieso het probleem van behoud grasland, in de brief over de toekomst van de landbouw wordt in het kader van grondgebondenheid aangegeven dat daar vanaf 2032 een aandeel grasland verplicht zal zijn, voor periode 2026-2032 is daar nog een overbruggingsperiode die ingevuld zal moeten worden.

**Met opmerkingen 5.1.2.e (1):** Per gemiddeld bedrijf? Ik heb hogere bedragen in mn hoofd uit eerdere discussies

Vorm regeling

- Het betreft een tegemoetkoming en geen compensatie van alle nadelen.
- Subsidieregeling meest passend en het snelst te regelen.
- Staatssteun is een heel belangrijk aandachtspunt en risico. Op basis van een eerste juridische analyse lijkt een tegemoetkomingsregeling gebaseerd op de de

minimisverordening landbouw de beste kans te maken. Deze kan door een lidstaat relatief vrij worden ingevuld en hoeft niet gemeld te worden in Brussel.

- Een subsidieregeling die is gebaseerd op en voldoet aan de voorwaarden van de landbouw de minimisverordening wordt naar verwachting geacht geen staatssteun te zijn.
- Er geldt een maximaal bedrag van € 20.000 per bedrijf per drie belastingjaren. Dit is voor alle steun die verleend aan een bedrijf wordt onder de minimis, door alle overheden voor alle soorten regelingen.
- Het totale bedrag aan steun dat NL op basis van de de minimisverordening landbouw aan bedrijven verstrekt, mag over drie belastingjaren niet meer zijn dan € 352.512.625. Dit is een plafond voor de gehele overheid op gebied van landbouw, dus bij volledig opvullen is er geen ruimte meer voor andere regelingen onder de minimis.
- Een andere vorm van een subsidieregeling die kosten compenseert is zeer risicovol, omdat deze de toets aan de staatssteunkaders niet zal doorstaan. Derogatie is een begunstigende regeling en er bestaat een afbouwpad, daarom is de kans dat staatssteuntoets positief uitpakt zeer gering.
- Conclusie: de minismis biedt waarschijnlijk mogelijkheden voor een tegemoetkomingsregeling. Deze kan dan vormgegeven worden als ministeriele regeling.
- Risico's: Bovenstaande moet nog nader uitgezocht en gestaafd worden. Daarnaast zal het instellen van een tegemoetkoming bij de EC -los van staatssteun- vragen oproepen. Voorkomen moet worden dat de EC de nog niet definitieve beschikking hierom niet in stemming brengt tijdens Nitraatcomité van 15 november.
- Uitvoering door RVO, zij hebben alle gegevens en cijfers van de derogatiebedrijven en idee is om een eventuele regeling mee te laten lopen in aanvraag derogatie die ook via RVO loopt.

Inhoud regeling

- Afbakening doelgroep: melkveehouders die nu al gebruik maken van de derogatie (ca 17.000 melkveebedrijven).
- Ook varkenshouders hebben vanwege afloop derogatie qua mestplaatsingsruimte indirect financiële nadelen, namelijk hogere mestafzetkosten doordat meer mest op de markt komt en rundveemest de voorkeur van akkerbouwers heeft. Advies is om de doelgroep te beperken tot de melkveehouders met derogatie omdat zij de directe gevolgen ervaren.
- Afbakening tijd: uiterlijk tot aan afloop van deze derogatiebeschikking, dus tot 1-1-2026.
- Hanteren van forfaitaire bedragen, niet bedrijfsspecifiek, we denken aan een vergoeding per x kg N/ha die een bedrijf door verlies derogatie niet meer kan plaatsen om tegemoet te komen in de mestverwerkingskosten en mogelijk een criterium rondom grasland. Dit wordt nog nader uitgewerkt.
- Uiteraard zullen randvoorwaarden moeten worden ingevuld, zoals het tegengaan van ongewenste prikkels, handhaving, borging. Daarbij geldt dat frauderisico's toenemen bij een grofmazige regeling.
- De link met de toekomstbrief landbouw en NPLG is belangrijk. Dit moet op elkaar aansluiten en geen tegenstrijdigheden tot gevolg hebben (bijv. stoppen compensatie als er opkoop aan de orde is, lock in).
- Er wordt nagedacht hoe na het aflopen van de derogatieperiode het areaal grasland kan worden geborgd (omdat dan de verplichting van 80% grasland komt te vervallen). Punt op de horizon daarbij is de wet grondgebondendheid, die in 2032 van kracht moet worden en waarin een aandeel grasland zal worden geregeld. Gedacht kan worden om in de tussenliggende periode, 2026-2032, een vorm steun voor het aanhouden van grasland in te richten. Overwogen kan worden om, indien het lukt deze week daar wat nadere onderbouwing uit te zoeken, een voornemen in de brief op te nemen.

Financieel beslag:

- Naar schatting zijn de kosten max 200 mln per jaar, maar ook geld nodig voor uitvoeringskosten, deze moeten ook meelopen.
- Zowel bij RVO en LNV zal er extra capaciteit nodig zijn.

**Met opmerkingen [5.1.2.a][2]:** Hebben we een inschatting hoeveel daarvan al 'opgebruikt' is?

**Met opmerkingen [5.1.2][3]:** Hoeveel zijn dat er? Wat is het effect op het totaal als we die mee zouden rekenen.

**Met opmerkingen [5.1.2.a][4]:** Verloop over de tijd? Oplopend? Gelijk?

Dekking?

Risico's/aandachtspunten:

- Staatssteun: de deminis-route lijkt ruimte te bieden, maar het blijft een inschatting. Dit vergt nadere uitwerking en zal ook als waarschuwing in de brief moeten worden opgenomen om geen valse verwachtingen te wekken.
- De Europese Commissie (ENVI) zal meelezen op de brief waarin wij dit aankondigen, te versturen vóór stemming in nitraatcomité van 15 november. Zij zullen kritisch zijn op een regeling die de gevolgen van verlies derogatie mitigeert, met name op de effecten van waterkwaliteit. Voorkomen moet worden dat een financiële regeling ertoe leidt dat zij de beschikking niet in stemming brengen.
- Door het afbouwpad te mitigeren wordt de overbrugging in 2026 bij einde derogatie groter. Daarmee zal het knelpunt dan ontstaan. Een mogelijke regeling op grasland voor periode 2026-2032 zou dit kunnen.
- Samenloop met andere dossiers en ontwikkelingen (toekomst landbouw, grondgebondenheid, NPLG).

**Met opmerkingen** 5.1.2.e **[5]:** Dit benoemen in de brief – door voorwaarde grasland grip op milieukwaliteit.

**Met opmerkingen** 5.1.2.e **6]:** Wat is hier de gedachte?

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 30 augustus 2022 10:34
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.e( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Nota derogatie - MNenS
**Bijlagen:** Scan_20220830_101040_MFP-1342_5.1.2.e.pdf

Beste allen,

Geen nieuwe opmerkingen volgens mij, maar goed om te hebben.

Groet,

5.1.2.E

Heb tijdens overleg Task force afgelopen zaterdag input gegeven. Graag verwerken!

72.a

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit

TER ADVISERING

Aan de Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
De Minister voor Natuur en Stikstof

28/8/22

5.1.2.e

# nota

Nota Kamerbrief conceptderogatiebeschikking

Mestbeleid = mlnv dus in kamer bij mir


**Directoraat-generaal Agro**
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

**Auteur**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl


**Datum**
25 augustus 2022

**Kenmerk**
DGA-PAV / 22432168

**Kopie aan**

**Bijlage(n)**
1

**Parafenroute**

| | | |
|---|---|---|
| **DGA** 5.1.2.e | **PAV,** 5.1.2.e 5.1.2.e | **PAV, MT-lid** 5.1.2.E |
| **WJZ,** 5.1.2.e 5.1.2.E | **DG Stikstof,** 5.1.2.e | **RVO,** 5.1.2.e 5.1.2.E |

BPZ

## Aanleiding

Op maandag 22 augustus j.l. heeft de Europese Commissie (hierna: EC) een conceptderogatiebeschikking van de Nitraatrichtlijn voor de periode 2022-2025 met NL gedeeld. Naar aanleiding hiervan is een Kamerbrief opgesteld welke ingaat op de inhoud van deze conceptbeschikking. Gezien de vertrouwelijke aard van de conceptbeschikking wordt de brief pas nadat de conceptbeschikking als agendastuk voor het aanstaande nitraatcomité aan de lidstaten is verstuurd, aan de Tweede Kamer gezonden.

## Advies

- U kunt uw inbreng leveren op de concept Kamerbrief.
- Na het ontvangen van de definitieve beschikking en afstemming met de EC zult u verder worden geadviseerd – ook over het al dan niet accepteren van de derogatie - en zal de brief – waarin uw input, die van uw collega en de input vanuit de EC is verwerkt - opnieuw aan u worden voorgelegd voor verzending aan de ministerraad en uiteindelijk ter ondertekening.
- De brief kan pas worden verstuurd nadat de EC de conceptbeschikking voor het Nitraatcomité van 15 september aan de lidstaten heeft toegezonden.

## Kernpunten

- In tegenstelling tot de voorgaande derogatiebeschikking bevat deze beschikking een groot aantal generieke voorwaarden die betrekking hebben op landbouwer in Nederland ongeacht of zij gebruik maken van de derogatie.
- De brief gaat in op de generieke voorwaarden van de conceptbeschikking en op de specifiek voor derogatiebedrijven geldende voorwaarden. Deze zijn op

Ontvangen BPZ

dinsdag 23 augustus 2022 met u besproken. De generieke voorwaarden die in de brief terugkomen zijn:

- De nationale mestproductieplafonds voor stikstof en fosfaat over het jaar 2002 worden geactualiseerd naar het jaar 2020. U meldt in de brief dat deze vanaf 1 januari 2024 in de Meststoffenwet kunnen worden geborgd. Er vindt een graduele bijstelling van deze plafonds plaats met 10%-reductie in 2025.
- In alle Natura 2000 gebieden en in nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden wordt vanaf PM geen derogatie verleend.
- Geen verlening van derogatie per 1 januari 2024 'nabij' de Natura 2000 gebieden zoals gedefinieerd in het Nationaal Programma Landelijk Gebied, en waarvan de omvang van de bufferzones rond Natura 2000 zal worden gespecificeerd in 2023.
- De aanwijzing van zogenaamde 'polluted areas' in het kader van eutrofiëring (Kaderrichtlijn Water) vanaf inwerkingtreding van de beschikking. De aangewezen 'polluted areas' worden in de periode tot 1 januari 2024 steeds verder uitgebreid. In 2022 zijn dat de huidige centrale en zuidelijke zandgronden en de lössgronden waarvoor in afgelopen jaren de 230 kg-derogatienorm gold. In 2023 komen daar de gebieden rond waterlichamen die in de landelijke analyse van de waterkwaliteit (2020) van het Planbureau voor de Leefomgeving (PBL) voor nutriënten als onvoldoende (slecht, ontoereikend en matig) zijn gekwalificeerd bij. De definitieve aanwijzing per 1/1/24 dient in elk geval alle voorgaande gebieden te omvatten. In de aangewezen 'polluted areas' is vanaf inwerkingtreding van de conceptbeschikking het volgende van toepassing:
  - het derogatieregime van 230 kg/ha-en het daarbij behorende afbouwpad;
  - Een graduele verlaging van de totaal te gebruiken meststoffen tot 20% vanaf 1 januari 2025
- 
- De omvang van de generieke bufferstroken. Onderhandelingen lopen nu gelijktijdig via GLB/NSP met DG AGRI (DG AGRI stemt deze weer af met DG ENVI). De uitkomsten hiervan worden opgenomen in de conceptbeschikking. De brief zal daarop worden aangevuld.
- Het niet verlenen van derogatie in voor nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden vanaf PM.

- De specifieke voorwaarden (dus alleen geldend voor de derogatiebedrijven) zijn grotendeels gelijk als in de vorige derogatiebeschikking inclusief de voorwaarde van 5% fysieke controles door de NVWA op derogatiebedrijven.

- In de brief wordt aangegeven dat ondernemers met vragen terecht kunnen bij RVO waarvoor een telefoonnummer wordt gegeven.
- In de brief wordt kort aandacht besteed aan de consequenties voor de sector van deze eisen aan de derogatie en het feit dat dit grote impact heeft op individuele bedrijven en de sector in het geheel.
- Verder wordt in de brief kort aandacht besteed aan een mogelijke afname van het areaal grasland en de daaropvolgende noodzaak tot passende maatregelen, ook in het kader van een volledig grondgebonden melk- en rundveehouderij.
- Doordat er nog (beleidsmatige) onduidelijkheden zijn, over bijvoorbeeld de bufferstroken, kan de impact voor de regelgeving, de uitvoering en de

werkbaarheid voor de sector nog niet volledig worden overzien. Dat raakt ook de voorbereiding op de uitvoering van de derogatie door RVO.

- Tevens wordt benoemd dat Nederland een landenspecifieke oplossing voor RENURE in april 2022 heeft gedaan, maar dat de gesprekken hierover in een later stadium worden voortgezet. U heeft hiermee invulling gegeven aan de motie van de BBB, SGP en CDA op dit punt.
- Aanvullend beschrijft de brief het verdere proces van het formeel verlenen van de beschikking. Daarbij wordt aangegeven dat de Kamer op een later punt geïnformeerd zal worden over de benodigde wijzigingen van regelgeving en het tijdspad daarbij.
- Op 23 augustus 2022 is een reactie op feitelijke onjuistheden aan de EC/ENVI verstuurd. Hierop is op dit moment nog geen reactie ontvangen en op een aantal punten is nog onduidelijkheid over het jaar van inwerkingtreding van bepaalde vereisten.
- Zoals u per eerdere nota bent geïnformeerd is voorzien deze brief voor instemming voor te leggen in de Ministerraad van 2 september a.s.
- Ambtelijk heeft afstemming over de inhoud en proces plaatsgevonden met het ministerie van IenW.

**Communicatie**
Het is belangrijk, naast het informeren van de Kamerleden, dat ook de landbouwsectoren en de pers geïnformeerd worden. De volgende communicatieaanpak is voorzien indien de conceptbeschikking als agendastuk voor het aanstaande Nitraatcomité is verzonden aan de lidstaten:

- Bij het versturen van de Kamerbrief maakt Directe Communicatie een nieuwsbericht (met een persoonlijke quote), berichten voor social media (eventueel voorzien van zogenaamde Twitter-cards en/of een infovisual), woordvoeringslijn en Q&A's.
- Een concept-woordvoeringslijn voor het geval informatie eerder naar buiten komt, wordt voorbereid. U wordt hier op de gebruikelijke wijze door de woordvoerders in begeleid.
- Mits de conceptbeschikking als agendatstuk voor het komende Nitraatcomité is verzonden, zal direct na de Ministerraad op 2 september en uw ondertekening direct aansluitend de informatie naar de Kamer worden gestuurd. Dan staat u ook de pers te woord (na de persconferentie van de MP)
- Een optie is om op een later te bepalen tijdstip nog een technische briefing voor journalisten te organiseren. Collega's van beleid geven dan een presentatie en er is ruimte om vragen te stellen. Belangrijk dat we daarin aandacht hebben voor zowel de inhoud als het proces om tot derogatiebeschikking te komen.
- Wij wegen nog af of wij enige tijd na publicatie van de Kamerbrief een webinar organiseren voor agrarisch ondernemers waarin zij vragen kunnen stellen over de conceptderogatiebeschikking. Inhoud zal worden verzorgd door beleidscollega's van LNV en een derogatie-expert van RVO.
- U ontvangt later van DC een uitgebreid voorstel op de communicatiemiddelen.

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** woensdag 31 augustus 2022 15:40
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: stukken ter lezing voor minister voorafgaand aan BWO derogatie

Hallo 5.1.2.E

De minister is nog niet terug van een overleg en heeft ook geen tijd meer om de stukken te lezen.

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** woensdag 31 augustus 2022 14:21
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** stukken ter lezing voor minister voorafgaand aan BWO derogatie

Beste collega's,

Zoals afgesproken met 5.1.2.E vinden jullie bijgevoegd de stukken die vanuit LNV zijn gemaakt voor het BWO Derogatie vanmiddag. We zullen deze stukken om 15.30 interdepartementaal rondsturen.
Mocht de minister weinig tijd hebben om te lezen, dan kan hij zich het beste focussen op de notitie en de paragraaf over de financiële tegemoetkoming op blz.

Hartelijke groet,

5.1.2.E

5.1.2.E |
*Teamcoördinator Transitieteam Landelijk Gebied en Biogrondstoffen*
Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit |
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
5.1.2.E | 5.1.2.E @minlnv.nl

**Van:** MinisterLNV
**Verzonden:** donderdag 1 september 2022 14:53
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.e 5.1.2.E); MinisterLNV; 5.1.2.E (5.1.2.E)
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E (5.1.2.E); 5.1.2.E 5.1.2.E)
**Onderwerp:** RE: ter akkoord van MLNV: MR-stukken derogatie

Nog 2 minuten hebben jullie voor het printen

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** donderdag 1 september 2022 14:46
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E F.I. (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: ter akkoord van MLNV: MR-stukken derogatie

Hi 5.1.2.E

Zoals ik het begrepen heb, is het niet wenselijk om – indien er geen brief naar de Kamer gaat omdat we de beschikking nog niet binnen hebben - morgen naar buiten toe te communiceren dat wij een financiële dekking gaan regelen ivm lopende onderhandelingen met de Europese Commissie. Daarom leek het mij niet handig om deze te benoemen in de toelichting.

Goed om Eerste Kamer inderdaad toe te voegen.

Groet, 5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** donderdag 1 september 2022 14:43
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: ter akkoord van MLNV: MR-stukken derogatie

Hi 5.1.2.E

Dank. Prima om de tekst een op een over te nemen in lijn met voorstel voor de besluitenlijst maar ik heb daar wel twee vragen over:

- De MR moet ook besluiten over de financiële dekking en in mijn tijd bij BPZ moest dan ook de reden van die dekking, namelijk de regeling, worden benoemd. Hoezo heb je die er nu uitgehaald?
- Waarom wil je de Kamerbrief niet aan de Eerste Kamer sturen? Dat hebben wij eerdere brieven over derogatie namelijk ook gedaan. Dan betekent het dat het Staten-Generaal moet zijn, zoals ook opgenomen in het aanbiedingsformulier.

Groeten,
5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** donderdag 1 september 2022 14:39
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; MinisterLNV < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: ter akkoord van MLNV: MR-stukken derogatie

Hoi 5.1.2.E

Dank hiervoor. Ik ben niet akkoord met het aanbiedingsformulier, omdat de stuk tekst bij 'inhoud' – ongeacht akkoord – openbaar wordt gemaakt. Zoals eerder gemaild, hierbij mijn voorstel:

**Titel:** Kamerbrief stand van zaken derogatie van de Nitraatrichtlijn

**Inhoud en doelstelling van het voorstel:** In voorbereiding op de conceptbeschikking van de Europese Commissie over de derogatie van de Nitraatrichtlijn is een brief opgesteld ten behoeve van versturing naar de Tweede Kamer. Deze brief wordt naar de Kamer gestuurd zodra de Europese Commissie de beschikking deelt met de lidstaten. Tijdens het Nitraatcomité van 15 september 2022 wordt over de beschikking gestemd.

**Voorgesteld besluit:** Het voorstel te aanvaarden en vervolgens aan de Tweede Kamer te zenden.

Indien we besluiten de Kamerbrief te versturen komt bij besluit te staan: 'aangenomen'. Anders wordt het 'aangehouden'.

Groet, 5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** donderdag 1 september 2022 14:14
**Aan:** MinisterLNV < 5.1.2.E /@minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E s@minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E s@minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** ter akkoord van MLNV: MR-stukken derogatie

5.1.2.E en collega's,

Bijgevoegd vinden jullie de stukken voor de MR voor derogatie zoals deze er nu liggen. Deze worden nu ook interdepartementaal verspreid voor het SG/DG-overleg en het BWO. Zouden jullie deze stukken willen voorleggen ter akkoord van de minister voor aanbieding aan de MR? De stukken zijn nog wel onder voorbehoud van het BWO vanmiddag om 16.15. Als er eventuele wijzigingen daaruit voortkomen, dan neem ik contact op met 5.1.2.E

Hartelijke groet,

5.1.2.E

**Van:** 5.1.2.e
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 17:38
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E a); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Opmerkingen PA MNenS
**Bijlagen:** DOMUS-22464968-v8-Vragen_over_de_brief_van_5_september_2022_inzake_de_Stand_van_zaken_derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn__.docx

Ha 5.1.2.E

5.1.2.E heeft inmiddels zijn opmerkingen geplaatst bij de beantwoording van de feitelijke vragen. 5.1.2.E liggen nu bij MNenS. Kan je hier alvast naar kijken. Mocht zij de opmerkingen overnemen dan ben je alvast op de hoogte.

Groet,

5.1.2.e

*'13: Er staat dat in het kader van het NPLG middelen voorzien zijn om te ondersteunen met de transitie, maar de vraag is qua tijdlijn of deze al op een dusdanig moment worden ingezet zodat een derogatiebedrijf voor volledig verlies derogatie begonnen kan zijn met zijn transitie, of dat er een periode met minder inkomen overblijft. Nu zo stellig zeggen dat er instrumenten en middelen zijn om bedrijven te ondersteunen vind ik in relatie tot de derogatie kwetsbaar omdat we niet weten hoe snel die transitie kan worden gemaakt.*

*Bij 15-16 staat dat we niet overwegen om de kunstmestplafonds aan te passen. Weten we zeker dat de waterkwaliteit niet verslechtert als gevolg hiervan? En zo nee, is dit niet een maatregel die mogelijk uit het oogpunt van de KRW moet worden genomen? Zijn de stikstof en fosfaat normen daar voldoende betrouwbaar tegen?*

*Bij 33: Het antwoord lijkt hierop nee te zijn omdat niet de gebruiker maar de functie van de grond de norm lijkt te bepalen. Mocht dat kloppen dan zou ik het antwoord beginnen met "Nee dit klopt niet".*

*Bij 34: Verwijzen naar brief naar EK over populatiebeheer gans (juni verstuurd meen ik)*

*Bij 86: De beantwoording veronderstelt hier weer dat de transitietermijn via het NPLG zou zorgen dat de bedrijven na afloop derogatie de omschakeling vrij snel kunnen maken en niet met tussentijdse problemen zitten. Ik vraag me zeer af of we dat kunnen waarmaken en zo nee of dit dusdanig aan elkaar verbinden wel verstandig is. (Zie ook 93-94)'*

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Planaraardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
ir. 5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV/ 22464968

**Uw kenmerk**

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Feitelijke ragen over de brief van 5 september 2022 inzake de Stand van zaken derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

Hierbij doe ik uw Kamer de beantwoording van de feitelijke vragen over de afbouw van de derogatie van de Nitraatrichtlijn toekomen. Alvorens ik de vragen beantwoord, ga ik in op vertrouwelijkheid van de conceptderogatiebeschikking en de gevolgen die deze vertrouwelijkheid heeft voor de beantwoording van de feitelijke vragen.

De gedetailleerde inhoud van de conceptderogatiebeschikking is vertrouwelijk totdat de Europese Commissie (hierna: EC) de beschikking heeft vastgesteld en bekendgemaakt. Dat betekent dat de inhoud nu niet voor een ieder openbaar kan worden. De EC is van mening dat openbaarmaking het besluitvormingsproces van de EC ernstig zou ondermijnen (artikel 4, derde lid, Eurowob).

In een dergelijk geval kan openbaarmaking alleen als een hoger openbaar belang openbaarmaking gebiedt. De toepasselijkheid van die uitzonderingsgrond is hier echter weinig aannemelijk, omdat de gevolgen van de conceptbeschikking voor 2022 zijn geduid met de brief van 5 september 2022 (Kamerstukken II 2021/22, 33037, nr. 450) en de conceptbeschikking bij een positief advies van het Nitraatcomité binnen enkele weken wordt vastgesteld en de gevolgen van de conceptbeschikking voor 2023 en volgende jaren dan alsnog openbaar worden. In afwijking van eerdere jaren zijn de hoofdlijnen van de conceptderogatiebeschikking reeds vóór de stemming in het Nitraatcomité met uw Kamer gedeeld, omdat daarmee de gevolgen voor het lopende jaar 2022 zo snel als mogelijk openbaar konden worden gemaakt.

Zolang de conceptbeschikking nog een vertrouwelijk karakter heeft, kan ik in deze beantwoording niet verder ingaan op inhoud van de beschikking dan ik heb gedaan in de voornoemde brief van 5 september jl.; daarom kan ik bij een deel van de feitelijke vragen nu geen inhoudelijk antwoord geven en ben ik genoodzaakt naar de eerdere brief te verwijzen.

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Planaraardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**[kenmerknummer TK vetgedrukt]**

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22464968

1
Welke gevolgen heeft het vervallen van de derogatie naar verwachting voor de stikstofuitstoot van de agrarische sector en de depositie op stikstofgevoelige natuur?

De Commissie Deskundigen Meststoffenwet (hierna: CDM) heeft eerder aangegeven dat de ammoniakemissie bij geen derogatie zeer waarschijnlijk lager zal worden omdat i) er minder eiwit gevoerd wordt aan koeien (dit leidt tot een lagere stikstof uitscheiding en daardoor minder ammoniakemissie uit zowel stallen als bij mesttoediening), ii) minder mest aan grasland en meer mest aan bouwland wordt toegediend (de ammoniakemissie uit mest toegediend aan bouwland is lager dan die toegediend aan grasland), iii) er mogelijk minder koeien en/of jongvee worden gehouden en iv) een deel van de mest die wordt toegediend aan landbouwgronden wordt vervangen door kunstmest en mogelijk mineralenconcentraten. De ammoniakemissie~~s~~ uit mestbewerking en -verwerking zal waarschijnlijk toenemen, maar dit effect is naar verwachting relatief klein. De ammoniakemissie ~~za~~daalt mogelijk meer~~l verder kunnen dalen~~ als geen derogatie leidt tot een krimp van het aantal varkens en/of overig rundvee.[1]

2
Kunt u uitleggen waarom de verwachte stikstofexcretie over 2022 door het CBS aan het einde van het tweede kwartaal naar boven is bijgesteld voor de sectoren varkens, pluimvee en overig? Komt dit door een stijging van het aantal dieren of door de voersamenstelling? Als het laatste het geval is, wat is er dan veranderd aan de voersamenstelling?

Het Centraal Bureau voor de Statistiek publiceert elk kwartaal de mestproductiecijfers en geeft een prognose af over de mestproductie over het gehele jaar. In de gepubliceerde tweede kwartaalcijfers over 2022 zijn door het CBS ook de voersamenstellingen en voerverbruik meegenomen op basis van de definitieve jaarcijfers 2021 (CBS, Dierlijke Mest en Mineralen 2021) die recent zijn verschenen. Bijstellingen zijn het gevolg van een combinatie van factoren en verschillen per sector. In dit CBS-rapport wordt dit nader toegelicht per sector.

3
Welk effect zal het verdwijnen van de derogatie concreet hebben op de waterkwaliteit?

Als boeren niet meer deelnemen aan derogatie vervalt voor hen de eis van 80% grasland. Daardoor kan het aandeel grasland gaan krimpen. Daarmee is er risico dat uitspoelingsgevoelige teelten toegepast worden met hogere nitraatconcentraties in het grondwater tot gevolg. Ik zet mij echter in om het areaal grasland, ook na derogatie, op peil te houden en zo deze negatieve effectieve te minimaliseren. Tevens kan door een verhoogde druk op de mestmarkt het frauderisico gaan toenemen, wat ook een verslechtering van de waterkwaliteit tot gevolg kan hebben.

4
Wanneer zijn de effecten op waterkwaliteit meetbaar?

De snelheid waarmee effecten van de landbouwpraktijk en weersomstandigheden in de waterkwaliteit meetbaar zijn verschillen per grondsoort. Op veen en kleigrond is dit in de winter al zichtbaar in het

[1] https://www.wur.nl/nl/show/milieueffecten-bij-geen-derogatie-van-de-nitraatrichtlijn.htm

water wat uit de wortelzone spoelt. In het zand gebied is dit na 1 jaar en in het lössgebied na ca 1,5 jaar.

5
Wat is de benodigde waterkwaliteit?

Ik ga er van uit dat u doelt op de benodigde waterkwaliteit bezien vanuit de Nitraatrichtlijn. De Nitraatrichtlijn heeft tot doel de waterverontreiniging die wordt veroorzaakt of teweeggebracht door nitraten uit agrarische bronnen te verminderen en verdere verontreiniging van dien aard te voorkomen. Voorts moet een Goede Landbouwpraktijk worden gestimuleerd en eutrofiëring van oppervlaktewater worden tegen gegaan. Een lidstaat stelt vast welke gebieden kwetsbaar zijn en welke maatregelen genomen moeten worden om aan de doelen te gaan voldoen, overeenkomstig de criteria uit bijlage 1 van de Nitraatrichtlijn met betrekking tot onder andere zoet oppervlaktewater en de streefwaarde van 50 mg nitraatconcentratie per liter in het grondwater.
Overigens heeft ook de Kaderrichtlijn Water (KRW) een goede waterkwaliteit tot doel. De beoogde waterkwaliteit is vastgelegd in de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstukken 35325, nr. 5). De KRW bepaalt dat in 2027 alle maatregelen moeten zijn genomen die resulteren in chemisch schoon en ecologisch gezond water. Naast belasting door nutriënten uit de landbouw, zorgen ook andere bronnen voor watervervuiling. Vanuit de KRW ligt er dan ook een opgave voor deze bronnen welke in de stroomgebiedbeheerplannen worden opgepakt.

6
Welke financiële gevolgen zal de afbouw van derogatie concreet hebben op (agrarisch) bedrijfsniveau, inclusief misgelopen inkomsten, extra kosten voor afzet en extra kosten voor het kopen van kunstmest?

In de conceptderogatiebeschikking worden door de Europese Commissie voorwaarden gesteld aan het verlenen van een derogatie op de Nitraatrichtlijn. Het gaat om voorwaarden waar Nederland, indien het Nitraatcomité positief adviseert en de Europese Commissie de derogatiebeschikking vaststelt, aan moet voldoen. De verwachting is dat deze voorwaarden voor ~~bedrijven die de afgelopen jaren gebruik maakten van derogatie~~ agrarische bedrijven grote gevolgen hebben. Dit leidt voor ondernemers, ook jonge boeren en tuinders, tot extra vraagstukken over de toekomst van het bedrijf.
Voor derogatiedeelnemers betekent het afbouwpad van de derogatie dat zij in de komende jaren minder stikstof uit dierlijke mest kunnen afzetten op eigen grond en daarvoor een andere afzetmogelijkheid nodig is. Daarnaast zal, indien een bedrijf de stikstofgift op gelijke hoogte wil houden, meer stikstof uit kunstmest nodig zijn, waarmee kosten gepaard gaan.
Daarnaast kan er ook sprake zijn van indirecte gevolgen voor agrarische ondernemers die geen gebruik maken van derogatie. De mestmarkt zal zich in de komende jaren opnieuw moeten gaan zetten, en daarbij spelen meer factoren een rol; in het bijzonder de totale mestproductie en de nutriënten in de mest, naast de mest afzetmogelijkheden. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de derogatievoorwaarden indirect gevolgen voor de afzet van andere dierlijke mest zoals varkensmest. Het is gezien de andere factoren die hier ook een belangrijke rol in hebben moeilijk een inschatting te geven van de mate waarin. Hogere mestafzetkosten voor de veehouderij betekenen voor een akkerbouwer mogelijk goedkopere beschikbare nutriënten, en daarmee lagere kosten.

7

Welke financiële gevolgen zal de afbouw van derogatie hebben voor het totale agrocomplex?

Voor het gehele agrocomplex zullen de financiële gevolgen naar verwachting negatief zijn. Over de gevolgen van geen derogatie heb ik de ~~uw~~ Kamer geïnformeerd in mijn brief van 26 april jl. (Kamerstuk 33037, nr. 439).

8
Hoe heeft men de bron vastgesteld van stoffen/nutriënten in het oppervlaktewater?

In hoofdstuk 4 van de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstukken 35325, nr. 5) is uitgebreid beschreven hoe de bron is vastgesteld van nutriënten en andere stoffen, die worden aangetroffen in het oppervlaktewater. De bronnen worden zoveel mogelijk in beeld gebracht voor ieder waterlichaam en zijn daarmee ook beschikbaar per stroomgebied. Daarbij is gebruik gemaakt van de landelijke emissie registratie (https://www.emissieregistratie.nl/) in combinatie met verschillende aanvullende regionale studies.

9
Hoeveel procent van het rioolwater kan het Nederlandse waterzuiveringssysteem aan?

Volgens de Bedrijfsvergelijking Zuiveringsbeheer wordt ongeveer 97% van het rioolwater gezuiverd (https://www.waterschapsspiegel.nl/wp-content/uploads/2019/09/Bedrijfsvergelijking-Zuiveringsbeheer-2018.pdf).

10
Klopt het dat veel watermeetpunten in steden liggen en de daar gemeten waterkwaliteit wordt toegerekend aan de landbouw?

De watermeetpunten liggen verspreid over het land om een representatief beeld te geven van de waterkwaliteit en de verschillende bronnen. Zie ook hoofdstuk 3 van de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstukken 35325, nr. 5).

11
Welke rol ziet u concreet voor de keten in het opvangen van de klap van het verlies van de derogatie?

Ik vind dat de keten boeren in staat moet stellen om de slag te maken naar duurzaam produceren tegen een eerlijke prijs. Over de rol die ik wil dat ~~van~~ de keten op zich neemt in de landbouwtransitie zal ik ~~uw~~de Kamer nader informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

12
Hoe gaat u het Gemeenschappelijk Landbouw Beleid (GLB) toepassen om verder te voorkomen dat grasland zal worden omgezet in bouwland?

Het Nationaal Strategisch Plan (NSP) voor het nieuwe GLB bevat in dit kader een aantal voorwaarden, conditionaliteiten genoemd. Deze voorwaarden betreffen met name de goede landbouwpraktijken en milieucondities 1 en 9, ten aanzien van het behoud van het aandeel blijvend grasland in Nederland en

een ploeg- en omzetverbod voor aangewezen ecologisch kwetsbaar blijvend grasland in Natura2000-gebieden. Daarnaast stimuleer ik blijvend grasland met de ecoregeling.

13
Kunt u schetsen hoe u het afbouwpad van de derogatie gaat laten samenhangen met de gebiedsplannen uit het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG)?

In voornoemde brief van 5 september 2022 (Kamerstukken II 2021/22, 33037, nr. 450) aan de Tweede Kamer is aangegeven dat voor de realisatie van de doelen van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (hierna: NPLG) tot 2030 de tijd is. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. In het kader van het NPLG zijn en zullen er middelen en instrumenten beschikbaar worden gesteld om de melkveehouders en andere agrarische ondernemers hierbij te ondersteunen. Dit zal in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

14
Hoe wordt voorkomen dat boeren verantwoordelijk worden gehouden voor stoffen die via water uit het buitenland Nederland binnenkomen?

Nederlandse boeren worden niet verantwoordelijk gehouden voor stoffen die via water uit het buitenland Nederland binnenkomen. Er is een goed beeld van het aandeel dat via rivieren ons land binnenstroomt. Dat is onder meer beschreven in hoofdstuk 4.3.2 van de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstukken 35325, nr. 5).

15
Kunt u een opsomming geven van wat de voordelen zouden zijn van het aanpassen van de stikstofgebruiksnormen in de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet zodat er niet meer kunstmest wordt gebruikt?

De stikstofgebruiksnormen, zoals benoemd in bijlage A, tabel 1, van de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet zijn de Nederlandse uitwerking van de code voor goede landbouwpraktijk voor stikstofbemesting zoals benoemd in Artikel 4 van de Nitraatrichtlijn. Deze normen zijn gedifferentieerd naar gewas, grondsoort van het perceel en zijn gebaseerd op wetenschappelijk onderzoek. Een aanpassing van de stikstofgebruiksnormen, zodat er niet meer kunstmest wordt gebruikt, beperkt de plantenvoeding die voor een teelt optimaal is. Een beperking kan het risico op uitspoeling verminderen ~~beperken~~, en mogelijk de efficiëntie van de toegepaste meststoffen verhogen.

16
Overweegt u om de stikstofgebruiksnormen in de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet aan te passen zodat er niet meer kunstmest wordt gebruikt? Zo nee, waarom niet?

Nee, ik overweeg niet om de stikstofgebruiksnormen aan te passen zodat er niet meer kunstmest wordt gebruikt. ~~om op die manier de aanwending van extra kunstmest als gevolg van het afbouwpad van de derogatie te voorkomen.~~ In het zevende actieprogramma Nitraatrichtlijn is wel een evaluatie van de

stikstofgebruiksnormen voorzien en in door nutriënten verontreinigde gebieden wordt een verlaging van de stikstofgebruiksnormen door de Europese Commissie verplicht. De aangepaste normen die hiervan het gevolg zijn, zullen ~~leiden tot~~ een wijziging van de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet vergen.

17
Kunt u een indicatie geven van de extra kosten waar de gemiddelde derogatiehouder door het verlies van de derogatie mee wordt geconfronteerd?

In de kamerbrief van 26 april 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 439) heb ik uw Kamer geïnformeerd over de mogelijke financiële gevolgen bij verlies van de derogatie. Bij het verlies van derogatie~~,~~ zullen de financiële gevolgen per bedrijf verschillen. Voor individuele graasdierhouders~~,~~ die in de afgelopen jaren gebruik maakten van derogatie~~,~~ zal op bedrijfsniveau de plaatsingsruimte voor dierlijke mest afnemen, wat bij een ongewijzigde bedrijfsvoering zal leiden tot hogere kosten voor de afvoer van dierlijke mest. Daarnaast zal, indien een bedrijf de stikstofgift op gelijke hoogte wil houden, meer stikstof uit kunstmest nodig zijn waarmee kosten gepaard gaan.

18
Kunt u uiteenzetten wat de potentiële negatieve gevolgen zijn van meer kunstmestgebruik op het gebied van de waterkwaliteit, het klimaat en het milieu?

De lachgasemissie kan mogelijk toenemen als er meer kunstmest op grasland wordt gebruikt. De productie van kunstmest vraagt gebruik van fossiele energie. Naar oordeel van de CDM zal het effect op nitraatuitspoeling van toegenomen kunstmestgebruik ten opzichte van (runder)drijfmest beperkt zijn. Daarnaast verwacht zij mogelijk een kleine verbetering van de oppervlaktewaterkwaliteit vanwege toegenomen precisiebemesting met kunstmest.[2]

19
Hoe gaat u voorkomen dat het verlies van de derogatie gaat leiden tot het gebruik van meer kunstmest?

De hoogte van de totaalgebruiksnormen voor stikstof en fosfaat bepalen de mogelijkheden die een landbouwer heeft in het toepassen van kunstmest. Deze normen mogen niet overschreden worden. In het zevende actieprogramma Nitraatrichtlijn is een evaluatie van de stikstofgebruiksnormen voorzien en in door nutriënten verontreinigde gebieden wordt een verlaging van de stikstofgebruiksnormen door de Europese Commissie verplicht vanaf 2025. Daarnaast is het zo dat derogatiebedrijven onder vorige derogaties geen fosfaatkunstmest mochten gebruiken. De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot dit punt is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

20
Klopt het dat de waterkwaliteit meestal in de zomer gemeten wordt, wanneer door de droogte eventuele vervuiling extra geconcentreerd is, zo ja, waarom is dat?

[2] https://www.wur.nl/nl/show/milieueffecten-bij-geen-derogatie-van-de-nitraatrichtlijn.htm

De chemische stoffen van de Kaderrichtlijn Water worden het hele jaar gemeten en beoordeeld op zowel het jaargemiddelde als maximale waarden. Dit sluit aan bij de effecten die chemische stoffen kunnen hebben op gezondheid en het ecosysteem. De parameters die ondersteunend zijn aan de ecologische toestand van het zoete water worden veelal in de zomer gemeten, omdat dit voor flora en fauna vooral in de zomerperiode relevant ~~zijn~~is. Metingen voor grondwaterkwaliteit van het water dat uit de wortelzone spoelt, vinden plaats om het effect van het voorgaande groeiseizoen in beeld te brengen. Op kleigrond is dat sneller dan op zandgrond. Daarom vinden deze grondwatermetingen plaats op kleigrond in de winter en op zandgrond in de zomer.

21
Hoe vergelijkt kunstmest met organische mest als het aankomt op uitspoelingsgevoeligheid en milieu- en klimaateffecten?

Beide producten hebben een verschillend milieu en klimaat impact. Anorganische meststoffen leveren direct beschikbare nutriënten, waarbij organische meststoffen eerst in de bodem omgezet moeten worden, en dus niet direct opneembaar zijn door de plant. Als deze nutriënten vrij komen in een periode dat er geen plantengroei is, vergroot dit het risico op uitspoeling. De organische stof uit dierlijke mest kan wel bijdrage aan de bodemkwaliteit door de organische stof die in de bodem wordt gebracht. Voor de productie van kunstmest is veel aardgas nodig als grondstof en er ontstaat $CO_2$. Beide producten kunnen tot lachgas emissie leiden. Beide type meststoffen zorgen echter ook voor de vastlegging van $CO_2$ in gewassen en de bodem.

22
Hoe gaat u er precies voor zorgen dat de steunregeling voor de derogatiehouders rijmt met staatssteunregels?

De voorziene tijdelijke tegemoetkomingsregeling zal worden gebaseerd op de de-minimis verordening voor de landbouwsector ((EU) 1408/2013). Daarbij zullen de daarvoor geldende procedures worden gevolgd. Genoemde de-minimisverordening geeft aan dat steun die conform de de-minimisverordening wordt verleend en onder de betreffende de-minimisplafonds blijft, niet aan alle staatssteuncriteria hoeft te voldoen en vormt daarom geen staatssteun. Dat betekent dat de voorgenomen steunmaatregel niet voor goedkeuring door de Europese Commissie behoeft te worden gemeld bij de Europese Commissie.

23
Hoe denkt u in de periode tussen 2026, wanneer de derogatie afloopt, en 2032, wanneer er wettelijke eisen voor grondgebondenheid zullen worden gesteld, te borgen dat grasland niet wordt omgezet in bouwland? Hoe zet u hiervoor het NLPG specifiek in?

Zoals in voornoemde brief van 5 september jl. is aangegeven, gaat het kabinet onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van een grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

24
Hoe voorziet u ervoor te zorgen dat derogatiehouders die in verontreinigde gebieden zitten en waar dus mogelijk al eerder de derogatie zal worden afgebouwd, hun grasland niet zullen omzetten in bouwland?

Met de transitietegemoetkomingsregeling wil ik deelname aan derogatie stimuleren en voorkomen dat grasland door bedrijven wordt omgezet in bouwland. Zoals aangegeven in voornoemde brief van 5 september jl. voorziet de conceptbeschikking vanaf 2023 in een stapsgewijze, jaarlijkse afbouw van de derogatie, ook buiten door nutriënten verontreinigde gebieden. De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling wordt opgezet voor alle deelnemers aan derogatie die ook in 2021 deelnamen. Deze tegemoetkoming ziet op een gedeelte van de extra kosten die deze derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van de derogatie, om zeker te stellen dat zij grasland behouden. In de tegemoetkoming wordt rekening gehouden met de mate van afbouw van de derogatie en de daarmee gemoeide extra kosten die deze bedrijven in verontreinigde gebieden door een snellere afbouw van derogatie moeten maken voor mestafvoer.

25
Zoekt Nederland per stroomgebied de bronnen van de vervuiling op zoals dat ook in Vlaanderen wordt gedaan, zo nee, waarom niet?

Hiervoor verwijs ik naar het antwoord op vraag 8. Daarnaast is het PBL in de Nationale Analyse Waterkwaliteit ingegaan op de verschillen per gebied (https://www.pbl.nl/sites/default/files/downloads/pbl-2020-nationale-analyse-waterkwaliteit-4002_0.pdf).

26
Om wat voor aanvullende eisen gaat het voor de verontreinigde gebieden precies, of waar wordt aan gedacht?

Het gaat in ieder geval om de toepassing van de laagste derogatienorm die wordt afgebouwd volgens het schema 2023: 220 kg; 2024: 210 kg en 2025: 190 kg. Vanaf 2026 is geen derogatie meer mogelijk. ~~Na een positief advies van het Nitraatcomité zal de Europese Commissie de conceptbeschikking vaststellen daarna zal ik de Tweede Kamer de gehele beschikking sturen, waarin alle voorwaarden voor derogatieverlening staan uitgewerkt.~~ Na een positief advies van het Nitraatcomité zal de Europese Commissie de conceptbeschikking vaststellen en kan ik de volledige beschikking naar de Kamer zenden. Hierin staan alle voorwaarden voor derogatieverlening uitgewerkt.

27
Wat bedoelt u precies met verontreinigde gebieden?

Nederland dient deze gebieden aan te wijzen in lijn met een uitspraak van het Europees Hof van Justitie over Duitsland.[3] De verdere inhoud hierover in de conceptbeschikking is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

28
Kunt u een indicatie geven van welke verontreinigde gebieden Nederland zal aanwijzen waar de derogatie sneller zal worden moeten afgebouwd en aanvullende eisen zullen worden gesteld?

[3] Judgment of the Court of 21 5.1.2.E 2018, European Commission v Federal Republic of Germany, C-543/16, ECLI:EU:C:2018:481.

Zoals vermeld in ~~de~~voornoemde brief van 5 september jl. kan ik u slechts aangeven dat het in 2022 gaat om het centrale en zuidelijke zandgebied en het lössgebied overeenkomstig de voorgaande aan Nederland verleende derogatiebeschikkingen. De verdere inhoud hierover in de conceptbeschikking is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

29
Welke van de voorwaarden voor de conceptbeschikking zullen ook gaan gelden voor boeren die geen gebruik maken van de derogatie?

De inhoud van de conceptbeschikking is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

30
Kunt u nader toelichten hoe de regelgeving ten aanzien van bufferstroken precies zal worden aangepast als voorwaarde voor de conceptbeschikking? Indien dit niet precies kan worden gecommuniceerd, kunt u een indicatie geven?

Zoals vermeld in voornoemde brief van 5 september jl. kan ik u slechts aangeven dat de regelgeving ten aanzien van bufferstroken meer in lijn zal worden gebracht met de voorwaarden die gelden voor het nieuwe GLB. De verdere inhoud hierover is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

31
Kunt u nader toelichten hoe de mestproductieplafonds precies zullen worden bijgesteld als voorwaarde voor de conceptbeschikking? Indien dit niet precies kan worden gecommuniceerd, kunt u een indicatie geven?

Zoals vermeld in voornoemde brief van 5 september jl. kan ik u slechts aangeven dat de mestproductieplafonds zullen worden bijgesteld in lijn met de verwachte resultaten van de maatregelen uit het 7e AP en het addendum. De verdere inhoud hierover is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen. Ik zal de Tweede Kamer zo snel als ik kan hierover verder informeren.

32
Klopt het dat de Nederlandse overheid de agrarische sector maatregelen oplegt, zoals de Bestuurlijk Overleg Open Teelt en Veehouderij lijst (BOOT-lijst), waarvan de effectiviteit niet bewezen is?

De BOOT-lijst bestaat uit 85 bovenwettelijke landbouwkundige maatregelen om de waterkwaliteit, waterkwantiteit en bodemkwaliteit te verbeteren. Overgrote deel van de maatregelen is gekoppeld aan een wetenschappelijke publicatie of onderzoeksgegevens uit praktijkonderzoek (o.a. Groenendijk, Van Gerven, Van Boekel en Schipper, "Maatregelen op en rond landbouwpercelen ter vermindering van de nutriëntenbelasting van water. Achtergrondinformatie effectiviteit landbouwmaatregelen ten behoeve van de Nationale Analyse Waterkwaliteit", KIWK rapport 2021-54). Deze maatregelen worden in

bijvoorbeeld het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer gebruikt als mogelijke maatregelen om tot verbetering te komen – deze zijn zoals gezegd bovenwettelijk en worden niet verplicht opgelegd.

33
Klopt het dat de natuurbeheerders aan veel minder strenge normen hoeven te voldoen bij stikstofemissies dan boeren? Zo ja, waarom is dat?

Voor natuurgronden is een maximum gesteld aan de hoeveelheid fosfaat die mag worden opgebracht met dierlijke mest. Deze norm is daardoor beperkend voor de ruimte om stikstof uit dierlijke mest toe te passen. Voor deze gronden gelden vaak beheerovereenkomsten waarin gebruiksnormen voor mest zijn opgenomen ten behoeve van natuurdoelen. Dat betekent in de praktijk op natuurgronden vaak dat minder dierlijke mest en kunstmest wordt toegediend dan op landbouwgronden. Regulering met strenge normstelling is vanwege de verschillen in gebruik van de gronden niet nodig. Dat blijkt ook uit gegevens over gemiddelde jaarlijkse nitraatconcentratie in het grondwater in Nederland. Op gronden met functie natuur is de nitraatconcentratie op een diepte van 5-15 meter onder het maaiveld gemiddeld ongeveer 10 mg/l lager dan op gronden met functie landbouw (Bron: Fraters B. et al, 2020. Landbouwpraktijk en waterkwaliteit in Nederland; toestand (2016-2019) en trend (1992-2019), RIVM).
Voor de uitrijmethode van mest op natuurgrond gelden dezelfde voorschriften als op landbouwgrond. De mest moet dus zo emissiearm mogelijk uitgereden worden en voldoen aan de eisen uit het Besluit gebruik meststoffen.

34
Klopt het dat er in Nederland 500 % meer ganzen zijn dan bij de vaststelling van de ecologische draagkracht van de Natura-2000 gebieden zijn vastgelegd, zo ja, hoe wordt hier rekening mee gehouden?

Bij sommige ganzensoorten zijn de aantallen in Nederland toegenomen. Waar de Natura2000 doelen ruim zijn bereikt, zijn lokale afnames geen probleem.

35
Waarop is de tijdelijke transitietegemoetkoming van 10.000 euro per bedrijf gebaseerd? Hoeveel bedrijven hebben genoeg aan een transitietegemoetkoming van 10.000 euro en hoeveel bedrijven komen tekort?

De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling voorziet in een tegemoetkoming voor bedrijven die in 2021 een derogatievergunning hadden en een nieuwe derogatievergunning aanvragen en verkrijgen, en ziet op een gedeelte van de extra kosten die deze derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van derogatie. Voor deelnemers aan de derogatie betekenen de voorwaarden van deze beschikking dat zij in de komende jaren minder stikstof uit dierlijke mest kunnen afzetten op eigen grond en daardoor bij ongewijzigde bedrijfsvoering meer mest moeten afvoeren van hun bedrijf. De transitietegemoetkominsgregeling moet komende periode nog worden uitgewerkt. In de tegemoetkoming ~~wordt~~zal rekening worden gehouden met de mate van afbouw van de derogatie en de daarmee gemoeide extra kosten die deze bedrijven maken voor mestafvoer. ~~We denken aan~~Ik denk aan een tegemoetkoming per hectare landbouwgrond van het bedrijf. Dit verschilt per bedrijf, waardoor de tegemoetkoming per bedrijf verschillend zal zijn.

36
Welk effect heeft het afbouwpad voor boeren die niet deelnemen aan de derogatie?

Voor het antwoord op deze vraag verwijs ik naar het antwoord op vraag 6.

37
In hoeverre kunnen niet-derogatie bedrijven ook aanspraak maken op de transitievergoeding?

De transitietegemoetkomingsregeling voorziet alleen in een tegemoetkoming aan landbouwers die in 2021 een derogatievergunning hadden en een nieuwe derogatievergunning aanvragen en verkrijgen., ~~in relatie tot de afbouw van de derogatie en heeft betrekking op het met de tijdelijke transitietegemoetkoming beoogde behoud van het areaal grasland.~~

38
Wat betekent deze afbouwderogatie voor de (financiële) uitgangspositie van jonge boeren en tuinders? Op welke manier worden zij geholpen?

Voor ondernemers, ook jonge boeren en tuinders, leidt het afbouwpad van de derogatie tot extra vraagstukken over de toekomst van het bedrijf. Ik verwijs daarbij ook naar het antwoord op vraag 6. Ik wil boeren, en zeker ook jonge boeren en tuinders, ondersteunen bij de transitie. Hierover zal ik u informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

39
Wat betekent dit afbouwpad voor de financierbaarheid van agrarische bedrijven door banken de komende tijd?

In algemene zin is het aan de financier om te beoordelen of bedrijven financierbaar zijn. Het afbouwpad stelt bedrijven die op dit moment gebruik maken van derogatie voor vraagstukken in de komende jaren, die sterk verschillen per bedrijf. Die vraagstukken op het individuele bedrijf zijn ook voor mij een grote zorg en daarom wil ik bijdragen aan een goede transitie~~,~~. Ik betrek dit in de gesprekken die ik voer met de banken en financiële instellingen over hun rol in de transitie. Daarnaast ben ik ~~waarvoor ik onder andere ben~~ gekomen met een tijdelijke transitietegemoetkoming voor derogatiebedrijven.

40
Wordt er bij de transitievergoeding rekening gehouden met hoe intensief een bedrijf is?

Gedacht wordt aan een tijdelijke transitieregeling die tegemoetkoming geeft aan derogatiebedrijven naar gelang de hectares, en daarmee de instandhouding van de hectares grasland, en de met die hectares gemoeide extra kosten die zij moeten maken voor mestafvoer.

41
Is het mogelijk dat het vervallen van de derogatie intensivering in de hand zal werken?

Ik neem aan dat u met intensivering doelt op een toename van de mestproductie in Nederland. De hoogte van de mestproductieplafonds, uitgedrukt in kilogrammen stikstof en fosfaat, is vastgelegd in de Meststoffenwet. Deze komen op dit moment overeen met de productie van 2002. Via de

productierechtenstelsels wordt gewaarborgd dat de mestproductie de mestproductieplafonds niet overschrijdt. Na een positief advies van het Nitraatcomité zal de Europese Commissie de conceptbeschikking vaststellen en kan ik de volledige beschikking naar de Kamer zenden. Hierin staan alle voorwaarden voor derogatieverlening, waaronder de details over de bijstelling van de mestproductieplafonds, uitgewerkt.

42
Is er genoeg kunstmest beschikbaar om de afbouw van dierlijke mest te kunnen compenseren?

De afbouw van de bemestingsnorm voor stikstof uit dierlijke mest is in de conceptderogatiebeschikking in de eerste jaren (2023 en 2024) beperkt. De extra behoefte aan stikstofkunstmest zal daarom ook beperkt zijn. De kwantitatieve beschikbaarheid van kunstmest in Nederland wordt niet publiek gemonitord. Er zijn in Nederland een paar grote kunstmestproducenten, zoals Yara Sluiskil en OCI-Nitrogen in Geleen, die stikstofkunstmest produceren voor de Noord West Europese markt. Op dit moment hebben zij de productie in verband met de hoge gasprijs afgeschaald. Zij geven aan dat er momenteel nog wel meststoffen worden geleverd, maar dat er in het winterseizoen minder meststoffen gevraagd worden. Als de gasprijs voor langere tijd hoog blijft zal de beschikbaarheid van kunstmest onder druk kunnen komen staan.

43
Wat is de stand van zaken rondom een derogatie voor kunstmestvervangers van dierlijke oorsprong, welke voldoen aan de RENURE-criteria (Recovered Nitrogen form Manure-criteria) van het Joint Research Centra (JRC))?

Nederland heeft in april 2022 een aanvraag voor een landen-specifieke oplossing voor het gebruik van deze RENURE-producten ingediend bij de Europese Commissie, mede naar aanleiding van de motie Van der Plas, Bisschop en Boswijk (Kamerstuk 21501-32, nr. 1403). Dit maakte deel uit van de besprekingen met de Europese Commissie over de derogatie voor graasdiermest. De EC beschouwt kunstmestvervanging echter als een separaat traject. Ik zal mij intensief blijven inzetten voor kunstmestvervanging door dierlijke mest in Europees verband in nauwe samenwerking ~~en ook~~ met andere lidstaten.

44
Hoe wordt de transitie naar kunstmestvervangers vormgegeven? Is hier al een concreet plan voor en op welke manier wordt dit gefinancierd?

Een transitie naar het gebruik van kunstmestvervangers kan worden ingezet als er duidelijkheid is van de Europese Commissie onder welke voorwaarden dierlijke mest verwerkt moet worden om het in te zetten als een kunstmestvervanger. Nederland heeft een verzoek bij de Europese Commissie ingediend dat uitgaat van de RENURE-criteria die ontwikkeld zijn door het Joint Research Centra (JRC)~~JRC~~. Nederland heeft 48 miljoen euro gereserveerd om mest verwerkende bedrijven te stimuleren dierlijke mest hoogwaardig te verwerken. Op dit moment wordt de subsidieregeling hoogwaardige mestverwerking vormgegeven, waarbij ook de RENURE-criteria leidend zullen zijn. Naar verwachting wordt deze in het vierde kwartaal van 2022 opengesteld.

45

Hoe wordt ervoor gezorgd dat per 1 januari 2023, of zoveel eerder als mogelijk, de inzet van kunstmestvervangers van dierlijke oorsprong (welke voldoen aan de RENURE-criteria van het Joint Research Centra (JRC) boven op de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest in Nederland mogelijk is?

Nederland heeft een verzoek bij de Europese Commissie, DG Milieu ingediend voor een landen-specifieke oplossing. Gevraagd is het gebruik van deze RENURE-producten voor de gebruiksnormen niet langer te mogen beschouwen als het gebruik van dierlijke mest, maar van kunstmest. Nederland zal zich ervoor inspannen de gesprekken over dit dossier na het vaststellen van de beschikking door het Nitraatcomité ~~opnieuw op te starten~~ te vervolgen. Mocht dit niet leiden tot een oplossing voor 31 december 2022, dan zal gestreefd worden naar verlenging van de huidige pilots mineralenconcentraat en Kunstmestvrije Achterhoek.

46
Hoe staat het afbouwen van derogatie in verhouding tot de ambitie om als land minder afhankelijk te zijn van gas?

Deze derogatie bevat een afbouwpad voor het gebruik van stikstof uit dierlijke mest. Daarnaast worden er in nutriënt verontreinigde gebieden aanvullende eisen gesteld, zoals een verlaging van de stikstofgebruiksnormen vanaf 2025, wat het totale gebruik van stikstof (dierlijke mest en kunstmest) zal verlagen. Wat het effect is op het totale gasgebruik is niet bekend. Ik zal mij blijven inspannen om de gesprekken met de Europese Commissie over het gebruik van RENURE-producten te vervolgen. Het gebruik van deze producten kan bijdragen aan het verminderen van gasgebruik.

47
In hoeverre is dit plan praktisch uitvoerbaar voor de agrarische sector?

De afbouw en het verdwijnen van de derogatie gaat een grote inspanning vergen van de agrarische sector, zeker in combinatie met de andere opgaven waar de sector mee geconfronteerd wordt. Ik zal met ~~Daarover zal ik met~~ de sector in gesprek gaan zodra ~~van gedachten wisselen als de derogatiebeschikking~~ de beschikking is vastgesteld en openbaar is.

48
Kan de ambitie op het gebied van grondgebondenheid nog gehaald worden wanneer er een afbouwplan voor derogatie komt?

Ik ben momenteel bezig met de nadere uitwerking van grondgebondenheid. Hierbij betrek ik de gevolgen van de afbouw van de derogatie.

49
Zijn de gewenste Grootvee-eenheidnormen (GvE-normen) nog haalbaar wanneer derogatie wordt afgebouwd?

Zoals in het antwoord op de vorige vraag aangegeven, ben ik momenteel bezig met de nadere uitwerking van grondgebondenheid, waarbij ik de gevolgen van de afbouw van de derogatie betrek.

50

Welk effect heeft het verdwijnen van derogatie op de bodemvruchtbaarheid?

Als er geen derogatie wordt verleend zal de hoeveelheid dierlijke mest die wordt toegepast worden beperkt. In veel gevallen zal dit gaan over runderdrijfmest en varkensdrijfmest. Deze mestsoorten bevatten wel organische stof, maar niet veel. Hierdoor kan het organische stof gehalte van de bodem wat gaan afnemen. Echter is het wel zo dat door toepassen van vanggewassen, rustgewassen en compost een grote verbetering van de bodemkwaliteit kan worden gerealiseerd. Deze maatregelen kunnen buiten de normen voor dierlijke mest worden toegepast.

51
Klopt het dat de Maatwerkaanpak als alternatief op het generieke 7e Actieprogramma nu voor veel boeren geen alternatief meer is, wanneer de bufferstroken verplicht generiek verbreed worden? Wat zijn hiervan de consequenties op het Nationaal Strategisch Programma (NSP) van het GLB?

Voor het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en het Gemeenschappelijk Landbouwbeleid zullen dezelfde teeltvrije zones gaan gelden, waarbij de zones gelden voor zowel mest als gewasbeschermingsmiddelen. Daarbij worden de teeltvrije zones (bufferstroken onder het GLB) in de conditionaliteit opgenomen en zijn daarmee een voorwaarde om aan het GLB te kunnen meedoen. Het gezamenlijke traject om te komen tot een handhaafbare, uitvoerbare, controleerbare en betaalbare aanpak die tot een gelijkwaardig of grotere waterkwaliteitsverbetering zal leiden als een deel van de maatregelen uit het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, loopt momenteel nog. Ik wil hier niet op vooruitlopen op de uitkomsten van dit traject.

52
Is het waarschijnlijk dat akkerbouwers eerder zullen kiezen voor melkveemest in plaats van varkensmest wanneer derogatie wordt afgebouwd? Zo ja, hoe wordt de markt voor varkensmest opgevangen?

De akkerbouwer maakt een afweging in kosten en opbrengsten, en de nutriënten en organische stof in de mest. Daarbij is rundveemest vaak gunstiger qua nutriëntenverhouding en gehalte organische stof. De mestmarkt zal zich in de komende jaren moeten gaan zetten naar de nieuwe situatie, en daarbij spelen er meerdere factoren een rol zoals bijvoorbeeld de totale mestproductie, de nutriënten in de mest en de mest afzetmogelijkheden. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de conceptderogatiebeschikking indirect gevolgen voor de afzet van varkensmest. Het is gezien de andere factoren die hier ook een belangrijke rol in hebben moeilijk te voorspellen in hoeverre. De verwerking en daarmee plaatsing buiten de Nederlandse landbouw van een deel van het fosfaatoverschot is gereguleerd.

53
Hoe wordt omgegaan met de waarschijnlijke wijziging van het bouwplan van melkveehouders, aangezien het aantrekkelijker zal worden om af te wijken van de 80/20 regel wat uiteindelijk ook effect heeft op de waterkwaliteit?

Ik zet mij omwille van de waterkwaliteit in voor het op peil houden van het areaal grasland in Nederland, onder andere door met de tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling deelname aan derogatie te stimuleren en ~~zo~~hiermee het aandeel grasland op peil te houden. In ~~de~~voornoemde brief

van 5 september jl. is aangegeven dat het kabinet gaat onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

54
Klopt het dat alle dierlijke mest van graasdierbedrijven al op het land is uitgereden en er nog geen duidelijkheid is over wat nu wel en niet is toegestaan?

In voornoemde brief van 5 september 2022 is de Tweede Kamer geïnformeerd dat de derogatienormen in 2022 gelijk zijn aan die in de voorgaande beschikking. De inzet is er steeds op gericht geweest gedurende het uitrijdseizoen duidelijkheid te kunnen geven over de inhoud van de derogatie. Ik besef goed dat het voor boeren tot onzekerheid heeft geleid dat deze duidelijkheid pas na het mest-uitrijdseizoen is gekomen~~t~~.

55
Hoe worden bedrijven tegemoetgekomen die nu te veel mest voor een verhoogde prijs hebben afgezet of in opslag hebben?

Er is geen tegemoetkoming voorzien voor bedrijven die nu meer mest hebben afgevoerd.

56
Klopt het dat de extra eisen die worden opgelegd om een derogatie toegewezen te krijgen zeer streng zijn, waardoor boeren met percelen in de 34 meest kwetsbare Grondwaterbeschermingsgebieden uitgesloten worden van derogatie terwijl zij al jaren werken aan de waterkwaliteit?

De ~~verdere~~ inhoud van de conceptbeschikking hierover is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

57
Wat zijn de voordelen van het verdwijnen van derogatie?

De ammoniakemissie zal afnemen omdat minder eiwit gevoerd wordt aan koeien (lagere excretie van ammoniakaal stikstof), minder mest toegediend wordt aan grasland en meer aan bouwland (mesttoediening aan bouwland leidt tot een lagere emissie dan op grasland), mogelijk minder koeien en/of jongvee worden gehouden, en een deel van de mest wordt vervangen door kunstmest. Als er geen derogatie wordt verleend, ~~leidt~~zal dit mogelijk leiden tot een krimp van het aantal varkens en/of overig rundvee, ~~dan zal~~wat een daling van de ammoniakemissie ~~meer dalen~~tot gevolg heeft. Daardoor zal de stikstofdepositie op natuur afnemen en het negatieve effect van stikstof op biodiversiteit worden verkleind.

58
Wat zijn de nadelen van het verdwijnen van derogatie?

Afbouw van derogatie betekent dat in Nederland voor alle landbouwgronden uitgegaan moet worden van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke meststoffen van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zal, op korte termijn, gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland, waarbij naar verwachting melkveehouders de mest, die op het eigen bedrijf geproduceerd wordt niet langer volledig op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, waardoor mest van het bedrijf naar elders zal moeten worden afgezet. De behoefte aan stikstof zal worden ingevuld met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest, bijvoorbeeld door kunstmest. De akkerbouw zal naar verwachting minder mest uit de varkenshouderij toepassen en meer gebruik gaan maken van de mest uit de melkveehouderij. Tenslotte zal de afzet van mest naar buiten Nederland toenemen evenals het belang van mestverwerking. Als gevolg van deze veranderingen zullen de mestafzetkosten voor de veehouderijbedrijven sterk stijgen en voor melkveehouderijbedrijven zullen de kosten voor kunstmest toenemen.

Voor wat betreft het milieu zullen de ammoniakemissies uit mestbewerking en -verwerking waarschijnlijk toenemen. Wanneer grasland wordt omgezet in maisland zal de nitraatuitspoeling waarschijnlijk toenemen, en zal de agro-biodiversiteit en koolstofopslag waarschijnlijk afnemen. Ik zet mij echter in om het areaal grasland, ook na derogatie, op peil te houden en zo deze negatieve effecten te minimaliseren.

Ik verwijs u tevens naar eerdere brieven van mijn ambtsvoorganger (Kamerstukken II, 2021/22, 33037 nrs. 439, 446).

59
Wegen de voordelen van het verdwijnen van derogatie op tegen de nadelen?

De Commissie Deskundigen Meststoffenwet heeft in 2020 advies uitgebracht over welke milieueffecten optreden door derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstukken II, 33037, nr. 369). Hieruit blijkt dat de derogatie positieve effecten heeft op de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit, vooral vanwege de eis die is gesteld aan het areaal grasland. Daar staat tegenover dat een derogatie kan leiden tot een hogere ammoniakemissie vanwege de hogere toegestane dierlijke mestgift. Daarbij heb ik de Tweede Kamer meermaals geïnformeerd over de consequenties van geen derogatie (o.a. Kamerstukken II, 33037, nr. 404). Gegeven bovenstaande is steeds ingezet op het verleend krijgen van derogatie voor de periode 2022-2025.

60
Welke impact heeft een afbouwpad voor derogatie op de nog te ontwikkelen en uit te voeren gebiedsgerichte aanpak?

Ik verwijs u voor de beantwoording naar het antwoord op vraag 13.

61
Op welke wijze is uitvoering gegeven aan motie Bisschop, Geurts en Lodders (Kamerstuk 21501-32 nr. 1266) waarin de regering onder andere verzocht werd de Kamer zo veel als mogelijk te informeren over de verschillende stappen en contactmomenten bij de derogatieonderhandelingen met betrekking tot de aanvullende voorwaarden, de opstelling van het ministerie daarbij en de wijze waarop de sector betrokken is geweest? Hoe ziet, in dat kader, de tijdlijn van het afgelopen jaar eruit?

PM: ligt nog voor afstemming bij AZ

**heeft opmaak toegepast:** Markeren

De betreffende motie ziet op de onderhandelingen over de derogatieverlening voor de jaren 2020 en 2021. Ik heb de Tweede Kamer hierover in verband met de vertrouwelijkheid van onderhandelingen tot op heden nog niet geïnformeerd en zal dit zo spoedig mogelijk doen. Ik zal de correspondentie met de Europese Commissie over de derogatieonderhandelingen eveneens zo spoedig met de Tweede Kamer te delen. Ik kan echter hierover nog niet precies aangeven wanneer dit dat zal zijn, omdat hierover ook afstemming met de Europese Commissie nodig is en dit er mogelijk toe kan leiden dat informatie niet verstrekt kan worden.
Ten aanzien van de tijdlijn kan ik de Tweede Kamer het volgende informeren. De gesprekken over verlening van derogatie kunnen niet los worden gezien van de gesprekken met de Europese Commissie over de totstandkoming van het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7e AP) en het addendum daarop. Dit is gelegen in het feit dat een actieprogramma ten grondslag ligt aan verlening van derogatie. In onderstaande tijdlijn zijn de belangrijkste overleggen en contactmomenten van de minister van LNV en het ministerie van LNV met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) over de besluitvormingsprocedure naar derogatie weergegeven. Hierbij dient te worden opgemerkt dat dit geen uitputtende lijst is. De sector is op gezette tijden op verschillende niveaus geïnformeerd over de stand van zaken ten aanzien van derogatie.

*Eerste helft 2021*
Begin 2021 heeft een ambtelijk overleg plaatsgevonden tussen de EC en LNV over het traject van het 7e AP en het traject naar derogatieverlening. Als gevolg van het controversieel verklaard zijn van het mestbeleid door de Kamer in de eerste helft van 2021, was het niet mogelijk in de eerste helft van 2021 inhoudelijke gesprekken te voeren met de EC over de inhoud van het 7e AP.
In mei 2021 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over de stand van zaken met betrekking tot het 7e AP in verband met de politieke context in Nederland. In juni 2021 is hierover hoogambtelijk contact geweest tussen de EC en LNV.
In de zomer van 2021 zijn ambtelijke contacten tussen de EC en LNV geweest over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van september 2021 ten behoeve van het geven van de eerste presentatie in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. Op 15 september 2021 heeft Nederland in dit verband de 1e presentatie in het Nitraatcomité gegeven.

*Tweede helft 2021*
Medio september 2021 heeft ambtelijk overleg tussen de EC en LNV plaatsgevonden over de inhoud van het ontwerp 7e AP. Eind september 2021 heeft de EC gereageerd op het ontwerp 7e AP. In november 2021 hebben diverse ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV. In november 2021 heeft hoogambtelijk overleg plaatsgevonden tussen de EC en LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 15 december 2021 ten behoeve van het geven van de tweede presentatie in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. In november 2021 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van december 2021. In december 2021 is overleg geweest van Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 15 december 2021. Nederland heeft in het Nitraatcomité van 15 december 2021 niet de 2e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening (Kamerstukken II, 33037, nr. 433).

*1e kwartaal 2022*
In januari 2022 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over de inhoud van het coalitieakkoord in relatie tot het 7e AP en de mogelijkheid van het geven van de 2e presentatie in het Nitraatcomité, zodat derogatie in zicht bleef. In de tweede helft van januari 2022 is hoogambtelijk contact geweest tussen LNV en de EC. In februari heeft ambtelijk overleg plaatsgevonden tussen LNV en de EC over de inhoud van het coalitieakkoord en het addendum op het 7e AP. In februari 2022 hebben ambtelijk contacten tussen de EC en LNV plaatsgevonden over de inhoud van het addendum op het 7e AP. Eind februari 2022 is overleg geweest tussen de Europees Commissaris voor Milieu en de de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 17 maart 2022. Nederland heeft in het Nitraatcomité van 17 maart 2022 de 2e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. In maart 2022 is ambtelijk overleg geweest tussen LNV en de EC over de inhoud en voorwaarden van een derogatie.

*April – 9 september 2022*
In de periode april 2022 tot en met juni 2022 hebben ambtelijke overleggen en ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV over de inhoud en voorwaarden van een derogatie. Op 15 juni 2022 heeft Nederland in het Nitraatcomité de 3e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening.

In juli 2022 zijn hoogambtelijke en ambtelijke overleggen en contacten geweest tussen de EC en LNV over de inhoud en voorwaarden van een derogatie. In juli 2022 heeft overleg plaatsgevonden met de vicevoorzitter van de Europees Commissie en de minister van LNV, en de Europees Commissaris voor Milieu en de minister van LNV. In augustus en september 2022 hebben ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV. Op 15 september 2022 is stemming in het Nitraatcomité over de conceptderogatiebeschikking voorzien. Op 5 september 2022 (Kamerstukken II, 33037, nr. 450) heeft de minister van LNV de hoofdlijnen van de conceptderogatiebeschikking met het parlement gedeeld.

**heeft opmaak toegepast:** Nederlands (standaard)

62
Wordt er (volledig) uitvoering gegeven aan het te verwachten besluit van de Europese Nitraatcomité?

Ja. Nederland is een lidstaat van de Europese Unie (EU) en als zodanig gehouden uitvoering te geven aan Europese richtlijnen. Ditzelfde geldt voor uitvoeringsbesluiten, zoals een derogatie van de Nitraatrichtlijn, die door de Europese Commissie wordt verleend, nadat deze daartoe positief is geadviseerd door het Nitraatcomité dat met gekwalificeerde meerderheid van stemmen besluit.

63
Bestaat er een kans dat de EU een infractieprocedure wil opstarten jegens Nederland wanneer deze derogatie niet geaccepteerd wordt? Zo ja, op welke gronden?

~~Of er tegen Nederland een infractieprocedure wordt gestart is een bevoegdheid van de Europese Commissie. Het is daarmee aan de Europese Commissie of zij een onderzoek naar mogelijke schendingen van het EU-recht door Nederland opportuun acht.~~

Indien deze derogatiebeschikking niet wordt goedgekeurd en Nederland in strijd handelt ~~met de in die situatie vigerende normen~~ met bijvoorbeeld de norm van 170 kg nitraat per hectare per jaar, is de Europese Commissie bevoegd een infractieprocedure te starten.

64
Hoe lopen de meststromen in Nederland? Hoeveel mest blijft er nu op het eigen bedrijf, hoeveel mest wordt afgevoerd naar het buitenland en hoeveel mest gaat naar een agrarisch bedrijf in de buurt en hoeveel mest wordt verwerkt tot alternatief product?

Het CBS houdt deze gegevens bij onder in hun tabel Dierlijke mest: productie, transport en gebruik, kerncijfers. De laatste complete cijfers zijn van het jaar 2020.

Meststromen in Nederland in 2020 (in miljoenen kg):

| | Stikstof | Fosfaat |
|---|---|---|
| Mestproductie | 489 | 151 |
| Stikstofverliezen in stal en wei | 66 | - |
| Gebruik op eigen bedrijf | 251 | 73 |
| Aanvoer naar agrarisch bedrijf | 94 | 34 |
| Export | 43 | 29 |
| Verwerkte mest (excl export) | 18 | 8 |

65
Waarom krijgt Ierland wel derogatie toegekend en Nederland niet?

Op dit moment is de besluitvormingsprocedure voor derogatieverlening van de Nitraatrichtlijn aan Nederland nog niet afgerond en daarom kan nu niet gesteld worden dat aan Nederland geen derogatie is verleend. Op basis van de door Ierland verstrekte gegevens over de waterkwaliteit heeft de Europese Commissie een conceptderogatiebeschikking voor Ierland opgesteld. De lidstaten hebben een positief advies gegeven over de conceptderogatiebeschikking aan Ierland. In het afgelopen voorjaar is derogatie verleend. De Ierse situatie is op veel manieren anders dan de Nederlandse. 92% van de Ierse landbouwgrond bestaat uit grasland. Zo voldoet praktisch het hele grondgebied (98%) aan de maximale nitraatconcentratie in het grondwater van <50 mg/L. Ook de oppervlaktewaterkwaliteit is beduidend beter dan de Nederlandse. Desalniettemin laat de waterkwaliteit de afgelopen jaren ook in Ierland op veel fronten een verslechterende trend zien. Om deze reden heeft de Europese Commissie ook aan Ierland strenge eisen opgelegd in hun derogatiebeschikking. Zo zal na 2 jaar een review moeten worden uitgevoerd. Als deze review geen verbetering van de waterkwaliteit laat zien, zal de hoogte van de derogatie vanaf 2024 in de desbetreffende terugvallen van 250 naar 220 kg N/ha.

66

Wat is de inhoudelijke reactie van de Europese Commissie op het argument dat het wegvallen van de derogatie eerder zal leiden tot verslechtering van de waterkwaliteit dan tot verbetering?

Op dit moment kan ik niet ingaan op een inhoudelijke reactie van de Europese Commissie opdat het wegvallen van derogatie eerder zou leiden tot verslechtering van de waterkwaliteit dan tot verbetering. De reden hiervoor is in de aanbieding bij deze beantwoording toegelicht. Wel kan ik aangeven dat in eerdere brieven aan de Tweede Kamer is toegelicht dat er een waterkwaliteitsopgave voor Nederland is en dat de Europese Commissie de waterkwaliteit specifiek en de milieusituatie in den breedte nauwgezet volgt (Kamerstukken II 2019/20, 33037, nr. 369 en Kamerstukken II 2021/22, 33037 nr. 434). Bij een positief advies van de lidstaten in het geplande Nitraatcomité van 15 september 2022 zal de Europese Commissie de verlening van derogatie vervolgen en zijn bij de publicatie van de definitieve derogatiebeschikking de overwegingen bij die beschikking bekend.

67
Wat is de inhoudelijke reactie van de Europese Commissie op het argument dat het wegvallen van de derogatie zal leiden tot extra gebruik van kunstmest met bijbehorende gasgebruik en CO2-emissies?

De derogatie betreft het gebruik van stikstof uit dierlijke mest, wat bovenop de gebruiksnorm van 170 kg nitraat uit dierlijke mest per hectare per jaar wordt toegestaan. De inhoud van de conceptbeschikking en dus ook de overwegingen van de Europese Commissie zijn op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

68
Wordt ontlasting van huishoudens ook weleens gezuiverd via Individuele Behandeling van Afvalwater (IBA)? Zo ja, hoeveel stikstof komt hierbij vrij en in de natuur terecht?

In Nederland was in 2013 99,7% van de huishoudens aangesloten op een afvalwatersysteem, de hoogste aansluitingsgraad in de Europese Unie. Op dat moment was 0,3% (ongeveer 23.000) van de Nederlandse huishoudens aangesloten op decentrale voorzieningen, IBA's.[4] Er bestaan verschillende soorten IBA-systemen, maar ze hebben als gemeenschappelijk kenmerk dat ze huishoudelijk afvalwater kleinschalig zuiveren, waar geen aansluiting is op de riolering. Er zijn drie klassen IBA's, waarbij klasse 3A en 3B zijn ingericht om schadelijke stoffen voor het milieu als stikstof en fosfaat uit het afvalwater te halen. De stikstof die hierbij vrijkomt is verwaarloosbaar.

69
Kunt u nader aangeven om welke inhoudelijke redenen de Europese Commissie afbouw van de derogatie afdwingt? Waarom is de Europese Commissie de mening toegedaan dat de derogatie afbreuk zou doen aan de het bereiken van de doelstellingen in artikel 1 van de Nitraatrichtlijn en dat de motivering van de derogatie op basis van de criteria genoemd in bijlage III van de Nitraatrichtlijn onvoldoende zou zijn?

De afgelopen jaren is, ook onder derogatiebedrijven, de waterkwaliteit op veel plaatsen verslechterd (Kamerstukken II 2021/22, 33 037, nr. 445). Daarnaast betrekt de Europese Commissie, meer dan bij

[4] Riolering in beeld 2013 p. 13.

eerdere derogaties, de milieutoestand in Nederland in den brede. Zo heeft ook de toestand van Natura 2000-gebieden een rol gespeeld bij de uiteindelijke afwegingen van de Europese Commissie.

70
Wat is de juridische basis om in de derogatiebeschikking (aanvullende) voorwaarden op te nemen die ook van toepassing zijn voor niet-derogatiebedrijven?

Ik verwijs naar de beantwoording van vraag 67 waarin is aangegeven dat in eerdere brieven aan de Tweede Kamer is toegelicht dat er een waterkwaliteitsopgave voor Nederland is en dat de Europese Commissie de Nederlandse waterkwaliteit specifiek en de milieusituatie in den brede nauwgezet volgt (Kamerstukken 2019/20 II, 33037, nr. 369 en Kamerstukken II 2021/22, 33037, nr. 434).
In voornoemde brief van 5 september 2022 is toegelicht dat de Europese Commissie deze derogatieverlening ziet als ondersteuning van de in Nederland benodigde transitie van de landbouw waaronder de waterkwaliteit en de impact daarvan op het landelijk gebied door het Nationaal Programma Landelijk gebied.

71
Kunt u de conceptbeschikking voor het commissiedebat Mestbeleid (al dan niet vertrouwelijk) delen met de Kamer?

Voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen heb ik de vertrouwelijkheid van de inhoud van de conceptderogatiebeschikking toegelicht, waar ik hiernaar ~~ik~~ verwijs ~~hiernaar~~. In algemene zin is het mogelijk om een document vertrouwelijk bij de Tweede Kamer ter inzage te leggen en een besloten commissiedebat te houden. Daarover moet de Europese Commissie dan wel van te voren geïnformeerd worden. Het houden van een besloten Commissiedebat is uiteraard een keuze van de ~~uw~~ Kamer.

72
Welke gebieden in Nederland vallen buiten drinkwaterwingebieden?

Drinkwaterwingebieden zijn zones in Nederland waar water wordt opgepompt om drinkwater van te maken. Op https://www.atlasleefomgeving.nl/grondwaterbeschermingskaart-rondom-bronnen-voor-drinkwater is de grondwaterbeschermingskaart te vinden rondom bronnen voor drinkwater. Het overige deel van Nederland valt hier dus buiten.

73
Hoeveel extra kunstmest is er nodig om dezelfde stikstofbemesting te handhaven zonder derogatie?

Wanneer geen sprake meer is van de derogatie, kan een landbouwer 170 kg N per hectare opbrengen, waar hij met een derogatie in het maximale geval 250 kg N per hectare kan opbrengen. Hij kan dan dus maximaal 80 kg N/hectare in de vorm van drijfmest van graasdieren minder plaatsen. Wil hij echter hetzelfde bemestingsniveau aanhouden, dan zal hij 36 kg N per hectare in de vorm van kunstmest moeten aanvoeren als hij beweidt (werkingscoëfficiënt 45%) en 48 kg N per hectare als hij geen beweiding toepast (werkingscoëfficiënt 60%). In totaal is er in Nederland in 2021 753.338 hectare voor derogatie aangemeld. Dat zou beteken dat er in het uiterste geval tussen de 27 en 36 miljoen kg N in de vorm van kunstmest nodig is om de stikstofbemesting op hetzelfde peil te houden.

74
Hoeveel gas is er nodig om de extra kunstmest te produceren om dezelfde stikstofbemesting te handhaven zonder derogatie?

Dat is afhankelijk van welke kunstmest er gebruikt wordt. Meststoffen Nederland geeft aan dat de Nederlandse kunstmestproducenten ongeveer 1000 $m^3$ aardgas nodig hebben om 1 ton $NH_3$ te produceren.

75
Hoeveel extra vervoersbewegingen worden er verwacht door meer mestafvoer en kunstmesttoevoer?

Het aantal vervoersbewegingen zal toenemen, met name omdat er meer mest moet worden afgevoerd. Een exacte kwantificering is moeilijk te geven, aangezien dit sterk afhankelijk is van de keuzes die de boer maakt in de bedrijfsvoering met betrekking tot teeltplan, bemestingsniveau en waar mest afgezet gaat worden in de situatie dat de derogatie verdwijnt.

76
Wat is de berekende toename aan brandstofverbruik door de verwachte extra mestafvoer en kunstmesttoevoer?

Het aantal vervoersbewegingen en daarmee het brandstofverbruik zal toenemen, met name omdat er meer mest moet worden afgevoerd. Een exacte kwantificering is moeilijk te geven, aangezien dit sterk afhankelijk is van de keuzes die de boer maakt in de bedrijfsvoering maakt met betrekking tot teeltplan, bemestingsniveau en waar mest afgezet gaat worden in de situatie dat de derogatie verdwijnt.

77
Waarom is het mestprobleem niet in de jaren '60 opgelost, toen er voor het eerst voor is gewaarschuwd?

Regulering van het mestbeleid vindt sinds de jaren tachtig plaats en vanaf de jaren negentig wordt het kader gevormd door de Nitraatrichtlijn. Sindsdien worden elke vier jaar actieprogramma's Nitraatrichtlijn opgesteld door middel waarvan uitvoering aan het Nederlandse mestbeleid is gegeven. Met de Europese Commissie is steeds overeenstemming over de inhoud van deze actieprogramma's bereikt ten behoeve van verbetering van de waterkwaliteit.

78
Leidt het uitstel voor het beëindigen van de derogatie tot vertraging voor het bereiken van de kritische depositiewaarde? Zo ja, hoeveel?

~~Nee.~~ Bedoeld wordt waarschijnlijk de doelstelling van het kabinet om in 2030 74% van de Natura2000-gebieden onder de Kritische Depositie Waarde (KDW) te krijgen. Dat doel is onafhankelijk van het wel of niet verkrijgen van derogatie vastgesteld. Rijk en provincies zullen met onder andere het Nationaal Programma Landelijk Gebied de benodigde maatregelen treffen om deze doelstelling te realiseren. Daartoe zullen in het NPLG onder meer ruimtelijke structurerende keuzes worden gemaakt die

doorwerking hebben in de door provincies op te stellen gebiedsprogramma's. De gevolgen van de afbouw van de derogatie zullen daarin meegenomen worden.

79
Is er een wetenschappelijk rapport dat gedeeld kan worden dat onderbouwt dat afschaffen van de derogatie bijdraagt aan de doelen van de nitraatrichtlijn?

Aan de doelen van de Nitraatrichtlijn dient te worden voldaan ongeacht de mogelijkheid die de Nitraatrichtlijn biedt om een hogere gebruiksnorm voor stikstof uit dierlijke mest dan 170 kg per hectare toe te passen, de zogenaamde derogatie.

80
Welke extra maatregelen moeten genomen worden om de kritische depositiewaarde te behalen, nu er langer teveel mest mag worden uitgereden?

Bedoeld wordt waarschijnlijk de doelstelling van het kabinet om in 2030 74% van de Natura2000-gebieden onder de Kritische Depositie Waarde te krijgen. Het maatregelenpakket voor het realiseren van de doelen van de integrale aanpak wordt nog nader uitgewerkt in gebiedsprogramma's onder leiding van provincies en verder in generiek beleid vanuit het Rijk. Bij het vaststellen van het NPLG in medio 2023 zullen ook de maatregelen worden vastgesteld waarmee de verschillende doelen van de integrale aanpak zullen worden gehaald. De doelstellingen van het kabinet voor wat betreft stikstofemissie -en depositie passen binnen het tijdspad voor de afbouw van de derogatie.

81
Om hoeveel bedrijven gaat het (die nu derogatie hebben, verliezen en/of compensatie krijgen)?

In 2021 is aan 16.528 bedrijven een derogatievergunning verleend.

82
Om hoeveel ton mest (extra over de periode tot 2026) gaat het?

Voor individuele graasdierhouders, die in de afgelopen jaren gebruik maakten van derogatie, zal op bedrijfsniveau de plaatsingsruimte voor dierlijke mest afnemen, wat bij een ongewijzigde bedrijfsvoering zal leiden tot meer afvoer van dierlijke mest. Bij een ongewijzigde bedrijfsvoering neemt de gebruiksruimte voor stikstof uit dierlijke mest in 2023 af met 7.086.000 kg N, in 2024 af met 14.001.940 KG N en in 2025 met 34.584.800 kg N.
De hoeveelheid dierlijke mest die extra van een derogatiebedrijf moet worden afgevoerd als gevolg van de afbouw van derogatie verschilt per bedrijf en is in totaliteit niet te kwantificeren omdat dit afhankelijk is van meerdere factoren, zoals bijvoorbeeld de mestproductie, de verhouding van de nutriënten in de mest, fosfaatruimte op een bedrijf en de bedrijfsvoering van een bedrijf en mogelijke aanpassingen hierin.

83
Hoe gaat voorkomen worden dat het gebruik van kunstmest toeneemt?

De hoogte van de totaalgebruiksnormen voor stikstof en fosfaat bepalen de mogelijkheden die een landbouwer heeft in het toepassen van kunstmest. Deze normen mogen niet overschreden worden. In het zevende actieprogramma Nitraatrichtlijn is een evaluatie van de stikstofgebruiksnormen voorzien en in door nutriënten verontreinigde gebieden wordt een verlaging van de stikstofgebruiksnormen door de Europese Commissie verplicht vanaf 2025. Daarnaast is het zo dat derogatiebedrijven onder vorige derogaties geen fosfaatkunstmest mochten gebruiken. De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot dit punt is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen. Verder verwijs ik naar het antwoord op vraag 45 en 46 waarin ik heb aangegeven dat ik mij ervoor zal blijven inspannen de gesprekken met de Europese Commissie over het gebruik van RENURE-producten te vervolgen.

84
Hoeveel bedrijven hebben nu geen derogatie en wat zijn daar de belangrijkste redenen voor? Kunt u dat specificeren voor regio, grondsoort en type bedrijf (aantallen en soorten vee, mate van grondgebondenheid, aantallen dieren per hectare, etc.)

Ik kan uw vraag nu niet beantwoorden, omdat aan Nederland voor 2022 nog geen derogatie is verleend. In 2021 is aan 16.528 bedrijven een derogatievergunning verleend.

**Met opmaak:** Regelafstand: enkel

85
Klopt het dat boeren meer compensatie krijgen, naarmate de afname van de derogatie oploopt? Als dat zo is, is dan de schok na afloop van de derogatie én compensatie niet veel groter? Wat daarna?

Ja. Gedacht wordt aan een tegemoetkoming die bedrijven ontvangen naar gelang de hectares en daarmee de gemoeide extra kosten die zij moeten maken voor mestafvoer. Het gaat om een tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling, gericht ~~om~~ op het behoud van het areaal grasland op deze bedrijven. Dit biedt ~~op peil te houden en~~ deze bedrijven tevens de gelegenheid te bieden om deze periode te benutten om op basis van de veranderende situatie en de toekomstige kaders de juiste afwegingen te kunnen maken voor hun bedrijf. Ik ~~wil~~zal boeren ondersteunen bij deze transitie. Hierover zal ik u informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

86
Moet de compensatie van 130 miljoen euro niet vooral doelgericht zijn naar omschakeling? Is het niet effectiever om boeren die eerder omschakelen extra te belonen of te compenseren?

Hiervoor biedt het Rijk een integrale aanpak en kaders, via het NPLG, en ondersteuning. D~~Voor d~~e tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling is voor de bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden en is ~~gaat het~~ gericht op ~~om het stimuleren van deelname aan de derogatie en daarmee b~~het behoud van het areaal grasland. ~~Gedacht wordt aan een tijdelijke transitieregeling die tegemoetkoming geeft aan derogatiebedrijven naar gelang de hectares, en daarmee de instandhouding van de hectares grasland.~~

87

Kunt u toelichtten hoe op beleidsniveau en bedrijfsniveau de samenhang tussen de vermindering van het uitrijden van mest en de emissies van stikstof wordt vormgegeven? Hoe gaan die elkaar versterken?

Diverse onderzoeks- en innovatieprogramma's, waarbij mijn ministerie betrokken is, werken aan deze koppeling tussen het uitrijden van mest en de emissie van stikstof. Denk hierbij bijvoorbeeld aan het programma Bemest op z'n Best.[5]

88
Wat is de prijs (maatschappelijk, voor de overheid en voor boeren bedrijven) van het oplossen van derogatie en stikstofproblemen als dit met extensivering wordt bereikt versus technische maatregelen?

Het afbouwen van de derogatie betekent dat het gebruik van dierlijke mest per hectare moet worden beperkt en het stikstofvraagstuk vereist het beperken van de stikstofemissie naar de lucht. De bedrijven staan voor de opgave om hun bedrijfsvoering daarop aan te passen. Vanuit de overheid zal voor het realiseren van de benodigde transitie van de landbouw en het landelijk gebied een mix van maatregelen worden ingezet, waaronder technische maatregelen (mits bewezen effectief) en extensivering. Het exacte maatregelenpakket wordt voor een groot deel nog nader uitgewerkt in gebiedsprogramma's onder leiding van provincies. Daarbij wordt er per gebiedsplan een sociaal-economische impactanalyse gemaakt waarbij de hele gebiedsgerichte aanpak wordt geanalyseerd. Ik kan niet vooruitlopen op de gebiedsplannen en hoe de mix van maatregelen eruit zal zien. Ik kan met dat gegeven dus ook geen inschatting maken van de 'prijs' die dit met zich meebrengt.

89
Welke maatregelen (naast incentives als compensatie) gaat u nemen om omzetting van grasland te voorkomen?

Zoals in ~~de~~voornoemde brief van 5 september jl. is aangegeven, gaat het kabinet onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van een grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

90
Welke mogelijk effectieve maatregelen gaat u niet nemen en waarom niet?

Bij overheidsingrijpen worden rechtmatigheid, doeltreffendheid, doelmatigheid en uitvoerbaarheid van beleid of regelgeving afgewogen naast de gevolgen van nieuw beleid of regelgeving voor betrokkenen en mogelijke neveneffecten.

91
Is er een 'stikstofbalans' voor Nederland (import in de vorm van uitlaatgassen, kunstmest en veevoer versus uitvoer in de vorm van landbouwproducten, uitspoeling en verwaaien naar het buitenland)? Als dit bestaat kunt u die delen? Als dit niet bestaat, kunt u die maken?

[5] https://www.verantwoordeveehouderij.nl/nl/bemestopznbest.htm

Het compendium van de leefomgeving (CLO) geeft een stroomschema voor stikstof en fosfaatstromen in de Nederland. Stroomschema voor stikstof en fosfor in de landbouw, 2020 | Compendium voor de Leefomgeving (clo.nl).

92
Is de afbouw van een gedoogregeling als de derogatie een ondernemersrisico waar de (Rijks)overheid niet voor hoeft te compenseren?

Derogatie is geen gedoogregeling. Een juridische verplichting tot nadeelcompensatie voor de afbouw van derogatie is niet aannemelijk. Een derogatie is immers niet iets waar een lidstaat recht op heeft, maar een uitzondering die door de Europese Commissie onder voorwaarden kan worden toegestaan. Voorzienbaar was daarbij voor bedrijven dat Nederland niet tot in lengte van jaren over een derogatie zou beschikken. Het is dan ook niet aannemelijk dat het bij de extra kosten die bedrijven moeten maken als gevolg van de afbouw van de derogatie gaat om een buiten het normaal maatschappelijk risico vallende schade. Ook is de mate van vertrouwen die een bedrijf over het algemeen aan een tijdelijke vergunning, zoals de jaarlijks aan te vragen derogatievergunning, kan ontlenen gering. De tijdelijke tegemoetkomingsregeling is dan ook geen nadeelcompensatieregeling, maar een tegemoetkomingsregeling voor een deel van de extra kosten, gericht op behoud van het areaal grasland, voor bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden.

93
Waarom 'knelt de timing' voor de transitie van bedrijven op gebied van stikstof klimaat en water, zoals de brief stelt, als de derogatie voor de meeste betrokken bedrijven over dezelfde onderwerpen gaat en met dezelfde middelen bereikt kan worden? In hoeverre zijn de maatregelen nodig voor de afbouw van de derogatie anders dan een eerste stap in de richting van de doelen voor stikstof klimaat en water?

In voornoemde brief van 5 september 2022 aan de Tweede Kamer is aangegeven dat de richting van de ontwikkelingen van de afbouw van de derogatie en de transitie overeenkomsten kent, maar de timing knelt. Hierbij is aangegeven dat voor de realisatie van de doelen van het NPLG tot 2030 de tijd is, terwijl daarentegen het afbouwpad van de derogatie al in de komende jaren tot een extra opgave leidt voor de derogatiedeelnemers.

94
Wiens timing zat het meeste mis, gelet op het gegeven dat er al heel lang (sinds voor het verlenen van de derogatie) kennis is dat er teveel mest wordt geproduceerd, en ook al decennia bekend is dat er teveel stikstof wordt uitgestoot en al decennia niet voldaan wordt aan de normen voor waterkwaliteit, luchtkwaliteit en natuurkwaliteit?

~~Ik kan niet herleiden aan wie u refereert en deze vraag gaat mijn inziens verder dan het feitelijke karakter van deze vragen.~~
Er is sprake van knelling in de timing, omdat het afbouwen van de derogatie boeren voor opgave stelt, die zich ook al geconfronteerd zien met de transitie die we van ze vragen in het kader van NPLG.

**Met opmaak:** Regelafstand: enkel

95
Waarom is gekozen voor 80% grasland?

**Met opmaak:** Regelafstand: enkel

Dit was een voorwaarde in de vorige derogatiebeschikking. In de eerste derogatiebeschikking was het percentage grasland waarover een bedrijf met derogatie diende te beschikken 70%, sinds 2014 is dat aandeel verhoogd naar 80%. Deze derogatievoorwaarde hangt nauw samen met de onderbouwing van de Nederlandse derogatie voor graasdiermest op graasdierbedrijven, te weten de hoge stikstofopname en het lange groeiseizoen van grasland.

96
Wat zijn de gevolgen voor bedrijven (en landschappen) met relatief weinig grasland?

De gevolgen kunnen verschillend zijn per bedrijf. Ik kan daarom geen algemene duiding geven van de effecten voor de bedrijven met relatief grasland.

97
Wat is de samenhang tussen de doelen voor de compensatieregeling derogatie en regelingen in het GLB?

Het GLB heeft onder andere tot doel bij te dragen aan het milieu en het behoud van landschap en biodiversiteit. De tijdelijke transitietegemoetkoming heeft eveneens tot doel ~~door deelname aan derogatie~~ het aandeel grasland in Nederland te behouden en daarmee emissies naar het aquatisch milieu te voorkomen.

98
Welke doelen zijn gediend bij het afschaffen van derogatie op de Nitraatrichtlijn?

Voor wat betreft het milieu is vooral de biodiversiteit in Natura2000-gebieden gediend bij het sec afschaffen van de derogatie. Ik verwijs u tevens naar eerdere brieven van mijn voorganger (Kamerstukken II, 2021/22, 33037 nrs. 439, 446).

99
Bent u voornemens het voorstel om graasdierbedrijven verplicht grondgebonden te maken uit het actieprogramma voor de Nitraatrichtlijn te halen nu het met het verlies van de derogatie nog lastiger wordt om deze opgave te realiseren?

Ik ben momenteel bezig met de nadere uitwerking van grondgebondenheid. In het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn heeft mijn ambtsvoorganger aangekondigd nog dit jaar een wetsvoorstel voor een grondgebonden melk- en rundveehouderij in consultatie te brengen. Ik zal bij de uitwerking van grondgebondenheid de gevolgen van de afbouw van de derogatie betrekken.

100
Waarom is er niet op voor gekozen om de derogatie te behouden in gebieden waar weinig problemen zijn met de waterkwaliteit?

Zoals in voornoemde brief van 5 september 2022 is aangegeven betreft dit de laatste derogatie voor graasdiermest aan Nederland. Het verder voortzetten daarvan, ook voor een kleiner gebied, is daarom geen optie.

101
Ziet u mogelijkheden om Nederland wat betreft de Nitraatrichtlijn in verschillende gebieden op te knippen en opnieuw derogatie aan te vragen voor gebieden waar weinig problemen zijn met de waterkwaliteit in relatie tot bemesting?

Nee, ik zie hiertoe geen mogelijkheden. De conceptderogatiebeschikking betreft een document van de Europese Commissie waarop geen aanpassingen meer zijn door te voeren.
Zoals in voornoemde brief van 5 september 2022 is aangegeven betreft dit de laatste derogatie voor graasdiermest aan Nederland. Het verder voortzetten daarvan, ook voor een kleiner gebied, is daarom geen optie.

102
Ziet u mogelijkheden om de pilots voor een bedrijfseigen stikstofnorm verder op te schalen?

~~Nee, ik zie hiertoe geen mogelijkheden.~~ De ruimte voor pilots is opgenomen in het vastgestelde 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn. Hierbij is tevens opgenomen dat de BES-pilot in 2022 geëvalueerd wordt om te bepalen hoe verder gegaan zal worden met bedrijfsspecifieke stikstofbemesting in het 7e AP. Hierbij is ook afstemming met de Europese Commissie benodigd, maar ik zie hiervoor op dit moment geen mogelijkheden. Een verruiming hiervan kan met de totstandkoming van het 8e actieprogramma Nitraatrichtlijn weer gespreksonderwerp zijn met de Europese Commissie. ~~.~~

103
Komt u voor volgend jaar met een tijdelijke vrijstelling voor het gebruik van ammoniumsulfaat als kunstmestvervanger?

Nee, ik wil aansluiten bij bestaande mogelijkheden voor spuiwaters op de bijlage Aa van de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet waarin o.a. stoffen die als meststof kunnen worden gebruikt, zijn aangeduid. ~~,~~ V~~v~~oor overige producten wil ik aansluiten bij het RENURE traject.

104
Klopt het dat het doel van de tegemoetkomingsregeling is om derogatiebedrijven te stimuleren om tot en met 2025 van de derogatie gebruik te laten blijven maken? Zo nee, wat is dan het doel?

Ja, dit klopt. Deze regeling is erop gericht via deelname aan de derogatie de komende jaren het ~~te bevorderen en daarmee het~~ areaal grasland van deze bedrijven in de toekomst te behouden ~~om~~ en daarmee te voorkomen dat de waterkwaliteit in Nederland achteruitgaat. Het is een tegemoetkomingsregeling voor een deel van de extra kosten, gericht op behoud van het areaal grasland, voor bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden.

105

Moeten melkveehouders die in 2022 hebben bemest volgens de derogatienormen, nu nog de derogatie aanvragen bij de Rijksdienst voor Ondernemend Nederland (RVO) voor 2022?

Ja, deze bedrijven dienen voor 2022 nog een derogatievergunning aan te vragen. Hiervoor zal dit jaar nog een openstelling plaatsvinden.

106
Kunt u een schatting maken van de hoeveelheid stikstof uit kunstmest die derogatiebedrijven momenteel gebruiken, dus aanvullend op de 230 of 250 kg/ha uit dierlijke mest? Klopt het dat het ook mogelijk is om grasland en maïs te telen volgens de stikstofnorm van 170 kg/ha, zonder de hoeveelheid kunstmest te verhogen? Kunt u een schatting maken van het opbrengstverlies dat dat oplevert?

De stikstoftoediening uit kunstmest was gemiddeld 133 kg per hectare op derogatiebedrijven in 2020 (RIVM-rapport Landbouwpraktijk en waterkwaliteit, bijlage bij Kamerstuk 33037, nr. 445). Het is mogelijk om grasland en maïs te telen volgens de stikstofnorm van 170 kg/ha, zonder de hoeveelheid kunstmest te verhogen. Het verwachte opbrengstverlies hiervan is niet in beeld, omdat deze afhankelijk is van verschillende factoren.

107
Is het voor een lidstaat mogelijk en/of toegestaan om, na het verlies van derogatie, ook de totale bemestingsnorm voor stikstof te verlagen, om hiermee te voorkomen dat de inperking van het gebruik van dierlijke mest wordt opgevuld met kunstmest? Zo ja, op welke manier zou dit wettelijk vastgelegd kunnen worden? Zo nee, waarom niet?

Een lidstaat kan de totale bemestingsnorm voor stikstof verlagen. In door nutriënten verontreinigde gebieden wordt een verlaging van de stikstofgebruiksnormen door de Europese Commissie verplicht in 2025. Het vaststellen van nieuwe codes van goede landbouwpraktijk zal worden gebaseerd op ~~een~~ wetenschappelijk advies, dat rekening houdt met de actuele landbouwpraktijk. Dit betrek ik bij een evaluatie van de stikstofgebruiksnormen dat in het zevende Nitraatactieprogramma is aangekondigd.

108
Wanneer zult u de 'verontreinigde gebieden' aanwijzen?

In voornoemde brief van 5 september 2022 is aangegeven dat Nederland vanaf 2023 verontreinigde gebieden dient aan te wijzen. Aangezien de gebruiksnormen op een geheel kalenderjaar betrekking hebben, zal deze aanwijzing per 1 januari 2023 plaats moeten vinden.

109
Hoe groot zullen de bemestingsvrije bufferstroken langs waterwegen worden? Klopt het dat dit nu in lijn gebracht zal worden met de voorwaarden uit het nieuwe GLB, in plaats van dat u het GLB-NSP aanpast aan het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn, wat u eerder van plan was?

Ik verwijs u voor een antwoord op deze vraag naar de beantwoording van vraag 30.

110

Worden de bufferzones langs waterwegen alleen bemestings- en spuitvrije zones, of ook teeltvrije zones? Klopt het dat het in principe mogelijk is om gewassen te telen zonder (kunst)mest en pesticiden? Wordt dit wel toegestaan in de bufferzones? Zo nee, waarom niet? Zo ja, hoe wordt hierop gecontroleerd?

Ik verwijs u voor een antwoord op deze vraag naar de beantwoording van vraag 30.

111
Wat zijn de argumenten voor en tegen het zo snel mogelijk instellen van een wettelijke verplichting voor zoveel mogelijk permanent grasland? Wat zijn de redenen om in 2030 of 2032 pas met een wetstraject hiervoor te beginnen?

Zoals eerder door mijn ambtsvoorganger aan de~~uw~~ Kamer is aangegeven, ben ik momenteel bezig met de nadere uitwerking van de definitie voor grondgebondenheid en ben ik voornemens in lijn met het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn dit jaar een wetsvoorstel voor een grondgebonden melk- en rundveehouderij in het jaar 2032 in consultatie te brengen. Ik zal de~~uw~~ Kamer dit najaar informeren over de uitwerking van de definitie van grondgebondenheid. Het behoud van grasland zal ik in dit voorstel betrekken. In de brief van 5 september jl. is aangegeven dat het kabinet gaat onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van der derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel permanent grasland in het kader van grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

112
Wat zijn de verwachte effecten op het graslandareaal als derogatie verdwijnt?

Ik zet mij omwille van de waterkwaliteit in voor het op peil houden van het areaal grasland in Nederland, onder andere door met de tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling deelname aan derogatie te stimuleren en zo het aandeel grasland te behouden. Zoals in de brief van 5 september jl. aangegeven gaat het kabinet onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.
De gevolgen van het verlies van derogatie voor het areaal grasland is niet te kwantificeren, omdat dit afhankelijk is van meerdere factoren zoals bijvoorbeeld de grondsoort waarop de percelen van het bedrijf gelegen zijn en de bedrijfsvoering van een bedrijf.

113
Wat is de verhouding van het percentage bedrijven dat aan de nitraatnorm voldoet tussen niet derogatiebedrijven en derogatiebedrijven naar regio?

Het percentage derogatiebedrijven dat in 2020 een nitraatconcentratie in het uitspoelingswater had dat hoger was dan de nitraatnorm verschilt per regio. Het RIVM geeft aan dat dit in de veenregio 8 procent was. In de kleiregio was dit 23 procent, in Zand 250 was dit 12 procent, in Zand 230 was dit 55 procent en in de lössregio was dit 68 procent (zie tabel 3.9 van het RIVM rapport Landbouwpraktijk en waterkwaliteit op landbouwbedrijven aangemeld voor derogatie in 2020 (overheid.nl)).
De nitraatrichtlijnrapportage geeft voor de periode 2016-2019 aan dat het percentage bedrijven dat niet aan de nitraatnorm voldeed 3 procent was op veen, 18 procent was op klei, 37 procent was op zand en

51 procent was op löss (zie Tabel 4.5b van het RIVM rapport Landbouwpraktijk en waterkwaliteit in Nederland; toestand (2016-2019) en trend (1992-2019) (rivm.nl)).
De derogatierapportage en de nitraatrichtlijnrapportage zijn echter gebaseerd op verschillende meetnetten met verschillende typen bedrijven (derogatierapportage: derogatiemeet, nitraatrichtlijnrapportage: basismeetnet) waardoor bovengenoemde percentages niet goed met elkaar vergelijkbaar zijn per grondsoort. Het derogatiemeetnet is immers specifiek gericht op het monitoren van landbouwbedrijven met derogatie en het basismeetnet bestaat uit een combinatie van derogatie- en niet-derogatiebedrijven. Ook is het zo dat niet alle bedrijven in het derogatiemeetnet voldoen aan de voorwaarden om te worden meegenomen voor het basismeetnet. Voor meer details over de samenstelling van de meetnetten verwijs ik naar bovenstaande rapporten.

114
Welke wet of regeling zou gewijzigd moeten worden om melkveehouders te verplichten om minimaal 80% van hun grond als permanent grasland te houden?

Voor het antwoord op deze vraag verwijs ik naar het antwoord op vraag 11~~3~~1.

115
Kunt u een doorrekening overleggen waaruit blijkt dat verlies van derogatie bijdraagt aan de doelen van de nitraatrichtlijn?

Nee, ik kan hierover geen doorrekening overleggen. Ik wil hierbij opmerken dat ongeacht een verlening van een derogatie een lidstaat aan de doelen van de Nitraatrichtlijn zal moeten voldoen.

116
Wat houdt de begrotingsreserve apurement in en waarvoor is deze bedoeld?

De begrotingsreserve Apurement heeft betrekking op correcties die de Europese Commissie kan opleggen vanwege een niet EU-conforme uitvoering van regelingen waar EU middelen bij betrokken zijn. Door middel van een begrotingsreservesystematiek worden deze incidentele tegenvallers op de LNV begroting gedekt.

117
Welke precieze redenen draagt de Europese Commissie aan in de conceptderogatiebeschikking?

~~Uit deze vraag maak ik niet op naar welke redenen wordt verwezen. Indien dit de overwegingen in de conceptderogatiebeschikking betreft, is de inhoud van deze beschikking op dit moment nog vertrouwelijk en verwijs ik naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.~~
De conceptderogatiebeschikking is op dit moment nog vertrouwelijk en daarom verwijs ik naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

118
In welke andere landen ziet de Europese Commissie, gelet op uw uitspraak in de Kamerbrief "De EC ziet deze derogatieverlening uitdrukkelijk als ondersteuning van de in Nederland benodigde transitie van de landbouw (o.a. op het gebied van waterkwaliteit) en de impact daarvan op het landelijk gebied door het

Nationaal Programma Landelijk Gebied", derogatieverlening nog wel als ondersteuning van de transitie van de landbouw?

Ik kan deze vraag niet beantwoorden, omdat hier gevraagd wordt naar het standpunt van de Europese Commissie. ~~Het is dan ook niet aan mij om deze vraag te beantwoorden.~~

119
Hoeveel meer kunstmest zal naar verwachting meer worden gebruikt door de beëindiging van derogatie in de Nederlandse landbouw, en wat zijn de effecten hiervan op klimaat en water-, lucht- en bodemkwaliteit?

De hoeveelheid kunstmest, die na beëindiging van de derogatie meer gebruikt zal worden, is afhankelijk van de gewaskeuzes die de landbouwer maakt, de mogelijkheid om kunstmestvervangers uit dierlijke mest te kunnen gebruiken en de economische afweging die de boer maakt bij de aanschaf en gebruik van extra kunstmest ten opzichte van meeropbrengsten die deze kunstmest oplevert. Daarbij is de landbouwer gehouden aan de totaalgebruiksnorm(en) voor stikstof en fosfaat die op grond van de Meststoffenwet gelden.

120
Wanneer zijn de komende beslismomenten in het Europese kunstmestvervangingstraject, en waar gaan die concreet over?

Beslismomenten zijn niet gepland. Verder verwijs ik naar het antwoord op vraag 45 en 46 waarin ik heb aangegeven dat ik mij ervoor zal inspannen de gesprekken met de Europese Commissie over het gebruik van RENURE-producten te vervolgen.

121
Welke maatregelen zijn mogelijk om te voorkomen dat dierlijke mest wordt vervangen door kunstmest?

De hoogte van de totaalgebruiksnormen voor stikstof en fosfaat bepalen de mogelijkheden die een landbouwer heeft in het toepassen van kunstmest. Deze normen mogen niet overschreden worden. De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot dit punt is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

122
Leidt de afbouw van derogatie naar verwachting tot een mestoverschot, en zo ja hoe groot, en wat zal dit naar verwachting doen met de prijs?

De afbouw van de derogatie leidt naar verwachting tot een hoger mestoverschot. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de afbouw van de derogatie indirect gevolgen voor de afzet van dierlijke mest. Het is gezien de verschillende factoren die hier van invloed op zijn moeilijk een inschatting te geven van de mate waarin en het effect op de mestafzetprijzen.

123

Is de veronderstelling juist dat de aanvullende voorwaarden met betrekking tot het tijdig realiseren van doelbereik voor de waterkwaliteitsopgave juridisch gezien thuishoren in het actieprogramma en niet in de derogatiebeschikking?

Zoals in de beantwoording op vraag 67 is aangegeven is in eerdere brieven aan de Tweede Kamer toegelicht dat er een waterkwaliteitsopgave voor Nederland is en dat de Europese Commissie de Nederlandse waterkwaliteit specifiek en de milieusituatie in den brede nauwgezet volgt (Kamerstukken II 2019/20, 33037, nr.. 369 en Kamerstukken II 2021/22, nr. 434). De Europese Commissie betrekt deze bij een aanvraag voor derogatie door een lidstaat. Dat heeft er nu en ook bij verlening van eerdere derogatiebeschikkingen toe geleid dat aanvullende voorwaarden zijn opgenomen in de derogatiebeschikking die breder gelden. Ik verwijs hiervoor bijvoorbeeld naar de aanvullende eis in de derogatiebeschikking voor de jaren 2020 en 2021 die ziet op de totale hoeveelheid geproduceerde dierlijke mest.

124
Wat bedoelt u met de zinssnede dat de regelgeving ten aanzien van bufferstroken aangepast wordt in lijn met het nieuwe GLB? Is de veronderstelling juist dat het gaat om bufferstroken van twee meter, zoals op de website van RVO bij conditionaliteiten wordt aangegeven, en niet om bufferstroken van drie meter?

Met deze passage bedoel ik dat de regelgeving ten aanzien van bufferstroken tussen het mestbeleid en het GLB niet zullen verschillen. De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot de bufferstroken is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

125
Wat betekent het concreet dat, gelet op uw uitspraak in de Kamerbrief "Ook zullen de mestproductieplafonds worden bijgesteld in lijn met de verwachte resultaten van de maatregelen uit het 7e AP en het Addendum" en op welk moment gaat de Kamer hier nader over geïnformeerd worden?

De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot de mestproductieplafonds is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen. Ik zal de Tweede Kamer zo snel als ik kan hierover verder informeren.

126
Wat betekent uw uitspraak in de Kamerbrief "Zoals een verlaging van de stikstofgebruiksnormen vanaf 2025" concreet en op welk moment gaat de Kamer hier nader over geïnformeerd worden?

De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot de stikstofgebruiksnormen is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen. Ik zal de Tweede Kamer zo snel als ik kan hierover verder informeren.

127
Wat betekent uw uitspraak in de Kamerbrief "Tevens wordt de regelgeving ten aanzien van bufferstroken aangepast in lijn met het nieuwe GLB", concreet en op welk moment gaat de Kamer hier nader over geïnformeerd worden?

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Planaraardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22464968

Ik verwijs hiervoor naar de beantwoording van het antwoord 12~~6~~4.

128
Wat zijn, gelet op uw uitspraak in de Kamerbrief "De Europese Commissie beschouwt kunstmestvervanging echter als een separaat traject, waarin ik mij intensief zal blijven inzetten voor kunstmestvervanging door dierlijke mest in Europees verband en ook met andere lidstaten", op dit moment de bezwaren in Brussel tegen kunstmestvervangers? Op welke wijze denk het kabinet snel te komen tot Europese toestemming voor kunstmestvervangers?

Voor het antwoord op deze vraag wordt verwezen naar het antwoord op vraag 46.

129
Waarop is de 130 miljoen euro gebaseerd, die het kabinet beschikbaar stelt voor compensatie?

Dit is gebaseerd op een inschatting van het benodigde budget voor de tegemoetkoming van derogatiebedrijven voor een gedeelte van de extra kosten die zij moeten maken vanwege de afbouw van derogatie en de uitvoeringskosten van deze regeling.

130
Hoe groot is het verwachte productieverlies, en wat betekent dat voor het winstverlies van een boer?

Het verwachte productieverlies voor derogatiebedrijven is niet in beeld, omdat deze afhankelijk is van de bedrijfsvoering van individuele bedrijven. Een landbouwbedrijf heeft de keuze om extra stikstofkunstmest of ander organische meststoffen gebruiken.

131
Kan de 130 miljoen ook geoormerkt worden voor specifieke maatregelen, zoals extensivering, en waarom wel of niet?

Het kabinet heeft 130 miljoen euro beschikbaar gesteld om een tijdelijke regeling vorm te geven die voorziet in een transitietegemoetkoming aan landbouwers die in 2021 een derogatievergunning hadden en opnieuw een derogatievergunning verkrijgen. De regeling ziet op een tegemoetkoming van een gedeelte van de extra kosten die deze derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van derogatie en is erop gericht ~~, om zeker te stellen dat zij~~het areaal grasland van deze bedrijven te behouden.

132
Kan er worden gegarandeerd dat bedrijven die compensatie ontvangen niet meer kunstmest mogen gebruiken?

Nee~~,~~. De tijdelijke tegemoetkomingsregeling is bedoeld voor bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden. Deze bedrijven zijn verplicht te voldoen aan de in het kader van de nieuwe derogatie gestelde voorwaarden en voorschriften. De regeling voorziet in een tegemoetkoming voor een deel van de extra kosten die de derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van de derogatie en is gericht op behoud van het areaal grasland.

**heeft opmaak toegepast:** Lettertype:

~~de tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling voorziet in een tegemoetkoming voor een gedeelte van de extra kosten die deze derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van derogatie, om te stimuleren dat deze bedrijven derogatie de komende jaren een derogatievergunning aanvragen. Deze bedrijven zijn verplicht te voldoen aan de in het kader van de nieuwe derogatie gestelde voorwaarden en voorschriften.~~

133 PM: nog afstemmen met FEZ

**heeft opmaak toegepast:** Markeren

Hoe groot, gelet op uw uitspraak in de Kamerbrief "De transitieregeling wordt in 2023 gedekt vanuit de 'begrotingsreserve apurement", is de begrotingspost 'apurement' en voor welk bedrag wordt er komend jaar geld overgeheveld naar de transitieregeling?

De stand per 1/1/2023 van de begrotingsreserve Apurement zal volgens huidige inzichten 70,7 miljoen euro zijn. De uitgaven van transitieregeling incl. uitvoeringskosten m.b.t. het jaar 2023 worden geraamd op circa 21 miljoen euro. De daadwerkelijke uitgaven zijn echter sterk afhankelijk van de wijze waarop en de snelheid waarmee een concrete transitieregeling is vorm gegeven. Het exacte bedrag dat ten laste van Apurement wordt gebracht, zal in een later stadium bepaald worden.

134
Wat bedoelt de minister met de niet-vrijblijvende bijdrage die hij van de gehele keten verwacht aan de landbouwtransitie?

Over de rol van de keten in de landbouwtransitie zal ik uw Kamer verder informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

Carola Schouten
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit i.a.

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 19:53
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ; 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.e 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

Hoi allen,

Zie hieronder de opmerkingen van MNenS en voor de volledigheid wederom van de PA MNenS. Kunnen jullie deze voor 20:30 verwerken?

Veel dank!

Groet,

5.1.2.E

**Opmerkingen MNenS**

- Bij vraag 3 toevoegen dat we de transtieregeling koppelen aan 80% graslandbehoud?
- Vraag 13 een stap terug. We gaan nu bekijken wat dit betekent binnen het NPLG. Ik wil eerst zeker weten of wij het waar kunnen maken. Veel is nog onduidelijk, bijv polluted area's etc.
- vraag 16 geeft geen antwoord op waarom wij dit niet overwegen
- vraag 22: het is toch geen tegemoetkoming, maar een transitieregeling? consequent toepassen, want kan erg gevoelig liggen in EC juist
- Voor de rest eens met inbreng PA, met name punt 13 en 86 vraagt echt even aandacht!

**Opmerkingen PA MNenS**

13: Er staat dat in het kader van het NPLG middelen voorzien zijn om te ondersteunen met de transitie, maar de vraag is qua tijdlijn of deze al op een dusdanig moment worden ingezet zodat een derogatiebedrijf voor volledig verlies derogatie begonnen kan zijn met zijn transitie, of dat er een periode met minder inkomen overblijft. Nu zo stellig zeggen dat er instrumenten en middelen zijn om bedrijven te ondersteunen vind ik in relatie tot de derogatie kwetsbaar omdat we niet weten hoe snel die transitie kan worden gemaakt.

Bij 15-16 staat dat we niet overwegen om de kunstmestplafonds aan te passen. Weten we zeker dat de waterkwaliteit niet verslechtert als gevolg hiervan? En zo nee, is dit niet een maatregel die mogelijk uit het oogpunt van de KRW moet worden genomen? Zijn de stikstof en fosfaat normen daar voldoende betrouwbaar tegen?

Bij 33: Het antwoord lijkt hierop nee te zijn omdat niet de gebruiker maar de functie van de grond de norm lijkt te bepalen. Mocht dat kloppen dan zou ik het antwoord beginnen met "Nee dit klopt niet".

Bij 34: Verwijzen naar brief naar EK over populatiebeheer gans (juni verstuurd meen ik)

Bij 86: De beantwoording veronderstelt hier weer dat de transitietermijn via het NPLG zou zorgen dat de bedrijven na afloop derogatie de omschakeling vrij snel kunnen maken en niet met tussentijdse problemen zitten. Ik vraag me zeer af of we dat kunnen waarmaken en zo nee of dit dusdanig aan elkaar verbinden wel verstandig is. (Zie ook 93-94)

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 20:24
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.e ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Opmerkingen MNenS feitelijke vragen 5.1.2.e mest
**Bijlagen:** DOMUS-22464968-v11-Vragen_over_de_brief_van_5_september_2022_inzake_de_Stand_van_zaken_derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn__.DOCX

Hi 5.1.2.E

Zie bijgaand een bijgewerkte versie. In track changes alle wijzigingen sinds versie van vrijdag nav opmerkingen MNenS, 5.1.2.E Deze versie staat ook zo in DOMUS. NB: antwoorden Boswijk in DOMUS zijn in lijn met deze versie. In antwoord op vragen van MNenS het voglende:

- Bij vraag 3 toevoegen dat we de transtieregeling koppelen aan 80% graslandbehoud? Antwoord aangepast, verwijzing naar regeling en brief 5 september opgenomen.
- Vraag 13 een stap terug. We gaan nu bekijken wat dit betekent binnen het NPLG. Ik wil eerst zeker weten of wij het waar kunnen maken. Veel is nog onduidelijk, bijv polluted area's etc. Hebben we reeds aangepast nav opmerkingen 5.1.2.E voorzichtiger geformuleerd tav NPLG
- vraag 16 geeft geen antwoord op waarom wij dit niet overwegen Aangepast nav opmerkingen 5.1.2.E naar dat wij dit 'op dit moment' niet overwegen, daarmee kan het eventueel alsnog nav evaluatie
- vraag 22: het is toch geen tegemoetkoming, maar een transitieregeling? consequent toepassen, want kan erg gevoelig liggen in EC juist overal 'transitietegemoetkomingsregeling' van gemaakt
- Voor de rest eens met inbreng PA, met name punt 13 en 86 vraagt echt even aandacht! Zie onderstaand de reactie op opmerkingen 5.1.2.E ook antwoorden 86, 93 en 94 zijn aangepast.

*'13: Er staat dat in het kader van het NPLG middelen voorzien zijn om te ondersteunen met de transitie, maar de vraag is qua tijdlijn of deze al op een dusdanig moment worden ingezet zodat een derogatiebedrijf voor volledig verlies derogatie begonnen kan zijn met zijn transitie, of dat er een periode met minder inkomen overblijft. Nu zo stellig zeggen dat er instrumenten en middelen zijn om bedrijven te ondersteunen vind ik in relatie tot de derogatie kwetsbaar omdat we niet weten hoe snel die transitie kan worden gemaakt. Aangepast*

*Bij 15-16 staat dat we niet overwegen om de kunstmestplafonds aan te passen. Weten we zeker dat de waterkwaliteit niet verslechtert als gevolg hiervan? En zo nee, is dit niet een maatregel die mogelijk uit het oogpunt van de KRW moet worden genomen? Zijn de stikstof en fosfaat normen daar voldoende betrouwbaar tegen? Vraag 16 aangepast.*

*Bij 33: Het antwoord lijkt hierop nee te zijn omdat niet de gebruiker maar de functie van de grond de norm lijkt te bepalen. Mocht dat kloppen dan zou ik het antwoord beginnen met "Nee dit klopt niet". Niet aangepast, omdat dit niet het geval lijkt te zijn, omdat beheerovereenkomsten meer of minder ruimte kunnen bieden en dit niet alleen afhankelijk is van de functie.*

*Bij 34: Verwijzen naar brief naar EK over populatiebeheer gans (juni verstuurd meen ik) Brief kunnen we niet vinden, er is niemand van natuur bereikbaar.*

*Bij 86: De beantwoording veronderstelt hier weer dat de transitietermijn via het NPLG zou zorgen dat de bedrijven na afloop derogatie de omschakeling vrij snel kunnen maken en niet met tussentijdse problemen zitten. Ik vraag me zeer af of we dat kunnen waarmaken en zo nee of dit dusdanig aan elkaar verbinden wel verstandig is. (Zie ook 93-94)' Aangepast*

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 19:53

**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

---

Hoi allen,

Zie hieronder de opmerkingen van MNenS en voor de volledigheid wederom van de PA MNenS. Kunnen jullie deze voor 20:30 verwerken?

Veel dank!

Groet,

5.1.2.E

**Opmerkingen MNenS**

- Bij vraag 3 toevoegen dat we de transtieregeling koppelen aan 80% graslandbehoud?
- Vraag 13 een stap terug. We gaan nu bekijken wat dit betekent binnen het NPLG. Ik wil eerst zeker weten of wij het waar kunnen maken. Veel is nog onduidelijk, bijv polluted area's etc.
- vraag 16 geeft geen antwoord op waarom wij dit niet overwegen
- vraag 22: het is toch geen tegemoetkoming, maar een transitieregeling? consequent toepassen, want kan erg gevoelig liggen in EC juist
- Voor de rest eens met inbreng PA, met name punt 13 en 86 vraagt echt even aandacht!

**Opmerkingen PA MNenS**

13: Er staat dat in het kader van het NPLG middelen voorzien zijn om te ondersteunen met de transitie, maar de vraag is qua tijdlijn of deze al op een dusdanig moment worden ingezet zodat een derogatiebedrijf voor volledig verlies derogatie begonnen kan zijn met zijn transitie, of dat er een periode met minder inkomen overblijft. Nu zo stellig zeggen dat er instrumenten en middelen zijn om bedrijven te ondersteunen vind ik in relatie tot de derogatie kwetsbaar omdat we niet weten hoe snel die transitie kan worden gemaakt.

Bij 15-16 staat dat we niet overwegen om de kunstmestplafonds aan te passen. Weten we zeker dat de waterkwaliteit niet verslechtert als gevolg hiervan? En zo nee, is dit niet een maatregel die mogelijk uit het oogpunt van de KRW moet worden genomen? Zijn de stikstof en fosfaat normen daar voldoende betrouwbaar tegen?

Bij 33: Het antwoord lijkt hierop nee te zijn omdat niet de gebruiker maar de functie van de grond de norm lijkt te bepalen. Mocht dat kloppen dan zou ik het antwoord beginnen met "Nee dit klopt niet".

Bij 34: Verwijzen naar brief naar EK over populatiebeheer gans (juni verstuurd meen ik)

Bij 86: De beantwoording veronderstelt hier weer dat de transitietermijn via het NPLG zou zorgen dat de bedrijven na afloop derogatie de omschakeling vrij snel kunnen maken en niet met tussentijdse problemen zitten. Ik vraag me zeer af of we dat kunnen waarmaken en zo nee of dit dusdanig aan elkaar verbinden wel verstandig is. (Zie ook 93-94)

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 20:55
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.Eis); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.e 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Doorst: Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 12 september 2022 om 20:48:46 CEST
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.e
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

Ha allen,

Nog een punt en dan ben ik akkoord. Dat ziet weer op vraag 13-86-94. Nu lijkt het alsof het opvangen van een lagere mestnorm en daarmee sneller noodzakelijke transitie opgevangen kan worden met het NPLG. Omdat nu niet duidelijk is of en hoe dit zou kunnen wil N&S daar graag bezien of en hoe van maken.

Vraag 13
In voornoemde brief van 5 september 2022 (Kamerstukken II 2021/22, 33037, nr. 450) aan de Tweede Kamer is aangegeven dat voor de realisatie van de doelen van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (hierna: NPLG) tot 2030 de tijd is. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. Bezien zal worden of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader zou kunnen worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

Vraag 86
De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling is voor de bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden en is gericht op het behoud van het areaal grasland. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. We bekijken of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader kan worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

Vraag 94
Er is sprake van knelling in de timing, omdat het afbouwen van de derogatie boeren voor een extra opgave stelt. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. Bezien zal worden of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader zou kunnen worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

Met deze aanpassingen is het dan akkoord voor verzending

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E
**Politiek Adviseur Minister Christianne van der Wal**
**Minister voor Natuur en Stikstof**
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Mobiel: 5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 20:28
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

Hoi allen,

Zie bijgevoegd en hieronder. Akkoord?

Groet,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E F.I. ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 12 september 2022 om 20:23:39 CEST
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>,
5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

Hi 5.1.2.E

Zie bijgaand een bijgewerkte versie. In track changes alle wijzigingen sinds versie van vrijdag nav opmerkingen MNenS, 5.1.2.E Deze versie staat ook zo in DOMUS. NB: antwoorden Boswijk in DOMUS zijn in lijn met deze versie. In antwoord op vragen van MNenS het voglende:

- Bij vraag 3 toevoegen dat we de transtieregeling koppelen aan 80% graslandbehoud?
Antwoord aangepast, verwijzing naar regeling en brief 5 september opgenomen.
- Vraag 13 een stap terug. We gaan nu bekijken wat dit betekent binnen het NPLG. Ik wil eerst zeker weten of wij het waar kunnen maken. Veel is nog onduidelijk, bijv polluted area's etc. Hebben we reeds aangepast nav opmerkingen 5.1.2.E voorzichtiger geformuleerd tav NPLG

- vraag 16 geeft geen antwoord op waarom wij dit niet overwegen Aangepast nav opmerkingen 5.1.2.E naar dat wij dit 'op dit moment' niet overwegen, daarmee kan het eventueel alsnog nav evaluatie
- vraag 22: het is toch geen tegemoetkoming, maar een transitieregeling? consequent toepassen, want kan erg gevoelig liggen in EC juist overal 'transitietegemoetkomingsregeling' van gemaakt
- Voor de rest eens met inbreng PA, met name punt 13 en 86 vraagt echt even aandacht! Zie onderstaand de reactie op opmerkingen 5.1.2.E ook antwoorden 86, 93 en 94 zijn aangepast.

*'13: Er staat dat in het kader van het NPLG middelen voorzien zijn om te ondersteunen met de transitie, maar de vraag is qua tijdlijn of deze al op een dusdanig moment worden ingezet zodat een derogatiebedrijf voor volledig verlies derogatie begonnen kan zijn met zijn transitie, of dat er een periode met minder inkomen overblijft. Nu zo stellig zeggen dat er instrumenten en middelen zijn om bedrijven te ondersteunen vind ik in relatie tot de derogatie kwetsbaar omdat we niet weten hoe snel die transitie kan worden gemaakt. Aangepast*

*Bij 15-16 staat dat we niet overwegen om de kunstmestplafonds aan te passen. Weten we zeker dat de waterkwaliteit niet verslechtert als gevolg hiervan? En zo nee, is dit niet een maatregel die mogelijk uit het oogpunt van de KRW moet worden genomen? Zijn de stikstof en fosfaat normen daar voldoende betrouwbaar tegen? Vraag 16 aangepast.*

*Bij 33: Het antwoord lijkt hierop nee te zijn omdat niet de gebruiker maar de functie van de grond de norm lijkt te bepalen. Mocht dat kloppen dan zou ik het antwoord beginnen met "Nee dit klopt niet". Niet aangepast, omdat dit niet het geval lijkt te zijn, omdat beheerovereenkomsten meer of minder ruimte kunnen bieden en dit niet alleen afhankelijk is van de functie.*

*Bij 34: Verwijzen naar brief naar EK over populatiebeheer gans (juni verstuurd meen ik) Brief kunnen we niet vinden, er is niemand van natuur bereikbaar.*

*Bij 86: De beantwoording veronderstelt hier weer dat de transitietermijn via het NPLG zou zorgen dat de bedrijven na afloop derogatie de omschakeling vrij snel kunnen maken en niet met tussentijdse problemen zitten. Ik vraag me zeer af of we dat kunnen waarmaken en zo nee of dit dusdanig aan elkaar verbinden wel verstandig is. (Zie ook 93-94)' Aangepast*

---

**Van:** 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 19:53
**Aan:** 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.e <5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E (5.1.2.E) <5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

---

Hoi allen,

Zie hieronder de opmerkingen van MNenS en voor de volledigheid wederom van de PA MNenS.
Kunnen jullie deze voor 20:30 verwerken?

Veel dank!

Groet,

5.1.2.E

**Opmerkingen MNenS**

- Bij vraag 3 toevoegen dat we de transtieregeling koppelen aan 80% graslandbehoud?
- Vraag 13 een stap terug. We gaan nu bekijken wat dit betekent binnen het NPLG. Ik wil eerst zeker weten of wij het waar kunnen maken. Veel is nog onduidelijk, bijv polluted area's etc.
- vraag 16 geeft geen antwoord op waarom wij dit niet overwegen
- vraag 22: het is toch geen tegemoetkoming, maar een transitieregeling? consequent toepassen, want kan erg gevoelig liggen in EC juist
- Voor de rest eens met inbreng PA, met name punt 13 en 86 vraagt echt even aandacht!

**Opmerkingen PA MNenS**

13: Er staat dat in het kader van het NPLG middelen voorzien zijn om te ondersteunen met de transitie, maar de vraag is qua tijdlijn of deze al op een dusdanig moment worden ingezet zodat een derogatiebedrijf voor volledig verlies derogatie begonnen kan zijn met zijn transitie, of dat er een periode met minder inkomen overblijft. Nu zo stellig zeggen dat er instrumenten en middelen zijn om bedrijven te ondersteunen vind ik in relatie tot de derogatie kwetsbaar omdat we niet weten hoe snel die transitie kan worden gemaakt.

Bij 15-16 staat dat we niet overwegen om de kunstmestplafonds aan te passen. Weten we zeker dat de waterkwaliteit niet verslechtert als gevolg hiervan? En zo nee, is dit niet een maatregel die mogelijk uit het oogpunt van de KRW moet worden genomen? Zijn de stikstof en fosfaat normen daar voldoende betrouwbaar tegen?

Bij 33: Het antwoord lijkt hierop nee te zijn omdat niet de gebruiker maar de functie van de grond de norm lijkt te bepalen. Mocht dat kloppen dan zou ik het antwoord beginnen met "Nee dit klopt niet".

Bij 34: Verwijzen naar brief naar EK over populatiebeheer gans (juni verstuurd meen ik)

Bij 86: De beantwoording veronderstelt hier weer dat de transitietermijn via het NPLG zou zorgen dat de bedrijven na afloop derogatie de omschakeling vrij snel kunnen maken en niet met tussentijdse problemen zitten. Ik vraag me zeer af of we dat kunnen waarmaken en zo nee of dit dusdanig aan elkaar verbinden wel verstandig is. (Zie ook 93-94)

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 21:15
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E ); 5.1.2.E 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.e ; 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** RE: Doorst: Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest
**Bijlagen:** DOMUS-22466719-v8-Kamervragen_Boswijk_(CDA)_over_de_brief__Stand_van_zaken_derogatie_van_de_nitraatrichtlijn_.docx; DOMUS-22464968-v13-Vragen_over_de_brief_van_5_september_2022_inzake_de_Stand_van_zaken_derogatie_van_de_Nitraatrichtlijn__.DOCX

Hi all,

Bijgaand de versies waar ook dit in is aangepast. Track changes zijn eruit, in DOMUS staat ook de schone versie, en in versiebeheer is evt ook de versie met tracks nog terug te vinden.

Op naar het debat morgen 😊!

H gr,
5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 20:55
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Doorst: Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Datum:** 12 september 2022 om 20:48:46 CEST
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

Ha allen,

Nog een punt en dan ben ik akkoord. Dat ziet weer op vraag 13-86-94. Nu lijkt het alsof het opvangen van een lagere mestnorm en daarmee sneller noodzakelijke transitie opgevangen kan worden met het NPLG. Omdat nu niet duidelijk is of en hoe dit zou kunnen wil N&S daar graag bezien of en hoe van maken.

Vraag 13
In voornoemde brief van 5 september 2022 (Kamerstukken II 2021/22, 33037, nr. 450) aan de Tweede Kamer is aangegeven dat voor de realisatie van de doelen van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (hierna: NPLG) tot 2030 de tijd is. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de

derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. Bezien zal worden of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader zou kunnen worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

Vraag 86
De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling is voor de bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden en is gericht op het behoud van het areaal grasland. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. We bekijken of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader kan worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

Vraag 94
Er is sprake van knelling in de timing, omdat het afbouwen van de derogatie boeren voor een extra opgave stelt. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. Bezien zal worden of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader zou kunnen worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

Met deze aanpassingen is het dan akkoord voor verzending

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E
**Politiek Adviseur Minister Christianne van der Wal**
**Minister voor Natuur en Stikstof**
Bezuidenhoutseweg 73 | 2594 AC | Den Haag
Postbus 20401 | 2500 EK | Den Haag
E-mail: 5.1.2.E @minlnv.nl
Mobiel: 5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 20:28
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.e
< 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

Hoi allen,

Zie bijgevoegd en hieronder. Akkoord?

Groet,

5.1.2.E

---

**Van:** 5.1.2.E F.I. ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E .@minlnv.nl>
**Datum:** 12 september 2022 om 20:23:39 CEST
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E s@minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.e < 5.1.2.E @minlnv.nl>, 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Onderwerp:** RE: Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

Hi 5.1.2.E

Zie bijgaand een bijgewerkte versie. In track changes alle wijzigingen sinds versie van vrijdag nav opmerkingen MNenS, 5.1.2.E Deze versie staat ook zo in DOMUS. NB: antwoorden Boswijk in DOMUS zijn in lijn met deze versie. In antwoord op vragen van MNenS het voglende:

- Bij vraag 3 toevoegen dat we de transtieregeling koppelen aan 80% graslandbehoud? Antwoord aangepast, verwijzing naar regeling en brief 5 september opgenomen.
- Vraag 13 een stap terug. We gaan nu bekijken wat dit betekent binnen het NPLG. Ik wil eerst zeker weten of wij het waar kunnen maken. Veel is nog onduidelijk, bijv polluted area's etc. Hebben we reeds aangepast nav opmerkingen 5.1.2.E voorzichtiger geformuleerd tav NPLG
- vraag 16 geeft geen antwoord op waarom wij dit niet overwegen Aangepast nav opmerkingen 5.1.2.E naar dat wij dit 'op dit moment' niet overwegen, daarmee kan het eventueel alsnog nav evaluatie
- vraag 22: het is toch geen tegemoetkoming, maar een transitieregeling? consequent toepassen, want kan erg gevoelig liggen in EC juist overal 'transitietegemoetkomingsregeling' van gemaakt
- Voor de rest eens met inbreng PA, met name 5.1.2.E en 86 vraagt echt even aandacht! Zie onderstaand de reactie op opmerkingen 5.1.2.E ook antwoorden 86, 93 en 94 zijn aangepast.

*'13: Er staat dat in het kader van het NPLG middelen voorzien zijn om te ondersteunen met de transitie, maar de vraag is qua tijdlijn of deze al op een dusdanig moment worden ingezet zodat een derogatiebedrijf voor volledig verlies derogatie begonnen kan zijn met zijn transitie, of dat er een periode met minder inkomen overblijft. Nu zo stellig zeggen dat er instrumenten en middelen zijn om bedrijven te ondersteunen vind ik in relatie tot de derogatie kwetsbaar omdat we niet weten hoe snel die transitie kan worden gemaakt. Aangepast*

*Bij 15-16 staat dat we niet overwegen om de kunstmestplafonds aan te passen. Weten we zeker dat de waterkwaliteit niet verslechtert als gevolg hiervan? En zo nee, is dit niet een maatregel die mogelijk uit het oogpunt van de KRW moet worden genomen? Zijn de stikstof en fosfaat normen daar voldoende betrouwbaar tegen? Vraag 16 aangepast.*

*Bij 33: Het antwoord lijkt hierop nee te zijn omdat niet de gebruiker maar de functie van de grond de norm lijkt te bepalen. Mocht dat kloppen dan zou ik het antwoord beginnen met "Nee dit klopt niet". Niet aangepast, omdat dit niet het geval lijkt te zijn, omdat beheerovereenkomsten meer of minder ruimte kunnen bieden en dit niet alleen afhankelijk is van de functie.*

*Bij 34: Verwijzen naar brief naar EK over populatiebeheer gans (juni verstuurd meen ik) Brief kunnen we niet vinden, er is niemand van natuur bereikbaar.*

*Bij 86: De beantwoording veronderstelt hier weer dat de transitietermijn via het NPLG zou zorgen dat de bedrijven na afloop derogatie de omschakeling vrij snel kunnen maken en niet met tussentijdse problemen zitten. Ik vraag me zeer af of we dat kunnen waarmaken en zo nee of dit dusdanig aan elkaar verbinden wel verstandig is. (Zie ook 93-94)' Aangepast*

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>
**Verzonden:** maandag 12 september 2022 19:53
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.e ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ) < 5.1.2.E @minlnv.nl>; 5.1.2.E 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E s@minlnv.nl>
**CC:** 5.1.2.e < 5.1.2.E i@minlnv.nl>; 5.1.2.E ( 5.1.2.E ) < 5.1.2.E n@minlnv.nl>
**Onderwerp:** Opmerkingen MNenS feitelijke vragen CD mest

Hoi allen,

Zie hieronder de opmerkingen van MNenS en voor de volledigheid wederom van de PA MNenS.
Kunnen jullie deze voor 20:30 verwerken?

Veel dank!

Groet,

5.1.2.E

**Opmerkingen MNenS**

- Bij vraag 3 toevoegen dat we de transtieregeling koppelen aan 80% graslandbehoud?
- Vraag 13 een stap terug. We gaan nu bekijken wat dit betekent binnen het NPLG. Ik wil eerst zeker weten of wij het waar kunnen maken. Veel is nog onduidelijk, bijv polluted area's etc.
- vraag 16 geeft geen antwoord op waarom wij dit niet overwegen
- vraag 22: het is toch geen tegemoetkoming, maar een transitieregeling? consequent toepassen, want kan erg gevoelig liggen in EC juist
- Voor de rest eens met inbreng PA, met name punt 13 en 86 vraagt echt even aandacht!

**Opmerkingen PA MNenS**

13: Er staat dat in het kader van het NPLG middelen voorzien zijn om te ondersteunen met de transitie, maar de vraag is qua tijdlijn of deze al op een dusdanig moment worden ingezet zodat een derogatiebedrijf voor volledig verlies derogatie begonnen kan zijn met zijn transitie, of dat er een periode met minder inkomen overblijft. Nu zo stellig zeggen dat er instrumenten en middelen zijn om bedrijven te ondersteunen vind ik in relatie tot de derogatie kwetsbaar omdat we niet weten hoe snel die transitie kan worden gemaakt.

Bij 15-16 staat dat we niet overwegen om de kunstmestplafonds aan te passen. Weten we zeker dat de waterkwaliteit niet verslechtert als gevolg hiervan? En zo nee, is dit niet een maatregel die mogelijk uit het oogpunt van de KRW moet worden genomen? Zijn de stikstof en fosfaat normen daar voldoende betrouwbaar tegen?

Bij 33: Het antwoord lijkt hierop nee te zijn omdat niet de gebruiker maar de functie van de grond de norm lijkt te bepalen. Mocht dat kloppen dan zou ik het antwoord beginnen met "Nee dit klopt niet".

Bij 34: Verwijzen naar brief naar EK over populatiebeheer gans (juni verstuurd meen ik)

Bij 86: De beantwoording veronderstelt hier weer dat de transitietermijn via het NPLG zou zorgen dat de bedrijven na afloop derogatie de omschakeling vrij snel kunnen maken en niet met tussentijdse problemen zitten. Ik vraag me zeer af of we dat kunnen waarmaken en zo nee of dit dusdanig aan elkaar verbinden wel verstandig is. (Zie ook 93-94)

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Planaraardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Behandeld door**
5.1.2.E

T 5.1.2.E
5.1.2.E @minlnv.nl

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22466719

**Uw kenmerk**
2022Z16232

**Bijlage(n)**

Datum
Betreft Kamervragen Boswijk (CDA) over de brief 'Stand van zaken derogatie van de Nitraatrichtlijn'

Geachte Voorzitter,

Hierbij zend ik u de antwoorden op de Kamervragen van het lid Boswijk (CDA) over de brief 'Stand van zaken derogatie van de Nitraatrichtlijn'(33037, nr. 450).

Carola Schouten
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit i.a.

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Planaraardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22466719

Antwoorden op vragen van het lid Boswijk (CDA) aan de minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit over de brief 'Stand van zaken derogatie van de nitraatrichtlijn' 1)

Vraag 1
Welk effect zal het verdwijnen van de derogatie concreet hebben op de waterkwaliteit, wanneer zijn deze effecten meetbaar en wat is de benodigde kwaliteit?

Antwoord:
Als boeren niet meer deelnemen aan derogatie vervalt voor hen de eis van 80% grasland. Daardoor kan het aandeel grasland gaan krimpen. Daarmee is er risico dat uitspoelingsgevoelige teelten toegepast worden met hogere nitraatconcentraties in het grondwater tot gevolg. Ik zet mij echter in om het areaal grasland, ook na derogatie, op peil te houden en zo deze negatieve effectieve te minimaliseren. Tevens kan door een verhoogde druk op de mestmarkt het frauderisico gaan toenemen, wat ook een verslechtering van de waterkwaliteit tot gevolg kan hebben.
De snelheid waarmee effecten van de landbouwpraktijk en weersomstandigheden in de waterkwaliteit meetbaar zijn verschillen per grondsoort. Op veen en kleigrond is dit in de winter al zichtbaar in het water wat uit de wortelzone spoelt. In het zand gebied is dit na 1 jaar en in het lössgebied na ca 1,5 jaar.

Vraag 2
Welke financiële gevolgen zal dit plan concreet hebben op (agrarisch) bedrijfsniveau, inclusief misgelopen inkomsten, extra kosten voor afzet en extra kosten voor het kopen van kunstmest? Welke financiële gevolgen zal het hebben voor het totale agrocomplex?

Antwoord:
In de conceptderogatiebeschikking worden door de Europese Commissie voorwaarden gesteld aan het verlenen van een derogatie op de Nitraatrichtlijn. Het gaat om voorwaarden waar Nederland, indien het Nitraatcomité positief adviseert en de Europese Commissie de derogatiebeschikking vaststelt, aan moet voldoen. De verwachting is dat deze voorwaarden voor agrarische bedrijven grote gevolgen hebben. Dit leidt voor ondernemers, ook jonge boeren en tuinders, tot extra vraagstukken over de toekomst van het bedrijf. Voor derogatiedeelnemers betekent het afbouwpad van de derogatie dat zij in de komende jaren minder stikstof uit dierlijke mest kunnen afzetten op eigen grond en daarvoor een andere afzetmogelijkheid nodig is. Daarnaast zal, indien een bedrijf de stikstofgift op gelijke hoogte wil houden, meer stikstof uit kunstmest nodig zijn, waarmee kosten gepaard gaan.
Daarnaast kan er ook sprake zijn van indirecte gevolgen voor agrarische ondernemers die geen gebruik maken van derogatie. De mestmarkt zal zich in de komende jaren opnieuw moeten gaan zetten, en daarbij spelen meer factoren een rol; in het bijzonder de totale mestproductie en de nutriënten in de mest, naast de mest afzetmogelijkheden. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de derogatievoorwaarden indirect gevolgen voor de afzet van andere dierlijke mest zoals varkensmest. Het is gezien de andere factoren die hier ook een belangrijke rol in hebben moeilijk een inschatting te geven van de mate waarin. Hogere mestafzetkosten voor de veehouderij betekenen voor een akkerbouwer mogelijk goedkopere beschikbare nutriënten, en daarmee lagere kosten.

Voor het gehele agrocomplex zullen de financiële gevolgen naar verwachting negatief zijn. Over de gevolgen van geen derogatie heb ik de Kamer geïnformeerd in mijn brief van 26 april jl. (Kamerstuk 33037, nr. 439).

Vraag 3
Kunt u aangeven hoe u bent gekomen tot een tijdelijke transitietegemoetkoming van €10.000,- per bedrijf? Waarop is dit bedrag precies gebaseerd? Hoeveel bedrijven hebben hier genoeg aan en hoeveel bedrijven komen te kort?

Antwoord: De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling voorziet in een tegemoetkoming voor bedrijven die in 2021 een derogatievergunning hadden en een nieuwe derogatievergunning aanvragen en verkrijgen en ziet op een gedeelte van de extra kosten die deze derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van derogatie. Voor deelnemers aan de derogatie betekenen de voorwaarden van deze beschikking dat zij in de komende jaren minder stikstof uit dierlijke mest kunnen afzetten op eigen grond en daardoor bij ongewijzigde bedrijfsvoering meer mest moeten afvoeren van hun bedrijf. De transitietegemoetkominsgregeling moet komende periode nog worden uitgewerkt. In de tegemoetkoming zal rekening gehouden worden met de mate van afbouw van de derogatie en de daarmee gemoeide extra kosten die deze bedrijven maken voor mestafvoer. Ik denk aan aan een tegemoetkoming per hectare landbouwgrond van het bedrijf. Dit verschilt per bedrijf, waardoor de tegemoetkoming per bedrijf verschillend zal zijn.

Vraag 4
Welk effect heeft het afbouwpad voor boeren die niet deelnemen aan de derogatie?

Antwoord: Voor het antwoord op deze vraag verwijs ik naar het antwoord op vraag 2.

Vraag 5
In hoeverre kunnen niet-derogatie bedrijven hier ook aanspraak op maken? Zo nee, waarom niet?

Antwoord: De transitietegemoetkomingsregeling voorziet alleen in een tegemoetkoming aan landbouwers die in 2021 een derogatievergunning hadden en een nieuwe derogatievergunning aanvragen en verkrijgen.

Vraag 6
Wat betekent deze afbouwderogatie voor de (financiële) uitgangspositie van jonge boeren en tuinders? Op welke manier worden zij geholpen?

Antwoord: Voor ondernemers, ook jonge boeren en tuinders, leidt het afbouwpad van de derogatie tot extra vraagstukken over de toekomst van het bedrijf. Ik verwijs daarbij ook naar het antwoord op vraag 6. Ik wil boeren, en zeker ook jonge boeren en tuinders, ondersteunen bij de transitie. Hierover zal ik u informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

Vraag 7
Wat betekent dit afbouwpad voor de financierbaarheid van agrarische bedrijven door banken de komende tijd?

Antwoord: In algemene zin is het aan de financier om te beoordelen of bedrijven financierbaar zijn. Het afbouwpad stelt bedrijven die op dit moment gebruik

maken van derogatie voor vraagstukken in de komende jaren, die sterk verschillen per bedrijf. Die vraagstukken op het individuele bedrijf zijn ook voor mij een grote zorg en daarom wil ik bijdragen aan een goede transitie. In de gesprekken die ik voer met de banken en financiële instellingen over hun rol in de transitie, zal ook de financierbaarheid van de sector aan de orde blijven komen. Daarnaast ben ik gekomen met een tijdelijke transitietegemoetkoming voor derogatiebedrijven.

Vraag 8
Op welke manier wordt voorkomen dat gebieden met veel intensieve landbouw in verhouding heel veel compensatie krijgen ten opzichte van gebieden met weinig intensieve landbouw, aangezien juist de extensieve bedrijven zouden moeten worden beloond?

Antwoord: Gedacht wordt aan een tijdelijke transitieregeling die tegemoetkoming geeft aan derogatiebedrijven naar gelang de hectares, en daarmee de instandhouding van de hectares grasland, en de met die hectares gemoeide extra kosten die zij moeten maken voor mestafvoer.

Vraag 9
Deelt u de zorg dat het vervallen van de derogatie intensivering in de hand zal werken? Zo ja, wat gaat u eraan doen om dit te voorkomen? Zo nee, waarom niet?

Antwoord: Ik neem aan dat u met intensivering doelt op een toename van de mestproductie in Nederland. De hoogte van de mestproductieplafonds, uitgedrukt in kilogrammen stikstof en fosfaat, is vastgelegd in de Meststoffenwet. Deze komen op dit moment overeen met de productie van 2002. Via de productierechtenstelsels wordt gewaarborgd dat de mestproductie niet de mestproductieplafonds overschrijdt. Na een positief advies van het Nitraatcomité zal de Europese Commissie de conceptbeschikking vaststellen en kan ik de volledige beschikking naar de Kamer zenden. Hierin staan alle voorwaarden voor derogatieverlening, waaronder de details over de bijstelling van de mestproductieplafonds, uitgewerkt.

Vraag 10
Is er genoeg kunstmest beschikbaar om de afbouw van dierlijke mest te kunnen compenseren?

Antwoord: De afbouw van de bemestingsnorm voor stikstof uit dierlijke mest is in de conceptderogatiebeschikking in de eerste jaren (2023 en 2024) beperkt. De extra behoefte aan stikstofkunstmest zal daarom ook beperkt zijn. De kwantitatieve beschikbaarheid van kunstmest in Nederland wordt niet publiek gemonitord. Er zijn in Nederland een paar grote kunstmestproducenten, zoals Yara Sluiskil en OCI-Nitrogen in Geleen, die stikstofkunstmest produceren voor de Noord West Europese markt. Op dit moment hebben zij de productie in verband met de hoge gasprijs afgeschaald. Zij geven aan dat er momenteel nog wel meststoffen worden geleverd, maar dat er in het winterseizoen minder meststoffen gevraagd worden. Als de gasprijs voor langere tijd hoog blijft zal de beschikbaarheid van kunstmest onder druk kunnen komen staan.

Vraag 11
Kunt u toelichten wat de stand van zaken is rondom een derogatie voor kunstmestvervangers van dierlijke oorsprong (welke voldoen aan de RENURE-

criteria van het Joint Research Centre (JRC))? Onderschrijft u dat er meer inzet moet komen op het toestaan van het gebruik van kunstmestvervangers?

Antwoord: Nederland heeft in april 2022 een aanvraag voor een landen-specifieke oplossing voor het gebruik van deze RENURE-producten ingediend bij de Europese Commissie, mede naar aanleiding van de motie Van der Plas, Bisschop en Boswijk (Kamerstuk 21501-32, nr. 1403). Dit maakte deel uit van de besprekingen met de Europese Commissie over de derogatie voor graasdiermest. De EC beschouwt kunstmestvervanging echter als een separaat traject. Ik zal mij intensief blijven inzetten voor kunstmestvervanging door dierlijke mest in Europees verband in nauwe samenwerking met andere lidstaten.

Vraag 12
Hoe wordt de transitie naar kunstmestvervangers vormgegeven? Is hier al een concreet plan voor en op welke manier wordt dit gefinancierd?

Antwoord: Een transitie naar het gebruik van kunstmestvervangers kan worden ingezet als er duidelijkheid is van de Europese Commissie onder welke voorwaarden dierlijke mest verwerkt moet worden om het in te zetten als een kunstmestvervanger. Nederland heeft een verzoek bij de Europese Commissie ingediend dat uitgaat van de RENURE-criteria die ontwikkeld zijn door het Joint Research Centre (JRC). Nederland heeft 48 miljoen euro gereserveerd om mest verwerkende bedrijven te stimuleren dierlijke mest hoogwaardig te verwerken. Op dit moment wordt de subsidieregeling hoogwaardige mestverwerking vormgegeven, waarbij ook de RENURE-criteria leidend zullen zijn. Naar verwachting wordt deze in het vierde kwartaal van 2022 opengesteld.

Vraag 13
Hoe zorgt u ervoor dat per 1 januari 2023 (of zoveel eerder als mogelijk) de inzet van kunstmestvervangers van dierlijke oorsprong (welke voldoen aan de RENURE-criteria van het JRC) bovenop de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest in Nederland mogelijk is?

Antwoord: Nederland heeft een verzoek bij de Europese Commissie, DG Milieu ingediend voor een landen-specifieke oplossing. Gevraagd is het gebruik van deze RENURE-producten voor de gebruiksnormen niet langer te mogen beschouwen als het gebruik van dierlijke mest, maar van kunstmest. Nederland zal zich ervoor inspannen de gesprekken over dit dossier na het vaststellen van de beschikking door het Nitraatcomité te vervolgen. Mocht dit niet leiden tot een oplossing voor 31 december 2022, dan zal gestreefd worden naar verlenging van de huidige pilots mineralenconcentraat en Kunstmestvrije Achterhoek.

Vraag 14
Hoe staat het afbouwen van derogatie in verhouding tot de ambitie om als land minder afhankelijk te zijn van gas, aangezien bij de productie van kunstmest veel gas gebruikt wordt en CO2 vrijkomt bij het transport van kunstmest?

Antwoord: Deze derogatie bevat een afbouwpad voor het gebruik van stikstof uit dierlijke mest. Daarnaast worden er in nutriënt verontreinigde gebieden aanvullende eisen gesteld, zoals een verlaging van de stikstofgebruiksnormen vanaf 2025, wat het totale gebruik van stikstof (dierlijke mest en kunstmest) zal verlagen. Wat het effect is op het totale gasgebruik is niet bekend. Ik zal mij blijven inspannen om de gesprekken met de Europese Commissie over het gebruik van RENURE-producten te vervolgen. Het gebruik van deze producten kan bijdragen aan het verminderen van gasgebruik.

Vraag 15
Op welke manier wordt ervoor gezorgd dat dit plan praktisch uitvoerbaar is voor de agrarische sector?

Antwoord: De afbouw en het verdwijnen van de derogatie gaat een grote inspanning vergen van de agrarische sector, zeker in combinatie met de andere opgaven waar de sector mee geconfronteerd wordt. Ik zal met de sector in gesprek gaan zodra de beschikking is vastgesteld en openbaar is.

Vraag 16
Op welke manier kan de ambitie op het gebied van grondgebondenheid nog gehaald worden wanneer er een afbouwplan voor derogatie komt? Zijn de gewenste Grootvee eenheden (GvE)-normen dan nog wel realistisch? Onderschrijft u hiermee ook dat het belang van het gebruik van kunstmestvervangers alleen maar meer toeneemt?

Antwoord: Ik ben momenteel bezig met de nadere uitwerking van grondgebondenheid. Hierbij betrek ik de gevolgen van de afbouw van de derogatie.

Vraag 17
Welk effect heeft het verdwijnen van derogatie op de bodemvruchtbaarheid?

Antwoord: Als er geen derogatie wordt verleend zal de hoeveelheid dierlijke mest die wordt toegepast worden beperkt. In veel gevallen zal dit gaan over runderdrijfmest en varkensdrijfmest. Deze mestsoorten bevatten wel organische stof, maar niet veel. Hierdoor kan het organische stof gehalte van de boem wat gaan afnemen. Echter is het wel zo dat door toepassen van vanggewassen, rustgewassen en compost een grote verbetering van de bodemkwaliteit kan worden gerealiseerd. Deze maatregelen kunnen buiten de normen voor dierlijke mest worden toegepast.

Vraag 18
Bent u ervan op de hoogte dat de maatwerkaanpak als alternatief op het generieke 7$^{e}$ actieprogramma voor de Nitraatrichtlijn (APN) nu voor veel boeren geen alternatief meer is, gezien het feit dat de bufferstroken verplicht generiek worden verbreed? Kunt u aangeven wat de consequenties hiervan op het Nationaal Strategisch Plan (NSP) en Gemeenschappelijk Landbouwbeleid (GLB) zijn?

Antwoord: Voor het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en het Gemeenschappelijk Landbouwbeleid zullen dezelfde teeltvrije zones gaan gelden, waarbij de zones gelden voor zowel mest als gewasbeschermingsmiddelen. Daarbij worden de teeltvrije zones (bufferstroken onder het GLB) in de conditionaliteit opgenomen en zijn daarmee een voorwaarde om aan het GLB te kunnen meedoen. Het gezamenlijke traject om te komen tot een handhaafbare, uitvoerbare, controleerbare en betaalbare aanpak die tot een gelijkwaardig of grotere waterkwaliteitsverbetering zal leiden als een deel van de maatregelen uit het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, loopt momenteel nog. Ik wil hier niet op vooruitlopen op de uitkomsten van dit traject.

Vraag 19

Hoe wordt de markt voor varkensmest opgevangen, aangezien bij het verliezen van de derogatie akkerbouwers eerder zullen kiezen voor melkveemest en de vraag naar varkensmest daarmee zal dalen?

Antwoord: De akkerbouwer maakt een afweging in kosten en opbrengsten, en de nutriënten en organische stof in de mest. Daarbij is rundveemest vaak gunstiger qua nutriëntenverhouding en gehalte organische stof. De mestmarkt zal zich in de komende jaren moeten gaan zetten naar de nieuwe situatie, en daarbij spelen er meerdere factoren een rol zoals bijvoorbeeld de totale mestproductie, de nutriënten in de mest en de mest afzetmogelijkheden. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de conceptderogatiebeschikking indirect gevolgen voor de afzet van varkensmest. Het is gezien de andere factoren die hier ook een belangrijke rol in hebben moeilijk te voorspellen in hoeverre. De verwerking en daarmee plaatsing buiten de Nederlandse landbouw van een deel van het fosfaatoverschot is gereguleerd.

Vraag 20
Hoe wordt omgegaan met de waarschijnlijke wijziging van het bouwplan van melkveehouders, aangezien het aantrekkelijker zal worden om af te wijken van de 80/20 regel, wat uiteindelijk ook effect heeft op de waterkwaliteit?

Antwoord: Ik zet mij omwille van de waterkwaliteit in voor het op peil houden van het areaal grasland in Nederland, onder andere door met de tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling deelname aan derogatie te stimuleren en hiermee het aandeel grasland op peil te houden. In voornoemde brief van 5 september jl. is aangegeven dat het kabinet gaat onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

Vraag 21
Bent u ervan op de hoogte dat alle dierlijke mest van graasdierbedrijven al op het land is uitgereden en er nog geen duidelijkheid is over wat nu wel en niet is toegestaan? Hoe worden bedrijven tegemoetgekomen die nu te veel mest voor een verhoogde prijs hebben afgezet of in opslag hebben?

Antwoord: In voornoemde brief van 5 september 2022 is de Tweede Kamer geïnformeerd dat de derogatienormen in 2022 gelijk zijn aan die in de voorgaande beschikking. De inzet is er steeds op gericht geweest gedurende het uitrijdseizoen duidelijkheid te kunnen geven over de inhoud van de derogatie. Ik besef goed dat het voor boeren tot onzekerheid heeft geleid dat deze duidelijkheid pas na het mest-uitrijdseizoen is gekomen.

Vraag 22
Bent u ervan op de hoogte dat de extra eisen die worden opgelegd om een derogatie toegewezen te krijgen zeer streng zijn, waardoor boeren met percelen in de 34 meest kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden uitgesloten worden van derogatie terwijl zij al jaren werken aan de waterkwaliteit? Vindt u ook dat juist deze boeren moeten worden beloond? Wegen de voordelen van het verdwijnen van derogatie (verbeterde waterkwaliteit) nog op tegen de nadelen?

Antwoord: De inhoud van de conceptbeschikking hierover is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

Vraag 23
Welke impact heeft een afbouwpad voor derogatie op de nog te ontwikkelen en uit te voeren gebiedsgerichte aanpak?

Antwoord: In voornoemde brief van 5 september 2022 (Kamerstukken II 2021/22, 33037, nr. 450) aan de Tweede Kamer is aangegeven dat voor de realisatie van de doelen van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (hierna: NPLG) tot 2030 de tijd is. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. Bezien zal worden of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader zou kunnen worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

Vraag 24
Op welke wijze heeft u uitvoering gegeven aan motie van de leden Bisschop, Geurts en Lodders waarin de regering onder andere verzocht werd de Kamer zo veel als mogelijk te informeren over de verschillende stappen en contactmomenten bij de derogatieonderhandelingen met betrekking tot de aanvullende voorwaarden, de opstelling van het ministerie daarbij en de wijze waarop de sector betrokken is geweest? Kunt u in dat kader een tijdlijn van het afgelopen jaar schetsen? 2)

Antwoord: De betreffende motie ziet op de onderhandelingen over de derogatieverlening voor de jaren 2020 en 2021. Ik heb de Tweede Kamer hierover in verband met de vertrouwelijkheid van onderhandelingen tot op heden nog niet geïnformeerd en zal dit zo spoedig mogelijk doen. Ik zal de correspondentie met de Europese Commissie over de derogatieonderhandelingen eveneens zo spoedig met de Tweede Kamer te delen. Ik kan echter hierover nog niet precies aangeven wanneer dit dat zal zijn, omdat hierover ook afstemming met de Europese Commissie nodig is en dit er mogelijk toe kan leiden dat informatie niet verstrekt kan worden.
Ten aanzien van de tijdlijn kan ik de Tweede Kamer het volgende informeren. De gesprekken over verlening van derogatie kunnen niet los worden gezien van de gesprekken met de Europese Commissie over de totstandkoming van het 7$^{e}$ actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7$^{e}$ AP) en het addendum daarop. Dit is gelegen in het feit dat een actieprogramma ten grondslag ligt aan verlening van derogatie. In onderstaande tijdlijn zijn de belangrijkste overleggen en contactmomenten van de minister van LNV en het ministerie van LNV met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) over de besluitvormingsprocedure naar derogatie weergegeven. Bij deze gesprekken is in bijna alle gevallen de Permanente Vertegenwoordiging van Nederland bij de EU (PV-EU) aanwezig geweest evenals een ambtelijke vertegenwoordiging van het ministerie van Infrastructuur en Waterstaat. Gedurende deze periode is er ook op verschillende momenten en bij/en marge van verschillende bijeenkomsten contact geweest tussen de minister van LNV en de Europees Commissaris voor Milieu en van de minister-president en de voorzitter van de Europese Commissie. Hierbij dient te worden opgemerkt dat dit geen uitputtende lijst is. De sector is op

gezette tijden op verschillende niveaus geïnformeerd over de stand van zaken ten aanzien van derogatie.

*Eerste helft 2021*

Begin 2021 heeft een ambtelijk overleg plaatsgevonden tussen de EC en LNV over het traject van het 7e AP en het traject naar derogatieverlening. Als gevolg van het controversieel verklaard zijn van het mestbeleid door de Kamer in de eerste helft van 2021, was het niet mogelijk in de eerste helft van 2021 inhoudelijke gesprekken te voeren met de EC over de inhoud van het 7e AP.

In mei 2021 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over de stand van zaken met betrekking tot het 7e AP in verband met de politieke context in Nederland. In juni 2021 is hierover hoogambtelijk contact geweest tussen de EC en LNV.

In de zomer van 2021 zijn ambtelijke contacten tussen de EC en LNV geweest over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van september 2021 ten behoeve van het geven van de eerste presentatie in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. Op 15 september 2021 heeft Nederland in dit verband de 1e presentatie in het Nitraatcomité gegeven.

*Tweede helft 2021*

Medio september 2021 heeft ambtelijk overleg tussen de EC en LNV plaatsgevonden over de inhoud van het ontwerp 7e AP. Eind september 2021 heeft de EC gereageerd op het ontwerp 7e AP. In november 2021 hebben diverse ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV. In november 2021 heeft hoogambtelijk overleg plaatsgevonden tussen de EC en LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 15 december 2021 ten behoeve van het geven van de tweede presentatie in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. In november 2021 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van december 2021. In december 2021 is overleg geweest van Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 15 december 2021. Nederland heeft in het Nitraatcomité van 15 december 2021 niet de 2e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening (Kamerstukken II, 33037, nr. 433). In deze periode is ambtelijk contact geweest van de PV-EU met de kabinetten van de Voorzitter van de Europese Commissie, de vicevoorzitter van de Europese Commissie en de Europees Commissaris voor Milieu.

*1e kwartaal 2022*

In januari 2022 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over de inhoud van het coalitieakkoord in relatie tot het 7e AP en de mogelijkheid van het geven van de 2e presentatie in het Nitraatcomité, zodat derogatie in zicht bleef. In de tweede helft van januari 2022 is hoogambtelijk contact geweest tussen LNV en de EC. In februari heeft ambtelijk overleg plaatsgevonden tussen LNV en de EC over de inhoud van het coalitieakkoord en het addendum op het 7e AP. In februari 2022 hebben ambtelijk contacten tussen de EC en LNV plaatsgevonden over de inhoud van het addendum op het 7e AP. Eind februari 2022 is overleg geweest tussen de Europees Commissaris voor Milieu en de de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 17 maart 2022. Nederland heeft in het Nitraatcomité van 17 maart 2022 de 2e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. In maart

2022 is ambtelijk overleg geweest tussen LNV en de EC over de inhoud en voorwaarden van een derogatie.
*April – 9 september 2022*
In de periode april 2022 tot en met juni 2022 hebben ambtelijke overleggen en ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV over de inhoud en voorwaarden van een derogatie. Op 15 juni 2022 heeft Nederland in het Nitraatcomité de 3e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening.
In juli 2022 zijn hoogambtelijke en ambtelijke overleggen en contacten geweest tussen de EC en LNV over de inhoud en voorwaarden van een derogatie. In juli 2022 heeft overleg plaatsgevonden met de vicevoorzitter van de Europees Commissie en de minister van LNV, en de Europees Commissaris voor Milieu en de minister van LNV. In deze periode zijn contacten van de Minister-President geweest met de voorzitter van de Europese Commissie. In augustus en september 2022 hebben ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV. Op 15 september 2022 is stemming in het Nitraatcomité over de conceptderogatiebeschikking voorzien. Op 5 september 2022 (Kamerstukken II, 33037, nr. 450) heeft de minister van LNV de hoofdlijnen van de conceptderogatiebeschikking met het parlement gedeeld.

1) Kamerbrief, 5 september 2022 'Stand van zaken derogatie van de Nitraatrichtlijn' (Documentnummer 2022D33993)
2) Kamerstuk 21501-32 nr. 1266

**Van:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Verzonden:** dinsdag 13 september 2022 09:15
**Aan:** 5.1.2.E 5.1.2.E 5.1.2.E ; 5.1.2.E 5.1.2.E ); 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**CC:** 5.1.2.e 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Definitieve stukken - verzonden naar TK
**Bijlagen:** 22464968.docx; 22466719.docx

Goedemorgen allen,

Veel dank voor al het werk aan de vragen! De beantwoording is gisteravond verzonden.
Zie in de bijlage de definitieve versies!

Groet, mede namens 5.1.2.e ,

5.1.2.E

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Planaraardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

**Ons kenmerk**
DGA-PAV/ 22464968

Datum 12 september 2022
Betreft Feitelijke ragen over de brief van 5 september 2022 inzake de Stand van zaken derogatie van de Nitraatrichtlijn

Geachte Voorzitter,

Hierbij doe ik uw Kamer de beantwoording van de feitelijke vragen over de afbouw van de derogatie van de Nitraatrichtlijn toekomen. Alvorens ik de vragen beantwoord, ga ik in op vertrouwelijkheid van de conceptderogatiebeschikking en de gevolgen die deze vertrouwelijkheid heeft voor de beantwoording van de feitelijke vragen.

De gedetailleerde inhoud van de conceptderogatiebeschikking is vertrouwelijk totdat de Europese Commissie (hierna: EC) de beschikking heeft vastgesteld en bekendgemaakt. Dat betekent dat de inhoud nu niet voor een ieder openbaar kan worden. De EC is van mening dat openbaarmaking het besluitvormingsproces van de EC ernstig zou ondermijnen (artikel 4, derde lid, Eurowob).

In een dergelijk geval kan openbaarmaking alleen als een hoger openbaar belang openbaarmaking gebiedt. De toepasselijkheid van die uitzonderingsgrond is hier echter weinig aannemelijk, omdat de gevolgen van de conceptbeschikking voor 2022 zijn geduid met de brief van 5 september 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 450) en de conceptbeschikking bij een positief advies van het Nitraatcomité binnen enkele weken wordt vastgesteld en de gevolgen van de conceptbeschikking voor 2023 en volgende jaren dan alsnog openbaar worden. In afwijking van eerdere jaren zijn de hoofdlijnen van de conceptderogatiebeschikking reeds vóór de stemming in het Nitraatcomité met uw Kamer gedeeld, omdat daarmee de gevolgen voor het lopende jaar 2022 zo snel als mogelijk openbaar konden worden gemaakt.

Zolang de conceptbeschikking nog een vertrouwelijk karakter heeft, kan ik in deze beantwoording niet verder ingaan op inhoud van de beschikking dan ik heb gedaan in de voornoemde brief van 5 september jl.; daarom kan ik bij een deel van de feitelijke vragen nu geen inhoudelijk antwoord geven en ben ik genoodzaakt naar de eerdere brief te verwijzen.

Carola Schouten
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit a.i.

1
Welke gevolgen heeft het vervallen van de derogatie naar verwachting voor de stikstofuitstoot van de agrarische sector en de depositie op stikstofgevoelige natuur?

Antwoord
De Commissie Deskundigen Meststoffenwet (hierna: CDM) heeft eerder aangegeven dat de ammoniakemissie bij geen derogatie zeer waarschijnlijk lager zal worden omdat i) er minder eiwit gevoerd wordt aan koeien (dit leidt tot een lagere stikstof uitscheiding en daardoor minder ammoniakemissie uit zowel stallen als bij mesttoediening), ii) minder mest aan grasland en meer mest aan bouwland wordt toegediend (de ammoniakemissie uit mest toegediend aan bouwland is lager dan die toegediend aan grasland), iii) er mogelijk minder koeien en/of jongvee worden gehouden en iv) een deel van de mest die wordt toegediend aan landbouwgronden wordt vervangen door kunstmest en mogelijk mineralenconcentraten. De ammoniakemissie uit mestbewerking en -verwerking zal waarschijnlijk toenemen, maar dit effect is naar verwachting relatief klein. De ammoniakemissie daalt mogelijk meer als geen derogatie leidt tot een krimp van het aantal varkens en/of overig rundvee.

2
Kunt u uitleggen waarom de verwachte stikstofexcretie over 2022 door het CBS aan het einde van het tweede kwartaal naar boven is bijgesteld voor de sectoren varkens, pluimvee en overig? Komt dit door een stijging van het aantal dieren of door de voersamenstelling? Als het laatste het geval is, wat is er dan veranderd aan de voersamenstelling?

Antwoord
Het Centraal Bureau voor de Statistiek publiceert elk kwartaal de mestproductiecijfers en geeft een prognose af over de mestproductie over het gehele jaar. In de gepubliceerde tweede kwartaalcijfers over 2022 zijn door het CBS ook de voersamenstellingen en voerverbruik meegenomen op basis van de definitieve jaarcijfers 2021 (CBS, Dierlijke Mest en Mineralen 2021) die recent zijn verschenen. Bijstellingen zijn het gevolg van een combinatie van factoren en verschillen per sector. In dit CBS-rapport wordt dit nader toegelicht per sector.

3
Welk effect zal het verdwijnen van de derogatie concreet hebben op de waterkwaliteit?

Antwoord
Als boeren niet meer deelnemen aan derogatie vervalt voor hen de eis van 80% grasland. Daardoor kan het aandeel grasland gaan krimpen. Daarmee is er risico dat uitspoelingsgevoelige teelten toegepast worden met hogere nitraatconcentraties in het grondwater tot gevolg. Tevens kan door een verhoogde druk op de mestmarkt het frauderisico gaan toenemen, wat ook een verslechtering van de waterkwaliteit tot gevolg kan hebben. Zoals aangegeven in mijn brief van 5 september jl. wil het kabinet stimuleren dat bedrijven de komende jaren een derogatievergunning blijven aanvragen, omdat hiervoor de verplichting geldt dat van het beschikbare areaal van deze bedrijven 80% grasland is. Ook na de afbouw van de derogatie is behoud van grasland noodzakelijk om te voorkomen dat de waterkwaliteit en de natuur achteruit gaan. Het kabinet gaat onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van

de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel permanent grasland in het kader van grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

4
Wanneer zijn de effecten op waterkwaliteit meetbaar?

Antwoord
De snelheid waarmee effecten van de landbouwpraktijk en weersomstandigheden in de waterkwaliteit meetbaar zijn verschillen per grondsoort. Op veen en kleigrond is dit in de winter al zichtbaar in het water wat uit de wortelzone spoelt. In het zand gebied is dit na 1 jaar en in het lössgebied na ca 1,5 jaar.

5
Wat is de benodigde waterkwaliteit?

Antwoord
Ik ga er van uit dat u doelt op de benodigde waterkwaliteit bezien vanuit de Nitraatrichtlijn. De Nitraatrichtlijn heeft tot doel de waterverontreiniging die wordt veroorzaakt of teweeggebracht door nitraten uit agrarische bronnen te verminderen en verdere verontreiniging van dien aard te voorkomen. Voorts moet een Goede Landbouwpraktijk worden gestimuleerd en eutrofiëring van oppervlaktewater worden tegen gegaan. Een lidstaat stelt vast welke gebieden kwetsbaar zijn en welke maatregelen genomen moeten worden om aan de doelen te gaan voldoen, overeenkomstig de criteria uit bijlage 1 van de Nitraatrichtlijn met betrekking tot onder andere zoet oppervlaktewater en de streefwaarde van 50 mg nitraatconcentratie per liter in het grondwater.
Overigens heeft ook de Kaderrichtlijn Water (KRW) een goede waterkwaliteit tot doel. De beoogde waterkwaliteit is vastgelegd in de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstuk 35325, nr. 5). De KRW bepaalt dat in 2027 alle maatregelen moeten zijn genomen die resulteren in chemisch schoon en ecologisch gezond water. Naast belasting door nutriënten uit de landbouw, zorgen ook andere bronnen voor watervervuiling. Vanuit de KRW ligt er dan ook een opgave voor deze bronnen welke in de stroomgebiedbeheerplannen worden opgepakt.

6
Welke financiële gevolgen zal de afbouw van derogatie concreet hebben op (agrarisch) bedrijfsniveau, inclusief misgelopen inkomsten, extra kosten voor afzet en extra kosten voor het kopen van kunstmest?

Antwoord
In de conceptderogatiebeschikking worden door de Europese Commissie voorwaarden gesteld aan het verlenen van een derogatie op de Nitraatrichtlijn. Het gaat om voorwaarden waar Nederland, indien het Nitraatcomité positief adviseert en de Europese Commissie de derogatiebeschikking vaststelt, aan moet voldoen. De verwachting is dat deze voorwaarden voor agrarische bedrijven grote gevolgen hebben. Dit leidt voor ondernemers, ook jonge boeren en tuinders, tot extra vraagstukken over de toekomst van het bedrijf.
Voor derogatiedeelnemers betekent het afbouwpad van de derogatie dat zij in de komende jaren minder stikstof uit dierlijke mest kunnen afzetten op eigen grond en daarvoor een andere afzetmogelijkheid nodig is. Daarnaast zal, indien een

bedrijf de stikstofgift op gelijke hoogte wil houden, meer stikstof uit kunstmest nodig zijn, waarmee kosten gepaard gaan.
Daarnaast kan er ook sprake zijn van indirecte gevolgen voor agrarische ondernemers die geen gebruik maken van derogatie. De mestmarkt zal zich in de komende jaren opnieuw moeten gaan zetten, en daarbij spelen meer factoren een rol; in het bijzonder de totale mestproductie en de nutriënten in de mest, naast de mest afzetmogelijkheden. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de derogatievoorwaarden indirect gevolgen voor de afzet van andere dierlijke mest zoals varkensmest. Het is gezien de andere factoren die hier ook een belangrijke rol in hebben moeilijk een inschatting te geven van de mate waarin. Hogere mestafzetkosten voor de veehouderij betekenen voor een akkerbouwer mogelijk goedkopere beschikbare nutriënten, en daarmee lagere kosten.

7
Welke financiële gevolgen zal de afbouw van derogatie hebben voor het totale agrocomplex?

Antwoord
Voor het gehele agrocomplex zullen de financiële gevolgen naar verwachting negatief zijn. Over de gevolgen van geen derogatie heb ik de Kamer geïnformeerd in mijn brief van 26 april jl. (Kamerstuk 33037, nr. 439).

8
Hoe heeft men de bron vastgesteld van stoffen/nutriënten in het oppervlaktewater?

Antwoord
In hoofdstuk 4 van de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstuk 35325, nr. 5) is uitgebreid beschreven hoe de bron is vastgesteld van nutriënten en andere stoffen, die worden aangetroffen in het oppervlaktewater. De bronnen worden zoveel mogelijk in beeld gebracht voor ieder waterlichaam en zijn daarmee ook beschikbaar per stroomgebied. Daarbij is gebruik gemaakt van de landelijke emissie registratie (https://www.emissieregistratie.nl/) in combinatie met verschillende aanvullende regionale studies.

9
Hoeveel procent van het rioolwater kan het Nederlandse waterzuiveringssysteem aan?

Antwoord
Volgens de Bedrijfsvergelijking Zuiveringsbeheer wordt ongeveer 97% van het rioolwater gezuiverd (https://www.waterschapsspiegel.nl/wp-content/uploads/2019/09/Bedrijfsvergelijking-Zuiveringsbeheer-2018.pdf).

10
Klopt het dat veel watermeetpunten in steden liggen en de daar gemeten waterkwaliteit wordt toegerekend aan de landbouw?

Antwoord
De watermeetpunten liggen verspreid over het land om een representatief beeld te geven van de waterkwaliteit en de verschillende bronnen. Zie ook hoofdstuk 3

van de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstuk 35325, nr. 5).

11
Welke rol ziet u concreet voor de keten in het opvangen van de klap van het verlies van de derogatie?

Antwoord
Ik vind dat de keten boeren in staat moet stellen om de slag te maken naar duurzaam produceren tegen een eerlijke prijs. Over de rol die ik wil dat de keten op zich neemt in de landbouwtransitie zal ik de Kamer nader informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

12
Hoe gaat u het Gemeenschappelijk Landbouw Beleid (GLB) toepassen om verder te voorkomen dat grasland zal worden omgezet in bouwland?

Antwoord
Het Nationaal Strategisch Plan (NSP) voor het nieuwe GLB bevat in dit kader een aantal voorwaarden, conditionaliteiten genoemd. Deze voorwaarden betreffen met name de goede landbouwpraktijken en milieucondities 1 en 9, ten aanzien van het behoud van het aandeel blijvend grasland in Nederland en een ploeg- en omzetverbod voor aangewezen ecologisch kwetsbaar blijvend grasland in Natura2000-gebieden. Daarnaast stimuleer ik blijvend grasland met de ecoregeling.

13
Kunt u schetsen hoe u het afbouwpad van de derogatie gaat laten samenhangen met de gebiedsplannen uit het Nationaal Programma Landelijk Gebied (NPLG)?

Antwoord
In voornoemde brief van 5 september 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 450) aan de Tweede Kamer is aangegeven dat voor de realisatie van de doelen van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (hierna: NPLG) tot 2030 de tijd is. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. Bezien zal worden of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader zou kunnen worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

14
Hoe wordt voorkomen dat boeren verantwoordelijk worden gehouden voor stoffen die via water uit het buitenland Nederland binnenkomen?

Antwoord
Nederlandse boeren worden niet verantwoordelijk gehouden voor stoffen die via water uit het buitenland Nederland binnenkomen. Er is een goed beeld van het aandeel dat via rivieren ons land binnenstroomt. Dat is onder meer beschreven in hoofdstuk 4.3.2 van de stroomgebiedbeheerplannen 2022-2027 (bijlage bij Kamerstuk 35325, nr. 5).

15
Kunt u een opsomming geven van wat de voordelen zouden zijn van het aanpassen van de stikstofgebruiksnormen in de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet zodat er niet meer kunstmest wordt gebruikt?

Antwoord
De stikstofgebruiksnormen, zoals benoemd in bijlage A, tabel 1, van de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet zijn de Nederlandse uitwerking van de code voor goede landbouwpraktijk voor stikstofbemesting zoals benoemd in Artikel 4 van de Nitraatrichtlijn. Deze normen zijn gedifferentieerd naar gewas, grondsoort van het perceel en zijn gebaseerd op wetenschappelijk onderzoek. Een aanpassing van de stikstofgebruiksnormen, zodat er niet meer kunstmest wordt gebruikt, beperkt de plantenvoeding die voor een teelt optimaal is. Een beperking kan het risico op uitspoeling verminderen, en mogelijk de efficiëntie van de toegepaste meststoffen verhogen.

16
Overweegt u om de stikstofgebruiksnormen in de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet aan te passen zodat er niet meer kunstmest wordt gebruikt? Zo nee, waarom niet?

Antwoord
Ik overweeg op dit moment niet om de stikstofgebruiksnormen aan te passen zodat er niet meer kunstmest wordt gebruikt. In het zevende actieprogramma Nitraatrichtlijn is wel een evaluatie van de stikstofgebruiksnormen voorzien en in door nutriënten verontreinigde gebieden wordt een verlaging van de stikstofgebruiksnormen door de Europese Commissie verplicht. De aangepaste normen die hiervan het gevolg zijn, zullen een wijziging van de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet vergen.

17
Kunt u een indicatie geven van de extra kosten waar de gemiddelde derogatiehouder door het verlies van de derogatie mee wordt geconfronteerd?

Antwoord
In de kamerbrief van 26 april 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 439) heb ik uw Kamer geïnformeerd over de mogelijke financiële gevolgen bij verlies van de derogatie. Bij het verlies van derogatie zullen de financiële gevolgen per bedrijf verschillen. Voor individuele graasdierhouders die in de afgelopen jaren gebruik maakten van derogatie zal op bedrijfsniveau de plaatsingsruimte voor dierlijke mest afnemen, wat bij een ongewijzigde bedrijfsvoering zal leiden tot hogere kosten voor de afvoer van dierlijke mest. Daarnaast zal, indien een bedrijf de stikstofgift op gelijke hoogte wil houden, meer stikstof uit kunstmest nodig zijn waarmee kosten gepaard gaan.

18
Kunt u uiteenzetten wat de potentiële negatieve gevolgen zijn van meer kunstmestgebruik op het gebied van de waterkwaliteit, het klimaat en het milieu?

Antwoord
De lachgasemissie kan mogelijk toenemen als er meer kunstmest op grasland wordt gebruikt. De productie van kunstmest vraagt gebruik van fossiele energie. Naar oordeel van de CDM zal het effect op nitraatuitspoeling van toegenomen

kunstmestgebruik ten opzichte van (runder)drijfmest beperkt zijn. Daarnaast verwacht zij mogelijk een kleine verbetering van de oppervlaktewaterkwaliteit vanwege toegenomen precisiebemesting met kunstmest.

19
Hoe gaat u voorkomen dat het verlies van de derogatie gaat leiden tot het gebruik van meer kunstmest?

Antwoord
De hoogte van de totaalgebruiksnormen voor stikstof en fosfaat bepalen de mogelijkheden die een landbouwer heeft in het toepassen van kunstmest. Deze normen mogen niet overschreden worden. In het zevende actieprogramma Nitraatrichtlijn is een evaluatie van de stikstofgebruiksnormen voorzien en in door nutriënten verontreinigde gebieden wordt een verlaging van de stikstofgebruiksnormen door de Europese Commissie verplicht vanaf 2025. Daarnaast is het zo dat derogatiebedrijven onder vorige derogaties geen fosfaatkunstmest mochten gebruiken. De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot dit punt is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

20
Klopt het dat de waterkwaliteit meestal in de zomer gemeten wordt, wanneer door de droogte eventuele vervuiling extra geconcentreerd is, zo ja, waarom is dat?

Antwoord
De chemische stoffen van de Kaderrichtlijn Water worden het hele jaar gemeten en beoordeeld op zowel het jaargemiddelde als maximale waarden. Dit sluit aan bij de effecten die chemische stoffen kunnen hebben op gezondheid en het ecosysteem. De parameters die ondersteunend zijn aan de ecologische toestand van het zoete water worden veelal in de zomer gemeten, omdat dit voor flora en fauna vooral in de zomerperiode relevant is. Metingen voor grondwaterkwaliteit van het water dat uit de wortelzone spoelt, vinden plaats om het effect van het voorgaande groeiseizoen in beeld te brengen. Op kleigrond is dat sneller dan op zandgrond. Daarom vinden deze grondwatermetingen plaats op kleigrond in de winter en op zandgrond in de zomer.

21
Hoe vergelijkt kunstmest met organische mest als het aankomt op uitspoelingsgevoeligheid en milieu- en klimaateffecten?

Antwoord
Beide producten hebben een verschillend milieu en klimaat impact. Anorganische meststoffen leveren direct beschikbare nutriënten, waarbij organische meststoffen eerst in de bodem omgezet moeten worden, en dus niet direct opneembaar zijn door de plant. Als deze nutriënten vrij komen in een periode dat er geen plantengroei is, vergroot dit het risico op uitspoeling. De organische stof uit dierlijke mest kan wel bijdrage aan de bodemkwaliteit door de organische stof die in de bodem wordt gebracht. Voor de productie van kunstmest is veel aardgas nodig als grondstof en er ontstaat CO2. Beide producten kunnen tot lachgas emissie leiden. Beide type meststoffen zorgen echter ook voor de vastlegging van CO2 in gewassen en de bodem.

22
Hoe gaat u er precies voor zorgen dat de steunregeling voor de derogatiehouders rijmt met staatssteunregels?

Antwoord
De voorziene tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling zal worden gebaseerd op de de-minimis verordening voor de landbouwsector ((EU) 1408/2013). Daarbij zullen de daarvoor geldende procedures worden gevolgd. Genoemde de-minimisverordening geeft aan dat steun die conform de de-minimisverordening wordt verleend en onder de betreffende de-minimisplafonds blijft, niet aan alle staatssteuncriteria hoeft te voldoen en vormt daarom geen staatssteun. Dat betekent dat de voorgenomen steunmaatregel niet voor goedkeuring door de Europese Commissie behoeft te worden gemeld bij de Europese Commissie.

23
Hoe denkt u in de periode tussen 2026, wanneer de derogatie afloopt, en 2032, wanneer er wettelijke eisen voor grondgebondenheid zullen worden gesteld, te borgen dat grasland niet wordt omgezet in bouwland? Hoe zet u hiervoor het NLPG specifiek in?

Antwoord
Zoals in voornoemde brief van 5 september jl. is aangegeven, gaat het kabinet onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van een grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

24
Hoe voorziet u ervoor te zorgen dat derogatiehouders die in verontreinigde gebieden zitten en waar dus mogelijk al eerder de derogatie zal worden afgebouwd, hun grasland niet zullen omzetten in bouwland?

Antwoord
Met de transitietegemoetkomingsregeling wil ik deelname aan derogatie stimuleren en voorkomen dat grasland door bedrijven wordt omgezet in bouwland. Zoals aangegeven in voornoemde brief van 5 september jl. voorziet de conceptbeschikking vanaf 2023 in een stapsgewijze, jaarlijkse afbouw van de derogatie, ook buiten door nutriënten verontreinigde gebieden. De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling wordt opgezet voor alle deelnemers aan derogatie die ook in 2021 deelnamen. Deze tegemoetkoming ziet op een gedeelte van de extra kosten die deze derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van de derogatie, om zeker te stellen dat zij grasland behouden. In de tegemoetkoming wordt rekening gehouden met de mate van afbouw van de derogatie en de daarmee gemoeide extra kosten die deze bedrijven in verontreinigde gebieden door een snellere afbouw van derogatie moeten maken voor mestafvoer.

25
Zoekt Nederland per stroomgebied de bronnen van de vervuiling op zoals dat ook in Vlaanderen wordt gedaan, zo nee, waarom niet?

Antwoord
Hiervoor verwijs ik naar het antwoord op vraag 8. Daarnaast is het PBL in de Nationale Analyse Waterkwaliteit ingegaan op de verschillen per gebied (https://www.pbl.nl/sites/default/files/downloads/pbl-2020-nationale-analyse-waterkwaliteit-4002_0.pdf).

26
Om wat voor aanvullende eisen gaat het voor de verontreinigde gebieden precies, of waar wordt aan gedacht?

Antwoord
Het gaat in ieder geval om de toepassing van de laagste derogatienorm die wordt afgebouwd volgens het schema 2023: 220 kg; 2024: 210 kg en 2025: 190 kg. Vanaf 2026 is geen derogatie meer mogelijk. Na een positief advies van het Nitraatcomité zal de Europese Commissie de conceptbeschikking vaststellen en kan ik de volledige beschikking naar de Kamer zenden. Hierin staan alle voorwaarden voor derogatieverlening uitgewerkt.

27
Wat bedoelt u precies met verontreinigde gebieden?

Antwoord
Nederland dient deze gebieden aan te wijzen in lijn met een uitspraak van het Europees Hof van Justitie over Duitsland. De verdere inhoud hierover in de conceptbeschikking is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

28
Kunt u een indicatie geven van welke verontreinigde gebieden Nederland zal aanwijzen waar de derogatie sneller zal worden moeten afgebouwd en aanvullende eisen zullen worden gesteld?

Antwoord
Zoals vermeld in voornoemde brief van 5 september jl. kan ik u slechts aangeven dat het in 2022 gaat om het centrale en zuidelijke zandgebied en het lössgebied overeenkomstig de voorgaande aan Nederland verleende derogatiebeschikkingen. De verdere inhoud hierover in de conceptbeschikking is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

29
Welke van de voorwaarden voor de conceptbeschikking zullen ook gaan gelden voor boeren die geen gebruik maken van de derogatie?

Antwoord
De inhoud van de conceptbeschikking is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

30
Kunt u nader toelichten hoe de regelgeving ten aanzien van bufferstroken precies zal worden aangepast als voorwaarde voor de conceptbeschikking? Indien dit niet precies kan worden gecommuniceerd, kunt u een indicatie geven?

Antwoord
Zoals vermeld in voornoemde brief van 5 september jl. kan ik u slechts aangeven dat de regelgeving ten aanzien van bufferstroken meer in lijn zal worden gebracht met de voorwaarden die gelden voor het nieuwe GLB. De verdere inhoud hierover is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

31
Kunt u nader toelichten hoe de mestproductieplafonds precies zullen worden bijgesteld als voorwaarde voor de conceptbeschikking? Indien dit niet precies kan worden gecommuniceerd, kunt u een indicatie geven?

Antwoord
Zoals vermeld in voornoemde brief van 5 september jl. kan ik u slechts aangeven dat de mestproductieplafonds zullen worden bijgesteld in lijn met de verwachte resultaten van de maatregelen uit het 7e AP en het addendum. De verdere inhoud hierover is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen. Ik zal de Tweede Kamer zo snel als ik kan hierover verder informeren.

32
Klopt het dat de Nederlandse overheid de agrarische sector maatregelen oplegt, zoals de Bestuurlijk Overleg Open Teelt en Veehouderij lijst (BOOT-lijst), waarvan de effectiviteit niet bewezen is?

Antwoord
De BOOT-lijst bestaat uit 85 bovenwettelijke landbouwkundige maatregelen om de waterkwaliteit, waterkwantiteit en bodemkwaliteit te verbeteren. Overgrote deel van de maatregelen is gekoppeld aan een wetenschappelijke publicatie of onderzoeksgegevens uit praktijkonderzoek (o.a. Groenendijk, Van Gerven, Van Boekel en Schipper, "Maatregelen op en rond landbouwpercelen ter vermindering van de nutriëntenbelasting van water. Achtergrondinformatie effectiviteit landbouwmaatregelen ten behoeve van de Nationale Analyse Waterkwaliteit", KIWK rapport 2021-54). Deze maatregelen worden in bijvoorbeeld het Deltaplan Agrarisch Waterbeheer gebruikt als mogelijke maatregelen om tot verbetering te komen – deze zijn zoals gezegd bovenwettelijk en worden niet verplicht opgelegd.

33
Klopt het dat de natuurbeheerders aan veel minder strenge normen hoeven te voldoen bij stikstofemissies dan boeren? Zo ja, waarom is dat?

Antwoord
Voor natuurgronden is een maximum gesteld aan de hoeveelheid fosfaat die mag worden opgebracht met dierlijke mest. Deze norm is daardoor beperkend voor de ruimte om stikstof uit dierlijke mest toe te passen. Voor deze gronden gelden vaak beheerovereenkomsten waarin gebruiksnormen voor mest zijn opgenomen ten behoeve van natuurdoelen. Dat betekent in de praktijk op natuurgronden vaak dat minder dierlijke mest en kunstmest wordt toegediend dan op

landbouwgronden. Regulering met strenge normstelling is vanwege de verschillen in gebruik van de gronden niet nodig. Dat blijkt ook uit gegevens over gemiddelde jaarlijkse nitraatconcentratie in het grondwater in Nederland. Op gronden met functie natuur is de nitraatconcentratie op een diepte van 5-15 meter onder het maaiveld gemiddeld ongeveer 10 mg/l lager dan op gronden met functie landbouw (Bron: Fraters B. et al, 2020. Landbouwpraktijk en waterkwaliteit in Nederland; toestand (2016-2019) en trend (1992-2019), RIVM). Voor de uitrijmethode van mest op natuurgrond gelden dezelfde voorschriften als op landbouwgrond. De mest moet dus zo emissiearm mogelijk uitgereden worden en voldoen aan de eisen uit het Besluit gebruik meststoffen.

34
Klopt het dat er in Nederland 500 % meer ganzen zijn dan bij de vaststelling van de ecologische draagkracht van de Natura-2000 gebieden zijn vastgelegd, zo ja, hoe wordt hier rekening mee gehouden?

Antwoord
Bij sommige ganzensoorten zijn de aantallen in Nederland toegenomen. Waar de Natura2000 doelen ruim zijn bereikt, zijn lokale afnames geen probleem.

35
Waarop is de tijdelijke transitietegemoetkoming van 10.000 euro per bedrijf gebaseerd? Hoeveel bedrijven hebben genoeg aan een transitietegemoetkoming van 10.000 euro en hoeveel bedrijven komen tekort?

Antwoord
De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling voorziet in een tegemoetkoming voor bedrijven die in 2021 een derogatievergunning hadden en een nieuwe derogatievergunning aanvragen en verkrijgen, en ziet op een gedeelte van de extra kosten die deze derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van derogatie. Voor deelnemers aan de derogatie betekenen de voorwaarden van deze beschikking dat zij in de komende jaren minder stikstof uit dierlijke mest kunnen afzetten op eigen grond en daardoor bij ongewijzigde bedrijfsvoering meer mest moeten afvoeren van hun bedrijf.
De transitietegemoetkominsgregeling moet komende periode nog worden uitgewerkt. In de tegemoetkoming zal rekening worden gehouden met de mate van afbouw van de derogatie en de daarmee gemoeide extra kosten die deze bedrijven maken voor mestafvoer. Ik denk aan een tegemoetkoming per hectare landbouwgrond van het bedrijf. Dit verschilt per bedrijf, waardoor de tegemoetkoming per bedrijf verschillend zal zijn.

36
Welk effect heeft het afbouwpad voor boeren die niet deelnemen aan de derogatie?

Antwoord
Voor het antwoord op deze vraag verwijs ik naar het antwoord op vraag 6.

37
In hoeverre kunnen niet-derogatie bedrijven ook aanspraak maken op de transitievergoeding?

Antwoord
De transitietegemoetkomingsregeling voorziet alleen in een tegemoetkoming aan landbouwers die in 2021 een derogatievergunning hadden en een nieuwe derogatievergunning aanvragen en verkrijgen.,

38
Wat betekent deze afbouwderogatie voor de (financiële) uitgangspositie van jonge boeren en tuinders? Op welke manier worden zij geholpen?

Antwoord
Voor ondernemers, ook jonge boeren en tuinders, leidt het afbouwpad van de derogatie tot extra vraagstukken over de toekomst van het bedrijf. Ik verwijs daarbij ook naar het antwoord op vraag 6. Ik wil boeren, en zeker ook jonge boeren en tuinders, ondersteunen bij de transitie. Hierover zal ik u informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

39
Wat betekent dit afbouwpad voor de financierbaarheid van agrarische bedrijven door banken de komende tijd?

Antwoord
In algemene zin is het aan de financier om te beoordelen of bedrijven financierbaar zijn. Het afbouwpad stelt bedrijven die op dit moment gebruik maken van derogatie voor vraagstukken in de komende jaren, die sterk verschillen per bedrijf. Die vraagstukken op het individuele bedrijf zijn ook voor mij een grote zorg en daarom wil ik bijdragen aan een goede transitie. In de gesprekken die ik voer met de banken en financiële instellingen over hun rol in de transitie, zal ook de financierbaarheid van de sector aan de orde blijven komen. Daarnaast ben ik gekomen met een tijdelijke transitietegemoetkoming voor derogatiebedrijven.

40
Wordt er bij de transitievergoeding rekening gehouden met hoe intensief een bedrijf is?

Antwoord
Gedacht wordt aan een tijdelijke transitieregeling die tegemoetkoming geeft aan derogatiebedrijven naar gelang de hectares, en daarmee de instandhouding van de hectares grasland, en de met die hectares gemoeide extra kosten die zij moeten maken voor mestafvoer.

41
Is het mogelijk dat het vervallen van de derogatie intensivering in de hand zal werken?

Antwoord
Ik neem aan dat u met intensivering doelt op een toename van de mestproductie in Nederland. De hoogte van de mestproductieplafonds, uitgedrukt in kilogrammen stikstof en fosfaat, is vastgelegd in de Meststoffenwet. Deze komen op dit moment overeen met de productie van 2002. Via de productierechtenstelsels wordt gewaarborgd dat de mestproductie de mestproductieplafonds niet overschrijdt. Na een positief advies van het Nitraatcomité zal de Europese Commissie de conceptbeschikking vaststellen en

kan ik de volledige beschikking naar de Kamer zenden. Hierin staan alle voorwaarden voor derogatieverlening, waaronder de details over de bijstelling van de mestproductieplafonds, uitgewerkt.

42
Is er genoeg kunstmest beschikbaar om de afbouw van dierlijke mest te kunnen compenseren?

Antwoord
De afbouw van de bemestingsnorm voor stikstof uit dierlijke mest is in de conceptderogatiebeschikking in de eerste jaren (2023 en 2024) beperkt. De extra behoefte aan stikstofkunstmest zal daarom ook beperkt zijn. De kwantitatieve beschikbaarheid van kunstmest in Nederland wordt niet publiek gemonitord. Er zijn in Nederland een paar grote kunstmestproducenten, zoals Yara Sluiskil en OCI-Nitrogen in Geleen, die stikstofkunstmest produceren voor de Noord-West Europese markt. Op dit moment hebben zij de productie in verband met de hoge gasprijs afgeschaald. Zij geven aan dat er momenteel nog wel meststoffen worden geleverd, maar dat er in het winterseizoen minder meststoffen gevraagd worden. Als de gasprijs voor langere tijd hoog blijft zal de beschikbaarheid van kunstmest onder druk kunnen komen staan.

43
Wat is de stand van zaken rondom een derogatie voor kunstmestvervangers van dierlijke oorsprong, welke voldoen aan de RENURE-criteria (Recovered Nitrogen form Manure-criteria) van het Joint Research Centra (JRC)?

Antwoord
Nederland heeft in april 2022 een aanvraag voor een landen-specifieke oplossing voor het gebruik van deze RENURE-producten ingediend bij de Europese Commissie, mede naar aanleiding van de motie Van der Plas, Bisschop en Boswijk (Kamerstuk 21501-32, nr. 1403). Dit maakte deel uit van de besprekingen met de Europese Commissie over de derogatie voor graasdiermest. De EC beschouwt kunstmestvervanging echter als een separaat traject. Ik zal mij intensief blijven inzetten voor kunstmestvervanging door dierlijke mest in Europees verband in nauwe samenwerking met andere lidstaten.

44
Hoe wordt de transitie naar kunstmestvervangers vormgegeven? Is hier al een concreet plan voor en op welke manier wordt dit gefinancierd?

Antwoord
Een transitie naar het gebruik van kunstmestvervangers kan worden ingezet als er duidelijkheid is van de Europese Commissie onder welke voorwaarden dierlijke mest verwerkt moet worden om het in te zetten als een kunstmestvervanger. Nederland heeft een verzoek bij de Europese Commissie ingediend dat uitgaat van de RENURE-criteria die ontwikkeld zijn door het Joint Research Centre (JRC). Nederland heeft 48 miljoen euro gereserveerd om mest verwerkende bedrijven te stimuleren dierlijke mest hoogwaardig te verwerken. Op dit moment wordt de subsidieregeling hoogwaardige mestverwerking vormgegeven, waarbij ook de RENURE-criteria leidend zullen zijn. Naar verwachting wordt deze in het vierde kwartaal van 2022 opengesteld.

45
Hoe wordt ervoor gezorgd dat per 1 januari 2023, of zoveel eerder als mogelijk, de inzet van kunstmestvervangers van dierlijke oorsprong (welke voldoen aan de RENURE-criteria van het Joint Research Centra (JRC) boven op de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest in Nederland mogelijk is?

Antwoord
Nederland heeft een verzoek bij de Europese Commissie, DG Milieu ingediend voor een landen-specifieke oplossing. Gevraagd is het gebruik van deze RENURE-producten voor de gebruiksnormen niet langer te mogen beschouwen als het gebruik van dierlijke mest, maar van kunstmest. Nederland zal zich ervoor inspannen de gesprekken over dit dossier na het vaststellen van de beschikking door het Nitraatcomité te vervolgen. Mocht dit niet leiden tot een oplossing voor 31 december 2022, dan zal gestreefd worden naar verlenging van de huidige pilots mineralenconcentraat en Kunstmestvrije Achterhoek.

46
Hoe staat het afbouwen van derogatie in verhouding tot de ambitie om als land minder afhankelijk te zijn van gas?

Antwoord
Deze derogatie bevat een afbouwpad voor het gebruik van stikstof uit dierlijke mest. Daarnaast worden er in nutriënt verontreinigde gebieden aanvullende eisen gesteld, zoals een verlaging van de stikstofgebruiksnormen vanaf 2025, wat het totale gebruik van stikstof (dierlijke mest en kunstmest) zal verlagen. Wat het effect is op het totale gasgebruik is niet bekend. Ik zal mij blijven inspannen om de gesprekken met de Europese Commissie over het gebruik van RENURE-producten te vervolgen. Het gebruik van deze producten kan bijdragen aan het verminderen van gasgebruik.

47
In hoeverre is dit plan praktisch uitvoerbaar voor de agrarische sector?

Antwoord
De afbouw en het verdwijnen van de derogatie gaat een grote inspanning vergen van de agrarische sector, zeker in combinatie met de andere opgaven waar de sector mee geconfronteerd wordt. Ik zal met de sector in gesprek gaan zodra de beschikking is vastgesteld en openbaar is.

48
Kan de ambitie op het gebied van grondgebondenheid nog gehaald worden wanneer er een afbouwplan voor derogatie komt?

Antwoord
Ik ben momenteel bezig met de nadere uitwerking van grondgebondenheid. Hierbij betrek ik de gevolgen van de afbouw van de derogatie.

49
Zijn de gewenste Grootvee-eenheidnormen (GvE-normen) nog haalbaar wanneer derogatie wordt afgebouwd?

Antwoord
Zoals in het antwoord op de vorige vraag aangegeven, ben ik momenteel bezig met de nadere uitwerking van grondgebondenheid, waarbij ik de gevolgen van de afbouw van de derogatie betrek.

50
Welk effect heeft het verdwijnen van derogatie op de bodemvruchtbaarheid?

Antwoord
Als er geen derogatie wordt verleend zal de hoeveelheid dierlijke mest die wordt toegepast worden beperkt. In veel gevallen zal dit gaan over runderdrijfmest en varkensdrijfmest. Deze mestsoorten bevatten wel organische stof, maar niet veel. Hierdoor kan het organische stof gehalte van de bodem wat gaan afnemen. Echter is het wel zo dat door toepassen van vanggewassen, rustgewassen en compost een grote verbetering van de bodemkwaliteit kan worden gerealiseerd. Deze maatregelen kunnen buiten de normen voor dierlijke mest worden toegepast.

51
Klopt het dat de Maatwerkaanpak als alternatief op het generieke 7e Actieprogramma nu voor veel boeren geen alternatief meer is, wanneer de bufferstroken verplicht generiek verbreed worden? Wat zijn hiervan de consequenties op het Nationaal Strategisch Programma (NSP) van het GLB?

Antwoord
Voor het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en het Gemeenschappelijk Landbouwbeleid zullen dezelfde teeltvrije zones gaan gelden, waarbij de zones gelden voor zowel mest als gewasbeschermingsmiddelen. Daarbij worden de teeltvrije zones (bufferstroken onder het GLB) in de conditionaliteit opgenomen en zijn daarmee een voorwaarde om aan het GLB te kunnen meedoen. Het gezamenlijke traject om te komen tot een handhaafbare, uitvoerbare, controleerbare en betaalbare aanpak die tot een gelijkwaardig of grotere waterkwaliteitsverbetering zal leiden als een deel van de maatregelen uit het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, loopt momenteel nog. Ik wil hier niet op vooruitlopen op de uitkomsten van dit traject.

52
Is het waarschijnlijk dat akkerbouwers eerder zullen kiezen voor melkveemest in plaats van varkensmest wanneer derogatie wordt afgebouwd? Zo ja, hoe wordt de markt voor varkensmest opgevangen?

Antwoord
De akkerbouwer maakt een afweging in kosten en opbrengsten, en de nutriënten en organische stof in de mest. Daarbij is rundveemest vaak gunstiger qua nutriëntenverhouding en gehalte organische stof. De mestmarkt zal zich in de komende jaren moeten gaan zetten naar de nieuwe situatie, en daarbij spelen er meerdere factoren een rol zoals bijvoorbeeld de totale mestproductie, de nutriënten in de mest en de mest afzetmogelijkheden. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de conceptderogatiebeschikking indirect gevolgen voor de afzet van varkensmest. Het is gezien de andere factoren die hier ook een belangrijke rol in hebben moeilijk te voorspellen in hoeverre. De verwerking en daarmee plaatsing

buiten de Nederlandse landbouw van een deel van het fosfaatoverschot is gereguleerd.

53
Hoe wordt omgegaan met de waarschijnlijke wijziging van het bouwplan van melkveehouders, aangezien het aantrekkelijker zal worden om af te wijken van de 80/20 regel wat uiteindelijk ook effect heeft op de waterkwaliteit?

Antwoord
Ik zet mij omwille van de waterkwaliteit in voor het op peil houden van het areaal grasland in Nederland, onder andere door met de tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling deelname aan derogatie te stimuleren en hiermee het aandeel grasland op peil te houden. In voornoemde brief van 5 september jl. is aangegeven dat het kabinet gaat onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

54
Klopt het dat alle dierlijke mest van graasdierbedrijven al op het land is uitgereden en er nog geen duidelijkheid is over wat nu wel en niet is toegestaan?

Antwoord
In voornoemde brief van 5 september 2022 is de Tweede Kamer geïnformeerd dat de derogatienormen in 2022 gelijk zijn aan die in de voorgaande beschikking. De inzet is er steeds op gericht geweest gedurende het uitrijdseizoen duidelijkheid te kunnen geven over de inhoud van de derogatie. Ik besef goed dat het voor boeren tot onzekerheid heeft geleid dat deze duidelijkheid pas na het mest-uitrijdseizoen is gekomen.

55
Hoe worden bedrijven tegemoetgekomen die nu te veel mest voor een verhoogde prijs hebben afgezet of in opslag hebben?

Antwoord
Er is geen tegemoetkoming voorzien voor bedrijven die nu meer mest hebben afgevoerd.

56
Klopt het dat de extra eisen die worden opgelegd om een derogatie toegewezen te krijgen zeer streng zijn, waardoor boeren met percelen in de 34 meest kwetsbare Grondwaterbeschermingsgebieden uitgesloten worden van derogatie terwijl zij al jaren werken aan de waterkwaliteit?

Antwoord
De inhoud van de conceptbeschikking hierover is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

57
Wat zijn de voordelen van het verdwijnen van derogatie?

Antwoord
De ammoniakemissie zal afnemen omdat minder eiwit gevoerd wordt aan koeien (lagere excretie van ammoniakaal stikstof), minder mest toegediend wordt aan grasland en meer aan bouwland (mesttoediening aan bouwland leidt tot een lagere emissie dan op grasland), mogelijk minder koeien en/of jongvee worden gehouden, en een deel van de mest wordt vervangen door kunstmest. Als er geen derogatie wordt verleend, zal dit mogelijk leiden tot een krimp van het aantal varkens en/of overig rundvee, wat een daling van de ammoniakemissie tot gevolg heeft. Daardoor zal de stikstofdepositie op natuur afnemen en het negatieve effect van stikstof op biodiversiteit worden verkleind.

58
Wat zijn de nadelen van het verdwijnen van derogatie?

Antwoord
Afbouw van derogatie betekent dat in Nederland voor alle landbouwgronden uitgegaan moet worden van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke meststoffen van 170 kilogram per hectare, zoals in de Nitraatrichtlijn is bepaald. Dit zal, op korte termijn, gevolgen hebben voor de mestmarkt in Nederland, waarbij naar verwachting melkveehouders de mest, die op het eigen bedrijf geproduceerd wordt niet langer volledig op het eigen bedrijf kunnen plaatsen, waardoor mest van het bedrijf naar elders zal moeten worden afgezet. De behoefte aan stikstof zal worden ingevuld met andersoortige meststoffen dan dierlijke mest, bijvoorbeeld door kunstmest. De akkerbouw zal naar verwachting minder mest uit de varkenshouderij toepassen en meer gebruik gaan maken van de mest uit de melkveehouderij. Tenslotte zal de afzet van mest naar buiten Nederland toenemen evenals het belang van mestverwerking. Als gevolg van deze veranderingen zullen de mestafzetkosten voor de veehouderijbedrijven sterk stijgen en voor melkveehouderijbedrijven zullen de kosten voor kunstmest toenemen.

Voor wat betreft het milieu zullen de ammoniakemissies uit mestbewerking en -verwerking waarschijnlijk toenemen. Wanneer grasland wordt omgezet in maisland zal de nitraatuitspoeling waarschijnlijk toenemen, en zal de agro-biodiversiteit en koolstofopslag waarschijnlijk afnemen. Ik zet mij echter in om het areaal grasland, ook na derogatie, op peil te houden en zo deze negatieve effecten te minimaliseren.

Ik verwijs u tevens naar eerdere brieven van mijn ambtsvoorganger (Kamerstuk 33037, nrs. 439 en 446).

59
Wegen de voordelen van het verdwijnen van derogatie op tegen de nadelen?

Antwoord
De Commissie Deskundigen Meststoffenwet heeft in 2020 advies uitgebracht over welke milieueffecten optreden door derogatie van de Nitraatrichtlijn (Kamerstuk 33037, nr. 369). Hieruit blijkt dat de derogatie positieve effecten heeft op de waterkwaliteit, het klimaat en de agrobiodiversiteit, vooral vanwege de eis die is gesteld aan het areaal grasland. Daar staat tegenover dat een derogatie kan leiden tot een hogere ammoniakemissie vanwege de hogere toegestane dierlijke mestgift. Daarbij heb ik de Tweede Kamer meermaals geïnformeerd over de consequenties van geen derogatie (o.a. Kamerstuk 33037, nr. 404). Gegeven

bovenstaande is steeds ingezet op het verleend krijgen van derogatie voor de periode 2022-2025.

60
Welke impact heeft een afbouwpad voor derogatie op de nog te ontwikkelen en uit te voeren gebiedsgerichte aanpak?

Antwoord
Ik verwijs u voor de beantwoording naar het antwoord op vraag 13.

61
Op welke wijze is uitvoering gegeven aan motie Bisschop, Geurts en Lodders (Kamerstuk 21501-32 nr. 1266) waarin de regering onder andere verzocht werd de Kamer zo veel als mogelijk te informeren over de verschillende stappen en contactmomenten bij de derogatieonderhandelingen met betrekking tot de aanvullende voorwaarden, de opstelling van het ministerie daarbij en de wijze waarop de sector betrokken is geweest? Hoe ziet, in dat kader, de tijdlijn van het afgelopen jaar eruit?

Antwoord
De betreffende motie ziet op de onderhandelingen over de derogatieverlening voor de jaren 2020 en 2021. Ik heb de Tweede Kamer hierover in verband met de vertrouwelijkheid van onderhandelingen tot op heden nog niet geïnformeerd en zal dit zo spoedig mogelijk doen. Ik zal de correspondentie met de Europese Commissie over de derogatieonderhandelingen eveneens zo spoedig met de Tweede Kamer te delen. Ik kan echter hierover nog niet precies aangeven wanneer dit dat zal zijn, omdat hierover ook afstemming met de Europese Commissie nodig is en dit er mogelijk toe kan leiden dat informatie niet verstrekt kan worden.

Ten aanzien van de tijdlijn kan ik de Tweede Kamer het volgende informeren. De gesprekken over verlening van derogatie kunnen niet los worden gezien van de gesprekken met de Europese Commissie over de totstandkoming van het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7e AP) en het addendum daarop. Dit is gelegen in het feit dat een actieprogramma ten grondslag ligt aan verlening van derogatie. In onderstaande tijdlijn zijn de belangrijkste overleggen en contactmomenten van de minister van LNV en het ministerie van LNV met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) over de besluitvormingsprocedure naar derogatie weergegeven. Bij deze gesprekken is in bijna alle gevallen de Permanente Vertegenwoordiging van Nederland bij de EU (PV-EU) aanwezig geweest evenals een ambtelijke vertegenwoordiging van het ministerie van Infrastructuur en Waterstaat. Gedurende deze periode is er ook op verschillende momenten en bij/en marge van verschillende bijeenkomsten contact geweest tussen de minister van LNV en de Europees Commissaris voor Milieu en van de minister-president en de voorzitter van de Europese Commissie. Hierbij dient te worden opgemerkt dat dit geen uitputtende lijst is. De sector is op gezette tijden op verschillende niveaus geïnformeerd over de stand van zaken ten aanzien van derogatie.

*Eerste helft 2021*
Begin 2021 heeft een ambtelijk overleg plaatsgevonden tussen de EC en LNV over het traject van het 7e AP en het traject naar derogatieverlening. Als gevolg van het controversieel verklaard zijn van het mestbeleid door de Kamer in de eerste

helft van 2021, was het niet mogelijk in de eerste helft van 2021 inhoudelijke gesprekken te voeren met de EC over de inhoud van het 7e AP.
In mei 2021 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over de stand van zaken met betrekking tot het 7e AP in verband met de politieke context in Nederland. In juni 2021 is hierover hoogambtelijk contact geweest tussen de EC en LNV.

In de zomer van 2021 zijn ambtelijke contacten tussen de EC en LNV geweest over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van september 2021 ten behoeve van het geven van de eerste presentatie in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. Op 15 september 2021 heeft Nederland in dit verband de 1e presentatie in het Nitraatcomité gegeven.

*Tweede helft 2021*
Medio september 2021 heeft ambtelijk overleg tussen de EC en LNV plaatsgevonden over de inhoud van het ontwerp 7e AP. Eind september 2021 heeft de EC gereageerd op het ontwerp 7e AP. In november 2021 hebben diverse ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV. In november 2021 heeft hoogambtelijk overleg plaatsgevonden tussen de EC en LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 15 december 2021 ten behoeve van het geven van de tweede presentatie in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. In november 2021 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van december 2021. In december 2021 is overleg geweest van Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 15 december 2021. Nederland heeft in het Nitraatcomité van 15 december 2021 niet de 2e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening (Kamerstuk 33037, nr. 433). In deze periode is ambtelijk contact geweest van de PV-EU met de kabinetten van de Voorzitter van de Europese Commissie, de vicevoorzitter van de Europese Commissie en de Europees Commissaris voor Milieu.

*1e kwartaal 2022*
In januari 2022 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over de inhoud van het coalitieakkoord in relatie tot het 7e AP en de mogelijkheid van het geven van de 2e presentatie in het Nitraatcomité, zodat derogatie in zicht bleef. In de tweede helft van januari 2022 is hoogambtelijk contact geweest tussen LNV en de EC. In februari heeft ambtelijk overleg plaatsgevonden tussen LNV en de EC over de inhoud van het coalitieakkoord en het addendum op het 7e AP. In februari 2022 hebben ambtelijk contacten tussen de EC en LNV plaatsgevonden over de inhoud van het addendum op het 7e AP. Eind februari 2022 is overleg geweest tussen de Europees Commissaris voor Milieu en de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 17 maart 2022. Nederland heeft in het Nitraatcomité van 17 maart 2022 de 2e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. In maart 2022 is ambtelijk overleg geweest tussen LNV en de EC over de inhoud en voorwaarden van een derogatie.

*April – 9 september 2022*
In de periode april 2022 tot en met juni 2022 hebben ambtelijke overleggen en ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV over de inhoud en

voorwaarden van een derogatie. Op 15 juni 2022 heeft Nederland in het Nitraatcomité de 3e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening.

In juli 2022 zijn hoogambtelijke en ambtelijke overleggen en contacten geweest tussen de EC en LNV over de inhoud en voorwaarden van een derogatie. In juli 2022 heeft overleg plaatsgevonden met de vicevoorzitter van de Europees Commissie en de minister van LNV, en de Europees Commissaris voor Milieu en de minister van LNV. In deze periode zijn contacten van de Minister-President geweest met de voorzitter van de Europese Commissie. In augustus en september 2022 hebben ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV. Op 15 september 2022 is stemming in het Nitraatcomité over de conceptderogatiebeschikking voorzien. Op 5 september 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 450) heeft de minister van LNV de hoofdlijnen van de conceptderogatiebeschikking met het parlement gedeeld.

62
Wordt er (volledig) uitvoering gegeven aan het te verwachten besluit van de Europese Nitraatcomité?

Antwoord
Ja. Nederland is een lidstaat van de Europese Unie (EU) en als zodanig gehouden uitvoering te geven aan Europese richtlijnen. Ditzelfde geldt voor uitvoeringsbesluiten, zoals een derogatie van de Nitraatrichtlijn, die door de Europese Commissie wordt verleend, nadat deze daartoe positief is geadviseerd door het Nitraatcomité dat met gekwalificeerde meerderheid van stemmen besluit.

63
Bestaat er een kans dat de EU een infractieprocedure wil opstarten jegens Nederland wanneer deze derogatie niet geaccepteerd wordt? Zo ja, op welke gronden?

Antwoord
Indien deze derogatiebeschikking niet wordt goedgekeurd en Nederland in strijd handelt met de in die situatie vigerende normen met bijvoorbeeld de norm van 170 kg nitraat per hectare per jaar, is de Europese Commissie bevoegd een infractieprocedure te starten.

64
Hoe lopen de meststromen in Nederland? Hoeveel mest blijft er nu op het eigen bedrijf, hoeveel mest wordt afgevoerd naar het buitenland en hoeveel mest gaat naar een agrarisch bedrijf in de buurt en hoeveel mest wordt verwerkt tot alternatief product?

Antwoord
Het CBS houdt deze gegevens bij onder in hun tabel Dierlijke mest: productie, transport en gebruik, kerncijfers. De laatste complete cijfers zijn van het jaar 2020.

| | Stikstof | Fosfaat |
|---|---|---|
| Mestproductie | 489 | 151 |

| | | |
|---|---|---|
| Stikstofverliezen in stal en wei | 66 | - |
| Gebruik op eigen bedrijf | 251 | 73 |
| Aanvoer naar agrarisch bedrijf | 94 | 34 |
| Export | 43 | 29 |
| Verwerkte mest (excl export) | 18 | 8 |

65
Waarom krijgt Ierland wel derogatie toegekend en Nederland niet?

Antwoord
Op dit moment is de besluitvormingsprocedure voor derogatieverlening van de Nitraatrichtlijn aan Nederland nog niet afgerond en daarom kan nu niet gesteld worden dat aan Nederland geen derogatie is verleend. Op basis van de door Ierland verstrekte gegevens over de waterkwaliteit heeft de Europese Commissie een conceptderogatiebeschikking voor Ierland opgesteld. De lidstaten hebben een positief advies gegeven over de conceptderogatiebeschikking aan Ierland. In het afgelopen voorjaar is derogatie verleend. De Ierse situatie is op veel manieren anders dan de Nederlandse. 92% van de Ierse landbouwgrond bestaat uit grasland. Zo voldoet praktisch het hele grondgebied (98%) aan de maximale nitraatconcentratie in het grondwater van <50 mg/L. Ook de oppervlaktewaterkwaliteit is beduidend beter dan de Nederlandse. Desalniettemin laat de waterkwaliteit de afgelopen jaren ook in Ierland op veel fronten een verslechterende trend zien. Om deze reden heeft de Europese Commissie ook aan Ierland strenge eisen opgelegd in hun derogatiebeschikking. Zo zal na 2 jaar een review moeten worden uitgevoerd. Als deze review geen verbetering van de waterkwaliteit laat zien, zal de hoogte van de derogatie vanaf 2024 in de desbetreffende terugvallen van 250 naar 220 kg N/ha.

66
Wat is de inhoudelijke reactie van de Europese Commissie op het argument dat het wegvallen van de derogatie eerder zal leiden tot verslechtering van de waterkwaliteit dan tot verbetering?

Antwoord
Op dit moment kan ik niet ingaan op een inhoudelijke reactie van de Europese Commissie opdat het wegvallen van derogatie eerder zou leiden tot verslechtering van de waterkwaliteit dan tot verbetering. De reden hiervoor is in de aanbieding bij deze beantwoording toegelicht. Wel kan ik aangeven dat in eerdere brieven aan de Tweede Kamer is toegelicht dat er een waterkwaliteitsopgave voor Nederland is en dat de Europese Commissie de waterkwaliteit specifiek en de milieusituatie in den breedte nauwgezet volgt (Kamerstuk 33037, nr. 369 en Kamerstuk 33037 nr. 434). Bij een positief advies van de lidstaten in het geplande Nitraatcomité van 15 september 2022 zal de Europese Commissie de verlening van derogatie vervolgen en zijn bij de publicatie van de definitieve derogatiebeschikking de overwegingen bij die beschikking bekend.

67
Wat is de inhoudelijke reactie van de Europese Commissie op het argument dat het wegvallen van de derogatie zal leiden tot extra gebruik van kunstmest met bijbehorende gasgebruik en CO2-emissies?

Antwoord
De derogatie betreft het gebruik van stikstof uit dierlijke mest, wat bovenop de gebruiksnorm van 170 kg nitraat uit dierlijke mest per hectare per jaar wordt toegestaan. De inhoud van de conceptbeschikking en dus ook de overwegingen van de Europese Commissie zijn op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

68
Wordt ontlasting van huishoudens ook weleens gezuiverd via Individuele Behandeling van Afvalwater (IBA)? Zo ja, hoeveel stikstof komt hierbij vrij en in de natuur terecht?

Antwoord
In Nederland was in 2013 99,7% van de huishoudens aangesloten op een afvalwatersysteem, de hoogste aansluitingsgraad in de Europese Unie. Op dat moment was 0,3% (ongeveer 23.000) van de Nederlandse huishoudens aangesloten op decentrale voorzieningen, IBA's. Er bestaan verschillende soorten IBA-systemen, maar ze hebben als gemeenschappelijk kenmerk dat ze huishoudelijk afvalwater kleinschalig zuiveren, waar geen aansluiting is op de riolering. Er zijn drie klassen IBA's, waarbij klasse 3A en 3B zijn ingericht om schadelijke stoffen voor het milieu als stikstof en fosfaat uit het afvalwater te halen. De stikstof die hierbij vrijkomt is verwaarloosbaar.

69
Kunt u nader aangeven om welke inhoudelijke redenen de Europese Commissie afbouw van de derogatie afdwingt? Waarom is de Europese Commissie de mening toegedaan dat de derogatie afbreuk zou doen aan de het bereiken van de doelstellingen in artikel 1 van de Nitraatrichtlijn en dat de motivering van de derogatie op basis van de criteria genoemd in bijlage III van de Nitraatrichtlijn onvoldoende zou zijn?

Antwoord
De afgelopen jaren is, ook onder derogatiebedrijven, de waterkwaliteit op veel plaatsen verslechterd (Kamerstuk 33 037, nr. 445). Daarnaast betrekt de Europese Commissie, meer dan bij eerdere derogaties, de milieutoestand in Nederland in den brede. Zo heeft ook de toestand van Natura 2000-gebieden een rol gespeeld bij de uiteindelijke afwegingen van de Europese Commissie.

70
Wat is de juridische basis om in de derogatiebeschikking (aanvullende) voorwaarden op te nemen die ook van toepassing zijn voor niet-derogatiebedrijven?

Antwoord
Ik verwijs naar de beantwoording van vraag 67 waarin is aangegeven dat in eerdere brieven aan de Tweede Kamer is toegelicht dat er een waterkwaliteitsopgave voor Nederland is en dat de Europese Commissie de Nederlandse waterkwaliteit specifiek en de milieusituatie in den brede nauwgezet volgt (Kamerstuk 33037, nr. 369 en Kamerstuk 33037, nr. 434).
In voornoemde brief van 5 september 2022 is toegelicht dat de Europese Commissie deze derogatieverlening ziet als ondersteuning van de in Nederland

benodigde transitie van de landbouw waaronder de waterkwaliteit en de impact daarvan op het landelijk gebied door het Nationaal Programma Landelijk gebied.

71
Kunt u de conceptbeschikking voor het commissiedebat Mestbeleid (al dan niet vertrouwelijk) delen met de Kamer?

Antwoord
Voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen heb ik de vertrouwelijkheid van de inhoud van de conceptderogatiebeschikking toegelicht, waar ik hiernaar verwijs. In algemene zin is het mogelijk om een document vertrouwelijk bij de Tweede Kamer ter inzage te leggen en een besloten commissiedebat te houden. Daarover moet de Europese Commissie dan wel van te voren geïnformeerd worden. Het houden van een besloten Commissiedebat is uiteraard een keuze van de Kamer.

72
Welke gebieden in  Nederland vallen buiten drinkwaterwingebieden?

Antwoord
Drinkwaterwingebieden zijn zones in Nederland waar water wordt opgepompt om drinkwater van te maken. Op https://www.atlasleefomgeving.nl/grondwaterbeschermingskaart-rondom-bronnen-voor-drinkwater is de grondwaterbeschermingskaart te vinden rondom bronnen voor drinkwater. Het overige deel van Nederland valt hier dus buiten.

73
Hoeveel extra kunstmest is er nodig om dezelfde stikstofbemesting te handhaven zonder derogatie?

Antwoord
Wanneer geen sprake meer is van de derogatie, kan een landbouwer 170 kg N per hectare opbrengen, waar hij met een derogatie in het maximale geval 250 kg N per hectare kan opbrengen. Hij kan dan dus maximaal 80 kg N/hectare in de vorm van drijfmest van graasdieren minder plaatsen. Wil hij echter hetzelfde bemestingsniveau aanhouden, dan zal hij 36 kg N per hectare in de vorm van kunstmest moeten aanvoeren als hij beweidt (werkingscoëfficiënt 45%) en 48 kg N per hectare als hij geen beweiding toepast (werkingscoëfficiënt 60%). In totaal is er in Nederland in 2021 753.338 hectare voor derogatie aangemeld. Dat zou beteken dat er in het uiterste geval tussen de 27 en 36 miljoen kg N in de vorm van kunstmest nodig is om de stikstofbemesting op hetzelfde peil te houden.

74
Hoeveel gas is er nodig om de extra kunstmest te produceren om dezelfde stikstofbemesting te handhaven zonder derogatie?

Antwoord
Dat is afhankelijk van welke kunstmest er gebruikt wordt. Meststoffen Nederland geeft aan dat de Nederlandse kunstmestproducenten ongeveer 1000 m3 aardgas nodig hebben om 1 ton NH3 te produceren.

75
Hoeveel extra vervoersbewegingen worden er verwacht door meer mestafvoer en kunstmesttoevoer?

Antwoord
Het aantal vervoersbewegingen zal toenemen, met name omdat er meer mest moet worden afgevoerd. Een exacte kwantificering is moeilijk te geven, aangezien dit sterk afhankelijk is van de keuzes die de boer maakt in de bedrijfsvoering met betrekking tot teeltplan, bemestingsniveau en waar mest afgezet gaat worden in de situatie dat de derogatie verdwijnt.

76
Wat is de berekende toename aan brandstofverbruik door de verwachte extra mestafvoer en kunstmesttoevoer?

Antwoord
Het aantal vervoersbewegingen en daarmee het brandstofverbruik zal toenemen, met name omdat er meer mest moet worden afgevoerd. Een exacte kwantificering is moeilijk te geven, aangezien dit sterk afhankelijk is van de keuzes die de boer maakt in de bedrijfsvoering maakt met betrekking tot teeltplan, bemestingsniveau en waar mest afgezet gaat worden in de situatie dat de derogatie verdwijnt.

77
Waarom is het mestprobleem niet in de jaren ’60 opgelost, toen er voor het eerst voor is gewaarschuwd?

Antwoord
Regulering van het mestbeleid vindt sinds de jaren tachtig plaats en vanaf de jaren negentig wordt het kader gevormd door de Nitraatrichtlijn. Sindsdien worden elke vier jaar actieprogramma’s Nitraatrichtlijn opgesteld door middel waarvan uitvoering aan het Nederlandse mestbeleid is gegeven. Met de Europese Commissie is steeds overeenstemming over de inhoud van deze actieprogramma’s bereikt ten behoeve van verbetering van de waterkwaliteit.

78
Leidt het uitstel voor het beëindigen van de derogatie tot vertraging voor het bereiken van de kritische depositiewaarde? Zo ja, hoeveel?

Antwoord
Bedoeld wordt waarschijnlijk de doelstelling van het kabinet om in 2030 74% van de Natura2000-gebieden onder de Kritische Depositie Waarde (KDW) te krijgen. Dat doel is onafhankelijk van het wel of niet verkrijgen van derogatie vastgesteld. Rijk en provincies zullen met onder andere het Nationaal Programma Landelijk Gebied de benodigde maatregelen treffen om deze doelstelling te realiseren. Daartoe zullen in het NPLG onder meer ruimtelijke structurerende keuzes worden gemaakt die doorwerking hebben in de door provincies op te stellen gebiedsprogramma’s. De gevolgen van de afbouw van de derogatie zullen daarin meegenomen worden.

79
Is er een wetenschappelijk rapport dat gedeeld kan worden dat onderbouwt dat afschaffen van de derogatie bijdraagt aan de doelen van de nitraatrichtlijn?

Antwoord
Aan de doelen van de Nitraatrichtlijn dient te worden voldaan ongeacht de mogelijkheid die de Nitraatrichtlijn biedt om een hogere gebruiksnorm voor stikstof uit dierlijke mest dan 170 kg per hectare toe te passen, de zogenaamde derogatie.

80
Welke extra maatregelen moeten genomen worden om de kritische depositiewaarde te behalen, nu er langer teveel mest mag worden uitgereden?

Antwoord
Bedoeld wordt waarschijnlijk de doelstelling van het kabinet om in 2030 74% van de Natura2000-gebieden onder de Kritische Depositie Waarde te krijgen. Het maatregelenpakket voor het realiseren van de doelen van de integrale aanpak wordt nog nader uitgewerkt in gebiedsprogramma's onder leiding van provincies en verder in generiek beleid vanuit het Rijk. Bij het vaststellen van het NPLG in medio 2023 zullen ook de maatregelen worden vastgesteld waarmee de verschillende doelen van de integrale aanpak zullen worden gehaald. De doelstellingen van het kabinet voor wat betreft stikstofemissie -en depositie passen binnen het tijdspad voor de afbouw van de derogatie.

81
Om hoeveel bedrijven gaat het (die nu derogatie hebben, verliezen en/of compensatie krijgen)?

Antwoord
In 2021 is aan 16.528 bedrijven een derogatievergunning verleend.

82
Om hoeveel ton mest (extra over de periode tot 2026) gaat het?

Antwoord
Voor individuele graasdierhouders, die in de afgelopen jaren gebruik maakten van derogatie, zal op bedrijfsniveau de plaatsingsruimte voor dierlijke mest afnemen, wat bij een ongewijzigde bedrijfsvoering zal leiden tot meer afvoer van dierlijke mest. Bij een ongewijzigde bedrijfsvoering neemt de gebruiksruimte voor stikstof uit dierlijke mest in 2023 af met 7.086.000 kg N, in 2024 af met 14.001.940 KG N en in 2025 met 34.584.800 kg N.
De hoeveelheid dierlijke mest die extra van een derogatiebedrijf moet worden afgevoerd als gevolg van de afbouw van derogatie verschilt per bedrijf en is in totaliteit niet te kwantificeren omdat dit afhankelijk is van meerdere factoren, zoals bijvoorbeeld de mestproductie, de verhouding van de nutriënten in de mest, fosfaatruimte op een bedrijf en de bedrijfsvoering van een bedrijf en mogelijke aanpassingen hierin.

83
Hoe gaat voorkomen worden dat het gebruik van kunstmest toeneemt?

Antwoord
De hoogte van de totaalgebruiksnormen voor stikstof en fosfaat bepalen de mogelijkheden die een landbouwer heeft in het toepassen van kunstmest. Deze normen mogen niet overschreden worden. In het zevende actieprogramma Nitraatrichtlijn is een evaluatie van de stikstofgebruiksnormen voorzien en in door

nutriënten verontreinigde gebieden wordt een verlaging van de stikstofgebruiksnormen door de Europese Commissie verplicht vanaf 2025. Daarnaast is het zo dat derogatiebedrijven onder vorige derogaties geen fosfaatkunstmest mochten gebruiken. De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot dit punt is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen. Verder verwijs ik naar het antwoord op vraag 45 en 46 waarin ik heb aangegeven dat ik mij ervoor zal blijven inspannen de gesprekken met de Europese Commissie over het gebruik van RENURE-producten te vervolgen.

84
Hoeveel bedrijven hebben nu geen derogatie en wat zijn daar de belangrijkste redenen voor? Kunt u dat specificeren voor regio, grondsoort en type bedrijf (aantallen en soorten vee, mate van grondgebondenheid, aantallen dieren per hectare, etc.)

Antwoord
Ik kan uw vraag nu niet beantwoorden, omdat aan Nederland voor 2022 nog geen derogatie is verleend. In 2021 is aan 16.528 bedrijven een derogatievergunning verleend.

85
Klopt het dat boeren meer compensatie krijgen, naarmate de afname van de derogatie oploopt? Als dat zo is, is dan de schok na afloop van de derogatie én compensatie niet veel groter? Wat daarna?

Antwoord
Ja. Gedacht wordt aan een tegemoetkoming die bedrijven ontvangen naar gelang de hectares en daarmee de gemoeide extra kosten die zij moeten maken voor mestafvoer. Het gaat om een tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling, gericht op het behoud van het areaal grasland op deze bedrijven. Dit biedt deze bedrijven tevens de gelegenheid te bieden om deze periode te benutten om op basis van de veranderende situatie en de toekomstige kaders de juiste afwegingen te kunnen maken voor hun bedrijf. Ik zal boeren ondersteunen bij deze transitie. Hierover zal ik u informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

86
Moet de compensatie van 130 miljoen euro niet vooral doelgericht zijn naar omschakeling? Is het niet effectiever om boeren die eerder omschakelen extra te belonen of te compenseren?

Antwoord
De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling is voor de bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden en is gericht op het behoud van het areaal grasland. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. We bekijken of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader kan worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

87
Kunt u toelichtten hoe op beleidsniveau en bedrijfsniveau de samenhang tussen de vermindering van het uitrijden van mest en de emissies van stikstof wordt vormgegeven? Hoe gaan die elkaar versterken?

Antwoord
Diverse onderzoeks- en innovatieprogramma's, waarbij mijn ministerie betrokken is, werken aan deze koppeling tussen het uitrijden van mest en de emissie van stikstof. Denk hierbij bijvoorbeeld aan het programma Bemest op z'n Best.

88
Wat is de prijs (maatschappelijk, voor de overheid en voor boeren bedrijven) van het oplossen van derogatie en stikstofproblemen als dit met extensivering wordt bereikt versus technische maatregelen?

Antwoord
Het afbouwen van de derogatie betekent dat het gebruik van dierlijke mest per hectare moet worden beperkt en het stikstofvraagstuk vereist het beperken van de stikstofemissie naar de lucht. De bedrijven staan voor de opgave om hun bedrijfsvoering daarop aan te passen. Vanuit de overheid zal voor het realiseren van de benodigde transitie van de landbouw en het landelijk gebied een mix van maatregelen worden ingezet, waaronder technische maatregelen (mits bewezen effectief) en extensivering. Het exacte maatregelenpakket wordt voor een groot deel nog nader uitgewerkt in gebiedsprogramma's onder leiding van provincies. Daarbij wordt er per gebiedsplan een sociaal-economische impactanalyse gemaakt waarbij de hele gebiedsgerichte aanpak wordt geanalyseerd. Ik kan niet vooruitlopen op de gebiedsplannen en hoe de mix van maatregelen eruit zal zien. Ik kan met dat gegeven dus ook geen inschatting maken van de 'prijs' die dit met zich meebrengt.

89
Welke maatregelen (naast incentives als compensatie) gaat u nemen om omzetting van grasland te voorkomen?

Antwoord
Zoals in voornoemde brief van 5 september jl. is aangegeven, gaat het kabinet onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van een grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

90
Welke mogelijk effectieve maatregelen gaat u niet nemen en waarom niet?

Antwoord
Bij overheidsingrijpen worden rechtmatigheid, doeltreffendheid, doelmatigheid en uitvoerbaarheid van beleid of regelgeving afgewogen naast de gevolgen van nieuw beleid of regelgeving voor betrokkenen en mogelijke neveneffecten.

91
Is er een 'stikstofbalans' voor Nederland (import in de vorm van uitlaatgassen, kunstmest en veevoer versus uitvoer in de vorm van landbouwproducten,

uitspoeling en verwaaien naar het buitenland)? Als dit bestaat kunt u die delen? Als dit niet bestaat, kunt u die maken?

Antwoord
Het compendium van de leefomgeving (CLO) geeft een stroomschema voor stikstof en fosfaatstromen in de Nederland. Stroomschema voor stikstof en fosfor in de landbouw, 2020 | Compendium voor de Leefomgeving (clo.nl).

92
Is de afbouw van een gedoogregeling als de derogatie een ondernemersrisico waar de (Rijks)overheid niet voor hoeft te compenseren?

Antwoord
Derogatie is geen gedoogregeling. Een juridische verplichting tot nadeelcompensatie voor de afbouw van derogatie is niet aannemelijk. Een derogatie is immers niet iets waar een lidstaat recht op heeft, maar een uitzondering die door de Europese Commissie onder voorwaarden kan worden toegestaan. Voorzienbaar was daarbij voor bedrijven dat Nederland niet tot in lengte van jaren over een derogatie zou beschikken. Het is dan ook niet aannemelijk dat het bij de extra kosten die bedrijven moeten maken als gevolg van de afbouw van de derogatie gaat om een buiten het normaal maatschappelijk risico vallende schade. Ook is de mate van vertrouwen die een bedrijf over het algemeen aan een tijdelijke vergunning, zoals de jaarlijks aan te vragen derogatievergunning, kan ontlenen gering. De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling is dan ook geen nadeelcompensatieregeling, maar een transitietegemoetkomingsregeling voor een deel van de extra kosten, gericht op behoud van het areaal grasland, voor bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden.

93
Waarom 'knelt de timing' voor de transitie van bedrijven op gebied van stikstof klimaat en water, zoals de brief stelt, als de derogatie voor de meeste betrokken bedrijven over dezelfde onderwerpen gaat en met dezelfde middelen bereikt kan worden? In hoeverre zijn de maatregelen nodig voor de afbouw van de derogatie anders dan een eerste stap in de richting van de doelen voor stikstof klimaat en water?

Antwoord
In voornoemde brief van 5 september 2022 aan de Tweede Kamer is aangegeven dat de richting van de ontwikkelingen van de afbouw van de derogatie en de transitie overeenkomsten kent, maar de timing knelt. Hierbij is aangegeven dat voor de realisatie van de doelen van het NPLG tot 2030 de tijd is, terwijl daarentegen het afbouwpad van de derogatie al in de komende jaren tot een extra opgave leidt voor de derogatiedeelnemers. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

94
Wiens timing zat het meeste mis, gelet op het gegeven dat er al heel lang (sinds voor het verlenen van de derogatie) kennis is dat er teveel mest wordt geproduceerd, en ook al decennia bekend is dat er teveel stikstof wordt uitgestoot en al decennia niet voldaan wordt aan de normen voor waterkwaliteit, luchtkwaliteit en natuurkwaliteit?

Antwoord
Er is sprake van knelling in de timing, omdat het afbouwen van de derogatie boeren voor een extra opgave stelt. Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. Bezien zal worden of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader zou kunnen worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

95
Waarom is gekozen voor 80% grasland?

Antwoord
Dit was een voorwaarde in de vorige derogatiebeschikking. In de eerste derogatiebeschikking was het percentage grasland waarover een bedrijf met derogatie diende te beschikken 70%, sinds 2014 is dat aandeel verhoogd naar 80%. Deze derogatievoorwaarde hangt nauw samen met de onderbouwing van de Nederlandse derogatie voor graasdiermest op graasdierbedrijven, te weten de hoge stikstofopname en het lange groeiseizoen van grasland.

96
Wat zijn de gevolgen voor bedrijven (en landschappen) met relatief weinig grasland?

Antwoord
De gevolgen kunnen verschillend zijn per bedrijf. Ik kan daarom geen algemene duiding geven van de effecten voor de bedrijven met relatief grasland.

97
Wat is de samenhang tussen de doelen voor de compensatieregeling derogatie en regelingen in het GLB?

Antwoord
Het GLB heeft onder andere tot doel bij te dragen aan het milieu en het behoud van landschap en biodiversiteit. De tijdelijke transitietegemoetkoming heeft eveneens tot doel het aandeel grasland in Nederland te behouden en daarmee emissies naar het aquatisch milieu te voorkomen.

98
Welke doelen zijn gediend bij het afschaffen van derogatie op de Nitraatrichtlijn?

Antwoord
Voor wat betreft het milieu is vooral de biodiversiteit in Natura2000-gebieden gediend bij het sec afschaffen van de derogatie. Ik verwijs u tevens naar eerdere brieven van mijn voorganger (Kamerstuk 33037 nrs. 439 en 446).

99
Bent u voornemens het voorstel om graasdierbedrijven verplicht grondgebonden te maken uit het actieprogramma voor de Nitraatrichtlijn te halen nu het met het verlies van de derogatie nog lastiger wordt om deze opgave te realiseren?

Antwoord
Ik ben momenteel bezig met de nadere uitwerking van grondgebondenheid. In het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn heeft mijn ambtsvoorganger aangekondigd nog dit jaar een wetsvoorstel voor een grondgebonden melk- en rundveehouderij in consultatie te brengen. Ik zal bij de uitwerking van grondgebondenheid de gevolgen van de afbouw van de derogatie betrekken.

100
Waarom is er niet op voor gekozen om de derogatie te behouden in gebieden waar weinig problemen zijn met de waterkwaliteit?

Antwoord
Zoals in voornoemde brief van 5 september 2022 is aangegeven betreft dit de laatste derogatie voor graasdiermest aan Nederland. Het verder voortzetten daarvan, ook voor een kleiner gebied, is daarom geen optie.

101
Ziet u mogelijkheden om Nederland wat betreft de Nitraatrichtlijn in verschillende gebieden op te knippen en opnieuw derogatie aan te vragen voor gebieden waar weinig problemen zijn met de waterkwaliteit in relatie tot bemesting?

Antwoord
Nee, ik zie hiertoe geen mogelijkheden. De conceptderogatiebeschikking betreft een document van de Europese Commissie waarop geen aanpassingen meer zijn door te voeren.

Zoals in voornoemde brief van 5 september 2022 is aangegeven, betreft dit de laatste derogatie voor graasdiermest aan Nederland. Het verder voortzetten daarvan, ook voor een kleiner gebied, is daarom geen optie.

102
Ziet u mogelijkheden om de pilots voor een bedrijfseigen stikstofnorm verder op te schalen?

Antwoord
De ruimte voor pilots is opgenomen in het vastgestelde 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn. Hierbij is tevens opgenomen dat de BES-pilot in 2022 geëvalueerd wordt om te bepalen hoe verder gegaan zal worden met bedrijfsspecifieke stikstofbemesting in het 7e AP. Hierbij is ook afstemming met de Europese Commissie benodigd, maar ik zie hiervoor op dit moment geen mogelijkheden. Een verruiming hiervan kan met de totstandkoming van het 8e actieprogramma Nitraatrichtlijn weer gespreksonderwerp zijn met de Europese Commissie.

103
Komt u voor volgend jaar met een tijdelijke vrijstelling voor het gebruik van ammoniumsulfaat als kunstmestvervanger?

Antwoord
Nee, ik wil aansluiten bij bestaande mogelijkheden voor spuiwaters op de bijlage Aa van de Uitvoeringsregeling Meststoffenwet waarin o.a. stoffen die als meststof kunnen worden gebruikt, zijn aangeduid. Voor overige producten wil ik aansluiten bij het RENURE traject.

104
Klopt het dat het doel van de tegemoetkomingsregeling is om derogatiebedrijven te stimuleren om tot en met 2025 van de derogatie gebruik te laten blijven maken? Zo nee, wat is dan het doel?

Antwoord
Ja, dit klopt. Deze regeling is erop gericht via deelname aan de derogatie de komende jaren het areaal grasland van deze bedrijven in de toekomst te behouden en daarmee te voorkomen dat de waterkwaliteit in Nederland achteruitgaat. Het is een transitietegemoetkomingsregeling voor een deel van de extra kosten, gericht op behoud van het areaal grasland, voor bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden.

105
Moeten melkveehouders die in 2022 hebben bemest volgens de derogatienormen, nu nog de derogatie aanvragen bij de Rijksdienst voor Ondernemend Nederland (RVO) voor 2022?

Antwoord
Ja, deze bedrijven dienen voor 2022 nog een derogatievergunning aan te vragen. Hiervoor zal dit jaar nog een openstelling plaatsvinden.

106
Kunt u een schatting maken van de hoeveelheid stikstof uit kunstmest die derogatiebedrijven momenteel gebruiken, dus aanvullend op de 230 of 250 kg/ha uit dierlijke mest? Klopt het dat het ook mogelijk is om grasland en maïs te telen volgens de stikstofnorm van 170 kg/ha, zonder de hoeveelheid kunstmest te verhogen? Kunt u een schatting maken van het opbrengstverlies dat dat oplevert?

Antwoord
De stikstoftoediening uit kunstmest was gemiddeld 133 kg per hectare op derogatiebedrijven in 2020 (RIVM-rapport Landbouwpraktijk en waterkwaliteit, bijlage bij Kamerstuk 33037, nr. 445). Het is mogelijk om grasland en maïs te telen volgens de stikstofnorm van 170 kg/ha, zonder de hoeveelheid kunstmest te verhogen. Het verwachte opbrengstverlies hiervan is niet in beeld, omdat deze afhankelijk is van verschillende factoren.

107
Is het voor een lidstaat mogelijk en/of toegestaan om, na het verlies van derogatie, ook de totale bemestingsnorm voor stikstof te verlagen, om hiermee te voorkomen dat de inperking van het gebruik van dierlijke mest wordt opgevuld met kunstmest? Zo ja, op welke manier zou dit wettelijk vastgelegd kunnen worden? Zo nee, waarom niet?

Antwoord
Een lidstaat kan de totale bemestingsnorm voor stikstof verlagen. In door nutriënten verontreinigde gebieden wordt een verlaging van de stikstofgebruiksnormen door de Europese Commissie verplicht in 2025. Het vaststellen van nieuwe codes van goede landbouwpraktijk zal worden gebaseerd op wetenschappelijk advies, dat rekening houdt met de actuele landbouwpraktijk.

Dit betrek ik bij een evaluatie van de stikstofgebruiksnormen dat in het zevende Nitraatactieprogramma is aangekondigd.

108
Wanneer zult u de 'verontreinigde gebieden' aanwijzen?

Antwoord
In voornoemde brief van 5 september 2022 is aangegeven dat Nederland vanaf 2023 verontreinigde gebieden dient aan te wijzen. Aangezien de gebruiksnormen op een geheel kalenderjaar betrekking hebben, zal deze aanwijzing per 1 januari 2023 plaats moeten vinden.

109
Hoe groot zullen de bemestingsvrije bufferstroken langs waterwegen worden? Klopt het dat dit nu in lijn gebracht zal worden met de voorwaarden uit het nieuwe GLB, in plaats van dat u het GLB-NSP aanpast aan het 7e Actieprogramma Nitraatrichtlijn, wat u eerder van plan was?

Antwoord
Ik verwijs u voor een antwoord op deze vraag naar de beantwoording van vraag 30.

110
Worden de bufferzones langs waterwegen alleen bemestings- en spuitvrije zones, of ook teeltvrije zones? Klopt het dat het in principe mogelijk is om gewassen te telen zonder (kunst)mest en pesticiden? Wordt dit wel toegestaan in de bufferzones? Zo nee, waarom niet? Zo ja, hoe wordt hierop gecontroleerd?

Antwoord
Ik verwijs u voor een antwoord op deze vraag naar de beantwoording van vraag 30.

111
Wat zijn de argumenten voor en tegen het zo snel mogelijk instellen van een wettelijke verplichting voor zoveel mogelijk permanent grasland? Wat zijn de redenen om in 2030 of 2032 pas met een wetstraject hiervoor te beginnen?

Antwoord
Zoals eerder door mijn ambtsvoorganger aan de Kamer is aangegeven, ben ik momenteel bezig met de nadere uitwerking van de definitie voor grondgebondenheid en ben ik voornemens in lijn met het addendum op het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn dit jaar een wetsvoorstel voor een grondgebonden melk- en rundveehouderij in het jaar 2032 in consultatie te brengen. Ik zal de Kamer dit najaar informeren over de uitwerking van de definitie van grondgebondenheid. Het behoud van grasland zal ik in dit voorstel betrekken. In de brief van 5 september jl. is aangegeven dat het kabinet gaat onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van der derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel permanent grasland in het kader van grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

112
Wat zijn de verwachte effecten op het graslandareaal als derogatie verdwijnt?

Antwoord
Ik zet mij omwille van de waterkwaliteit in voor het op peil houden van het areaal grasland in Nederland, onder andere door met de tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling deelname aan derogatie te stimuleren en zo het aandeel grasland te behouden. Zoals in de brief van 5 september jl. aangegeven gaat het kabinet onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.
De gevolgen van het verlies van derogatie voor het areaal grasland is niet te kwantificeren, omdat dit afhankelijk is van meerdere factoren zoals bijvoorbeeld de grondsoort waarop de percelen van het bedrijf gelegen zijn en de bedrijfsvoering van een bedrijf.

113
Wat is de verhouding van het percentage bedrijven dat aan de nitraatnorm voldoet tussen niet derogatiebedrijven en derogatiebedrijven naar regio?

Antwoord
Het percentage derogatiebedrijven dat in 2020 een nitraatconcentratie in het uitspoelingswater had dat hoger was dan de nitraatnorm verschilt per regio. Het RIVM geeft aan dat dit in de veenregio 8 procent was. In de kleiregio was dit 23 procent, in Zand 250 was dit 12 procent, in Zand 230 was dit 55 procent en in de lössregio was dit 68 procent (zie tabel 3.9 van het RIVM rapport Landbouwpraktijk en waterkwaliteit op landbouwbedrijven aangemeld voor derogatie in 2020 (overheid.nl)).

De nitraatrichtlijnrapportage geeft voor de periode 2016-2019 aan dat het percentage bedrijven dat niet aan de nitraatnorm voldeed 3 procent was op veen, 18 procent was op klei, 37 procent was op zand en 51 procent was op löss (zie Tabel 4.5b van het RIVM rapport Landbouwpraktijk en waterkwaliteit in Nederland; toestand (2016-2019) en trend (1992-2019) (rivm.nl)).

De derogatierapportage en de nitraatrichtlijnrapportage zijn echter gebaseerd op verschillende meetnetten met verschillende typen bedrijven (derogatierapportage: derogatiemeet, nitraatrichtlijnrapportage: basismeetnet) waardoor bovengenoemde percentages niet goed met elkaar vergelijkbaar zijn per grondsoort. Het derogatiemeetnet is immers specifiek gericht op het monitoren van landbouwbedrijven met derogatie en het basismeetnet bestaat uit een combinatie van derogatie- en niet-derogatiebedrijven. Ook is het zo dat niet alle bedrijven in het derogatiemeetnet voldoen aan de voorwaarden om te worden meegenomen voor het basismeetnet. Voor meer details over de samenstelling van de meetnetten verwijs ik naar bovenstaande rapporten.

114
Welke wet of regeling zou gewijzigd moeten worden om melkveehouders te verplichten om minimaal 80% van hun grond als permanent grasland te houden?

Antwoord
Voor het antwoord op deze vraag verwijs ik naar het antwoord op vraag 111.

115
Kunt u een doorrekening overleggen waaruit blijkt dat verlies van derogatie bijdraagt aan de doelen van de nitraatrichtlijn?

Antwoord
Nee, ik kan hierover geen doorrekening overleggen. Ik wil hierbij opmerken dat ongeacht een verlening van een derogatie een lidstaat aan de doelen van de Nitraatrichtlijn zal moeten voldoen.

116
Wat houdt de begrotingsreserve apurement in en waarvoor is deze bedoeld?

Antwoord
De begrotingsreserve Apurement heeft betrekking op correcties die de Europese Commissie kan opleggen vanwege een niet EU-conforme uitvoering van regelingen waar EU middelen bij betrokken zijn. Door middel van een begrotingsreservesystematiek worden deze incidentele tegenvallers op de LNV begroting gedekt.

117
Welke precieze redenen draagt de Europese Commissie aan in de conceptderogatiebeschikking?

Antwoord
De conceptderogatiebeschikking is op dit moment nog vertrouwelijk en daarom verwijs ik naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

118
In welke andere landen ziet de Europese Commissie, gelet op uw uitspraak in de Kamerbrief "De EC ziet deze derogatieverlening uitdrukkelijk als ondersteuning van de in Nederland benodigde transitie van de landbouw (o.a. op het gebied van waterkwaliteit) en de impact daarvan op het landelijk gebied door het Nationaal Programma Landelijk Gebied", derogatieverlening nog wel als ondersteuning van de transitie van de landbouw?

Antwoord
Ik kan deze vraag niet beantwoorden, omdat hier gevraagd wordt naar het standpunt van de Europese Commissie.

119
Hoeveel meer kunstmest zal naar verwachting meer worden gebruikt door de beëindiging van derogatie in de Nederlandse landbouw, en wat zijn de effecten hiervan op klimaat en water-, lucht- en bodemkwaliteit?

Antwoord
De hoeveelheid kunstmest, die na beëindiging van de derogatie meer gebruikt zal worden, is afhankelijk van de gewaskeuzes die de landbouwer maakt, de mogelijkheid om kunstmestvervangers uit dierlijke mest te kunnen gebruiken en de economische afweging die de boer maakt bij de aanschaf en gebruik van extra kunstmest ten opzichte van meeropbrengsten die deze kunstmest oplevert.

Daarbij is de landbouwer gehouden aan de totaalgebruiksnorm(en) voor stikstof en fosfaat die op grond van de Meststoffenwet gelden.

120
Wanneer zijn de komende beslismomenten in het Europese kunstmestvervangingstraject, en waar gaan die concreet over?

Antwoord
Beslismomenten zijn niet gepland. Verder verwijs ik naar het antwoord op vraag 45 en 46 waarin ik heb aangegeven dat ik mij ervoor zal inspannen de gesprekken met de Europese Commissie over het gebruik van RENURE-producten te vervolgen.

121
Welke maatregelen zijn mogelijk om te voorkomen dat dierlijke mest wordt vervangen door kunstmest?

Antwoord
De hoogte van de totaalgebruiksnormen voor stikstof en fosfaat bepalen de mogelijkheden die een landbouwer heeft in het toepassen van kunstmest. Deze normen mogen niet overschreden worden. De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot dit punt is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

122
Leidt de afbouw van derogatie naar verwachting tot een mestoverschot, en zo ja hoe groot, en wat zal dit naar verwachting doen met de prijs?

Antwoord
De afbouw van de derogatie leidt naar verwachting tot een hoger mestoverschot. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de afbouw van de derogatie indirect gevolgen voor de afzet van dierlijke mest. Het is gezien de verschillende factoren die hier van invloed op zijn moeilijk een inschatting te geven van de mate waarin en het effect op de mestafzetprijzen.

123
Is de veronderstelling juist dat de aanvullende voorwaarden met betrekking tot het tijdig realiseren van doelbereik voor de waterkwaliteitsopgave juridisch gezien thuishoren in het actieprogramma en niet in de derogatiebeschikking?

Antwoord
Zoals in de beantwoording op vraag 67 is aangegeven is in eerdere brieven aan de Tweede Kamer toegelicht dat er een waterkwaliteitsopgave voor Nederland is en dat de Europese Commissie de Nederlandse waterkwaliteit specifiek en de milieusituatie in den brede nauwgezet volgt (Kamerstuk 33037, nrs. 369 en 434). De Europese Commissie betrekt deze bij een aanvraag voor derogatie door een lidstaat. Dat heeft er nu en ook bij verlening van eerdere derogatiebeschikkingen toe geleid dat aanvullende voorwaarden zijn opgenomen in de derogatiebeschikking die breder gelden. Ik verwijs hiervoor bijvoorbeeld naar de aanvullende eis in de derogatiebeschikking voor de jaren 2020 en 2021 die ziet op de totale hoeveelheid geproduceerde dierlijke mest.

124
Wat bedoelt u met de zinssnede dat de regelgeving ten aanzien van bufferstroken aangepast wordt in lijn met het nieuwe GLB? Is de veronderstelling juist dat het gaat om bufferstroken van twee meter, zoals op de website van RVO bij conditionaliteiten wordt aangegeven, en niet om bufferstroken van drie meter?

Antwoord
Met deze passage bedoel ik dat de regelgeving ten aanzien van bufferstroken tussen het mestbeleid en het GLB niet zullen verschillen. De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot de bufferstroken is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

125
Wat betekent het concreet dat, gelet op uw uitspraak in de Kamerbrief "Ook zullen de mestproductieplafonds worden bijgesteld in lijn met de verwachte resultaten van de maatregelen uit het 7e AP en het Addendum" en op welk moment gaat de Kamer hier nader over geïnformeerd worden?

Antwoord
De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot de mestproductieplafonds is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen. Ik zal de Tweede Kamer zo snel als ik kan hierover verder informeren.

126
Wat betekent uw uitspraak in de Kamerbrief "Zoals een verlaging van de stikstofgebruiksnormen vanaf 2025" concreet en op welk moment gaat de Kamer hier nader over geïnformeerd worden?

Antwoord
De inhoud van de conceptbeschikking met betrekking tot de stikstofgebruiksnormen is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting hierover voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen. Ik zal de Tweede Kamer zo snel als ik kan hierover verder informeren.

127
Wat betekent uw uitspraak in de Kamerbrief "Tevens wordt de regelgeving ten aanzien van bufferstroken aangepast in lijn met het nieuwe GLB", concreet en op welk moment gaat de Kamer hier nader over geïnformeerd worden?

Antwoord
Ik verwijs hiervoor naar de beantwoording van het antwoord 124.

128
Wat zijn, gelet op uw uitspraak in de Kamerbrief "De Europese Commissie beschouwt kunstmestvervanging echter als een separaat traject, waarin ik mij intensief zal blijven inzetten voor kunstmestvervanging door dierlijke mest in Europees verband en ook met andere lidstaten", op dit moment de bezwaren in Brussel tegen kunstmestvervangers? Op welke wijze denk het kabinet snel te komen tot Europese toestemming voor kunstmestvervangers?

Antwoord
Voor het antwoord op deze vraag wordt verwezen naar het antwoord op vraag 46.

129
Waarop is de 130 miljoen euro gebaseerd, die het kabinet beschikbaar stelt voor compensatie?

Antwoord
Dit is gebaseerd op een inschatting van het benodigde budget voor de tegemoetkoming van derogatiebedrijven voor een gedeelte van de extra kosten die zij moeten maken vanwege de afbouw van derogatie en de uitvoeringskosten van deze regeling.

130
Hoe groot is het verwachte productieverlies, en wat betekent dat voor het winstverlies van een boer?

Antwoord
Het verwachte productieverlies voor derogatiebedrijven is niet in beeld, omdat deze afhankelijk is van de bedrijfsvoering van individuele bedrijven. Een landbouwbedrijf heeft de keuze om extra stikstofkunstmest of ander organische meststoffen gebruiken.

131
Kan de 130 miljoen ook geoormerkt worden voor specifieke maatregelen, zoals extensivering, en waarom wel of niet?

Antwoord
Het kabinet heeft 130 miljoen euro beschikbaar gesteld om een tijdelijke regeling vorm te geven die voorziet in een transitietegemoetkoming aan landbouwers die in 2021 een derogatievergunning hadden en opnieuw een derogatievergunning verkrijgen. De regeling ziet op een tegemoetkoming van een gedeelte van de extra kosten die deze derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van derogatie en is erop gericht het areaal grasland van deze bedrijven te behouden.

132
Kan er worden gegarandeerd dat bedrijven die compensatie ontvangen niet meer kunstmest mogen gebruiken?

Antwoord
Nee. De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling is bedoeld voor bedrijven die een nieuwe derogatievergunning krijgen en in 2021 ook al een derogatievergunning hadden. Deze bedrijven zijn verplicht te voldoen aan de in het kader van de nieuwe derogatie gestelde voorwaarden en voorschriften. De regeling voorziet in een tegemoetkoming voor een deel van de extra kosten die de derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van de derogatie en is gericht op behoud van het areaal grasland.

133
Hoe groot, gelet op uw uitspraak in de Kamerbrief "De transitieregeling wordt in 2023 gedekt vanuit de 'begrotingsreserve apurement", is de begrotingspost 'apurement' en voor welk bedrag wordt er komend jaar geld overgeheveld naar de transitieregeling?

Antwoord
De stand per 1/1/2023 van de begrotingsreserve Apurement zal volgens huidige inzichten 70,7 miljoen euro zijn. De uitgaven van transitieregeling inclusief uitvoeringskosten met betrekking tot het jaar 2023 worden geraamd op circa 21 miljoen euro. De daadwerkelijke uitgaven zijn echter sterk afhankelijk van de wijze waarop en de snelheid waarmee een concrete transitieregeling is vormgegeven. Het exacte bedrag dat ten laste van Apurement wordt gebracht, zal in een later stadium bepaald worden. Deze onttrekking zorgt er wel voor dat de reserve fors vermindert en daarmee wordt het vermogen om toekomstige door de Europese Commissie opgelegde correcties op te vangen lager.

134
Wat bedoelt de minister met de niet-vrijblijvende bijdrage die hij van de gehele keten verwacht aan de landbouwtransitie?

Antwoord
Over de rol van de keten in de landbouwtransitie zal ik uw Kamer verder informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

Ministerie van Landbouw,
Natuur en Voedselkwaliteit

> Retouradres Postbus 20401 2500 EK Den Haag

De Voorzitter van de Tweede Kamer
der Staten-Generaal
Prinses Irenestraat 6
2595 BD DEN HAAG

**Directoraat-generaal Agro**
Directie Planaraardige
Agroketens en Voedselkwaliteit

**Bezoekadres**
Bezuidenhoutseweg 73
2594 AC Den Haag

**Postadres**
Postbus 20401
2500 EK Den Haag

**Overheidsidentificatienr**
00000001858272854000

T 070 379 8911 (algemeen)
F 070 378 6100 (algemeen)
www.rijksoverheid.nl/lnv

Datum 12 september 2022
Betreft Kamervragen over de brief 'Stand van zaken derogatie van de Nitraatrichtlijn'

**Ons kenmerk**
DGA-PAV / 22466719

**Uw kenmerk**
2022Z16232

Geachte Voorzitter,

Hierbij zend ik u de antwoorden op de Kamervragen van het lid Boswijk (CDA) over de brief 'Stand van zaken derogatie van de Nitraatrichtlijn' (Kamerstuk 33037, nr. 450).

Carola Schouten
Minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit a.i.

**2022Z16232**

1
Welk effect zal het verdwijnen van de derogatie concreet hebben op de waterkwaliteit, wanneer zijn deze effecten meetbaar en wat is de benodigde kwaliteit?

Antwoord
Als boeren niet meer deelnemen aan derogatie vervalt voor hen de eis van 80% grasland. Daardoor kan het aandeel grasland gaan krimpen. Daarmee is er risico dat uitspoelingsgevoelige teelten toegepast worden met hogere nitraatconcentraties in het grondwater tot gevolg. Ik zet mij echter in om het areaal grasland, ook na derogatie, op peil te houden en zo deze negatieve effectieve te minimaliseren. Tevens kan door een verhoogde druk op de mestmarkt het frauderisico gaan toenemen, wat ook een verslechtering van de waterkwaliteit tot gevolg kan hebben.
De snelheid waarmee effecten van de landbouwpraktijk en weersomstandigheden in de waterkwaliteit meetbaar zijn verschillen per grondsoort. Op veen en kleigrond is dit in de winter al zichtbaar in het water wat uit de wortelzone spoelt. In het zand gebied is dit na 1 jaar en in het lössgebied na ca 1,5 jaar.

2
Welke financiële gevolgen zal dit plan concreet hebben op (agrarisch) bedrijfsniveau, inclusief misgelopen inkomsten, extra kosten voor afzet en extra kosten voor het kopen van kunstmest? Welke financiële gevolgen zal het hebben voor het totale agrocomplex?

Antwoord
In de conceptderogatiebeschikking worden door de Europese Commissie voorwaarden gesteld aan het verlenen van een derogatie op de Nitraatrichtlijn. Het gaat om voorwaarden waar Nederland, indien het Nitraatcomité positief adviseert en de Europese Commissie de derogatiebeschikking vaststelt, aan moet voldoen. De verwachting is dat deze voorwaarden voor agrarische bedrijven grote gevolgen hebben. Dit leidt voor ondernemers, ook jonge boeren en tuinders, tot extra vraagstukken over de toekomst van het bedrijf. Voor derogatiedeelnemers betekent het afbouwpad van de derogatie dat zij in de komende jaren minder stikstof uit dierlijke mest kunnen afzetten op eigen grond en daarvoor een andere afzetmogelijkheid nodig is. Daarnaast zal, indien een bedrijf de stikstofgift op gelijke hoogte wil houden, meer stikstof uit kunstmest nodig zijn, waarmee kosten gepaard gaan.
Daarnaast kan er ook sprake zijn van indirecte gevolgen voor agrarische ondernemers die geen gebruik maken van derogatie. De mestmarkt zal zich in de komende jaren opnieuw moeten gaan zetten, en daarbij spelen meer factoren een rol; in het bijzonder de totale mestproductie en de nutriënten in de mest, naast de mest afzetmogelijkheden. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de derogatievoorwaarden indirect gevolgen voor de afzet van andere dierlijke mest zoals varkensmest. Het is gezien de andere factoren die hier ook een belangrijke rol in hebben moeilijk een inschatting te geven van de mate waarin. Hogere

mestafzetkosten voor de veehouderij betekenen voor een akkerbouwer mogelijk goedkopere beschikbare nutriënten, en daarmee lagere kosten.
Voor het gehele agrocomplex zullen de financiële gevolgen naar verwachting negatief zijn. Over de gevolgen van geen derogatie heb ik de Kamer geïnformeerd in mijn brief van 26 april jl. (Kamerstuk 33037, nr. 439).

3
Kunt u aangeven hoe u bent gekomen tot een tijdelijke transitietegemoetkoming van €10.000,- per bedrijf? Waarop is dit bedrag precies gebaseerd? Hoeveel bedrijven hebben hier genoeg aan en hoeveel bedrijven komen te kort?

Antwoord
De tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling voorziet in een tegemoetkoming voor bedrijven die in 2021 een derogatievergunning hadden en een nieuwe derogatievergunning aanvragen en verkrijgen en ziet op een gedeelte van de extra kosten die deze derogatiedeelnemers moeten maken vanwege de afbouw van derogatie. Voor deelnemers aan de derogatie betekenen de voorwaarden van deze beschikking dat zij in de komende jaren minder stikstof uit dierlijke mest kunnen afzetten op eigen grond en daardoor bij ongewijzigde bedrijfsvoering meer mest moeten afvoeren van hun bedrijf. De transitietegemoetkominsgregeling moet komende periode nog worden uitgewerkt. In de tegemoetkoming zal rekening gehouden worden met de mate van afbouw van de derogatie en de daarmee gemoeide extra kosten die deze bedrijven maken voor mestafvoer. Ik denk aan een tegemoetkoming per hectare landbouwgrond van het bedrijf. Dit verschilt per bedrijf, waardoor de tegemoetkoming per bedrijf verschillend zal zijn.

4
Welk effect heeft het afbouwpad voor boeren die niet deelnemen aan de derogatie?

Antwoord
Voor het antwoord op deze vraag verwijs ik naar het antwoord op vraag 2.

5
In hoeverre kunnen niet-derogatie bedrijven hier ook aanspraak op maken? Zo nee, waarom niet?

Antwoord
De transitietegemoetkomingsregeling voorziet alleen in een tegemoetkoming aan landbouwers die in 2021 een derogatievergunning hadden en een nieuwe derogatievergunning aanvragen en verkrijgen.

6
Wat betekent deze afbouwderogatie voor de (financiële) uitgangspositie van jonge boeren en tuinders? Op welke manier worden zij geholpen?

Antwoord
Voor ondernemers, ook jonge boeren en tuinders, leidt het afbouwpad van de derogatie tot extra vraagstukken over de toekomst van het bedrijf. Ik verwijs daarbij ook naar het antwoord op vraag 6. Ik wil boeren, en zeker ook jonge

boeren en tuinders, ondersteunen bij de transitie. Hierover zal ik u informeren in de Kamerbrief over de toekomst van de landbouw.

7
Wat betekent dit afbouwpad voor de financierbaarheid van agrarische bedrijven door banken de komende tijd?

Antwoord
In algemene zin is het aan de financier om te beoordelen of bedrijven financierbaar zijn. Het afbouwpad stelt bedrijven die op dit moment gebruik maken van derogatie voor vraagstukken in de komende jaren, die sterk verschillen per bedrijf. Die vraagstukken op het individuele bedrijf zijn ook voor mij een grote zorg en daarom wil ik bijdragen aan een goede transitie. In de gesprekken die ik voer met de banken en financiële instellingen over hun rol in de transitie, zal ook de financierbaarheid van de sector aan de orde blijven komen. Daarnaast ben ik gekomen met een tijdelijke transitietegemoetkoming voor derogatiebedrijven.

8
Op welke manier wordt voorkomen dat gebieden met veel intensieve landbouw in verhouding heel veel compensatie krijgen ten opzichte van gebieden met weinig intensieve landbouw, aangezien juist de extensieve bedrijven zouden moeten worden beloond?

Antwoord
Gedacht wordt aan een tijdelijke transitieregeling die tegemoetkoming geeft aan derogatiebedrijven naar gelang de hectares, en daarmee de instandhouding van de hectares grasland, en de met die hectares gemoeide extra kosten die zij moeten maken voor mestafvoer.

9
Deelt u de zorg dat het vervallen van de derogatie intensivering in de hand zal werken? Zo ja, wat gaat u eraan doen om dit te voorkomen? Zo nee, waarom niet?

Antwoord
Ik neem aan dat u met intensivering doelt op een toename van de mestproductie in Nederland. De hoogte van de mestproductieplafonds, uitgedrukt in kilogrammen stikstof en fosfaat, is vastgelegd in de Meststoffenwet. Deze komen op dit moment overeen met de productie van 2002. Via de productierechtenstelsels wordt gewaarborgd dat de mestproductie niet de mestproductieplafonds overschrijdt. Na een positief advies van het Nitraatcomité zal de Europese Commissie de conceptbeschikking vaststellen en kan ik de volledige beschikking naar de Kamer zenden. Hierin staan alle voorwaarden voor derogatieverlening, waaronder de details over de bijstelling van de mestproductieplafonds, uitgewerkt.

10
Is er genoeg kunstmest beschikbaar om de afbouw van dierlijke mest te kunnen compenseren?

Antwoord
De afbouw van de bemestingsnorm voor stikstof uit dierlijke mest is in de conceptderogatiebeschikking in de eerste jaren (2023 en 2024) beperkt. De extra behoefte aan stikstofkunstmest zal daarom ook beperkt zijn. De kwantitatieve beschikbaarheid van kunstmest in Nederland wordt niet publiek gemonitord. Er zijn in Nederland een paar grote kunstmestproducenten, zoals Yara Sluiskil en OCI-Nitrogen in Geleen, die stikstofkunstmest produceren voor de Noord West Europese markt. Op dit moment hebben zij de productie in verband met de hoge gasprijs afgeschaald. Zij geven aan dat er momenteel nog wel meststoffen worden geleverd, maar dat er in het winterseizoen minder meststoffen gevraagd worden. Als de gasprijs voor langere tijd hoog blijft zal de beschikbaarheid van kunstmest onder druk kunnen komen staan.

11
Kunt u toelichten wat de stand van zaken is rondom een derogatie voor kunstmestvervangers van dierlijke oorsprong (welke voldoen aan de RENURE-criteria van het Joint Research Centre (JRC))? Onderschrijft u dat er meer inzet moet komen op het toestaan van het gebruik van kunstmestvervangers?

Antwoord
Nederland heeft in april 2022 een aanvraag voor een landen-specifieke oplossing voor het gebruik van deze RENURE-producten ingediend bij de Europese Commissie, mede naar aanleiding van de motie Van der Plas, Bisschop en Boswijk (Kamerstuk 21501-32, nr. 1403). Dit maakte deel uit van de besprekingen met de Europese Commissie over de derogatie voor graasdiermest. De EC beschouwt kunstmestvervanging echter als een separaat traject. Ik zal mij intensief blijven inzetten voor kunstmestvervanging door dierlijke mest in Europees verband in nauwe samenwerking met andere lidstaten.

12
Hoe wordt de transitie naar kunstmestvervangers vormgegeven? Is hier al een concreet plan voor en op welke manier wordt dit gefinancierd?

Antwoord
Een transitie naar het gebruik van kunstmestvervangers kan worden ingezet als er duidelijkheid is van de Europese Commissie onder welke voorwaarden dierlijke mest verwerkt moet worden om het in te zetten als een kunstmestvervanger. Nederland heeft een verzoek bij de Europese Commissie ingediend dat uitgaat van de RENURE-criteria die ontwikkeld zijn door het Joint Research Centre (JRC). Nederland heeft 48 miljoen euro gereserveerd om mest verwerkende bedrijven te stimuleren dierlijke mest hoogwaardig te verwerken. Op dit moment wordt de subsidieregeling hoogwaardige mestverwerking vormgegeven, waarbij ook de RENURE-criteria leidend zullen zijn. Naar verwachting wordt deze in het vierde kwartaal van 2022 opengesteld.

13
Hoe zorgt u ervoor dat per 1 januari 2023 (of zoveel eerder als mogelijk) de inzet van kunstmestvervangers van dierlijke oorsprong (welke voldoen aan de RENURE-

criteria van het JRC) bovenop de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest in Nederland mogelijk is?

Antwoord
Nederland heeft een verzoek bij de Europese Commissie, DG Milieu ingediend voor een landen-specifieke oplossing. Gevraagd is het gebruik van deze RENURE-producten voor de gebruiksnormen niet langer te mogen beschouwen als het gebruik van dierlijke mest, maar van kunstmest. Nederland zal zich ervoor inspannen de gesprekken over dit dossier na het vaststellen van de beschikking door het Nitraatcomité te vervolgen. Mocht dit niet leiden tot een oplossing voor 31 december 2022, dan zal gestreefd worden naar verlenging van de huidige pilots mineralenconcentraat en Kunstmestvrije Achterhoek.

14
Hoe staat het afbouwen van derogatie in verhouding tot de ambitie om als land minder afhankelijk te zijn van gas, aangezien bij de productie van kunstmest veel gas gebruikt wordt en CO2 vrijkomt bij het transport van kunstmest?

Antwoord
Deze derogatie bevat een afbouwpad voor het gebruik van stikstof uit dierlijke mest. Daarnaast worden er in nutriënt verontreinigde gebieden aanvullende eisen gesteld, zoals een verlaging van de stikstofgebruiksnormen vanaf 2025, wat het totale gebruik van stikstof (dierlijke mest en kunstmest) zal verlagen. Wat het effect is op het totale gasgebruik is niet bekend. Ik zal mij blijven inspannen om de gesprekken met de Europese Commissie over het gebruik van RENURE-producten te vervolgen. Het gebruik van deze producten kan bijdragen aan het verminderen van gasgebruik.

15
Op welke manier wordt ervoor gezorgd dat dit plan praktisch uitvoerbaar is voor de agrarische sector?

Antwoord
De afbouw en het verdwijnen van de derogatie gaat een grote inspanning vergen van de agrarische sector, zeker in combinatie met de andere opgaven waar de sector mee geconfronteerd wordt. Ik zal met de sector in gesprek gaan zodra de beschikking is vastgesteld en openbaar is.

16
Op welke manier kan de ambitie op het gebied van grondgebondenheid nog gehaald worden wanneer er een afbouwplan voor derogatie komt? Zijn de gewenste Grootvee eenheden (GvE)-normen dan nog wel realistisch? Onderschrijft u hiermee ook dat het belang van het gebruik van kunstmestvervangers alleen maar meer toeneemt?

Antwoord
Ik ben momenteel bezig met de nadere uitwerking van grondgebondenheid. Hierbij betrek ik de gevolgen van de afbouw van de derogatie.

17

Welk effect heeft het verdwijnen van derogatie op de bodemvruchtbaarheid?

Antwoord
Als er geen derogatie wordt verleend zal de hoeveelheid dierlijke mest die wordt toegepast worden beperkt. In veel gevallen zal dit gaan over runderdrijfmest en varkensdrijfmest. Deze mestsoorten bevatten wel organische stof, maar niet veel. Hierdoor kan het organische stof gehalte van de boem wat gaan afnemen. Echter is het wel zo dat door toepassen van vanggewassen, rustgewassen en compost een grote verbetering van de bodemkwaliteit kan worden gerealiseerd. Deze maatregelen kunnen buiten de normen voor dierlijke mest worden toegepast.

18
Bent u ervan op de hoogte dat de maatwerkaanpak als alternatief op het generieke 7e actieprogramma voor de Nitraatrichtlijn (APN) nu voor veel boeren geen alternatief meer is, gezien het feit dat de bufferstroken verplicht generiek worden verbreed? Kunt u aangeven wat de consequenties hiervan op het Nationaal Strategisch Plan (NSP) en Gemeenschappelijk Landbouwbeleid (GLB) zijn?

Antwoord
Voor het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn en het Gemeenschappelijk Landbouwbeleid zullen dezelfde teeltvrije zones gaan gelden, waarbij de zones gelden voor zowel mest als gewasbeschermingsmiddelen. Daarbij worden de teeltvrije zones (bufferstroken onder het GLB) in de conditionaliteit opgenomen en zijn daarmee een voorwaarde om aan het GLB te kunnen meedoen. Het gezamenlijke traject om te komen tot een handhaafbare, uitvoerbare, controleerbare en betaalbare aanpak die tot een gelijkwaardig of grotere waterkwaliteitsverbetering zal leiden als een deel van de maatregelen uit het 7e actieprogramma Nitraatrichtlijn, loopt momenteel nog. Ik wil hier niet op vooruitlopen op de uitkomsten van dit traject.

19
Hoe wordt de markt voor varkensmest opgevangen, aangezien bij het verliezen van de derogatie akkerbouwers eerder zullen kiezen voor melkveemest en de vraag naar varkensmest daarmee zal dalen?

Antwoord
De akkerbouwer maakt een afweging in kosten en opbrengsten, en de nutriënten en organische stof in de mest. Daarbij is rundveemest vaak gunstiger qua nutriëntenverhouding en gehalte organische stof. De mestmarkt zal zich in de komende jaren moeten gaan zetten naar de nieuwe situatie, en daarbij spelen er meerdere factoren een rol zoals bijvoorbeeld de totale mestproductie, de nutriënten in de mest en de mest afzetmogelijkheden. Naar verwachting heeft de afname van de mestplaatsingsruimte voor stikstof in dierlijke mest ten gevolge van de conceptderogatiebeschikking indirect gevolgen voor de afzet van varkensmest. Het is gezien de andere factoren die hier ook een belangrijke rol in hebben moeilijk te voorspellen in hoeverre. De verwerking en daarmee plaatsing buiten de Nederlandse landbouw van een deel van het fosfaatoverschot is gereguleerd.

20
Hoe wordt omgegaan met de waarschijnlijke wijziging van het bouwplan van melkveehouders, aangezien het aantrekkelijker zal worden om af te wijken van de 80/20 regel, wat uiteindelijk ook effect heeft op de waterkwaliteit?

Antwoord
Ik zet mij omwille van de waterkwaliteit in voor het op peil houden van het areaal grasland in Nederland, onder andere door met de tijdelijke transitietegemoetkomingsregeling deelname aan derogatie te stimuleren en hiermee het aandeel grasland op peil te houden. In voornoemde brief van 5 september jl. is aangegeven dat het kabinet gaat onderzoeken op welke wijze in de periode tussen de afloop van de derogatie en de invoering van de wettelijke verplichting voor een aandeel grasland in het kader van grondgebonden melkveehouderij, het behoud van grasland kan worden geborgd.

21
Bent u ervan op de hoogte dat alle dierlijke mest van graasdierbedrijven al op het land is uitgereden en er nog geen duidelijkheid is over wat nu wel en niet is toegestaan? Hoe worden bedrijven tegemoetgekomen die nu te veel mest voor een verhoogde prijs hebben afgezet of in opslag hebben?

Antwoord
In voornoemde brief van 5 september 2022 is de Tweede Kamer geïnformeerd dat de derogatienormen in 2022 gelijk zijn aan die in de voorgaande beschikking. De inzet is er steeds op gericht geweest gedurende het uitrijdseizoen duidelijkheid te kunnen geven over de inhoud van de derogatie. Ik besef goed dat het voor boeren tot onzekerheid heeft geleid dat deze duidelijkheid pas na het mest-uitrijdseizoen is gekomen.

22
Bent u ervan op de hoogte dat de extra eisen die worden opgelegd om een derogatie toegewezen te krijgen zeer streng zijn, waardoor boeren met percelen in de 34 meest kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden uitgesloten worden van derogatie terwijl zij al jaren werken aan de waterkwaliteit? Vindt u ook dat juist deze boeren moeten worden beloond? Wegen de voordelen van het verdwijnen van derogatie (verbeterde waterkwaliteit) nog op tegen de nadelen?

Antwoord
De inhoud van de conceptbeschikking hierover is op dit moment nog vertrouwelijk en ik verwijs naar de toelichting over de vertrouwelijkheid voorafgaand aan de beantwoording van deze feitelijke vragen.

23
Welke impact heeft een afbouwpad voor derogatie op de nog te ontwikkelen en uit te voeren gebiedsgerichte aanpak?

Antwoord
In voornoemde brief van 5 september 2022 (Kamerstukken II 2021/22, 33037, nr. 450) aan de Tweede Kamer is aangegeven dat voor de realisatie van de doelen van het Nationaal Programma Landelijk Gebied (hierna: NPLG) tot 2030 de tijd is.

Het afbouwpad van de derogatie zorgt ervoor dat de derogatiedeelnemers al sneller voor een transitieopgave staan. Bezien zal worden of en hoe dit in de gebiedsprocessen en in de gebiedsprogramma's nader zou kunnen worden geconcretiseerd zodat er maatwerk per gebied kan worden geleverd. In de brief over de toekomst van de landbouw zal ik verder ingaan op de toekomst voor de agrarische sectoren en de rol die de overheid daarin heeft.

24
Op welke wijze heeft u uitvoering gegeven aan motie van de leden Bisschop, Geurts en Lodders waarin de regering onder andere verzocht werd de Kamer zo veel als mogelijk te informeren over de verschillende stappen en contactmomenten bij de derogatieonderhandelingen met betrekking tot de aanvullende voorwaarden, de opstelling van het ministerie daarbij en de wijze waarop de sector betrokken is geweest? Kunt u in dat kader een tijdlijn van het afgelopen jaar schetsen? 2)

Antwoord
De betreffende motie ziet op de onderhandelingen over de derogatieverlening voor de jaren 2020 en 2021. Ik heb de Tweede Kamer hierover in verband met de vertrouwelijkheid van onderhandelingen tot op heden nog niet geïnformeerd en zal dit zo spoedig mogelijk doen. Ik zal de correspondentie met de Europese Commissie over de derogatieonderhandelingen eveneens zo spoedig met de Tweede Kamer te delen. Ik kan echter hierover nog niet precies aangeven wanneer dit dat zal zijn, omdat hierover ook afstemming met de Europese Commissie nodig is en dit er mogelijk toe kan leiden dat informatie niet verstrekt kan worden.
Ten aanzien van de tijdlijn kan ik de Tweede Kamer het volgende informeren. De gesprekken over verlening van derogatie kunnen niet los worden gezien van de gesprekken met de Europese Commissie over de totstandkoming van het 7$^{e}$ actieprogramma Nitraatrichtlijn (hierna: 7$^{e}$ AP) en het addendum daarop. Dit is gelegen in het feit dat een actieprogramma ten grondslag ligt aan verlening van derogatie. In onderstaande tijdlijn zijn de belangrijkste overleggen en contactmomenten van de minister van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit (LNV) en het ministerie van LNV met de diensten van de Europese Commissie (hierna: EC) over de besluitvormingsprocedure naar derogatie weergegeven. Bij deze gesprekken is in bijna alle gevallen de Permanente Vertegenwoordiging van Nederland bij de EU (PV-EU) aanwezig geweest evenals een ambtelijke vertegenwoordiging van het ministerie van Infrastructuur en Waterstaat. Gedurende deze periode is er ook op verschillende momenten en bij/en marge van verschillende bijeenkomsten contact geweest tussen de minister van LNV en de Europees Commissaris voor Milieu en van de minister-president en de voorzitter van de Europese Commissie. Hierbij dient te worden opgemerkt dat dit geen uitputtende lijst is. De sector is op gezette tijden op verschillende niveaus geïnformeerd over de stand van zaken ten aanzien van derogatie.
*Eerste helft 2021*
Begin 2021 heeft een ambtelijk overleg plaatsgevonden tussen de EC en LNV over het traject van het 7$^{e}$ AP en het traject naar derogatieverlening. Als gevolg van het controversieel verklaard zijn van het mestbeleid door de Kamer in de eerste helft van 2021, was het niet mogelijk in de eerste helft van 2021 inhoudelijke gesprekken te voeren met de EC over de inhoud van het 7$^{e}$ AP.

In mei 2021 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over de stand van zaken met betrekking tot het 7e AP in verband met de politieke context in Nederland. In juni 2021 is hierover hoogambtelijk contact geweest tussen de EC en LNV.
In de zomer van 2021 zijn ambtelijke contacten tussen de EC en LNV geweest over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van september 2021 ten behoeve van het geven van de eerste presentatie in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. Op 15 september 2021 heeft Nederland in dit verband de 1e presentatie in het Nitraatcomité gegeven.
*Tweede helft 2021*
Medio september 2021 heeft ambtelijk overleg tussen de EC en LNV plaatsgevonden over de inhoud van het ontwerp 7e AP. Eind september 2021 heeft de EC gereageerd op het ontwerp 7e AP. In november 2021 hebben diverse ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV. In november 2021 heeft hoogambtelijk overleg plaatsgevonden tussen de EC en LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 15 december 2021 ten behoeve van het geven van de tweede presentatie in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. In november 2021 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van december 2021. In december 2021 is overleg geweest van Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 15 december 2021. Nederland heeft in het Nitraatcomité van 15 december 2021 niet de 2e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening (Kamerstuk 33037, nr. 433). In deze periode is ambtelijk contact geweest van de PV-EU met de kabinetten van de Voorzitter van de Europese Commissie, de vicevoorzitter van de Europese Commissie en de Europees Commissaris voor Milieu.
*1e kwartaal 2022*
In januari 2022 is overleg geweest van de Europees Commissaris voor Milieu met de minister van LNV over de inhoud van het coalitieakkoord in relatie tot het 7e AP en de mogelijkheid van het geven van de 2e presentatie in het Nitraatcomité, zodat derogatie in zicht bleef. In de tweede helft van januari 2022 is hoogambtelijk contact geweest tussen LNV en de EC. In februari heeft ambtelijk overleg plaatsgevonden tussen LNV en de EC over de inhoud van het coalitieakkoord en het addendum op het 7e AP. In februari 2022 hebben ambtelijk contacten tussen de EC en LNV plaatsgevonden over de inhoud van het addendum op het 7e AP. Eind februari 2022 is overleg geweest tussen de Europees Commissaris voor Milieu en de de minister van LNV over agendering van Nederland in het Nitraatcomité van 17 maart 2022. Nederland heeft in het Nitraatcomité van 17 maart 2022 de 2e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening. In maart 2022 is ambtelijk overleg geweest tussen LNV en de EC over de inhoud en voorwaarden van een derogatie.
*April – 9 september 2022*
In de periode april 2022 tot en met juni 2022 hebben ambtelijke overleggen en ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV over de inhoud en voorwaarden van een derogatie. Op 15 juni 2022 heeft Nederland in het Nitraatcomité de 3e presentatie in het Nitraatcomité gegeven in het kader van de besluitvormingsprocedure naar derogatieverlening.

In juli 2022 zijn hoogambtelijke en ambtelijke overleggen en contacten geweest tussen de EC en LNV over de inhoud en voorwaarden van een derogatie. In juli 2022 heeft overleg plaatsgevonden met de vicevoorzitter van de Europees Commissie en de minister van LNV, en de Europees Commissaris voor Milieu en de minister van LNV. In deze periode zijn contacten van de Minister-President geweest met de voorzitter van de Europese Commissie. In augustus en september 2022 hebben ambtelijke contacten plaatsgevonden tussen de EC en LNV. Op 15 september 2022 is stemming in het Nitraatcomité over de conceptderogatiebeschikking voorzien. Op 5 september 2022 (Kamerstuk 33037, nr. 450) heeft de minister van LNV de hoofdlijnen van de conceptderogatiebeschikking met het parlement gedeeld.

**Van:** 5.1.2.E 5.1.2.E )
**Verzonden:** donderdag 15 september 2022 15:12
**Aan:** 5.1.2.E ( 5.1.2.E )
**Onderwerp:** Spreeklijn MR morgen derogatie
**Bijlagen:** Spreeklijn MR 16 september 2022 over derogatie van de Nitraatrichtlijn.docx

Hoi 5.1.2.E

Hierbij, 5.1.2.E is akkoord.

Met vriendelijke groet,

5.1.2.E

Team Mest
Directie Plantaardige Agroketens en Voedselkwaliteit

Ministerie van Landbouw, Natuur en Voedselkwaliteit
Bezuidenhoutseweg 73 2594 AC Den Haag
Postbus 20401 2500 EK Den Haag

**T** 5.1.2.E
**BGG** 5.1.2.E
**E** 5.1.2.E @minlnv.nl
Flexplek: A Noord 4e verdieping

**Spreeklijn MR 16 september 2022 over derogatie van de Nitraatrichtlijn**

- De lidstaten hebben gisteren in het Nitraatcomité een positief advies gegeven over een derogatie aan Nederland. Hierover heb ik de Tweede Kamer inmiddels geïnformeerd.
- De Europese Commissie zal de derogatiebeschikking in het College van Commissarissen nu vaststellen. Dit zal naar verwachting nog enkele weken duren. Dan zal de beschikking ook openbaar kunnen worden.
- Dit betekent dat boeren in 2022 gebruik kunnen maken van de derogatienorm zoals deze ook in 2021 gold. Hiervoor zullen zij nog wel een vergunning moeten aanvragen [in november voorzien].
- Aandachtspunt is dat de inhoud van de aanvullende voorwaarden nog niet bekend is. De consequenties hiervan zullen groot en ingrijpend zijn en ik verwacht dat dit maatschappelijk en politiek tot ophef zal leiden.
- De transitietegemoetkomingsregeling die op 5 september jongstleden is aangekondigd zal slechts in een deel van de kosten voorzien voor eerdere derogatiedeelnemers die in 2023 derogatie aanvragen. En is geen compensatie voor alle kosten.
- De naleving op het mestbeleid en fraude met mest was één van de grotere onderwerpen in het Commissiedebat over derogatie van afgelopen week.
- Ook is in het Commissiedebat aandacht gevraagd voor de positie van boeren die zich in 2022 wel aan de regels hebben gehouden en niet meer mest hebben uitgereden.
- Ik verwacht dat hierop een motie zal worden ingediend tijdens het Tweeminutendebat, die mogelijk zal oproepen tot uitbreiding van de transitietegemoetkomingsregeling.

Inhoudelijk:

- Het is de laatste derogatie van de Nitraatrichtlijn voor het plaatsen van onbewerkte dierlijke mest die aan Nederland wordt verleend. Vanaf 2026 zal Nederland geen derogatie meer aanvragen.
- De derogatie kent vanaf 2023 een afbouwpad waarbij jaarlijks de hoogte van de stikstofgebruiksnorm voor dierlijke mest naar beneden wordt bijgesteld. Vanaf 1 januari 2026 is er geen derogatie meer en is de gebruiksnorm 170 kg gebruiksnorm stikstof uit dierlijke mest.
- Aanwijzing van zogenaamde 'polluted areas' in het kader van eutrofiëring van water (Kaderrichtlijn Water) per 1 januari 2023. Voor deze nog aan te wijzen gebieden zal het laagste derogatieregime gelden.
- In alle Natura 2000 gebieden wordt geen derogatie verleend. Vanaf 2024 vindt geen verlening van derogatie meer plaats 'nabij' de Natura 2000 gebieden. Die gebieden moeten nog worden aangewezen.
- Het niet verlenen van derogatie in voor nitraat kwetsbare grondwaterbeschermingsgebieden per 2023.
- Het nationale mestproductieplafond voor stikstof en fosfaat wordt geactualiseerd naar het niveau van 2020 en er vindt graduele bijstelling plaats met 10%-reductie in 2025.
- De omvang van de graduele verlaging van de totale bemestingsnorm met 20% in 2025 in de aangewezen 'polluted areas'.
- Het percentage fysieke controles door de NVWA blijft op 5%.
  Een aanpassing in de omvang van de generieke bufferstroken langs waterlopen.